श्री

आगम-सुधासिन्धुः

विभाग : २

संपादक : संशोधक श्च

पू. पन्न्यास श्री जिनेन्द्रविजयजी गणिवर

श्री हर्षपुष्पामृत जैन ग्रन्थमाला-ग्रन्थाङ्कः-६४

श्री महावीर जिनेन्द्राय नमः ।
तपोमूर्ति पूज्याचार्यदेवश्रीविजयकर्पूरसूरिगुरुभ्यो नमः
हालारदेशोद्धारक-पूज्याचार्यदेवश्रीविजयामृतसूरिगुरुभ्यो नमः ।

श्री
आगम-सुधा-सिन्धुः
द्वितीयो विभागः

पञ्चमगणधर श्रीसुधर्मस्वामि-प्रणीतस्य श्रीमद्भगवतीसूत्रापरनाम्नः
श्रीमद्व्याख्याप्रज्ञप्तिसूत्रस्य पूर्वार्धात्मकः

卐

संपादकः संशोधकश्च
तपोमूर्ति-पूज्याचार्यदेवश्रीमद्विजयकर्पूरसूरीश्वर-पट्टालङ्कार-हालारदेशोद्धारक-
कविरत्न-पूज्याचार्यदेवश्रीमद्विजयामृतसूरीश्वर-विनेयः
पंन्यास-श्री-जिनेन्द्रविजय-गणी

卐

प्रकाशिका-
श्री हर्षपुष्पामृत जैन ग्रन्थमाला
लाखाबावल-शांतिपुरी (सौराष्ट्र)

प्रकाशिका–
श्री हर्षपुष्पामृत जैन ग्रन्थमाला
लाखाबावल-शांतिपुरी (सौराष्ट्र) गुजरात

वीर सं० २५०२] विक्रम सं० २०३२ [सन् १९७६

आ आगमना अधिकारी योगवाही गुरुकुलवासी
सुविहित मुनिवरो छे.

मूल्य रु. ६५–००

मुद्रक:–
गौतम आर्ट प्रिन्टर्स
ब्यावर (राजस्थान)

संपादकीय निवेदन

निष्कारणबंधु विश्ववत्सल चरमशासनपति श्रमण भगवान महावीरदेवे भव्यजीवोना हितने माटे स्थापेल शासन आजे विद्यमान छे अने विषमकालमां पण भव्य जीवोने माटे सर्वज्ञ परमात्मानुं ए शासन परम आलंबन रूप छे. तीर्थंकरदेवोनी अविद्यमानतामां तेओश्रीनी वाणी शासनना प्राण स्वरूप होय छे. श्री तीर्थंकरदेवोओ अर्थथी प्ररूपेल अने गणधरदेवोओ सूत्रथी गूंथेल अे जिनवाणी हितकांक्षी पुन्यात्माओ माटे अमृत तुल्य छे.

विद्यमान आगम श्रुतज्ञानमां मुख्यतया ४५ आगम गणाय छे. ते उपरांत पण ८४ आगमनी गणतरीने हिसाबे बीजुं पण केटलुंक आगम रूपी श्रुतज्ञान विद्यमान छे. आगम सूत्रो उपर निर्युक्तिओ, भाष्यो, चूर्णिओ अने टीकाओ रचायेल छे. अने अेथी सूत्र सहित आगमनी अे पंचांगी जैन शासनमां मान्य छे. तेना आधारे वर्तमान ज्ञानाचार, दर्शनाचार, चारित्राचार, तपाचार अने वीर्याचार रूप व्यवहार प्रवर्ते छे, सम्यग्दर्शन सम्यग्ज्ञान अने सम्यग्चारित्र रूप मुक्ति-मार्ग प्रवर्तमान छे.

पंचांगीनो वाचना, पृच्छना, परावर्तना, अनुप्रेक्षा अने धर्मकथा रूप पंचलक्षण स्वाध्याय जेटलो जोरदार तेटली श्री संघमां सम्यग्ज्ञाननी शुद्धि जोरदार, तेनाथी ज्ञानाचार उज्वल, उज्वल ज्ञानाचारथी दर्शनाचार उज्वल, उज्वल दर्शनाचारथी चारित्राचार उज्वल, उज्वल चारित्राचारथी तपाचार उज्वल अने अे चारे उज्वल आचारथी वीर्याचार उज्वल. वीर्याचारनी उज्वलताथी जैनशासन उज्वल. ए उज्वल जैन शासन सदा जयवंत वर्ते छे.

आम शासननो आधार कहो के पायो कहो, मूल कहो के प्राण कहो, अे श्री जिनवाणी छे अने ते जिनवाणी ४५ मूल आगम सहित पंचांगी स्वरूप छे. पंचांगीने अनुसरता प्रकरण ग्रन्थो यावत् स्तवन सज्झाय के नाना निबंध के वाक्य स्वरूप छे. उपशम विवेक संवर अे त्रिपदी स्वरूप जिनवाणीथी घोर पापी चिलातीपुत्र पतनना मार्गथी नीकली प्रगतिमार्गना मुसाफीर बनी गया हता.

४५ मूल आगमना अधिकारी योगवाही गुरुकुलवासी सुविहित मुनिवरो छे, साध्वीजी महाराजो श्रीआवश्यक सूत्र आदि मूल सूत्रोना तेमज श्रीआचारांग सूत्रना योगवहन करवा

पूर्वक अधिकारी छे. श्रावक श्राविकाओ उपधान वहन करवा पूर्वक श्री आवश्यक सूत्र उपरांत दशवैकालिकसूत्रना षड्जीव-निकाय-नामना चोथा अध्ययन पर्यंतना श्रुतना अधिकारी छे. आम आगमश्रुतना अधिकारी मुनिवरो योगवहन करवा पूर्वक योग्यता मुजब अध्ययन आदि करीने पोताना ज्ञान दर्शन चारित्रने निर्मल बनावे छे अने योग्यता मुजब धर्मकथा द्वारा जिणवाणीनुं पान करावी साधु-साध्वी श्रावक-श्राविका रूप चारे प्रकारना संघने तेमज मार्गाभिमुख जीवोने मुक्तिमार्ग प्रदान करे छे.

४५ आगमसूत्रो ६ विभागोमां वहेंचायेल छे. (१) अंगसूत्रो-११ (२) उपांगसूत्रो-१२ (३) पयन्नासूत्रो-१० (४) छेदसूत्रो-६ (५) मूल सूत्रो-४ (६) चूलिकासूत्रो-२. आ सूत्रोनुं स्वाध्याय आदि अध्ययन वधे ते माटे उपयोगी बने ते रीते ४५ मूल सूत्रो श्वेताम्बर मूर्तिपूजक श्रीसंघमां सळंग मुद्रित नथी अने जेथी आगम सूत्रोना स्वाध्याय आदिनी अनुकूलता थाय ते माटे शक्य प्रयत्ने संशोधन करीने प्रगट करवानी योजना विचारवामां आवी छे, ते योजना मुजब ४५ आगमसूत्रो १४ विभागमां संपादन थशे.

पहेलो, चोथो, आठमो, बारमो, तेरमो, चौदमो विभाग प्रगट थया पछी आ बीजो विभाग संपादित थयेल छे. आ विभागमां श्री व्याख्याप्रज्ञप्ति अपरनाम श्री भगवतीसूत्रना १२ शतक सुधी पूर्वार्ध आपवामां आवेल छे. श्रीभगवतीसूत्रनी रचना गणधरदेव श्रीमत्सुधर्मस्वामी भगवाने करी छे.

आ श्री भगवतीसूत्रना संपादनमां बाबुश्री धनपतसिंहजी प्रकाशित सटीक भगवतीसूत्र, पूज्य आगमोद्धारक आचार्यदेवश्रीसागरानंदसूरीश्वरजी महाराज संशोधित श्री आगममंजूषा, श्री आगमोदयसमिति प्रकाशित पूज्य आचार्यदेव श्री अभयदेवसूरीश्वरजी महाराज विरचित टीका सहितनुं श्रीभगवतीसूत्र, श्री ऋषभदेवजी केशरीमलजी पेढी प्रकाशित सटीक श्री भगवती सूत्र, तेमज पूज्य आचार्यश्री दानशेखरसूरीश्वर विरचित टीका तेमज पं. हीरालाल हंसराज प्रकाशित श्री भगवतीसूत्र, श्रीमहावीरविद्यालय प्रकाशित श्रीभगवतीसूत्र प्रथम भाग विगेरे प्राप्त प्रकाशनोनो उपयोग कर्यो छे. ते सौ प्रत्ये कृतज्ञता प्रगट करुं छुं.

टीकाओ आदिमां रहेला पाठांतरो मेलवीने मूलपाठ जोडे कौंशमां आपेला छे.

श्री श्रमण संघमां आगमो कंठस्थ करवामां, स्वाध्याय करवामां, विस्तृत टीकाओना वांचन पछी मूलसूत्रोनुं पुनरावर्तन करवामां, आ मूल सूत्रोना संयुक्त संपादन थी घणी अनुकूलता रहेशे. अने जेथी उत्साही मुनि भगवंतो होंशे होंशे सूत्रो कंठस्थ करीने आगम श्रुतने धारण करवा माटे पण समर्थ बनी शकशे. २, ५, के १०, २० सूत्र कंठस्थ करनारा

घणा मुनिवरो तैयार थशे अने पुरतो प्रयत्न थाय तो लगभग अेक लाख श्लोक प्रमाण मूल सूत्रो कंठस्थ करी धारी राखनारा अनेक गणो मुनिवरोमां थइ शकशे. 'ज्ञानधनाः साधवः' 'शास्त्रचक्षुषः साधवः' अे विधान मुजब श्रमण संघना प्राण समान आ आगम सूत्रोनुं श्री श्रमण भगवंतो द्वारा विशेष परिशीलन थतां श्रीसंघने माटे श्री शासन ने माटे घणी उज्वलता फेलाशे. अने अे आशयथी स्वपरना श्रेयकारी आगम सूत्रोनां संशोधन संपादनमां अविरत उत्साह प्रवर्तमान छे.

प्रकाशननी सगवडता माटे श्री गौतम आर्ट प्रिन्टर्स (ब्यावर) ना व्यवस्थापक श्री छगनलालभाई अे जे खंत अने उत्साह बताव्या छे तेने कारणे आ प्रकाशनो समयसर प्रकाशित थइ रह्यां छे.

चरम तीर्थपति श्रमण भगवान महावीर देवे प्रकाशेल जिनवाणीनो प्रभाव पांचमा आराना छेडा सुधी रहेशे. अे ज्वलंत जिनवाणीनो प्रकाश आपणा आत्माने योग्यता अने अधिकार मुजब अजवालनारो बने अने जिनवाणीनी आ उपासनाभक्तिमां भावना पूर्वक रस लइ रह्यो छुं तेनो भावोल्लास टकी रहे अने सौ श्रुत आराधनामां उजमाल बनीअे एज मारा अंतरनी शुभ अभिलाषा छे.

वीर सं० २५०२ वि० सं० २०३२
ज्येष्ठ वद ५ बुधवार
ता. १६-६-७६
आराधना भवन एस. के. बोले रोड
दादर मुंबइ-२८

हालारदेशोद्धारक
कविरत्न पूज्य आचार्यदेव श्रीमद्विजय-
अमृतसूरीश्वरजी महाराजानो
चरणसेवक
पं० जिनेन्द्रविजय गणी

प्रकाशकीय निवेदन

अमारी ग्रन्थमाला तरफथी आ श्रीआगमसुधासिन्धु बीजो विभाग मूल प्रगट करता आनंद अनुभवीए छीए. हालमां ४५ आगम मूल अने केटलाक आगम टीका सहित प्रगट करवानुं काम शरू करतां आ ग्रन्थ नागरी लिपिमां मोटा टाइपमां प्रगट करेल छे. आ प्रकाशन पूर्वे श्री आगम-सुधा-सिन्धुना पहेलो, चोथो, आठमो, बारमो, तेरमो चौदमो विभाग प्रगट थई गया छे. हाल त्रीजा, छट्ठा अने अग्यारमा विभागनुं मुद्रण चाली रह्युं छे.

आ ग्रन्थनुं संशोधन संपादन हालारदेशोद्धारक कविरत्न स्व. पू० आचार्यदेव श्रीमद्-विजयअमृतसूरीश्वरजी महाराजना शिष्यरत्न पू० पंन्यासश्री जिनेन्द्रविजयजी गणिवरे घणी खंत थी करेल छे.

कागल छपाइ आदिना भाव वधवाने कारणे खर्च धार्या करतां वधु आवे छे. मोटा टाइपमां मुद्रित करतां पेज वधारे थाय छे. परंतु टकवानी अने अभ्यासनी दृष्टिए अनुकुलता रहेशे.

आगम सूत्रोना अधिकारी योगवाही गुरूकुलवासी सुविहित मुनिओ छे. ए शास्त्रविधि मुजब पूज्य श्रमणसंघमां आगम वांचनादिमां अनुकुलता थाय ते रूप आ श्रुतभक्ति करतां अमे आनंद अनुभविए छीए.

श्री भगवतीसूत्रना १२ शतक सुधीना सूत्रो आ बीजा विभागमां प्रगट थइ रह्यां छे. त्रीजा भागमां श्री भगवती सूत्र पूरुं थशे. ४५ मूल आगम १४ विभागमां प्रगट थशे. सटीक आगमोमां श्रीमदन्तकृद्दशा, श्रीमदन्तरोपपातिकदशा अने श्रीमदुपासकदशा सूत्र तैयार थइ गयां छे. मुद्रण माटे श्री गौतम आर्ट प्रिन्टर्सना व्यवस्थापकोओ सारी खंत राखी छे तो तेमनो आभार मानीओ छीओ.

वीर संवत् २५०२ वि० सं० २०३२
अषाड सुद ६ शनिवार
ता. ३-७-७६

लि:-
छोटालाल डायालाल नागडा
देवचंद कचराभाइ गुढका

卐 अनुक्रमणिका 卐

प्रथमशतक

क्रमः	उद्देशकः		पृष्ठांक
१	चलन	....	१
२	दुःखविषय	... .	११
३	काङ्क्षाप्रदोष	....	१७
४	प्रकृति	....	२०
५	पृथिवी	....	२३
६	यावन्त	....	२८
७	नारक	....	३२
८	आयु	.... —	३६
९	गुरुत्व	... .	४०
१०	चलनादि	... .	४६

द्वितीयशतक

१	उच्छ्वास-स्कन्दक	....	४९
२	समुद्घात	....	६५
३	पृथिवी	....	६५
४	इन्द्रिय	....	६५
५	अन्ययूथिक	... .	६५
६	भाषा	... .	७४
७	देव	... ...	७५
८	चमरचञ्चा	....	७५
९	समयक्षेत्र	....	७७
१०	अस्तिकाय	....	७७

तृतीयशतक

१	विकुर्वणा	....	८१
२	चमर	....	९८
३	क्रिया	... .	११०
४	ज्ञान	— —	११३
५	स्त्रीविकुर्वणा	....	११६
६	नगर	....	११८
७	लोकपाल	... .	१२१
८	अधिपति	....	१२६
९	इन्द्रिय	-- ...	१२८
१०	परिषद्	... .	१२८

चतुर्थशतक

१-४	विमान	... ...	१२८
५-८	राजधानी	... ...	१२९
९	नारक	....	१२९
१०	लेश्या	... .	१३०

पञ्चमशतक

१	चम्पारवि	... .	१३०
२	अनिल	....	१३५
३	ग्रन्थी	....	१३७
४	शब्द	....	१३९
५	छद्मस्थ	....	१४६
६	आयु	....	१४७
७	एजन	... .	१५१
८	निर्ग्रन्थिपुत्र	....	१५७
९	राजगृह	... .	१६१
१०	चम्पाचंदिमा	....	१६४

षष्ठशतक

१	वेदना	....	१६४
२	आहार	....	१६७
३	महाश्रव	... .	१६७
४	प्रदेश	... ...	१७१
५	तमस्काय	... .	१७५
६	भव्य	....	१८०
७	शाली	....	१८२
८	पृथिवी	... .	१८५
९	कर्म्म	... .	१८८
१०	अन्ययूथिक	....	१९०

सप्तमशतक

क्रमः	उद्देशकः		पृष्ठांकः
१	आहार	....	१९२
२	विरति	... ...	१९७
३	स्थावर	... .	२०१
४	जीव	... ...	२०४
५	पक्षी	....	२०४
६	आयु	—	२०५
७	अणगार	....	२०६
८	छद्मस्थ	....	२१२
९	असंवृत	... .	२१३
१०	अन्ययूथिक	....	२२०

अष्टमशतक

१	पुद्गल	— —	२२५
२	आशीविष	— ...	२३८
३	वृक्ष	— —	२५१
४	क्रिया	— ...	२५२
५	आजीविका	— —	२५३
६	प्रासुकदान	... —	२५७
७	अदत्तादान	... —	२६१
८	प्रत्यनीक	... ...	२६५
९	बन्ध	— —	२७२
१०	आराधना	... —	२८६

नवमशतक

१	जंबूद्वीप	— —	२९२
२	ज्योतिष्क	... ...	२९२
३-३०	अन्तरद्वीप	— —	२९३
३१	अश्रुत्वा	... ...	२९४
३२	गाङ्गेय	— —	३०३
३३	ब्राह्मणकुण्डग्राम	— ...	३२२
३४	पुरुष	... —	३४७

दशमशतक

क्रमः	उद्देशकः		पृष्ठांकः
१	दिक्	... —	३४९
२	संवृतानगार	... ...	३५२
३	आत्मर्द्धि	— —	३५३
४	श्यामहस्ति	— ...	३५५
५	देवी	— —	३५८
६	सुधर्मसभा	... ...	३६३
७	उत्तरान्तद्वीप	— ...	३६४

एकादशमशतक

१	उत्पल	... ...	३६४
२	शालूक	... —	३६९
३	पलाश	— ...	३६९
४	कुम्भि	— —	३७०
५	नालिका	... —	३७०
६	पद्म	... —	३७०
७	कर्णिका	— —	३७०
८	नलिन	... —	३७०
९	शिवराजर्षि	— —	३७१
१०	लोक	— ...	३७९
११	काल (महाबल)	... ...	३८३
१२	आलभिका	... —	३९९

द्वादशमशतक

१	शङ्खश्रमणोपासक	... ...	४०३
२	जयन्तिश्रमणोपासिका	—	४०८
३	पृथिवी	... .	४१२
४	पुद्गल	... ...	४१२
५	अतिपात	....	४२५
६	राहु	... ...	४२८
७	लोक	....	४३१
८	नाग	... .	४३४
९	देव	....	४३५
१०	आत्मा	....	४३९

★

सादर समर्पण

तपोनिधि पू. पन्न्यास श्री मणिविजयजी दादाना शिष्यरत्न-
पूज्यपाद शासनशिरोमणि पंन्यास श्री बुद्धिविजयजी
(बुटेरायजी) गणिवरना शिष्यरत्न
विद्वान् चारित्ररत्न निस्पृहीशिरोमणि प्रखरप्रभावशाली

प्रदादागुरुदेव–

पूज्य पन्न्यास श्री आणंदविजयजी गणिवर

जेओश्रीए विद्वद्वर्य पू. पं. श्री मणिविजयजी गणिवरनी पासे संयम लइ
महानतपोनिधि पू. प. श्री बुद्धिविजयजी (बुटेरायजी) गणिवरना
शिष्यरत्न बनी, तेओश्रीना तथा पू पं. श्री मुक्तिविजयजी गणिवरना
सानिध्यमां प्रभावना करी, १९४७ मां लींबडीमां गणी पन्न्यास
पद पामी जैन शासननी भव्य आराधना करी करावी जीवन
धन्य बनाव्युं छे. तेओश्रीनी पुनीत स्मृतिमां

श्री आत्माराम सुधा सिन्धु

बीजो विभाग

सादर कोटिशः वंदना साथे समर्पण करी कृतकृत्यता अनुभवुं छुं.

गुरुचरणचंचरिक
जिनेन्द्रविजय

॥ शुद्धिपत्रकम् ॥

पृष्ठं	पंक्तिः	अशुद्धं	शुद्धम्
१	१३	सहसंबुद्धं	सयंसंबुद्धे
२	६	समुप्पन्नसंसए	समुप्पन्नसंसए
१०	१५	उमसोभेमाणे	उवसोभेमाणे
१०	१८	अवगाढा	अवगाढगाढा
१५	१	पन्नत्ता	पन्नत्ताओ
१६	१	उववाहा	उववाए
१८	२२	जीरिए	वीरिए
२१	१५	कडे कम्मे	कडे पावे कम्मे
२२	१०	णामंतं	णमंतं
२२	१५	पडुप्प-	पडुप्प-
२४	२०	णयव्वा	णेयव्वा
२५	१४	तत्पाउग्गु०	तप्पाउग्गु०
२५	२१	किंसंघणी	किं संघयणी
२७	१६	अ सीतिं	असीतिं
२८	१	जावंवेति०	जावंतेति
३०	७	उवासंतारे	उव संतरे
३५	१६	आयारियं	आयरियं
३६	२१	उववज्जवति	उववज्जति
३७	३	मणुम्सस्स	मणुसस्स
३७	१३	दहति	दहंसि
४४	१	कालसवसियपुत्तं	कालासवेसियपुत्त
५१	२	वत्तव्य	वत्तव्वं
५२	१३	णे खंदए	से खंदए
५३	५	निस्सेयासए	निस्सेयसाए
५३	८	करेमणा	करेमाणा
५५	१	पडुच्चुप्पन्न-	पच्चुप्पन्न-
५६	२१	परिक्खेवेणं पण्णत्ता,	परिक्खेवेणं
६०	१२	विहरत्तिए,	विहरित्तए
६२	१३	पुडवी०	पुढवी०
६३	२४	कंदयं	खंडयं
६४	२३	द्वितीय०	द्वितीय०
६५	१५	०देशकाः	०देशकः
६५	२०	अन्यूथि०	अन्ययूथि०

पृष्ठ	पंक्तिः	अशुद्धं	शुद्धम्
७४	१६	पच्चम	पञ्चम
८१	१३	एवंमहिड्ढीए	एवं महिड्ढीए
८४	११	असुराया	असुरराया
९०	६	पव्वइत्तए	पव्वज्जाए पव्वइत्तए
९६	२१	पाउब्भवित्तीए	पाउब्भवित्तए
१०९	२	मम्हिमनु (म्हि पमा)	मम्हिमनुपमावेण प्रभावेण
११६	३	पासमि	पासामि
१२०	१	समोहणमि	समोहणामि
१२८	६	०देशकाः	०देशकः
१२९	१६	थअ	अथ
१३०	६	०देशकाः	०देशकः
१३६	५	मंदवाया	मंदावाया
१५१	१६	पञ्चमंतशके	पञ्चमशतके
१५५	८	तसकयं	तसकायं
१६१	७	पञ्चमतशके	पञ्चमशतके
१६८	८	सुहुत्ताए	सुहुत्ताए
१७०	१०	ते त्तीसं	तेत्तीसं
१७१	२०	मासाए	मासए
१७३	१८	काउलेस्ला	काउलेस्सा
१७६	१८	तमुक्कायं	तमुक्कायं
१७६	२०	समट्टे	समट्ठे
१७७	५	चे दिम०	चंदिम०
१७७	१२	वीतीवण्जा	वीतीवएज्जा
१७९	३	-वक्खत्त-त्तारारूवा	नक्खत्त-तारारूवा
१८२	१०	परिणमेज्ज	परिणामेज्ज
१८५	६	मुसमसुसमाए	सुसमसुसमाए
१९५	२२	निग्गथो	निग्गंथे
१९७	१३	सव्वपाकेहिं	सव्वपाणेहिं
१९९	२२	०जोणिय	०जोणिया
२१३	५	लामसन्ना	लोमसन्ना
२१८	१५	पडिक्खिमति	पडिनिक्खमति
२१९	१३	पच्चक्खाण०	पच्चक्खाण०
२३५	३	कप्पतीत-	-कप्पातीत-

पृष्ठ	पंक्तिः	अशुद्धि	शुद्धिः
२३६	१५	अहया	अहवा
२३८	२२	करेंति	करेंति
२३९	२	जंबुद्दीव०	जंबुद्दीव०
२४५	६	पंचविहा	पंचविहा
२४७	१८	पूच्छा	पुच्छा
२४७	२१	एगनाणी	एगनाणी
२४९	३	नपुंसक०	एवं नपुंसक०
२५१	१६	अणेगविया	अणेगविहा
२६६	१७	अयगयवेदा	अवगयवेदा
२७१	२	सीयं	तीयं
२७१	१०	किरिमा	किरिया
२७३	१७	तुमरासीण	तुसरासीण
२७३	२२	पागारडट्ठालग-	पागारडट्ठलग-
२८३	६	०सरीर जाव- प्पयोगबंधे	०सरीरप्पयोगबंधे
२८७	५	भाणियव्वा य	भाणियव्वा
२८९	१२	पण्णात्ता	पण्णत्ता
२९२	७	दशमः	दसमो
२९४	१०	तप्पट्ठिखय-	तप्पक्खिय-
२९५	७	अत्थेतगिए	अत्थेगतिए
२९६	६	केवलेणं	केवलेणं सवरेणं
२९६	२२	सुयनाण०	सुयनाणा०
२९६	२४	भाणिवव्वे	भाणियव्वे
२९९	७	सागरोवउत्ते	सागारोवउत्ते
३०२	१५	पव्वावेज्जा	पव्वावेज्ज
३०४	३	उवट्टंति	उव्वट्टंति
३०४	१६	वालुयप्पभाए	वालुयप्पभाए
३१६	२०	तिरिक्पाजोणिय	-तिरिक्खजोणिय-
३१८	१३	मणुस्समवेसणए	मणुस्सपवेसणए
३१९	२०	संतरंति	संतरंपि
३२४	१९	धम्मिमं	धम्मियं
३३९	२०	तस	तस्स
३४२	२१	तुज्जे	तुज्झे
३५२	८	संवडस्स	संवुडस्स
३५३	९	अराहणा	आराहणा

पृष्ठ	पंक्तिः	अशुद्धि	शुद्धिः
३६१	१९	किन्नस	किन्नरस्स
३६६	८	तियायंजोग-	तियासंजोग-
३६६	१५	अट्ठं	अट्ठ
३६७	२४	सवं	एवं
३६९	१	उववज्जति	उववज्जंति
३७१	२०	चं	तं
३७३	२३	सिव	सिवे
३७५	२४	दीया	दीवा
३७६	२२	सगंधाइ	सगंधाइंपि
३७६	२४	धागइसहे	धायइसंडे
३७८	२	पडिक्खिमति	पडिनिक्खमति
३८३	३	नट्ठियं	नट्ठियं
३८४	४	०परिक्खत्ते	०परिक्खित्ते
३८५	३	दरिवड्ढमाणी	परिवड्ढमाणी
३८५	२१	०मुहुत्तभाणा	मुहुत्तभागूणा
३९१	१९	मंगल्लाकारए	मंगल्लकारए
३९७	२४	आपुच्छइ	आपुच्छइं
३९८	४	इच्छामो	इच्छामो
३९९	१४	०मोशद्दे शकः	०मोद्दे शकः
४०५	१४	बंभयारी	बंभयारी
४११	१०	दुव्वलिस्स	दुव्वलियस्स
४१२	१५	परम्माणु०	परमाणु०
४१३	२३	४	५
४१४	१४	पंचमाणु- पोग्गला	पंचपरमाणु-पोग्गला
४१४	२१	०पोग्गला	०पोग्गला
४१६	६	दुप्पएसिवा	दुप्पएसिया
४१७	२२	एगयाओ	एगयओ
४२६	२२	वेउविय	वेउव्विय
४२७	११	अणागारोवओगे	अणागारोवओगे
४२८	१	द्वादशमो०	द्वादशम०
४३२	५	चेव	तं चेव
४३८	११	अवट्ठं	अवट्ठं
४३८	१३	०परिट्ठं	०परियट्ठं
४३९	२	विहति	विहरति

श्रद्धा अने संस्कार पोषक, सर्व श्रेष्ठ साहित्य पीरसतुं लाखाबावल (सौराष्ट्र)
थी २४ वर्ष थी नियमित रीते दर महिनानी १ ली तारीखे प्रगट थतुं

शासन मान्य मासिक

श्री महावीर शासन

वार्षिक लवाजम रु. ५-००

सभ्य थवाना प्रकारो

द्विवर्षीय शुभेच्छक सभ्य ११-०० ❀ आजीवन सहायक सभ्य २५१-००
पंचवर्षीय शुभेच्छक सभ्य २५-०० ❀ आजीवन संरक्षक सभ्य ३५१-००
दशवर्षीय शुभेच्छक सभ्य ५१-०० ❀ जीवनदाता ५०१-००
आजीवन शुभेच्छक सभ्य १५१-०० ❀ प्रधान जीवनदाता १००१-००

आ धार्मिक मासिक आपना श्री संघ, संस्था के घरमां खास वसावबा जेवुं छे.

आजे ज लखो :

महेता मगनलाल चत्रभुज

मंत्री-श्री महावीर शासन
शाक मारकेट सामे, विशाल फली
जामनगर (सौराष्ट्र)

॥ श्री महावीरजिनेन्द्राय नमः ॥

॥ श्रीमणिबुद्धधाणंदहर्षकपूरामृतसूरिगुरुभ्यो नमः ॥

४५ आगम मूल-पुस्तक श्रेणी योजना

❀ श्री आगम-सुधा-सिन्धुः ❀

संपादकः—तपोमूर्ति पूज्य आचार्यदेवश्री विजयकर्पूरसूरीश्वरजी म. ना पट्टधर हालारदेशोद्धारक
पूज्य आचार्यदेव श्रीमद्विजयअमृतसूरीश्वरजी म. ना शिष्यरत्न

पू. पं. श्री जिनेन्द्रविजयजी गणिवर

अग्यार अंग सूत्रोः—

प्रथमो विभागः

नं०	नाम		श्लोक
१.	श्री आचारांग	सूत्र	२५५४
२.	,, सूत्रकृताङ्ग	,,	२१००
३.	,, ठाणांग	,,	३७००
४.	,, समवायांग	,,	१६६०

द्वितीय-तृतीय-विभागः

५.	श्री भगवती	सूत्र	१५७४२

चतुर्थो विभागः

६.	श्री ज्ञाता	सूत्र	५४६४
७.	,, उपासकदशा	,,	८१२
८.	,, अंतकृद्दशा	,,	७९०
९.	,, अनुत्तरोपपातिक	,,	१९२
१०.	,, प्रश्नव्याकरण	,,	१२५०
११.	,, विपाक	,,	१२१६

बार उपांग सूत्रोः—

पञ्चमो विभागः

नं.	नाम		श्लोक
१.	श्री उववाइ	सूत्र	११६७
२.	,, राजप्रश्नीय	,,	२१२०
३.	,, जीवाभिगम	,,	४७०८

षष्ठो विभागः

४.	,, पन्नवणा	सूत्र	७७८७

सप्तमो विभागः

५.	श्री जंबूद्वीप प्रज्ञप्ति	सूत्र	४४५४
६.	,, चंद्र प्रज्ञप्ति	,,	२२००
७.	,, सूर्य प्रज्ञप्ति	,,	२२९६
८.	,, कलिका	सूत्र	
९.	,, कल्पावतंसिका	,,	
१०.	,, पुष्पिका	,,	
११	,, पुष्पचूलिका	,,	११०९
१२	,, वह्निदशा	,,	

१० पयन्ना सूत्रोः—

अष्टमो विभागः—

नं.	नाम		श्लोक
१.	श्री चउशरण	सूत्र	८०
२.	,, आउरपच्चक्खाण	,,	१००
३.	,, महापच्चक्खाण	,,	१७६
४.	,, भक्त परिज्ञा	,,	२१५
५.	,, तंदुलवयालीय	,,	१३८
६.	,, संस्तारक	,,	१२२
७.	,, गच्छाचार	,,	१७२
८.	,, गणिविज्जा	,,	१०२
९.	,, देवेन्द्र स्तव	,,	३७५
१०	,, मरणसमाधि	,,	८७२
१.	,, चंद्र वेध्यक	,,	१७४
२.	,, वीरस्तव	,,	४३

—: ६ छेद सूत्रो :—

नवमो विभागः

नं.	नाम		श्लोक
१.	श्री निशीथ	सूत्र	८२१
२.	,, बृहत्कल्प	,,	४३७
	,, पंचकल्पभाष्य	,,	३१३५
३.	,, व्यवहार	,,	३७३
४.	,, दशाश्रुत	,,	२१०६
५.	,, जीतकल्प	,,	१०५

दशमो विभागः

६	श्री महा निशीथ	सूत्र	४५४८

एकादशमो विभागः

श्री कल्पसूत्र सूत्र (प्रताकार ३६ पोइन्ट टाइप) १२१५

४ मूल सूत्रोः-

द्वादशमो विभागः

१	श्री आवश्यक	सूत्र (निर्युक्ति भाष्य सह)	२५००
२	,, ओघनिर्युक्ति	,, (भाष्य सह)	१३५५

त्रयोदशमो विभागः

३	श्री दशवैकालिक	सूत्र	७००
	,, पिंडनिर्युक्ति	,,	८३५
४	,, उत्तराध्ययन	,,	२०००

२ चूलिका सूत्रो

चतुर्दशमो विभागः

१	श्री नंदी सूत्र	७००
२	श्री अनुयोगद्वार सूत्र	१८९९

सटीक आगमो आदि

नं.	नाम	मूल श्लोक	टीकाकार	टीका श्लोक
१	श्री आचारांग सूत्र	२५५४	श्री शीलांकाचार्य	१२०००
२	श्री उपासकदशांग ,,	८१२	श्री अभयदेवसूरिजी	८००
३	श्री अंतकृद्दशांग ,,	८९९	,,	४००
४	श्री अनुत्तरोपपातिक ,,	१८२	,,	१००
५	नवस्मरणानि गौतमस्वामिरासश्च			

४५ आगम मूल–पुस्तक श्रेणी योजना अंगे

• निवेदन •

जणावतां आनंद थाय छे के परम करुणानिधि चरम तीर्थपति श्रमण भगवान महावीरदेवे भव्य जीवोना श्रेयना हेतु रूप तीर्थनी स्थापना करी अने गणधर देवोने त्रिपदीनुं प्रदान कर्युं. लब्धिनिधान श्री गणधर देवोओ द्वादशांगीनी रचना करी. जेमनी पाट परंपरा विद्यमान छे ते श्रीमत्सुधर्मस्वामीजीनो द्वादशांगी प्रवर्तमान रही अने वर्तमानमां अग्यार अंग आदि अंग प्रविष्ट अने बार उपांग दश पयन्ना; छ छेद, ४ मूल अने २ चूलिका सूत्रो एम अंग बाह्य श्रुतज्ञान आदि विद्यमान छे ते सूत्रो उपर पूर्वाचार्य महापुरूषो विरचित, निर्युक्ति, भाष्य, चूर्णि, टीका, अवचूरि विगेरे आगमानुसारी श्रुत विद्यमान छे.

आ कल्याणकारी श्रुतना आधारे श्री महावीर परमात्मानुं शासन प्रवर्तमान छे. पूज्य आचार्य भगवंतो आदि मुनिराजो आदि योगवहन, गुरुकुलवास, गुरूआज्ञा आदि योग्यता मुजब अे श्रुतना अधिकारी छे. अने अेथी अे शास्त्रीय मर्यादामां रहेता पूज्योने आ श्रुतज्ञानना स्वाध्याय आदिनी अनुकुलता रहे ते हेतुथी श्रुत भक्तिरूपे ४५ आगमो मूल तेमज केटलाक सूत्रोनी टीका आदि मुद्रित करवानुं नक्की कर्युं छे तेनुं संशोधन अने संपादन हालार-देशोद्धारक पूज्य आचार्यदेव श्रीमद् विजयअमृतसूरीश्वरजी महाराजना शिष्य पूज्य पन्न्यास श्री जिनेन्द्रविजयजी गणिवर अथाग परिश्रम पूवक करी रह्या छे.

आ सूत्रो श्री संघना भंडारोमां पूज्य गुरुदेवोने अर्पण करवा प्रसारित करवानो अमे निणय कर्यो छे. तेनो मर्यादित नकलो प्रकाशित थाय छे अने जे श्री संघो के श्रुतभक्ति रूपे श्रावकोअे आ प्रतिओ मेळववी होय तेमणे पोतानी नकल नी यादी लखावी देवा विनंति छे.

सूत्रोनी नकलो मर्यादित प्रकाशित थाय छे वळी बुकसेलरोने ते वेंचवा आपवानो नथी अेटले पाछलथी प्रतिओ प्राप्त थवी मुश्केल पडशे. जेथी भंडारोने सुव्यवस्थित अने समृद्ध बनाववा श्री संघोअे पोताना सेट तरतमां लखावी देवा, पूज्य गुरूदेवो के संघोने अर्पण करवा या श्री शासननी मिल्कत रूपे सुरक्षित राखी, पूज्य गुरुदेवोने स्वाध्याय आदि माटे अर्पण करवा सुश्रावको पण आ सेट खरीदी शकशे. तेओ आ सेट वांची के वेंची शकशे नहीं.

४५ आगमो अने ४ सूत्रोनी टीकाओ आदि जे कार्य हाथ उपर धरायुं छे तेनुं मूल्य रू० ७०० थशे.

चौद विभागमां ४५ आगम प्रगट थशे.

पहोंचाडवानी सगवडता रहे ते माटे ८ थी १० सूत्रो तैयार थयेथी रवाना कराशे. जेथी सेट मंग थनारे पोताने मोकलवानां ग्रन्थो रेल्वे के ट्रान्सपोर्ट द्वारा प्राप्त थाय तेवुं सरनामुं जणाववुं.

आ आगम श्रेणी अंगे नाम नोंधावदा तथा रकम मोकलवाना सरनामा:–

(१) महेता मगनलाल चत्रभुज
शाक मारकेट सामे निशाल फली,
जामनगर, (सौराष्ट्र)

(२) शा. मनसुखलाल जीवराज भाडलावाला
शराफ बजार, राजकोट (सौराष्ट्र)

(३) शा. वालजी गणशी
C/O हीरा एम्पोरीयम, आनंदरोड,
मलाड (वेस्ट) मुंबई–४०००६४

(४) शा. वेलजी हीरजी गुढका
५२ बी एम. आझाद रोड, रंगवाला चाल,
मुंबई-४०००११

(५) शा. रीखवचंद फुलचंद
सी. पी. टेन्क पहेलो पारसीवाडो
खलीफ मेन्सन, वी. पी. रोड, मुंबई–४

(६) नवीनचंद्र बाबुलाल शाह
डेली फली लालबाग सामे, जामनगर

(७) संघवी जयंतिलाल त्रिभोवनदास
C\o महावीर स्टोर २६८१ फुवारा बजार
गांधी रोड, अमदावाद

आ आगम श्रेणी उपरांत अप्रगट तथा अप्राप्य ग्रन्थोनुं विशाल पाया उपर प्रकाशन करवानी पण अमारी धारणा छे.

श्रुतज्ञाननी आ भक्तिना कार्यमां सौनो साथ मलशे तो अमे वहेलासर सफल थशुं अेथी आ अंगे योग्य सहकारनी अपेक्षा राखी श्रुतज्ञान भक्तिना कार्यमां सहाय आपवा नम्र विनंति छे.

॥ अर्हम् ॥

गणधरवरश्रीमत्सुधर्मस्वामिप्रणीतं

॥ श्रीमद्व्याख्याप्रज्ञप्ति-सूत्रम् ॥

(श्रीमद्भगवति-सूत्रम्)

—:०:—

॥१॥ अथ प्रथमशतके चलनाख्य-प्रथमोद्देशकः ॥

णमो अरि(र,रु)हंताणं णमो सिद्धाणं णमो आयरियाणं णमो उवज्झायाणं णमो (लोए) सव्वसाहूणं ॥ सू० १ ॥ णमो बंभीए लिवीए ॥ सू० २ ॥ रायगिह चलण दुक्खे कंखपओसे य पगइ पुढवीओ । जावंते नेरइए बाले गुरुए य चलणाओ ॥ १ ॥ नमो सुयस्स ॥ सू० ३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था, वण्णओ, तस्स णं रायगिहस्स नगरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए गुणसिलए नामं चेइए होत्था, सेणिए राया, चेल्लणा देवी ॥ सू० ४ ॥ ते णं काले णं ते णं समए णं समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे सहसंबुद्धे पुरिसुत्तमे पुरिससीहे पुरिसवरपुंडरीए पुरिसवरगंधहत्थीए लोगुत्तमे लोगनाहे लोगप्पदीवे लोगपज्जोयगरे अभयदए चक्खुदए मग्गदए सरणदए धम्मदेसए (धम्मदए) धम्मसारहीए धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टी अप्पडिहयवरनाणदंसणधरे वियट्टछउमे जिणे जाणए बुद्धे बोहए मुत्ते मोयए सव्वन्नू सव्वदरिसी सिव-मयल-मरुय-मणंत-मक्खय-मव्वाबाह-मपुणरावत्तयं सिद्धिगइनामधेयं ठाणं संपाविउकामे जाव समोसरणं ॥ सू० ५ ॥ परिसा निग्गया, धम्मो कहिओ, परिसा पडिगया ॥सू० ६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूती नामं अणगारे गोयमसगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंस-संठाणसंठिए वज्जरिसह-नारायसंघयणे कणगपुलग-णिहस-पम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे

महातवे ओराले घोरे घोरगुणे घोरतवस्सी घोरबंभचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्त-विउलतेयलेसे चोद्दसपुव्वी चउनाणोवगए सव्वक्खर-सन्निवाई समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ॥ सू० ७ ॥ तए णं से भगवं गोयमे जायसड्ढे जायसंसए जायकोउहल्ले उप्पन्नसड्ढे उप्पन्नसंसए उप्पन्नकोउहल्ले संजायसड्ढे संजायसंसए संजायकोउहल्ले समुप्पन्नसड्ढे समुप्पन्नसंसए समुप्पन्न-कोउहल्ले उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ २ त्ता णच्चासन्ने णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासमाणे एवं वयासी–से नूणं भंते ! चलमाणे चलिए १, उदीरिज्जमाणे उदीरिए २, वेइज्जमाणे वेइए ३, पहिज्जमाणे पहीणे ४, छिज्जमाणे छिन्ने ५, भिज्जमाणे भिन्ने ६, डज्झ(दड्ढ)-माणे दड्ढे ७, मिज्जमाणे मए ८, निज्जरिज्जमाणे निज्जिन्ने ९ ?, हंता गोयमा ! चलमाणे चलिए जाव णिज्जरिज्जमाणे णिज्जिण्णे ॥ सू० ७ ॥ एए णं भंते ! नव पया किं एगट्ठा णाणाघोसा नाणावंजणा उदाहु नाणट्ठा नाणाघोसा नाणावंजणा ?, गोयमा ! चलमाणे चलिए १ उदीरिज्जमाणे उदीरिए २ वेइज्जमाणे वेइए ३ पहिज्जमाणे पहीणे ४ ते एए णं चत्तारि पया एगट्ठा नाणाघोसा नाणावंजणा उप्पन्नपक्खस्स, छिज्जमाणे छिन्ने भिज्जमाणे भिन्ने डज्झ(दड्ढ)माणे दड्ढे, मिज्जमाणे मडे, निज्जरिज्जमाणे निज्जिण्णे, एए णं पंच पया णाणट्ठा नाणाघोसा नाणावंजणा विगय-पक्खस्स ॥ सू० ८ ॥ नेइरयाणं भंते ! केवइकालं ठिई पन्नत्ता ?, गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता १ । नेरइयाणं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा णीससंति वा ?, जहा ऊसासपए २ । नेरइया णं भंते आहारट्ठी ?, जहा

पन्नवणाए पढमए आहारुद्देसए तहा भाणियव्वं ३ । ठिई उस्साहारे किं वाऽऽहारेंति ३६ सव्वओ वावि ३७ । कतिभागं ? ३८ सव्वाणि व ३९ कीस व भुज्जो परिणमंति ? ॥ १ ॥ सू० ९ ॥ नेरइयाणं भंते ! पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया ? १, आहारिया आहारिज्जमाणा पोग्गला परिणया ? २, अणाहारिया आहारिज्जिस्समाणा पोग्गला परिणया ? ३, अणाहारिया अणाहारिज्जिस्समाणा पोग्गला परिणया ? ४, गोयमा ! नेरइयाणं पुव्वाहारिया पोग्गला परिणया १, आहारिया आहारिज्जमाणा पोग्गला परिणया परिणमति य २, अणाहारिया आहारिज्जिस्समाणा पोग्गला नो परिणया परिणमिस्संति ३, अणाहारिया अणाहारिज्जिस्समाणा पोग्गला नो परिणता णो परिणमिस्संति ४ ॥ सू० १० ॥ नेरइयाणं भंते ! पुव्वाहारिया पोग्गला चिया पुच्छा, जहा परिणया तहा चियावि, एवं चिया उवचिया उदीरिया वेइया निज्जिन्ना, गाहा–परिणय चिया उवचिय उदीरिया वेइया य निज्जिन्ना । एक्केक्कंमि पदंमि चउव्विहा पोग्गला होंति ॥ १ ॥ सू० ११ ॥ नेरइयाणं भंते ! कइविहा पोग्गला भिज्जंति ?, गोयमा ! कम्मदव्व-वग्गणमहिकिच्च दुविहा पोग्गला भिज्जंति, तंजहा–अणू चेव बायरा चेव १ । नेरइयाणं भंते ! कतिविहा पोग्गला चिज्जंति ?, गोयमा ! आहारदव्व-वग्गणमहिकिच्च दुविहा पोग्गला चिज्जंति, तंजहा–अणू चेव बायरा चेव २ । एवं उवचिज्जंति ३ । नेरइयाणं भंते ! कइविहा पोग्गला उदीरेंति ? गोयमा ! कम्मदव्व-वग्गणमहिकिच्च दुविहे पोग्गले उदीरेंति, तंजहा–अणू चेव बायरा चेव, सेसावि एवं चेव भाणियव्वा ४ । एवं वेदेंति ५ निज्जरेंति ६ उयट्टिंसु ७ उव्वट्टेंति ८ उव्वट्टिस्संति ९ संकामिंसु १० संकामेंति ११ संकामिस्संति १२ निहत्तिंसु १३ निहत्तेंति १४ निहत्तिस्संति १५ निकायंसु १६ निकायंति १७ निकाइस्संति १८, सव्वेसुवि कम्मदव्व-वग्गणमहिकिच्च, गाहा–भेइयचिया उवचिया उदीरिया वेइया य

निज्जिन्ना। उयट्टण-संकामण-निहत्तण-निकायणे तिविह कालो ॥१॥ सू० १२॥ नेरइयाणं भंते ! जे पोग्गले तेयाकम्मत्ताए गेण्हंति ते किं तीतकालसमए गेण्हंति ? पडुप्पन्नकालसमए गेण्हंति ? अणागयकाल समए गेण्हंति ?, गोयमा ! नो तीयकालसमए गेण्हंति पडुप्पन्नकालसमए गेण्हंति नो अणागयकालसमए गिण्हंति १। नेरइयाणं भंते ! जे पोग्गला तेयाकम्मत्ताए गहिए उदीरेंति ते किं तीयकालसमयगहिए पोग्गले उदीरेंति पडुप्पन्नकाल-समए घेप्पमाणे पोग्गले उदीरेंति गहणसमयपुरक्खडे पोग्गले उदीरेंति ?, गोयमा ! अतीयकालसमयगहिए पोग्गले उदीरेंति नो पडुप्पन्नकालसमए घेप्पमाणे पोग्गले उदीरेंति नो गहणसमयपुरक्खडे पोग्गले उदीरेंति २। एवं वेदेंति ३। निज्जरेंति ४ ॥ सू० १३ ॥ नेरइयाणं भंते ! जीवाओ किं चलियं कम्मं बंधंति अचलियं कम्मं बंधंति ?, गोयमा ! नो चलियं कम्मं बंधंति अचलियं कम्मं बंधंति १। नेरइयाणं भंते ! जीवाओ किं चलियं कम्मं उदीरेंति अचलियं कम्मं उदीरेंति ?, गोयमा ! नो चलियं कम्मं उदीरेंति अचलियं कम्मं उदीरेंति २। एवं वेदेंति ३ उयट्टेंति ४। संकामेंति ५। निहत्तेंति ६। निकायेंति, सव्वेसु अचलियं नो चलियं ७। नेरइयाणं भंते ! जीवाओ किं चलियं कम्मं निज्जरेंति अचलियं कम्मं निज्जरेंति ?, गोयमा ! चलियं कम्मं निज्जरेंति नो अचलियं कम्मं निज्जरेंति ८। गाहा = बंधोदय-वेदोयट्ट-संकमे तह निहत्तणनिकाये। अचलियं कम्मं तु भवे चलियं जीवाउ निज्जरए ॥ १ ॥ सू० १४ ॥ एवं ठिई आहारो य भाणियव्वो, ठिती—जहा ठितिपदे तहा भाणियव्वा, सव्वजीवाणं आहारोऽवि जहा पन्नवणाए पढमे आहारुद्देसए तहा भाणियव्वो, एत्तो आढत्तो—नेरइयाणं भंते ! आहारट्ठी ? जाव दुक्खत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति, गोयमा ! १। असुरकुमाराणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?, जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं सातिरेगं सागरोवमं, असुरकुमाराणं भंते ! केवइयं

कालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ?, गोयमा ! जहन्नेणं सत्तण्हं थोवाणं उक्कोसेणं साइरेगस्स पक्खस्स आणमंति वा पाणमंति वा, असुरकुमाराणं भंते ! आहारट्ठी ?, हंता आहारट्ठी, असुरकुमाराणं भंते ! केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ?, गोयमा ! असुरकुमाराणं दुविहे आहारे पन्नत्ते, तंजहा–आभोगनिव्वत्तिए य अणाभोगनिव्वत्तिए य, तत्थ णं जे से अणाभोगनिव्वत्तिए से अणुसमयं अविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ, तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिए से जहन्नेणं चउत्थभत्तस्स उक्कोसेणं साइरेगस्स वाससहस्सस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ, असुरकुमाराणं भंते ! किमाहारमाहारेंति ?, गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं खित्तकालभावपन्नवणागमेणं सेसं जहा नेरइयाणं जाव तेणं तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ?, गोयमा ! सोइंदियत्ताए सुरूवत्ताए सुवन्नत्ताए ४ इट्ठत्ताए इच्छियत्ताए भिज्जियत्ताए उड्ढत्ताए णो अहत्ताए सुहत्ताए णो दुहत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति, असुरकुमाराणं पुव्वाहारिया पुग्गला परिणया असुरकुमाराभिलावेणं जहा नेरइयाणं जाव नो अचलियं कम्मं निज्जरंति २। नागकुमाराणं भंते ! केवइयं कालं ठिती पन्नत्ता ?, गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं देसूणाइं दो पलिओवमाइं, नागकुमाराणं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ?, गोयमा ! जहन्नेणं सत्तण्हं थोवाणं उक्कोसेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स आणमंति वा पाणमंति वा, नागकुमाराणं आहारट्ठी ?, हंता आहारट्ठी, नागकुमाराणं भंते ! केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ?, गोयमा ! नागकुमाराणं दुविहे आहारे पन्नत्ते, तंजहा–आभोगनिव्वत्तिए य अणाभोगनिव्वत्तिए य, तत्थ णं जे से अणाभोगनिव्वत्तिए से अणुसमयमविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ, तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिए से जहन्नेणं चउत्थभत्तस्स उक्कोसेणं दिवसपुहुत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ, सेसं जहा असुरकुमाराणं जाव नो अचलियं कम्मं

निज्जरंति ३ । एवं सुवन्नकुमारावि जाव थणियकुमाराणंति ४ । पुढविकाइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं, पुढविकाइया केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ?, गोयमा ! वेमायं आणमंति वा पाणमंति वा ?, पुढविकाइया आहारट्ठी ?, हंता आहारट्ठी, पुढविकाइयाणं केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ?, गोयमा ! अणुसमयं अविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ, पुढविकाइया किमाहारेंति ?, गोयमा ! दव्वओ जहा नेरइयाणं जाव निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउद्दिसिं सिय पंचदिसिं, वन्नओ कालनील-पीतलोहिय-हालिद्दसुक्किलाणि, गंधओ सुरभिगंध २ रसओ तित्त ५ फासओ कक्खड ८ सेसं तहेव, णाणत्तं कइभागं आहारेंति ? कइभागं फासाइंति ?, गोयमा ! असंखिज्जइभागं आहारेन्ति अणंतभागं फासाइंति जाव तेसिं पोग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ?, गोयमा ! फासिंदियवेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति, सेसं जहा नेरइयाणं जाव नो अचलियं कम्मं निज्जरंति ५ । एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, नवरं ठिती वन्नेयव्वा जा जस्स, उस्सासो वेमायाए ६ । बेइंदियाणं ठिई भाणियव्वा ऊसासो वेमायाए, बेइंदियाणं आहारे पुच्छा, गोयमा ! आभोगनिव्वत्तिए य अणाभोगनिव्वत्तिए य तहेव, तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिए से णं असंखेज्जसमए अंतोमुहुत्तिए वेमायाए आहारट्ठे समुप्पज्जइ, सेसं तहेव जाव अणंतभागं आसायंति, बेइंदियाणं भंते ! जे पोग्गले आहारत्ताए गेण्हंति ते किं सव्वे आहारेंति णो सव्वे आहारंति ?, गोयमा ! बेइंदियाणं दुविहे आहारे पन्नत्ते, तंजहा—लोमाहारे पक्खेवाहारे य, जे पोग्गले लोमाहारत्ताए गिण्हंति ते सव्वे अपरिसेसिए आहारेंति, जे पोग्गले पक्खेवाहारत्ताए गिण्हंति तेसिं णं पोग्गलाणं असंखिज्जइभागं आहारेंति अणेगाइं च णं भागसहस्साइं अणासाइज्जमाणाइं अफासिज्जमाणाइं विद्धंसमागच्छंति,

एएसि णं भंते ! पोग्गलाणं अणासाइज्जमाणाणं अफासाइज्जमाणाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा पुग्गला अणासाइज्जमाणा अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा, बेइंदियाणं भंते ! जे पोग्गला आहारत्ताए गिण्हंति ते णं तेसिं पुग्गला कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ?, गोयमा ! जिब्भिंदिय-फासिंदियवेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति, बेइंदियाणं भंते ! पुव्वाहारिया पुग्गला परिणया तहेव जाव चलियं कम्मं निज्जरंति ७। तेइंदियचउरिंदियाणं णाणत्तं ठिईए जाव सोगाइं च णं भागसहस्साइं अणाघाइज्जमाणाइं अणासाइज्जमाणाइं अफासाइज्जमाणाइं विद्धंसमागच्छंति(मावज्जंति), एएसि णं भंते ! पोग्गलाणं अणाघाइज्जमाणाइं ३ पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा पोग्गला अणाघाइज्जमाणा अणासाइज्जमाणा अणंतगुणा अफासाइज्जमाणा अणंतगुणा, तेइंदियाणं घाणिंदिय-जिब्भिंदिय-फासिंदियवेमायाए भुज्जो २ परिणमंति, चउरिंदियाणं चक्खिंदिय-घाणिंदिय-जिब्भिंदिय-फासिंदियत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति ८। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं ठिइं भणिऊणं ऊसासो वेमायाए, आहारो अणाभोगनिव्वत्तिए अणुसमयं अविरहिओ, आभोगनिव्वत्तिओ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तस्स उक्कोसेणं छट्ठभत्तस्स, सेसं जहा चउरिंदियाणं जाव चलियं कम्मं निज्जरेंति ९। एवं मणुस्साणवि, नवरं आभोगनिव्वत्तिए जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठमभत्तस्स सोइंदिय-वेमायत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति सेसं जहा चउरिंदियाणं, तहेव जाव निज्जरेंति १०। वाणमंतराणं ठिईए नाणत्तं, परिणमंति अवसेसं जहा नागकुमाराणं, एवं जोइसियाणवि, नवरं उस्सासो जहन्नेणं मुहुत्त-पुहुत्तस्स उक्कोसेणवि मुहुत्तपुहुत्तस्स, आहारो जहन्नेणं दिवसपुहुत्तस्स उक्कोसेणवि दिवसपुहुत्तस्स सेसं तहेव ११। वेमाणियाणं ठिई भाणियव्वा ओहिया, ऊसासो जहन्नेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स उक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं,

आहारो आभोगनिव्वत्तिओ जहन्नेणं दिवसपुहुत्तस्स उक्कोसेणं तेत्तीसाए वाससहस्साणं, सेसं चलियाइयं तहेव जाव निज्जरेंति १२ ॥ सू० १५ ॥ जीवा णं भंते ! किं आयारंभा परारंभा तदुभयारंभा अनारम्भा ?, गोयमा ! अत्थेगइया जीवा आयारंभावि परारंभावि तदुभयारंभावि नो अणारंभा, अत्थेगइया जीवा नो आयारंभा नो परारंभा नो तदुभयारंभा अणारंभा १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–अत्थेगइया जीवा आयारंभावि ? एवं पडिउच्चारेयव्वं, गोयमा ! जीवा दुविहा पराणत्ता, तंजहा–संसारसमावन्नगा य असंसारसमावन्नगा य, तत्थ णं जे ते असंसारसमावन्नगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं नो आयारंभा जाव अणारम्भा, तत्थ णं जे ते संसारसमावन्नगा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–संजया य असंजया य, तत्थ णं जे ते संजया ते दुविहा पराणत्ता, तंजहा–पमत्तसंजया य अप्पमत्तसंजया य, तत्थ णं जे ते अप्पमत्तसंजया ते णं नो आयारंभा नो परारंभा जाव अणारंभा, तत्थ णं जे ते पमत्तसंजया ते सुहं जोगं पडुच्च नो आयारंभा नो परारंभा जाव अणारंभा, असुभं जोगं पडुच्च आयारंभावि जाव नो अणारंभा, तत्थ णं जे ते असंजया ते अविरतिं पडुच्च आयारंभावि जाव नो अणारंभा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–अत्थेगइया जीवा जाव अणारंभा २ । नेरइयाणं भंते ! किं आयारंभा परारंभा तदुभयारंभा अणारंभा ?, गोयमा ! नेरइया आयारंभावि जाव नो अणारंभा, से केणट्ठेणं भन्ते एवं वुच्चइ ?, गोयमा ! अविरतिं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव नो अणारंभा, एवं जाव असुरकुमारावि जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, मणुस्सा जहा जीवा, नवरं सिद्धविरहिया भाणियव्वा, वाणमंतरा जाव वेमाणिया जहा नेरइया ३ । सलेस्सा जहा ओहिया, किण्हलेसस्स नीललेसस्स काउलेसस्स जहा ओहिया जीवा, नवरं पमत्तअप्पमत्ता न भाणियव्वा, तेउलेसस्स पम्हलेसस्स सुक्कलेसस्स जहा ओहिया जीवा, नवरं सिद्धा न

भाणियव्वा ४ ॥ सू० १६ ॥ इहभविए भंते ! नाणे, परभविए नाणे, तदुभयभविए नाणे ?, गोयमा ! इहभविएवि नाणे परभविएवि नाणे तदुभयभविएवि णाणे १ । दंसणंपि एवमेव २ । इहभविए भंते ! चरित्ते परभविए चरित्ते तदुभयभविए चरित्ते ?, गोयमा ! इहभविए चरित्ते नो परभविए चरित्ते नो तदुभयभविए चरित्ते ३ । एवं तवे संजमे ४ ॥ सू० १७ ॥ असंवुडे णं भंते ! अणगारे किं सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिनिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे १ । से केणट्ठेणं जाव नो अंतं करेइ ?, गोयमा ! असंवुडे अणगारे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ धणियबंधणबद्धाओ पकरेइ हस्सकालठिईयाओ दीहकालट्ठिईयाओ पकरेइ मंदाणुभावाओ तिव्वाणुभावाओ पकरेइ अप्पपएसग्गाओ बहुप्पएसग्गाओ पकरेइ आउयं च णं कम्मं सिय बंधइ सिय नो बंधइ अस्सायावेयणिज्जं च णं कम्मं भुज्जो भुज्जो उवचिणाइ अणाईयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! असंवुडे अणगारे णो सिज्झइ ५, २ । संवुडे णं भंते ! अणगारे सिज्झइ ५ ?, हंता सिज्झइ जाव अंतं करेइ, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! संवुडे अणगारे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ धणियबंधणबद्धाओ सिढिलबंधणबद्धाओ पकरेइ दीहकालट्ठिईयाओ हस्सकालट्ठिईयाओ पकरेइ तिव्वाणुभावाओ मंदाणुभावाओ पकरेइ बहुप्पएसग्गाओ अप्पपएसग्गाओ पकरेइ, आउयं च णं कम्मं न बंधइ, अस्सायावेयणिज्जं च णं कम्मं नो भुज्जो भुज्जो उवचिणाइ, अणाईयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं वीईवयइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–संवुडे अणगारे सिज्झइ जाव अंतं करेइ ३ ॥ सू० १८ ॥ जीवे णं भंते ! असंजए अविरए अप्पडिहय-पच्चक्खाय-पावकम्मे इओ चुए पेच्चा देवे सिया ?, गोयमा ! अत्थेगइए देवे सिया

अत्थेगइए नो देवे सिया १ । से केणट्ठेणं जाव इओ चुए पेच्चा अत्थेगइए देवे सिया अत्थेगइए नो देवे सिया ?, गोयमा ! जे इमे जीवा गामागर-नगर-निगम-रायहाणि-खेड-कब्बड-मडंब-दोणमुह-पट्टणासम-सन्निवेसेसु अकामतण्हाए अकामछुहाए अकामबंभचेरवासेणं अकाम-सीतातव-दंसमसग-अण्हाणग(अकामअण्हाणग)सेय-जल्ल-मल-पंकपरिदाहेणं अप्पतरं वा भुज्जतरं वा कालं अप्पाणं परिकिलेसंति अप्पाणं परिकिलेसित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु वाणमंतरेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति २ । केरिसा णं भंते ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा पण्णत्ता ?, गोयमा ! से जहानामए–इहं मणुस्सलोगंमि असोगवणे इ वा सत्तवन्नवणे इ वा चंपयवणे इ वा चूयवणे इ वा तिलगवणे इ वा लाउयवणे इ वा निग्गोहवणे इ वा छत्तोववणे इ वा असणवणे इ वा सणवणे इ वा अयसिवणे इ वा कुसुंभवणे इ वा सिद्धत्थवणे इ वा बंधुजीवगवणे इ वा णिच्चं कुसुमिय-माइय-लवइय-थवइय-गुलइय-गोच्छिय-जमलिय-जुवलिय-विणमिय-पणमिय-सुविभत्त-पिंडिमंजरिवडेंसगधरे सिरीए अतीव अतीव उवसोभेमाणे उवसोभेमाणे चिट्ठइ, एवामेव तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा जहन्नेणं दसवाससहस्सट्ठितीएहिं उक्कोसेणं पलिओवमट्ठितीएहिं बहूहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं तद्देवीहि य आइण्णा वितिकिण्णा उवत्थडा संथडा फुडा अवगाढा सिरीए अतीव अतीव उवसोभेमाणा चिट्ठंति, एरिसगा णं गोयमा ! तेसिं वाणमंतराणं देवाणं देवलोगा पण्णत्ता, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–जीवे णं असंजए जाव देवे सिया ३ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति वंदइत्ता नमंसइत्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरति ४ ॥ सू० ११ ॥ पढमे सए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति प्रथमशतके प्रथमोद्देशकः ॥ १–१ ॥

॥ अथ प्रथमशतके दुःखविषय-द्वितीयोद्देशकः ॥

रायगिहे नगरे समोसरणं, परिसा निग्गया जाव एवं वयासी–जीवे णं भंते ! सयंकडं दुक्खं वेदेइ ?, गोयमा ! अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं नो वेएइ, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–अत्थेगइयं वेदेइ अत्थेगइयं नो वेएइ ?, गोयमा ! उदिन्नं वेएइ अणुदिन्नं नो वेएइ, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ–अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगतियं नो वेएइ, एवं चउव्वीसदंडएणं जाव वेमाणिए १ । जीवा णं भंते ! सयंकडं दुक्खं वेएन्ति ?, गोयमा ! अत्थेगइयं वेयन्ति अत्थेगइयं णो वेयन्ति, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! उदिन्नं वेयन्ति नो अणुदिन्नं वेयन्ति, से तेणट्ठेणं, एवं जाव वेमाणिया २ । जीवे णं भंते ! सयंकडं आउयं वेएइ ? गोयमा ! अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं नो वेएइ, जहा दुक्खेणं दो दंडगा तहा आउएणवि दो दंडगा एगत्तपुहुत्तिया, एगत्तेणं जाव वेमाणिया पुहुत्तेणवि तहेव ३ ॥ सू० २० ॥ नेरइया णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समसरीरा सव्वे समुस्सासनीसासा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–नेरइया नो सव्वे समाहारा नो सव्वे समसरीरा नो सव्वे समुस्सासनिस्सासा ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–महासरीरा य अप्पसरीरा य, तत्थ णं जे ते महासरीरा ते बहुतराए पोग्गले आहारेंति बहुतराए पोग्गले परिणामेंति बहुतराए पोग्गले उस्ससंति बहुतराए पोग्गले नीससंति अभिक्खणं आहारेंति अभिक्खणं परिणामेंति अभिक्खणं ऊससंति अभिक्खणं नीस्ससंति, तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते णं अप्पतराए पुग्गले आहारेंति अप्पतराए पुग्गले परिणामेंति अप्पतराए पोग्गले उस्ससंति अप्पतराए पोग्गले नीससंति आहच्च आहारेंति आहाच्च परिणामेंति आहच्च उस्ससंति आहच्च नीससंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–नेरइया नो सव्वे समाहारा जाव नो सव्वे समुस्सासनिस्सासा २ । नेरईया णं भंते ! सव्वे समकम्मा ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! नेरइया

दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य, तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं अप्पकम्मतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं महाकम्मतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा !० ३। नेरइया णं भंते ! सव्वे समवन्ना ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं तहेव ? गोयमा ! जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं विसुद्धवन्नतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं अविसुद्धवन्नतरागा तहेव से तेणट्ठेणं एवं० ४। नेरइया णं भंते ! सव्वे समलेस्सा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं जाव नो सव्वे समलेस्सा ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य, तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं विसुद्धलेस्सतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं अविसुद्धलेस्सतरागा, से तेणट्ठेणं० ५। नेरइया णं भंते ! सव्वे समवेयणा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! नेरइया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–सन्निभूया य असन्निभूया य, तत्थ णं जे ते सन्निभूया ते णं महावेयणा, तत्थ णं जे ते असन्निभूया ते णं अप्पवेयणतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा !० ६। नेरइया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! नेरइया तिविहा पण्णत्ता, तंजहा–सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी तेसि णं चत्तारि किरियाओ पण्णत्ताओ, तंजहा–आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ अप्पच्चक्खाणकिरिया ४, तत्थ णं जे ते मिच्छादिट्ठी तेसि णं पंच किरियाओ कज्जंति तंजहा–आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया, एवं सम्मामिच्छादिट्ठीणंपि, से तेणट्ठेणं गोयमा !० ७। नेरइया णं भंते ! सव्वे समाउया सव्वे समोववन्नगा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! नेरइया चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा–अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा १ अत्थेगइया समाउया विसमोववन्नगा २ अत्थेगइया विसमाउया समोववन्नगा

३ अत्थेगइया विसमाउया विसमोववन्नगा ४ से तेणट्ठेणं गोयमा !० ८ । असुरकुमारा णं भंते ! सव्वे समाहारा सव्वे समसरीरा, जहा नेरइया तहा भाणियव्वा, नवरं कम्मवन्नलेस्साओ परिवणेयव्वाओ (परित्थल्लेयव्वाओ) पुव्वोववन्नगा महाकम्मतरागा अविसुद्धवन्नतरागा अविसुद्धलेसतरागा, पच्छोववन्नगा पसत्था, सेसं तहेव, एवं जाव थणियकुमाराणं । पुढविकाइयाणं आहारकम्मवन्नलेस्सा जहा नेरइयाणं १ । पुढविकाइया णं भंते ! सव्वे समवेयणा ?, हंता समवेयणा, से केणट्ठेणं भंते ! समवेयणा ?, गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे असन्नी असन्निभूया अणिदाए वेयणं वेदेंति से तेणट्ठेणं० १० । पुढविकाइया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ?, हंता समकिरिया, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे माई मिच्छादिट्ठी ताणं णियया ओ पंच किरियाओ कज्जंति, तंजहा–आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया, से तेणट्ठेणं ११ । समकिरिया समाउया समोववन्नगा, जहा नेरइया तहा भाणियव्वा, जहा पुढविकाइया तहा जाव चउरिंदिया १२ । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया नाणत्तं किरियासु, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! सव्वे समकिरिया ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया तिविहा पन्नत्ता, तंजहा–सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–असंजया य संजयासंजया य, तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसि णं तिन्नि किरियाओ कज्जंति, तंजहा–आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया, असंजयाणं चत्तारि, मिच्छादिट्ठीणं पंच, सम्मामिच्छादिट्ठीणं पंच, मणुस्सा जहा नेरइया, नाणत्तं जे महासरीरा ते बहुतराए पोग्गले आहारेंति आहच्च आहारेंति जे अप्पसरीरा ते अप्पतराए आहारेंति अभिक्खणं आहारेंति सेसं जहा नेरइयाणं जाव वेयणा १३ । मणुस्सा णं भंते ! सव्वे समकिरिया ? गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! मणुस्सा तिविहा पन्नत्ता, तंजहा–

सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी, तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी ते तिविहा पण्णत्ता, तंजहा–संजया असंजया संजयासंजया य, तत्थ णं जे ते संजया ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–सरागसंजया य वीयरागसंजया य, तत्थ णं जे ते वीयरागसंजया ते णं अकिरिया, तत्थ णं जे ते सरागसंजया ते दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–पमत्तसंजया य अपमत्तसंजया य, तत्थ णं जे ते अप्पमत्तसंजया तेसि णं एगा मायावत्तिया किरिया कज्जइ, तत्थ णं जे ते पमत्तसंजया तेसि णं दो किरियाओ कज्जंति, तंजहा–आरंभिया य मायावत्तिया य, तत्थ णं जे ते संजयासंजया तेसि णं आइल्लाओ तिन्नि किरियाओ कज्जंति, तंजहा–आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३, असंजयाणं चत्तारि किरियाओ कज्जंति, तंजहा–आरंभिया १ परिग्गहिआ २ मायावत्तिया ३ अप्पच्चक्खाणकिरिया ४, मिच्छादिट्ठीणं पंच–आरंभिया १ परिग्गहिया २ मायावत्तिया ३ अप्पच्चक्खाणकिरिया ४ मिच्छादंसणवत्तिया ५, सम्मामिच्छदिट्ठीणं पंच ५, १४। वाणमंतरजोतिसवेमाणिया जहा असुरकुमारा, नवरं वेयणाए नाणत्तं–मायिमिच्छादिट्ठी-उववन्नगा य अप्पवेदणतरा अमायिसम्मदिट्ठीउववन्नगा य महावेयणतरागा भाणियव्वा, जोतिस-वेमाणिया १५। सलेस्सा णं भंते! नेरइया सव्वे समाहारगा ?, ओहियाणं सलेस्साणं सुक्कलेस्साणं, एएसि णं तिण्हं एको गमो, कण्हलेस्साणं नीललेस्साणंपि एको गमो नवरं वेदणाए-मायिमिच्छादिट्ठी-उववन्नगा य अमायिसम्मदिट्ठी-उववन्नया य भाणियव्वा १६। मणुस्सा किरियासु सरागवीयराग-पमत्तापमत्ता ण भाणियव्वा १७। काउलेसाएवि एसेव गमो, नवरं नेरइए जहा ओहिए दंडए तहा भाणियव्वा, तेउलेस्सा पम्हलेस्सा जस्स अत्थि जहा ओहिओ दंडओ तहा भाणियव्वा नवरं मणुस्सा सरागा वीयरागा य न भाणियव्वा, गाहा–दुक्खाउए उदिन्ने आहारे कम्मवन्नलेस्सा य १८। समवेयण-समकिरिया समाउए चेव बोद्धव्वा ११ ॥ १ ॥ सू० २१ ॥ कइ णं भंते! लेस्साओ

पन्नत्ताओ ?, गोयमा ! छल्लेस्साओ पन्नत्ता, तंजहा–लेसाणं बीयओ उद्देसओ भाणियव्वो जाव इड्ढी ॥ सू० २२ ॥ जीवस्स णं भंते ! तीतद्धाए आदिट्ठस्स कइविहे संसारसंचिट्ठणकाले पण्णत्ते ?, गोयमा ! चउव्विहे संसारसंचिट्ठणकाले पण्णत्ते, तंजहा–णेरइयसंसार-संचिट्ठणकाले तिरिक्खजोणिय संसारसंचिट्ठणकाले मणुस्ससंसारसंचिट्ठणकाले देवसंसारसंचिट्ठणकाले य पण्णत्ते १ । नेरइयसंसारसंचिट्ठणकाले णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा–सुन्नकाले असुन्नकाले मिस्सकाले २ । तिरिक्खजोणियसंसार पुच्छा, गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–असुन्नकाले य मिस्सकाले य, मणुस्साण य देवाण य जहा नेरइयाणं ३ । एयस्स णं भंते ! नेरइयसंसारसंचिट्ठणकालस्स सुन्नकालस्स असुन्नकालस्स मीसकालस्स य कयरे २ हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वथोवे असुन्नकाले मिस्सकाले अणंतगुणे सुन्नकाले अणंतगुणे ४ । तिरिक्खजोणिय-संसारसंचिट्ठणकालस्स भंते ! पुच्छा, सव्वथोवे असुन्नकाले, मिस्सकाले अणंतगुणे, मणुस्सदेवाण य जहा नेरइयाणं ५ । एयस्स णं भंते ! नेरइयस्स संसारसंचिट्ठणकालस्स जाव देवसंसारसंचिट्ठण जाव विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवे मणुस्ससंसारसंचिट्ठणकाले, नेरइयसंसारसंचिट्ठणकाले असंखेज्जगुणे, देवसंसारसंचिट्ठणकाले असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणिए अणंतगुणे ६ ॥ सू० २३ ॥ जीवे णं भंते ! अंतकिरियं करेज्जा ?, गोयमा ! अत्थेगतिया करेज्जा अत्थेगतिया नो करेज्जा, अंतकिरियापयं नेयव्वं ॥ सू० २४ ॥ अह भंते ! असंजयभवियदव्वदेवाणं १ अविराहियसंजमाणं २ विराहियसंजमाणं ३ अविराहियसंजमासंजमाणं ४ विराहियसंजमासंजमाणं ५ असन्नीणं ६ तावसाणं ७ कंदप्पियाणं ८ चरगपरिव्वायगाणं ९ किव्विसियाणं १० तेरिच्छियाणं ११ आजीवियाणं १२ आभिओगियाणं १३ सलिंगीणं दंसणवावन्नगाणं १४ एएसि

णं देवलोगेसु उववज्जमाणाणं कस्स कहिं उववाए पण्णत्ते ?, गोयमा ! असंजयभवियदव्वदेवाणं जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं उवरिमगेविज्जएसु १, अविराहियसंजमाणं जहन्नेणं सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं सव्वट्ठसिद्धे विमाणे २, विराहियसंजमाणं जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं सोहम्मे कप्पे ३, अविराहियसंजमासंजमाणं णं जहण्णेणं सोहम्मे कप्पे उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे ४, विराहियसंजमासंजमाणं जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं जोतिसिएसु ५, असन्नीणं जहन्नेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं वाणमंतरेसु ६, अवसेसा सव्वे जहण्णेणं भवणवासीसु उक्कोसेणं वोच्छामि—तावसाणं जोतिसिएसु, कंदप्पियाणं सोहम्मे कप्पे, चरगपरिव्वायगाणं बंभलोए कप्पे, किव्विसियाणं लंतगे कप्पे, तेरिच्छियाणं सहस्सारे कप्पे, आजीवियाणं अच्चुए कप्पे, आभिओगियाणं अच्चुए कप्पे, सलिंगीणं दंसणवावन्नगाणं उवरिमगेवेज्जएसु १४ ॥ सू० २५ ॥ कतिविहे णं भंते ! असन्नियाउए पण्णत्ते ?, गोयमा ! चउव्विहे असन्नियाउए पण्णत्ते, तंजहा—नेरइयअसन्नियाउए तिरिक्खजोणिय-असण्णियाउए मणुस्सअसण्णियाउए देवअसण्णियाउए १ । असन्नी णं भन्ते ! जीवे किं नेरइयाउयं पकरेइ तिरिक्खजोणियाउयं पकरेइ मणुस्साउयं पकरेइ देवाउयं पकरेइ ?, हंता गोयमा ! नेरइयाउयंपि पकरेइ तिरिक्खजोणियाउयंपि पकरेइ मणुस्साउयंपि पकरेइ देवाउयंपि पकरेइ, नेरइयाउयं पकरेमाणे जहन्नेणं दसवाससहस्साइं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेति तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ, मणुस्साउएवि एवं चेव, देवाउयं पकरेमाणे जहा नेरइया २ । एयस्स णं भन्ते ! नेरइयअसन्नियाउयस्स तिरिक्खजोणियअसन्नियाउयस्स मणुस्सअसन्नियाउयस्स देवअसन्नियाउयस्स य कयरे कयरे हिंतो जाव विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवे देवअसन्नियाउए, मणुस्सअसन्नियाउए असंखे-

जगुणो, तिरियजोणियअसन्निआउए असंखेज्जगुणो, नेरइए असन्निआउए असंखेज्जगुणो ३। सेवं भन्ते ! सेवं भन्ते ! त्ति जाव विहरति ॥ सू० २६ ॥ बितिओ उद्देसओ समत्तो ॥

॥ इति प्रथमशतके द्वितीय उद्देशकः ॥ १-२ ॥

॥ अथ प्रथमशतके काङ्क्षाप्रदोषाख्य-तृतीयोद्देशकः ॥

जीवा णं भन्ते ! कंखामोहणिज्जे कम्मे कडे ?, हंता कडे १। से भन्ते ! किं देसेणं देसे कडे ? १ देसेणं सव्वे कडे ? २ सव्वेणं देसे कडे ? ३ सव्वेणं सव्वे कडे ? ४, २। गोयमा ! नो देसेणं देसे कडे १ नो देसेणं सव्वे कडे २ नो सव्वेणं देसे कडे ३ सव्वेणं सव्वे कडे ४, ३। नेरइया णं भन्ते ! कंखामोहणिज्जे कम्मे कडे ?, हंता कडे, जाव सव्वेणं सव्वे कडे ४, ४। एवं जाव वेमाणियाणं दंडओ भाणियव्वो ६ ॥ सू० २७ ॥ जीवा णं भन्ते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं करिंसु ?, हंता करिंसु १। तं भन्ते ! किं देसेणं देसं करिंसु ?, एएणं अभिलावेणं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं, एवं करेंति एत्थवि दंडओ जाव वेमाणियाणं, एवं करेस्संति, एत्थवि दंडओ जाव वेमाणियाणं २। एवं चिए चिणिंसु चिणंति चिणिस्संति, उवचिए उवचिणिंसु उवचिणंति उवचिणिस्संति, उदीरेंसु उदीरेंति उदीरिस्संति, वेदिंसु, वेदेंति वेदिस्संति, निज्जरेंसु निज्जरेंति निज्जरिस्संति, गाहा-कडचिया उवचिया उदीरिया वेदिया य निज्जिन्ना । आदितिए चउभेदा तियभेदा पच्छिमा तिन्नि ॥१॥ ३ ॥ सू० २८ ॥ जीवा णं भन्ते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ?, हंता वेदेंति। कहन्नं भन्ते ! जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ?, गोयमा ! तेहिं तेहिं कारणेहिं संकिया कंखिया वितिगिच्छिया भेदसमावन्ना कलुससमावन्ना, एवं खलु जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेदेंति ॥ सू० २९ ॥ से नूणं भन्ते ! तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं ?, हंता गोयमा !

तमेव सच्चं णीसंकं जं जिणेहिं पवेदितं ॥ सू० ३० ॥ से नूणं भन्ते ! एवं मणं धारेमाणे एवं पकरेमाणे एवं चिट्ठेमाणे एवं संवरेमाणे आणाए आराहए भवति ?, हंता गोयमा ! एवं मणं धारेमाणे जाव भवइ ॥सू० ३१॥ से नूणं भन्ते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ ?, हंता गोयमा ! जाव परिणमइ १ । जण्णं भन्ते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ तं किं पयोगसा वीससा ?, गोयमा ! पयोगसावि तं वीससावि तं २ । जहा ते भन्ते ! अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ तहा ते नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ ? जहा ते नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ तहा ते अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ ?, हंता गोयमा ! जहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ तहा मे नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ, जहा मे नत्थित्तं नत्थित्ते परिणमइ तहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते परिणमइ ३ । से णूणं भन्ते ! अत्थित्तं अत्थित्ते गमणिज्जं जहा परिणमइ दो आलावगा तहा ते इह गमणिज्जेणवि दो आलावगा भाणियव्वा जाव जहा मे अत्थित्तं अत्थित्ते गमणिज्जं ४ ॥ सू० ३२ ॥ जहा ते भन्ते ! एत्थ गमणिज्ज तहा ते इहं गमणिज्जं, जहा ते इहं गमणिज्जं तहा ते एत्थं गमणिज्जं ?, हंता ! गोयमा !, जहा ! मे एत्थं गमणिजं जाव तहा मे एत्थं इहं गमणिज्जं ॥ सू० ३३ ॥ जीवा णं भन्ते ! कंखामोहणिज्जं कम्मं बंधंति ?, हंता बंधंति । कहं णं भन्ते ! जीवा कंखामोहणिज्जं कम्मं बंधंति ?, गोयमा ! पमादपच्चया जोगनिमित्तं च १ । से णं भन्ते ! पमाए किंपवहे ?, गोयमा ! जोगप्पवहे । से णं भन्ते ! जोए किंपवहे ?, गोयमा ! वीरियप्पवहे । से णं भन्ते! वीरिए किंपवहे ?, गोयमा ! सरीरप्पवहे । से णं भन्ते ! सरीरे किंपवहे ?, गोयमा ! जीवप्पवहे २ । एवं सति अत्थि उट्ठाणे ति वा कम्मे ति वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा ३ ॥ सू० ३४ ॥ से णूणं भन्ते ! अप्पणा चेव उदीरेइ अप्पणा चेव गरहइ अप्पणा चेव संवरइ ?, हंता ! गोयमा ! अप्पणा चेव

तं चेव उच्चारेयव्वं ३, १। जं तं भन्ते! अप्पणा चेव उदीरेइ अप्पणा चेव गरहेइ अप्पणा चेव संवरेइ तं किं उदिन्नं उदीरेइ १ अणुदिन्नं उदीरेइ २ अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ ३ उदयाणंतरपच्छाकडं कम्मं उदीरेइ ४?, गोयमा! नो उदिण्णं उदीरेइ १ नो अणुदिन्नं उदीरेइ २ अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ ३ णो उदयाणंतरपच्छाकडं कम्मं उदीरेइ ४, २। जं तं भन्ते! अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ तं किं उट्ठाणेणं कम्मेणं बलेणं वीरिएणं पुरिसक्कारपरक्कमेणं अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ? उदाहु तं अणुट्ठाणेणं अकम्मेणं अबलेणं अवीरिएणं अपुरिसक्कारपरक्कमेणं अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ?, गोयमा! तं उट्ठाणेणवि कम्मेणवि बलेणवि वीरिएणवि पुरिसक्कारपरक्कमेणवि अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ, णो तं अणुट्ठाणेणं अकम्मेणं अबलेणं अवीरिएणं अपुरिसक्कारपरक्कमेणं अणुदिन्नं उदीरणाभवियं कम्मं उदीरेइ, एवं सति अत्थि उट्ठाणे इ वा कम्मे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा ३। से नूणं भन्ते! अप्पणा चेव उवसामेइ अप्पणा चेव गरहइ अप्पणा चेव संवरइ?, हंता गोयमा! एत्थ वि तहेव भाणियव्वं, नवरं अणुदिन्नं उवसामेइ सेसा पडिसेहेयव्वा तिन्नि ४। जं तं भन्ते! अणुदिन्नं उवसामेइ तं किं उट्ठाणेणं जाव पुरिसक्कारपरक्कमेति वा, से नूणं भन्ते! अप्पणा चेव वेदेइ अप्पणा चेव गरहइ?, एत्थवि सच्चेव परिवाडी, नवरं उदिन्नं वेएइ नो अणुदिन्नं वेएइ, एवं जाव पुरिसक्कारपरिक्कमे इ वा ५। से नूणं भन्ते! अप्पणा चेव निज्जरेति अप्पणा चेव गरहइ, एत्थवि सच्चेव परिवाडी नवरं उदयाणंतरपच्छाकडं कम्मं निज्जरेइ, एवं जाव परिक्कमेइ वा ६॥ सू० ३५॥

नेरइयाणं भन्ते! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएइ?, जहा ओहिया जीवा तहा नेरइया, जाव थणियकुमारा १। पुढविकाइया णं भंते! कंखामोहणिज्जं कम्मं वेइंति, हंता वेइंति, कहण्णं भन्ते! पुढविकाइया णं कंखामोहणिज्जं

कम्मं वेदेंति ?, गोयमा ! तेसिणं जीवाणं णो एवं तक्का इ वा सण्णा इ वा पण्णा इ वा मणे इ वा वइ ति वा—अम्हे णं कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएमो, वेएंति पुण ते २ । से णूणं भन्ते ! तमेव सच्चं नीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं, सेसं तं चेव, जाव पुरिसक्कारपरिक्कमेइ वा ३ । एवं जाव चउरिंदियाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वेमाणिया जहा ओहिया जीवा ४ ॥ सू० ३६ ॥ अत्थि णं भन्ते ! समणावि निग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएइ ?, हंता अत्थि, कहन्नं भन्ते ! समणा निग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेएइ ?, गोयमा ! तेहिं २ नाणंतरेहिं दंसणंतरेहिं चरित्तंतरेहिं लिंगंतरेहिं पवयणंतरेहिं पावयणंतरेहिं कप्पंतरेहिं मग्गंतरेहिं मतंतरेहिं भंगंतरेहिं णयंतरेहिं नियमंतरेहिं पमाणंतरेहिं संकिया कंखिया वितिगिच्छिया भेयसमावन्ना कलुससमावन्ना, एवं खलु समणा निग्गंथा कंखामोहणिज्जं कम्मं वेइंति, से नूणं भन्ते ! तमेव सच्चं नीसंकं जं जिणेहिं पवेइयं, हंता गोयमा ! तमेव सच्चं नीसंकं, जाव पुरिसक्कारपरक्कमेइ वा सेवं भन्ते ? सेवं भन्ते ! ॥ सू० ३७ ॥ पढमसए ततिओ ॥

॥ इति प्रथमशतके तृतीय उद्देशकः ॥ १–३ ॥

॥ अथ प्रथमशतके प्रकृतिनामक-चतुर्थोद्देशकः ॥

कति णं भन्ते ! कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पण्णत्ताओ, कम्मप्पगडीए पढमो उद्देसो नेयव्वो जाव अणुभागो सम्मत्तो । गाहा—कइ पयडी कह बंधइ कइहि व ठाणेहि बंधई पयडी । कइ वेदेइ य पयडी अणुभागो कइविहो कस्स ? ॥ १ ॥ सू० ३८ ॥ जीवे णं भन्ते ! मोहणिज्जेणं कडेणं कम्मेणं उदिन्नेणं उवट्ठाएज्जा ? हंता उवट्ठाएज्जा १ । से भन्ते ! किं वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा अवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ? गोयमा ! वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा नो अवीरियत्ताए उवट्ठा-

एज्जा, जइ वीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा किं बालवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा पंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा बालपंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा ?, गोयमा ! बालवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा णो पंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा णो बालपंडियवीरियत्ताए उवट्ठाएज्जा २। जीवे णं भन्ते ! मोहणिज्जेणं कडेणं कम्मेणं उदिन्नेणं अवक्कमेज्जा ? हंता अवक्कमेज्जा, से भन्ते ! जाव बालपंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा (३) ?, गोयमा ! बालवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा नो पंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा, सिय बालपंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा। जहा उदिन्नेणं दो आलावगा तहा उवसंतेणवि दो आलावगा भाणियव्वा, नवरं उवट्ठाएज्जा पंडियवीरियत्ताए अवक्कमेज्जा बालपंडियवीरियत्ताए ३। से भन्ते ! किं आयाए अवक्कमइ अणायाए अवक्कमइ ? गोयमा ! आयाए अवक्कमइ णो अणायाए अवक्कमइ, मोहणिज्जं कम्मं वेएमाणे से कहमेयं भन्ते ! एवं ? गोयमा ! पुव्वि से एयं एवं रोयइ इयाणिं से एयं एवं नो रोयइ एवं खलु एतं एवं ४ ॥ सू० ३१ ॥

से नूणं भन्ते ! नेरइयस्स वा तिरिक्खजोणियस्स वा मणुसस्स वा देवस्स वा जे कडे कम्मे नत्थि णं तस्स अवेदइत्ता मोक्खो ?, हंता गोयमा ! नेरइयस्स वा तिरिक्खजोणियस्स वा मणुसस्स वा देवस्स वा जे कडे पावे कम्मे नत्थि तस्स अवेइत्ता मोक्खो १। से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुच्चति–नेरइयस्स वा जाव मोक्खो ? एवं खलु मए गोयमा ! दुविहे कम्मे पण्णत्ते, तंजहा–पएसकम्मे य अणुभागकम्मे य, तत्थ णं जं तं पएसकम्मं तं नियमा वेएइ, तत्थ णं जं तं अणुभागकम्मं तं अत्थेगइयं वेएइ अत्थेगइयं नो वेएइ २। णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विन्नायमेयं अरहया इमं कम्मं अयं जीवे अज्झोवगमियाए वेयणाए वेदिस्सइ इमं कम्मं अयं जीवे उवक्कमियाए वेदणाए वेदिस्सइ, अहाकम्मं अहानिकरणं जहा जहा तं भगवया दिट्ठं तहा तहा तं विप्परिणमिस्सतीति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! नेरइयस्स वा ४ जाव मोक्खो ३

॥सू० ४० ॥ एस णं भन्ते ! पोग्गले तीतमणंतं सासयं समयं भुवीति वत्तव्वं सिया ?, हंता गोयमा ! एस णं पोग्गले अतीतमणंतं सासयं समयं भुवीति वत्तव्वं सिया १ । एस णं भन्ते ! पोग्गले पडुप्पन्नसासयं समयं भवतीति वत्तव्वं सिया ?, हंता गोयमा ! तं चेव उच्चारेयव्वं २ । एस णं भन्ते ! पोग्गले अणागयमणंतं सासयं समयं भविस्सतीति वत्तव्वं सिया ?, हन्ता गोयमा ! तं चेव उच्चारेयव्वं ३ । एवं खंधेणवि तिन्नि आलावगा, एवं जीवेणवि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा॥ सू० ४१ ॥ छउमत्थे णं भन्ते ! मणूसे अतीतमणंतं सासयं समयं भुवीति केवलेणं संजमेणं केवलेणं संवरेणं केवलेणं बंभचेरवासेणं केवलाहिं पवयणमाईहिं सिज्झिसु बुज्झिसु जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिंसु ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे १ । से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुच्चइ–तं चेव जाव अंतं करेंसु ? गोयमा ! जे कइ अंतकरा वा अंतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा सव्वे ते उप्पन्ननाणदंसणधरा अरहा जिणे केवली भवित्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिनिव्वायंति सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु(३), पडुप्पन्नेऽवि एवं चेव नवरं सिज्झंति भाणियव्वं, अणागएवि एवं चेव, नवरं सिज्झिस्संति भाणियव्वं, जहा छउमत्थो तहा आहोहिओवि तहा परमाहोहिओऽवि (परमोहिओऽवि) तिन्नि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा २ । केवली णं भन्ते ! मणूसे तीतमणंतं सासयं समयं जाव अंतं करेंसु ? हंता सिज्झिसु जाव अंतं करेंसु, एते तिन्नि आलावगा भाणियव्वा छउमत्थस्स जहा नवरं सिज्झिसु सिज्झंति सिज्झिस्संति ३ । से णूणं भन्ते ! तीतमणंतं सासयं समयं पडुप्पन्नं वा सासयं समयं अणागयमणंतं वा सासयं समयं जे केइ अंतकरा वा अंतिमसरीरिया वा सव्वदुक्खाणमंतं करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा, सव्वे ते उप्पन्ननाणदंसणधरा अरहा जिणे केवली भवित्ता

तओ पच्छा सिज्झंति जाव अंतं करेस्संति वा ? हंता गोयमा ! तीतमणंतं सासयं समयं जाव अंतं करेस्संति वा ४ । से नूणं भन्ते ! उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवलि अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया ? हंता गोयमा ! उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया । सेवं भन्ते ! सेवं भन्ते ! त्ति ५ ॥ सू० ४२ ॥ चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति प्रथमशतके चतुर्थ उद्देशकः ॥ १-४ ॥

॥ अथ प्रथमशतके पृथिवीनामक-पञ्चमोद्देशकः ॥

कति णं भन्ते ! पुढवीओ पन्नत्ताओ ?, गोयमा ! सत्त पुढवीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव तमतमा १ । इमीसे णं भन्ते ! रयणप्पभाए पुढवीए कति निरयावाससयसहस्सा पन्नत्ता ?, गोयमा ! तीसं निरयावास-सयसहस्सा पन्नत्ता, गाहा–तीसा य पन्नवीसा पन्नरस दसेव या सयसहस्सा । तिन्नेगं पंचूणं पंचेव अणुत्तरा निरया ॥ १ ॥ २ । केवइया णं भन्ते ! असुरकुमारावाससयसहस्सा पन्नत्ता ?, एवं–चउसट्ठी असुराणं चउरासीई य होइ नागाणं । बावत्तरिं सुवन्नाण वाउकुमाराण छन्नउई ॥ १ ॥ दीवदिसाउदहीणं विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं । छण्हंपि जुयलयाणं छावत्तरिमो सयसहस्सा ॥ २ ॥ केवइया णं भन्ते ! पुढविकाइयावाससयसहस्सा पण्णत्ता ?, गोयमा ! असंखेज्जा पुढविकाइयावाससयसहस्सा पण्णत्ता, गोयमा ! जाव असंखिज्जा जोतिसियविमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता ३ । सोहम्मे णं भन्ते ! कप्पे केवइया विमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता ?, गोयमा ! बत्तीसं विमाणावाससयसहस्सा पण्णत्ता, एवं–बत्तीसट्ठावीसा बारस अट्ठ चउरो सयसहस्सा । पन्ना चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥ १ ॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिन्नि । सत्त विमाणसयाइं चउसुवि एएसु कप्पेसुं ॥ २ ॥ एक्कारसुत्तरं हेट्ठिमेसु

सत्तुत्तरं सयं च मज्झिमए। सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥ ३ ॥ सू० ४३ ॥ पुढवि ट्ठिति ओगाहण-सरीर-संघयणमेव संठाणे। लेस्सा दिट्ठी णाणे जोगुव ओगे य दस ठाणा ॥ १ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि नेरइयाणं केवइया ठितिठाणा पण्णत्ता ?, गोयमा ! असंखेज्जा ठितिठाणा पण्णत्ता, तंजहा—जहन्निया ठिती समयाहिया जहन्निया ठिई दुसमयाहिया जहन्निया ट्ठिती जाव असंखेज्जसमयाहिया जहन्निया ठिई तप्पाउग्गुक्कोसिया ठिती १। इमीसे णं भन्ते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि जहन्नियाए ठितीए वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता ?, गोयमा ! सव्वेवि ताव होज्जा कोहोवउत्ता १, अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य २, अहवा कोहोवउत्ता य माणोउवत्ता य ३, अहवा कोहोवउत्ता य मायोवउत्ते य ४, अहवा कोहोवउत्ता य मायोवउत्ता य ५, अहवा कोहोवउत्ता य लोभोवउत्ते य ६, अहवा कोहोवउत्ता य लोभोवउत्ता य ७, २। अहवा कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य मायोवउत्ते य १, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ते य मायोवउत्ता य २, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायोवउत्ते य ३, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता य मायाउवउत्ता य ४ एवं कोहमाणलोभेणवि चउ ४, एवं कोहमायालोभेणवि चउ ४ एवं १२, पच्छा माणेण मायाए लोभेण य कोहो भइयव्वो, ते कोहं अमुंचता ८, एवं सत्तावीसं भंगा णायव्वा ३। इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि समयाहियाए जहन्नट्ठितीए वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता ?, गोयमा ! कोहोवउत्ते य माणोवउत्ते य मायोवउत्ते य लोभोवउत्ते य, कोहोवउत्ता य माणोवउत्ता

य मायोवउत्ता य लोभोवउत्ता य, अहवा कोहोवउत्ते य माणोवउत्ते य, अहवा कोहोवउत्ते य माणोवउत्ता य एवं असीति भंगा नेयव्वा, एवं जाव संखिज्जसमयाहिया ठिई असंखेज्जसमयाहियाए ठिईए तप्पाउग्गुक्कोसियाए ठिईए सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा ४ ॥ सू० ४४ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि नेरइयाणं केवइया ओगाहणा-ठाणा पन्नत्ता ?, गोयमा ! असंखेज्जा ओगाहणाठाणा पन्नत्ता, तंजहा–जहन्निया ओगाहणा, पदेसाहिया जहन्निया ओगाहणा, दुप्पएसाहिया जहन्निया ओगाहणा, जाव असंखिज्जपएसाहिया जहन्निया ओगाहणा, तप्पाउग्गुक्कोसिया ओगाहणा १ । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि जहन्नियाए ओगाहणाए वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता ?, असीइभंगा भाणियव्वा जाव संखिज्जपएसाहिया जहन्निया ओगाहणा, असंखेज्जपएसाहियाए जहन्नियाए ओगाहणाए वट्टमाणाणं तप्पाउग्गुक्कोसियाए ओगाहणाए वट्टमाणाणं नेरइयाणं दोसुवि सत्तावीसं भंगा २ । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए जाव एगमेगंसि निरयावासंसि नेरइयाणं कइ सरीरया पण्णत्ता ?, गोयमा ! तिन्नि सरीरया पण्णत्ता, तंजहा–वेउव्विए तेयए कम्मए ३ । इमीसे णं भंते ! जाव वेउव्वियसरीरे वट्टमाणा नेरइया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा, एएणं गमएणं तिन्नि सरीरा भाणियव्वा ४ । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढविए जाव नेरइयाणं सरीरया किंसंघयणी पन्नत्ता ?, गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी, नेवट्ठी नेव छिरा नेव ण्हारूणि जे पोग्गला अणिट्ठा अकंता अप्पिया असुहा अमणुन्ना अमणामा, एतेसिं सरीरसंघायत्ताए परिणमंति ५ । इमीसे णं भंते ! जाव छण्हं संघयणाणं असंघयणे वट्टमाणाणं नेरइया

किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा ६ । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभा जाव सरीरिया किंसंठिया पन्नत्ता ?, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—भवधारणिज्जा य उत्तरविउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया पण्णत्ता, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसंठिया पण्णत्ता । इमीसे णं जाव हुंडसंठाणे वट्टमाणा नेइरया किं कोहोवउत्ता ? सत्तावीसं भंगा ७ । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं कति लेस्साओ पन्नत्ता ?, गोयमा ! एगा काउलेस्सा पण्णत्ता । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए जाव काउलेस्साए वट्टमाणा सत्तावीसं भंगा ८ ॥सू० ४५॥ इमीसे णं जाव किं सम्मद्दिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ?, तिन्निवि १ । इमीसे णं जाव सम्मद्दंसणे वट्टमाणा नेरइया सत्तावीसं भंगा, एवं मिच्छादंसणेवि, सम्मामिच्छदंसणे असीति, भंगा २ । इमीसे णं भंते ! जाव किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! णाणीवि अन्नाणीवि, तिन्नि नाणाइं नियमा, तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ३ । इमीसे णं भंते ! जाव आभिणिबोहियनाणे वट्टमाणा जाव सत्तावीसं भंगा, एवं तिन्नि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भाणियव्वाइं ४ । इमीसे णं जाव किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी, ? तिन्निवि । इमीसे णं जाव मणजोए वट्टमाणा कोहोवउत्ता ?, जाव सत्तावीसं भंगा । एवं वइजोए एवं कायजोए ५ । इमीसे णं जाव नेरइया किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ?, गोयमा ! सागरोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि । इमीसे णं जाव सागारोवओगे वट्टमाणा किं कोहोवउत्ता ?, जाव सत्तावीसं भंगा ६ । एवं अणागारोवउत्तावि सत्तावीसं भंगा ७ । एवं सत्तवि पुढविओ नेयव्वाओ, णाणत्तं लेसासु गाहा—काऊ य दोसु तइयाए मीसिया नीलिया चउत्थीए । पंचमियाए मीसा कण्हा तत्तो परमकण्हा ॥ १ ॥ सू० ४६ ॥ चउसट्ठीए णं भंते ! असुरकुमारावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमाराणं केवइया ठिइठाणा पण्णत्ता ?, गोयमा ! असंखेज्जा ठितिठाणा पण्णत्ता, तंजहा—जहन्निया ठिई जहा

नेरइया तहा, नवरं पडिलोमा भंगा भाणियव्वा—सव्वेवि ताव होज्ज लोभोवउत्ता, अहवा लोभोवउत्ता य मायोवउत्ते य, अहवा लोभोवउत्ता य मायोवउत्ता य, एएणं गमेणं नेयव्वं जाव थणियकुमाराणं, नवरं णाणत्तं जाणियव्वं ॥ सू० ४७ ॥ असंखेज्जेसु णं भंते ! पुढविकाइयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयाणं केवतिया ठितिठाणा पण्णत्ता ?, गोयमा ! असंखेज्जा ठितिठाणा पण्णत्ता, तंजहा—जहन्निया ठिई जाव तप्पाउग्गुक्कोसिया ठिई १ । असंखेज्जेसु णं भंते ! पुढविकाइयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविकाइयावासंसि जहन्नियाए ठितीए वट्टमाणा पुढविकाइया किं कोहोवउत्ता माणोवउत्ता मायोवउत्ता लोभोवउत्ता ?, गोयमा ! कोहोवउत्तावि माणोवउत्तावि मायोवउत्तावि लोभोवउत्तावि, एवं पुढविकाइयाणं सव्वेसुवि ठाणेसु अभंगयं, नवरं तेउलेस्साए असीति भंगा, एवं आउकाइयावि, तेउकाइय-वाउकाइयाणं सव्वेसुवि ठाणेसु अभंगयं २ । वणस्सइकाइया जहा पुढविकाइया ३ ॥ सू० ४८ ॥ बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं जेहिं ठाणेहिं नेरतियाणं असीइभंगा तेहिं ठाणेहिं असीइं चेव, नवरं अब्भहिया सम्मत्ते आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे य, एएहिं असीइभंगा, जेहिं ठाणेहिं नेरतियाणं सत्तावीसं भंगा तेसु ठाणेसु सव्वेसु अभंगयं १ । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया तहा भाणियव्वा, नवरं जेहिं सत्तावीसं भंगा तेहिं अभंगयं कायव्वं जत्थ असीति तत्थ आसीति चेव २ । मणुस्साणवि जेहिं ठाणेहिं नेरइयाणं असीतिभंगा तेहिं ठाणेहिं मणुस्साणवि असीतिभंगा भाणियव्वा, जेसु ठाणेसु सत्तावीसा तेसु अभंगयं, नवरं मणुस्साणं अब्भहियं जहन्निया ठिई आहारए य असीति भंगा ३ । वाणमंतर-जोइस-वेमाणिया जहा भवणवासी नवरं णाणत्तं जाणियव्वं जं जस्स, जाव अणुत्तरा, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ४ ॥ सू० ४९ ॥ पंचमो उद्देसो सम्मत्तो ॥

॥ इति प्रथमशतके पञ्चम उद्देशकः ॥ १-५ ॥

॥ अथ प्रथमशतके जावंतेतिनामक-षष्ठोद्देशकः ॥

जावइयाओ य णं भंते ! उवासंतराओ उदयंते सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छति अत्थमंतेवि य णं सूरिए तावतियाओ चेव उवासंतराओ चक्खुप्फासं हव्वमागच्छति ?, हंता ! गोयमा ! जावइयाओ णं उवासंतराओ उदयंते सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छति अत्थमंतेवि सूरिए जाव हव्वमागच्छति १ । जावइयाणं भंते ! खित्तं उदयंते सूरिए आतावेणं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ, अत्थमंतेवि य णं सूरिए तावइयं चेव खित्तं आयावेणं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोएइ तवेइ पभासेइ ?, हंता गोयमा ! जावतियाणं खेत्तं जाव पभासेइ २ । तं भंते ! किं पुट्ठं ओभासेइ अपुट्ठं ओभासेइ ?, जाव छद्दिसिं ओभासेति, एवं उज्जोवेइ तवेइ पभासेइ जाव नियमा छद्दिसिं ३ । से नूणं भंते ! सव्वंति सव्वावंति फुसमाणकालसमयंसि जावतियं खेत्तं फुसइ तावतियं फुसमाणे पुट्ठेति वत्तव्वं सिया ?, हंता ! गोयमा ! सव्वंति जाव वत्तव्वं सिया ४ । तं भंते ! किं पुट्ठं फुसइ अपुट्ठं फुसइ ? जाव नियमा छद्दिसिं ५ । ॥ सू० ५० ॥ लोयंते भंते ! अलोयंतं फुसइ अलोयंतेवि लोयंतं फुसइ ?, हंता गोयमा ! लोयंते अलोयंतं फुसइ अलोयंतेवि लोयंतं फुसइ ३, १ । तं भंते ! किं पुट्ठं फुसइ अपुट्ठं फुसइ ? जाव नियमा छद्दिसिं फुसइ २ । दीवंते भंते ! सागरंतं फुसइ सागरंतेवि दीवंतं फुसइ ?, हंता जाव नियमा छद्दिसिं फुसइ, एवं एएणं अभिलावेणं उदयंते पोयंतं फुसइ छिद्दंते दूसंतं छायंते आयवंतं जाव नियमा छद्दिसिं फुसइ ३ ॥ सू० ५१ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ ?, हंता अत्थि १ । सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ?, जाव निव्वाघाएणं छद्दिसिं वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं २ । सा भंते ! किं कडा कज्जइ अकडा कज्जइ ?, गोयमा ! कडा कज्जइ नो अकडा

कज्जइ ३। सा भंते ! किं अत्तकडा कज्जइ परकडा कज्जइ तदुभयकडा कज्जइ ?, गोयमा ! अत्तकडा कज्जइ णो परकडा कज्जइ णो तदुभयकडा कज्जइ ४। सा भंते ! किं आणुपुव्वि कडा कज्जइ अणाणुपुव्वि कडा कज्जइ ?, गोयमा ! आणुपुव्वि कडा कज्जइ नो अणाणुपुव्वि कडा कज्जइ, जा य कडा जा य कज्जइ जा य कज्जिस्सइ सव्वा सा आणुपुव्वि कडा नो अणाणुपुव्वि कडत्ति वत्तव्वं सिया ५। अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं पाणाइवायकिरिया कज्जइ ?, हंता अत्थि ६। सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जइ अपुट्ठा कज्जइ ? जाव नियमा छद्दिसिं कज्जइ, सा भंते ! किं कडा कज्जइ अकडा कज्जइ ?, तं चेव जाव नो अणाणुपुव्वि कडत्ति वत्तव्वं सिया, जहा नेरइया तहा एगिंदियवज्जा भाणियव्वा, जाव वेमाणिया, एगिंदिया जहा जीवा तहा भाणियव्वा, जहा पाणाइवाए तहा मुसावाए तहा अदिन्नादाणे मेहुणे परिग्गहे कोहे जाव मिच्छादंसणसल्ले, एवं एए अट्ठारस, चउवीसं दंडगा भाणियव्वा ७। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं जाव विहरति ८॥ सू० ५२॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी रोहे नामं अणगारे पगइभद्दए पगइमउए पगइविणीए पगइउवसंते पगइपयणुकोहमाणमायालोभे मिउमद्दवसंपन्ने अल्लीणे भद्दए विणीए समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तए णं से रोहे नामं अणगारे जायसड्ढे जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी–पुव्वि भंते ! लोए पच्छा अलोए पुव्वि अलोए पच्छा लोए ?, रोहा ! लोए य अलोए य पुव्विंपेते पच्छापेते दोवि एए सासया भावा, अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! १। पुव्वि भंते ! जीवा पच्छा अजीवा पुव्वि अजीवा पच्छा जीवा ?, जहेव लोए य अलोए य तहेव जीवा य अजीवा य, एवं भवसिद्धीया य अभवसिद्धीया य सिद्धी असिद्धी सिद्धा असिद्धा,

पुव्वि भंते ! अंडए पच्छा कुक्कुडी पुव्वि कुक्कुडी पच्छा अंडए ?, रोहा ! से णं अंडए कओ ?, भयवं ! कुक्कुडीओ, सा णं कुक्कुडी कओ ?, भंते ! अंडयाओ, एवामेव रोहा ! से य अंडए सा य कुक्कुडी, पुव्विंपेते पच्छापेते दुवेते सासया भावा, अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! २ । पुव्वि भंते ! लोयंते पच्छा अलोयंते पुव्वं अलोयंते पच्छा लोयंते, रोहा ! लोयंते य अलोयंते य जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! ३ । पुव्वि भंते ! लोयंते पच्छा सत्तमे उवासंतारे पुच्छा, रोहा ! लोयंते य सत्तमे उवासंतरे पुव्विंपि दोवि एते जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! ४ । एवं लोयंते य सत्तमे य तणुवाए, एवं घणवाए घणोदहि सत्तमा पुढवी, एवं लोयंते एक्केक्केणं संजोएयव्वे इमेहिं ठाणेहिं–तंजहा–ओवासवाय-घणउदहि पुढवी दीवा य सागरा वासा । नेरइयाई अत्थिय समया कम्माइं लेस्साओ ॥ १ ॥ दिट्ठी दंसण णाणा सन्न सरीरा य जोग उवओगे । दव्वपएसा पज्जव अद्धा किं पुव्वि लोयंते ? ॥ २ ॥ पुव्वि भंते ! लोयंते पच्छा सव्वद्धा ? ५ । जहा लोयंतेणं संजोइया सव्वे ठाणा एते एवं अलोयंतेणवि संजोएयव्वा सव्वे ६ । पुव्वि भंते ! सत्तमे उवासंतरे पच्छा सत्तमे तणुवाए ?, एवं सत्तमं उवासंतरं सव्वेहिं समं संजोएयव्वं जाव सव्वद्धाए ७ । पुव्वि भंते ! सत्तमे तणुवाए पच्छा सत्तमे घणवाए, एयंपि तहेव नेयव्वं जाव सव्वद्धा, एवं उवरिल्लं एक्केक्कं संजोयंतेणं जो जो हिट्ठिल्लो तं तं छड्डंतेणं नेयव्वं जाव अतीयअणागयद्धा पच्छा सव्वद्धा जाव अणाणुपुव्वी एसा रोहा ! सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति ! जाव विहरइ ८ ॥ सू० ४३ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं जाव एवं वयासी–कतिविहा णं भंते ! लोयट्ठिती पण्णत्ता ?, गोयमा ! अट्ठविहा लोयट्ठिती पण्णत्ता, तंजहा–आगासपइट्ठिए वाए १ वायपइट्ठिए उदही २ उदहीपइट्ठिया पुढवी ३ पुढविपइट्ठिया तसा थावरा पाणा ४ अजीवा जीवपइट्ठिया ५ जीवा

कम्मपइट्ठिया ६ अजीवा जीवसंगहिया ७ जीवा कम्मसंगहिया ८, १। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुचइ ?–अट्ठविहा जाव जीवा कम्मसंगहिया ?, गोयमा ! से जहानामए–केइ पुरिसे वत्थिमाडोवेइ वत्थिमाडोवित्ता उप्पिं सितं बंधइ २ मज्झेणं गंठिं बंधइ २ उवरिल्लं गंठिं मुयइ २ उवरिल्लं देसं वामेइ २ उवरिल्लं देसं वामेत्ता उवरिल्लं देसं आउयायस्स पूरेइ २ उप्पिंसि तं बंधइ २ मज्झिल्लं गंठिं मुयइ २। से नूणं गोयमा ! से आउयाए तस्स वाउयायस्स उप्पिं उवरितले चिट्ठइ ?, हंता चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं जाव जीवा कम्मसंगहिया, से जहा वा केइ पुरिसे वत्थिमाडोवेइ २ कडीए बंधइ २ अत्थाहमतार(पा)-मपोरसियंसि उदगंसि ओगाहेज्जा, से नूणं गोयमा ! से पुरिसे तस्स आउयायस्स उवरिमतले चिट्ठइ ?, हंता चिट्ठइ, एवं वा अट्ठविहा लोयट्ठिई पण्णत्ता जाव जीवा कम्मसंगहिया ३ ॥ सू० ५४ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवा य पोग्गला य अन्नमन्न-बद्धा अन्नमन्न-पुट्ठा अन्नमन्न-ओगाढा अन्नमन्न-सिणेह-पडिबद्धा अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठंति ?, हंता ! अत्थि १। से केणट्ठेणं भंते ! जाव चिट्ठंति ?, गोयमा ! से जहानामए–हरदे सिया पुण्णे पुण्णप्पमाणे वोलट्टमाणे वोसट्टमाणे समभरघडत्ताए चिट्ठइ, अहे णं केइ पुरिसे तंसि हरदंसि एगं महं नावं सयासवं सयच्छिद्दं ओगाहेज्जा, से नूणं गोयमा ! सा णावा तेहिं आसवदारेहिं आपूरमाणी २ पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठइ ?, हंता चिट्ठइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! अत्थि णं जीवा य जाव चिट्ठंति २ ॥ सू० ५५ ॥ अत्थि णं भंते ! सया समियं सुहुमे सिणेहकाये पवडइ ! हंता अत्थि। से भंते ! किं उड्ढे पवडइ अहे पवडइ तिरिए पवडइ ?, गोयमा ! उड्ढेवि पवडइ अहे पवडइ तिरिएवि पवडइ, जहा से बादरे आउयाए अन्नमन्नसमाउत्ते चिरंपि दीहकालं चिट्ठइ तहा णं सेवि ?, नो इणट्ठे समट्ठे, से णं खिप्पामेव

विद्धंसमागच्छइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ॥ सू० ५६ ॥ छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति प्रथमशतके षष्ठ उद्देशकः ॥ १–६ ॥

॥ अथ प्रथमशतके-सप्तमोद्देशकः ॥

नेरइए णं भंते ! नेरइएसु उववज्जमाणे किं देसेणं देसं उववज्जइ देसेणं सव्वं उववज्जइ सव्वेणं देसं उववज्जइ सव्वेणं सव्वं उववज्जइ ?, गोयमा ! नो देसेणं देसं उववज्जइ नो देसेणं सव्वं उववज्जइ नो सव्वेणं देसं उववज्जइ सव्वेणं सव्वं उववज्जइ, जहा नेरइए एवं जाव वेमाणिए १ ॥सू० ५७॥ नेरइए णं भंते ! नेरइएसु उववज्जमाणे किं देसेणं देसं आहारेइ १ देसेणं सव्वं आहारेइ २ सव्वेणं देसं आहारेइ ३ सव्वेणं सव्वं आहारेइ ! ४, गोयमा ! नो देसेणं देसं आहारेइ नो देसेणं सव्वं आहारेइ सव्वेण वा देसं आहारेइ सव्वेण वा सव्वं आहारेइ, एवं जाव वेमाणिए २, १ । नेरइए णं भंते ! नेरइएहिंतो उव्वट्टमाणे किं देसेणं देसं उववट्टइ ? जहा उववज्जमाणे तहेव उववट्टमाणोऽवि दंडगो भाणियव्वो ३, २ । नेरइए णं भंते ! नेरइएहिंतो उववट्टमाणे किं देसेणं देसं आहारेइ तहेव जाव सव्वेण वा देसं आहारेइ ? सव्वेण वा सव्वं आहारेइ १, एवं जाव वेमाणिए ४, ३ । नेरइएणं भंते ! नेरइएसु उववन्ने किं देसेणं देसं उववन्ने, एसोऽवि तहेव जाव सव्वेणं सव्वं उववन्ने ?, जहा उववज्जमाणे उववट्टमाणे य चत्तारि दंडगा तहा उववन्नेणं उव्वट्टेणवि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, सव्वेणं सव्वं उववन्ने सव्वेण वा देसं आहारेइ सव्वेण वा सव्वं आहारेइ, एएणं अभिलावेणं उववन्नेवि उव्वट्टणेवि नेयव्वं ८, ४ । नेरइए णं भंते ! नेरइएसु उववज्जमाणे किं अद्धेणं अद्धं उववज्जइ ? १ अद्धेणं सव्वं उववज्जइ ? २ सव्वेणं अद्धं उववज्जइ ? ३ सव्वेणं सव्वं उववज्जइ ? ४, जहा पढमिल्लेणं

अट्ठदंडगा तहा अद्धेणवि अट्ठ दंडगा भाणियव्वा, नवरं जहिं देसेणं देसं उववज्जइ तहिं अद्धेणं अद्धं उववज्जइ इति भाणियव्वं, एयं णाणत्तं एते सव्वेवि सोलसदंडगा भाणियव्वा ५ ॥ सू० ५८ ॥ जीवे णं भंते ! किं विग्गहगतिसमावन्नए अविग्गहगतिसमावन्नए ?, गोयमा सिय विग्गहगइसमावन्नए सिय अविग्गहगतिसमावन्नगे, एवं जाव वेमाणिए १ । जीवा णं भंते ! किं विग्गहगइ-समावन्नया अविग्गहगइ-समावन्नगा ?, गोयमा ! विग्गहगइसमावन्नगावि अविग्गहगइसमावन्नगावि २ । नेरइया णं भंते ! किं विग्गहगतिसमावन्नया अविग्गहगतिसमावन्नगा ?, गोयमा ! सव्वेवि ताव होज्जा अविग्गहगतिसमावन्नगा १ अहवा अविग्गहगतिसमावन्नगा य विग्गहगतिसमावन्ने य २ अहवा अविग्गहगतिसमावन्नगा य विग्गहगइसमावन्नगा य ३, एवं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ३ ॥ सू० ५९ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढिए महज्जुईए महब्बले महायसे महासुक्खे महाणुभावे अविउक्कंतियं (चयं) चयमाणे किंचिवि कालं हिरिवत्तियं दुगुंछावत्तियं परिसहवत्तियं आहारं नो आहारेइ, अहे णं आहारेइ, आहारिज्जमाणे आहारिए परिणामिज्जमाणे परिणामिए पहीणे य आउए भवइ जत्थ उववज्जइ तमाउयं पडिसंवेएइ, तंजहा–तिरिक्खजोणियाउयं वा मणुस्साउयं वा ?, हंता गोयमा ! देवे णं महिड्ढीए जाव मणुस्साउयं वा ॥ सू० ६० ॥ जीवे णं भंते गब्भं वक्कमाणे किं सइंदिए वक्कमइ अणिंदिय वक्कमइ ?, गोयमा ! सिय सइंदिए वक्कमइ सिय अणिंदिए वक्कमइ, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! दव्विंदियाइं पडुच्च अणिंदिए वक्कमइ, भाविंदियाइं पडुच्च सइंदिए वक्कमइ, से तेणट्ठेणं० १ । जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे किं ससरीरी वक्कमइ असरीरी वक्कमइ ?, गोयमा ! सिय ससरीरी वक्कमइ सिय असरीरी वक्कमइ, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! ओरालिय-वेउव्विय-आहारयाइं पडुच्च असरीरी वक्कमइ तेयाकम्माइं पडुच्च ससरीरी वक्कमइ, से तेणट्ठेणं गोयमा !० २ ।

जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे तप्पढमयाए किमाहारमाहारेइ ?, गोयमा ! माउओयं पिउसुक्कं तं तदुभयसंसिट्ठं कलुसं किव्विसं तप्पढमयाए आहारमाहारेइ ३ । जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे किमाहारमाहारेइ ?, गोयमा ! जं से माया नाणाविहाओ रसविगईओ आहारमाहारेइ तदेक्कदेसेणं ओयमाहारेइ ४ । जीवस्स णं भंते ! गब्भगयस्स समाणस्स अत्थि उच्चारेइ वा पासवणेइ वा खेलेइ वा सिंघाणेइ वा वंतेइ वा पित्तेइ वा ?, णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे जमाहारेइ तं चिणाइ तं सोइंदियत्ताए जाव फासिंदियत्ताए अट्ठि-अट्ठिमिंज-केसमंसु-रोमनहत्ताए, से तेणट्ठेणं० ५ । जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे पभू मुहेणं कावलियं आहारं आहारित्तए ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! जीवे णं गब्भगए समाणे सव्वओ आहारेइ सव्वओ परिणामेइ सव्वओ उस्ससइ सव्वओ निस्ससइ अभिक्खणं आहारेइ अभिक्खणं परिणामेइ अभिक्खणं ऊस्ससइ अभिक्खणं निस्ससइ आहच्च आहारेइ आहच्च परिणामेइ आहच्च उस्ससइ आहच्च नीससइ ६ । माउजीवरसहरणी पुत्तजीवरसहरणी माउजीवपडिबद्धा पुत्तजीवं फुडा तम्हा आहारेइ तम्हा परिणामेइ, अवरावि य णं पुत्तजीवपडिबद्धा माउजीवफुडा तम्हा चिणाइ तम्हा उवचिणाइ से तेणट्ठेणं० जाव नो पभू मुहेणं कावलियं आहारं आहारित्तए ७ । कइ णं भंते ! माइअंगा पण्णत्ता ?, गोयमा ! तओ माइयंगा पण्णत्ता, तंजहा–मंसे सोणिए मत्थुलुंगे ८ । कइ णं भंते ! पिइयंगा पण्णत्ता ?, गोयमा ! तओ पिइयंगा पण्णत्ता, तंजहा–अट्ठि अट्ठिमिंजा केसमंसुरोमनहे ९ । अम्मापिइए णं भंते ! सरीरए केवइयं कालं संचिट्ठइ ?, गोयमा ! जावइयं से कालं भवधारणिज्जे सरीरए अव्वावन्ने भवइ एवतियं कालं संचिट्ठइ, अहे णं समए समए वोक्कसिज्जमाणे २ चरमकालसमयंसि

वोच्छिन्ने भवइ १० ॥ सू० ६१ ॥ जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे नेरइएसु उववज्जेज्जा ?, गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए नो उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! से णं सन्नी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए पराणीएणं आगयं सोच्चा निसम्म पएसे निच्छुभइ २ वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ चाउरंगिणिं सेन्नं विउव्वइ चाउरंगिणीसेन्नं विउव्वेत्ता चाउरंगिणीए सेणाए पराणीएणं सद्धिं संगामं संगामेइ, से णं जीवे अत्थकामए रज्जकामए भोगकामए कामकामए अत्थकंखिए रज्जकंखिए भोगकंखिए कामकंखिए अत्थपिवासिए रज्जपिवासिए भोगपिवासिए कामपिवासिए तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसिए तत्तिव्वज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तदप्पियकरणे तब्भावणाभाविए एयंसि णं अंतरंसि कालं करेज्ज नेरइएसु उववज्जइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए नो उववज्जेज्जा १ । जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे देवलोगेसु उववज्जेज्जा ?, गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा अत्थेगइए नो उववज्जेज्जा, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! से णं सन्नी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आयारियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म तओ भवइ संवेगजायसड्ढे तिव्वधम्माणुरागरत्ते, से णं जीवे धम्मकामए पुण्णकामए सग्गकामए मोक्खकामए धम्मकंखिए पुण्णकंखिए सग्गकंखिए मोक्खकंखिए धम्मपिवासिए पुण्णसग्गमोक्खपिवासिए तच्चित्ते तम्मणे तल्लेसे तदज्झवसिए तत्तिव्वज्झवसाणे तदट्ठोवउत्ते तदप्पियकरणे तब्भावणाभाविए एयंसि णं अंतरंसि कालं करेज्ज देवलोएसु उववज्जति, से तेणट्ठेणं गोयमा !० २ । जीवे णं भंते ! गब्भगए समाणे उत्ताणए वा पासिल्लए वा अंबखुज्जए वा अच्छेज्ज वा चिट्ठेज्ज वा निसीएज्ज वा तुयट्टेज्ज वा माऊए सुयमाणीए सुवइ जागरमाणीए जागरइ सुहियाए सुहिए भवइ दुहियाए दुहिए भवइ ?, हंता

गोयमा ! जीवेणं गब्भगए समाणे जाव दुहियाए दुहिए भवइ, अहे णं पसवणकालसमयंसि सीसेण वा पाएहिं वा आगच्छइ सम(म्म)मागच्छइ तिरियमागच्छइ विणिहायमावज्जति(गच्छइ) ३ । वण्णवज्झाणि य से कम्माइं बद्धाइं पुट्ठाइं निहत्ताइं कडाइं पट्ठवियाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमन्नागयाइं उदिन्नाइं नो उवसंताइं भवंति तओ भवइ दुरूवे दुव्वन्ने दुग्गंधे दूरसे दुप्फासे अणिट्ठे अकंते अप्पिए असुभे अमणुन्ने अमणामे हीणस्सरे दीणस्सरे अणिट्ठस्सरे अकंतस्सरे अप्पियस्सरे असुभस्सरे अमणुन्नस्सरे अमणामस्सरे अणाएज्जवयणे पच्चायाए यावि भवइ, वन्नवज्झाणि य से कम्माइं नो बद्धाइं जाव पसत्थं नेयव्वं जाव आदेज्जवयणं पच्चायाए यावि भवइ, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति ४ ॥ सू० ६२ ॥ सत्तमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति प्रथमशतके सप्तम उद्देशकः ॥ १–७ ॥

॥ अथ प्रथमशतके आयुनामाष्टमोद्देशकः ॥

रायगिहे समोसरणं जाव एवं वयासी–एगंतबाले णं भंते ! मणूसे किं नेरइयाउसं पकरेइ तिरिक्खजोणियाउयं मणुस्साउयं देवाउयं पकरेइ ?, नेरइयाउयं किच्चा नेरइएसु उववज्जइ तिरियाउयं किच्चा तिरिएसु उववज्जइ मणुस्साउयं किच्चा मणुस्सएसु उववज्जइ देवाउयं किच्चा देवलोएसु उववज्जइ ?, गोयमा ! एगंतबाले णं मणुस्से नेरइयाउयंपि पकरेइ तिरियाउयं मणुस्साउयं देवाउयंपि पकरेइ, नेरइयाउयंपि किच्चा नेरइएसु उववज्जइ तिरियाउयं मणुस्साउयं देवाउयं किच्चा तिरिएसु मणुस्सएसु देवलोएसु उववज्जइ ॥ सू० ६३ ॥ एगंतपंडिए णं भंते ! मणुस्से किं नेरयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवलोएसु उववज्जवति ?, गोयमा ! एगंतपंडिए णं मणुस्से आउयं सिय पकरेइ सिय नो पकरेइ, जइ पकरेइ नो नेरइयाउयं पकरेइ नो तिरियाउयं पकरेइ नो मणुस्साउयं पकरेइ देवाउयं पकरेइ, नो नेरइयाउयं किच्चा

नेरइएसु उववज्जइ णो तिरियाउयं किच्चा तिरिएसु उववज्जइ णो मणुस्साउयं किच्चा मणुस्सएसु उववज्जइ देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ, से केणट्ठेणं जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ?, गोयमा ! एगंतपंडियस्स णं मणुस्सस्स केवलमेव दो गईओ पन्नायंति, तंजहा—अंतकिरिया चेव कप्पोववत्तिया चेव, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ १ । बालपंडिएणं भंते ! मणुस्से किं नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ?, गोयमा ! नो नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ, से केणट्ठेणं जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ ?, गोयमा ! बालपंडिए णं मणुस्से तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म देसं उवरमइ देसं नो उवरमइ देसं पच्चक्खाइ देसं णो पच्चक्खाइ, से तेणट्ठेणं देसोवरम देसपच्चक्खाणेणं नो नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं किच्चा देवेसु उववज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव देवेसु उववज्जइ २ ॥ सू० ६४ ॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा १ दहंति वा २ उदगंसि वा ३ दवियंसि वा ४ वलयंसि वा ५ नूमंसि वा ६ गहणंसि वा ७ गहणविदुग्गंसि वा ८ पव्वयंसि वा ९ पव्वयविदुग्गंसि वा १० वणंसि वा ११ वणविदुग्गंसि वा १२ मियवित्तीए मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता एए मिएत्तिकाउं अन्नयरस्स मियस्स वहाए कूडपासं उद्दाइ, ततो णं भंते ! से पुरिसे कतिकिरिए पण्णत्ते ?, गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे कच्छंसि वा १२ जाव कूडपासं उद्दाइ तावं च णं से पुरिसे सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पचकिरिए, से केणट्ठेणं भंते ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए ?, गोयमा ! जे भविए उद्दवणयाए णो बंधणयाए णो मारणयाए तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए तिहिं किरियाहिं पुट्ठे, जे भविए उद्दवणयाएवि बंधणयाएवि णो मारणयाए तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए पारियावणियाए

चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जे भविए उद्दवणयाएवि बंधणयाएवि मारणयाएवि तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए पाउसियाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, से तेणट्ठेणं जाव पंचकिरिए ॥ सू० ६५ ॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा तणाइं ऊसविय २ अग्गिकायं निसिरइ तावं च णं भंते ! से पुरिसे कतिकिरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, से केणट्ठेणं !, गोयमा जे भविए उस्सवणयाए तिहिं, उस्सवणयाएवि निस्सिरणयाएवि नो दहणयाए चउहिं, जे भविए उस्सवणयाएवि निसिरणयाएवि दहणयाएवि तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, से तेणट्ठेणं गोयमा ! ॥ सू० ६६ ॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा जाव वणविदुग्गंसि वा मियवित्तीए(मियसंवित्तीए) मियसंकप्पे मियपणिहाणे मियवहाए गंता एए मियेत्ति काउं अन्नयरस्स मियस्स वहाए उसुं निसिरइ, ततो णं भंते ! से पुरिसे कइकिरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! जे भविए निसिरणयाए नो विद्धंसणयाएवि नो मारणयाए तिहिं, जे भविए निसिरणयाएवि विद्धंसणयाएवि नो मारणयाए चउहिं, जे भविए निस्सिरणयाएवि विद्धंसणयाएवि मारणयाएवि तावं च णं से पुरिसे जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, से तेणट्ठेणं गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए ॥ सू० ६७ ॥ पुरिसे णं भंते ! कच्छंसि वा जाव अन्नयरस्स मियस्स वहाए आययकन्नायत्तं उसुं आयामेत्ता चिट्ठिज्जा, अन्नयरे(अन्ने य से) पुरिसे मग्गओ आगम्म सयपाणिणा असिणा सीसं छिंदेज्जा से य उसुं ताए चेव पुव्वायामणयाए तं विंधेज्जा से णं भंते ! पुरिसे किं मियवेरेणं पुट्ठे पुरिसवेरेणं पुट्ठे ?, गोयमा ! जे मियं मारेइ से मियवेरेणं पुट्ठे, जे पुरिसं मारेइ से पुरिसवेरेणं पुट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव से

पुरिसवेरेणं पुट्ठे ?, से नूणं गोयमा ! कज्जमाणे कडे संधिज्जमाणे संधिए निव्वत्तिज्जमाणे निव्वत्तिए निसिरिज्जमाणे निसिट्ठेत्ति वत्तव्वं सिया ?, हंता भगवं ! कज्जमाणे कडे जाव निसिट्ठेत्ति वत्तव्वं सिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जे मियं मारेइ से मियवेरेणं पुट्ठे, जे पुरिसं मारेइ से पुरिसवेरेणं पुट्ठे १ । अंतो छण्हं मासाणं मरइ काइयाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, बाहिं छण्हं मासाणं मरइ काइयाए जाव पारियावणियाए चउहिं किरियाहिं पुट्ठे २ ॥ सू० ६८ ॥ पुरिसे णं भंते ! पुरिसं सत्तीए समभिधंसेज्जा सयपाणिणा वा से असिणा सीसं छिंदेज्जा तओ णं भंते ! से पुरिसे कतिकिरिए ?, गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे तं पुरिसं सत्तीए-अ(सम)भिसंधेइ सयपाणिणा वा से असिणा सीसं छिंदइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए अहिगरणियाए जाव पाणाइवायकिरियाए पंचहिं किरियाहिं पुट्ठे, आसन्नवहएण य अणवकंखवत्तिएणं पुरिसवेरेणं पुट्ठे ॥ सू० ६९ ॥ दो भंते ! पुरिसा सरिसया सरित्तया सरिव्वया सरिस-भंडमत्तोवगरणा अन्नमन्नेणं सद्धिं संगामं संगामेन्ति, तत्थ णं एगे पुरिसे पराइणइ एगे पुरिसे पराइज्जइ, से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! सवीरिए पराइणइ अवीरिए पराइज्जइ, से केणट्ठेणं जाव पराइज्जइ ?, गोयमा ! जस्स णं वीरियवज्झाइं कम्माइं णो बद्धाइं णो पुट्ठाइं जाव नो अभिसमन्नागयाइं नो उदिन्नाइं उवसंताइं भवंति से णं पराइणइ, जस्स णं वीरियवज्झाइं कम्माइं बद्धाइं जाव उदिन्नाइं नो उवसंताइं भवंति से णं पुरिसे पराइज्जइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ सवीरिए पराइणइ अवीरिए पराइज्जइ ॥सू० ७०॥ जीवा णं भंते ! किं सवीरिया अवीरिया ?, गोयमा ! सवीरियावि अवीरियावि, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! जीवा दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—संसारसमावन्नगा य असंसारसमावन्नगा य, तत्थ णं जे ते असंसारसमावन्नगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अवीरिया, तत्थ णं जे ते संसारसमावन्नगा ते

दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–सेलेसिपडिवन्नगा य असेलेसिपडिवन्नगा य, तत्थ णं जे ते सेलेसिपडिवन्नगा ते णं लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं अवीरिया, तत्थ णं जे ते असेलेसिपडिवन्नगा ते णं लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं सवीरियावि अवीरियावि, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–जीवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–सवीरियावि अवीरियावि १ । नेरइया णं भंते ! किं सवीरिया अवीरिया ?, गोयमा ! नेरइया लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं सवीरियावि अवीरियावि, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! जेसि णं नेरइयाणं अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे ते णं नेरइया लद्धिवीरिएणवि सवीरिया करणवीरिएणवि सवीरिया, जेसि णं नेरइयाणं नत्थि उट्ठाणे जाव परक्कमे ते णं नेरइया लद्धिवीरिएणं सवीरिया करणवीरिएणं अवीरिया, से तेणट्ठेणं गोयमा !० २ । जहा नेरइया एवं जाव पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिया, मणुस्सा जहा ओहिया जीवा, नवरं सिद्धवज्जा भाणियव्वा, वाणमंतर-जोइसवेमाणिया जहा नेरइया, सेवं भंते ! सेवं भंते त्ति ३ ॥ सू० ७१ ॥ पढमसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति प्रथमशतके अष्टम उद्देशकः ॥ १–८ ॥

॥ अथ प्रथमशतके गुरुकाख्य-नवमोद्देशकः ॥

कहन्नं भंते ! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छन्ति ?, गोयमा ! पाणाइवाएणं मुसावाएणं अदिन्नादाणेणं मेहुणेणं परिग्गहेणं कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं पेज्जेणं दोसेणं कलहेणं अब्भक्खाणेणं पेसुन्नेणं रतिअरतिए परपरिवायेणं मायामोसेणं मिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु गोयमा ! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छंति १ । कहन्नं भंते ! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छंति ?, गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेणं जाव मिच्छादंसण-सल्लवेरमणेणं एवं खलु गोयमा ! जीवा लहुयत्तं हव्वमागच्छन्ति २ । एवं संसारं

आउलीकरेंति एवं परित्तीकरेंति दीहीकरेंति हस्सीकरेंति एवं अणुपरियट्टंति एवं वीईवयंति—पसत्था चत्तारि अप्पसत्था चत्तारि ३ ॥ सू० ७२ ॥ सत्तमे णं भंते ! ओवासंतरे किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ?, गोयमा ! नो गुरुए नो लहुए नो गुरुयलहुए अगुरुयलहुए १ । सत्तमे णं भंते ! तणुवाए किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ?, गोयमा ! नो गुरुए नो लहुए गुरुयलहुए नो अगुरुयलहुए २ । एवं सत्तमे घणवाए सत्तमे घणोदही सत्तमा पुढवी, उवासंतराइं सव्वाइं जहा सत्तमे ओवासंतरे, (सेसा) जहा तणुवाए, एवं ओवासवायघणउदहि पुढवी दीवा य सागरा वासा ३ । नेरइया णं भंते ! किं गुरुया जाव अगुरुलहुया ?, गोयमा ! नो गुरुया नो लहुया गुरुयलहुयावि अगुरुयलहुयावि, से केणट्ठेणं ?, गोयमा ! वेउव्वियतेयाइं पडुच्च नो गुरुया नो लहुया गुरुयलहुया नो अगुरुयलहुया, जीवं च कम्मणं च पडुच्च नो गुरुया नो लहुया नो गुरुयलहुया अगुरुयलहुया, से तेणट्ठेणं जाव वेमाणिया, नवरं णाणत्तं जाणियव्वं सरीरेहिं ४ । धम्मत्थिकाए जाव जीवत्थिकाए चउत्थपएणं ५ । पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! किं गुरुए लहुए गुरुयलहुए अगुरुयलहुए ?, गोयमा ! णो गुरुए नो लहुए गुरुयलहुएवि अगुरुयलहुएवि, से केणट्ठेणं ? गोयमा ! गुरुयलहुयदव्वाइं पडुच्च नो गुरुए नो लहुए गुरुयलहुए नो अगुरुयलहुए, ! अगुरुयलहुयदव्वाइं पडुच्च नो गुरुए नो लहुए नो गुरुयलहुए अगुरुयलहुए, समया कम्माणि य चउत्थपदेणं ६ । कण्हलेसा णं भंते ! किं गुरुया जाव अगुरुयलहुया ?, गोयमा ! नो गुरुया नो लहुया गुरुयलहुयावि अगुरुयलहुयावि, से केणट्ठेणं ?, गोयमा, दव्वलेसं पडुच्च ततियपदेणं भावलेसं पडुच्च चउत्थपदेणं, एवं जाव सुक्कलेसा ७ । दिट्ठी-दंसण-नाण-अन्नाण-सण्णाओ-चउत्थपदेणं णेयव्वाओ, हेट्ठिल्ला चत्तारि सरीरा नेयव्वा ततियपदेणं, कम्म य

चउत्थयपएणं, मणजोगो वइजोगो चउत्थएणं पदेणं, कायजोगो ततिएणं पदेणं, सागारोवओगो अणागारोवओगो चउत्थपदेणं, सव्वदव्वा सव्वपदेसा सव्वपजवा जहा पोग्गलत्थिकाओ, तीतद्धा अणागयद्धा सव्वद्धा चउत्थएणं पदेणं ८ ॥ सू० ७३ ॥ से नूणं भंते ! लाघवियं अप्पिच्छा अमुच्छा अगेही अपडिबद्धया समणाणं णिग्गंथाणं पसत्थं ?, हंता गोयमा ! लाघवियं जाव पसत्थं १ । से नूणं भंते ! अकोहत्तं अमाणत्तं अमायत्तं अलोभत्तं समणाणं निग्गंथाणं पसत्थं ?, हंता गोयमा ! अकोहत्तं अमाणत्तं जाव पसत्थं २ । से नूणं भंते ! कंखापदोसे खीणे समणे निग्गंथे अंतकरे भवति अंतिमसारीरिए वा बहुमोहेवि य णं पुव्विं विहरित्ता अह पच्छा संवुडे कालं करेति तओ पच्छा सिज्झति ३ जाव अंतं करेइ ?, हंता गोयमा ! कंखापदोसे खीणे जाव अंतं करेति ३ ॥ सू० ७४ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति एवं भासेंति एवं पण्णवेंति एवं परूवेंति–एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं पकरेति, तंजहा–इहभवियाउयं च परभवियाउयं च, जं समयं इहभवियाउयं पकरेति तं समयं परभवियाउयं पकरेति, जं समयं परभवियाउयं पकरेति तं समयं इहभवियाउयं पकरेति, इहभवियाउयस्स पकरणयाए परभवियाउयं पकरेइ, परभवियाउयस्स पकरणयाए इहभवियाउयं पकरेति, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं पकरेति, तंजहा–इहभवियाउयं च परभवियाउयं च, १ । से कहमेवं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमातिक्खंति जाव परभवियाउयं च, जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पकरेति, तंजहा–इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा, जं समयं इहभवियाउयं पकरेति णो तं समयं परभवियाउयं पकरेति, जं समयं परभवियाउयं पकरेइ णो तं समयं इहभवियाउयं पकरेइ, इहभवियाउ-

यस्स पकरणताए णो परभवियाउयं पकरेति, परभवियाउयस्स पकरणताए णो इहभवियाउयं पकरेति, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पकरेति, तंजहा–इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे जाव विहरति २ ॥ सू० ७५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जे कालासवेसियपुत्ते णामं अणगारे जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छति २ थेरे भगवंते एवं वयासी–थेरा सामाइयं ण जाणंति थेरा सामाइयस्स अट्ठं ण याणंति, थेरा पच्चक्खाणं ण याणंति थेरा पच्चक्खाणस्स अट्ठं ण याणंति, थेरा संजमं ण याणंति थेरा संजमस्स अट्ठं ण याणंति, थेरा संवरं ण याणंति थेरा संवरस्स अट्ठं ण याणंति, थेरा विवेगं ण याणंति थेरा विवेगस्स अट्ठं ण याणंति, थेरा विउस्सग्गं ण याणंति थेरा विउस्सग्गस्स अट्ठं ण याणंति ६, १ । तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी–जाणामो णं अज्जो ! सामाइयं जाणामो णं अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठं जाव जाणामो णं अज्जो ! विउस्सग्गस्स अट्ठं २ । तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते एवं वयासी–जति णं अज्जो ! तुब्भे जाणह सामाइयं जाणह सामाइयस्स अट्ठं जाव जाणह विउस्सग्गस्स अट्ठं किं मे अज्जो ! सामाइए ! किं मे अज्जो सामाइयस्स अट्ठे ? जाव किं मे विउस्सग्गस्स अट्ठे ?, तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी–आया णे अज्जो ! सामाइए, आया णे अज्जो ! सामाइयस्स अट्ठे, जाव विउस्सग्गस्स अट्ठे ३ । तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते एवं वयासी–जति भे अज्जो ! आया सामाइए, आया सामाइयस्स अट्ठे एवं जाव आया विउस्सग्गस्स अट्ठे, अवहट्टु कोहमाणमायालोभे किमट्ठं अज्जो ! गरहह ?, कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी–गरहा णं अज्जो ! संजमट्ठयाए, से भंते ! किं गरहा संजमे अगरहा संजमे ?.

कालसवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी–गरहा णं अज्जो ! संजमे नो अगरहासंजमे, गरहावि य णं सव्वं दोसं पविणेति सव्वं बालियं परिणाए, एवं खु णे आया संजमे उवहिए भवति, एवं खु णे आया संजमे उवचिए भवति, एवं खु णे आया संजमे उवट्ठिए भवति ४। एत्थ णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे संबुद्धे थेरे भगवंते वंदति णमंसति २ एवं वयासी–एएसि णं भंते ! पयाणं पुव्वि अणाणयाए असवणयाए अबोहिए अणभिगमेणं अदिट्ठाणं असुयाणं अस्सुयाणं अविण्णायाणं अव्वोगडाणं अव्वोच्छिन्नाणं अणिज्जूढाणं अणुवधारियाणं एयमट्ठं णो सद्दहिए णो पत्तिइए णो रोइए इयाणिं भंते ! एतेसिं पयाणं जाणयाए सवणयाए बोहीए अभिगमेणं दिट्ठाणं सुयाणं मुयाणं विण्णायाणं वोगडाणं वोच्छिन्नाणं णिज्जूढाणं उवधारियाणं एयमट्ठं सद्दहामि पत्तियामि रोएमि एवमेयं से जहेयं तुब्भे वदह ५। तए णं ते थेरा भगवंतो कालासवेसियपुत्तं अणगारं एवं वयासी–सद्दहाहि अज्जो ! पत्तियाहि अज्जो ! रोएहि अज्जो ! से जहेयं अम्हे वदामो ६। तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंतो वंदइ नमंसइ २ एवं वदासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह ७। तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे थेरे भगवंते वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सपडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ ८। तए णं से कालासवेसियपुत्ते अणगारे बहूणि वासाणि सामण्णपरियागं पाउणइ जस्सट्ठाए कीरइ नग्गभावे मुंडभावे अण्हाणयं अदंतधुवणयं अच्छत्तयं अणोवाहणयं भूमिसेज्जा फलहसेज्जा कट्ठसेज्जा केसलोओ बंभचेरवासो परघरपवेसो लद्धावलद्धी उच्चावया गामकंटगा बावीसं परिसहोवसग्गा अहियासिज्जंति तमट्ठं

आराहेइ २ चरिमेहिं उस्सासनीसासेहिं सिद्धे बुद्धे मुक्के परिनिव्वुडे सव्वदुक्खप्पहीणे १ ॥ सू० ७६ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ एवं वयासी–से नूणं भंते ! सेट्ठियस्स य तणुयस्स य किवणस्स य खत्तियस्स य समा चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ ?, हंता गोयमा ! सेट्ठियस्स य जाव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?, गोयमा ! अविरतिं पडुच्च से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–सेट्ठियस्स य तणुयस्स जाव कज्जइ ॥ सू० ७७ ॥ आहाकम्मं भुंजमाणे समणे निग्गंथे किं बंधइ किं पकरेइ किं चिणाइ किं उवचिणाइ ?, गोयमा ! आहाकम्मं णं भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ धणियबंधणबद्धाओ पकरेइ जाव अणुपरियट्टइ, से केणट्ठेणं जाव अणुपरियट्टइ ?, गोयमा ! आहाकम्मं णं भुंजमाणे आयाए धम्मं अइक्कमइ आयाए धम्मं अइक्कममाणे पुढविकायं णावकंखइ जाव तसकायं णावकंखइ, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीराइं आहारमाहारेइ तेवि जीवे नावकंखइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–आहाकम्मं णं भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ जाव अणुपरियट्टइ १ । फासुएसणिज्जं भंते ! भुंजमाणे किं बंधइ जाव उवचिणाइ ?, गोयमा ! फासुएसणिज्जं णं भुंजमाणे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपयडीओ धणियबंधणबद्धाओ सिढिलबंधणबद्धाओ पकरेइ जहा संवुडे णं, नवरं आउयं च णं कम्मं सिय बंधइ सिय नो बंधइ, सेसं तहेव जाव वीईवयइ, से केणट्ठेणं जाव वीईवयइ ?, गोयमा ! फासुएसणिज्जं भुंजमाणे समणे निग्गंथे आयाए धम्मं नो अइक्कमइ, आयाए धम्मं अणइक्कममाणे पुढविकाइयं अवकंखति जाव तसकायं अवकंखइ, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीराइं आहारेइ तेऽवि जीवे अवकंखति से तेणट्ठेणं जाव वीईवयइ २ ॥ सू० ७८ ॥ से नूणं भंते ! अथिरे पलोट्टइ नो थिरे

पलोट्टति अथिरे भज्जइ नो थिरे भज्जइ सासए बालए बालियत्तं असासयं सासए पंडिए पंडियत्तं असासयं ?, हंता गोयमा ! अथिरे पलोट्टइ जाव पंडियत्तं असासयं सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ॥ सू० ७९ ॥ नवमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति प्रथमशतके नवम उद्देशकः ॥ १-९ ॥

॥ अथ प्रथमशतके चलनादिनामक-दशमोद्देशकः ॥

अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव एवं परूवेंति–एवं खलु चलमाणे अचलिए जाव निज्जरिज्जमाणे अणिज्जिण्णे, दो परमाणुपोग्गला एगयओ न साहणंति, कम्हा दो परमाणुपोग्गला एगततो न साहणंति ?, दोण्हं परमाणुपोग्गलाणं नत्थि सिणेहकाए, तम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ न साहणंति, तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, कम्हा ? तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, तिण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति ते भिज्जमाणा दुहावि तिहावि कज्जंति, दुहाकज्जमाणा एगयओ दिवड्ढे परमाणुपोग्गले भवति एगयओवि दिवड्ढे परमाणुपोग्गले भवति, तिहा कज्जमाणा तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति, एवं जाव चत्तारि पंचपरमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति, एगयओ साहणित्ता दुवखत्ताए कज्जंति १ । दुक्खेवि य णं से सासए सया समियं उवचिज्जइ य अवचिज्जइ य पुव्विं भासा भासा भासिज्जमाणी भासा अभासा, भासासमयवीतिक्कंतं च णं भासिया भासा, जा सा पुव्विं भासा भासा, भासिज्जमाणी भासा अभासा, भासासमयवीतिक्कंतं च णं भासिया भासा, सा किं भासाओ भासा ? अभासओ भासा ?, अभासओ णं सा भासा, नो खलु सा भासओ भासा २ । पुव्विं किरिया दुक्खा कज्जमाणी किरिया

अदुक्खा किरियासमयवीतिक्कंतं च णं कडा किरिया दुक्खा, जा सा पुव्वि किरिया दुक्खा कज्जमाणी किरिया अदुक्खा, किरियासमयवीइक्कंतं च णं कडा किरिया दुक्खा, सा किं करणओ दुक्खा अकरणओ दुक्खा ?, अकरणओ णं सा दुक्खा, णो खलु सा करणओ दुक्खा ३ । सेवं वत्तव्वं सिया–अकिच्चं दुक्खं अफुसं दुक्खं अकज्जमाणकडं दुक्खं अकट्टु अकट्टु पाणभूयजीवसत्ता वेदणं वेदेंतीति वत्तव्वं सिया ४ । से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमातिक्खंति जाव वेदणं वेदेंति, वत्तव्वं सिया, जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमातिक्खामि, एवं खलु चलमाणे चलिए जाव निज्जरिज्जमाणे निज्जिण्णे, दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति, कम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति ?, दोण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा दो परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति, ते भिज्जमाणा दुहा कज्जंति, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ परमाणुपोग्गले भवंति, तिण्णि परमाणुपोग्गला एगओ साहण्णंति, कम्हा तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति ?, तिण्हं परमाणुपोग्गलाणं अत्थि सिणेहकाए, तम्हा तिण्णि परमाणुपोग्गला एगयओ साहण्णंति, ते भिज्जमाणा दुहावि तिहावि कज्जंति, दुहा कज्जमाणा एगओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपदेसिए खंधे भवति, तिहा कज्जमाणा तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति, एवं जाव चत्तारिपंच-परमाणुपोग्गला एगओ साहण्णंति साहणित्ता खंधत्ताए कज्जंति, खंधेवि य णं से असासए सया समियं उवचिज्जइ य अवचिज्जइ य ५ । पुव्वि भासा अभासा भासिज्जमाणी भासा २ भासासमयवीतिक्कंतं च णं भासिया भासा अभासा जा सा पुव्वि भासा अभासा भासिज्जमाणी भासा २ भासासमयवीतिक्कंतं च णं भासिया भासा अभासा सा किं भासओ भासा अभासओ भासा ?, भासओ णं

भासा नो खलु सा अभासओ भासा ६ । पुव्वि किरिया अदुक्खा जहा भासा तहा भाणियव्वा, किरियावि जाव करणओ णं सा दुक्खा नो खलु सा अकरणओ दुक्खा, सेवं वत्तव्वं सिया–किच्चं फुसं किच्चं दुक्खं कज्जमाणकडं दुक्खं कट्टु २ पाणभूयजीवसत्ता वेदणं वेदेंतीति वत्तव्वं सिया ७ ॥ सू० ८० ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव एवं परूवेंति–एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेंति, तंजहा–इरियावहियं च संपराइयं च, परउत्थियवत्तव्वं णेयव्वं [जं समयं इरियावहियं पकरेइ तं समयं संपराइयं पकरेइ, जं समयं संपराइयं पकरेइ तं समयं इरियावहियं पकरेइ, इरियावहियाए पकरणताए संपराइयं पकरेइ संपराइयपकरणयाए इरियावहियं पकरेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेंति, तंजहा–इरियावहियं च संपराइयं च ।] ससमयवत्तव्वयाए णेयव्वं जाव [से कहमेयं भंते एवं ?, गोयमा ! जं णं ते अण्णउत्थिया एवमाइक्खंति तं चेव जाव जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि ४–एवं खलु एगे जीवे एगसमए एक्कं किरियं पकरेइ तंजहा–] इरियावहियं वा संपराइयं वा ॥ सू० ८१ ॥ निरयगई णं भंते ! केवतियं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ?, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता, एवं वक्कंतीपयं भाणियव्वं निरवसेसं, सेवं भंते ! सेवं भंते त्ति जाव विहरइ ॥ सू० ८२ ॥ पढमं सयं समत्तं ॥

॥ इति प्रथमशतके दशम उद्देशकः ॥ १–१० ॥

॥ इति प्रथमं शतकं ॥ १ ॥

॥ अथ द्वितीयशतके उच्छ्वास-स्कन्दकाख्य-प्रथमोद्देशकः ॥

गाहा—ऊसासखंदए वि य १ समुग्घाय २ पुढवि ३ (तह इं) दिय ४ अन्नउत्थिभासा ५ य (मन्नामि) ६ । देवा ७ य चमरचंचा(नयरी) ८ समय-खित्त ९ त्थिकाय १० बीयसए (दुसुद्देसा) ॥ १ ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे होत्था, वण्णओ, सामी समोसढे परिसा निग्गया धम्मो कहिओ पडिगया परिसा १ । तेणं कालेणं २ जेट्ठे अंतेवासी जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—जे इमे भंते ! बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया जीवा एएसिणं आणामं वा पाणामं वा उस्सासं वा नीसासं वा जाणामो पासामो, जे इमे पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया एगिंदिया जीवा एएसि णं आणामं वा पाणामं वा उस्सासं वा निस्सासं वा ण याणामो ण पासामो, एएसि णं भंते ! जीवा आणमंति वा पाणमंति वा उस्ससंति वा नीससंति वा ? हंता गोयमा ! एएवि य णं जीवा आणमंति वा पाणमंवि वा उस्ससंति वा नीससंति वा २ ॥ सू० ८४ ॥ किण्णं भंते ! जीवा आणमंति पाणमंति उस्ससंति नीससंति ?, गोयमा ! दव्वओ णं अणंतपएसियाइं दव्वाइं खेत्तओ णं असंखपएसोगाढाइं कालओ अन्नयरट्ठितीयाइं भावओ वण्णमंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं आण-मंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा, जाइं भावओ वण्णमंताइं आणमंति पाणमंति ऊससंति नीससंति ताइं किं एगवण्णाइं आणमंति, पाणमंति ऊससंति नीससंति ?, आहारगमो नेयव्वो जाव तिचउपंचदिसिं १ । किण्णं भंते ! नेरइया आणमंति पाणमंति ऊससंति नीससंति ! तं चेव जाव नियमा छद्दिसिं आणमंति पाणमंति उस्ससंति नीससंति जीवा एगिंदिया वाघाया य निव्वाघाया य भाणियव्वा, सेसा नियमा छद्दिसिं २ । वाउयाए णं भंते ! वाउयाए चेव आणमंति वा पाणमंति वा

ऊससंति वा नीससंति वा ?, हंता गोयमा ! वाउयाए णं जाव नीससंति वा ३ ॥ सू० ८५ ॥ वाउयाए णं भंते ! वाउयाए चेव अणेगसयसहस्सखुत्तो उद्दाइत्ता २ तत्थेव भुज्जो भुज्जो पच्चायाति ?, हंता गोयमा ! जाव पच्चायाति । से भंते ! किं पुट्ठे उद्दाति अपुट्ठे उद्दाति ?, गोयमा ! पुट्ठे उद्दाइ नो अपुट्ठे उद्दाइ १ । से भंते ! किं ससरीरी निक्खमइ असरीरी निक्खमइ ?, गोयमा ! सिय ससरीरी निक्खमइ सिय असरीरी निक्खमइ २ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सिय ससरीरी निक्खमइ सिय असरीरी निक्खमइ ? गोयमा ! वाउयायस्स णं चत्तारि सरीरया पन्नत्ता, तंजहा—ओरालिए वेउव्विए तेयए कम्मए, ओरालियवेउव्वियाइं विप्पजहाय तेयकम्मएहिं निक्खमति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—सिय ससरीरी सिय असरीरी निक्खमइ ३ ॥ सू० ८६ ॥ मडाई णं भंते ! नियंठे नो निरुद्धभवे नो निरुद्धभवपवंचे णो पहीणसंसारे णो पहीणसंसारवेयणिज्जे णो वोच्छिण्णसंसारे णो वोच्छिण्णसंसारवेयणिज्जे नो निट्ठियट्ठे नो निट्ठियट्ठकरणिज्जे पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छति ?, हंता गोयमा ! मडाई णं नियंठे जाव पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छइ ॥ सू० ८७ ॥ से णं भंते ! किं वत्तव्वं सिया गोयमा ! पाणेति वत्तव्यं सिया भूतेति वत्तव्वं सिया जीवेत्ति वत्तव्वं सिया सत्तेत्ति वत्तव्वं सिया विन्नूति वत्तव्वं सिया वेदेति वत्तव्वं सिया, पाणे भूए जीवे सत्ते विन्नू वेएति वत्तव्वं सिया, से केणट्ठेणं भंते ! पाणेत्ति वत्तव्वं सिया जाव वेदेति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! जम्हा आणमइ पाणमइ उस्ससइ नीस्ससइ तम्हा पाणेत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा भूते भवति भविस्सति य तम्हा भूएत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा जीवे जीवइ जीवत्तं आउयं च कम्मं उवजीवइ तम्हा जीवेत्ति वत्तव्वं सिया, जम्हा सत्ते सुहासुहेहिं कम्मेहिं तम्हा सत्तेति वत्तव्वं सिया, जम्हा तित्त—कडुय—कसाय—अंबिल-महुरे रसे जाणइ तम्हा विन्नूत्ति

वत्तव्वं सिया, वेदेइ य सुहदुक्खं तम्हा वेदेति वत्तव्वं सिया, से तेणट्ठेणं जाव पाणेत्ति वत्तव्यं सिया जाव वेदेति वत्तव्वं सिया ॥ सू० ८८ ॥ मडाई णं भंते ! नियंठे निरुद्धभवे निरुद्धभवपवंचे जाव निट्ठियट्ठकरणिज्जे णो पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छति ?, हंता गोयमा ! मडाई णं नियंठे जाव नो पुणरवि इत्थत्तं हव्वमागच्छति से णं भंते ! किंति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! सिद्धेत्ति वत्तव्वं सिया बुद्धेति वत्तव्वं सिया मुत्तेत्ति वत्तव्वं सिया पारगएत्ति वत्तव्वं सिया परंपरगएत्ति वत्तव्वं सिया सिद्धे बुद्धे मुत्ते परिनिव्वुडे अंतकडे सव्वदुक्खप्पहीणेत्ति वत्तव्वं सिया, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरति ॥ सू० ८९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाई पाडिहारियं पीढफलगसिज्जा-संथारगं पच्चप्पिणइ २ रायगिहाओ नगराओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ १ । तेणं कालेणं तेणं समएणं कयंगलानामं नगरी होत्था वण्णओ, तीसे णं कयंगलाए नगरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए छत्तपलासए नामं चेइए होत्था वण्णओ, तए णं समणे भगवं महावीरे उप्पण्णनाणदंसणधरे जाव समोसरणं परिसा निगच्छति २ । तीसे णं कयंगलाए नगरीए अदूरसामंते सावत्थी नामं नयरी होत्था वण्णओ, तत्थ णं सावत्थीए नयरीए गद्दभालिस्स अंतेवासी खंदए नामं कच्चायणस्सगोत्ते परिव्वायगे परिवसइ रिउव्वेद-जजुव्वेद-सामवेद-अहव्वणवेद-इतिहासपंचमाणं निग्घंटुछट्ठाणं चउण्हं वेदाणं संगोवंगाणं सरहस्साणं सारए वारए धारए पारए सडंगवी सट्टितंतविसारए संखाणे सिक्खाकप्पे वागरणे छंदे निरुत्ते जोतिसामयणे अन्नेसु य बहूसु बंभण्णएसु परिव्वायएसु य नयेसु सुपरिनिट्ठिए यावि होत्था ३ । तत्थ णं सावत्थीए नयरीए पिंगलए नामं नियंठे

वेसालियसावए परिवसइ, तए णं से पिंगलए णामं णियंठे वेसालियसावए अण्णया कयाइं जेणेव खंदए कच्चायणस्सगोत्ते तेणेव उवागच्छइ २ खंदगं कच्चायणस्सगोत्तं इणमक्खेवं पुच्छे–मागहा ! किं सअंते लोए अणंते लोए १ सअंते जीवे अणंते जीवे २ सअंता सिद्धी अणंता सिद्धी ३ सअंते सिद्धे अणंते सिद्धे ४ केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढति वा हायति वा ५ ?, एतावं ताव आयक्खाहि वुच्चमाणे एवं, तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते पिंगलएणं णियंठेणं वेसालीसावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए समाणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावन्ने कलुसमावन्ने णो संचाएइ पिंगलयस्स नियंठस्स वेसालियसावयस्स किंचिवि पमोक्खमक्खाइउं, तुसिणीए संचिट्ठइ ४ । तए णं से पिंगलए नियंठे वेसालीसावए खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं दोच्चंपि तच्चंपि इणमक्खेवं पुच्छे-मागहा ! किं सअंते लोए जाव केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा हायति वा ? एतावं ताव आइक्खाहि वुच्चमाणे एवं, ततेणं णो खंदए कच्चायणस्स गोत्ते पिंगलएणं नियंठेणं वेसालीसावएणं दोच्चंपि तच्चंपि इणमक्खेवं पुच्छिए समाणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावरणे कलुसमावरणे नो संचाएइ पिंगलयस्स नियंठस्स वेसालिसावयस्स किंचिवि पमोक्खमक्खाउं तुसिणीए संचिट्ठइ ५ । तए णं सावत्थीए नयरीए सिंघाडग जाव महापहेसु महया जणसंमद्दे इ वा जणवूहे इ वा [जणबोले इ वा जणकलकले इ वा जणुम्मी इ वा जणुक्कलिया इ वा जणसंनिवाए इ वा बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ ४–एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे ३ आइगरे जाव संपाविउकामे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे कयंगलाए नयरीए छत्तपलासए चेइए अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तं महप्फलं खलु भो देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं नामगोयस्सवि सवणयाए, किमंग पुण अभिगमण-वंदण-नमंसण-

पडिपुच्छणा-पज्जुवासणयाए ? एगस्सवि आयरियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवणयाए ?, किमंग पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए ?, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! समणं भगवं महावीरं वंदामो नमंसामो सक्कारेमो सम्माणेमो कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामो, एयं णो पेच्चभवे हियाए सुहाए खमाए निस्सेयासए आणुगामियत्ताए भविस्सइत्तिकट्टु बहवे उग्गा उग्गपुत्ता एवं भोगा राइण्णा खत्तिया माहणा भडा जोहा मल्लई लेच्छई अण्णे य बहवे राईसर-तलवर-माडंबिय-कोडुंबिय-इब्भ-सेट्ठि-सेणावइ-सत्थवाहपभियओ जाव उक्किट्ठ-सीहनाय-बोलकलयलरवेणं समुद्द-रवभूयंपिव करेमणा सावत्थीए नयरीए मज्झं मज्झेणं निगच्छंति] परिसा निगच्छइ ६ । तए णं तस्स खंदयस्स कच्चायणस्सगोत्तस्स बहुजणस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म इमेयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था—एवं खलु समणे भगवं महावीरे कयंगलाए नयरीए बहिया छत्तपलासए चेइए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि नमंसामि, सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं वंदित्ता णमंसित्ता सक्कारेत्ता सम्माणित्ता कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासित्ता इमाइं च णं एयारूवाइं अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं वागरणाइं पुच्छित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ जेणेव परिव्वायावसहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तिदंडं च कुंडियं च कंचणियं च करोडियं च भिसियं च केसरियं च छन्नालयं च अंकुसयं च पवित्तयं च गणेत्तियं च छत्तयं च वाहणाओ य पाउयाओ य धाउरत्ताओ य गेण्हइ गेण्हइत्ता परिव्वायावसहीओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमइत्ता तिदंड-कुंडिय कंचणिय-करोडिय-भिसिय-केसरिय-छन्नालय-अंकुसय-पवित्त-गणेत्तिय-हत्थगए छत्तोवाहणसंजुत्ते धाउरत्त-वत्थपरिहिए सावत्थीए नगरीए मज्झंमज्झेणं निगच्छइ निगच्छइत्ता जेणेव कयंगला नगरी जेणेव छत्तपलासए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए ७ ।

गोयमा ! इ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–दच्छिसि णं गोयमा ! पुव्वसंगतियं, कहं भंते ! ?, खंदयं नाम, से काहं वा किहं वा केवच्चिरेण वा ?, एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं २ सावत्थीनामं नगरी होत्था वन्नओ, तत्थ णं सावत्थीए नगरीए गद्दभालिस्स अंतेवासी खंदए णामं कच्चायणस्सगोत्ते परिव्वायए परिवसइ तं चेव जाव जेणेव ममं अंतिए तेणेव पहारेत्थ गमणाए, से तं अदूरागते बहुसंपत्ते अद्धाणपडिवन्ने अंतरापहे वट्टइ, अज्जेव णं दच्छिसि गोयमा !, भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं वंदइ नमंसइ २ एवं वदासी–पहू णं भंते ! खंदए कच्चायणस्सगोत्ते देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ?, हंता पभू, जावं च णं समणे भगवं महावीरे भगवओ गोयमस्स एयमट्ठं परिकहेइ तावं च णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते तं देसं हव्वमागते ८ । तए णं भगवं गोयमे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं अदूरआगयं जाणित्ता खिप्पामेव अब्भुट्ठेति खिप्पामेव पच्चुवगच्छइ २ जेणेव खंदए कच्चायणस्सगोत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं एवं वयासी–हे खंदया ! सागयं खंदया ! सुसागयं खंदया ! अणुरागयं खंदया ! सागयमणुरागयं खंदया ! से नूणं तुमं खंदया ! सावत्थीए नयरीए पिंगलएणं नियंठेणं वेसालियसावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए–मागहा ! किं सअंते लोगे अणंते लोगे ? एवं तं चेव जेणेव इहं तेणेव हव्वमागए, से नूणं खंदया ! अट्ठे समट्ठे ? हंता अत्थि १ । तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी–से केणट्ठेणं गोयमा ! तहारूवे नाणी वा तवस्सी वा जेणं तव एस अट्ठे मम ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए ? जओ णं तुमं जाणसि ? तए णं से भगवं गोयमे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं एवं वयासी–एवं खलु खंदया ! मम धम्मायरिए धम्मोवएसए समणे भगवं महावीरे उप्पण्ण-णाणदंसणधरे

अरहा जिणे केवली तीय-पडुच्चुप्पन्न-मणागय-वियाणए सव्वन्नू सव्वदरिसी जेणं ममं एस अट्ठे तव ताव रहस्सकडे हव्वमक्खाए जओ णं अहं जाणामि खंदया ! १० । तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते भगवं गोयमं एवं वयासी–गच्छामो णं गोयमा ! तव धम्मायरियं धम्मोवदेसयं समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामो, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह, तए णं से भगवं गोयमे खंदएणं कच्चायणस्स-गोत्तेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणयाए ११ । तेणं कालेणं २ समणे भगवं महावीरे वियडभोतीयावि होत्था, तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स वियट्टभोगियस्स सरीरं ओरालं सिंगारं कल्लाणं सिवं धण्णं मंगल्लं सस्सिरीयं अणलंकिय-विभूसियं लक्खण-वंजण-गुणोववेयं सिरीए अतीव २ उवसोभेमाणे चिट्ठइ १२ । तए णं से खंदए कच्चायणस्स-गोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स वियट्टभोगिस्स सरीरं ओरालं जाव अतीव २ उवसोभेमाणे पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ-चित्तमाणंदिए पीइमणे परमसो-मणस्सिए हरिसवस-विसप्पमाणहियए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ जाव पज्जुवासइ १३ । खंदया ? ति समणे भगवं महावीरे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं एवं वयासी–से नूणं तुमं खंदया ! सावत्थीए नयरीए पिंगलएणं णियंठेणं वेसालियसावएणं इणमक्खेवं पुच्छिए–मागहा ! किं सअंते लोए अणंते लोए ? एवं तं चेव जाव जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वमागए, से नूणं खंदया ! अयमट्ठे समट्ठे ?, हंता अत्थि, जेवि य ते खंदया ! अयमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्-जित्था–किं सअंते लोए अणंते लोए ? तस्सवि य णं अयमट्ठे–एवं खलु मए खंदया ! चउव्विहे लोए पन्नत्ते, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ । दव्वओ णं एगे लोए सअंते १, खेत्तओ णं लोए असंखेज्जाओ

जोयणकोडाकोडीओ आयामविक्खंभेणं, असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिक्खेवेणं पण्णत्ते, अत्थि पुण सअंते २, कालओ णं लोए ण कयावि न आसी न कयावि न भवति न कयावि न भविस्सति भविंसु य भवति य भविस्सइ य धुवे णितिए सासते अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे, णत्थि पुण से अंते ३, भावओ णं लोए अणंता वण्णपज्जवा अणंता गंधपज्जवा अणंता रसपज्जवा अणंता फासपज्जवा अणंता संठाणपज्जवा अणंता गरुयलहुयपज्जवा अणंता अगरुयलहुयपज्जवा, नत्थि पुण से अंते ४, सेत्तं खंदगा ! दव्वओ लोए सअंते खेत्तओ लोए सअंते कालओ लोए अणंते भावओ लोए अणंते १४ । जेवि य ते खंदया ! जाव सअंते जीवे अणंते जीवे ? तस्सवि य णं अयमट्ठे—एवं खलु जाव दव्वओ णं एगे जीवे सअंते, खेत्तओ णं जीवे असंखेज्जपएसिए असंखेज्जपदेसोगाढे अत्थि पुण से अंते, कालओ णं जीवे न कयावि न आसि जाव निच्चे नत्थि पुण से अंते, भावओ णं जीवे अणंता णाणपज्जवा अणंता दंसणपज्जवा अणंता चरित्तपज्जवा अणंता गुरुयलहुयपज्जवा अणंता अगुरुलहुयपज्जवा नत्थि पुण से अंते, सेत्तं दव्वओ जीवे सअंते खेत्तओ जीवे सअंते कालओ जीवे अणंते भावओ जीवे अणंते २५ । जेवि य ते खंदया ! पुच्छा [इमेयारूवे चिंतिए जाव सअंता सिद्धी अणंता सिद्धी,] तस्सवि य णं अयमट्ठे खंदया !—मए एवं खलु चउव्विहा सिद्धी पण्णत्ता, तंजहा—दव्वओ १, दव्वओ णं एगा सिद्धी सअंता, खेत्तओ णं सिद्धी पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं, एगा जोयणकोडी बायालीसं च जोयणसयसहस्साइं तीसं च जोयणसहस्साइं दोन्नि य अउणापन्नजोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं पण्णत्ता, अत्थि पुण से अंते, कालओ णं सिद्धी न कयावि न आसि न कयावि न भवति न कयावि न भविस्सति भुविंसु य भवति य भविस्सइ य, धुवा णितिया, सासया अक्खया अव्वया अवट्ठिया णिच्चा, णत्थि पुण से अंते,

भावओ य जहा लोयस्स तहा भाणियव्वा, तत्थ दव्वओ सिद्धी सअंता खेत्तओ सिद्धी सअंता कालओ सिद्धी अणंता भावओ सिद्धी अणंता १६। जेवि य ते खंदया ! जाव किं अणंते सिद्धे ? तं चेव जाव दव्वओ णं एगे सिद्धे सअंते, खेत्तओ णं सिद्धे असंखेज्जपएसिए असंखेज्जपदेसोगाढे, अत्थि पुण से अंते, कालओ णं सिद्धे सादीए अपज्जवसिए नत्थि पुण से अंते, भावओ णं सिद्धे अणंता णाणपज्जवा अणंता दंसणपज्जवा जाव अणंता अगुरुलहुयपज्जवा, नत्थि पुण से अंते, सेत्तं दव्वओ सिद्धे सअंते खेत्तओ सिद्धे सअंते कालओ सिद्धे अणंते भावओ सिद्धे अणंते १७। जेवि य ते खंदया ! इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था–केण वा मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढति वा हायति वा ?, तस्सवि य णं अयमट्ठे एवं खलु खंदया ! मए दुविहे मरणे पण्णत्ते, तंजहा–बालमरणे य पंडियमरणे य, से किं तं बालमरणे ?, २ दुवालसविहे पण्णत्ते, तंजहा–वलयमरणे वसट्टमरणे अंतोसल्लमरणे तब्भवमरणे गिरिपडणे तरुपडणे जलप्पवेसे जलणप्पवेसे विसभक्खणे सत्थोवाडणे वेहाणसे गिद्धपट्ठे । इच्चेतेणं खंदया ? दुवालसविहेणं बालमरणेणं मरमाणे जीवे अणंतेहिं नेरइयभवग्गहणेहिं अप्पाणं संजोएइ तिरियमणुदेव-भवग्गहणेहिं अप्पाणं संजोएइ, अणाइयं च णं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टइ, सेत्तं मरमाणे वड्ढइ वा हायइ वा सेत्तं बालमरणे । से किं तं पंडियमरणे ?, २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–(ग्रं० १०००) पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य १८। से किं तं पाओवगमणे ?, २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–नीहारिमे य अनीहारिमे य, नियमा अप्पडिकमे, सेत्तं पाओवगमणे । से किं तं भत्तपच्चक्खाणे ?, २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–नीहारिमे य अनीहारिमे य, नियमा सपडिकमे, सेत्तं भत्तपच्चक्खाणे । इच्चेते णं खंदया ? दुविहेणं पंडियमरणेणं मरमाणे जीवे अणंतेहिं नेरइयभवग्गहणेहिं अप्पाणं विसंजोएइ जाव वीईवयति,

सेत्तं मरमाणे हायइ, सेत्तं पंडियमरणे ११। इच्चेएणं खंदया ? दुविहेणं मरणेणं मरमाणे जीवे वड्ढइ वा हायति वा २०॥ सू० ९१॥ एत्थ णं से खंदए कच्चायणस्स गोत्ते संबुद्धे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वदासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए केवलिपन्नत्तं धम्मं निसामेत्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह १। तए णं समणे भगवं महावीरे खंदयस्स कच्चायणस्सगोत्तस्स तीसे य महतिमहालियाए परिसाए धम्मं परिकहेइ, धम्मकहा भाणियव्वा २। तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ २ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ एवं वदासी–सद्दहामि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, पत्तियामि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, रोएमि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, अब्भुट्ठेमि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! इच्छियमेयं भंते ! पडिच्छियमेयं भंते ! इच्छियपडिच्छियमेयं भंते ! से जहेयं तुब्भे वदहत्तिकट्टु समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ उत्तरपुरच्छिमं दिसीभायं अवक्कमइ २ तिदंडं च कुंडियं च जाव धाउरत्ताओ य एगंते एडेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करेइत्ता जाव नमंसित्ता एवं वदासी–आलित्ते णं भंते ! लोए, पलित्ते णं भंते ! लोए, आलित्ते पलित्ते णं भंते ! लोए जरामरणेण य ३। से जहानामए–केइ गाहावती आगारंसि झियायमाणंसि जे से तत्थ भंडे भवइ अप्पसारे मोल्लगरूए तं गहाय आयाए एगंतमंतं अवक्कमइत्ति, एस मे नित्थारिए समाणे पच्छा पुरा हियाए सुहाए खमाए निस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ, एवामेव देवाणुप्पिया ! मज्झवि आया एगे भंडे इट्ठे कंते पिए मणुन्ने मणामे थेज्जे वेसासिए संमए बहुमए अणुमए

भंड-करंडग-समाणे मा णं सीयं मा णं उण्हं मा णं खुहा मा णं पिवासा मा णं चोरा मा णं वाला मा णं दंसा मा णं मसगा मा णं वाइय-पित्तिय-संभिय-संनिवाइयविविहा रोगायंका परीसहोवसग्गा फुसंतुत्तिकट्टु एस मे नित्थारिए समाणे परलोयस्स हियाए सुहाए खमाए नीसेसाए अणुगामियत्ताए भविस्सइ, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! सयमेव पव्वावियं सयमेव मुंडावियं सयमेव सेहावियं सयमेव सिक्खावियं सयमेव आयारगोयरं विणय-वेणइय-चरण-करण-जाया-मायावत्तियं धम्ममाइक्खिअं ४ । तए णं समणे भगवं महावीरे खंदयं कच्चायणस्सगोत्तं सयमेव पव्वावेइ जाव धम्ममातिक्खइ, एवं देवाणुप्पिया ! गंतव्वं एवं चिट्ठियव्वं एवं निसीतियव्वं एवं तुयट्टियव्वं एवं भुंजियव्वं एवं भासियव्वं एवं उट्ठाए २ पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजमेणं संजमियव्वं, अस्सिं च णं अट्ठे णो किंचिवि पमाइयव्वं ५ । तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स इमं एयारूवं धम्मियं उवएसं सम्मं संपडिवज्जति तमाणाए तह गच्छइ तह चिट्ठइ तह निसीयति तह तुयट्टइ तह भुंजइ तह भासइ तह उट्ठाए २ पाणेहिं भूएहिं जीवेहिं सत्तेहिं संजमेणं संजमइ, अस्सिं च णं अट्ठे णो पमायइ ६ । तए णं से खंदए कच्चायणस्सगोत्ते अणगारे जाते, ईरियासमिए भासासमिए एसणासमिए आयाण-भंडमत्त-निक्खेवणासमिए उच्चार-पासवण-खेल-सिंघाण-जल्ल-पारिट्ठावणियासमिए मणसमिए वयसमिए कायसमिए मणगुत्ते वइगुत्ते कायगुत्ते गुत्ते गुत्तिंदिए गुत्तबंभयारी चाई लज्जू धणे खंतिखमे जिइंदिए सोहिए अणियाणे अप्पुस्सुए अबहिल्लेस्से सुसामण्णरए दंते इणमेव निग्गंथं पावयणं पुरओ काउं विहरइ ७ ॥ सू० १२ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे कयंगलाओ नयरीओ छत्तपलासयाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरति १ । तए णं से खंदए अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामा-

इयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह २ । तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठे जाव नमंसित्ता मासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ, तए णं से खंदए अणगारे मासियभिक्खुपडिमं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं अहासम्मं काएण फासेति पालेति सोभेति तीरेति पूरेति किट्टेति अणुपालेइ आणाए आराहेइ संमं काएण फासित्ता जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं जाव नमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे दोमासियं भिक्खुपडिमं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह ३ । तं चेव, एवं तेमासियं चाउम्मासिय पंचछम्मासियं, पढमं सत्तराइंदियं दोच्चं सत्तराइंदियं तच्चं सत्तरातिंदियं अहोरातिंदियं एगरातिंदियं तए णं से खंदए अणगारे एगराइंदियं भिक्खुपडिमं अहासुत्तं जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छति २ समणं भगवं महावीरं जाव नमंसित्ता एवं वदासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह ४ । तए णं से खंदए अणगारे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे जाव नमंसित्ता गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरति, तंजहा–पढमं मासं चउत्थंचउत्थेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं य ५ । एवं दोच्चं मासं छट्ठंछट्ठेणं एवं तच्चं मासं अट्ठमंअट्ठमेणं चउत्थं

मासं दसमंदसमेणं पंचमं मासं बारसमंबारसमेणं छट्ठं मासं चोद्दसमंचोद्दसमेणं सत्तमं मासं सोलसमं २ अट्ठमं मासं अट्ठारसमं २ नवमं मासं वीसतिमं २ दसमं मासं बावीसं २ एक्कारसमं मासं चउव्वीसतिमं २ बारसमं मासं छव्वीसतिमं २ तेरसमं मासं अट्ठावीसतिमं २ चोद्दसमं मासं तीसइमं २ पन्नरसमं मासं बत्तीसतिमं २ सोलसमं मासं चोत्तीसइमं २ अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं दिया ठाणुक्कुडुए सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे रत्तिं वीरासणेणं अवाउडेणं, ६ । तए णं से खंदए अणगारे गुणरयणसंवच्छरं तवोकम्मं अहासुत्तं अहाकप्पं जाव आराहेत्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ बहूहिं चउत्थ-छट्ठट्ठम-दसम-दुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरति ७ । तए णं से खंदए अणगारे तेणं ओरालेणं विउलेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं कल्लाणेणं सिवेणं धन्नेणं मंगल्लेणं सस्सिरीएणं उदग्गेणं उदत्तेणं उत्तमेणं उदारेणं महाणुभागेणं तवोकम्मेणं सुक्के लुक्खे निम्मंसे अट्ठिचम्मावणद्धे किडिकिडियाभूए किसे धमणिसंतए जाते यावि होत्था, जीवंजीवेण गच्छइ जीवंजीवेण चिट्ठइ भासं भासित्तावि गिलाइ भासं भासमाणे गिलाति भासं भासिस्सामीति गिलायति ८ । से जहा नामए—कट्ठसगडिया इ वा पत्तसगडिया इ वा पत्त-तिल-भंडग-सगडिया इ वा एरंड-कट्ठसगडिया इ वा इंगालसगडिया इ वा उण्हे दिण्णा सुक्का समाणी ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ एवामेव खंदएवि अणगारे ससद्दं गच्छइ ससद्दं चिट्ठइ उवचित्ते तवेणं अवचिए मंससोणिएणं हुयासणेविव भासरासिपडिच्छन्ने तवेणं तेएणं तवतेयसिरीए अतीव २ उवसोभेमाणे २ चिट्ठइ ९ ॥ सू० १३ ॥ ते णं काले णं २ रायगिहे नगरे जाव समोसरणं जाव परिसा पडिगया, तए णं तस्स खंदयस्स अणगारस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स

इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं इमेणं एयारूवेणं ओरालेणं जाव किसे धमणिसंतए जाते जीवंजीवेणं गच्छामि जीवंजीवेणं चिट्ठामि जाव गिलामि जाव एवामेव अहंपि ससद्दं गच्छामि ससद्दं चिट्ठामि तं अत्थि ता मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे तं जाव ता मे अत्थि उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे जाव य मे धम्मायरिए धम्मोवदेसए समणे भगवं महावीरे जिणे सुहत्थी विहरइ ताव ता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पल-कमल-कोमलुम्मिलियंमि अहापंडुरे पभाए रत्तासोय-प्पकास-किंसुयसुयमुह-गुंजद्धराग-सरिसे कमलागरसंडबोहए उट्ठियंमि सूरे सहस्सरस्सिंमि दिणयरे तेयसा जलंते समणं भगवं महावीरं वंदित्ता जाव पज्जुवासित्ता समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाणि आरोवेत्ता समणा य समणीओ य खामेत्ता तहारूवेहिं थेरेहिं कडाईहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहित्ता मेघघणसन्निगासं देवसन्निवातं पुढवीसिलावट्टयं पडिलेहित्ता दब्भसंथारयं संथरित्ता दब्भ-संथारोवगयस्स संलेहणा-जोसणा-जूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते जेणेव समणे भगवं महावीरे जाव पज्जुवासति १। खंदयाइ समणे भगवं महावीरे खंदयं अणगारं एवं वयासी–से नूणं तव खंदया ? पुव्वरत्तावरत्ताकालसमयंसि जाव जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं इमेणं एयारूवेणं तवेणं ओरालेणं विपुलेणं तं चेव जाव कालं अणवकंखमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेसि २ कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वमागए, से नूणं खंदया ? अट्ठे समट्ठे ?, हंता अत्थि, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह २॥ सू० १४॥ तए णं से खंदए अणगारे समणेणं

भगवया महावीरेणं अब्भणुण्णाए समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हयहियए उट्ठाए उट्ठेइ २ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ जाव नमंसित्ता सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेइ २ त्ता समणे य समणीओ य खामेइ २ त्ता तहारूवेहिं थेरेहिं कडाईहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं सणियं २ दुरूहेइ मेहघणसन्निगासं देवसन्निवायं पुढविसिलावट्टयं पडिलेहेइ २ उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहेइ २ दब्भसंथारयं संथरेइ २ दब्भसंथारयं दुरूहेइ २ दब्भसंथारोवगते पुरत्थाभिमुहे संपलियंकनिसन्ने करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वदासी—नमोऽत्थु णं अरहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं, नमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स, वंदामि णं भगवंतं तत्थ गयं इहगते, पासउ मे भयवं तत्थगए इहगयंतिकट्टु वंदइ नमंसति २ एवं वदासी—पुव्विंपि मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए सव्वे पाणाइवाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले पच्चक्खाए जावज्जीवाए इयाणिंपि य णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए सव्वं पाणाइवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए जाव मिच्छादंसणसल्लं पच्चक्खामि, एवं सव्वं असणं पाणं खाइमं साइमं चउव्विहंपि आहारं पच्चक्खामि जावज्जीवाए, जंपि य इमं सरीरं इट्ठं कंतं पियं जाव फुसंतुत्तिकट्टु एयंपि णं चरिमेहिं उस्सासनीसासेहिं वोसिरामित्तिकट्टु संलेहणा-झूसणाझूसिए भत्तपाण-पडियाइक्खिए पाओवगए कालं अणवकंखमाणे विहरति १। तए णं से खंदए अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइयमादियाइं इक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता बहुपडिपुण्णाइं दुवालसवासाइं सामन्नपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए ॥ सू० ९५ ॥ तए णं ते थेरा भगवंतो कंदयं अणगारं

कालगयं जाणित्ता परिनिव्वाणवत्तियं काउस्सग्गं करेंति २ पत्तचीवराणि गिगहंति २ विपुलाओ पव्वयाओ सणियं २ पच्चोरुहंति २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति २ एवं वदासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी खंदए नामं अणगारे पगइभद्दए पगतिविणीए पगतिउवसंते पगति-पयणु-कोहमाण-मायालोभे मिउमद्दवसंपन्ने अल्लीणे भद्दए विणीए, से णं देवाणुप्पिएहिं अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाणि आरोवित्ता समणे य समणीओ य खामेत्ता अम्हेहिं सद्धिं विपुलं पव्वयं तं चेव निरवसेसं जाव आणुपुव्वीए कालगए इमे य से आयारभंडए १ । भंते त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी खंदए नामं अणगारे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए ? कहिं उववण्णे ?, गोयमाइ ! समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! मम अंतेवासी खंदए नामं अणगारे पगतिभद्दए जाव से णं मए अब्भणुण्णाए समाणे सयमेव पंच महव्वयाइं आरुहेत्ता तं चेव सव्वं अविसेसियं नेयव्वं जाव आलोतियपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववण्णे, तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं बावीसं सागरोवमाइं ठिती पण्णत्ता, तस्स णं खंदयस्सवि देवस्स बावीसं सागरोवमाइं ठिती पण्णत्ता २ । से णं भंते ! खंदए देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठितीक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिति ? कहिं उववज्जिहिति ?, गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिति बुज्झिहिति मुच्चिहिति परिनिव्वाहिति सव्वदुक्खाणमंतं करेहिति ३ ॥ सू० १६ ॥ खंदओ समत्तो ॥ बितीयसयस्स पढमो ॥

॥ इति द्वितीयशतके प्रथमोद्देशकः ॥ २–१ ॥

॥ अथ द्वितीयशतके समुद्घाताख्य-द्वितीयोद्देशकः ॥

कति णं भंते ! समुग्घाया पराणत्ता ?, गोयमा ! सत्त समुग्घाया पराणत्ता, तंजहा–वेदणासमुग्घाए एवं समुग्घायपदं छाउमत्थियसमुग्घायवज्जं भाणियव्वं, जाव वेमाणियाणं कसायसमुग्घाया अप्पाबहुयं । अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो केवलिसमुग्घाय जाव सासयमणागयद्धं चिट्ठंति, समुग्घायपदं नेयव्वं ॥सू० ९७ ॥ बितीयसए बितीयोद्देसो ॥

॥ इति द्वितीयशतके द्वितीय उद्देशकः ॥ २–२ ॥

॥ अथ द्वितीयशतके पृथिवीनामक-तृतीयोद्देशकः ॥

कति णं भंते ! पुढवीओ पन्नत्ताओ ?, जीवाभिगमे नेरइयाणं जो बितिओ उद्देसो सो नेयव्वो,-पुढविं ओगाहित्ता निरया संठाणमेव बाहल्लं । विक्खंभपरिक्खेवो वराणो गंधो य फासो य ॥ १ ॥ जाव किं सव्वपाणा उववराणपुव्वा ?, हंता गोयमा ! असतिं अदुवा अणंतखुत्तो ॥ सू० ९८ ॥ पुढवी उद्देसो ॥

॥ इति द्वितीयशतके तृतीय उद्देशकः ॥ २–३ ॥

॥ अथ द्वितीयशतके इन्द्रियाख्य-चतुर्थोद्देशकाः ॥

कति णं भंते ! इंदिया पन्नत्ता ?, गोयमा ! पंचिंदिया पन्नत्ता, तंजहा–पढमिल्लो इंदियउद्देसो नेयव्वो, संठाणं बाहल्लं पोहत्तं जाव अलोगो ॥ सू० ९९ ॥ इंदियउद्देसो ॥

॥ इति द्वितीयशतके चतुर्थ उद्देशकः ॥ २–४ ॥

॥ अथ द्वितीयशतके अन्यूथिकाख्य-पञ्चमोद्देशकः ॥

अराणउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति भासंति पन्नवेंति परूवेंति, तंजहा–एवं खलु नियंठे कालगए समाणे देवब्भूएणं अप्पाणेणं से णं तत्थ णो अन्ने देवे नो अन्नेसिं देवाणं देवीओ अहिजुंजिय २

परियारेइ १ णो अप्पणच्चियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ २ अप्पणामेव अप्पाणं विउव्विय २ परियारेइ ३ एगेवि य णं जीवे एगेणं समएणं दो वेदे वेदेइ, तंजहा–इत्थिवेदं पुरिसवेदं च, एवं परउत्थियवत्तव्वया नेयव्वा जाव (जं समयं इत्थिवेयं वेएइ तं समयं पुरिसवेयं वेएइ जं समयं पुरिसवेयं वेएइ तं समयं इत्थिवेयं वेइए, इत्थिवेयस्स वेयणयाए पुरिसवेयं वेएइ पुरिसवेयस्स वेयणयाए इत्थीवेयं वेएइ एवं खलु एगेवि य णं जीवे एगेणं समएणं दो वेदे वेदेइ, तंजहा–) इत्थिवेदं च पुरिसवेदं च १। से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव इत्थिवेदं च पुरिसवेदं च, जे ते एवमाहसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि भासामि पन्नवेमि परूवेमि–एवं खलु नियंठे कालगए समाणे अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवन्ति महिड्ढिएसु जाव महाणुभागेसु दूरगतीसु चिरट्ठितीएसु, से णं तत्थ देवे भवति महिड्ढीए जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभासेमाणे जाव पडिरूवे २। से णं तत्थ अन्ने देवे अन्नेसिं देवाणं देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ १ अप्पणच्चियाओ देवीओ अभिजुंजिय २ परियारेइ २ नो अप्पणामेव अप्पाणं विउव्विय २ परियारेइ ३, एगेवि य णं जीवे एगेणं समएणं एगं वेदं वेदेइ, तंजहा–इत्थिवेदं वा पुरिसवेदं वा, जं समयं इत्थिवेदं वेदेइ णो तं समयं पुरुसवेयं वेएइ जं समयं पुरिसवेयं वेएइ नो तं समयं इत्थिवेयं वेदेइ, इत्थिवेयस्स उदएणं नो पुरिसवेदं वेएइ, पुरिसवेयस्स उदएणं नो इत्थिवेयं वेएइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं वेदं वेदेइ, तंजहा–इत्थीवेयं वा पुरिसवेयं वा, इत्थी इत्थिवेएणं उदिन्नेणं पुरिसं पत्थेइ, पुरिसो पुरिसवेएणं उदिन्नेणं इत्थिं पत्थेइ, दोवि ते अन्नमन्नं पत्थेंति, तंजहा–इत्थी वा पुरिसं पुरिसे वा इत्थिं ३ ॥ सू० १०० ॥ उदगगब्भे णं भंते ! उदगगब्भेत्ति कालतो केवच्चिरं होइ ?. गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं

उक्कोसेणं छम्मासा १। तिरिक्खजोणियगब्भे णं भंते ! तिरिक्खजोणिय-गब्भेत्ति कालओ केवच्चिरं होति ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अट्ठ संवच्छराइं २। मणुस्सीगब्भे णं भंते ! मणुस्सीगब्भेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं ३ ॥ सू० १०१ ॥ कायभवत्थे णं भंते ! कायभवत्थेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं चउव्वीसं संवच्छराइं ॥ सू० १०२ ॥ मणुस्स-पंचेंदिय-तिरिक्ख-जोणियबीए णं भंते ! जोणिय-ब्भूए केवतियं कालं संचिट्ठइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता ॥ सू० १०३ ॥ एगजीवे णं भंते ! जोणिए बीयब्भूए (एगभवग्गहणेणं) केवतियाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं इक्कस्स वा दोण्हं वा तिण्हं वा, उक्कोसेणं सयपुहुत्तस्स जीवाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छति ॥ सू० १०४ ॥ एगजीवस्स णं भंते ! एगभवग्गहणेणं केवइया जीवा पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति ? गोयमा ! जहन्नेणं इक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं सयसहस्सपुहत्तं जीवा णं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जाव हव्वमागच्छइ ?, गोयमा ! इत्थीए य पुरिसस्स य कम्मकडाए जोणीए मेहुणवत्तिए नामं संजोए समुप्पज्जइ, ते दुहओ सिणेहं संचिणंति २ तत्थ णं जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा उक्कोसेणं सयसहस्सपुहुत्तं जीवाणं पुत्तत्ताए हव्वमागच्छंति, से तेणट्ठेणं जाव हव्वमागच्छइ ॥ सू० १०५ ॥ मेहुणे णं भंते ! सेवमाणस्स केरिसिए असंजमे कज्जइ ?, गोयमा ! से जहानामए केइ पुरिसे रूयनालियं वा बूरनालियं वा तत्तेणं कणएणं समभिधंसेज्जा एरिसएणं गोयमा ! मेहुणं सेवमाणस्स असंजमे कज्जइ, सेवं भंते ! सेवं भंते ! जाव विहरति ॥ सू० १०६ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे रायगिहाओ नगराओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरति १।

तेणं कालेणं २ तुंगिया नामं नगरी होत्था वण्णओ, तीसे णं तुंगियाए नगरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए पुप्फवतिए नामं चेतिए होत्था, वण्णओ २ । तत्थ णं तुंगियाए नयरीए बहवे समणोवासया परिवसंति अड्ढा दित्ता विच्छिण्ण-विपुल-भवण-सयणासण-जाणवाहणाइण्णा बहुधण-बहुजाय-रूवरयया आओग-पओग-संपउत्ता विच्छड्डिय-विपुलभत्तपाणा बहुदासी-दास-गो-महिस-गवेलयप्पभूया बहुजणस्स अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा उवलद्ध-पुण्णपावा आसव-संवर-निज्जर-किरियाहिकरण–बंध–मोक्खकुसला असहेज्ज-देवासुर-नागसुवण्ण-जक्खरक्खस-किंनरकिंपुरिस-गरुलगंधव्व–महोरगादीएहिं देवगणेहिं निग्गंथाओ पावयणाओ अणतिक्कमणिज्जा णिग्गंथे पावयणे निस्संकिया निक्कंखिया निव्वितिगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा अभिगयट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिंज-पेम्माणुरागरत्ता, अयमाउसो ! निग्गंथे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे ऊसियफलिहा अवंगुयदुवारा चियत्तंतेउर-घरप्पवेसा बहूहिं सीलव्वय-गुणवेरमण-पच्चक्खाण-पोसहोववासेहिं, चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठ-पुण्णमासिणीसु पडिपुन्नं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणे समणे निग्गंथे फासुएसणिज्जेणं असणपाण-खाइमसाइमेणं वत्थ-पडिग्गह–कंबल–पायपुंछणेणं पीढफलग–सेज्जासंथारएणं ओसह-भेसज्जेण य पडिलाभेमाणा अहापडिग्गहिएहि तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ३ ॥ सू० १०७ ॥ तेणं कालेणं २ पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जातिसंपन्ना कुलसंपन्ना बलसंपन्ना रूवसंपन्ना विणयसंपन्ना णाणसंपन्ना दंसणसंपन्ना चरित्तसंपन्ना लज्जासंपन्ना लाघवसंपन्ना ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहा जियमाणा जियमाया जियलोभा जियनिद्दा जितिंदिया जियपरीसहा जीवियास-मरणभय-विप्पमुक्का जाव कुत्तियावणभूता बहुस्सुया बहुपरिवारा पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडा अहाणुपुव्वि चरमाणा गामाणुगामं दूइज्जमाणा सुहंसुहेणं विहरमाणा जेणेव तुंगिया नगरी

जेणेव पुप्फवतीए चेइए तेणेव उवागच्छंति २ अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता णं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरंति ॥ सू० १०८ ॥ तए णं तुंगियाए नगरीए सिंघाडग-तिग-चउक्क-चच्चर-महापहपहेसु जाव एग-दिसाभिमुहा णिज्जायंति, तए णं ते समणोवासया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठतुट्ठा जाव सद्दावेंति २ एवं वदासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! पासावच्चेज्जा थेरा भगवंतो जातिसंपन्ना जाव अहापडिरूवं उग्गहं उग्गि-ण्हित्ता णं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति, तं महाफलं खलु देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं थेराणं भगवंताणं णामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमण वंदण-नमंसण-पडिपुच्छण-पज्जुवासणयाए जाव गहणयाए ?, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! थेरे भगवंते वंदामो नमंसामो जाव पज्जुवासामो, एयं णं इहभवे वा परभवे वा जाव अणुगामियत्ताए भविस्सतीतिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ जेणेव सयाइं २ गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ ण्हाया कयबलिकम्मा कय-कोउय-मंगलपायच्छित्ता सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवराइं परिहिया (पवरपरि-हिया) अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा सएहिं २ गेहेहिंतो पडिनिक्खमंति २ त्ता एगयओ मेलायंति २ पायविहारचारेणं तुंगियाए नगरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति २ जेणेव पुप्फवतीए चेइए तेणेव उवागच्छंति २ थेरे भगवंते पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छंति, तंजहा—सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए १ अचित्ताणं दव्वाणं अविउसरणयाए २ एगसाडिएणं उत्तरासंगकरणेणं ३ चक्खुप्फासे अंजलिप्पग्गहेणं ४ मणसो एगत्तीकरणेणं ५ जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति २ तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासंति, तंजहा—काइयाए वाइयाए माणसियाए, तत्थ काइयाए-संकुचिय-पाणियाए सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे (सुसमाहिय-

पसंतसाहरिय-पाणिपाया अंजलि-मउलियहत्था) पज्जुवासंति। वाइयाए-जं जं भगवं वागरेति (तं तं)-एवमेयं भंते !, तहमेयं भंते !, अवितहमेयं भंते !, असंदिद्धमेयं भंते ! इच्छियमेयं भंते !, पडिच्छियमेयं भंते !, इच्छियपडिच्छियमेयं भंते !, सच्चे णं एसमट्ठे, से जहेयं तुब्भे वदह-वायाए अपडिकुलेमाणे पज्जुवासंति, माणसियाए महया संवेगं जणयंता(इत्ता) तिव्वधम्माणुरागरत्ता विगह-विसोत्तिय-परिवज्जियमई (तच्चित्ता तम्मणा तल्लेस्सा तयज्झवसिया तत्तिव्वज्झवसाणा तदप्पियकरणा तयट्ठोवउत्ता तब्भावणाभाविया एगमणा अविमणा अणन्नमणा जिणवयण-धम्माणुराग-रत्तमणा वियसिय-वर-कमल-नयण-वयणा) अन्नत्थ कत्थइ मणं अकुव्वमाणा विणएणं पज्जुवासंति ॥ सू० १०१ ॥ तए णं ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं तीसे य महतिमहालियाए परिसाए चाउज्जामं धम्मं परिकहेंति जहा केसिसामिस्स जाव समणोवासियत्ताए आणाए आराहगे भवति जाव धम्मो कहिओ १। तए णं ते समणोवासया थेराणं भगवंताणं अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ तुट्ठ जाव हयहियया तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेंति २ जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासति २ एवं वदासी–संजमे णं भंते ! किंफले ? तवे णं भंते ! किंफले ?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते समणोवासए एवं वदासी–संजमे णं अज्जो ! अणण्हयफले तवे वोदाणफले २। तए णं ते समणोवासया थेरे भगवंते एवं वदासी–जति णं भंते ! संजमे अणण्हयफले तवे वोदाणफले, किंपत्तियं णं भंते ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं कालियपुत्ते नामं थेरे ते समणोवासए एवं वदासी–पुव्वतवेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं मेहिले नामं थेरे ते समणोवासए एवं वदासी–पुव्वसंजमेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं आणंदरक्खिए णामं थेरे ते समणोवासए एवं वदासी–कम्मियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, तत्थ णं कासवे णामं थेरे ते समणो-

वासए एवं वदासी–संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्व-तवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति सच्चे णं एस अट्ठे नो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ३ । तए णं ते समणो-वासया थेरेहिं भगवंतेहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरिया समाणा हट्ठतुट्ठा थेरे भगवंते वंदंति नमंसंति २ पसिणाइं पुच्छंति २ अट्ठाइं उवा-दियंति २ उट्ठाइ उट्ठेंति २ थेरे भगवंते तिक्खुत्तो वंदंति णमंसंति २ थेराणं भगवंताणं अंतियाओ पुप्फवतियाओ चेइयाओ पडिनिक्खमंति २ जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ४ । तए णं ते थेरा अन्नया कयाइं तुंगियाओ पुप्फवतिचेइयाओ पडिनिगच्छंति (पडिनिक्खमंति) २ बहिया जणवयविहारं विहरंति ५ ॥ सू० ११० ॥ तेणं कालेणं २ रायगिहे नामं नगरे जाव परिसा पडिगया १ । तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूतीनामं अणगारे जाव संखित्तविउल-तेयलेस्से छट्ठं-छट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे जाव विहरति २ । तए णं से भगवं गोयमे छट्ठक्खमणपारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ बीयाए पोरिसीए झाणं झियायइ तइयाए पोरिसीए अतुरियमचवलमसंभंते मुहपोत्तियं पडिलेहेइ २ भायणाइं वत्थाइं पडिलेहेइ २ भायणाइं पमज्जइ २ भायणाइं उग्गाहेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वदासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुन्नाए छट्ठक्खमणपारणगंसि रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह ३ । तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ गुणसिलाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ २ अतुरियमचवलम-संभंते जुगंतरपलोयणाए दिट्ठीए पुरओ रियं सोहेमाणे २ जेणेव रायगिहे

नगरे तेणेव उवागच्छइ २ रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियं अडइ ४ । तए णं से भगवं गोयमे रायगिहे नगरे जाव अडमाणे बहुजणसद्दं निसामेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! तुङ्गियाए नगरीए बहिया पुप्फवतीए चेइए पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिया–संजमे णं भंते ! किंफले ? तवे णं भंते ! किंफले ?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते समणोवासए एवं वदासी–संजमे णं अज्जो ! अणण्हयफले तवे वोदाणफले तं चेव जाव पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ५ । से कहमेयं भंते ! मण्णे एवं ?, तए णं समणे भगवं गोयमे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे जायसड्ढे जाव समुप्पन्नकोउहल्ले अहापज्जत्तं समुदाणं गेण्हइ २ रायगिहाओ नगराओ पडिनिक्खमइ २ अतुरियं जाव सोहेमाणे जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते गमणागमणाए पडिक्कमइ एसणमणेसणं आलोएइ २ भत्तपाणं पडिदंसेइ २ समणं भगवं महावीरं जाव एवं वयासी–एवं खलु भंते ! अहं तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे रायगिहे नगरे उच्चनीयमज्झिमाणि कुलाणि घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे बहुजणसद्दं निसामेमि ६ । एवं खलु देवाणुप्पिया ! तुंगियाए नगरीए बहिया पुप्फवईए चेइए पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो समणोवासएहिं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिया–संजमे णं भंते ! किंफले ? तवे किंफले ? तं चेव जाव सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, तं पभू णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अप्पभू ?, समिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु असमिया ? आउज्जिया णं

भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अणाउज्जिया ? पलिउज्जिया णं भंते ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए उदाहु अपलिउज्जिया ?, पुव्वतवेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति पुव्वसंजमेणं अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, कम्मियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, संगियाए अज्जो ? देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ७ । पभू णं गोयमा ! ते थेरा भगवंतो तेसिं समणोवासयाणं इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरित्तए, णो चेव णं अप्पभू, तह चेव नेयव्वं अवसेसियं जाव पभू समियं आउज्जिया पलिउज्जिया जाव सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए, अहंपि णं गोयमा ! एवमाइक्खामि भासेमि पण्णवेमि परूवेमि पुव्वतवेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वसंजमेणं देवा देवलोएसु उववज्जंति, कम्मियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति, संगियाए देवा देवलोएसु उववज्जंति, पुव्वतवेणं पुव्वसंजमेणं कम्मियाए संगियाए अज्जो ! देवा देवलोएसु उववज्जंति, सच्चे णं एसमट्ठे णो चेव णं आयभाववत्तव्वयाए ८ ॥ सू० १११ ॥ तहारूवं भंते ! समणं वा माहणं वा पज्जुवासमाणस्स किंफला पज्जुवासणा ?, गोयमा ! सवणफला १ । से णं भंते ! सवणे किंफले ?, णाणफले २ । से णं भंते ! नाणे किंफले ?, विण्णाणफले ३ । से णं भंते ! विन्नाणे किंफले ?, पच्चक्खाणफले ४ । से णं भंते ! पच्चक्खाणे किंफले ?, संजमफले ५ । से णं भंते ! संजमे किंफले ?, अणण्हयफले ६ । एवं अणण्हये तवफले ७ । तवे वोदाणफले ८ । वोदाणे अकिरियाफले ९ । से णं भंते ! अकिरिया किं फला ?, सिद्धिपज्जवसाणफला पण्णत्ता गोयमा ! १० । गाहा–सवणे णाणे य विण्णाणे पच्चक्खाणे य संजमे । अणण्हए तवे चेव

वोदाणे अकिरिया सिद्धी ॥ १ ॥ सू० ११२ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमातिक्खंति भासंति पण्णवेंति परूवेंति–एवं खलु रायगिहस्स नगरस्स बहिया वेभारस्स पव्वयस्स अहे एत्थ णं महं एगे हरए अधे (अप्पे) पन्नत्ते अणेगाइं जोयणाइं आयामविक्खंभेणं नाणादुमसंड-मंडितउद्देसे सस्सिरीए जाव पडिरूवे, तत्थ णं बहवे ओराला बलाहया संसेयंति सम्मुच्छिंति वासंति तव्वतिरित्ते य णं सया समिओ उसिणे २ आउकाए अभिनिस्सवइ । से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया एवमातिक्खंति जाव जे ते एवं परूवेंति मिच्छं ते एवमातिक्खंति जाव सव्वं नेयव्वं, जाव अहं पुण गोयमा ! एवमातिक्खामि भासेमि पन्नवेमि परूवेमि एवं खलु रायगिहस्स नगरस्स बहिया वेभारपव्वयस्स अदूरसामंते, एत्थ णं महातवोवतीरप्पभवे नामं पासवणे पन्नत्ते पंचधणुसयाणि आयाम-विक्खंभेणं नाणादुमसंडमंडिउद्देसे सस्सिरीए पासादीए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे तत्थ णं बहवे उसिणजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति तव्वतिरित्तेवि य णं सया समियं उसिणे २ आउयाए अभिनिस्सवइ, एस णं गोयमा ! महातवोव-तीरप्पभवे पासवणे, एस णं गोयमा ! महातवोवतीरप्पभवस्स पासवणस्स अट्ठे पन्नत्ते, सेवं भंते २ त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति ॥ सू० ११३ ॥

॥ इति द्वितीयशतके पञ्चम उद्देशकः ॥ १–५ ॥

॥ अथ द्वितीयशतके भाषाख्य-षष्ठोद्देशकः ॥

से णूणं भंते ! मणामीति ओहारिणी भासा, एव भासापदं भाणियव्वं ॥ सू० ११४ ॥

॥ इति द्वितीयशतके षष्ठ उद्देशकः ॥ १–६ ॥

॥ अथ द्वितीयशतके देवाख्य-सप्तमोद्देशकः ॥

कतिविहा णं भंते ! देवा पण्णत्ता ?, गोयमा ! चउव्विहा देवा पण्णत्ता, तंजहा—भवणवइ-वाणमंतर-जोतिस-वेमाणिया १ । कहि णं भंते ! भवणवासीणं देवाणं ठाणा पण्णत्ता ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जहा ठाणपदे देवाणं वत्तव्वया सा भाणियव्वा, नवरं भवणा पण्णत्ता, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे २ । एवं सव्वं भाणियव्वं जाव सिद्धगंडिया समत्ता—कप्पाण पइट्ठाणं बाहुल्लुच्चत्तमेव संठाणं ३ । जीवाभिगमे जाव वेमाणिउद्देसो भाणियव्वो सव्वो ॥ सू० ११५ ॥

॥ इति द्वितीयशतके सप्तम उद्देशकः ॥ २-७ ॥

॥ अथ द्वितीयशतके चमरचंचा-नामकाष्टमोद्देशकः ॥

कहि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सभा सुहम्मा पन्नत्ता ?, गोयमा ! जंबूदीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे वीईवइत्ता अरुणवरस्स दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेइयंताओ अरुणोदयं समुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तिगिच्छियकूडे नामं उप्पायपव्वए पण्णत्ते, सत्तरसएक्कवीसे जोयणसए उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि जोयणसए कोसं च उव्वेहेणं गोत्थुभस्स आवासपव्वयस्स पमाणेणं णेयव्वं नवरं उवरिल्लं पमाणं मज्झे भाणियव्वं [मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं मज्झे चत्तारि चउवीसे जोयणसते विक्खंभेणं उवरिं सत्ततेवीसे जोयणसते विक्खंभेणं मूले तिण्णि जोयणसहस्साइं दोण्णि य बत्तीसुत्तरे जोयणसते किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं मज्झे एगं जोयणसहस्सं तिण्णि य इगयाले जोयणसते किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं उवरिं दोण्णि य जोयणसहस्साइं दोण्णि य छलसीते जोयणसते किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं] जाव मूले

वित्थडे मज्झे संखित्ते उप्पिं विसाले मज्झे वरवइरविग्गहिए महामउंदसंठाण-संठिए सव्वरयणामए अच्छे जाव पडिरूवे १। से णं एगाए पउमवर-वेइयाए एगेणं वणसंडेण य सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, पउमवरवेइयाए वणसंडस्स य वण्णओ २। तस्स णं तिगिच्छिकूडस्स उप्पायपव्वयस्स उप्पिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, वण्णओ तस्स णं बहुसमरम-णिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महं एगे पासायवडिंसए पन्नत्ते अट्ठाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पणवीसं जोयणसयाइं विक्खंभेणं, पासायवण्णओ उल्लोयभूमिवन्नओ अट्ठ जोयणाइं मणिपेढिया चमरस्स सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं ३। तस्स णं तिगिच्छिकूडस्स दाहिणेणं छकोडिसए पणपन्नं च कोडीओ पणतीसं च सयसहस्साइं पण्णासं च सहस्साइं अरुणोदे समुद्दे तिरियं वीइवइत्ता अहे रयणप्पभाए पुढवीए चत्तालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो चमरचंचा नामं रायहाणी पण्णत्ता ४। एगं जोयणसय-सहस्सं आयामविक्खंभेणं जंबूदीवप्पमाणं, पागारो दिवड्ढं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं, मूले पन्नासं जोयणाइं विक्खंभेणं, उवरिं अद्धतेरसजोयणा कवि-सीसगा अद्धजोयणआयामं कोसं विक्खंभेणं देसूणं अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं एगमेगाए बाहाए पंच २ दारसया अट्ठाइज्जाइं जोयणसयाइं २५० उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धं १२५ विक्खंभेणं उवयारियलेणं सोलसजोयण-सहस्साइं आयामविक्खंभेणं पन्नासं जोयणसहस्साइं पंच य सत्ताणउयजोयण-सए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं सव्वप्पमाणं वेमाणियप्पमाणस्स अद्धं नेयव्वं ५। सभा सुहम्मा, उत्तरपुरच्छिमे णं जिणघरं, ततो उववायसभा हरओ अभिसेय० अलंकारो जहा विजयस्स उववाओ संकप्पो अभिसेय-विभूसणा य ववसाओ ६। अच्चणिय सिद्धायण गमोवि य णं चमर परिवार इड्ढित्तं ७॥ सू० ११६॥ बीयसए अट्ठमो॥

॥ इति द्वितीयशतके अष्टम उद्देशकः॥ २-८॥

॥ अथ द्वितीयशतके समयक्षेत्राख्य-नवमोद्देशकः ॥

किमिदं भंते ! समयखेत्तेत्ति पवुच्चति ?, गोयमा ! अड्ढाइज्जा दीवा दो य समुद्दा एस णं एवइए समयखेत्तेति पवुच्चति १ । तत्थ णं अयं जंबूद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतरे एवं जीवाभिगमवत्तव्वया जोइस(अट्ठ)विहूणं नेयव्वा जाव अब्भिंतरं पुक्खरद्धं जोइसविहूणं जाव इमा गाहा–अरिहंत समय बायर विज्जू थणिया बलाहगा अगणी । आगर निहि नइ उवराग निग्गमे वुड्ढिक्खयणं च ॥ १ ॥ सू० ११७ ॥ बितीयस्स नवमो उद्देसो ॥

॥ इति द्वितीयशतके नवम उद्देशकः ॥ २–९ ॥

॥ अथ द्वितीयशतके अस्तिकायाख्य-दशमोद्देशकः ॥

कति णं भंते ! अत्थिकाया पन्नता ?, गोयमा ! पंच अत्थिकाया पराणत्ता, तंजहा–धम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकाए आगासत्थिकाए जीवत्थिकाए पोगलत्थिकाए १ । धम्मत्थिकाएणं भंते ! कतिवन्ने कतिगंधे कतिरसे कतिफासे ?, गोयमा ! अवराणे अगंधे अरसे अफासे अरूवे अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे, से समासओ पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ, दव्वओ णं धम्मत्थिकाए एगे दव्वे, खेत्तओ णं लोगप्पमाणमेत्ते, कालओ न कयावि न आसि न कयाइ नत्थि जाव निच्चे, भावओ अवराणे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ गमणगुणे २ । अहम्मत्थिकाएवि एवं चेव, नवरं गुणओ ठाणगुणे, आगासत्थिकाएवि एवं चेव, नवरं खेत्तओ णं आगासत्थिकाए लोयालोयप्पमाणमेत्ते अणंते चेव जाव गुणओ अवगाहणागुणे ३ । जीवत्थिकाए णं भंते ! कतिवन्ने कतिगंधे कतिरसे कइफासे ?, गोयमा ! अवराणे जाव अरूवी जीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे, से समासओ पंचविहे पराणत्ते, तंजहा–दव्वओ जाव गुणओ, दव्वओ णं जीवत्थिकाए अणंताइं जीवदव्वाइं, खेत्तओ लोगप्प-

माणमेत्ते कालओ न कयाइ न आसि जाव निच्चे, भावओ पुण अवण्णे अगंधे अरसे अफासे, गुणओ उवओगगुणे ४। पोग्गलत्थिकाए णं भंते ! कतिवण्णे कतिगंधे कतिरसे कतिफासे ?, गोयमा ! पंचवण्णे पंचरसे दुगंधे अट्ठफासे रूवी अजीवे सासए अवट्ठिए लोगदव्वे ५। से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ गुणओ, दव्वओ णं पोग्गलत्थिकाए अणंताइं दव्वाइं, खेत्तओ लोयप्पमाणमेत्ते, कालओ न कयाइ न आसि जाव निच्चे, भावओ वण्णमंते गंधमंते रसमंते फासमंते, गुणओ गहणगुणे ६ ॥ सू० ११८ ॥ एगे भंते ! धम्मत्थिकायपदेसे धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे १। एवं दोन्निवि तिन्निवि चत्तारि पंच छ सत्त अट्ठ नव दस संखेज्जा, असंखेज्जा भंते ! धम्मत्थिकायप्पएसा धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे २। एगपदेसूणोवि य णं भंते ! धम्मत्थिकाए २ त्ति वत्तव्वं सिया ? णो तिणट्ठे समट्ठे ३। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ? एगे धम्मत्थिकायपदेसे नो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया जाव एगपदेसूणोवि य णं धम्मत्थिकाए नो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया ?, से नूणं गोयमा ! खंडे चक्के सगले चक्के ?, भगवं ! नो खंडे चक्के सकले चक्के, एवं छत्ते चम्मे दंडे दूसे आउहे मोयए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–एगे धम्मत्थिकायपदेसे नो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया जाव एगपदेसूणोवि य णं धम्मत्थिकाए नो धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया ४। से किंखातिए णं भंते ! धम्मत्थिकाए त्ति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! असंखेज्जा धम्मत्थिकायपएसा ते सव्वे कसिणा पडिपुण्णा निरवसेसा एगगहणगहिया एस णं गोयमा ! धम्मत्थिकाएत्ति वत्तव्वं सिया ५। एवं अहम्मत्थिकाएवि, आगासत्थिकाएवि, जीवत्थिकाय-पोग्गलत्थिकायावि एवं चेव, नवरं तिण्हंपि पदेसा अणंता भाणियव्वा, सेसं तं चेव ६ ॥ सू० ११९ ॥

जीवे णं भंते ! सउट्ठाणे सकम्मे सबले सवीरिए सपुरिसक्कारपरक्कमे आयभावेणं जीवभावं उवदंसेतीत्ति वत्तव्वं सिया ?, हंता गोयमा ! जीवे णं सउट्ठाणे जाव उवदंसेतीत्ति वत्तव्वं सिया १ । से केणट्ठेणं जाव वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! जीवे णं अणंताणं आभिणिबोहिय-नाणपज्जवाणं एवं सुयनाणपज्जवाणं ओहिनाणपज्जवाणं मणपज्जवनाणपज्जवाणं केवलनाणपज्जवाणं मइअन्नाणपज्जवाणं सुयअन्नाणपज्जवाणं विभंगणाणपज्जवाणं चक्खुदंसणपज्जवाणं अचक्खुदंसणपज्जवाणं ओहिदंसणपज्जवाणं केवलदंसणपज्जवाणं उवओगं गच्छइ, उवओगलक्खणे णं जीवे, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ–गोयमा ! जीवेणं सउट्ठाणे जाव वत्तव्वं सिया २ ॥ सू० १२० ॥ कतिविहे णं भंते ! आगासे पण्णत्ते ?, गोयमा ! दुविहे आगासे पण्णत्ते तंजहा–लोयागासे य अलोयागासे य १ । लोयागासे णं भंते ! किं जीवा जीवदेसा जीवपदेसा अजीवा अजीवदेसा अजीवपएसा ?, गोयमा ! जीवावि जीवदेसावि जीवपदेसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवपदेसावि जे जीवा ते नियमा एगिंदिया बेंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया अणिंदिया, जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा जाव अणिंदियदेसा, जे जीवपदेसा ते नियमा एगिंदियपदेसा जाव अणिंदियपदेसा, जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–रूवी य अरूवी य, जे रूवी ते चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा–खंधा खंधदेसा खंधपदेसा परमाणुपोग्गला, जे अरूवी ते पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा–धम्मत्थिकाए नो धम्मत्थिकायस्स देसे धम्मत्थिकायस्स पदेसा, अधम्मत्थिकाए नो अधम्मत्थिकायस्स देसे अधम्मत्थिकायस्स पदेसा, अद्धासमए २ ॥ सू० १२१ ॥ अलोगागासे णं भंते । किं जीवा ? पुच्छा तह चेव, गोयमा ! नो जीवा जाव नो अजीवप्पएसा एगे अजीवदव्वदेसे अगुरुयलहुए अणंतेहिं अगुरुलहुयगुणेहिं संजुत्ते सव्वागासे अणंतभागूणे ॥ सू० १२२ ॥ धम्मत्थिकाए णं भंते ! किं (के) महालए

पण्णत्ते ?, गोयमा ! लोए लोयमेत्ते लोयप्पमाणे लोयफुडे लोयं चेव फुसित्ता णं चिट्ठइ, एवं अहम्मत्थिकाए लोयागासे जीवत्थिकाए पोग्गलत्थिकाए पंचवि एक्काभिलावा ॥ सू० १२३ ॥ अहेलोए णं भंते ! धम्मत्थिकायस्स केवइयं फुसति ?, गोयमा ! सातिरेगं अद्धं फुसति १ । तिरियलोए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! असंखेज्जइभागं फुसइ २ । उड्ढलोए णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! देसूणं अद्धं फुसइ ३ ॥ सू० १२४ ॥ इमा णं भन्ते ! रयणप्पभापुढवी धम्मत्थिकायस्स किं संखेज्जइभागं फुसति ? असंखेज्जइभागं फुसइ ? संखिज्जे भागे फुसति ? असंखेज्जे भागे फुसति ? सव्वं फुसति ?, गोयमा ! णो संखेज्जइभागं फुसति असंखेज्जइभागं फुसइ णो संखेज्जे भागे फुसति णो असंखेज्जे भागे फुसति नो सव्वं फुसति १ । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए उवासंतरे घणोदही धम्मत्थिकायस्स पुच्छा, किं संखेज्जइभागं फुसति ? असंखेज्जइभागं फुसति जाव सव्वं फुसति ? जहा रयणप्पभा तहा घणोदहि-घणवाय-तणुवायावि २ । इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए उवासंतरे धम्मत्थिकायस्स किं संखेज्जतिभागं फुसति असंखेज्जइभागं फुसइ जाव सव्वं फुसइ ?, गोयमा ! संखेज्जइभागं फुसइ णो असंखेज्जइभागं फुसइ नो संखेज्जे भागे फुसइ नो असंखेज्जे भागे फुसइ नो सव्वं फुसइ, उवासंतराइं सव्वाइं जहा रयणप्पभाए पुढवीए वत्तव्वया भणिया ३ । एवं जाव अहेसत्तमाए, जंबूदीवाइया दीवा लवणसमुद्दाइया समुद्दा, एवं सोहम्मे कप्पे जाव ईसिपब्भारापुढवीए, एते सव्वेऽवि असंखेज्जतिभागं फुसति, सेसा पडिसेहेयव्वा ४ । एवं अधम्मत्थिकाए, एवं लोयागासेवि, गाहा—पुढवोदही-घण-तणुकप्पा गेवेज्जणुत्तरा सिद्धी । संखेज्जतिभागं अंतरेसु सेसा असंखेज्जा ॥ १ ॥ सू० १२५ ॥ बितियं सयं समत्तं ॥

॥ इति द्वितीयशतके दशम उद्देशकः ॥ २–१० ॥

॥ इति द्वितीयं शतकम् ॥ २ ॥

॥ अथ तृतीयशतके विकुर्वणाख्य-प्रथमोद्देशकः ॥

केरिसविउव्वणा चमर किरिय जाणित्थि नगर पाला य। अहिवइ इंदियपरिसा ततियम्मि सए दसुद्देसा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं मोया नामं नगरी होत्था वण्णओ, तीसे णं मोयाए नगरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभागे णं नंदणे नामं चेतिए होत्था, वण्णओ, तेणं कालेणं २ सामी समोसढे, परिसा निग्गच्छइ पडिगया परिसा १। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स दोच्चे अंतेवासी अग्गिभूतीनामं अणगारे गोयमगोत्तेणं सत्तुस्सेहे जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी—चमरे णं भंते ! असुरिंदे असुरराया केमहिड्ढीए ? केमहज्जुत्तीए ? केमहाबले ? केमहायसे ? केमहासोक्खे ? केमहाणुभागे ? केवइयं च णं पभू विउव्वित्तए ?, गोयमा ! चमरे णं असुरिंदे असुरराया महिड्ढीए जाव महाणुभागे से णं तत्थ चोत्तीसाए भवणावास-सयसहस्साणं चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं जाव विहरइ २। एवंमहिड्ढीए जाव महाणुभागे, एवतियं च णं पभू विउव्वित्तए से जहानामए—जुवती जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा, चक्कस्स वा नाभी अरगाउत्ता सिया, एवामेव गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निसिरइ, तंजहा—रयणाणं जाव रिट्ठाणं अहाबायरे पोग्गले परिसाडेइ २ अहासुहुमे पोग्गले परियाएति २ दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणति २, पभू णं गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया केवलकप्पं जंबूदीवं २ बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णं वितिकिण्णं उवत्थडं संथडं फुडं अवगाढावगाढं करेत्तए ३। अदुत्तरं च णं गोयमा ! पभू चमरे असुरिंदे असुरराया तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णे वितिकिण्णे उवत्थडे संथडे फुडे अवगाढावगाढे करेत्तए, एस णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुइए णो चेव णं संपत्तीए

विकुव्विसु वा विकुव्वति वा विकुव्विस्सति वा ४ ॥ सू० १२६ ॥
जति णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरराया एमहिड्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए, चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो सामाणिया देवा केमहिड्ढीया जाव केवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए ?, गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो सामाणिया देवा महिड्ढीया जाव महाणुभागा, ते णं तत्थ साणं २ भवणाणं साणं २ सामाणियाणं साणं २ अग्गमहिसीणं जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति, एवंमहिड्ढीया जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए, से जहानामए—जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नाभी अरयाउत्ता सिया एवामेव गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगे सामाणिए देवे वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ जाव दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणति २ पभू णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगे सामाणिए देवे केवलकप्पं जंबूदीवं २ बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइन्नं वितिकिन्नं उवत्थडं संथडं फुडं अवगाढावगाढं करेत्तए, अदुत्तरं च णं गोयमा ! पभू चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगे सामाणियदेवे तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य आइण्णे वितिकिण्णे उवत्थडे संथडे फुडे अवगाढावगाढे करेत्तए, एस णं गोयमा ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो एगमेगस्स सामाणियदेवस्स अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए, णो चेव णं संपत्तीए विकुव्विसु वा विकुव्वति वा विकुव्विस्सति वा १ । जति णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो सामाणिया देवा एवंमहिड्ढीया जाव एवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो तायत्तीसिया देवा केमहिड्ढीया ?, तायत्तीसिया देवा जहा सामाणिया तहा नेयव्वा, लोयपाला तहेव, नवरं संखेज्जा दीवसमुद्दा भाणियव्वा, बहूहिं असुरकुमारेहिं २ आइन्ने जाव विउव्विस्संति

वा २। जति णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो लोगपाला देवा एवंमहिड्ढीया जाव एवतियं च णं पभू विउव्वित्तए ३। चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो अग्गमहिसीओ देवीओ केमहिड्ढीयाओ जाव केवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए ?, गोयमा ! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररन्नो अग्गमहिसीओ महिड्ढीयाओ जाव महाणुभागाओ, ताओ णं तत्थ साणं २ भवणाणं साणं २ सामाणियसाहस्सीणं साणं २ महत्तरियाणं साणं २ परिसाणं जाव एमहिड्ढियाओ अन्नं जहा लोगपालाणं अपरिसेसं ४। सेवं भंते ! २ त्ति ५ ॥ सूत्रं १२७ ॥

भगवं दोच्चे गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ जेणेव तच्चे गोयमे वायुभूतिअणगारे तेणेव उवागच्छति २ तच्चं गोयमं वायुभूतिं अणगारं एवं वदासि–एवं खलु गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया एवंमहिड्ढीए तं चेव एवं सव्वं अपुट्ठवागरणं नेयव्वं अपरिसेसियं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया समत्ता १। तए णं से तच्चे गोयमे वायुभूती अणगारे दोच्चस्स गोयमस्स अग्गिभूइस्स अणगारस्स एवमाइक्खमाणस्स भासमाणस्स पण्णवमाणस्स परूवमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहइ नो पत्तियइ नो रोयइ एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे उट्ठाए उट्ठेइ २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–एवं खलु भंते ! दोच्चे गोयमे अग्गिभूतिअणगारे मम एवमातिक्खइ भासइ पन्नवेइ परूवेइ–एवं खलु गोयमा ! चमरे असुरिंदे असुरराया महिड्ढीए जाव महाणुभावे से णं तत्थ चोत्तीसाए भवणावाससयसहस्साणं एवं तं चेव सव्वं अपरिसेसं भाणियव्वं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया समत्ता २। से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमादि ! समणे भगवं महावीरे तच्चं गोयमं वाउभूतिं अणगारं एवं वदासि–जण्णं गोयमा ! दोच्चे गोयमे अग्गिभूइअणगारे तव एवमातिक्खइ ४–एवं खलु गोयमा !

चमरे ३ महिड्ढीए एवं तं चेव सव्वं जाव अग्गमहिसीणं वत्तव्वया समत्ता, सच्चे णं एसमट्ठे, अहंपि णं गोयमा ! एवमाइक्खामि भासेमि पण्णवेमि परूवेमि एवं खलु गोयमा ! चमरे ३ जाव महिड्ढीए सो चेव बितिओ गमो भाणियव्वो जाव अग्गमहिसीओ, सच्चे णं एसमट्ठे, सेवं भंते २ त्ति जाव विहरति ३ । तच्चे गोयमे ! वायुभूती अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ जेणेव दोच्चे गोयमे अग्गिभूती अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ दोच्चं गोयमं अग्गिभूतिं अणगारं वंदइ नमंसति २ एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेति ४ ॥ सूत्रं १२८ ॥ तए णं से तच्चे गोयमे वाउभूती अणगारे दोच्चेणं गोयमेणं अग्गिभूतीणामेणं अणगारेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासि–जति णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुराया एवंमहिड्ढीए जाव एवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए, बली णं भंते ! वइरोयणिंदे वइरोयणराया केमहिड्ढीए जाव केवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए ?, गोयमा ! बली णं वइरोयणिंदे वइरोयणराया महिड्ढीए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ तीसाए भवणावास-सयसहस्साणं सट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं सेसं जहा चमरस्स तहा बलियस्सवि णेयव्वं, णवरं सातिरेगं केवलकप्पं जंबूदीवंति भाणियव्वं, सेसं तं चेव णिरवसेसं णेयव्वं, णवरं णाणत्तं जाणियव्वं भवणेहिं सामाणिएहिं, सेवं भंते २ त्ति तच्चे गोयमे वायुभूती जाव विहरती १ । भंते ! त्ति भगवं दोच्चे गोयमे अग्गिभूतीअणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ २ एवं वदासी–जइ णं भंते ! बली वइरोयणिंदे वइरोयणराया एमहिड्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विकुव्वित्तए, धरणे णं भंते ! नागकुमारिंदे नागकुमारराया केमहिड्ढीए जाव केवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए ? गोयमा ! धरणेणं नागकुमारिंदे

नागकुमारराया एमहिड्ढीए जाव से णं तत्थ चोयालीसाए भवणावाससयसहस्साणं छण्हं सामाणियसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं चउण्हं लोगपालाणं छण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं चउत्तीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च जाव विहरइ, एवतियं च णं पभू विउव्वित्तए से जहानामए—जुवतिं जुवाणे जाव पभू केवलकप्पं जंबूद्दीवं २ जाव तिरियं संखेज्जे दीवसमुद्दे बहूहिं नागकुमारेहिं नागकुमारीहिं जाव विउव्विस्संति वा २। सामाणिया तायत्तीसलोगपालगा महिसीओ य तहेव, जहा चमरस्स एवं धरणे णं नागकुमारराया महिड्ढिए जाव एवतियं जहा चमरे तहा धरणेवि, नवरं संखेज्जे दीवसमुद्दे भाणियव्वं, एवं जाव थणियकुमारा वाणमंतरा जोइसियावि, नवरं दाहिणिल्ले सव्वे अग्गिभूती पुच्छति, उत्तरिल्ले सव्वे वाउभूती पुच्छइ ३। भंतेत्ति भगवं दोच्चे गोयमे अग्गिभूती अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ एवं वयासी—जति णं भंते ! जोइसिंदे जोतिसराया एवंमहिड्ढीए जाव एवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया केमहिड्ढीए जाव केवतियं च णं पभू विउव्वित्तए ?, गोयमा ! सक्के णं देविंदे देवराया महिड्ढीए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साणं चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं जाव चउण्हं चउरासीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च जाव विहरइ, एवंमहिड्ढीए जाव एवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए ४। एवं जहेव चमरस्स तहेव भाणियव्वं, नवरं दो केवलकप्पे जंबूद्दीवे २ अवसेसं तं चेव ५। एस णं गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो इमेयारूवे विसए विसयमेत्ते णं बुइए नो चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा विउव्वति वा विउव्विस्सति वा ६ ॥ सू० १२१ ॥ जइ णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया एमहिड्ढीए जाव एवतियं च णं पभू विकुव्वित्तए १। एवं खलु देवाणुप्पियाणं

अंतेवासी तीसए णामं अणगारे पगतिभद्दए जाव विणीए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुण्णाइं अट्ठ संवच्छराइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेत्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता आलोतियपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे सयंसि विमाणंसि उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्ताए ओगाहणाए सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सामाणियदेवत्ताए उववण्णे २ । तए णं तीसए देवे अहुणोववन्नमेत्ते समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तंजहा–आहारपज्जत्तीए सरीरपज्जत्तीए इंदियपज्जत्तीए आणुपाणुपज्जत्तीए भासामणपज्जत्तीए, तए णं तं तीसयं देवं पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गयं समाणं सामाणियपरिसोववन्नया देवा करयल परिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वदासि–अहो णं देवाणुप्पिए ! दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुत्ती दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागते, जारिसिया णं देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुत्ती दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागते तारिसिया णं सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया, जारिसिया णं सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया तारिसिया णं देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया ३ । से णं भंते ! तीसए देवे केमहिड्ढीए जाव केवतियं च णं पभू विउव्वित्तए ?, गोयमा ! महिड्ढीए जाव महाणुभागे, से णं तत्थ सयस्स विमाणस्स चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चउण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य जाव विहरति, एवंमहिड्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, से जहाणामए-जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा जहेव सक्कस्स तहेव जाव एस

णं गोयमा ! तीसयस्स देवस्स अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए नो चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा ३, ४ । जति णं भंते ! तीसए देवे महिड्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो अवसेसा सामाणिया देवा केमहिड्ढीया तहेव सव्वं जाव एस णं गोयमा ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो एगमेगस्स सामाणियस्स देवस्स इमेयारूवे विसयमेत्ते बुइए नो चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा विउव्विंति वा विउविस्संति वा, तायत्तीसा य लोगपाल-अग्गमहिसीणं जहेव चमरस्स नवरं दो केवलकप्पे जंबूदीवे २ अण्णं तं चेव, सेवं भंते ! २ त्ति दोच्चे गोयमे जाव विहरति ५ ॥ सू० १३० ॥ भंतेत्ति भगवं तच्चे गोयमे वाउभूती अणगारे समणं भगवं जाव एवं वदासी—जति णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया एमहिड्ढीए जाव एवइयं च णं पभू विउव्वित्तए, ईसाणे णं भंते ! देविंदे देवराया केमहिड्ढीए ? एवं तहेव, नवरं साहिए दो केवलकप्पे जंबूदीवे २ अवसेसं तहेव ॥ सू० १३१ ॥ जति णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया एमहिड्ढीए जाव एवतियं च णं पभू विउव्वित्तए १ । एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुरुदत्तपुत्ते नामं पगतिभद्दए जाव विणीए अट्ठमंअट्ठमेणं अणिक्खित्तेणं पारणाए आयंबिलपरिग्गहिएणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे बहुपडिपुन्ने छम्मासे सामण्णपरियागं पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसित्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे सयंसि विमाणंसि जा चेव तीसए वत्तव्वया ता सव्वेव अपरिसेसा कुरुदत्तपुत्तेवि, नवरं सातिरेगे दो केवलकप्पे जंबूदीवे २, अवसेसं तं चेव २ । एवं सामाणिय-तायत्तीस-लोगपाल-अग्गमहिसीणं जाव एस णं गोयमा ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो एवं एगमेगाए अग्गमहिसीए देवीए अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते बुइए नो चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा ३,

३ ॥ सू० १३२ ॥ *एवं सणंकुमारेवि, नवरं चत्तारि केवलकप्पे जंबूदीवे* दीवे अदुत्तरं च णं तिरियमसंखेज्जे, एवं सामाणिय-तायत्तीस-लोगपाल-अग्गमहिसीणं असंखेज्जे दीवसमुद्दे सव्वे विउव्वंति, सणंकुमाराओ आरब्भा उवरिल्ला लोगपाला सव्वेवि असंखेज्जे दीवसमुद्दे विउव्विंति १ । एवं माहिंदेवि, नवरं सातिरेगे चत्तारि केवलकप्पे जंबूदीवे २, २ । एवं बंभलोएवि नवरं अट्ठ केवलकप्पे जंबूदीवे २, ३ । एवं लंतएवि, नवरं सातिरेगे अट्ठ केवलकप्पे जंबूदीवे २, ४ । महासुक्के सोलस केवलकप्पे जंबूदीवे २, ५ । सहस्सारे सातिरेगे सोलस केवलकप्पे जंबूदीवे २, ६ । एवं पाणएवि, नवरं बत्तीसं केवलकप्पे जंबूदीवे २, ७ । एवं अच्चुएवि, नवरं सातिरेगे बत्तीसं केवलकप्पे जंबूदीवे २, अन्नं तं चेव ८ । सेवं भंते २ त्ति, तच्चे *गोयमे वायुभूती अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसति जाव विहरति* १ । तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाई सोयाओ नगरीओ नंदणाओ चेतियाओ पडिनिक्खमइ २ बहिया जणवयविहारं विहरइ १० ॥ सू० १३३ ॥ ते णं काले णं तेणं समए णं रायगिहे नामं नगरे होत्था, वन्नओ, जाव परिसा पज्जुवासइ १ । तेणं कालेणं २ ईसाणे देविंदे देवराया सूलपाणी वसभवाहणे उत्तरड्ढलोगाहिवई अट्ठावीस-विमाणावास-सयसहस्साहिवई अरयंबरवत्थधरे आलइयमालमउडे नवहेम-चारुचित्त-चंचलकुंडल-विलिहिज्जमाणगंडे जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणे पभासेमाणे ईसाणे कप्पे ईसाणवडिंसए विमाणे जहेव रायप्पसेणइज्जे जाव दिव्वं देविड्ढिं जाव जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए २ । भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति णमंसति २ एवं वदासी—अहो णं भंते ! ईसाणे देविंदे देवराया महिड्ढीए, ईसाणस्स णं भंते ! सा दिव्वा देविड्ढी कहिं गता ? कहिं अणुपविट्ठा ?, गोयमा ! सरीरं गता २, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति-सरीरं गता २, ? गोयमा ! से जहानामए—

कूडागारसाला सिया दुहओ लित्ता गुत्ता गुत्तदुवारा णिवाया णिवायगंभीरा तीसे णं कूडागारे जाव कूडागारसालादिट्ठंतो भाणियव्वो ३ । ईसाणेणं भंते ! देविंदेणं देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी दिव्वा देवजुत्ती दिव्वे देवाणुभागे किण्णा लद्धे ? किन्ना पत्ते ? किण्णा अभिसमन्नागए ? के वा एस आसि पुव्वभवे ? किंणामए वा ? किंगोत्ते वा ? कयरंसि वा गामंसि वा नगरंसि वा जाव संनिवेसंसि वा ? किं वा सुच्चा ? किं वा दच्चा ? किं वा भोच्चा ? किं वा किच्चा ? किं वा समायरित्ता ? कस्स वा तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अंतिए एगमवि आयरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म जण्णं ईसाणेणं देविंदेणं देवरण्णा सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया ?, एवं खलु गायमा ! तेणं कालेणं २ इहेव जंबूदीवे २ भारहे वासे तामलित्ती नामं नगरी होत्था, वन्नओ, तत्थ णं तामलित्तीए नगरीए तामली नामं मोरियपुत्ते गाहावती होत्था, अड्ढे दित्ते जाव बहुजणस्स अपरिभूए यावि होत्था ४ । तए णं तस्स मोरियपुत्तस्स तामलित्तस्स गाहावइयस्स अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्त-कालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—अत्थि ता मे पुरा पोराणाणं सुचिन्नाणं सुपरक्कंताणं सुभाणं कल्लाणाणं कडाणं कम्माणं कल्लाणफल-वित्तिविसेसो जेणाहं हिरण्णेणं वड्ढामि सुवन्नेणं वड्ढामि धणेणं वड्ढामि धन्नेणं वड्ढामि पुत्तेहिं वड्ढामि पसूहिं वड्ढामि विउल-धण-कणग-रयण-मणि-मोत्तिय-संख-सिलप्पवाल-रत्तरयण-संतसार सावतेज्जेणं अतीव २ अभिवड्ढामि, तं किण्णं अहं पुण पोराणाणं सुचिन्नाणं जाव कडाणं कम्माणं एगंतसोक्खयं उवेहमाणे विहरामि ?, तं जाव ताव अहं हिरण्णेणं वड्ढामि जाव अतीव २ अभिवड्ढामि जावं च णं मे मित्त-नाति-नियग-संबंधिपरियणो आढाति परियाणाइ सक्कारेइ सम्माणेइ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं विणएणं पज्जुवासइ ताव ता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव जलंते सयमेव

दारुमयं पडिग्गहियं करेत्ता विउलं असणं पाणं खातिमं सातिमं उवक्खडावेत्ता मित्तणाति-नियगसयण-संबंधिपरियणं आमंतेत्ता तं मित्तनाइ-नियगसंबंधिपरियणं विउलेणं असणपाण-खातिम-सातिमेणं वत्थगंध-मल्लालंकारेण य सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता तस्सेव मित्तणाइ-नियग-संबंधिपरियणस्स पुरतो जेट्ठपुत्तं कुटुंबे ठावेत्ता तं मित्तणाति-णियग-संबंधिपरियणं जेट्ठपुत्तं च आपुच्छित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्गहं गहाय मुंडे भवित्ता पाणामाए पव्वइत्तए, पव्वइएऽवि य णं समाणे इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हिस्सामि—कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स विहरित्तए, छट्ठस्सवि य णं पारणयंसि आयावणभूमीतो पच्चोरुभित्ता सयमेव दारुमयं पडिग्गहयं गहाय तामलित्तीए नगरीए उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडित्ता सुद्धोदणं पडिग्गाहेत्ता तं तिसत्तखुत्तो उदएणं पक्खालेत्ता तओ पच्छा आहारं आहारित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते सयमेव दारुमयं पडिग्गहयं करेइ २ विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ २ तओ पच्छा ण्हाए कयबलिकम्मे कयकोउयमंगलपायच्छित्ते सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे भोयणवेलाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए, तए णं मित्तणाइ-नियगसयण-संबंधिपरिजणेणं सद्धिं तं विउलं असणं पाणं खातिमं साइमं आसादेमाणे वीसाएमाणे परिभाएमाणे परिभुंजेमाणे विहरइ ४। जिमिय-भुत्तुत्तरागएवि य णं समाणे आयंते चोक्खे परमसुइभूए तं मित्त जाव परियणं विउलेणं असणपाण खाइमसाइमेणं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेण य सक्कारेइ २ तस्सेव मित्तणाइ जाव परियणस्स पुरओ जेट्ठं पुत्तं कुटुंबे ठावेइ २ त्ता तं मित्तनाइ-णियगसयण-संबंधिपरिजणं जेट्ठपुत्तं च आपुच्छइ २ मुंडे भवित्ता पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइए, पव्वइएवि य णं समाणे इमं

एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ–कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठं छट्ठेणं जाव आहारित्तएत्तिकट्टु इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ २ त्ता जावज्जीवाए छट्ठं-छट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमुहे आयावणभूमीए आयावेमाणे विहरइ, छट्ठस्सवि य णं पारणयंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ २ सयमेव दारुमयं पडिग्गहं गहाय तामलित्तीए नगरीए उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडइ २ सुद्धोयणं पडिग्गाहेइ २ तिसत्तखुत्तो उदएणं पक्खालेइ, तओ पच्छा आहारं आहारेइ ६। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–पाणामा पव्वज्जा २ ?, गोयमा ! पाणामाए णं पव्वज्जाए पव्वइए समाणे जं जत्थ पासइ इंदं वा खंदं वा रुद्दं वा सिवं वा वेसमणं वा अज्जं वा कोट्टकिरियं वा रायं वा जाव सत्थवाहं वा कागं वा साणं वा पाणं वा उच्चं पासइ उच्चं पणामं करेइ नीयं पासइ नीयं पणामं करेइ, जं जहा पासति तस्स तहा पणामं करेइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–पाणामा जाव पव्वज्जा ७॥ सू० १३४ ॥

तए णं से तामली मोरियपुत्ते तेणं ओरालेणं विपुलेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं बालतवोकम्मेणं सुक्के भुक्खे जाव धमणिसंतए जाए यावि होत्था १। तए णं तस्स तामलिस्स बालतवस्सिस्स अन्नया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि अणिच्चजागरियं जागरमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु अहं इमेणं ओरालेणं विपुलेणं जाव उदग्गेणं उदत्तेणं उत्तमेणं महाणुभागेणं तवोकम्मेणं सुक्के भुक्खे जाव धमणिसंतए जाए, तं अत्थि जा मे उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे ताव ता मे सेयं कल्लं जाव जलंते तामलित्तीए नगरीए दिट्ठाभट्ठे य पासंडत्थे य पुव्वसंगतिए य गिहत्थे य पच्छासंगतिए य परियायसंगतिए य आपुच्छित्ता तामलित्तीए नगरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छित्ता पाउग्गं कुंडियमादीयं उवकरणं दारुमयं च पडिग्गहियं एगंते एडेइ एडित्ता तामलित्तीए नगरीए

उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए णियत्तणियमंडलं आलिहइ आलिहित्ता संलेहणा-झूसणाझूसियस्स भत्तपाणपडियाइक्खियस्स पाओवगयस्स कालं अणवकंख-माणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ एवं संपेहेत्ता कल्लं जाव जलंते जाव आपुच्छइ २ तामलित्तीए एगंते एडेए (जाव जलंते) जाव भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगमणं निवन्ने २। तेणं कालेणं २ बलिचंचारायहाणी अणिंदा अपुरोहिया यावि होत्था ३। तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं बालतवस्सिं ओहिणा आहोयंति २ अन्नमन्नं सद्दावेंति २ एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! बलिचंचा रायहाणी अणिंदा अपुरोहिया अम्हे णं देवाणुप्पिया ! इंदाहीणा इंदाधिट्ठिया इंदाहीणकज्जा अयं च णं देवाणुप्पिया ! तामली बालतवस्सी तामलित्तीए नगरीए बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए नियत्तणियमंडलं आलिहित्ता संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगमणं निवन्ने, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं तामलिं बालतवस्सिं बलिचंचाए राय-हाणीए ठितिपकप्पं पकरावेत्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ बलिचंचाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छंति २ जेणेव रुयगिंदे उप्पायपव्वए तेणेव उवागच्छंति २ वेउव्विय-समुग्घाएणं समोहणंति जाव उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं विकुव्वंति ४। ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चंडाए जइणाए छेयाए सीहाए सिग्घाए दिव्वाए उद्धुयाए देवगतीए तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जेणेव जंबूद्दीवे २ जेणेव भारहे वासे जेणेव तामलित्ती नगरी जेणेव तामली मोरियपुत्ते तेणेव उवागच्छंति २ ता तामलिस्स बालतवस्सिस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं ठिच्चा दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुत्तिं दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं बत्तीसविहं नट्टविहिं उवदंसंति २ तामलिं बालतवस्सिं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति वंदंति नमंसंति २ एवं वदासी—

एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हे बलिचंचारायहाणीवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य देवाणुप्पियं वंदामो नमंसामो जाव पज्जुवासामो, अम्हाणं देवाणुप्पिया ! बलिचंचा रायहाणी अणिंदा अपुरोहिया अम्हेऽवि य णं देवाणुप्पिया ! इंदाहीणा इंदाहिट्ठिया इंदाहीणकज्जा तं तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! बलिचंचं रायहाणिं आढाह परियाणह सुमरह अट्ठं बंधह निदानं पकरेह ठितिपकप्पं पकरेह, तते णं तुब्भे कालमासे कालं किच्चा बलिचंचारायहाणीए उववज्जिस्सह, तते णं तुब्भे अम्हं इंदा भविस्सह, तए णं तुब्भे अम्हेहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरिस्सह ५ । तए णं से तामली बालतवस्सी तेहिं बलिचंचा-रायहाणिवत्थव्वएहिं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य एवं वुत्ते समाणे एयमट्ठं नो आढाइ नो परियाणेइ तुसिणीए संचिट्ठइ, तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं मोरियपुत्तं दोच्चंपि तच्चंपि तिक्खुत्तो आयाहिण-प्पयाहिणं करेंति २ जाव अम्हं च णं देवाणुप्पिया ! बलिचंचारायहाणी अणिंदा जाव ठितिपकप्पं पकरेह जाव दोच्चंपि तच्चंपि, एवं वुत्ते समाणे जाव तुसिणीए संचिट्ठइ ६ । तए णं ते बलिचंचा-रायहाणि-वत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिणा बालतवस्सिणा अणाढाइज्जमाणा अपरियाणिज्जमाणा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ७ ॥सू० १३५॥ तेणं कालेणं २ ईसाणे कप्पे अणिंदे अपुरोहिए यावि होत्था १ । तते णं से तामली बालतवस्सी बहुपडिपुन्नाइं सट्ठिं वाससहस्साइं परियागं पाउणित्ता दोमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसित्ता सवीसं भत्तसयं अणसणाए छेदित्ता कालमासे कालं किच्चा ईसाणे कप्पे ईसाणवडिंसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिये अंगुलस्स असंखेज्जभागमेत्ताए ओगाहणाए ईसाणदेविंद-विरहकालसमयंसि ईसाणदेविंदत्ताए उववण्णे, तए णं से

ईसाणे देविंदे देवराया अहुणोववन्ने पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तीभावं गच्छति, तंजहा—आहारपज्जत्तीए जाव भासमणपज्जत्तीए २। तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तामलिं बालतवस्सिं कालगयं जाणित्ता ईसाणे य कप्पे देविंदत्ताए उववण्णं पासित्ता आसुरुत्ता कुविया चंडिक्किया मिसिमिसेमाणा बलिचंचारायहाणीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छंति २ ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव भारहे वासे जेणेव तामलित्ती नयरी जेणेव तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरए तेणेव उवागच्छंति २ वामे पाए सुंबेणं बंधंति २ तिक्खुत्तो मुहे उट्ठहंति २ तामलित्तीए नगरीए सिंघाडग-तिग-चउक्क-चच्चर-चउम्मुहमहापहपहेसु आकड्ढ(ड्ड)विकड्ढि(ड्ढि) करेमाणा महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वयासि—केस णं भो से तामली बालतवस्सी सयंगहियलिंगे पाणामाए पव्वज्जाए पव्वइए ? केस णं भो (भंते) से ईसाणे कप्पे ईसाणे देविंदे देवरायाइतिकट्टु तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरयं हीलंति निंदंति खिंसंति गरिहिंति अवमन्नंति तज्जंति तालेंति परिवहेंति पव्वहेंति आकड्ढविकड्ढिं करेंति हीलेत्ता जाव आकड्ढविकड्ढिं करेत्ता एगंते एडेंति २ जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ३ ॥ सू० १३६ ॥ तए णं ते ईसाणकप्पवासी बहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य बलिचंचा-रायहाणि-वत्थव्वएहिं बहुहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य तामलिस्स बालतवस्सिस्स सरीरयं हीलिज्जमाणं निंदिज्जमाणं जाव आकड्ढविकड्ढिं कीरमाणं पासंति २ आसुरुत्ता जाव मिसिमिसेमाणा जेणेव ईसाणे देविंदे देवराया तेणेव उवागच्छंति २ करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वदासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य देवाणुप्पिए कालगए जाणित्ता ईसाणे कप्पे इंदत्ताए उववन्ने पासेत्ता आसुरुता जाव एगंते एडेंति २

जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया १। तए णं से ईसाणे देविंदे देवराया तेसिं ईसाणकप्पवासीणं बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तत्थेव सयणिज्जवरगए तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु बलिचंचारायहाणिं अहे सपक्खिं सपडिदिसिं समभिलोएइ २। तए णं सा बलिचंचारायहाणी ईसाणेणं देविंदेणं देवरन्ना अहे सपक्खिं सपडिदिसिं समभिलोइया समाणी तेणं दिव्वप्पभावेणं इंगालब्भूया मुम्मुरभूया छारियब्भूया तत्तकवेल्लकब्भूया तत्ता समजोइभूया जाया यावि होत्था ३। तए णं ते बलिचंचा-रायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य तं बलिचंचं रायहाणिं इंगालब्भूयं जाव समजोतिब्भूयं पासंति २ भीया तत्था तसिया उव्विग्गा संजायभया सव्वओ समंता आधावेंति परिधावेंति २ अन्नमन्नस्स कायं समतुरंगेमाणा २ चिट्ठंति ४। तए णं ते बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य ईसाणं देविंदं देवरायं परिकुवियं जाणित्ता ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभागं दिव्वं तेयलेस्सं असहमाणा सव्वे सपक्खिं सपडिदिसिं ठिच्चा करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वयासी—अहो णं देवाणुप्पिएहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागता तं दिव्वा णं देवाणुप्पियाणं दिव्वा देविड्ढी जाव लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया तं खामेमि णं देवाणुप्पिया! खमंतु णं देवाणुप्पिया! खमंतु-मरिहंतु णं देवाणुप्पिया! णाइ भुज्जो २ एवंकरणयाएत्तिकट्टु एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेंति ५। तते णं से ईसाणे देविंदे देवराया तेहिं बलिचंचारायहाणीवत्थव्वेहिं बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहिं देवीहि य एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामिए समाणे तं दिव्वं देविड्ढिं जाव तेयलेस्सं पडिसाहरइ, तप्पभितिं च णं गोयमा! ते

बलिचंचारायहाणिवत्थव्वया बहवे असुरकुमारा देवा य देवीओ य ईसाणं देविंदं देवरायं आढंति जाव पज्जुवासंति, ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो आणा-उववाय-वयण-निद्देसे चिट्ठंति ६। एवं खलु गोयमा! ईसाणेणं देविंदेणं देवरन्ना सा दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया ७। ईसाणस्स णं भंते! देविंदस्स देवरन्नो केवतियं कालं ठिती पण्णत्ता?, गोयमा! सातिरेगाइं दो सागरोवमाइं ठिती पन्नत्ता ८। ईसाणे णं भंते! देविंदे देवराया ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं गच्छिहिति? कहिं उववज्जिहिति?, गोयमा! महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अंतं काहेति ९॥ सू० १३७॥ सक्कस्स णं भंते! देविंदस्स देवरन्नो विमाणेहिंतो ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो विमाणा ईसिं उच्चयरा चेव ईसिं उन्नयतरा चेव? ईसाणस्स वा देविंदस्स देवरन्नो विमाणेहिंतो सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो विमाणा ईसिं णीययरा चेव ईसिं निन्नयरा चेव?, हंता! गोयमा! सक्कस्स तं चेव सव्वं नेयव्वं १। से केणट्ठेणं?, गोयमा! से जहानामए–करयले सिया देसे उच्चे देसे उन्नए देसे णीए देसे निन्ने, से तेणट्ठेणं गोयमा! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जाव ईसिं निण्णतरा चेव २॥ सू० १३८॥ पभू णं भंते! सक्के देविंदे देवराया ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो अंतियं पाउब्भवित्तए?, हंता पभू, से णं भंते! किं आढायमाणे पभू अणाढायमाणे पभू?, गोयमा! आढायमाणे पभू नो अणाढायमाणे पभू १। पभू णं भंते! ईसाणे देविंदे देवराया सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो अंतियं पाउब्भवित्तीए?, हंता पभू, से भंते! किं आढायमाणे पभू अणाढायमाणे पभू?, गोयमा! आढायमाणेवि पभू, अणाढायमाणेवि पभू २। पभू णं भंते! सक्के देविंदे देवराया ईसाणं देविंदं देवरायं सपक्खिं सपडिदिसिं समभिलोएत्तए? जहा पादुब्भवणा तहा दोवि आलावगा नेयव्वा ३। पभू णं भंते! सक्के देविंदे देवराया ईसाणेणं देविंदेणं

देवरन्ना सद्धिं आलावं वा संलावं वा करेत्तए ?, हंता ! पभू जहा पादुब्भवणा ४ । अत्थि णं भंते ! तेसिं सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं किच्चाइं करणिज्जाइं समुप्पज्जंति ?, हंता ! अत्थि, से कहमिदाणिं पकरेंति ?, गोयमा ! ताहे चेव णं से सक्के देविंदे देवराया ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो अंतियं पाउब्भवति, ईसाणे णं देविंदे देवराया सक्कस्स देविंदस्स देवरायस्स अंतियं पाउब्भवइ ५ । इति भो ! सक्का ! देविंदा ! देवराया ? दाहिणड्ढलोगाहिवइ, इति भो ! ईसाणा ! देविंदा ! देवराया ! उत्तरड्ढलोगाहिवइ, इति भो ! इति भो त्ति ते अन्नमन्नस्स किच्चाइं करणिज्जाइं पच्चणुभवमाणा विहरंति ६ ॥ सू० १३९ ॥ अत्थि णं भंते ! तेसिं सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं विवादा समुप्पज्जंति ?, हंता ! अत्थि १ । से कहमिदाणिं पकरेंति ?, गोयमा ! ताहे चेव णं ते सक्कीसाणा देविंदा देवरायाणो सणंकुमारं देविंदं देवरायं मणसीकरेंति २ । तए णं से सणंकुमारे देविंदे देवराया तेहिं सक्कीसाणेहिं देविंदेहिं देवराईहिं मणसीकए समाणे खिप्पामेव सक्कीसाणाणं देविंदाणं देवराईणं अंतियं पाउब्भवति, जं से वदइ तस्स आणा-उववाय-वयणनिद्देसे चिट्ठंति ३ ॥ सू १४० ॥ सणंकुमारे णं भंते ! देविंदे देवराया किं भवसिद्धिए अभवसिद्धिए सम्मद्दिट्ठी मिच्छद्दिट्ठी परित्तसंसारए अणंतसंसारए सुलभबोहिए दुलभबोहिए आराहए विराहए चरिमे अचरिमे ?, गोयमा ! सणंकुमारे णं देविंदे देवराया भवसिद्धीए नो अभवसिद्धीए, एवं सम्मद्दिट्ठी परित्तसंसारए सुलभबोहिए आराहए चरिमे पसत्थं नेयव्वं १ । से केणट्ठेणं भंते ! ?, गोयमा ! सणंकुमारे देविंदे देवराया बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं हियकामए सुहकामए पत्थकामए आणुकंपिए निस्सेयसिए हियसुहनिस्सेसकामए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! सणंकुमारे णं भवसिद्धिए जाव नो अचरिमे २ । सणंकुमारस्स णं भंते !

देविंदस्स देवरन्नो केवतियं कालं ठिती पन्नत्ता ?, गोयमा ! सत्त सागरोवमाणि ठिती पन्नत्ता ३ । से णं भंते ! ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिति ?, गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अंतं करेहिति ४ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति २, ५ । गाहाओ–ऊसट्ठुमासो अद्धमासो वासाइं अट्ठ छम्मासा । तीसगकुरुदत्ताणं तवभत्त-परिणयपरियाओ ॥ १ ॥ उच्चत्तविमाणाणं पाउब्भव पेच्छणा य संलावे । किंचि विवादुप्पत्ती सणंकुमारे य भवियव्वं(त्तं) ॥ २ ॥ ॥ सू० १४१ ॥ मोया समत्ता । तईयसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति तृतीयशतके प्रथम उद्देशकः ॥ ३-१ ॥

॥ अथ तृतीयशतके चमराख्य-द्वितीयोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे होत्था जाव परिसा पज्जुवासइ १ । तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरे असुरिंदे असुरराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव नट्टविहिं उवदंसेत्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए २ । भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ एवं वदासी–अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे एवं जाव अहेसत्तमाए पुढवीए, सोहम्मस्स कप्पस्स अहे जाव अत्थि णं भंते ! ईसिपब्भाराए पुढवीए अहे असुरकुमारा देवा परिवसंति ?, णो इणट्ठे समट्ठे ३ । से कहिं खाइ णं भंते ! असुरकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयण-सयसहस्सबाहल्लाए, एवं असुरकुमारदेव-वत्तव्वया जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ४ । अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं अहे गतिविसए पण्णत्ते ?,

हंता अत्थि, केवतियं च णं पभू ! ते असुरकुमाराणं देवाणं अहे गतिविसए पन्नत्ते ?, गोयमा ! जाव अहेसत्तमाए पुढवीए तच्चं पुण पुढविं गया य गमिस्संति य ५ । किं पत्तियन्नं भंते ! असुरकुमारा देवा तच्चं पुढविं गया य गमिस्संति य ?, गोयमा ! पुव्ववेरियस्स वा वेदणउदीरणयाए पुव्वसंगइयस्स वा वेदणउवसामणयाए, एवं खलु असुरकुमारा देवा तच्चं पुढविं गया य गमिस्संति य ६ । अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं तिरियं गतिविसए पन्नत्ते ?, हंता अत्थि, केवतियं च णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं तिरियं गइविसए पन्नत्ते ?, गोयमा ! जाव असंखेज्जा दीवसमुद्दा नंदिस्सरवरं पुण दीवं गया य गमिस्संति य ७ । किं पत्तियन्नं भंते ! असुरकुमारा देवा नंदीसरवरदीवं गया य गमिस्संति य ?, गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंता एएसि णं जम्मणमहेसु वा निक्खमणमहेसु वा णाणुप्पयमहिमासु वा परिनिव्वाणमहिमासु वा, एवं खलु असुरकुमारा देवा नंदीसरवरदीवं गया य गमिस्संति य ८ । अत्थि णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं उड्ढं गतिविसए पण्णत्ते ?, हंता ! अत्थि, केवतियं च णं भंते ! असुरकुमाराणं देवाणं उड्ढं गतिविसए ?, गोयमा ! जावऽच्चुए कप्पे सोहम्मं पुण कप्पं गया य गमिस्संति य ९ । किं पत्तियणं भंते ! असुरकुमारा देवा सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ?, गोयमा ! तेसि णं देवाणं भवपच्चइयवेराणुबंधे, ते णं देवा विव्वुवेमाणा परियारेमाणा वा आयरक्खे देवे वित्तासेंति अहालहुस्सगाइं रयणाइं गहाय आयाए एगंतमंतं अवक्कमंति १० । अत्थि णं भंते ! तेसिं देवाणं अहालहुस्सगाइं रयणाइं ?, हंता अत्थि । से कहमियाणिं पकरेंति ?, तओ से पच्छा कायं पव्वहंति ११ । पभू णं भंते ! ते असुरकुमारा देवा तत्थ गया चेव समाणा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं *भुंजमाणा विहरित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, ते णं तओ पडिनियत्तंति २*

त्ता इहमागच्छंति २ जति णं ताओ अच्छराओ आढायंति परियाणंति १२। पभू णं भंते ! ते असुरकुमारा देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए अहन्नं ताओ अच्छराओ नो आढायंति नो परियाणंति, णो णं पभू ते असुरकुमारा देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरित्तए, एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारा देवा सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य १३ ॥ सू० १४२ ॥ केवइकालस्स णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मं कप्पं गया य गमिस्संति य ?, गोयमा ! अणंताहिं उस्सप्पिणीहिं अणंताहिं अवसप्पिणीहिं समतिक्कंताहिं, अत्थि णं एस भावे लोयच्छेरयभूए समुप्पज्जइ जन्नं असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो १। किं निस्साए णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ?, से जहानामए–इह सबरा इ वा बब्बरा इ वा टंकणा इ वा भुत्तुया(चुच्चुया) इ वा पल्हया इ वा पुलिंदा इ वा एगं महं गड्डं वा (खड्डं वा) दुग्गं वा दरिं वा विसमं वा पव्वयं वा णीसाए सुमहल्लमवि आसबलं वा हत्थिबलं वा जोहबलं वा धणुबलं वा आगलेंति, एवामेव असुरकुमारावि देवा, णण्णत्थ अरिहंते वा अरिहंतचेइयाणि वा अणगारे वा भावियप्पणो निस्साए उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो २। सव्वेवि णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, महिड्ढिया णं असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ३। एसवि णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया उड्ढं उप्पइयपुव्वि जाव सोहम्मो कप्पो ?, हंता गोयमा ! २, ४। अहो णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया महिड्ढीए महज्जुईए जाव कहिं पविट्ठे ?, कूडागारसालादिट्ठंतो भाणियव्वो ५ ॥ सू० १४३ ॥ चमरे णं भंते ! असुरिंदेणं

असुररन्ना सा दिव्वा देविड्ढी तं चेव जाव किन्ना लद्धा पत्ता अभिसमन्नागया ? एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेसं तेणं समएणं इहेव जंबूद्दीवे २ भारहे वासे विंझगिरिपायमूले बेभेले नामं संनिवेसे होत्था, वन्नओ १ । तत्थ णं बेभेले संनिवेसे पूरणे नामं गाहावती परिवसति अड्ढे दित्ते जहा तामलिस्स वत्तव्वया तहा नेयव्वा, नवरं चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहयं करेत्ता जाव विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं जाव सयमेव चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहयं गहाय मुंडे भवित्ता दाणामाए पव्वज्जाए पव्वइत्तए पव्वइएऽवि य णं समाणे तं चेव, जाव आयावणभूमीओ पच्चोरुभइ २ त्ता सयमेव चउप्पुडयं दारुमयं पडिग्गहियं गहाय बेभेले सन्निवेसे उच्चनीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडेत्ता जं मे पढमे पुडए पडइ कप्पइ मे तं पंथे पहियाणं दलइत्तए, जं मे दोच्चे पुडए पडइ कप्पइ मे तं कागसुणयाणं दलइत्तए, जं मे तच्चे पुडए पडइ कप्पइ मे तं मच्छकच्छभाणं दलइत्तए, जं मे चउत्थे पुडए पडइ कप्पइ मे तं अप्पणा आहारं आहारित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए तं चेव निरवसेसं जाव जं से(मे)चउत्थे पुडए पडइ तं अप्पणा आहारं आहारेइ २ । तए णं से पूरणे बालतवस्सी तेणं ओरालेणं विउलेणं पयत्तेणं पग्गहिएणं बालतवोकम्मेणं तं चेव जाव बेभेलस्स सन्निवेसस्स मज्झंमज्झेणं निग्गच्छति २ पाउयं कुंडियमादीयं उवकरणं चउप्पुडयं च दारुमयं पडिग्गहियं एगंतमंते एडेइ २ बेभेलस्स सन्निवेसस्स दाहिणपुरच्छिमे दिसीभागे अद्धनियत्तणियमंडलं आलिहित्ता संलेहणाझूसणाझूसिए भत्तपाणपडियाइक्खिए पाओवगमणं निवण्णे ३ । तेणं कालेणं तेणं समएणं अहं गोयमा ! छउमत्थकालियाए एक्कारसवासपरियाए छट्ठं छट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सुसमारपुरे नगरे जेणेव असोयवणसंडे उज्जाणे जेणेव

असोयवरपायवे जेणेव पुढविसिलावट्टओ तेणेव उवागच्छामि २ असोगवर-पायवस्स हेट्ठा पुढविसिलापट्टयंसि अट्ठमभत्तं प(रि)गिराहामि, दोवि पाए साहट्टु वग्घारियपाणी एगपोग्गल-निविट्ठदिट्ठी अणिमिसनयणे ईसिपब्भार-गएणं कारणं अहापणिहिएहिं गत्तेहिं सव्विंदिएहिं गुत्तेहिं एगराइयं महा-पडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरामि ४ । तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरचंचा-रायहाणी अणिंदा अपुरोहिया यावि होत्था ५ । तए णं से पूरणे बालत-वस्सी बहुपडिपुन्नाइं दुवालसवासाइं परियागं पाउणित्ता मासियाए संलेह-णाए अत्ताणं झूसेत्ता सट्ठि भत्ताइं अणसणाए छेदेत्ता कालमासे कालं किच्चा चमरचंचाए रायहाणीए उववायसभाए जाव इंदत्ताए उववन्ने ६ । तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया अहुणोववन्ने पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गच्छइ, तंजहा—आहारपज्जत्तीए जाव भासमणपज्जत्तीए, तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तिभावं गए समाणे उड्ढं वीससाए ओहिणा आभोएइ जाव सोहम्मो कप्पो, पासइ य तत्थ सक्कं देविंदं देवरायं मघवं पाकसासणं सयक्कतुं सहस्सक्खं वज्जपाणिं पुरंदरं जाव दस दिसाओ उज्जोवेमाणं पभासेमाणं सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडेंसए विमाणे सभाए सुहम्माए सक्कंसि सीहासणंसि जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणं पासइ २ इमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था—केस णं एस अपत्थियपत्थए दुरंतपंतलक्खणे हिरिसिरि-परिवज्जिए हीणपुन्नचाउद्दसे जे णं ममं इमाए एयारूवाए दिव्वाए देविड्ढीए जाव दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए उप्पिं अप्पुस्सुए दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ ? एवं संपेहेइ २ सामाणियपरिसोववन्नए देवे सद्दावेइ २ एवं वयासी—केस णं एस देवाणुप्पिया ! अपत्थियपत्थए जाव भुंजमाणे विहरइ ? ७ । तए णं ते सामाणिय-परिसोववन्नगा देवा चमरेणं असुरिंदेणं असुररन्ना एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा जाव हयहियया करयल-

परिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ एवं वयासी–एस णं देवाणुप्पिया ! सक्के देविंदे देवराया जाव विहरइ ८ । तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया तेसिं सामाणियपरिसोववन्नगाणं देवाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते रुट्ठे कुविए चंडिक्किए मिसिमिसेमाणे ते सामाणियपरिसोववन्नए देवे एवं वयासी–अन्ने खलु भो ! से सक्के देविंदे देवराया अन्ने खलु भो ! से चमरे असुरिंदे असुरराया, महिड्ढीए खलु से सक्के देविंदे देवराया, अप्पड्ढिए खलु भो ! से चमरे असुरिंदे असुरराया, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासादेत्तएत्तिकट्टु उसिणे उसिणब्भूए यावि होत्था ९ । तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया ओहिं पउंजइ २ ममं ओहिणा आभोएइ २ इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबूद्दीवे २ भारहे वासे सुसमारपुरे नगरे असोगवणसंडे उज्जाणे असोगवरपायवस्स अहे पुढविसिलावट्टयंसि अट्ठमभत्तं प(डि)गिहित्ता एगराइयं महापडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरति १० । तं सेयं खलु मे समणं भगवं महावीरं नीसाए सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासादेत्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता देवदूसं परिहेइ २ उववायसभाए पुरच्छिमिल्लेणं दारेणं णिग्गच्छइ ११ । जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव चोप्पाले पहरणकोसे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता फलिहरयणं परामुसइ २ एगे अबीए फलिहरयणमायाए महया अमरिसं वहमाणे चमरचंचाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ जेणेव तिगिच्छकूडे उप्पायपव्वए तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं जाव उत्तरवेउव्वियरूवं विउव्वइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव पुढविसिलापट्टए जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छति २ मम तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं

करेति जाव नमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भं नीसाए सक्कं देविंदं देवरायं सयमेव अच्चासादित्तए त्तिकट्टु उत्तरपुरच्छिमे दिसिभागे अवक्कमइ २ वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ जाव दोच्चपि वेउवियसमुग्घाएणं समोहणइ २ एगं महं घोरं घोरागारं भीमं भीमागारं भासुरं भयाणीयं गंभीरं उत्तासणयं कालड्ढरत्त-मासरासि-संकासं जोयणसयसाहस्सीयं महाबोंदिं विउव्वइ २ अप्फोडेइ २ वग्गइ २ गज्जइ २ हयहेसियं करेइ २ हत्थिगुलगुलाइयं करेइ २ रहघणघणाइयं करेइ २ पायदद्दरगं करेइ २ भूमिचवेडयं दलयइ २ सीहणादं नदइ २ उच्छोलेइ २ पच्छोलेइ २ तिपइं छिंदइ २ वामं भुयं ऊसवेइ २ दाहिणहत्थ-पदेसिणीए य अंगुट्ठणहेण य वितिरिच्छमुहं विडंबेइ २ महया २ सद्देणं कलकलरवेणं करेइ, एगे अबीए फलिहरयणमायाए उड्ढं वेहासं उप्पइए १२ । खोभंते चेव अहेलोयं कंपेमाणे च मेयणितलं साकड्ढं (आकड्ढं) तेव तिरियलोयं फोडेमाणेव अंबरतलं कत्थइ गज्जंतो कत्थइ विज्जुयायंते कत्थइ वासं वासमाणे कत्थइ रउग्घायं पकरेमाणे कत्थइ तमुक्कायं पकरेमाणे वाणमंतरदेवे वित्तासेमाणे जोइसिए देवे दुहा विभयमाणे २ आयरक्खे देवे विपलायमाणे २ फलिहर-यणं अंबरतलंसि वियट्टमाणे २ विउज्झाएमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झं मज्झेणं वीयीवयमाणे २ जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव सोहम्मवडेंसए विमाणे जेणेव सभा सुधम्मा तेणेव उवागच्छइ २ एगं पायं पउमवरवेइयाए करेइ एगं पायं सभाए सुहम्माए करेइ फलिहरयणेणं महया २ सद्देणं तिक्खुत्तो इंदकीलं आउडेइ २ एवं वयासी–कहि णं भो ! सक्के देविंदे देवराया ? कहि णं ताओ चउरासीइ सामाणियसाहस्सीओ ? जाव कहि णं ताओ चत्तारि चउरासीइओ आयर-क्खदेवसाहस्सीओ ? कहि णं ताओ अणेगाओ अच्छराकोडीओ अज्ज हणामि अज्ज महेमि अज्ज वहेमि अज्ज मम अवसाओ अच्छराओ वसमुवण-

मंतुत्तिकट्टु तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं असुभं अमणुण्णं अमणामं फरुसं गिरं निसिरइ १३ । तए णं से सक्के देविंदे देवराया तं अणिट्ठं जाव अमणामं अस्सुयपुव्वं फरुसं गिरं सोच्चा निसम्म आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे तिवलियं भिउडिं निडाले साहट्टु चमरं असुरिंदं असुररायं एवं वदासी–हं भो चमरा ! असुरिंदा ! असुरराया ! अपत्थियपत्थया ! जाव हीणपुन्नचाउद्दस्सा अज्जं न भवसि नाहि ते सुहमत्थीत्तिकट्टु तत्थेव सीहासणवरगए वज्जं परामुसइ २ तं जलंतं फुडंतं तडतडंतं उक्कासहस्साइं विणिम्मुयमाणं जालासहस्साइं पमुंचमाणं इंगालसहस्साइं पविक्खिरमाणं २ फुलिंगजालामालासहस्सेहिं चक्खुविक्खेव-दिट्ठिपडिघायं पकरेमाणं हुयवह-अइरेगतेयदिप्पंतं जतिणवेगं फुल्लकिंसुयसमाणं महब्भयं भयंकरं चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो वहाए वज्जं निसिरइ १४ । तते णं से चमरे असुरिंदे असुरराया तं जलंतं जाव भयंकरं वज्जमभिमुहं आवयमाणं पासइ पासित्ता झियाति पिहाइ झियायित्ता पिहाइत्ता तहेव संभग्गमउडविडए सालंबहत्थाभरणे उड्ढंपाए अहोसिरे कक्खागयसेयंपि व विणिम्मुयमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणे २ जेणेव जंबूदीवे २ जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता भीए भयगग्गरसरे भगवं सरणमिति बुयमाणे ममं दोण्हवि पायाणं अंतरंसि झत्ति वेगेण समोवडिए १५ ॥ सू० १४४ ॥

(ग्रन्थाग्रं २०००) तए णं तस्स सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–नो खलु पभू चमरे असुरिंदे असुरराया, नो खलु समत्थे चमरे असुरिंदे असुरराया, नो खलु विसए चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो अप्पणो निस्साए उड्ढं उप्पइत्ता जाव सोहम्मो कप्पो १ । णण्णत्थ अरिहंते वा अरिहंतचेइयाणि वा अणगारे वा भावियप्पणो णीसाए उड्ढं उप्पयति जाव सोहम्मो कप्पो, तं महादुक्खं खलु तहारूवाणं अरहंताणं

भगवंताणं अणगाराण य अच्चासायणाएत्तिकट्टु ओहिं पउंजति २ ममं ओहिणा आभोएति २ हा हा अहो हतोऽहमंसित्तिकट्टु ताए उक्किट्ठाए जाव दिव्वाए देवगतीए वज्जस्स वीहिं अणुगच्छमाणे २ तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव ममं अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ ममं चउरंगुलमसंपत्तं वज्जं पडिसाहरइ २ ॥ सूत्रं १४५ ॥ अवियाइं मे गोयमा ! मुट्ठिवाएणं केसग्गे वीइत्था, तए णं से सक्के देविंदे देवराया वज्जं पडिसाहरित्ता ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी–एवं खलु भंते ! अहं तुब्भं नीसाए चमरेणं असुरिंदेणं असुररन्ना सयमेव अच्चासाइए, तए णं मए परिकुविएणं समाणेणं चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो वहाए वज्जे निसट्ठे १। तए णं मे इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–नो खलु पभू चमरे असुरिंदे असुरराया तहेव जाव ओहिं पउंजामि देवाणुप्पिए ओहिणा आभोएमि हा हा अहो हतोमीतिकट्टु ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव देवाणुप्पिए तेणेव उवागच्छामि देवाणुप्पियाणं चउरंगुल-मसंपत्तं वज्जं पडिसाहरामि वज्जपडिसाहरणट्ठयाए णं इहमागए इह समोसढे इह संपत्ते इहेव अज्ज उवसंपज्जित्ता णं विहरामि २। तं खामेमि णं देवाणुप्पिया ! खमंतु णं देवाणुप्पिया ! खमंतु मरहंतु णं देवाणुप्पिया ! णाइभुज्जो एवं पकरणयाए-त्तिकट्टु ममं वंदइ नमंसइ २ उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ वामेणं पादेणं तिक्खुत्तो भूमिं दलेइ २ चमरं असुरिंदं असुररायं एवं वदासी–मुक्कोऽसि णं भो चमरा ! असुरिंदा ! असुरराया ! समणस्स भगवओ महावीरस्स पभावेणं न हि ते दाणिं ममाओ भयमत्थीत्तिकट्टु जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ३ ॥ सूत्रं १४६ ॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति २ एवं वदासि–देवे णं भंते ! महिड्ढीए महज्जुतीए जाव महाणुभागे पुव्वामेव पोग्गलं खिवित्ता पभू तमेव अणु-

परियट्टित्ता णं गिरिहत्तए ?, हंता पभू १ । से केणट्ठेणं भंते ! जाव गिरिहत्तए ?, गोयमा ! पोग्गले निक्खित्ते समाणे पुव्वामेव सिग्घगती भवित्ता ततो पच्छा मंदगती भवति, देवे णं महिड्ढीए पुव्विंपिय पच्छावि सीहे सीहगती चेव तुरियतुरियगती चेव, से तेणट्ठेणं जाव पभू गेरिहत्तए २ । जति णं भंते ! देविंदे महिड्ढीए जाव अणुपरियट्टित्ता णं गेरिहत्तए कम्हा णं भंते ! सक्के णं देविंदेणं देवरन्ना-(राया) चमरे असुरिंदे असुरराया नो संचाइए णं साहत्थिं गेरिहत्तए ?, गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं अहे गतिविसए सीहे २ चेव तुरिए २ चेव उड्ढं गतिविसए अप्पे २ चेव मंदे मंदे चेव वेमाणियाणं देवाणं उड्ढं गतिविसए सीहे २ चेव तुरिए २ चेव अहे गतिविसए अप्पे २ चेव मंदे २ चेव, जावतियं खेत्तं सक्के देविंदे देवराया उड्ढं उप्पयति एक्केणं समएणं तं वज्जे दोहिं, जं वज्जे दोहिं तं चमरे तिहिं, सव्वत्थोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो उड्ढलोयकंडए अहेलोयकंडए संखेज्जगुणे, जावतियं खेत्तं चमरे असुरिंदे असुरराया अहे ओवयति एक्केणं समएणं तं सक्के दोहिं जं सक्के दोहिं तं वज्जे तिहिं, सव्वत्थोवे चमरस्स असुरिंदस्स असुररन्नो अहेलोयकंडए उड्ढलोयकंडए संखेज्जगुणे ३ । एवं खलु गोयमा ! सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा चमरे असुरिंदे असुरराया नो संचाइए साहत्थिं गेरिहत्तए ४ । सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो उड्ढं अहे तिरियं च गतिविसयस्स कयरे२हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवं खेत्तं सक्के देविंदे देवराया अहे ओवयइ एक्केणं समएणं तिरियं संखेज्जे भागे गच्छइ उड्ढं संखेज्जे भागे गच्छइ ५ । चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो उड्ढं अहे तिरियं च गतिविसयस्स कयरे२हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवं खेत्तं चमरे असुरिंदे असुरराया उड्ढं उप्पयति एक्केणं

समएणं तिरियं संखेज्जे भागे गच्छइ अहे संखेज्जे भागे गच्छइ, वज्जं जहा सक्कस्स देविंदस्स तहेव नवरं विसेसाहियं कायव्वं ६ । सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो ओवयणकालस्स य उप्पयणकालस्स य कयरे२हिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवे सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो उड्ढं उप्पयणकाले ओवयणकाले संखेज्जगुणे ७। चमरस्सवि जहा सक्कस्स णवरं सव्वत्थोवे ओवयणकाले उप्पयणकाले संखेज्जगुणे ८ । वज्जस्स पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवे उप्पयणकाले ओवयणकाले विसेसाहिए ९ । एयस्स णं भंते ! वज्जस्स वज्जाहिवइस्स चमरस्स य असुरिंदस्स असुररन्नो ओवयणकालस्स य उप्पयणकालस्स य कयरे२हिंतो अप्पे वा ४ ?, गोयमा ! सक्कस्स य उप्पयणकाले चमरस्स य ओवयणकाले एए णं दोन्निवि तुल्ला सव्वत्थोवा, सक्कस्स य ओवयणकाले वज्जस्स य उप्पयणकाले एस णं दोण्हवि तुल्ले संखेज्जगुणे, चमरस्स य उप्पयणकाले वज्जस्स य ओवयणकाले एसणं दोण्हवि तुल्ले विसेसाहिए १० ॥ सू० १४७ ॥

तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया वज्जभयविप्पमुक्के सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना महया अवमाणेणं अवमाणिए समाणे चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि ओहयमणसंकप्पे चिंतासोयसागरसंपविट्ठे करयलपल्हत्थमुहे अट्टज्झाणोवगए भूमिगयदिट्ठीए झियाति १ । तते णं तं चमरं असुरिंदं असुररायं सामाणियपरिसोववन्नया देवा ओहयमणसंकप्पं जाव झियायमाणं पासंति २ करयल जाव एवं वयासि—किण्णं देवाणुप्पिया ओहयमणसंकप्पा जाव झियायह ?, तए णं से चमरे असुरिंदे असुरराया ते सामाणियपरिसोववन्नए देवे एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! मए समणं भगवं महावीरं नीसाए सक्के देविंदे देवराया सयमेव अच्चासादिए २ । तए णं तेणं परिकुविएणं समाणेणं ममं वहाए वज्जे

निसिट्ठे तं महप्फलं भवतु देवाणुप्पिया ! समणस्स भगवओ महावीरस्स जस्स मज्झिमनु(म्हि पभा)पभावेण अकिट्ठे अव्वहिए अपरिताविए इहमागए इह समोसढे इह संपत्ते इहेव अज्जं उवसंपज्जित्ता णं विहरामि ३ । तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो जाव पज्जुवासामोत्तिकट्टु चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं जाव सव्विड्ढीए जाव जेणेव असोगवरपायवे जेणेव मम अंतिए तेणेव उवागच्छइ २ ममं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वदासि–एवं खलु भंते ! मए तुब्भं नीसाए सक्के देविंदे देवराया सयमेव अच्चासादिए जाव तं भद्दं णं भवतु देवाणुप्पियाणं मज्झि जस्स अणुपभावेणं अकिट्ठे जाव विहरामि तं खामेमि णं देवाणुप्पिया ! जाव उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता जाव बत्तीसइबद्धं नट्टविहिं उवदंसेइ २ जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए ४ । एवं खलु गोयमा ! चमरेणं असुरिंदेणं असुररन्ना सा दिव्वा देविड्ढी लद्धा पत्ता जाव अभिसमन्नागया, ठिती सागरोवमं, महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अंतं काहिति ५ ॥ सूत्रं १४८ ॥ किं पत्तिए णं भंते ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो ?, गोयमा ! तेसिणं देवाणं अहुणोववन्नगाणं वा चरिमभवत्थाणं वा इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जइ–अहो णं अम्हेहिं दिव्वा देविड्ढी लद्धा पत्ता जाव अभिसमन्नागया, जारिसिया णं अम्हेहिं दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया तारिसिया णं सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना दिव्वा देविड्ढी जाव अभिसमन्नागया, जारिसिया णं सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना जाव अभिसमन्नागया तारिसियाणं अम्हेहिवि जाव अभिसमन्नागया तं गच्छामो णं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो अंतियं पाउब्भवामो पासामो ताव सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमन्नागयं पासतु ताव अम्हवि सक्के देविंदे देवराया दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं १ । तं जाणामो

ताव सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमन्नागयं जाणउ ताव अम्हवि सक्के देविंदे देवराया दिव्वं देविड्ढिं जाव अभिसमण्णागयं २ । एवं खलु गोयमा ! असुरकुमारा देवा उड्ढं उप्पयंति जाव सोहम्मो कप्पो । सेवं भंते ! सेव भंते ! त्ति जाव विहरति ३ ॥ सूत्रं १४९ ॥ चमरो समत्तो ॥

॥ इति तृतीयशतके द्वितीय उद्देशकः ॥ ३-२ ॥

॥ अथ तृतीयशतके क्रियाभिध-तृतीयोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे होत्था जाव परिसा पडिगया १ । तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव अंतेवासी मंडियपुत्ते णामं अणगारे पगतिभद्दए जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी-कति णं भंते ! किरियाओ पण्णत्ताओ ?, मंडियपुत्ता ! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-काइया अहिगरणिया पाउसिया पारियावणिया पाणाइवायकिरिया २ । काइया णं भंते ! किरिया कतिविहा पण्णत्ता ?, मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-अणुवरयकायकिरिया य दुप्पउत्तकायकिरिया य ३ । अहिगरणिया णं भंते ! किरिया कतिविहा पण्णत्ता ?, मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-संजोयणाहिगरणकिरिया य निव्वत्तणाहिगरणकिरिया य ४ । पाओसिया णं भंते ! किरिया कतिविहा पण्णत्ता ?, मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-जीवपाओसिया य अजीवपाओसिया य ५ । पारियावणिया णं भंते ! किरिया कइविहा पण्णत्ता ?, मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-सहत्थपारियावणिया य परहत्थपारियावणिया य ६ । पाणाइवायकिरिया णं भंते ! (पुच्छा, पाणाइवाय)किरिया कइविहा पण्णत्ता ?, मंडियपुत्ता ! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-सहत्थपाणाइवायकिरिया य परहत्थपाणाइवायकिरिया य ७ ॥ सूत्रं १५० ॥ पुव्विं भंते ! किरिया पच्छा वेदणा, पुव्विं वेदणा पच्छा किरिया ?, मंडि-

यपुत्ता ! पुव्विं किरिया पच्छा वेदणा, णो पुव्विं वेदणा पच्छा किरिया ॥ सूत्रं १४१ ॥ अत्थि णं भंते ! समणाणं निग्गंथाणं किरिया कज्जइ ?, हंता ! अत्थि १ । कहं णं भंते ! समणाणं निग्गंथाणं किरिया कज्जइ ?, मंडियपुत्ता ! पमायपच्चया जोगनिमित्तं च, एवं खलु समणाणं निग्गंथाणं किरिया कज्जति २ ॥ सूत्रं १४२ ॥ जीवे णं भंते ! सया समियं एयति वेयति चलति फंदइ घट्टइ खुब्भइ उदीरइ तं तं भावं परिणमति ?, हन्ता ! मंडियपुत्ता ! जीवे णं सया समियं एयति जाव तं तं भावं परिणमइ १ । जावं च णं भंते ! से जीवे सया समितं जाव परिणमइ तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया भवति ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ– जावं च णं से जीवे सया समितं जाव अंते अंतकिरिया न भवति ?, मंडियपुत्ता ! जावं च णं से जीवे सया समितं जाव परिणमति तावं च णं से जीवे आरंभइ सारंभइ समारंभइ आरंभे वट्टइ सारंभे वट्टइ समारंभे वट्टइ आरंभमाणे सारंभमाणे समारंभमाणे आरंभे वट्टमाणे सारंभे वट्टमाणे समारंभे वट्टमाणे बहूणं पाणाणं भूयाणं जीवाणं सत्ताणं दुक्खावणयाए सोयावणयाए जूरावणयाए तिप्पावणयाए पिट्टावणयाए परियावणयाए (किलामणयाए उद्दावणयाए) वट्टइ, से तेणट्ठेणं मंडियपुत्ता ! एवं वुच्चइ– जावं च णं से जीवे सया समियं एयति जाव परिणमति तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया न भवइ २ । जीवे णं भंते ! सया समियं णो एयइ जाव नो तं तं भावं परिणमइ ?, हंता, मंडियपुत्ता ! जीवे णं सया समियं जाव नो परिणमति ३ । जावं च णं भंते ! से जीवे नो एयति जाव नो तं तं भावं परिणमति तावं च णं तस्स जीवस्स अंते अंतकिरिया भवइ ? हंता ! जाव भवति ४ । से केणट्ठेणं भंते ! जाव भवति ?, मंडियपुत्ता ! जावं च णं से जीवे सया समियं णो एयति जाव णो परिणमइ तावं च णं से जीवे नो आरंभइ नो सारंभइ नो समारंभइ नो आरंभे

वट्टइ णो सारंभे वट्टइ णो समारंभे वट्टइ अणारंभमाणे असारंभमाणे असमारंभमाणे आरंभे अवट्टमाणे सारंभे अवट्टमाणे समारंभे अवट्टमाणे बहूणं पाणाणं ४ अदुक्खावणयाए जाव अपरियावणयाए वट्टइ ५ । से जहानामए केइ पुरिसे सुक्कं तणहत्थयं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा, से नूणं मंडियपुत्ता ! से सुक्के तणहत्थए जायतेयंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव ममममाविज्जइ ? हंता ! ममममाविज्जइ, से जहानामए-केइ पुरिसे तत्तंसि अयकवल्लंसि उदयबिंदू पक्खिवेज्जा, से नूण मंडियपुत्ता ! से उदयबिंदू तत्तंसि अयकवल्लंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव विद्धंसमागच्छइ ?, हंता ! विद्धंसमागच्छइ, से जहानामए हरए सिया पुण्णे पुण्णप्पमाणे वोलट्टमाणे वोसट्टमाणे समभरघडत्ताए चिट्ठति ?, हंता चिट्ठति, अहे णं केइ पुरिसे तंसि हरयंसि एगं महं णावं सतासवं सयच्छिद्दं ओगाहेज्जा से नूणं मंडियपुत्ता ! सा नावा तेहिं आसवदारेहिं आपूरेमाणी २ पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठति ? हंता ! चिट्ठति, अहे णं केइ पुरिसे तीसे नावाए सव्वतो समंता आसवदाराइं पिहेइ २ नावाउस्सिंचणएणं उदयं उस्सिंचिज्जा से नूणं मंडियपुत्ता ! सा नावा तंसि उदयंसि उस्सिंचिज्जंसि (उस्सितंसि) समाणंसि खिप्पामेव उड्ढं उदाइ ?, हंता ! उदाइज्जा, एवामेव मंडियपुत्ता ! अत्तत्तासंवुडस्स अणगारस्स ईरियासमियस्स जाव गुत्तबंभयारियस्स आउत्तं गच्छमाणस्स चिट्ठमाणस्स निसीयमाणस्स तुयट्टमाणस्स आउत्तं वत्थपडिग्गहकंबलपायपुंछणं गेण्हमाणस्स णिक्खिवमाणस्स जाव चक्खुपम्ह-निवायमवि वेमाया सुहुमा ईरियावहिया किरिया कज्जइ, सा पढमसमयबद्धपुट्ठा बितियसमयवेतिया ततिय-समयनिज्जरिया सा बद्धा पुट्ठा उदीरिया वेदिया निज्जि-

णणा सेयकाले अकम्मं वावि भवति, से तेणट्ठेणं मंडियपुत्ता ! एवं वुच्चति–जावं च णं से जीवे सया समियं नो एयति जाव अंते अंतकिरिया भवति ६ ॥ सूत्रं १५३ ॥ पमत्तसंजयस्स णं भंते ! पमत्तसंजमे वट्टमाणस्स सव्वावि य णं पमत्तद्धा कालओ केवच्चिरं होइ ?, मंडियपुत्ता ! एगजीवं पडुच्च जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी, णाणाजीवे पडुच्च सव्वद्धा १ । अप्पमत्तसंजयस्स णं भंते ! अप्पमत्तसंजमे वट्टमाणस्स सव्वावि य णं अप्पमत्तद्धा कालओ केवच्चिरं होइ ?, मंडियपुत्ता ! एगजीवं पडुच्च जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी देसूणा, णाणाजीवे पडुच्च सव्वद्धं, सेवं भंते ! २ त्ति भयवं मंडियपुत्ते अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ २ ॥सू० १५४॥ भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ त्ता एवं वयासी–कम्हा णं भंते ! लवणसमुद्दे चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठ-पुन्नमासिणीसु अतिरेयं वड्ढति वा हायति वा ?, जहा जीवाभिगमे लवणसमुद्दवत्तव्वया नेयव्वा जाव लोयट्ठिती, जणणं लवणसमुद्दे जंबूदीवं २ णो उप्पीलेति णो चेव णं एगोदगं करेइ लोयट्ठिई लोयाणुभावे १ । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरति २ ॥ किरिया समत्ता ॥ सूत्रं १५५ ॥ ततियस्स सयस्स तइओ ॥

॥ इति तृतीयशतके तृतीय उद्देशक ॥ ३–३ ॥

॥ अथ तृतीयशतके ज्ञानाभिध-चतुर्थोद्देशकः ॥

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देवं विउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ ? गोयमा ! अत्थेगइए देवं पासइ णो जाणं पासइ १ अत्थेगइए जाणं पासइ नो देवं पासइ २ अत्थेगइए देवंपि पासइ जाणंपि पासइ ३ अत्थेगइए नो देवं पासइ नो जाणं

पासइ ४, १ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देविं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणिं जाणइ पासइ ?, गोयमा ! एवं चेव २ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा देवं सदेवीयं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयं जाणरूवेणं जायमाणं जाणइ पासइ ?, गोयमा ! अत्थेगइए देवं सदेवीयं पासइ नो जाणं पासइ, एएणं अभिलावेणं चत्तारि भंगा ४, ३ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा रुक्खस्स किं अंतो पासइ बाहिं पासइ ? चउभंगो ४ । एवं किं मूलं पासइ कंदं पासइ ?, चउभंगो, मूलं पासइ खंधं पासइ चउभंगो ५ । एवं मूलेणं बीजं संजोएयव्वं, एवं कंदेणवि समं संजोएयव्वं जाव बीयं, एवं जाव पुप्फेण समं बीयं संजोएयव्वं ६ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा रुक्खस्स किं फलं पासइ बीयं पासइ ?, चउभंगो ७ । ॥ सू० १५६ ॥ पभू णं भंते ! वाउकाए एगं महं इत्थिरूवं वा पुरिसरूवं वा हत्थिरूवं वा जाणरूवं वा एवं जुग्ग-गिल्लि-थिल्लि-सीय-संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, वाउक्काएणं विकुव्वमाणे एगं महं पडागासंठियं रूवं विकुव्वइ १ । पभू णं भंते ! वाउकाए एगं महं पडागासंठियं रूवं विउव्वित्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए ?, हंता ! पभू २ । से भंते ! किं आयड्ढीए गच्छइ परिड्ढीए गच्छइ ?, गोयमा ! आयड्ढीए गच्छइ णो परिड्ढीए गच्छइ जहा आयड्ढीए एवं चेव आयकम्मुणावि आयप्पओगेणवि भाणियव्वं ३ । से भंते ! किं ऊसिओदगं गच्छइ पतोदगं गच्छइ ?, गोयमा ! ऊसिओदयंपि गच्छइ पयोदयंपि गच्छइ ४ । से भंते ! किं एगओपडागं गच्छइ दुहओपडागं गच्छइ ?, गोयमा ! एगओ पडागं गच्छइ नो दुहओ पडागं गच्छइ ५ । से णं भंते ! किं वाउकाए पडागा ?, गोयमा ! वाउकाए णं से नो खलु सा पडागा ६ ॥ सूत्रं १५७ ॥ पभू णं भंते ! बलाहगे एगं महं इत्थिरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा परिणामेत्तए ?, हंता, पभू १ । पभू णं भंते ! बलाहए एगं महं इत्थिरूवं परिणामेत्ता

अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए ?, हंता पभू २ । से भंते ! किं आयड्ढीए गच्छइ परिड्ढीए गच्छइ ?, गोयमा ! णो आयड्ढीए गच्छति, परिड्ढीए गच्छइ, एवं णो आयकम्मुणा परकम्मुणा णो आयपओगेणं परप्पओगेणं ऊसितोदयं वा गच्छइ पयोदयं वा गच्छइ ३ । से भंते ! किं बलाहए इत्थी ?, गोयमा ! बलाहए णं से, णो खलु सा इत्थी, एवं पुरिसे आसे हत्थी ४ । पभू णं भंते ! बलाहए एगं महं जाणरूवं परिणामेत्ता अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए जहा इत्थिरूवं तहा भाणियव्वं, णवरं एगओचक्कवालंपि दुहओचक्कवालंपि गच्छइत्ति भाणियव्वं, जुग्ग-गिल्लि-थिल्लि-सीया-संदमाणियाणं तहेव ५ ॥ सूत्रं १५८ ॥ जीवे णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किंलेसेसु उववज्जति ?, गोयमा ! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तंजहा–कण्हलेसेसु वा नीललेसेसु वा काउलेसेसु वा १ । एवं जस्स जा लेस्सा सा तस्स भाणियव्वा जाव जीवे णं भंते ! जे भविए जोतिसिएसु उववज्जित्तए ? पुच्छा, गोयमा ! जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइति २ त्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तंजहा–तेउलेस्सेसु २ । जीवे णं भंते ! जे भविए वेमाणिएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किंलेस्सेसु उववज्जइ ?, गोयमा ! जल्लेस्साइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तंजहा–तेउलेस्सेसु वा पम्हलेसेसु वा सुक्कलेसेसु वा ३ ॥ सूत्रं १५९ ॥ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू वेभारं पव्वयं उल्लंघेत्तए वा पलंघेत्तए वा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे १ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू वेभारं पव्वयं उल्लंघेत्तए वा पलंघेत्तए वा ?, हंता, पभू २ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता जावइयाइं रायगिहे नगरे रूवाइं एवइयाइं विकुव्वित्ता वेभारं पव्वयं अंतो अणुप्पविसित्ता पभू समं वा

विसमं करेत्तए विसमं वा समं करेत्तए ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, एवं चेव बितिओऽवि आलावगो णवरं परियातित्ता पभू ३ । से भंते ! किं माई विकुव्वति अमाई विकुव्वइ ? गोयमा ! माई विकुव्वइ नो अमाई विकुव्वति ४ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव नो अमाई विकुव्वइ ?, गोयमा ! माईपणियं पाणभोयणं भोच्चा २ वामेति तस्स णं तेणं पणीएणं पाणभोयणेणं अट्ठि अट्ठिमिंजा बहलीभवंति पयणुए मंससोणिए भवति, जेवि य से अहाबायरा पोग्गला तेवि य से परिणमंति, तंजहा—सोतिंदियत्ताए, जाव फासिंदियत्ताए अट्ठि-अट्ठिमिंजकेस-मंसुरोम-नहत्ताए सुक्कत्ताए सोणियत्ताए, अमाईणं लूहं पाणभोयणं भोच्चा २ णो वामेइ, तस्स णं तेणं लूहेणं पाणभोयणेणं अट्ठि-अट्ठिमिंजा-केसमंसुरोम-नहत्ताए पयणु भवति बहले मंससोणिए, जेवि य से अहाबादरा पोग्गला तेवि य से परिणमंति, तंजहा—उच्चारत्ताए पासवणत्ताए जाव सोणियत्ताए, से तेणट्ठेणं जाव नो अमाई विकुव्वइ ५ । माईणं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा ६ । अमाई णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा ७ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ८ । ॥ सूत्रं १६० ॥ तईयसए चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति तृतीयशतके चतुर्थ उद्देशकः ॥ ३-४ ॥

॥ अथ तृतीयशतके स्त्रीविकुर्वणाख्य-पञ्चमोद्देशकः ॥

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं इत्थिरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ? णो तिणट्ठे समट्ठे १ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू एगं महं इत्थिरूवं वा जाव संदमाणियरूवं वा विउव्वित्तए ?, हंता पभू २ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवतियाइं पभू इत्थिरूवाइं विकुव्वित्तए ?,

गोयमा ! से जहानामए जुवइं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नाभी अरगा उत्तासिया एवामेव अणगारेवि भावियप्पा वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ जाव पभू णं गोयमा ! अणगारेणं भावियप्पा केवलकप्पं जंबूदीवं २ बहूहिं इत्थीरूवेहिं आइन्नं वितिकिन्नं जाव एस णं गोयमा ! अणगारस्स भाविअप्पणो अयमेयारूवे विसए विसयमेत्ते वुच्चइ नो चेव णं संपत्तीए विकुव्विसु वा ३, एवं परिवाडीए नेयव्वं जाव संदमाणिया ३। से जहानामए केइ पुरिसे असिचम्मपायं गहाय गच्छेज्जा एवामेव भावियप्पा अणगारेवि भावियप्पा असि-चम्मपाय-हत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पइज्जा ?, हंता उप्पइज्जा, अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवतियाइं पभू असि-चम्मपाय-हत्थकिच्चगयाइं रूवाइं विउव्वित्तए ?, गोयमा ! से जहानामए—जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा तं चेव जाव विउव्विसु वा ३, ४। से जहानामए केइ पुरिसे एगओपडागं काउं गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा एगओ-पडाग-हत्थकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता गोयमा ! उप्पएज्जा, अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवतियाइं पभू एगओ-पडागा-हत्थकिच्चगयाइं रूवाइं विकुव्वित्तए ? एवं चेव जाव विकुव्विसु वा ३, ५। एवं दुहओपडागंपि ६। से जहानामए—केइ पुरिसे एगओजंनोवइतं काउं गच्छेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा एगओजणोवइयकिच्चगएणं अप्पाणेणं उड्ढं वेहासं उप्पएज्जा ? हंता ! उप्पएज्जा, अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवतियाइं पभू एगओ-जणोवइय-किच्चगयाइं रूवाइं विकुव्वित्तए तं चेव जाव विकुव्विसु वा ३, ७। एवं दुहओजणोवइयंपि ८। से जहानामए—केइ पुरिसे एगओ पल्हत्थियं काउं चिट्ठेज्जा, एवामेव अणगारेवि भावियप्पा एवं चेव जाव विकुव्विसु वा ३, एवं दुहओ पलियंकं (पल्हत्थियं)पि ९। अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं आसरूवं वा हत्थिरूवं वा सीहरूवं वा

वग्घ-वग-दीविय-अच्छतरच्छ-परासररूवं वा अभिजुंजित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, अणगारे णं एवं बाहिरए पोग्गले परियादित्ता पभू १० । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा एगं महं आसरूवं वा अभिजुंजित्ता पभू अणेगाइं जोयणाइं गमित्तए ? हंता ! पभू ११ । से भंते ! किं आयड्ढीए गच्छति परिड्ढीए गच्छति ?, गोयमा ! आइड्ढीए गच्छइ नो परिड्ढीए, एवं आयकम्मुणा नो परकम्मुणा आयप्पओगेणं नो परप्पओगेणं उस्सिओदयं वा गच्छइ पयोदगं वा गच्छइ १२ । से णं भंते ! किं अणगारे आसे ?, गोयमा ! अणगारे णं से नो खलु से आसे, एवं जाव परासररूवं वा १३ । से भंते ! किं मायी विकुव्वति अमायी विकुव्वति ?, गोयमा ! मायी विकुव्वति नो अमायी विकुव्वति, माई णं भंते ! तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ कहिं उववज्जति ?, गोयमा ! अन्नयरेसु आभिओगेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववज्जइ, अमाई णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ कहिं उववज्जति ?, गोयमा ! अन्नयरेसु अणाभिओगेसु देवलोगेसु देवत्ताए उववज्जइ १४ । सेवं भंते २ त्ति, गाहा–इत्थीअसीपडागा जाणोवइए य होइ बोद्धव्वे । पल्हत्थियपलियंके अभिओगविकुव्वणा माई ॥ १ ॥ १५ ॥ सूत्रं १६१ ॥ तईए सए पंचमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति तृतीयशतके पञ्चम उद्देशकः ॥ ३–५ ॥

॥ अथ तृतीयशतके नगराभिधो-षष्ठोद्देशकः ॥

अणगारे णं भंते ! भावियप्पा माई मिच्छद्दिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए विभंगनाणलद्धीए वाणारसिं नगरिं समोहए समोहणित्ता रायगिहे नगरे रूवाइं जाणति पासति ?, हंता जाणइ पासइ १ । से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जाणइ पासइ ?, गोयमा ! णो तहाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जाणइ पासइ २ । से केणट्ठेणं भंते !

एवं वुच्चइ नो तहाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जाणइ पासइ ?, गोयमा ! तस्स णं एवं भवति–एवं खलु अहं रायगिहे नगरे समोहए समोहणित्ता वाणारसीए नगरीए रूवाइं जाणामि पासामि, से से दंसणे विवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं जाव पासति ३ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी जाव रायगिहे नगरे समोहए समोहणित्ता वाणारसीए नगरीए रूवाइं जाणइ पासइ ?, हंता जाणइ पासइ, तं चेव जाव तस्स णं एवं होइ–एवं खलु अहं वाणारसीए नगरीए समोहए २ रायगिहे नगरे रूवाइं जाणामि पासामि, से से दंसणे विवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं जाव अन्नहाभावं जाणइ पासइ ४ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा माई मिच्छदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए विभंगणाणलद्धीए वाणारसिं नगरिं रायगिहं च नगरं अंतरा एगं महं जणवयवग्गं समोहए २ वाणारसिं नगरिं रायगिहं च नगरं अंतरा एगं महं जणवयवग्गं जाणति पासति ? हंता जाणति पासति ५ । से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जाणइ पासइ ?, गोयमा ! णो तहाभावं जाणति पासइ अन्नहाभावं जाणइ पासइ ६ । से केणट्ठेणं जाव पासइ ?, गोयमा ! तस्स खलु एवं भवति एस खलु वाणारसी नगरी एस खलु रायगिहे नगरे एस खलु अंतरा एगे महं जणवयवग्गे, नो खलु एस महं वीरियलद्धी वेउव्वियलद्धी विभंगनाणलद्धी इड्ढी जुत्ती जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमण्णागए, से से दंसणे विवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं जाव पासति ७ ॥ सू० १६२ ॥ अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अमाई सम्मदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए ओहिनाणलद्धीए रायगिहे नगरे समोहए २ वाणारसीए नगरीए रूवाइं जाणइ पासइ ?, हंता, से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जाणति पासति ?, गोयमा ! तहाभावं जाणति पासति नो अन्नहाभावं जाणति पासति १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?,

गोयमा ! तस्स णं एवं भवति–एवं खलु अहं रायगिहे नगरे समोहणामि समोहणित्ता वाणारसीए नगरीए रूवाइं जाणामि पासामि, से से दंसणे अविवच्चासे भवति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति २ । बीओ आलावगो एवं चेव नवरं वाणारसीए नगरीए समोहणा नेयव्वा रायगिहे नगरे रूवाइं जाणइ पासइ ३ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा अमाई सम्मदिट्ठी वीरियलद्धीए वेउव्वियलद्धीए ओहिनाणलद्धीए रायगिहं नगरं वाणारसिं नगरिं च अंतराएगं महं जणवयवग्गं समोहए २ रायगिहं नगरं वाणारसिं च नगरिं तं च अंतरा एगं महं जणवयवग्गं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ ४ । से भंते ! किं तहाभावं जाणइ पासइ अन्नहाभावं जाणइ पासइ ?, गोयमा ! तहाभावं जाणइ पासइ, णो अन्नहाभावं जाणइ पासइ ५ । से केणट्ठेणं ? गोयमा ! तस्स णं एवं भवति–नो खलु एस रायगिहे णगरे णो खलु एस वाणारसी नगरी नो खलु एस अंतरा एगे जणवयवग्गे, एस खलु ममं वीरियलद्धी वेउव्वियलद्धी ओहिणाणलद्धी इड्ढी जुत्ती जसे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए से से दंसणे अविवच्चासे भवति से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति तहाभावं जाणति पासति नो अन्नहाभावं जाणति पासति ६ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगं महं गामरूवं वा नगररूवं वा जाव सन्निवेसरूवं वा विकुव्वित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, एवं बितिओवि आलावगो, णवरं बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू ७ । अणगारे णं भंते ! भावियप्पा केवतियाइं पभू गामरूवाइं विकुव्वित्तए ?, गोयमा ! से जहानामए जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा तं चेव जाव विकुव्विंसु वा ३, एवं जाव सन्निवेसरूवं वा ८ ॥ सूत्रं १६३ ॥ चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुररन्नो कति आयरक्खदेवसाहस्सी पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि चउसट्ठीओ आयरक्खदेवसाहस्सीओ

पण्णत्ताओ, ते णं आयरक्खा वण्णओ जहा रायप्पसेणइज्जे १ । एवं सव्वेसिं इंदाणं जस्स जत्तिया आयरक्खा ते भाणियव्वा २ । सेवं भंते २ त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं १६४ ॥ तइयसए छट्ठो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति तृतीयशतके षष्ठ उद्देशकः ॥ ३-६ ॥

॥ अथ तृतीयशतके लोकपालाख्य-सप्तमोद्देशकः ॥

रायगिहे नगरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो कति लोगपाला पण्णत्ता ?, गोयमा ! चत्तारि लोगपाला पण्णत्ता, तंजहा–सोमे जमे वरुणे वेसमणे १ । एएसि णं भंते ! चउण्हं लोगपालाणं कति विमाणा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि विमाणा पण्णत्ता, तंजहा–संझप्पभे वरसिट्ठे सयंजले वग्गू २ । कहिं णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमस्स महारन्नो संझप्पभे णामं महाविमाणे पण्णत्ते ?, गोयमा ! जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिम-सूरिय-गह-गण-णक्खत्त-तारारूवाणं बहूइं जोयणाइं जाव पंच वडिंसया पण्णत्ता, तंजहा–असोयवडेंसए सत्तवन्नवडिंसए चंपयवडिंसए चूयवडिंसए मज्झे सोहम्मवडिंसए ३ । तस्स णं सोहम्म-वडेंसयस्स महाविमाणस्स पुरच्छिमेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जोयणाइं वीतिवइत्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो संझप्पभे नामं महाविमाणे पण्णत्ते, अद्धतेरस जोयणसय-सहस्साइं आयामविक्खंभेणं उयालीसं जोयणसयसहस्साइं बावन्नं च सहस्साइं अट्ठ य अडयाले जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं पण्णत्ते, जा सूरियाभविमाणस्स वत्तव्वया सा अपरिसेसा भाणियव्वा जाव अभिसेओ नवरं सोमे देवे ४ । संझप्पभस्स णं महाविमाणस्स अहे सपक्खिं सपडिदिसिं असंखेज्जाइं जोयणसयसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स

देवरन्नो सोमस्स महारन्नो सोमा नामं रायहाणी पण्णत्ता एगं जोयणसय-सहस्सं आयामविक्खंभेणं जंबूदीवपमाणेणं(पमाणा) वेमाणियाणं पमाणस्स अद्धं नेयव्वं जाव उवरियलेणं सोलस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं पन्नासं जोयणसहस्साइं पंच य सत्ताणउए जोयणसते किंचिविसेसूणे परि-क्खेवेणं पण्णत्ते, पासायाणं चत्तारि परिवाडीओ नेयव्वाओ, सेसा नत्थि ५। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो इमे देवा आणाउववा-यवयणनिद्देसे चिट्ठंति, तंजहा–सोमकाइयाति वा सोमदेवकाइयाति वा विज्जुकुमारा विज्जुकुमारीओ अग्गिकुमारा अग्गिकुमारीओ वाउकुमारा वाउकुमारीओ चंदा सूरा गहा णक्खत्ता तारारूवा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया तप्पक्खिया तब्भारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो आणाउववाय-वयणनिद्देसे चिट्ठंति ६। जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तंजहा–गहदंडाति वा गहमु-सलाति वा गहगज्जियाति वा, एवं गहयुद्धाति वा गहसिंघाडगाति वा गहावसव्वाइ वा अब्भाति वा अब्भरुक्खाति वा संज्झाइ वा गंधव्वनगराति वा उक्कापायाति वा दिसीदाहाति वा गज्जियाति वा विज्जुयाति वा पंसुवु-ट्ठीति वा जूवेत्ति वा जक्खालित्तत्ति वा धूमियाइ वा महियाइ वा रयुग्घायाइ वा चंदोवरागाति वा सूरोवरागाति वा चंदपरिवेसाति वा सूरपरिवेसाति वा पडिचंदाइ वा पडिसूराति वा इंदधणूति वा उदग-मच्छ-कपिहसिय-अमोहा-पाईणवायाति वा पडीणवाताति वा जाव संवट्टयवाताति वा गामदाहाइ वा जाव सन्निवेसदाहाति वा पाणक्खया जणक्खया धणक्खया कुल-क्खया वसणब्भूया अणारिया जे यावन्ने तहप्पगारा णो ते सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो अणाया अदिट्ठा असुया अमुया अविण्णाया तेसिं वा सोमकाइयाणं देवाणं ७। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो इमे अहावच्चा अभिन्नाया होत्था, तंजहा–इंगालए वियालए

लोहियक्खे सणिचरे चंदे सूरे सुक्के बुहे बहस्सती राहू ८। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो सत्तिभागं पलिओवमं ठिती पण्णत्ता, अहावच्चाभिन्नायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, एवंमहिड्ढीए जाव महाणुभागे सोमे महाराया ॥१॥ ९ ॥ सू० १६५ ॥ कहिणं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो वरसिट्ठे णामं महाविमाणे पण्णत्ते ?, गोयमा ! सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स दाहिणेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं वीइवतित्ता एत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो वरसिट्ठे णामं महाविमाणे पण्णत्ते अद्धतेरस जोयणसयसहस्साइं जहा सोमस्स विमाणे तहा जाव अभिसेओ रायहाणी तहेव जाव पासायपंतीओ १। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो इमे देवा आणाउववाय-वयणनिद्देसे चिट्ठंति, तंजहा– जमकाइयाति वा जमदेवकाइयाइ वा पेयकाइया इ वा पेयदेव-काइयाति वा असुरकुमारा असुरकुमारीओ कंदप्पा निरयवाला आभि-ओगा जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिगा तप्पक्खिया तब्भारिया सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो आणाए जाव चिट्ठंति २। जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तंजहा– डिंबाति वा डमराति वा कलहाति वा बोलाति वा खाराति वा महा-युद्धाति वा महासंगामाति वा महासत्थनिवडणाति वा एवं पुरिसनिवड-णाति वा महारुधिरनिवडणाइ वा दुब्भूयाति वा कुलरोगाति वा गाम-रोगाति वा मंडलरोगाति वा नगररोगाति वा सीसवेयणाइ वा अच्छि-वेयणाइ वा कन्ननह-दंतवेयणाइ वा इंदगाहाइ वा खंदगाहाइ वा कुमारगाहाइ वा जक्खगाहाइ वा भूयगाहाइ वा एगाहियाति वा बेआहियाति वा तेया-हियाति चाउत्थहियाति वा उव्वेयगाति कासासासाइ वा सासाति वा सोसेति वा जराइ वा दाहाइ वा कच्छकोहाति वा अजीरया पंडुरगा

हरिसाइ वा भगंदराइ वा हिययसूलाति वा मत्थयसूलाति वा जोणिसूलाति वा पाससूलाति वा कुच्छिसूलाति वा गाममारीति वा नगरमारीति वा खेडमारीति वा कव्वडमारीति वा दोणमुहमारीति वा मडंबमारीति वा पट्टणमारीति वा आसममारीति वा संवाहमारीति वा संनिवेसमारीति वा पाणक्खया धणक्खया जणक्खया कुलक्खया वसणब्भूया अणारिया जे यावन्ने तहप्पगारा न ते सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो अणणाया अदिट्ठा असुया अमुया अविण्णाया तेसिं वा जमकाइयाणं देवाणं ३। सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो जमस्स महारन्नो इमे देवा अहावच्चा अभिण्णाया होत्था, तंजहा–अंबे १ अंबरिसे चेव २, सामे ३ सबलेत्ति यावरे ४। रुद्दो ५–वरुद्दे ६ काले ७ य, महाकालेत्ति यावरे ८ ॥ १ ॥ असी ९ य असिपत्ते १० कुंभे ११ (असिपत्ते धणू कुंभे) वालू १२ वेयरणीत्ति य १३। खरस्सरे १४ महाघोसे १५, एए पन्नरसाहिया ॥ २ ॥ सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो जमस्स महारन्नो सत्तिभागं पलिओवमं ठिती पण्णत्ता, अहावच्चाभिण्णायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिती पन्नत्ता, एवंमहिड्ढिए जाव जमे महाराया ४ ॥ २ ॥ सूत्रं १६६ ॥ कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारन्नो सयंजले नामं महाविमाणे पन्नत्ते ?. गोयमा ! तस्स णं सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स पच्चत्थिमेणं सोहम्मे कप्पे असंखेज्जाइं जहा सोमस्स तहा विमाणरायहाणीओ भाणियव्वा जाव पासायवडिंसया नवरं नामणाणत्तं १। सक्कस्स णं वरुणस्स महारन्नो इमे देवा आणाउववाय-वयण-निद्देसे चिट्ठंति, तंजहा–वरुणकाइयाति वा वरुणदेवयकाइयाइ वा नागकुमारा नागकुमारीओ उदहिकुमारा उदहिकुमारीओ थणियकुमारा थणियकुमारीओ जे यावण्णे तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया जाव चिट्ठंति २। जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति,

तंजहा–अतिवासाति वा मंदवासाति वा सुवुट्ठीति वा दुव्वुट्ठीति वा उदब्भेयाति वा उदप्पीलाइ वा उदवाहाति वा पव्वाहाति वा गामवाहाति वा जाव सन्निवेसवाहाति वा पाणक्खया जाव तेसिं वा वरुणकाइयाणं देवाणं सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारन्नो जाव अहावच्चाभिन्नाया होत्था, तंजहा–कक्कोडए कद्दमए अंजणे संखवालए पुंडे पलासे मोएज्जए दहिमुहे अयंपुले कायरिए ३। सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो वरुणस्स महारण्णो देसूणाइं दो पलिओवमाइं ठिती पराणत्ता, अहावच्चाभिन्नायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिती पराणत्ता, एवंमहिड्ढीए जाव वरुणे महाराया ४, ३ ॥ सूत्रं १६७ ॥ कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो वग्गूणामं महाविमाणे पराणत्ते ?, गोयमा ! तस्स णं सोहम्मवडिंसयस्स महाविमाणस्स उत्तरेणं जहा सोमस्स विमाणरायहाणि-वत्तव्वया तहा नेयव्वा जाव पासायवडिंसया १। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो इमे देवा आणाउववाय-वयणनिद्देसे चिट्ठंति, तंजहा–वेसमणकाइयाति वा वेसमणदेवकाइयाति वा सुवन्नकुमारा सुवन्नकुमारीओ दीवकुमारा दीवकुमारीओ दिसाकुमारा दिसाकुमारीओ वाणमंतरा वाणमंतरीओ जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते तब्भत्तिया जाव चिट्ठंति २। जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं जाइं इमाइं समुप्पज्जंति, तंजहा–अयागराइ वा तउयागराइ वा तंबयागराइ वा एवं सीसागराइ वा हिरन्नगराइ वा सुवन्नगराइ वा रयणगराइ वा वयरागराइ वा वसुहाराति वा हिरन्नवासाति वा सुवन्नवासाति वा रयणवासाति वा वइरवासाति वा आभरणवासाति वा पत्तवासाति वा पुप्फवासाति वा फलवासाति वा बीयवासाति वा मल्लवासाति वा वण्णवासाति वा चुन्नवासाति वा गंधवासाति वा वत्थवासाइ वा हिरन्नवुट्ठीइ वा सुवण्णवुट्ठीइ वा रयणवुट्ठीइ वा वइरवुट्ठीइ वा आभरणवुट्ठीइ वा पत्तवुट्ठीइ वा पुप्फवुट्ठीइ वा फलवुट्ठीइ वा

वीयवुट्ठीइ वा मल्लवुट्ठीइ वा वरणवुट्ठीइ वा चुन्नवुट्ठीइ वा गंधवुट्ठीइ वा वत्थवुट्ठीत्ति वा भायणवुट्ठीति वा खीरवुट्ठीति वा सुयालाति वा सुकालाति वा दुक्कालाति वा अप्पघाति वा महग्घाति वा सुभिक्खाति वा दुभिक्खाति वा कयविक्कयाति वा सन्निहियाति वा संनिचयाति वा निहीति वा णिहाणाति वा चिरपोराणाइं पहीणसामियाति वा पहीणसेउयाति वा पहीणमग्गाणि वा पहीणगोत्तागाराइ वा उच्छिन्नसामियाति वा उच्छिन्नसेउयाति वा उच्छिन्न-गोत्तागाराति वा सिंघाडग-तिग-चउक्क-चच्चर-चउम्मुह-महापहपहेसु नगरनिद्धम-णेसु वा सुसाण-गिरिकंदर-संतिसेलोवट्ठाण-भवणगिहेसु संनिक्खित्ताइं चिट्ठंति, एताइं सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो (ण)अणणायाइं अदिट्ठाइं असुयाइं अविन्नायाइं तेसिं वा वेसमणकाइयाणं देवाणं ३ । सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो इमे देवा अहावच्चाभिन्नाया होत्था, तंजहा—पुन्नभद्दे माणिभद्दे सालिभद्दे सुमणभद्दे चक्के रक्खे पुन्नरक्खे सव्वाणे [पव्वाणे] सव्वजसे सव्वकामे समिद्धे अमोहे असंगे ४ । सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो वेसमणस्स महारन्नो दो पलिओवमाणि ठिती पण्णत्ता, अहावच्चाभिण्णायाणं देवाणं एगं पलिओवमं ठिती पण्णत्ता, एमहिड्ढीए जाव वेसमणे महाराया । सेवं भंते २ त्ति जाव विहरति ५, ४ ॥ सूत्रं १६८ ॥

॥ इति तृतीयशतके सप्तम उद्देशकः ॥ ३—७ ॥

॥ अथ तृतीयशतके अधिपतिनामकाष्टमोद्देशकः ॥

रायगिहे नगरे जाव पज्जुवासमाणे एवं वदासी—असुरकुमाराणं भंते ! देवाणं कति देवा आहेवच्चं जाव विहरंति ?, गोयमा ! दस देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा—चमरे असुरिंदे असुरराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे बली वइरोयणिंदे वइरोयणराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे १ । नागकुमाराणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! दस देवा आहेवच्चं जाव विहरंति,

तंजहा—धरणे नागकुमारिंदे नागकुमारराया कालवाले कोलवाले सेलवाले संखवाले भूयाणंदे नागकुमारिंदे णागकुमारराया कालवाले कोलवाले संखवाले सेलवाले, जहा नागकुमारिंदाणं एयाए वत्तव्वयाए णेयव्वं एवं इमाणं नेयव्वं २ । सुवन्नकुमाराणं वेणुदेवे वेणुदाली चित्ते विचित्ते चित्तपक्खे विचित्तपक्खे ३ । विज्जुकुमाराणं हरिकंत हरिस्सह पभ १ सुप्पभ २ पभकंत ३ सुप्पभकंत ४, ४ । अग्गिकुमाराणं अग्गिसीहे अग्गिमाणव तेउ तेउसीहे तेउकंते तेउप्पभे ५ । दीवकुमाराणं पुण्ण-विसिट्ठ-रूय-सुरूय-रूयकंत-रूयप्पभा उदहिकुमाराणं जलकंते जलप्पभ-जल-जलरूय-जलकंत-जलप्पभा, ६ । दिसाकुमाराणं अमियगति अमियवाहण तुरियगति खिप्पगति सीहगति सीहविक्कमगति ७ । वाउकुमाराणं वेलंब पभंजण काल महाकाला अंजण रिट्ठा ८ । थणियकुमाराणं घोस महाघोस आवत्त-वियावत्त-नंदियावत्त-महानंदियावत्ता, एवं भाणियव्वं जहा असुरकुमारा १ । सोम १ महाकाल २ चित्त ३ प्पभ ४ तेउ ५ रूव ६ जल ७ तुरियगई ८ काल १ आउत्त १० पिसायकुमाराणं पुच्छा, गोयमा ! दो देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा—काले य महाकाले सुरूवपडिरूव पुन्नभद्दे य । अमरवइ माणिभद्दे भीमे य तहा महाभीमे ॥ १ ॥ किंनरकिंपुरिसे खलु सप्पुरिसे खलु तहा महापुरिसे । अतिकाय महाकाए गीयरती चेव गीयजसे ॥ २ ॥ एते वाणमंतराणं देवाणं १० । जोतिसियाणं देवाणं दो देवा आहेवच्चं जाव विहरंति, तंजहा—चंदे य सूरे य ११ । सोहम्मीसाणेसु णं भंते ! कप्पेसु कइ देवा आहेवच्चं जाव विहरंति ? गोयमा ! दस देवा जाव विहरंति, तंजहा—सक्के देविंदे देवराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे, ईसाणे देविंदे देवराया सोमे जमे वरुणे वेसमणे, एसा वत्तव्वया सव्वेसुवि कप्पेसु, एए चेव भाणियव्वा, जे य इंदा ते य भाणियव्वा १२ । सेवं भन्ते २ त्ति जाव विहरति १३ ॥ सूत्रं १६१ ॥

॥ इति तृतीयशतके अष्टम उद्देशकः ३-८ ॥

॥ अथ तृतीयशतके इन्द्रियाख्य-नवमोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वदासी-कतिविहे णं भंते ! ते इंदियविसए पराणत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे इंदियविसए पराणत्ते, तंजहा–सोतिंदियविसए जीवाभिगमे जोतिसियउद्देसो नेयव्वो अपरिसेसो ॥ सूत्रं १७० ॥

॥ इति तृतीयशतके नवम उद्देशकः ॥ ३–९ ॥

॥ अथ तृतीयशतके परिषदभिध-दशमोद्देशकाः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुर-रन्नो कति परिसाओ पराणत्ताओ ?, गोयमा ! तओ परिसाओ पराणत्ताओ, तंजहा–समिता चंडा जाया, एवं जहाणुपुव्वीए जावऽच्चुओ कप्पो, सेवं भंते २ त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं १७१ ॥ तइयसए दसमोद्देसो ततियं सयं समत्तं ॥

॥ इति तृतीयशतके दशम उद्देशकः ॥ ३–१० ॥

॥ इति तृतीयं शतकम् ॥ ३ ॥

॥ अथ चतुर्थशतके विमानाख्याः चत्वारः उद्देशकाः ॥

चत्तारि विमाणेहिं चत्तारि य होंति रायहाणीहिं । नेरइए लेस्साहि य दस उद्देसा चउत्थसए ॥ १ ॥ रायगिहे नगरे जाव एवं वयासी–ईसाणस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरण्णो कति लोगपाला पराणत्ता ?, गोयमा ! चत्तारि लोगपाला पराणत्ता, तंजहा–सोमे जमे वेसमणे वरुणे १ । एएसि णं भंते ! लोगपालाणं कति विमाणा पराणत्ता ?, गोयमा ! चत्तारि विमाणा पराणत्ता, तंजहा–सुमणे सव्वओभद्दे वग्गू सुवग्गू २ । कहि णं भंते ! ईसाणस्स देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो सुमणे

नामं महाविमाणे पण्णत्ते ?, गोयमा ! जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव ईसाणे णामं कप्पे पण्णत्ते, तत्थ णं जाव पंचवडेंसया पण्णत्ता, तंजहा–अंकवडेंसए फलिहवडिंसए रयणवडेंसए जायरूववडिंसए मज्झे य तत्थ ईसाणवडेंसए, तस्स णं ईसाणवडेंसयस्स महाविमाणस्स पुरच्छिमेणं तिरियमसंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं वीतिवतित्ता एत्थ णं ईसाणस्स ३ सोमस्स २ सुमणे नामं महाविमाणे पण्णत्ते अद्धतेरसजोयण जहा सक्कस्स वत्तव्वया ततियसए(सत्तमे उद्देसए) तहा ईसाणस्सवि जाव अवणिया समत्ता ३। चउण्हवि लोगपालाणं विमाणे २ उद्देसओ, चउसु विमाणेसु चत्तारि उद्देसा अपरिसेसा, नवरं ठितिए नाणत्तं–'आदिदुय तिभागूणा पलिया १ धणयस्स होंति दो चेव। दो सतिभागा वरुणे पलियमहावच्चदेवाणं ॥ १ ॥ ४ ॥ सूत्रं १७२ ॥ चउत्थे सए पढमबिइयतइयचउत्था उद्देसा समत्ता ॥

॥ इति चतुर्थशतके प्रथम-द्वितीय-तृतीय-चतुर्था उद्देशकाः ॥ ४–१।४ ॥

॥ अथ चतुर्थशतके राजधानीनामकाः पञ्चमषष्ठसप्तमाष्टमोद्देशकाः ॥

रायहाणिसुवि चत्तारि उद्देसा भाणियव्वा जाव एवमहिड्ढीए जाव वरुणे महाराया ॥ सूत्रं १७३ ॥ चउत्थे सए पंचमछट्ठसत्तमट्ठमा उद्देसा समत्ता ॥

॥ इति चतुर्थशतके पञ्चम-षष्ठ-सप्तमाष्टमोद्देशकाः ॥ ४–५।८ ॥

॥ अथ चतुर्थशतके नारकाभिध-नवमोद्देशकः ॥

नेरइए णं भंते ! नेरतिएसु उववज्जइ ? अनेरइए नेरइएसु उववज्जइ ? पन्नवणाए लेस्सापए ततिओ उद्देसओ भाणियव्वो जाव नाणाइं ॥ सूत्रं १७४ ॥ चउत्थसए नवमो उद्देसो समत्तो।

॥ इति चतुर्थशतके नवम उद्देशकः ॥ ४–९ ॥

॥ अथ चतुर्थशतके लेश्याभिध-दशमोद्देशकः ॥

से नूणं भंते ! कण्हलेस्सा नीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए तावण्णत्ताए एवं चउत्थो उद्देसओ पन्नवणाए चेव लेस्सापदे नेयव्वो जाव–परिणामवण्ण-रसगंध-सुद्धअपसत्थ-संकिलिट्ठुण्हा । गतिपरिणाम-पदेसोगाह-वग्गणाठाणमप्पबहुं ॥१॥ सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं १७५ ॥ चउत्थसए दसमो उद्देसो समत्तो ॥ चउत्थंसयं समत्तं ॥

॥ इति चतुर्थशतके दशम उद्देशकः ॥ ४–१० ॥

॥ इति चतुर्थं शतकम् ॥ ४ ॥

॥ अथ पञ्चमशतके चम्पारविनामक-प्रथमोद्देशकाः ॥

चंदरवि १ अनिल २ गंठिय ३ सद्दे ४ छउमायु ५–६ एयण ७ णियंठे ८ । रायगिहं ९ चंपाचंदिमा १० य दस पंचमंमि सए ॥१॥ तेणं कालेणं २ चंपानामं नगरी होत्था, वन्नओ, तीसे णं चंपाए नगरीए पुण्णभद्दे नामे चेइए होत्था वण्णओ, सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया १ । तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूतीणामं अणगारे गोयमगोत्तेणं जाव एवं वदासी–जंबूदीवे णं भंते ! दीवे सूरिया उदीण-पादीण-मुग्गच्छ पादीण-दाहिणमागच्छंति ? पादीणदाहिण-मुग्गच्छ दाहिण-पडीण मागच्छंति ? दाहिण-पडीण-मुग्गच्छ पडीण-उदीण-मागच्छंति ? पदीण-उदीणं उग्गच्छ उदीचि-पादीण-मागच्छंति ?, हंता ! गोयमा ! जंबूदीवे णं दीवे सूरिया उदीचि-पाईण-मुग्गच्छ जाव उदीचि-पाईण-मागच्छंति २ ॥ सूत्रं १७६ ॥ जया णं भंते ! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे दिवसे भवति तदा णं उत्तरड्ढे दिवसे भवति ?, जदा णं उत्तरड्ढे वि दिवसे भवति, तदा णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं राती भवति ?, हंता गोयमा ! जया णं जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे वि दिवसे जाव राती भवति १ । जदा णं

भंते ! जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं दिवसे भवति तदा णं पच्चत्थिमेणवि दिवसे भवति ? जया णं पच्चत्थिमेणं दिवसे भवति तदा णं जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं राती भवति ?, हंता गोयमा ! जदा णं जंबूद्दीवे २ मंदरपुरच्छिमेणं दिवसे जाव राती भवति २ । जदा णं भंते ! जंबूद्दीवे २ दाहिणड्ढे उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवति तदा णं उत्तरड्ढे वि उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवति ? जदा णं उत्तरड्ढे उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवति तदा णं जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राती भवति ?, हंता गोयमा ! जदा णं जंबूद्दीवे २ जाव दुवालसमुहुत्ता राती भवति ३ । जदा णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पुरच्छिमेणं उक्कोसए अट्ठारस जाव तदा णं जंबूद्दीवे २ पच्चत्थिमेणवि उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवति ? जया णं पच्चत्थिमेणं उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवति तदा णं भंते ! जंबूद्दीवे २ उत्तरड्ढे उक्कोसए दुवालसमुहुत्ता जाव राती भवति ?, हंता गोयमा ! जाव भवति ४ । जया णं भंते ! जंबूद्दीवे २ दाहिणड्ढे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवति तदा णं उत्तरे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवति ? जदा णं उत्तरे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवति तदा णं जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं सातिरेगा दुवालस मुहुत्ता राती भवति ?, हंता गोयमा ! जदा णं जंबूद्दीवे २ जाव राती भवति ५ । जदा णं भंते ! जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवति तदा णं पच्चत्थिमेणं अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवति ? जदा णं पच्चत्थिमेणं अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवति तदा णं जंबूद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं साइरेगा दुवालसमुहुत्ता राती भवति ?, हंता गोयमा ! जाव भवति ६ । एवं एतेणं कमेणं ओसारेयव्वं सत्तरसमुहुत्ते दिवसे तेरसमुहुत्ता राती भवति, सत्तरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगा तेरसमुहुत्ता

राती, सोलसमुहुत्ते दिवसे चोद्दसमुहुत्ता राई, सोलसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगचोद्दसमुहुत्ता राती, पन्नरसमुहुत्ते दिवसे पन्नरसमुहुत्ता राती भवति, पन्नरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगा पन्नरसमुहुत्ता राती, चोद्दसमुहुत्ते दिवसे सोलसमुहुत्ता राती, चोद्दसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगा सोलसमुहुत्ता राती, तेरसमुहुत्ते दिवसे सत्तरसमुहुत्ता राती, तेरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे सातिरेगा सत्तरसमुहुत्ता राती ७। जया णं जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवति तया णं उत्तरड्ढेवि, जया णं उत्तरड्ढे तया णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राती भवति ?, हंता गोयमा ! एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव राई भवति ८। जया णं भंते ! जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं जहन्नए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवति तया णं पच्चत्थिमेणवि, तया णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राती भवति ?, हंता गोयमा ! जाव राती भवति ९ ॥ सूत्रं १७७ ॥ जया णं भंते ! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ ? जया णं उत्तरड्ढेवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं अणंतरपुरक्खडसमयंसि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ ?, हंता गोयमा ! जया णं जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तह चेव जाव पडिवज्जइ १। जया णं भंते ! जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं पच्चत्थिमेणवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ ? जया णं पच्चत्थिमेणवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं जाव मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरदाहिणेणं अणंतरपच्छाकडसमयंसि वासाणं पढमे समए पडिवन्ने भवति ?, हंता गोयमा ! जया णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरिच्छमेणं, एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव

पडिवन्ने भवति २ । एवं जहा समएणं अभिलावो भणिओ वासाणं तहा आवलियाएवि २ भाणियव्वो, आणापाणुणवि ३ थोवेणवि ४ लवेणवि ५ मुहुत्तेणवि ६ अहोरत्तेणवि ७ पक्खेणवि ८ मासेणवि ९ उउणावि १०, एएसिं सव्वेसिं जहासमयस्स अभिलावो तहा भाणियव्वो ३ । जया णं भंते ! जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणड्ढे हेमंताणं पढमे समए पडिवज्जति ? जहेव वासाणं अभिलावो तहेव हेमंताणवि २० गिम्हाणवि ३० भाणियव्वो जाव उऊ, एवं एए तिन्निवि, एएसिं तीसं आलावगा भाणियव्वा ४ । जया णं भंते ! जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणड्ढे पढमे अयणे पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि पढमे अयणे पडिवज्जइ, जहा समएणं अभिलावो तहेव अयणेणवि भाणियव्वो जाव अणंतरपच्छाकडसमयंसि पढमे अयणे पडिवन्ने भवति, जहा अयणेणं अभिलावो तहा संवच्छरेणवि भाणियव्वो, जुएणवि वाससएणवि वाससहस्सेणवि वाससयसहस्सेणवि पुव्वंगेणवि पुव्वेणवि तुडियंगेणवि तुडिएणवि, एवं पुव्वे २ तुडिए २ अडडे २ अववे २ हूहूए २ उप्पले २ पउमे २ नलिणे २ अच्छणिउरे २ अउए २ णउए २ पउए २ चूलिया २ सीसपहेलिया २ पलिओवमेण वि सागरोवमेणवि भाणियव्वो ५ । जया णं भंते ! जंबूदीवे २ दाहिणड्ढे पढमाओसप्पिणी पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि पढमाओसप्पिणी पडिवज्जइ ? जया णं उत्तरड्ढेवि पडिवज्जइ तदा णं जंबूदीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणवि, णोवत्थि ओसप्पिणी नेवत्थि उस्सप्पिणी अवट्ठिए णं तत्थ काले पन्नत्ते ? समणाउसो !, हंता गोयमा ! तं चेव उच्चारेयव्वं जाव समणाउसो !, जहा ओसप्पिणीए आलावओ भणिओ एवं उस्सप्पिणीएवि भाणियव्वो ६ ॥ सूत्रं १७८ ॥

लवणेणं भंते ! समुद्दे सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जच्चेव जंबूदीवस्स वत्तव्वया भणिया सच्चेव सव्वा अपरिसेसिया लवणसमुद्दस्सवि भाणियव्वा,

नवरं अभिलावो इमो णेयव्वो–जया णं भंते ! लवणे समुद्दे दाहिणड्ढे दिवसे भवति तं चेव जाव तदा णं लवणे समुद्दे पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं राई भवति ?, एएणं अभिलावेणं नेयव्वं १ । जदा णं भंते ! लवणसमुद्दे दाहिणड्ढे पढमाओस्सप्पिणी पडिवज्जइ तदा णं उत्तरड्ढे वि पढमाओस्सप्पिणी पडिवज्जइ ? जदा णं उत्तरड्ढे पढमाओसप्पिणी पडिवज्जइ तदा णं लवणसमुद्दे पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं नेवत्थि ओसप्पिणी २ समणाउसो !?, हंता गोयमा ! जाव समणाउसो ! २ । धायईसंडे णं भंते ! दीवे सूरिया उदीचिपादीणमुग्गच्छ जहेव जंबूद्दीवस्स वत्तव्वया भणिया सच्चेव धायइसंडस्सवि भाणियव्वा, नवरं इमेणं अभिलावेणं सव्वे आलावगा भाणियव्वा ३ । जया णं भंते ! धायइसंडे दीवे दाहिणड्ढे दिवसे भवति तदा णं उत्तरड्ढे वि, जया णं उत्तरड्ढे वि तदा णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं राती भवति ?, हंता गोयमा ! एवं चेव जाव राती भवति ४ । जदा णं भंते ! धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं पुरच्छिमेणं दिवसे भवति तदा णं पच्चत्थिमेणवि, जदाणं पच्चत्थिमेण वि तदा णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं उत्तरेणं दाहिणेणं राती भवति ?, हंता गोयमा ! जाव भवति ५ । एवं एएणं अभिलावेणं नेयव्वं जाव जया णं भंते ! दाहिणड्ढे पढमाओस्सप्पिणी पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढे जया णं उत्तरड्ढे तया णं धायइसंडे दीवे मंदराणं पव्वयाणं पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं नत्थि(नेवत्थि) ओस्सप्पिणी जाव समणाउसो !?, हता गोयमा ! जाव समणाउसो !, जहा लवणसमुद्दस्स वत्तव्वया तहा कालोदस्सवि भाणियव्वा, नवरं कालोदस्स नामं भाणियव्वं ६ । अब्भितरपुक्खरद्धे णं भंते ! सूरिया उदीचिपाईणमुग्गच्छ जहेव धायइसंडस्स वत्तव्वया तहेव अब्भितरपुक्खरद्धस्सवि भाणियव्वा, नवरं अभिलावो जाव जाणेयव्वो जाव

तया णं अब्भितरपुक्खरद्धे मंदराणं पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं नेवत्थि ओस्सप्पिणी नेवत्थि उस्सप्पिणी अवट्ठिए णं तत्थ काले पन्नत्ते समणाउसो ! सेवं भंते २ त्ति जाव विहरति ७ ॥ सूत्रं १७१ ॥ पंचमसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति पञ्चमशतके प्रथम उद्देशकः ॥ ५-१ ॥

॥ अथ पञ्चमशतके अनिलाख्य-द्वितीयोद्देशकः ॥

रायगिहे नगरे जाव एवं वदासी–अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाता पत्थावाता मंदावाता महावाता वायंति ? हंता अत्थि १ । अत्थि णं भंते ! पुरच्छिमेणं ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ! हंता अत्थि २ । एवं पच्चत्थिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं उत्तरपुरच्छिमेणं पुरच्छिमदाहिणेणं दाहिणपच्चत्थिमेणं पच्छिमउत्तरेणं ३ । जया णं भंते ! पुरच्छिमेणं ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति तया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ! जया णं पच्चत्थिमेणं ईसिं पुरेवाया तया णं पुरच्छिमेणवि ?, हंता गोयमा ! जया णं पुरच्छिमेणं तया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं जया णं पच्चत्थिमेणवि ईसिं तया णं पुरच्छिमेणवि ईसिं, एवं दिसासु विदिसासु ४ । अत्थि णं भंते ! दीविच्चया ईसिं ?, हंता अत्थि ५ । अत्थि णं भंते ! सामुद्दया ईसिं ?, हंता अत्थि ६ । जया णं भंते ! दीविच्चया ईसिं तया णं सा सामुद्दयावि ईसिं ? जया णं सामुद्दया ईसिं तया णं दीविच्चयावि ईसिं ?, णो इणट्ठे समट्ठे ७ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति जया णं दीविच्चया ईसिं णो णं तया सामुद्दया ईसिं ? जया णं सामुद्दया ईसिं णो णं तया दीविच्चया ईसिं ?, गोयमा ! तेसि णं वायाणं अन्नमन्नस्स विवच्चासेणं लवणे समुद्दे वेलं नातिक्कमइ से तेणट्ठेणं जाव वाया वायंति ८ । अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ?, हंता अत्थि ९ । कया णं भंते ! ईसिं जाव वायंति ?,

गोयमा ! जया णं वाउयाए अहारियं रियंति तया णं ईसिं जाव वायं वायंति १० । अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थवाया मंदावाया महावाया वायंति ?, हंता अत्थि ११ । कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ?, गोयमा ! जया णं वाउयाए उत्तरकिरियं रियइ तया णं ईसिं जाव वायंति १२ । अत्थि णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थवाया मंदवाया महावाया वायंति ?, हंता अत्थि १३ । कया णं भंते ! ईसिं पुरेवाया पत्थावाया मंदावाया महावाया वायंति ?, गोयमा ! जया णं वाउकुमारा वाउकुमारीओ वा अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स वा अट्ठाए वाउकायं उदीरेंति तया णं ईसिं पुरेवाया जाव वायंति १४ । वाउकाए णं भंते ! वाउकायं चेव आणमंति वा पाणमंति वा जहा खंदए १, तहा चत्तारि आलावगा नेयव्वा अणेगसयसहस्स २, पुट्ठे उद्दाति वा ३, ससरीरी निक्खमति ४, १५ ॥ सूत्रं १८० ॥ अह भंते ! ओदणे कुम्मासे सुरा एए णं किंसरीराति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! ओदणे कुम्मासे सुराए य जे घणे दव्वे एए णं पुव्वभावपन्नवणं पडुच्च वणस्सइजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थातीया सत्थपरिणामिआ अगणिज्झामिया अगणिज्झूसिया अगणिसेविया अगणिपरिणामिया अगणिजीवसरीरा वत्तव्वं सिया १ । सुराए य जे दवे दव्वे एए णं पुव्वभावपन्नवणं पडुच्च आउजीवसरीरा, तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणिकायसरीराति वत्तव्वं सिया २ । अहन्नं भंते ! अए तंबे तउए सीसए उवले कसट्टिया एए णं किंसरीराइ वत्तव्वं सिया ? गोयमा ! अए तंबे तउए सीसए उवले कसट्टिया, एए णं पुव्वभावपन्नवणं पडुच्च पुढविजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणिजीवसरीराति वत्तव्वं सिया ३ । अहणं भंते ! अट्ठी अट्ठिज्झामे चम्मे चम्मज्झामे रोमे २ सिंगे २ खुरे २ णखे २ एते णं किंसरीराति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! अट्ठी चमे रोमे सिंगे खुरे नहे एए णं तसपाणजीवसरीरा अट्ठिज्झामे चम्मज्झामे

रोमज्झामे सिंगज्झामे खुरज्झामे णहज्झामे एए णं पुव्वभावपरणवणं पडुच्च तसपाणजीवसरीरा तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणीजीवसरीरा त्ति वत्तव्वं सिया ४। अह भंते ! इंगाले छारिए भुसे गोमए एए णं किंसरीरा वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! इंगाले छारिए भुसे गोमए एए णं पुव्वभाव-परणवणं पडुच्च एगिंदिय-जीवसरीर-प्पओग-परिणामियावि जाव पंचिंदिय-जीवसरीरप्पओग-परिणामियावि तओ पच्छा सत्थातीया जाव अगणि-जीवसरीराति वत्तव्वं सिया ५ ॥ सूत्रं १८१ ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे केवतियं चक्कवालविक्खंभेणं पन्नते ?, एवं नेयव्वं जाव लोगट्ठिती लोगा-णुभावे, सेवं भंते ! २ त्ति भगवं जाव विहरइ ॥ सूत्रं १८२ ॥

॥ इति पञ्चमशतके द्वितीय उद्देशकः ॥ ५–२ ॥

॥ अथ पञ्चमशतके ग्रन्थिनामक-तृतीयोद्देशकः ॥

अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमातिक्खंति एवं भासंति एवं पन्नवेंति एवं परूवेंति से जहानामए जालगंठिया सिया आणुपुव्विगढिया अणंतर-गढिया परंपरगढिया अन्नमन्नगढिया अन्नमन्नगुरुयत्ताए अन्नमन्नभारियत्ताए अन्नमन्न-गुरुय-संभारियत्ताए अण्णमण्णघडत्ताए जाव चिट्ठंति, एवामेव बहूणं जीवाणं बहूसु आजाति-सयसहस्सेसु बहूइं आउयसहस्साइं आणु-पुव्विगढियाइं जाव चिट्ठंति १। एगेऽवि य णं जीवे एगेणं समएणं दो आउयाइं पडिसंवेदयति, तंजहा–इहभवियाउयं च परभवियाउयं च २। जं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ तं समयं परभवियाउयं पडिसंवेदेइ जाव से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जन्नं ते अन्नउत्थिया तं चेव जाव परभवियाउयं च, जे ते एवमाहंसु तं मिच्छा, ते एवमाहंसु अहं पुण गोयमा ! एवमातिक्खामि जाव परूवेमि-से जहानामए जालगंठिया सिया जाव अन्नमन्नघडत्ताए चिट्ठंति, एवामेव एगमेगस्स जीवस्स

बहूहिं आजातिसहस्सेहिं बहूइं आउयसहस्साइं आणुपुव्विगढियाइं जाव चिट्ठंति, एगेऽविय णं जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पडिसंवेदेइ, तंजहा–इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा, जं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेइ नो तं समयं परभवियाउयं पडिसंवेदेति जं समयं परभवियाउयं नो तं समयं इहभवियाउयं पडिसंवेदेति, इहभवियाउयस्स पडिसंवेयणाए नो परभवियाउयं पडिसंवेदेइ परभवियाउयस्स पडिसंवेयणाए नो इहभवियाउयं पडिसंवेदेति, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं आउयं पडिसंवेदेति,तंजहा–इहभवियाउयं वा परभवियाउयं वा ३ ॥ सूत्रं १८३ ॥ जीवे णं भंते ! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते ! किं साउए संकमइ निराउए संकमइ ?, गोयमा ! साउए संकमइ नो निराउए संकमइ १ । से णं भंते ! आउए कहिं कडे कहिं समाइण्णे ?, गोयमा ! पुरिमे भवे कडे पुरिमे भवे समाइण्णे, एवं जाव वेमाणियाणं दंडओ २ । से नूणं भंते ! जे जंभविए जोणिं उववज्जित्तए से तमाउयं पकरेइ, तं जहा–नेरइयाउयं वा जाव देवाउयं वा ?, हंता गोयमा ! जे जंभविए जोणिं उववज्जित्तए से तमाउयं पकरेइ, तंजहा–नेरइयाउयं वा तिरिक्खजोणियाउयं वा मणुस्साउयं वा देवाउयं वा ३ । नेरइयाउयं पकरेमाणे सत्तविहं पकरेइ, तंजहा–रयणप्पभापुढविनेरइयाउयं वा जाव अहेसत्तमापुढविनेरइयाउयं वा, तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे पंचविहं पकरेइ, तंजहा–एगिंदियतिरिक्खजोणियाउयं वा, भेदो सव्वो भाणियव्वो, मणुस्साउयं दुविहं, देवाउयं चउव्विहं ४ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरइ ५ ॥ सूत्रं १८४ ॥

॥ इति पञ्चमशतके तृतीय उद्देशकः ॥ ५–३ ॥

॥ अथ पञ्चमशतके शब्दाभिध-चतुर्थोद्देशकः ॥

छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से आउडिज्जमाणाइं सद्दाइं सुणेइ, तंजहा–संखसद्दाणि वा सिंगसद्दाणि वा संखियसद्दाणि वा खरमुहिसद्दाणि वा पोयासद्दाणि वा परिपिरियासद्दाणि वा पणवसद्दाणि वा पडहसद्दाणि वा भंभासद्दाणि वा होरंभसद्दाणि वा भेरिसद्दाणि वा झल्लरिसद्दाणि वा दुंदुहिसद्दाणि वा तयाणि वा वितयाणि घणाणि वा झुसिराणि वा ?, हंता गोयमा ! छउमत्थे णं मणुस्से आउडिज्जमाणाइं सद्दाइं सुणेइं, तंजहा–संखसद्दाणि वा जाव झुसिराणि वा १ । ताइं भंते ! किं पुट्ठाइं सुणेइ अपुट्ठाइं सुणेइ ?, गोयमा ! पुट्ठाइं सुणेइ नो अपुट्ठाइं सुणेइ, जाव नियमा छद्दिसिं सुणेइ २ । छउमत्थे णं मणुस्से किं आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ ?, गोयमा ! आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ नो पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ ३ । जहा णं भंते ! छउमत्थे मणुस्से आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ नो पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ तहा णं भंते ! केवली मणुस्से किं आरगयाइं सद्दाइं सुणेइ पारगयाइं सद्दाइं सुणेइ ?, गोयमा ! केवली णं आरगयं वा पारगयं वा सव्वदूरमूलमणंतियं सद्दं जाणेइ पासेइ ४ । से केणट्ठेणं तं चेव केवली णं आरगयं वा पारगयं वा जाव पासइ ?, गोयमा ! केवली णं पुरच्छिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जाणइ, एवं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं उड्ढं अहे मियंपि जाणइ अमियंपि जाणइ, सव्वं जाणइ केवली सव्वं पासइ केवली, सव्वओ जाणइ पासइ, सव्वकालं जाणइ पासइ, सव्वभावे जाणइ केवली, सव्वभावे पासइ केवली ५ । अणंते नाणे केवलिस्स, अणंते दंसणे केवलिस्स, निव्वुडे नाणे केवलिस्स, निव्वुडे दंसणे केवलिस्स, से तेणट्ठेणं जाव पासइ ६ ॥ सूत्रं १८५ ॥ छउमत्थे णं भंते ! मणुस्से हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ?, हंता, हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा १ । जहा णं भंते !

छउमत्थे मणुसे हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा, तहा णं केवलीवि हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे २। से केणट्ठेणं भंते ! जाव नो णं तहा केवली हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ?, गोयमा ! जण्णं जीवा चरित्तमोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं हसंति वा उस्सुयायंति वा से णं केवलिस्स नत्थि, से तेणट्ठेणं जाव नो णं तहा केवली हसेज्ज वा उस्सुयाएज्ज वा ३। जीवे णं भंते ! हसमाणे वा उस्सुयमाणे वा कइ कम्मपयडीओ बंधइ ?, गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा, एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिएहिं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ४। छउमत्थे णं भंते ! मणुसे निद्दाएज्ज वा पयलाएज्ज वा ?, हंता निद्दाएज्ज वा पयलाएज्ज वा जहा हसेज्ज वा तहा नवरं दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं निद्दायंति वा पयलायंति वा, से णं केवलिस्स नत्थि, अन्नं तं चेव ५। जीवे णं भंते ! निद्दायमाणे वा पयलायमाणे वा कति कम्मपयडीओ बंधइ ?, गोयमा ! सत्तविहबंधए वा, अट्ठविहबंधए वा, एवं जाव वेमाणिए, पोहत्तिएसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो ६ ॥सूत्रं १८६॥ हरी णं भंते ! हरिणेगमेसी सक्कदूए इत्थीगब्भं संहरे (साहर-, संहरण-,)माणे किं गब्भाओ गब्भं साहरइ १ गब्भाओ जोणिं साहरइ २ जोणीओ गब्भं साहरइ ३ जोणीओ जोणिं साहरइ ४ ?, गोयमा ! नो गब्भाओ गब्भं साहरइ नो गब्भाओ जोणिं साहरइ नो जोणीओ जोणिं साहरइ, परामुसिय २ अव्वाबाहेणं अव्वाबाहं जोणीओ गब्भं साहरइ १। पभू णं भंते ! हरिणेगमेसी सक्कस्स णं दूए इत्थीगब्भं नहसिरंसि वा रोमकूवंसि वा साहरित्तए वा नीहरित्तए वा ?, हंता पभू, नो चेव णं तस्स गब्भस्स किंचि वि आबाहं वा विबाहं वा उप्पाएज्जा छविच्छेदं पुण करेज्जा, एसुहुमं च णं साहरिज्ज वा नीहरिज्ज वा २ ॥ सूत्रं १८७ ॥ ते णं काले णं ते णं समए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी अइमुत्ते णामं

कुमारसमणे पगतिभद्दए जाव विणीए १। तए णं से अइमत्ते कुमारसमणे अण्णया कयाइ महावुट्ठिकायंसि निवयमाणंसि कक्खपडिग्गह-रयहरणमायाए बहिया संपट्ठिए विहाराए २। तए णं से अइमुत्ते कुमारसमणे वाहयं वहमाणं पासइ २ मट्टियाए पालिं बंधइ णाविया मे २ नाविओविव णावमयं पडिग्गहगं उदगंसि कट्टु पव्वाहमाणे २ अभिरमइ ३। तं च थेरा अद्दक्खु, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ एवं वदासी—एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी अतिमुत्ते णामं कुमारसमणे से णं भंते! अतिमुत्ते कुमारसमणे कतिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झिहिति जाव अंतं करेहिति?, अज्जो समणे भगवं महावीरे ते थेरे एवं वयासी-एवं खलु अज्जो! मम अंतेवासी अइमुत्ते णामं कुमारसमणे पगतिभद्दए जाव विणीए से णं अइमुत्ते कुमारसमणे इमेणं चेव भवग्गहणेणं सिज्झिहिति जाव अंतं करेहिति, तं मा णं अज्जो! तुब्भे अतिमुत्तं कुमारसमणं हीलेह निंदह खिंसह गरहह अवमन्नह, तुब्भे णं देवाणुप्पिया! अतिमुत्तं कुमारसमणं अगिलाए संगिण्हह अगिलाए उवगिण्हह अगिलाए भत्तेणं पाणेणं विणयेणं वेयावडियं करेह, अइमत्ते णं कुमारसमणे अंतकरे चेव अंतिमसरीरिए चेव ४। तए णं ते थेरा भगवंतो समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति अइमुत्तं कुमारसमणं अगिलाए संगिण्हंति जाव वेयावडियं करेंति ५॥ सूत्रं १८८॥ ते णं काले णं २ महासुक्काओ कप्पाओ महासग्गाओ महाविमाणाओ दो देवा महिड्ढीया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं पाउब्भूया १। तए णं ते देवा समणं भगवं महावीरं मणसा वंदंति नमंसंति २ मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं पुच्छंति—कति णं भंते! देवाणुप्पियाणं अंतेवासिसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति?, तए णं समणे भगवं महावीरे तेहिं देवेहिं मणसा पुट्ठे तेसिं देवाणं मणसा

चेव इमं एतारूवं वागरणं वागरेति–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम सत्त अंतेवासिसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति २। तए णं ते देवा समणेणं भगवया महावीरेणं मणसा पुट्ठेणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरिया समाणा हट्ठतुट्ठा जाव हयहियया समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति २ त्ता मणसा चेव सुस्सूसमाणा णमंसमाणा अभिमुहा जाव पज्जुवासंति ३। तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूती णामं अणगारे जाव अदूरसामंते उड्ढंजाणू जाव विहरति, तए णं तस्स भगवओ गोयमस्स झाणंतरियाए वट्टमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था ४। एवं खलु दो देवा महिड्ढीया जाव महाणुभागा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं पाउब्भूया तं नो खलु अहं ते देवे जाणामि कयराओ कप्पाओ वा सग्गाओ वा विमाणाओ कस्स वा अत्थस्स अट्ठाए इहं हव्वमागया ?, तं गच्छामि णं भगवं महावीरं वंदामि णमंसामि जाव पज्जुवासामि इमाइं च णं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छिस्सामित्ति कट्टु एवं संपेहेति २ उट्ठाए उट्ठेति २ जेणेव समणे भगवं महावीरे जाव पज्जुवासति ५। गोयमा ! इ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वदासी–से णूणं तव गोयमा ! झाणंतरियाए वट्टमाणस्स इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव जेणेव मम अंतिए तेणेव हव्वमागए से णूणं गोयमा ! अत्थे समत्थे ?, हंता अत्थि ६। तं गच्छाहि णं गोयमा ! एए चेव देवा इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं वागरेहिंति ७। तए णं भगवं गोयमे समणेणं भगवया महावीरेणं अब्भणुन्नाए समाणे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसति २ जेणेव ते देवा तेणेव पहारेत्थ गमणाए ८। तए णं ते देवा भगवं गोयमं पज्जुवासमाणं (एज्जमाणं) पासंति २ हट्ठा जाव हयहियया खिप्पामेव अब्भुट्ठेंति २ खिप्पामेव पच्चुवागच्छंति २ जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाव णमंसित्ता एवं वयासी–

एवं खलु भंते ! अम्हे महासुक्काओ कप्पाओ महासग्गाओ महाविमाणाओ दो देवा महिड्ढिया जाव पाउब्भूता, तए णं अम्हे समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो २ मणसा चेव इमाइं एयारूवाइं वागरणाइं पुच्छामो–कति णं भंते ! देवाणुप्पियाणं अंतेवासिसयाइं सिज्झिहिंति जाव अंतं करेहिंति ?, तए णं समणे भगवं महावीरे अम्हेहिं मणसा पुट्ठे अम्हं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरेति–एवं खलु देवाणुप्पिया ! मम सत्त अंतेवासिसयाइं जाव अंतं करेहिंति, तए णं अम्हे समणेणं भगवया महावीरेणं मणसा चेव पुट्ठेणं मणसा चेव इमं एयारूवं वागरणं वागरिया समाणा समणं भगवं महावीरं वंदामो नमंसामो २ जाव पज्जुवासामोत्तिकट्टु भगवं गोतमं वंदंति नमंसंति २ जामेव दिसिं पाउब्भूता तामेव दिसिं पडिगया ८ ॥ सूत्रं १८९ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं जाव एवं वदासी–देवा णं भंते ! संजयाति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, अब्भक्खाणमेयं १ । देवा णं भंते ! असंजताति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, णिट्ठुरवयणमेयं २ । देवा णं भंते ! संजयासंजयाति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, असब्भूयमेयं देवाणं ३ । से किं खाति णं भंते ! देवाति वत्तव्वं सिया ?, गोयमा ! देवा णं नोसंजयाति वत्तव्वं सिया ४ ॥ सूत्रं ११० ॥ देवा णं भंते ! कयराए भासाए भासंति ?, कयरा वा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सति ?, गोयमा ! देवा णं अद्धमागहाए भासाए भासंति, सावि य णं अद्धमागहा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सति ॥ सूत्रं १११ ॥ केवली णं भंते ! अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणति पासइ ?, हंता गोयमा ! जाणति पासति १ । जहा णं भंते ! केवली अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणति पासति तहा णं छउमत्थेवि अंतकरं वा अंतिमसरीरियं वा जाणति पासति ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, सोच्चा जाणति पासति, पमाणतो

वा २ । से किं तं सोच्चा ? सोच्चा णं, केवलिस्स वा केवलिसावयस्स वा केवलिसावियाए वा केवलिउवासगस्स वा केवलिउवासियाए वा तप्पक्खियस्स वा तप्पक्खियसावगस्स वा तप्पक्खियसावियाए वा तप्पक्खियउवासगस्स वा तप्पक्खियउवासियाए वा, से तं सोच्चा ३ ॥ सूत्र ११२ ॥ से किं तं पमाणे ?, पमाणे चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–पच्चक्खे अणुमाणे ओवम्मे आगमे, जहा अणुओगदारे तहा णेयव्वं पमाणं जाव तेण परं नो अत्तागमे नो अणंतरागमे परंपरागमे ॥ सू० ११३ ॥ केवली णं भंते ! चरिमकम्मं वा चरिमणिज्जरं वा जाणति पासति ?, हंता गोयमा ! जाणति पासति १ । जहा णं भंते ! केवली चरिमकम्मं वा जहा णं अंतकरेणं आलावगो तहा चरिमकम्मेणवि अपरिसेसिओ णेयव्वो २ ॥ सू० ११४ ॥ केवली णं भंते ! पणीयं मणं वा वइं वा धारेज्जा ?, हंता धारेज्जा १ । जहा णं भंते ! केवली पणीयं मणं वा वइं वा धारेज्जा ते णं वेमाणिया देवा जाणंति पासंति ?, गोयमा ! अत्थेगतिया जाणंति पासंति अत्थेगतिया न जाणंति न पासंति २ । से केणट्ठेणं जाव ण जाणंति ण पासंति ?, गोयमा ! वेमाणिया देवा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–माइ-मिच्छादिट्ठि-उववन्नगा य अमाइ-सम्मदिट्ठि-उववन्नगा य, तत्थ णं जे ते माइ-मिच्छादिट्ठि-उववन्नगा ते न याणंति न पासंति, तत्थ णं जे ते अमाई-सम्मदिट्ठी-उववन्नगा ते णं जाणंति पासंति ३ । से केणट्ठेणं एवं वुच्चइ अमाईसम्मदिट्ठी जाव पासंति ?, गोयमा ! अमाईसम्मदिट्ठी दुविहा पण्णत्ता–अनंतरोववन्नगा य परंपरोववन्नगा य, तत्थ अणंतरोववन्नगा न जाणंति परंपरोववन्नगा जाणंति ४ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ परंपरोववन्नगा जाव जाणंति ?, गोयमा ! परंपरोववन्नगा दुविहा पण्णत्ता–पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, पज्जत्ता जाणंति अपज्जत्ता न जाणंति, एवं अणंतर-परंपर-पज्जत्त-अपज्जत्ता य उवउत्ता अणुवउत्ता, तत्थ णं जे ते उवउत्ता

ते जाणंति, पासंति से तेणट्ठेणं तं चेव ५ ॥ सूत्रं ११५ ॥ पभू णं भंते ! अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा इहगएणं केवलिणा सद्धिं आलावं वा संलावं वा करेत्तए ?, हंता पभू १ । से केणट्ठेणं जाव पभू णं अणुत्तरोववाइया देवा जाव करेत्तए ?, गोयमा ! जण्णं अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा अट्ठं वा हेउं वा पसिणं वा वागरणं वा कारणं वा पुच्छंति तए णं इहगए केवली अट्ठं वा जाव वागरणं वा वागरेति से तेणट्ठेणं जाव करेत्तए २ । जन्नं भंते ! इहगए चेव केवली अट्ठं वा जाव वागरेति तण्णं अणुत्तरोववाइया देवा तत्थगया चेव समाणा जाणंति पासंति ?, हंता ! जाणंति पासंति ३ । से केणट्ठेणं जाव पासंति ?, गोयमा ! तेसिणं देवाणं अणंताओ मणोदव्ववग्गणाओ लद्धाओ पत्ताओ अभिसमन्नागयाओ भवंति से तेणट्ठेणं जण्णं इहगए केवली जाव पासंति ४ ॥ सूत्रं ११६ ॥ अणुत्तरोववाइया णं भंते ! देवा किं उदिन्नमोहा उवसंतमोहा खीणमोहा ?, गोयमा ! नो उदिन्नमोहा उवसंतमोहा णो खीणमोहा ॥ सूत्रं ११७ ॥ केवली णं भंते ! आयाणेहिं जाणति पासति ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे १ । से केणट्ठेणं जाव केवली णं आयाणेहिं न जाणइ न पासइ ?, गोयमा ! केवली णं पुरच्छिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जाणइ जाव निव्वुडे दंसणे केवलिस्स से तेणट्ठेणं जाव न पासइ २ ॥ सूत्रं ११८॥ केवली णं भंते ! अस्सिं समयंसि जेसु आगासपदेसेसु हत्थं वा पायं वा बाहुं वा उरुं वा ओगाहित्ताणं चिट्ठति पभू णं भंते ! केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव आगासपदेसेसु हत्थं वा जाव ओगाहित्ता णं चिट्ठित्तए ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, १ । से केणट्ठेणं भंते ! जाव केवली णं अस्सिं समयंसि जेसु आगासपदेसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठति णो णं पभू केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव आगासपएसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठित्तए ?, गोयमा ! केवलिस्स णं

वीरिय-सजोगस-द्दव्वयाए चलाइं उवकरणाइं भवंति, चलोवगरणट्ठयाए य णं केवली अस्सिं समयंसि जेसु आगासपदेसेसु हत्थं वा जाव चिट्ठति णो णं पभू केवली सेयकालंसिवि तेसु चेव जाव चिट्ठित्तए, से तेणट्ठेणं जाव उच्चइ–केवली णं अस्सिं समयंसि जाव चिट्ठित्तए २ ॥ सूत्रं १९९ ॥ पभू णं भंते ! चोद्दसपुव्वी घडाओ घडसहस्सं पडाओ पडसहस्सं कडाओ २ रहाओ २ छत्ताओ छत्तसहस्सं दंडाओ दंडसहस्सं अभिनिव्वट्टेत्ता उवदंसेत्तए ?, हंता पभू १ । से केणट्ठेणं पभू चोद्दसपुव्वी जाव उवदंसेत्तए ?, गोयमा ! चउद्दसपुव्विस्स णं अणंताइं दव्वाइं उक्करियाभेएणं भिज्जमाणाइं लद्धाइं पत्ताइं अभिसमन्नागयाइं भवंति, से तेणट्ठेणं जाव उवदंसित्तए । सेवं भंते ! सेवं भंते ! जाव विहरइ त्ति बेमि २ ॥ सूत्रं २०० ॥

॥ इति पञ्चमशतके चतुर्थ उद्देशकः ॥ ५–४॥

॥ अथ पञ्चमशतके छद्मस्थाख्य-पंचमोद्देशकः ॥

छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तीयमणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं जहा पढमसए चउत्थुद्देसे आलावगा तहा नेयव्वा जाव अलमत्थुत्ति वत्तव्वं सिया ॥ सूत्रं २०१ ॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता एवंभूयं वेदणं वेदेंति से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव वेदेंति जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एवंभूयं वेदणं वेदेंति अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता अनेवंभूयं वेदणं वेदेंति १ । से केणट्ठेणं अत्थेगतिया ? तं चेव उच्चारेयव्वं, गोयमा ! जे णं पाणा भूया जीवा सत्ता जहा कडा कम्मा तहा

वेदणं वेदेंति ते णं पाणा भूया जीवा सत्ता एवंभूयं वेदणं वेदेंति, जे णं पाणा भूया जीवा सत्ता जहा कडा कम्मा नो तहा वेदणं वेदेंति ते णं पाणा भूया जीवा सत्ता अनेवंभूयं वेदणं वेदंति, से तेणट्ठेणं तहेव २। नेरइया णं भंते ! किं एवंभूयं वेदणं वेदेंति अनेवंभूयं वेदणं वेदंति ? गोयमा ! नेरइया णं एवंभूयं वेदणं वेदेंति अनेवंभूयंपि वेदणं वेदंति ३। से केणट्ठेणं ? तं चेव उच्चारेयव्वं, गोयमा ! जे णं नेरइया जहा कडा कम्मा तहा वेयणं वेदेंति ते णं नेरइया एवंभूयं वेदणं वेदेंति, जे णं नेरतिया जहा कडा कम्मा णो तहा वेदणं वेदेंति ते णं नेरइया अनेवंभूयं वेदणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं, एवं जाव वेमाणिया संसारमंडलं नेयव्वं ४ ॥ सूत्रं २०२ ॥ जंबूदीवे णं भंते ! भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए कइ कुलगरा होत्था ?, गोयमा ! सत्त, एवं तित्थयरा, तित्थयरमायरो पियरो, पढमा सिस्सिणीओ, चक्कवट्टीमायरो, इत्थिरयणं, बलदेवा, वासुदेवा, वासुदेवमायरो पियरो, एएसिं पडिसत्तू, जहा समवाए परिवाडी तहा णेयव्वा, सेवं भंते ! २ जाव विहरइ ॥ सूत्रं २०३ ॥ पंचमसए पंचमुद्देसओ ॥

॥ इति पञ्चमशतके पञ्चम उद्देशकः ॥ ५–५ ॥

॥ अथ पंचमशतके आयुनामक-षष्ठोद्देशकः ॥

कहण्णं भंते ! जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?, गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं, तंजहा–पाणे अइवाएत्ता मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता, एवं खलु जीवा अप्पाउयत्ताए कम्मं पकरेइ १। कहण्णं भंते ! जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?, गोयमा ! तिहिं ठाणेहिं–नो पाणे अतिवाइत्ता नो मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं

असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा दीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति २ । कहन्नं भंते ! जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?, गोयमा ! पाणे अइवाइत्ता मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा हीलित्ता निंदित्ता खिंसित्ता गरहित्ता अवमन्नित्ता अन्नयरेणं अमणुन्नेणं अपीतिकारेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा असुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ३ । कहन्नं भंते ! जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ?, गोयमा ! नो पाणे अइवाइत्ता नो मुसं वइत्ता तहारूवं समणं वा माहणं वा वंदित्ता नमंसित्ता जाव पज्जुवासित्ता अन्नयरेणं मणुन्नेणं पीइकारएणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेत्ता एवं खलु जीवा सुभदीहाउयत्ताए कम्मं पकरेंति ४ ॥ सूत्रं २०४ ॥ गाहावइस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स केइ भंडं अवहरेज्जा ? तस्स णं भंते ! तं भंडं अणुगवेसमाणस्स किं आरंभिया किरिया कज्जइ परिग्गहिया किरिया कज्जइ ? मायावत्तिया किरिया कज्जइ ? अपच्चक्खाणिया किरिया कज्जइ ? मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! आरंभिया किरिया कज्जइ परिग्गहिया मायावत्तिया अपच्चक्खाणिया मिच्छादंसणकिरिया सिय कज्जइ सिय नो कज्जइ १ । अह से भंडे अभिसमन्नागए भवति, तओ से पच्छा सव्वाओ ताओ पयणुईभवंति २ । गाहावतिस्स णं भंते ! तं भंडं विक्किणमाणस्स कतिए भंडे सातिज्जेज्जा ?, भंडे य से अणुवणीए सिया, गाहावतिस्स णं भंते ! ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जइ ? कइयस्स वा ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जइ ?, गोयमा ! गाहावइस्स ताओ भंडाओ आरंभिया किरिया कज्जइ जाव अपच्चक्खाणिया मिच्छादंसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ सिय नो कज्जइ, कतियस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुईभवंति ३ । गाहावतिस्स णं भंते ! भंडं विक्किणमाणस्स

जाव भंडे से उवणीए सिया ? कतियस्स णं भंते ! ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जति जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जति ?, गाहावइस्स वा ताओ भंडाओ किं आरंभिया किरिया कज्जति जाव मिच्छादंसणकिरिया कज्जति ?, गोयमा ! कइयस्स ताओ भंडाओ हेट्ठिल्लाओ चत्तारि किरियाओ कज्जंति मिच्छादंसणकिरिया भयणाए गाहावतिस्स णं ताओ सव्वाओ पयणुईभवंति ४ । गाहावतिस्स णं भंते ! भंडं जाव धणे य से अणुवणीए सिया ? एवंपि जहा भंडे उवणीए तहा नेयव्वं, चउत्थो आलावगो, धणे से उवणीए सिया जहा पढमो आलावगो भंडे य से अणुवणीए सिया तहा नेयव्वो, पढमचउत्थाणं एक्को गमो बितियतइयाणं एक्को गमो ५ । अगणिकाए णं भंते ! अहुणो(अहणु)जलिते समाणे महाकम्मतराए चेव महाकिरियतराए चेव महासवतराए चेव महावेदणतराए चेव भवति, अहे णं समए २ ओकसिज्जमाणे २ ओच्छिज्जमाणे २ चरिमकालसमयंसि इंगालभूए मुम्मुरभूते छारियभूए तओ पच्छा अप्पकम्मतराए चेव अप्पकिरियतराए चेव अप्पासवतराए चेव अप्पवेदणतराए चेव भवति ?, हंता गोयमा ! अगणिकाएणं अणु(अहुणो)जलिए समाणे तं चेव ६ ॥ सूत्रं २०५ ॥ पुरिसे णं भंते ! धणुं परामुसइ धणुं परामुसित्ता उसुं परामुसइ २ ठाणं ठाइ ठाणं ठिच्चा आयतकण्णायतं उसुं करेति आययकण्णायतं उसुं करेत्ता उड्ढं वेहासं उसुं उव्विहइ २ ततो णं से उसुं उड्ढं वेहासं उव्विहिए समाणे जाइं तत्थ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणइ वत्तेति लेस्सेति संघाएइ संघट्टेति परितावेइ किलामेइ ठाणाओ ठाणं संकामेइ जीवियाओ ववरोवेइ, तए णं भंते ! से पुरिसे कतिकिरिए ?, गोयमा ! जावं च णं से पुरिसे धणुं परामुसइ २ जाव उव्विहइ तावं च णं से पुरिसे कातियाए जाव पाणातिवायकिरियाए पंचहि किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिं(हिंतो) धणू निव्वत्तिए तेऽवि य णं जीवा काइयाए जाव पंचहिं किरि-

याहिं पुट्ठे, एवं धणुपुट्ठे पंचहिं किरियाहिं, जीवा पंचहिं, सहारू पंचहिं, उसू पंचहिं सरे पत्तणे फले सहारू पंचहिं ॥ सूत्रं २०६ ॥ अहे णं से उसुं अप्पणो गुरुयत्ताए भारियत्ताए गुरुसंभारियत्ताए अहे वीससाए पच्चोवयमाणे जाइं तत्थ पाणाइं जाव जीवियाओ ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे कति-किरिए ?, गोयमा ! जावं च णं से उसुं अप्पणो गुरुययाए जाव ववरोवेइ तावं च णं से पुरिसे काइयाए जाव चउहिं किरियाहिं पुट्ठे, जेसिंपि य णं जीवाणं सरीरेहिं धणू निव्वत्तिए तेवि जीवा चउहिं किरियाहिं, धणुपुट्ठे चउहिं, जीवा चउहिं, सहारू चउहिं, उसू पंचहिं, सरे पत्तणे फले सहारू पंचहिं, जेवि य से जीवा अहे पच्चोवयमाणस्स उवग्गहे चिट्ठंति तेवि य णं जीवा कातियाए जाव पंचहिं किरियाहिं पुट्ठा ॥ सूत्रं २०७ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमातिक्खंति जाव परूवेंति से जहानामए-जुवतिं जुवाणे हत्थेणं हत्थे गेण्हेज्जा चक्कस्स वा नाभी अरगा उत्तासिया एवामेव जाव चत्तारि पंच जोयणसयाइं बहुसमाइन्ने मणुयलोए मणुस्सेहिं, से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जण्णं ते अण्णउत्थिया जाव मणुस्सेहिं जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमातिक्खामि जाव एवामेव चत्तारि पंच जोयणसयाइं बहुसमाइण्णे निरयलोए नेरइएहिं ॥ सूत्रं २०८ ॥ नेरइया णं भंते ! किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए, पुहुत्तं पभू विउव्वित्तए ?, जहा जीवाभिगमे आलावगो तहा नेयव्वो जाव दुरहियासे ॥ सूत्रं २०९ ॥ आहाकम्मं णं अणवज्जेत्ति मणं पहारेत्ता भवति, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा एएणं गमेणं नेयव्वं-कीयगडं ठवियगं रइयगं कंतारभत्तं दुब्भिक्खभत्तं वद्दलियाभत्तं गिलाणभत्तं सेज्जायरपिंडं रायपिंडं १ । आहाकम्मं णं अणवज्जेत्ति बहुजणमज्झे भासित्ता सयमेव परिभुंजित्ता भवति से णं

तस्स णाणस्स जाव अत्थि तस्स आराहणा, एयंपि तह चेव जाव रायपिंडं २। आहाकम्मं णं अणवज्जेत्ति सयं अन्नमन्नस्स अणुप्पदावेत्ता भवति, से णं तस्स एयं तह चेव जाव रायपिंडं ३। आहाकम्मं णं अणवज्जेत्ति बहुजणमज्झे पन्नवतित्ता भवति से णं तस्स जाव अत्थि आराहणा जाव रायपिंडं ४ ॥ सूत्रं २१० ॥ आयरिय-उवज्झाए णं भंते ! सविसयंसि गणं अगिलाए संगिण्हमाणे अगिलाए उवगिण्हमाणे कतिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झति जाव अंतं करेति ?, गोयमा ! अत्थेगतिए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झति अत्थेगतिए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झति तच्चं पुण भवग्गहणं णातिक्कमति ॥ सूत्रं २११ ॥ जे णं भंते ! परं अलिएणं असब्भूतेणं(असंतएणं) अब्भक्खाणेणं अब्भक्खाति तस्स णं कहप्पगारा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! जे णं परं अलिएणं असंतवयणेणं(असंतएणं) अब्भक्खाणेणं अब्भक्खाति तस्स णं तहप्पगारा चेव कम्मा कज्जंति, जत्थेव णं अभिसमागच्छंति तत्थेव णं पडिसंवेदेंति ततो से पच्छा वेदेंति सेवं भंते २ त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं २१२ ॥

॥ इति पञ्चमशतके षष्ठ उद्देशकः ॥ ५-६ ॥

॥ अथ पञ्चमशके एजनाख्य-सप्तमोद्देशकः ॥

परमाणुपोग्गले णं भंते ! एयति वेयति जाव तं तं भावं परिणमति ?, गोयमा ! सिय एयति वेयति जाव परिणमति सिय णो एयति जाव णो परिणमति १। दुपदेसिए णं भंते ! खंधे एयति जाव परिणमइ ?, गोयमा ! सिय एयति जाव परिणमति सिय णो एयति जाव णो परिणमति, सिय देसे एयति देसे नो एयति २। तिप्पएसिए णं भंते ! खंधे एयति जाव परिणमइ ?, गोयमा ! सिय एयति, सिय नो एयति, सिय देसे एयति नो देसो एयति, सिय देसे एयति नो देसा एयंति, सिय देसा एयंति नो

देसे एयति ३। चउप्पएसिए णं भंते ! खंधे एयति जाव परिणमइ ?, गोयमा ! सिय एयति, सिय नो एयति, सिय देसे एयति णो देसे एयति, सिय देसे एयति णो देसा एयंति, सिय देसा एयंति नो देसे एयति, सिय देसा एयंति नो देसा एयंति ४। जहा चउप्पदेसिओ तहा पंचपदेसिओ, तहा जाव अणंतपदेसिओ ५॥ सूत्रं २१३॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा ?, हंता ! ओगाहेज्जा १। से णं भंते ! तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं कमति, एवं जाव असंखेज्जपएसिओ २। अणंतपदेसिए णं भंते ! खंधे असिधारं वा खुरधारं वा ओगाहेज्जा ?, हंता ! ओगाहेज्जा ३। से णं तत्थ छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा ?, गोयमा ! अत्थेगतिए छिज्जेज्ज वा भिज्जेज्ज वा अत्थेगतिए नो छिज्जेज्ज वा नो भिज्जेज्ज वा ४। एवं अगणिकायस्स मज्झंमज्झेणं तहिं णवरं झियाएज्जा भाणितव्वं, एवं पुक्खलसंवट्टगस्स महामेहस्स मज्झंमज्झेणं तहिं उल्ले सिया, एवं गंगाए महाणदीए पडिसोयं हव्वमागच्छेज्जा, तहिं विणिहायमावज्जेज्जा, उदगावत्तं वा उदगबिंदुं वा ओगाहेज्जा से णं तत्थ परियावज्जेज्जा ५॥ सूत्रं २१४॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं सअड्ढे समज्झे सपएसे ? उदाहु अणड्ढे अमज्झे अपएसे ?, गोयमा ! अणड्ढे अमज्झे अपएसे नो सअड्ढे नो समज्झे नो सपएसे १। दुपदेसिए णं भंते ! खंधे किं सअड्ढे समज्झे सपदेसे उदाहु अणड्ढे अमज्झे अपदेसे ?, गोयमा ! सअड्ढे अमज्झे सपदेसे णो अणड्ढे णो समज्झे णो अपदेसे २। तिपदेसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा, गोयमा ! अणड्ढे समज्झे सपदेसे नो सअड्ढे णो अमज्झे णो अपदेसे ३। जहा दुपदेसिओ तहा जे समा ते भाणियव्वा, जे विसमा ते जहा तिपएसिओ तहा भाणियव्वा ४। संखेज्जपदेसिए णं भंते ! खंधे किं सअड्ढे ६ ? पुच्छा, गोयमा ! सिय सअड्ढे अमज्झे सपदेसे सिय अणड्ढे

समज्झे सपदेसे जहा संखेज्जपदेसिओ तहा असंखेज्जपदेसिओऽवि अणंतपदेसिओऽवि ५ ॥ सूत्रं २१५ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! परमाणुपोग्गलं फुसमाणे किं देसेणं देसं फुसइ १ देसेणं देसे फुसइ २ देसेणं सव्वं फुसइ ३ देसेहिं देसं फुसति ४ देसेहिं देसे फुसइ ५ देसेहिं सव्वं फुसइ ६ सव्वेणं देसं फुसति ७ सव्वेणं देसे फुसति ८ सव्वेणं सव्वं फुसइ ९ ?, गोयमा ! णो देसेणं देसं फुसइ, णो देसेणं देसे फुसति, णो देसेणं सव्वं फुसइ, णो देसेहिं देसं फुसति, नो देसेहिं देसे फुसइ, नो देसेहिं सव्वं फुसति, णो सव्वेणं देसं फुसइ, णो सव्वेणं देसे फुसति, सव्वेणं सव्वं फुसइ १ । एवं परमाणुपोग्गले दुपदेसियं फुसमाणे सत्तमणवमेहिं फुसति, परमाणुपोग्गले तिपएसियं फुसमाणे णिप्पच्छिमएहिं तिहिं फुसइ, जहा परमाणुपोग्गले तिपएसियं फुसाविओ एवं फुसावेयव्वो जाव अणंतपएसिओ २ । दुपएसिए णं भंते ! खंधे परमाणुपोग्गलं फुसमाणे पुच्छा, ततियनवमेहिं फुसति, दुपदेसियं फुसमाणो पढमतइयसत्तमणवमेहिं फुसइ, दुपदेसिओ तिपदेसियं फुसमाणो आदिल्लएहि य पच्छिल्लएहि य तिहिं फुसति, मज्झमएहिं तिहिं विपडिसेहेयव्वं, दुपदेसिओ जहा तिपदेसियं फुसाविओ एवं फुसावेयव्वो जाव अणंतपएसियं ३ । तिपएसिए णं भंते ! खंधे परमाणुपोग्गलं फुसमाणे पुच्छा, ततियछट्ठणवमेहिं फुसति, तिपएसिओ दुपएसियं फुसमाणो पढमएणं ततिएणं चउत्थछट्ठसत्तमणवमेहिं फुसति, तिपएसिओ तिपएसियं फुसमाणो सव्वेसुवि ठाणेसु फुसति, जहा तिपएसिओ तिपदेसियं फुसाविओ एवं तिपदेसिओ जाव अणंतपएसिएणं संजोएयव्वो, जहा तिपएसिओ एवं जाव अणंतपएसिओ भाणियव्वो ४ ॥ सूत्रं २१६ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! कालतो केवचिरं होति ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतपएसिओ १ । एगपदेसोगाढे णं भंते ! पोग्गले सेए तम्मि वा ठाणे अन्नंमि वा ठाणे कालओ केवचिरं होइ ?, गोयमा ! जहण्णेणं

एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, एवं जाव असंखेज्जपदेसोगाढे २। एगपदेसोगाढे णं भंते! पोग्गले निरेए कालओ केवचिरं होइ?, गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव असंखेज्जपदेसोगाढे ३। एगगुणकालए णं भंते! पोग्गले कालओ केवचिरं होइ?, गोयमा! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव अणंतगुणकालए, एवं वन्नगंधरसफास० जाव अणंतगुणलुक्खे, एवं सुहुमपरिणए पोग्गले एवं बादरपरिणए पोग्गले ४। सद्दपरिणए णं भंते! पुग्गले कालओ केवचिरं होइ?, गोयमा! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, असद्दपरिणए जहा एगगुणकालए ५। परमाणुपोग्गलस्स णं भंते! अंतरं कालओ केवचिरं होइ?, गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ६। दुप्पएसियस्स णं भंते! खंधस्स अंतरं कालओ केवचिरं होइ?, गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं, एवं जाव अणंतपएसिओ ७। एगपएसोगाढस्स णं भंते! पोग्गलस्स सेयस्स अंतरं कालओ केवचिरं होइ?, गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे ८। एगपएसोगाढस्स णं भंते! पोग्गलस्स निरेयस्स अंतरं कालओ केवचिरं होइ?, गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, एवं जाव असंखेज्जपएसोगाढे ९। वन्नगंधरसफास-सुहुमपरिणय-बायरपरिणयाणं एतेसिं जं चेव संचिट्ठणा तं चेव अंतरंपि भाणियव्वं १०। सद्दपरिणयस्स णं भंते! पोग्गलस्स अंतरं कालओ केवचिरं होइ?, गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं ११। असद्दपरिणयस्स णं भंते! पोग्गलस्स अंतरं कालओ केवचिरं होइ?, गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं १२॥ सूत्रं २१७॥ एयस्स णं भंते!

दव्वट्ठाणाउयस्स खेत्तट्ठाणाउयस्स ओगाहणट्ठाणाउयस्स भावट्ठाणाउयस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवे खेत्तट्ठाणाउए ओगाहणट्ठाणाउए असंखेज्जगुणे दव्वट्ठाणाउए असंखेज्जगुणे भावट्ठाणाउए असंखेज्जगुणे–खेत्तोगाहणदव्वे भावट्ठाणाउयं च अप्पबहुं । खेत्ते सव्वत्थोवे से सा ठाणा असंखेज्जा ॥ १ ॥ सूत्रं २१८ ॥ नेरइया णं भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा उदाहु अणारंभा अपरिग्गहा ?, गोयमा ! नेरइया सारंभा सपरिग्गहा नो अणारंभा णो अपरिग्गहा १ । से केणट्ठेणं जाव अपरिग्गहा ?, गोयमा ! नेरइया णं पुढविकायं समारंभंति जाव तसकायं समारंभंति सरीरा परिग्गहिया भवंति कम्मा परिग्गहिया भवंति सचित्ता-चित्तमीसयाइं दव्वाइं परिग्गहियाइं भवंति, से तेणट्ठेणं तं चेव २ । असुरकुमारा णं भंते ! किं सारंभा ४ ? पुच्छा, गोयमा ! असुरकुमारा सारंभा सपरिग्गहा नो अणारंभा अपरिग्गहा ३ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-असुरकुमारा जाव अपरिग्गहा ?, गोयमा ! असुरकुमारा णं पुढविकायं समारंभंति जाव तसकायं समारंभंति सरीरा परिग्गहिया भवंति कम्मा परिग्ग-हिया भवंति भवणा परिग्गहिया भवंति देवा देवीओ मणुस्सा मणुस्सीओ तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणिणीओ परिग्गहियाओ भवंति आसणसय-णभंडमत्तोवगरणा परिग्गहिया भवंति सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं परिग्ग-हियाइं भवंति से तेणट्ठेणं तहेव एवं जाव थणियकुमारा ४ । एगिंदिया जहा नेरइया ५ । बेइंदिया णं भंते ! किं सारंभा सपरिग्गहा ? तं चेव जाव सरीरा परिग्गहिया भवंति बाहिरिया भंडमत्तोवगरणा परिग्गहिया भवंति सचित्ताचित्तमीसयाइं जाव भवंति एवं जाव चउरिंदिया ६ । पंचें-दियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! तं चेव जाव कम्मा परिग्गहिया भवंति टंका कूडा सेला सिहरी पब्भारा परिग्गहिया भवंति, जलथल बिल गुहा-लेणा परिग्गहिया भवंति, उज्झर-निज्झर-चिल्लल-पल्लल-वप्पिणा परिग्गहिया

भवंति, अगड-तडाग-दह-नदीओ वावि-पुक्खरिणी-दीहिया गुंजालिया सरा सरपंतियाओ सरसरपंतियाओ बिलपंतीयाओ परिग्गहियाओ भवंति, आरामुज्जाणा काणणा वणाइं वणसंडाइं वणराईओ परिग्गहियाओ भवंति, देवउल-सभा-पवा-थूभाखातिय-परिखाओ परिग्गहियाओ भवंति, पागारट्टालगचरियदार-गोपुरा परिग्गहिया भवंति, पासाद-घर-सरणलेण-आवणा परिग्गहिता भवंति, सिंघाडग-तिग-चउक्क-चच्चर-चउम्मुह महापहा परिग्गहिया भवंति, सगड-रह-जाण-जुग्ग-गिल्लि-थिल्ली-सीय-संदमाणियाओ परिग्गहियाओ भवंति लोही-लोह—कडाह—कडुच्छुया परिग्गहिया भवंति, भवणा परिग्गहिया भवंति, देवा देवीओ मणुस्सा मणुस्सीओ तिरिक्खजोणिओ तिरिक्खजोणिणीओ आसण—सयण—खंभ—भंड—सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं परिग्गहियाइं भवंति, से तेणट्ठेणं जाव अपरिग्गहिया ७। जहा तिरिक्खजोणिया तहा मणुस्साणवि भाणियव्वा, वाणमंतरजोतिसवेमाणिया जहा भवणवासी तहा नेयव्वा ८ ॥ सूत्रं २११ ॥ पंच हेऊ पराणत्ता, तंजहा—हेउं जाणइ हेउं पासइ हेउं बुज्झइ हेउं अभिसमागच्छति हेउं छउमत्थमरणं मरइ १। पंचेव हेऊ पराणत्ता, तंजहा—हेउणा जाणइ जाव हेउणा छउमत्थमरणं मरइ २। पंच हेऊ पराणत्ता, तंजहा—हेउं न जाणइ जाव हेउं अन्नाणमरणं मरइ ३। पंच हेऊ पन्नत्ता, तंजहा—हेउणा ण जाणति जाव हेउणा अन्नाण मरणं मरति ४। पंच अहेऊ पराणत्ता, तंजहा—अहेउं जाणइ जाव अहेउं केवलिमरणं मरइ ५। पंच अहेऊ पराणत्ता, तंजहा—अहेउणा जाणइ जाव अहेउणा केवलिमरणं मरइ ६। पंच अहेऊ पराणत्ता, तंजहा—अहेउं न जाणइ जाव अहेउं छउमत्थमरणं मरइ ७। पंच अहेऊ पराणत्ता, तंजहा—अहेउणा न जाणइ जाव अहेउणा छउमत्थमरणं मरइ ८। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरति १ ॥ सूत्रं २२० ॥

॥ इति पञ्चमशतके सप्तम उद्देशकः ॥ ५—७ ॥

॥ अथ पञ्चमशतके निर्ग्रन्थिपुत्राख्याष्टमोद्देशकः ॥

ते णं काले णं २ जाव परिसा पडिगया, तेणं कालेणं २ समणस्स ३ जाव अंतेवासी नारयपुत्ते नामं अणगारे पगतिभद्दए जाव विहरति १। तेणं कालेणं २ समणस्स ३ जाव अंतेवासी नियंठिपुत्ते णामं अणगारे पगतिभद्दए जाव विहरति २। तए णं से नियंठीपुत्ते अणगारे जेणामेव नारयपुत्ते अणगारे तेणेव उवागच्छइ २ नारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी–सव्वा पोग्गला ते अज्जो ! किं सअट्ठा समज्झा सपएसा उदाहु अणट्ठा अमज्झा अपएसा ?, अज्जोत्ति नारयपुत्ते अणगारे नियंठिपुत्तं अणगारं एवं वयासी–सव्वपोग्गला मे अज्जो ! सअट्ठा समज्झा सपदेसा नो अणट्ठा अमज्झा अपएसा ३। तए णं से नियंठिपुत्ते अणगारे नारयपुत्तं अणगारं एवं वदासि–जति णं ते अज्जो ! सव्वपोग्गला सअट्ठा समज्झा सपदेसा नो अणट्ठा अमज्झा अपदेसा, किं दव्वादेसेणं अज्जो ! सव्वपोग्गला सअट्ठा समज्झा सपदेसा नो अणट्ठा अमज्झा अपदेसा ? खेत्तादेसेणं अज्जो ! सव्वपोग्गला सअट्ठा समज्झा सपएसा तहेव चेव, कालादेसेणं तं चेव, भावादेसेणं अज्जो ! तं चेव, तए णं से नारयपुत्ते अणगारे नियंठिपुत्तं अणगारं एवं वदासी–दव्वादेसेणवि मे अज्जो ! सव्वपोग्गला सअट्ठा समज्झा सपदेसा नो अणट्ठा अमज्झा अपदेसा, खेत्ताएसेणवि सव्वे पोग्गला सअट्ठा समज्झा सपदेसा नो अणट्ठा अमज्झा अपदेसा, तह चेव कालादेसेणवि, तं चेव भावादेसेण वि ४। तए णं से नियंठीपुत्ते अणगारे नारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी–जति णं हे अज्जो ! दव्वादेसेणं सव्वपोग्गला सअट्ठा समज्झा सपएसा नो अणट्ठा अमज्झा अपएसा, एवं ते परमाणुपोग्गलेवि सअट्ठे समज्झे सपएसे णो अणट्ठे अमज्झे अपएसे, जति णं अज्जो ! खेत्तादेसेणवि सव्वपोग्गला सअट्ठा समज्झा सपदेसा जाव एवं ते एगपएसोगाढे वि पोग्गले सअट्ठे समज्झे सपएसे, जति णं अज्जो ! काला-

देसेणं सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा, एवं ते एगसमयठितीएवि पोग्गले सअड्ढे ३ तं चेव, जति णं अज्जो ! भावादेसेणं सव्वपोग्गला सअड्ढा समज्झा सपएसा ३, एवं ते एगगुणकालएवि पोग्गले सअड्ढे ३ तं चेव, अह ते एवं न भवति तो जं वयसि दव्वादेसेणवि सव्वपोग्गला सअड्ढा ३ नो अणड्ढा अमज्झा अपदेसा एवं खेत्तादेसेणवि कालादेसेणवि भावादेसेणवि तंन्नं मिच्छा ५ । तए णं से नारयपुत्ते अणगारे नियंठीपुत्तं अणगारं एवं वयासी–नो खलु वयं देवाणुप्पिया ! एयमट्ठं जाणामो पासामो, जति णं देवाणुप्पिया ! नो गिलायंति परिकहित्तए तं इच्छामि णं देवाणुप्पियाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म जाणित्तए ६ । तए णं से नियंठीपुत्ते अणगारे नारयपुत्तं अणगारं एवं वयासी–दव्वादेसेणवि मे अज्जो सव्वे पोग्गला सपदेसावि अपदेसावि अणंता खेत्तादेसेणवि एवं चेव कालादेसेणवि भावादेसेणवि एवं चेव ७ । जे दव्वओ अप्पदेसे से खेत्तओ नियमा अप्पदेसे कालओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे भावओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे ८ । जे खेत्तओ अप्पदेसे से दव्वओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे कालओ भयणाए भावओ भयणाए ९ । जहा खेत्तओ एवं कालओ भावओ १० । जे दव्वओ सपदेसे से खेत्तओ सिय सपदेसे सिय अपदेसे, एवं कालओ भावओवि, जे खेत्तओ सपदेसे से दव्वतो नियमा सपदेसे कालओ भयणाए भावओ भयणाए जाव दव्वओ तहा कालओ भावओवि ११ । एएसि णं भंते ! पोग्गलाणं दव्वादेसेणं खेत्तादेसेणं कालादेसेणं भावादेसेणं सपदेसाण य अपदेसाण य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, नारयपुत्ता ! सव्वत्थोवा पोग्गला भावादेसेणं अपदेसा कालादेसेणं अपदेसा असंखेज्जगुणा दव्वादेसेणं अपदेसा असंखेज्जगुणा खेत्तादेसेणं अपदेसा असंखेज्जगुणा खेत्तादेसेणं चेव सपदेसा असंखेज्जगुणा दव्वादेसेणं सपदेसा विसेसाहिया कालादेसेणं सपदेसा विसेसाहिया भावादेसेणं सपदेसा

विसेसाहिया १२। तए णं से नारयपुत्ते अणगारे नियंठीपुत्तं अणगारं वंदइ नमंसइ नियंठिपुत्तं अणगारं वंदित्ता णमंसित्ता एयमट्ठं सम्मं विणएणं भुज्जो २ खामेति २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ १३ ॥ सूत्रं २२१ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे जाव एवं वयासी–जीवा णं भंते ! किं वड्ढंति हायंति अवट्ठिया ?, गोयमा ! जीवा णो वड्ढंति नो हायंति अवट्ठिया १। नेरइया णं भंते ! किं वड्ढंति हायंति अवट्ठिया ?, गोयमा ! नेरइया वड्ढंतिवि हायंतिवि अवट्ठियावि, जहा नेरइया एवं जाव वेमाणिया २। सिद्धा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिद्धा वड्ढंति नो हायंति अवट्ठियावि ३। जीवा णं भंते ! केवतियं कालं अवट्ठियावि ?, सव्वद्धं ४। नेरइया णं भंते ! केवतियं कालं वड्ढंति ?, गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जतिभागं, एवं हायंति ५। नेरइया णं भंते ! केवतियं कालं अवट्ठिया ?, गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता ६। एवं सत्तसुवि पुढवीसु वड्ढंति हायंति भाणियव्वं, नवरं अवट्ठिएसु इमं नाणत्तं, तंजहा–रयणप्पभाए पुढवीए अडतालीसं मुहुत्ता सक्करप्पभाए चोद्दस रातिंदियाणं वालुयाप्पभाए मासं पंकप्पभाए दो मासा धूमप्पभाए चत्तारि मासा तमाए अट्ठ मासा तमतमाए बारस मासा ७। असुरकुमारावि वड्ढंति हायंति जहा नेरइया, अवट्ठिया जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता एवं दसविहावि ८। एगिंदिया वड्ढंतिवि हायंतिवि अवट्ठियावि, एएहिं तिहिवि जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जतिभागं ९। बेइंदिया वड्ढंति हायंति तहेव, अवट्ठिया जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दो अंतोमुहुत्ता, एवं जाव चउरिंदिया १०। अवसेसा सव्वे वड्ढंति हायंति तहेव, अवट्ठियाणं णाणत्तं इमं, तंजहा–संमुच्छिम-पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणियाणं दो अंतोमुहुत्ता, गब्भवक्कंतियाणं चउव्वीसं मुहुत्ता, संमुच्छिम-मणुस्साणं अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता,

गब्भवक्कंतिय-मणुस्साणं चउव्वीसं मुहुत्ता, वाणमंतर-जोतिस-सोहम्मीसाणेसु अट्ठचत्तालीसं मुहुत्ता, सणंकुमारे अट्ठारस रातिंदियाइं चत्तालीस य मुहुत्ता, माहिंदे चउवीसं रातिंदियाइं वीस य मुहुत्ता, बंभलोए पंचचत्तालीसं रातिंदियाइं लंतए नउति रातिंदियाइं, महासुक्के सट्ठिं रातिंदियसतं, सहस्सारे दो रातिंदियसयाइं आणयपाणयाणं संखेज्जा मासा, आरणच्चुयाणं संखेज्जाइं वासाइं, एवं गेवेज्जदेवाणं विजय-वेजयंत-जयंत-अपराजियाणं असंखिज्जाइं वाससहस्साइं, सव्वट्ठसिद्धे य पलिओवमस्स संखेज्जतिभागो, एवं भाणियव्वं, वड्ढंति हायंति जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जतिभागं, अवट्ठियाणं जं भणियं ११ । सिद्धा णं भंते ! केवतियं कालं वड्ढंति ?, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अट्ठ समया, केवतियं कालं अवट्ठिया ?, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कसमयं उक्कोसेणं छम्मासा १२ । जीवा णं भंते ! किं सोवचया सावचया सोवचय-सावचया निरुवचय-निरवचया ?, गोयमा ! जीवा णो सोवचया नो सावचया णो सोवचय-सावचया निरुवचय-निरवचया १३ । एगिंदिया तितियपए, सेसा जीवा चउहिवि पदेहिवि भाणियव्वा १४ । सिद्धा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! सिद्धा सोवचया णो सावचया णो सोवचय-सावचया निरुवचय-निरवचया १५ । जीवा णं भंते ! केवतियं कालं निरुवचयनिरवचया ?, गोयमा ! सव्वद्धं १६ । नेरतिया णं भंते ! केवतियं कालं सोवचया ?, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जइभागं, केवतियं कालं सावचया ? एवं चेव, केवतियं कालं सोवचय-सावचया ?, एवं चेव, केवतियं कालं निरुवचय-निरवचया ?, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बारसमुहुत्ता १७ । एगिंदिया सव्वे सोवचयसावचया सव्वद्धं सेसा सव्वे सोवचयावि सावचयावि सोवचय-सावचया वि निरुवचय-निरवचया वि जहन्नेणं एगं समयं उक्कोसेणं आवलियाए असंखेज्जतिभागं

अवट्ठिएहिं वक्कंतिकालो भाणियव्वो १८। सिद्धा णं भंते ! केवतियं कालं सोवचया ?, गोयमा ! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अट्ठ समया, केवतियं कालं निरुवचय-निरवचया ?, जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा। सेवं भंते २ त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं २२२ ॥ पंचमसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति पञ्चमशतके अष्टम उद्देशकः ॥ ५-८ ॥

॥ अथ पञ्चमशके राजगृहाख्य-नवमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी–किमिदं भंते ! नगरं रायगिहंति पवुच्चइ ?, किं पुढवी नगरं रायगिहंति पवुच्चइ, आऊ नगरं रायगिहंति पवुच्चइ जाव वणस्सइ ?, जहा एयणुद्देसए पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणियाणं वत्तव्वया तहा भाणियव्वं जाव सचित्ताचित्तमीसयाइं दव्वाइं नगरं रायगिहंति पवुच्चइ ?, गोयमा ! पुढवीवि नगरं रायगिहंति पवुच्चइ जाव सचित्ताचित्तमीसियाइं दव्वाइं नगरं रायगिहंति पवुच्चइ १। से केण-ट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–पुढवी जाव पवुच्चइ गोयमा ! पुढवी जीवातिय अजी-वातिय नगरं रायगिहंति पवुच्चई जाव सचित्ताचित्तमीसियाइं दव्वाइं जीवातिय अजीवातिय नगरं रायगिहंति पवुच्चति से तेणट्ठेणं तं चेव २ ॥ सूत्रं २२३ ॥ से नूणं भंते ! दिया उज्जोए रातिं अंधयारे ?, हंता गोयमा ! दिया जाव अंधयारे १। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–दिया जाव अंधयारे ? गोयमा ! दिया सुभा पोग्गला सुभे पोग्गलपरिणामे रातिं असुभा पोग्गला असुभे पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठेणं जाव अंधयारे २। नेरइया णं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ?, गोयमा ! नेरइयाणं नो उज्जोए अंधयारे ३। से केणट्ठेणं जाव अंधयारे ?, गोयमा ! नेरइया णं असुहा पोग्गला असुभे पोग्गलपरिणामे से तेणट्ठेणं जाव अंधयारे ४। असुरकुमाराणं

भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ?, गोयमा ! असुरकुमाराणं उज्जोए नो अंधयारे ५ । से केणट्ठेणं जाव अंधयारे ?, गोयमा ! असुरकुमाराणं सुभा पोग्गला सुभे पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ जाव अंधयारे ६ । एवं जाव थणियकुमाराणं, पुढविकाइया जाव तेइंदिया जहा नेरइया ७ । चउरिंदियाणं भंते ! किं उज्जोए अंधयारे ?, गोयमा ! उज्जोएवि अंधयारेवि ८ । से केणट्ठेणं जाव अंधयारे ?, गोयमा ! चउरिंदियाणं सुभासुभा पोग्गला सुभासुभे पोग्गलपरिणामे, से तेणट्ठेणं जाव अंधयारे, एवं जाव मणुस्साणं ९ । वाणमंतरजोतिसवेमाणिया जहा असुरकुमारा १० । सूत्रं २२४ ॥ अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं तत्थगयाणं एवं पन्नायति–समयाति वा आवलियाति वा जाव ओसप्पिणीति वा उस्सप्पिणीति वा ? णो तिणट्ठे समट्ठे १ । से केणट्ठेणं जाव समयाति वा आवलियाति वा जाव ओसप्पिणीति वा उस्सप्पिणीति वा ?, गोयमा ! इहं तेसिं माणं इहं तेसिं पमाणं इहं तेसिं पन्नायति, तंजहा–समयाति वा जाव उस्सप्पिणीति वा, से तेणट्ठेणं जाव नो एवं पन्नायए, तंजहा–समयाति वा जाव उस्सप्पिणीति वा २ । एवं जाव पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं ३ । अत्थि णं भंते ! मणुस्साणं इहगयाणं एवं पन्नायति, तंजहा–समयाति वा जाव उस्सप्पिणीति वा ?, हंता ! अत्थि ४ । से केणट्ठेणं जाव अत्थि ? गोयमा इहं तेसिं माणं, इहं तेसिं पमाणं, इह चेव तेसिं एवं पन्नायति, तंजहा–समयाति वा जाव उस्सप्पिणीति वा, से तेणट्ठेणं जाव अत्थि ५ । वाणमंतरजोतिसवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं ६ ॥ सूत्रं २२५ ॥ तेणं कालेणं २ पासावच्चिज्जा ते थेरा भगवंतो जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा एवं वदासी–से नूणं भंते ! असंखेज्जे लोए अणंता रातिंदिया उप्पज्जिंसु वा उप्पज्जंति वा उप्पज्जिस्संति वा ? विगच्छिंसु वा विगच्छंति वा विगच्छिस्संति वा ? परित्ता रातिंदिया

उप्पज्जिंसु वा ३ ?, विगच्छिंसु वा ३ ?, हंता अज्जो ! असंखेज्जे लोए अणंता रातिंदिया तं चेव १। से केणट्ठेणं जाव विगच्छिस्संति वा ?, से नूणं भंते अज्जो ! पासेणं अरहया पुरिसादाणीएणं सासए लोए बुइए अणादीए अणवदग्गे परित्ते परिवुडे हेट्ठा विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उप्पिं विसाले अहे पलियंकसंठिए मज्झे वरवइरविग्गहिते उप्पिं उद्धमुइंगाकारसंठिए, तेसिं च णं सासयंसि लोगंसि अणादियंसि अणवदग्गंसि परित्तंसि परिवुडंसि हेट्ठा विच्छिन्नंसि मज्झे संखित्तंसि उप्पिं विसालंसि अहे पलियंकसंठियंसि मज्झे वरवइरविग्गहियंसि उप्पिं उद्धमुइंगाकारसंठियंसि अणंता जीवघणा उप्पज्जित्ता २ निलीयंति परित्ता जीवघणा उप्पज्जित्ता २ निलीयंति, से नूणं भूए उप्पन्ने विगए परिणए अजीवेहिं लोकति पलोकइ, जे लोकइ से लोए ?, हंता भगवं [भंते] !, से तेणट्ठेणं अज्जो ! एवं वुच्चइ असंखेज्जे तं चेव २। तप्पभितिं च णं ते पासावच्चेज्जा थेरा भगवंतो समणं भगवं महावीरं पच्चभिजाणंति सव्वन्नू सव्वदरिसी [ग्रं० ३०००], तए णं ते थेरा भगवंतो समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति २ एवं वदासि–इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतिए चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं सप्पडिक्कमणं धम्मं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए, अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह, तए णं ते पासावच्चिज्जा थेरा भगवंतो जाव चरिमेहिं उस्सासनिस्सासेहिं सिद्धा जाव सव्वदुक्खप्पहीणा, अत्थेगतिया देवा देवलोएसु उववन्ना ३ ॥ सूत्रं २२६ ॥ कतिविहा णं भंते ! देवलोगा पण्णत्ता ?, गोयमा ! चउव्विहा देवलोगा पण्णत्ता, तंजहा–भवणवासी-वाणमंतर-जोतिसिय-वेमाणियभेदेणं, भवणवासी दसविहा वाणमंतरा अट्ठविहा जोइसिया पंचविहा वेमाणिया दुविहा १। गाहा–किमियं रायगिहंति य उज्जोए अंधयार समए य। पासंतिवासि पुच्छा रातिंदिय देवलोगा य ॥ १ ॥ सेवं भंते !

२ त्ति जाव विहरति २ ॥ सूत्रं २२७ ॥ पंचमे सए नवमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति पञ्चमशतके नवम उद्देशकः ॥ ५--९ ॥

॥ अथ पञ्चमशतके चंपाचंदिमाख्य-दशमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपानामं नयरी जहा पढमिल्लो उद्देसओ तहा नेयव्वो एसोवि, नवरं चंदिमा भाणियव्वा ॥ सूत्रं २२८ ॥ पंचमे सए दसमो उद्देसो समत्तो ॥ पंचमं सयं समत्तं ॥

॥ इति पञ्चमशतके दशम उद्देशकः ॥ ५-१० ॥

॥ इति पञ्चमं शतकम् ॥ ५ ॥

॥ अथ षष्ठशतके वेदनाख्य-प्रथमोद्देशकः ॥

वेयणा १ आहार २ महस्सवे य ३ सपएस ४ तमुए य ५ । भविए ६ साली ७ पुढवी ८ कम्म ९ अन्नउत्थी १० दस छट्ठंमि सए ॥ १ ॥ से नूणं भंते ! जे महावेयणे से महानिज्जरे जे महानिज्जरे से महावेदणे, महावेदणस्स य अप्पवेदणस्स य से सेए जे पसत्थनिज्जराए ?, हंता गोयमा ! जे महावेदणे एवं चेव १ । छट्ठसत्तमासु णं भंते ! पुढवीसु नेरइया महावेयणा ?, हंता महावेयणा २ । ते णं भंते ! समणोहिंतो निग्गंथेहिंतो महानिज्जरतरा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे ३ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जे महावेदणे जाव पसत्थनिज्जराए ?, गोयमा ! से जहानामए--दुवे वत्था सिया, एगे वत्थे कद्दमरागरत्ते एगे वत्थे खंजणरागरत्ते, एएसि णं गोयमा ! दोण्हं वत्थं कयरे वत्थे दुधोयतराए चेव दुवामतराए चेव दुपरिकम्मतराए चेव कयरे वा वत्थे सुधोयतराए चेव सुवामतराए चेव सुपरिकम्मतराए चेव ?, जे वा से वत्थे कद्दमरागरत्ते जे वा से वत्थे

खंजणरागरत्ते ?, भगवं ! तत्थ णं जे से वत्थे कद्दमरागरत्ते से णं वत्थे दुधोयतराए चेव दुवामतराए चेव दुप्परिकम्मतराए चेव ४। एवामेव गोयमा ! नेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं चिक्कणीकयाइं (अ) सिढिलीकयाइं खिलीभूयाइं भवंति संपगाढंपि य णं ते वेदणं वेदेमाणा णो महानिज्जरा णो महापज्जवसाणा भवंति, से जहा वा केइ पुरिसे अहिगरणीं आकोडेमाणे महया २ सद्देणं महया २ घोसेणं महया २ परंपराघाएणं णो संचाएइ तीसे अहिगरणीए केई अहाबायरे पोग्गले परिसाडित्तए एवामेव गोयमा ! नेरइयाणं पावाइं कम्माइं गाढीकयाइं जाव नो महापज्जवसाणाइं भवंति ५। भगवं ! तत्थ जे से वत्थे खंजणरागरत्ते से णं वत्थे सुधोयतराए चेव सुवामतराए चेव सुपरिकम्मतराए चेव, एवामेव गोयमा ! समणाणं निग्गंथाणं अहाबायराइं कम्माइं सिढिलीकयाइं निट्ठियाइं कयाम्मा(डा)इं विप्परिणामियाइं खिप्पामेव विद्धत्थाइं भवंति, जावतियं तावतियं पि णं ते वेदणं वेदेमाणे महानिज्जरा महापज्जवसाणा भवंति, से जहानामए–केइ पुरिसे सुक्कतणहत्थयं जायतेयंसि पक्खिवेज्जा से नूणं गोयमा ! से सुक्के तणहत्थए जायतेयंसि पक्खित्ते समाणे खिप्पामेव मसमसाविज्जति ?, हंता मसमसाविज्जति ६। एवामेव गोयमा ! समणाणं निग्गंथाणं अहाबायराइं कम्माइं जाव महापज्जवसाणा भवंति, से जहानामए केइ पुरिसे तत्तंसि अयकवल्लंसि उदगबिंदू जाव हंता विद्धंसमागच्छइ, एवामेव गोयमा ! समणाणं निग्गंथाणं जाव महापज्जवसाणा भवंति ७। से तेणट्ठेणं जे महावेदणे से महानिज्जरे जाव निज्जराए ८ ॥ सूत्रं २२१ ॥ कतिविहे णं भंते ! करणे पन्नत्ते ?, गोयमा ! चउव्विहे करणे पन्नत्ते, तंजहा–मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे १। णेरइयाणं भंते ! कतिविहे करणे पन्नत्ते ?, गोयमा ! चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे २। पंचिंदियाणं सव्वेसिं चउव्विहे करणे पन्नत्ते ३। एगिंदियाणं

दुविहे–कायकरणे य कम्मकरणे य ४। विगलेंदियाणं ३–वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे ५। नेरइयाणं भंते ! किं करणओ असायं वेयणं वेयंति अकरणओ असायं वेयणं वेदेंति ?, गोयमा ! नेरइयाणं करणओ असायं वेयणं वेयंति नो अकरणओ असायं वेयणं वेयंति ६। से केणट्ठेणं जाव वेयंति ?, गोयमा ! नेरइयाणं चउव्विहे करणे पन्नत्ते, तंजहा–मणकरणे वइकरणे कायकरणे कम्मकरणे, इच्चेएणं चउव्विहेणं असुभेणं करणेणं नेरइया करणओ असायं वेयणं वेयंति नो अकरणओ, से तेणट्ठेणं जाव वेयंति ७। असुरकुमाराणं किं करणओ अकरणओ ?, गोयमा ! करणओ नो अकरणओ, से केणट्ठेणं जाव अकरणओ ?, गोयमा ! असुरकुमाराणं चउव्विहे करणे पन्नत्ते, तंजहा–मणकरणे वयकरणे कायकरणे कम्मकरणे, इच्चेएणं सुभेणं करणेणं असुरकुमारा करणओ सायं वेयणं वेयंति नो अकरणओ, एवं जाव थणियकुमाराणं ८। पुढविकाइयाणं एवामेव पुच्छा, नवरं इच्चेएणं सुभासुभेणं करणेणं पुढविकाइया करणओ वेमायाए वेयणं वेयंति नो अकरणओ, ओरालियसरीरा सव्वे सुभासुभेणं वेमायाए ९। देवा सुभेणं सायं १०॥ सूत्रं २३०॥ जीवा णं भंते ! किं महावेयणा महानिज्जरा १ महावेदणा अप्पनिज्जरा २ अप्पवेदणा महानिज्जरा ३ अप्पवेदणा अप्पनिज्जरा ४ ?, गोयमा ! अत्थेगतिया जीवा महावेदणा महानिज्जरा १ अत्थेगतिया जीवा महावेयणा अप्पनिज्जरा २ अत्थेगतिया जीवा अप्पवेदणा महानिज्जरा ३ अत्थेगतिया जीवा अप्पवेदणा अप्पनिज्जरा ४, १। से केणट्ठेणं जाव अप्पनिज्जरा ?, गोयमा ! पडिमापडिवन्नए अणगारे महावेदणे महानिज्जरे, छट्ठसत्तमासु पुढवीसु नेरइया महावेदणा अप्पनिज्जरा, सेलेसिं पडिवन्नए अणगारे अप्पवेदणे महानिज्जरे, अणुत्तरोववाइया देवा अप्पवेदणा अप्पनिज्जरा, सेवं भंते २ त्ति जाव विहरति २। महवेदणे य वत्थे कद्दमखंजणमए य अहिगरणी।

तणहत्थे य कवल्ले करण महावेदणा जीवा ॥ १ ॥ सूत्रं २३१ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ३ ॥ छट्ठसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥

इति षष्ठशतके प्रथम उद्देसकः ॥ ६--१ ॥

॥ अथ षष्ठशतके आहाराख्य-द्वितीयोद्देशकः ॥

रायगिहं नगरं जाव एवं वयासी–आहारुद्देसो जो पन्नवणाए सो सव्वो निरवसेसो नेयव्वो । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं २३२ ॥ छट्ठे सए बीओ उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति षष्ठशतके द्वितीय उद्देशकः ॥ ६--२ ॥

॥ अथ षष्ठशतके महाश्रवाख्य-तृतीयोद्देशकः ॥

बहुकम्म १ वत्थपोग्गल-पयोगसा-वीससा २ य सादीए ३ । कम्म-ट्ठितीत्थि ४-५ संजय ६ सम्मद्दिट्ठी ७ य सन्नी ८ य ॥ १ ॥ भविए ९ दंसण १० पज्जत्ते ११ भासअ १२ परित्त १३ नाण १४ जोगे १५ य । उवओगाहारग १६-१७ सुहुम १८ चरिम १९ बंधे य अप्पबहुं २० ॥ २ ॥ से नूणं भंते ! महाकम्मस्स महाकिरियस्स महासवस्स महावेदणस्स सव्वओ पोग्गला बज्झंति सव्वओ पोग्गला चिज्जंति सव्वओ पोग्गला उवचिज्जंति सया समियं च णं पोग्गला बज्झंति सया समियं पोग्गला चिज्जंति सया समियं पोग्गला उवचिज्जंति सया समियं च णं तस्स आया दुरूवत्ताए दुवन्नत्ताए दुगंधत्ताए दुरसत्ताए दुफासत्ताए अणिट्ठत्ताए अकंतत्ताए अप्पियत्ताए असुभत्ताए अमणुन्नत्ताए अमणामत्ताए अणिच्छियत्ताए अभिज्झियत्ताए अहत्ताए नो उड्ढत्ताए दुक्खत्ताए नो सुहत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ?, हंता गोयमा ! महाकम्मस्स तं चेव १ । से केण-ट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-महाकम्मस्स जाव परिणमंति ?, गोयमा ! से जहा-

नामए–वत्थस्स अहयस्स वा धोयस्स वा तंतुगयस्स वा आणुपुव्वीए परिभुज्जमाणस्स सव्वओ पोग्गला बज्झंति सव्वओ पोग्गला चिज्जंति जाव परिणमंति से तेणट्ठेणं जाव परिणमंति २। से नूणं भंते ! अप्पासवस्स अप्पकम्मस्स अप्पकिरियस्स अप्पवेदणस्स सव्वओ पोग्गला भिज्जंति सव्वओ पोग्गला छिज्जंति सव्वओ पोग्गला विद्धंसंति सव्वओ पोग्गला परिविद्धंसंति सया समियं पोग्गला भिज्जंति छिज्जंति विद्धस्संति परिविद्धस्संति सया समियं च णं तस्स आया सुरूवत्ताए पसत्थं नेयव्वं जाव सुहुत्ताए नो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमंति ?, हंता गोयमा ! जाव परिणमंति ३। से केणट्ठेणं जाव परिणमंति ?, गोयमा ! से जहानामए–वत्थस्स जल्लियस्स वा पंकियस्स वा मइल्लियस्स वा रइल्लियस्स वा आणुपुव्वीए परिकम्मिज्जमाणस्स सुद्धेणं वारिणा धोवेमाणस्स सव्वओ पोग्गला भिज्जंति जाव परिणमंति, से तेणट्ठेणं जाव परिणमंति ४ ॥ सूत्रं २३३ ॥ वत्थस्स णं भंते ! पोग्गलोवचए किं पयोगसा वीससा ?, गोयमा ! पयोगसावि वीससावि १। जहा णं भंते ! वत्थस्स णं पोग्गलोवचए पयोगसावि वीससावि तहा णं जीवाणं कम्मोवचए किं पयोगसा वीससा ?, गोयमा ! पयोगसा नो वीससा २। से केणट्ठेणं जाव नो वीससा ?, गोयमा ! जीवाणं तिविहे पयोगे पण्णत्ते, तंजहा–मणप्पयोगे वइप्पयोगे कायप्पयोगे इच्चेतेणं तिविहेणं पयोगेणं जीवाणं कम्मोवचए पयोगसा नो वीससा, एवं सव्वेसिं पंचेंदियाणं तिविहे पयोगे भाणियव्वे, पुढविकाइयाणं एगविहेणं पयोगेणं एवं जाव वणस्सइकाइयाणं बिगलिंदियाणं दुविहे पयोगे पण्णत्ते, तंजहा–वइपयोगे य कायप्पयोगे य, इच्चेतेणं दुविहेणं पयोगेणं कम्मोवचए पयोगसा नो वीससा, से एएणट्ठेणं जाव नो वीससा एवं जस्स जो पयोगो जाव वेमाणियाणं ३ ॥ सूत्रं २३४ ॥ वत्थस्स णं भंते ! पोग्गलोवचए किं सादीए सपज-

वसिए १ सादीए अपज्जवसिते २ अणादीए सपज्जवसिते ३ अणादीए अपज्जवसिते ४ ?, गोयमा ! वत्थस्स णं पोग्गलोवचए सादीए सपज्जवसिए नो सादीए अपज्जवसिते नो अणादीए सपज्जवसिते नो अणादीए अपज्जवसिते १। जहा णं भंते ! वत्थस्स पोग्गलोवचए सादीए सपज्जवसिते नो सादीए अपज्जवसिते नो अणादीए सपज्जवसिते नो अणादीए अपज्जवसिते, तहा णं जीवाणं कम्मोवचए पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगतियाणं जीवाणं कम्मोवचए सादीए सपज्जवसिए अत्थेगतियाणं जीवाणं कम्मोवचए अणादीए सपज्जवसिए अत्थेगतियाणं जीवाणं कम्मोवचए अणादीए अपज्जवसिए नो चेव णं जीवाणं कम्मोवचए सादीए अप्पज्जवसिए २। से केणट्ठेणं जाव सादीए अपज्जवसिए ?, गोयमा ! ईरियावहियाबंधयस्स कम्मोवचए सादीए सपज्जवसिए भवसिद्धियस्स कम्मोवचए अणादीए सपज्जवसिए अभवसिद्धियस्स कम्मोवचए अणादीए अपज्जवसिए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चति अत्थेगतियाणं जीवाणं कम्मोवचए सादीए नो चेव णं जीवाणं कम्मोवचए सादीए अपज्जवसिए ३। वत्थे णं भंते ! किं सादीए सपज्जवसिए ?, चउभंगो, गोयमा ! वत्थे सादीए सपज्जवसिए अवसेसा तिन्नि वि पडिसेहेयव्वा ४। जहा णं भंते ! वत्थे सादीए सपज्जवसिए नो सादीए अपज्जवसिए नो आणादीए सपज्जवसिए नो अनादीए अपज्जवसिए तहा णं जीवाणं किं सादीया सपज्जवसिया ? चउभंगो पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगतिया सादीया सपज्जवसिया चत्तारिवि भाणियव्वा ५। से केणट्ठेणं जाव अणादीया अपज्जवसिया ?, गोयमा ! नेरतिया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा गतिरागतिं पडुच्च सादीया सपज्जवसिया, सिद्धि(द्धा)गतिं पडुच्च सादीया अपज्जवसिया, भवसिद्धिया लद्धिं पडुच्च अणादीया सपज्जवसिया, अभवसिद्धिया संसारं पडुच्च अणादीया अपज्जवसिया भवंति, से तेणट्ठेणं जाव अपज्जवसिया ६ ॥ सूत्रं २३५ ॥

कति णं भंते ! कम्मप्पगडीओ पराणत्ताओ ?, गोयमा ! अट्ठ कम्मप्पगडीओ पराणत्ता, तंजहा--णाणावरणिज्जं दरिसणावरणिज्जं जाव अंतराइयं १। नाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवतियं कालं बंधठिती पराणत्ता ?, गोयमा ! जहराणेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ तिन्नि य वाससहस्साइं अबाहा, अबाहूणिया कम्मट्ठिती कम्मनिसेओ २। एवं दरिसणावरणिज्जंपि ३। वेदणिज्जं जहराणेणं दो समया उक्कोसेणं जहा नाणावरणिज्जं ४। मोहणिज्जं जहराणेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्तरि सागरोवमकोडाकोडीओ, सत्त य वाससहस्साणि अबाधा, अबाहूणिया कम्मठिई कम्मनिसेगो ५। आउगं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाणि पुव्वकोडितिभागमब्भहियाणि, (पुव्वकोडिति भागो अबाहा, अबाहूणिया) कम्मट्ठितीकम्मनिसेओ ६। नामगोयाणं जहराणेणं अट्ठ मुहुत्ता उक्कोसेण वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ दोरिण य वाससहस्साणि अबाहा, अबाहूणिया कम्मट्ठिती कम्मनिसेओ ७। अंतरातियं जहा नाणावरणिज्जं ८॥ सूत्रं २३६ ॥ नाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं इत्थी बंधइ पुरिसो बंधइ नपुंसओ बंधइ ? णोइत्थी नोपुरिसो नोनपुंसओ बंधइ ?, गोयमा ! इत्थीवि बंधइ पुरिसोवि बंधइ नपुंसओवि बंधइ, नोइत्थी नोपुरिसो नोनपुंसओ सिय बंधइ सिय नो बंधइ एवं आउगवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ १। आउगे णं भंते ! कम्मं किं इत्थी बंधइ पुरिसो बंधइ नपुंसओ बंधइ ? पुच्छा, गोयमा ! इत्थी सिय बंधइ सिय नो बंधइ, एवं तिन्निवि भाणियव्वा, नोइत्थी नोपुरिसो नोनपुंसओ न बंधइ २। णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं संजए बंधइ असंजए-बंधइ ? एवं संजयासंजए बंधइ ? नोसंजयनोअसंजएनोसंजयासंजए बंधति ?, गोयमा ! संजए सिय बंधति सिय नो बंधति, असंजए बंधइ संजयासंजएवि बंधइ, नोसंजएनोअसंजएनोसंजयासंजए न बंधति, एवं आउगवज्जाओ

सत्तवि, आउगे हेट्ठिल्ला तिन्नि भयणाए उवरिल्ले ण बंधइ ३। णाणावरणिज्जं णं भंते ! कम्मं किं सम्मदिट्ठी बंधइ मिच्छदिट्ठी बंधइ सम्मामिच्छदिट्ठी बंधइ ?, गोयमा ! सम्मदिट्ठी सिय बंधइ सिया नो बंधइ, मिच्छदिट्ठी बंधइ सम्मामिच्छदिट्ठी बंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्तवि, आऊए हेट्ठिल्ला दो भयणाए सम्मामिच्छदिट्ठी न बंधइ ४। णाणावरणिज्जं किं सण्णी बंधइ असन्नी बंधइ नोसण्णीनोअसण्णी बंधइ ?, गोयमा ! सन्नी सिय बंधइ सिय नो बंधइ, असन्नी बंधइ नोसन्नीनोअसन्नी न बंधइ, एवं वेदणिज्जाउगवज्जाओ छ कम्मप्पगडीओ, वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला दो बंधंति, उवरिल्ले भयणाए, आउगं हेट्ठिल्ला दो भयणाए, उवरिल्लो न बंधइ ५। णाणावरणिज्जं कम्मं किं भवसिद्धीए बंधइ अभवसिद्धीए बंधइ नोभवसिद्धीएनोअभवसिद्धीए बंधति ?, गोयमा ! भवसिद्धीए भयणाए अभवसिद्धीए बंधति नोभवसिद्धीएनोअभवसिद्धीए न बंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्तवि, आउगं हेट्ठिल्ला दो भयणाए उवरिल्लो न बंधइ ६। णाणावरणिज्जं किं चक्खुदंसणी बंधति अचक्खुदंसणी ओहिदंसणी केवलदंसणी ?, गोयमा ! हेट्ठिल्ला तिन्नि भयणाए उवरिल्ले ण बंधइ, एवं वेदणिज्जवज्जाओ सत्तवि, वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला तिन्नि बंधंति केवलदंसणी भयणाए ७। णाणावरणिज्जं कम्मं किं पज्जत्तओ बंधइ अपज्जत्तओ बंधइ नोपज्जत्तएनोअपज्जत्तए बंधइ ?, गोयमा ! पज्जत्तए भयणाए, अपज्जत्तए बंधइ, नोपज्जत्तएनोअपज्जत्तए न बंधइ, एवं आउगवज्जाओ, आउगं हेट्ठिल्ला दो भयणाए उवरिल्ले ण बंधइ ८। नाणावरणिज्जं किं भासाए बंधइ अभासए० ?, गोयमा ! दोवि भयणाए, एवं वेदणियवज्जाओ सत्त, वेदणिज्जं भासए बंधइ अभासए भयणाए ९। णाणावरणिज्जं किं परित्ते बंधइ अपरित्ते बंधइ नोपरित्तेनोअपरित्ते बंधइ ?, गोयमा ! परित्ते भयणाए अपरित्ते बंधइ नोपरित्तेनोअपरित्ते न बंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्त कम्मप्पगडीओ, आउए परित्तोवि अपरित्तोवि भयणाए, नोपरित्तो-

नोअपरित्तो न बंधइ १०। णाणावरणिज्जं कम्मं किं आभिणिबोहियनाणी बंधइ सुयनाणी ओहिनाणी मणपज्जवनाणी केवलनाणी बंधइ ?, गोयमा ! हेट्ठिल्ला चत्तारि भयणाए केवलनाणी न बंधइ, एवं वेदणिज्जवज्जाओ सत्तवि वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला चत्तारि बंधंति केवलनाणी भयणाए ११। णाणावरणिज्जं किं मतिअन्नाणी बंधइ सुयअन्नाणी बंधइ ? विभंगनाणी बंधइ ?, गोयमा ! (सव्वेवि) आउगवज्जाओ सत्तवि बंधंति, आउगं भयणाए १२। णाणावरणिज्जं किं मणजोगी बंधइ वयजोगी बंधइ कायजोगी बंधइ अजोगी बंधइ ? गोयमा ! हेट्ठिल्ला तिन्नि भयणाए अजोगी न बंधइ, एवं वेदणिज्जवज्जाओ, वेदणिज्जं हेट्ठिल्ला बंधंति अजोगी न बंधइ १३। णाणावरणिज्जं किं सागारोवउत्ते बंधइ अणागारोवउत्ते बंधइ ?, गोयमा ! अट्ठसुवि भयणाए १४। णाणावरणिज्जं किं आहारए बंधइ अणाहारए बंधइ ?, गोयमा ! दोवि भयणाए, एवं वेदणिज्जाआउगवज्जाणं छण्हं, वेदणिज्जं आहारए बंधंति अणाहारए भयणाए, आउए आहारए भयणाए, अणाहारए न बंधंति १५। णाणावरणिज्जं किं सुहुमे बंधइ बायरे बंधइ नोसुहुमेनोबादरे बंधइ ?, गोयमा ! सुहुमे बंधइ बायरे भयणाए नोसुहुमेनोबादरे न बंधइ, एवं आउगवज्जाओ सत्तवि, आउए सुहुमे बायरे भयणाए नोसुहुमेनोबायरे ण बंधइ १६। णाणावरणिज्जं किं चरिमे अचरिमे बंधइ ?, गोयमा ! अट्ठवि भयणाए १७॥ सूत्रं २३७॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं इत्थिवेदगाणं पुरिसवेदगाणं नपुंसगवेदगाणं अवेयगाण य कयरे २ अप्पा वा ४ ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पुरिसवेदगा इत्थिवेदगा संखेज्जगुणा अवेदगा अणंतगुणा नपुंसगवेदगा अणंतगुणा १। एएसिं सव्वेसिं पदाणं अप्पबहुगाइं उच्चारेयव्वाइं जाव सव्वत्थोवा जीवा अचरिमा चरिमा अणंतगुणा २। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ३॥ सूत्रं २३८॥ छट्ठसए तइओ उद्देसो समत्तो॥

॥ इति षष्ठशतके तृतीय उद्देशकः ॥ ६--३ ॥

॥ अथ षष्ठशतके प्रदेशाख्य-चतुर्थोद्देशकः ॥

जीवे णं भंते ! कालाएसेणं किं सपदेसे अपदेसे ?, गोयमा ! नियमा सपदेसे १ । नेरतिए णं भंते ! कालादेसेणं किं सपदेसे अपदेसे ?, गोयमा ! सिय सपदेसे सिय अपदेसे, एवं जाव सिद्धे २ । जीवा णं भंते ! कालादेसेणं किं सपदेसा अपदेसा ?, गोयमा ! नियमा सपदेसा ३ । नेरइया णं भंते ! कालादेसेणं किं सपदेसा अपदेसा ?, गोयमा ! सव्वेसि ताव होज्जा सपदेसा १ अहवा सपएसा य अपदेसे य २ अहवा सपदेसा य अपदेसा य ३, एवं जाव थणियकुमारा ४ । पुढविकाइया णं भंते ! किं सपदेसा अपदेसा ?, गोयमा ! सपदेसावि अपदेसावि, एवं जाव वणप्फइकाइया, सेसा जहा नेरइया तहा जाव सिद्धा ५ । आहारगाणं जीवेगेंदियवज्जो तियभंगो, अणाहारगाणं जीवेगिंदियवज्जा छब्भंगा एवं भाणियव्वा—सपदेसा वा १ अपएसा वा २ अहवा सपदेसे य अप्पदेसे य ३ अहवा सपदेसे य अपदेसा य ४ अहवा सपदेसा य अपदेसे य ५ अहवा सपदेसा य अपदेसा य ६, सिद्धेहिं तियभंगो, भवसिद्धिया अभवसिद्धिया जहा ओहिया, नो भवसिद्धियनोअभवसिद्धिया जीवसिद्धेहिं तियभंगो, सण्णीहिं जीवादिओ तियभंगो, असण्णीहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो, नेरइयदेवमणुएहिं छब्भंगो, नोसन्निनोअसन्निजीवमणुयसिद्धेहिं तियभंगो, सलेसा जहा ओहिया ६ । कण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा जहा आहारओ नवरं जस्स अत्थि एयाओ, तेउलेस्साए जीवादिओ तियभंगो, नवरं पुढविकाइएसु आउवणप्फतीसु छब्भंगा, पम्हलेससुक्कलेस्साए जीवादिओहिओ तियभंगो, अलेसीहिं जीवसिद्धेहिं तियभंगो मणुस्से छभंगा ७ । सम्मद्दिट्ठिहि जीवाइतियभंगो, विगलिंदिएसु छब्भंगा, मिच्छदिट्ठिहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो सम्मामिच्छदिट्ठिहिं छब्भंगा ८ । संजएहिं जीवाइओ तियभंगो, असंजएहिं एगिंदियवज्जो तियभंगो, संजयासंजएहिं तियभंगो जीवादिओ, नोसंजयनोअसंजयनोसंजया-

संजय-जीवसिद्धेहिं तियभंगो १। सकसाईहिं जीवादिओ तियभंगो, एगिंदिएसु अभंगकं, कोहकसाईहिं जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, देवेहिं छब्भंगा, माणकसाईमायाकसाई जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, नेरतियदेवेहिं छब्भंगा, लोभकसाईहिं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, नेरतिएसु छब्भंगा, अकसाईजीवमणुएहिं सिद्धेहिं तियभंगो १०। ओहियनाणे आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे जीवादिओ तियभंगो विगलिंदिएहिं छब्भंगा, ओहिनाणे मणपज्जवनाणे केवलनाणे जीवादिओ तियभंगो, ओहिए अन्नाणे मतिअण्णाणे सुयअण्णाणे एगिंदियवज्जो तियभंगो, विभंगनाणे जीवादिओ तियभंगो, सजोगी जहा ओहिओ ११। मणजोगी वयजोगी कायजोगी जीवादिओ तियभंगो नवरं कायजोगी एगिंदिया तेसु अभंगकं, अजोगी जहा अलेसा, सागारोवउत्ते अणागारोवउत्ते जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो सवेयगा य जहा सकसाई १२। इत्थिवेयगपुरिसवेयगनपुंसगवेयगेसु जीवादिओ तियभंगो, *नवरं नपुंसगवेदे एगिंदिएसु, अभंगयं, अवेयगा जहा अकसाई १३।* ससरीरी जहा ओहिओ, ओरालियवेउव्वियसरीराणं जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, आहारगसरीरे जीवमणुएसु छब्भंगा, तेयगकम्मगाणं जहा ओहिया, असरीरेहिं जीवसिद्धेहिं तियभंगो १४। आहारपज्जत्तीए सरीरपज्जत्तीए इंदियपज्जत्तीए आणापाणुपज्जत्तीए जीवएगिंदियवज्जो तियभंगो, भासमणपज्जत्तीए जहा सण्णी, आहारअपज्जत्तीए जहा अणाहारगा, सरीरअपज्जत्तीए इंदियअपज्जत्तीए आणापाणअपज्जत्तीए जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, नेरइयदेवमणुएहिं छब्भंगा, भासामणअपज्जत्तीए जीवादिओ तियभंगो, णेरइयदेवमणुएहिं छब्भंगा १५। गाहा—सपदेसा आहारभवियसन्निलेस्सा दिट्ठी संजयकसाए। णाणे जोगुवओगे वेदे य सरीरपज्जत्ती ॥ १ ॥

॥ सूत्रं २३९ ॥ जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी ?, गोयमा ! पच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि पच्चक्खाणापच्चक्खाणीवि

१ । सव्वजीवाणं एवं पुच्छा, गोयमा ! नेरइया अपच्चक्खाणी जाव चउरिंदिया, सेसा दो पडिसेहेयव्वा, पंचेंदियतिरिक्खजोणिया नो पच्चक्खाणी अपच्चक्खाणीवि पच्चक्खाणापच्चक्खाणीवि, मणुस्सा तिन्निवि, सेसा जहा नेरतिया २ । जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणं जाणंति अपच्चक्खाणं जाणंति पच्चक्खाणापच्चक्खाणं जाणंति ?, गोयमा ! जे पंचेंदिया ते तिन्निवि जाणंति अवसेसा पच्चक्खाणं न जाणंति ३, ३ । जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणं कुव्वंति अपच्चक्खाणं कुव्वंति पच्चक्खाणापच्चक्खाणं कुव्वंति ?, जहा ओहिया तहा कुव्वणा ४ । जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणनिव्वत्तियाउया अपच्चक्खाणनिव्वत्तियाउया पच्चक्खाणापच्चक्खाणनिव्वत्तियाउया ?, गोयमा ! जीवा य वेमाणिया य पच्चक्खाणनिव्वत्तियाउया तिन्निवि, अवसेसा अपच्चक्खाणनिव्वत्तियाउया ५ । पच्चक्खाणं १ जाणइ २ कुव्वति ३ तिन्नेव आउनिव्वत्ती ४ । सपदेसुद्देसंमि य एमेए दंडगा चउरो ॥ १ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं २४० ॥ छट्ठे सए चउत्थो उद्देसो ॥

॥ इति षष्ठशतके चतुर्थ उद्देशकः ॥ ६--४ ॥

॥ अथ षष्ठशतके तमस्कायाख्य पञ्चमोद्देशकः ॥

किमियं भंते ! तमुकाएत्ति पवुच्चइ ? किं पुढवी तमुकाएत्ति पवुच्चति ? आऊ तमुकाएत्ति पवुच्चति ? गोयमा ! नो पुढवी तमुकाएत्ति पवुच्चति आऊ तमुकाएत्ति पवुच्चति १ । से केणट्ठेणं जाव पवुच्चति ?, गोयमा ! पुढविकाए णं अत्थेगतिए सुभे देसं पकासेति अत्थेगइए देसं नो पकासेइ, से तेणट्ठेणं जाव पवुच्चति २ । तमुकाए णं भंते ! कहिं समुट्ठिए ? कहिं संनिट्ठिए ?, गोयमा ! जंबुद्दीवस्स २ बहिया तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे वीईवतित्ता अरुणवरस्स दीवस्स बाहिरिल्लाओ वेतियन्ताओ अरुणोदयं समुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साणि ओगाहित्ता उवरिल्लाओ जलंताओ

एक्कपदेसियाए सेढीए इत्थ णं तमुक्काए समुट्ठिए, सत्तरस एक्कवीसे जोयणसए उड्ढं उप्पइत्ता तओ पच्छा तिरियं पवित्थरमाणे २ सोहम्मीसाणसणंकुमार-माहिंदे चत्तारिवि कप्पे आवरित्ताणं उड्ढंपि य णं जाव बंभलोगे कप्पे रिट्ठविमाणपत्थडं संपत्ते एत्थ णं तमुक्काए णं संनिट्ठिए ३। तमुक्काए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ?, गोयमा ! अहे मल्लगमूलसंठिए उप्पिं कुक्कडग-पंजरगसंठिए पण्णत्ते ४। तमुक्काए णं भंते ! केवतियं विक्खंभेणं केवतियं परिक्खेवेणं पण्णत्ते ?, गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडे य, तत्थ णं जे से संखेज्जवित्थडे से णं संखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं पन्नताइं, तत्थ णं जे से असंखिज्जवित्थडे से णं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं पण्णत्ताइं ५। तमुक्काए णं भंते ! केमहालए पण्णत्ते ?, गोयमा ! अयं णं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतराए जाव परिक्खेवेणं पण्णत्ते ६। देवे णं महिड्ढीए जाव महाणुभावे इणामेव २ त्तिकट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ तिहिं अच्छरानिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छिज्जा से णं देवे ताए उक्किट्ठाए तुरियाए जाव देवगईए वीई-वयमाणे २ जाव एकाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं छम्मासे वीतीवएज्जा अत्थेगतियं तमुक्कायं वीतीवएज्जा अत्थेगतियं नो तमुक्कायं वीतीवएज्जा, एमहालए णं गोयमा ! तमुक्काए पन्नत्ते ७। अत्थि णं भंते ! तमुक्काए गेहाति वा गेहावणाति वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे ८। अत्थि णं भंते !, तमुक्काए गामाति वा जाव संनिवेसाति वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे ९। अत्थि णं भंते ! तमुक्काए ओराला बलाहया संसेयंति संमुच्छंति संवासंति वा ?, हंता अत्थि १०। तं भंते ! किं देवो पकरेति असुरो पकरेति नागो पकरेति ?, गोयमा ! देवोवि पकरेति असुरोवि पकरेति

णागोवि पकरेंति ११। अत्थि णं भंते ! तमुकाए बादरे थणियसद्दे बायरे विज्जुए ?, हंता अत्थि १२। तं भंते ! किं देवो पकरेति ३ ?, तिन्निवि पकरेंति ? अत्थि णं भंते ! तमुकाए बायरे पुढविकाए बादरे अगणिकाए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे णण्णत्थ विग्गहगति-समावन्नएणं १३। अत्थि णं भंते ! तमुकाए चेदिमसूरिय-गहगण-णक्खत्त-तारारूवा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे पलियस्सतो पुण अत्थि १४। अत्थि णं भंते ! तमुकाए चंदाभाति वा सूराभाति वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, कादूसणिया पुण सा १५। तमुकाए णं भंते ! केरिसए वन्नेणं पण्णत्ते ?, गोयमा ! काले कालावभासे गंभीरलोम-हरिसजणणे भीमे उत्तासणाए परमकिण्हे वन्नेणं पण्णत्ते, देवेवि णं अत्थेगतिए जे णं तप्पढमयाए पासित्ता णं खुभाएज्जा अहे णं अभिसमागच्छेज्जा तओ पच्छा सीहं २ तुरियं २ खिप्पामेव वीतीवएज्जा १६। तमुकायस्स णं भंते ! कति नामधेज्जा पण्णत्ता ?, गोयमा ! तेरस नामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा—तमेति वा तमुकाएति वा अंधकारेइ वा महांधकारेइ वा लोगंधकारेइ वा लोगतमिस्सेइ वा देवंधकारेति वा देवतमिस्सेति वा देवरन्नेति वा देववूहेति वा देवफलिहेति वा देवपडिक्खोभेति वा अरुणोदएति वा समुद्दे १७। तमुकाए णं भंते ! किं पुढवीपरिणामे आउपरिणामे जीवपरिणामे पोग्गलपरिणामे ?, गोयमा ! नो पुढवीपरिणामे आउपरिणामेवि जीवपरिणामेवि पोग्गलपरिणामेवि १८। तमुकाए णं भंते ! सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता पुढविकाइयत्ताए जाव तसकाइयत्ताए उववन्नपुव्वा ?, हंता गोयमा ! असतिं अदुवा अणंतखुत्तो णो चेव णं बादर-पुढविकाइयत्ताए बादर-अगणिकाइयत्ताए वा १९॥ सूत्रं २४१॥

कति णं भंते ! कप्पहराईओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा अट्ठ कप्पहराईओ पण्णत्ताओ १। कहि णं भंते ! एयाओ अट्ठ कप्पहराईओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! उप्पिं सणंकुमार-माहिंदाणं

कप्पाणं हिट्ठं बंभलोए कप्पे रिट्ठे विमाणे पत्थडे, एत्थ णं अक्खाडग-समचउरंस-संठाणसंठियाओ अट्ठ कण्हरातीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–पुरच्छिमेणं दो पच्चत्थिमेणं दो दाहिणेणं दो उत्तरेणं दो, पुरच्छिमब्भंतरा कण्हराई दाहिणं बाहिरं कण्हरातिं पुट्ठा, दाहिणब्भंतरा कण्हराती पच्चत्थिमबाहिरं कण्हराइं पुट्ठा, पच्चत्थिमब्भंतरा कण्हराई उत्तरबाहिरं कण्हरातिं पुट्ठा, उत्तरब्भंतरा कण्हराती पुरच्छिमबाहिरं कण्हरातिं पुट्ठा, दो पुरच्छिमपच्चत्थिमाओ बाहिराओ कण्हरातीओ छलंसाओ दो उत्तरदाहिणबाहिराओ कण्हरातीओ तंसाओ दो पुरच्छिमपच्चत्थिमाओ अब्भितराओ कण्हरातीओ चउरंसाओ दो उत्तरदाहिणाओ अब्भितराओ कण्हरातीओ चउरंसाओ २। 'पुव्वावरा छलंसा तंसा पुण दाहिणुत्तरा बज्झा। अब्भंतर चउरंसा सव्वावि य कण्हरातीओ ॥ १ ॥' कण्हराईओ णं भंते ! केवतियं आयामेणं केवतियं विक्खंभेणं केवतियं परिक्खेवेणं पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं आयामेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं विक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं पण्णत्ताओ ३। कण्हरातीओ णं भंते ! केमहालियाओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! अयण्णं जंबुद्दीवे २ जाव अद्धमासं वीतीवएज्जा अत्थेगतियं कण्हरातीं वीतीवएज्जा अत्थेगइयं कण्हरातीं णो वीतीवएज्जा, एमहालियाओ णं गोयमा ! कण्हरातीओ पण्णत्ताओ। अत्थि णं भंते ! कण्हरातीसु गेहाति वा गेहावणाति वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे ४। अत्थि णं भंते ! कण्हरातीसु गामाति वा गामावणाति वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे ५। अत्थि णं भंते ! कण्हरातीसु ओराला बलाहया संमुच्छंति ३ ?, हंता अत्थि ६। तं भंते ! किं देवो पकरेति ३ ?, गोयमा ! देवो पकरेति नो असुरो नो नागो य। अत्थि णं भंते ! कण्हराईसु बादरे थणियसद्दे ? जहा ओराला तहा ७। अत्थि णं भंते !

कणहराईए बादरे आउकाए बादरे अगणिकाए बायरे वणप्फइकाए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ विग्गहगति-समावन्नएणं ८। अत्थि णं भंते ! तमुकाए चंदिमसूरियगहगण-णक्खत्त-तारारूवा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे ९। अत्थि णं कणह० चंदाभाति वा २ ?, णो तिणट्ठे समट्ठे १०। कणहरातीओ णं भंते ! केरिसियाओ वन्नेणं पन्नत्ताओ ?, गोयमा ! कालाओ जाव खिप्पामेव वीतीवएज्जा ११। कणहरातीओ णं भंते ! कति नामधेज्जा पण्णत्ता ? गोयमा ! अट्ठनामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा—कणहरातित्ति वा मेहरातीति वा मघा(घे)ति वा माघवतीति वा वायफलिहेति वा वायपलिक्खोभेइ वा देवफलिहेइ वा देवपलिक्खोभेति वा १२। कणहरातीओ णं भंते ! किं पुढविपरिणामाओ आउपरिणामाओ जीवपरिणामाओ पुग्गलपरिणामाओ ?, गोयमा ! पुढवीपरिणामाओ नो आउपरिणामाओ जीवपरिणामाओ वि पुग्गलपरिणामाओ वि १३। कणहरातीसु णं भंते ! सव्वे पाणा भूया जीवा सत्ता उववन्नपुव्वा ?, हंता गोयमा ! असइंअदुवा अणंतखुत्तो नो चेव णं बादर आउकाइयत्ताए बादरअगणिकाइयत्ताए वा बादरवणप्फतिकाइयत्ताए वा १४ ॥ सूत्रं २४२ ॥ एतेसि णं अट्ठण्हं कणहराईणं अट्ठसु उवासंतरेसु अट्ठ लोगंतियविमाणा पण्णत्ता, तंजहा—१ अची २ अचिमाली ३ वइरोयणे ४ पभंकरे ५ चंदाभे ६ सूराभे ७ सुक्काभे ८ सुपतिट्ठाभे मज्झे ९ रिट्ठाभे १। कहि णं भंते ! अचीविमाणे पण्णत्ते ?, गोयमा ! उत्तरपुरच्छिमेणं २। कहि णं भंते ! अचिमालीविमाणे पण्णत्ते ?, गोयमा ! पुरच्छिमेणं, एवं परिवाडीए नेयव्वं जाव कहि णं भंते ! रिट्ठे विमाणे पण्णत्ते ?, गोयमा ! बहुमज्झदेसभागे ३। एएसु णं अट्ठसु लोगंतियविमाणेसु अट्ठविहा लोगंतियदेवा परिवसंति, तंजहा—सारस्सय-माइच्चा वण्ही वरुणा य गद्दतोया य। तुसिया अव्वाबाहा अग्गिच्चा चेव रिट्ठा य ॥ १ ॥ कहि णं भंते ! सारस्सया देवा परिवसंति ?, गोयमा !

अच्चिविमाणे परिवसंति ४। कहि णं भंते ! आदिचा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! अच्चिमालिविमाणे परिवसंति ५। एवं नेयव्वं जहाणुपुव्वीए जाव कहि णं भंते ! रिट्ठा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! रिट्ठविमाणे ६। सारस्सयमाइच्चाणं भंते ! देवाणं कति देवा कति देवसया पण्णत्ता ?, गोयमा ! सत्त देवा सत्त देवसया परिवारो पण्णत्तो, वण्हीवरुणाणं देवाणं चउद्दस देवा चउद्दस देवसहस्सा परिवारो पण्णत्तो, गद्दतोयतुसियाणं देवाणं सत्त देवा सत्त देवसहस्सा पण्णत्ता, अवसेसाणं नव देवा नव देवसया पण्णत्ता—'पढमजुगलम्मि सत्त उ सयाणि बीयंमि चोद्दससहस्सा। तइए सत्तसहस्सा नव चेव सयाणि सेसेसु ॥ १ ॥' लोगंतिगविमाणा णं भंते ! किंपतिट्ठिया पण्णत्ता ?, गोयमा ! वाउपइट्ठिया (तदुभयपतिट्ठिया) पण्णत्ता, एवं नेयव्वं ७। 'विमाणाणं पतिट्ठाणं बाहल्लुच्चत्तमेव संठाणं।' बंभलोयवत्तव्वया नेयव्वा [जहा जीवाभिगमे देवुद्देसए] जाव हंता गोयमा ! असतिं अदुवा अणंतखुत्तो। नो चेव णं देवित्ताए ८। लोगंतियविमाणेसु णं भंते ! केवतियं कालं ठिती पण्णत्ता ?, गोयमा ! अट्ठ सागरोवमाइं ठिती पण्णत्ता ९। लोगंतियविमाणेहिंतो णं भंते ! केवतियं अबाहाए लोगंते पण्णत्ते ?, गोयमा ! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं अबाहाए लोगंते पण्णत्ते १०। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ११ ॥ सूत्रं २४३ ॥

॥ इति षष्ठशतके पञ्चम उद्देशकः ॥ ६–५ ॥

॥ अथ षष्ठशतके भव्याख्य-षष्ठोद्देशकः ॥

कति णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—रयणप्पभा जाव तमतमा, रयणप्पभादीणं आवासा भाणियव्वा जाव अहेसत्तमाए, एवं जे जत्तिया आवासा ते भाणियव्वा

जाव कति णं भंते ! अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता ?, गोयमा ! पंच अणुत्तरविमाणा पण्णत्ता, तंजहा–विजए जाव सव्वट्ठसिद्धे ॥ सूत्रं २४४ ॥ जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे भविए इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि निरयावासंसि नेरइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! तत्थगते चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा ?, गोयमा ! अत्थेगतिए तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्ज वा, अत्थेगतिए तओ पडिनियत्तति, ततो पडिनियत्तित्ता इहमागच्छति २ दोच्चंपि मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणइ २ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि निरयावासंसि नेरइयत्ताए उववज्जित्तए, ततो पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा एवं जाव अहेसत्तमा पुढवी १ । जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए चउसट्ठीए असुरकुमारावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि असुरकुमारावासंसि असुरकुमारत्ताए उववज्जित्तए जहा नेरइया तहा भाणियव्वा जाव थणियकुमारा २ । जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ जे भविए असंखेज्जेसु पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं केवतियं गच्छेज्जा केवतियं पाउणेज्जा ?, गोयमा ! लोयंतं गच्छेज्जा लोयंतं पाउणिज्जा, से णं भंते ! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा ?, गोयमा ! अत्थेगतिए तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्ज अत्थेगतिए तओ पडिनियत्तति २ त्ता इह हव्वमागच्छइ २ त्ता दोच्चंपि मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणति २ त्ता मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं अंगुलस्स असंखेज्जभागमेत्तं वा संखेज्जतिभागमेत्तं वा वालग्गं वा वालग्गपुहुत्तं वा एवं लिक्खं जूयं जवं अंगुलं जाव जोयणकोडिं वा

जोयणकोडाकोडिं वा संखेज्जेसु वा असंखेज्जेसु वा जोयणसहस्सेसु लोगंते वा एगपदेसियं सेढिं मोत्तूण असंखेज्जेसु पुढविकाइयावाससयसहस्सेसु अन्नयरंसि पुढविकाइयावासंसि पुढविकाइयत्ताए उववज्जेत्ता तओ पच्छा आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा, जहा पुरच्छिमेणं मंदरस्स पव्वयस्स आलावओ भणिओ एवं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं उड्ढे अहे, जहा पुढविकाइया तहा एगिंदियाणं सव्वेसिं, एक्केक्कस्स छ आलावया भाणियव्वा ३। जीवे णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहए २ त्ता जे भविए असंखेज्जेसु बेंदियावाससयसहस्सेसु अण्णयरंसि बेंदियावासंसि बेइंदियत्ताए उववज्जित्तए से णं भंते ! तत्थगए चेव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्जा ? जहा नेरइया, एवं जाव अणुत्तरोववाइया ४। जीवे णं भंते ! मारणंतिय-समुग्घाएणं समोहए २ जे भविए एवं पंचसु अणुत्तरेसु महतिमहालएसु महाविमाणेसु अन्नयरंसि अणुत्तरविमाणंसि अणुत्तरोववाइयदेवत्ताए उववज्जित्तए, से णं भंते ! तत्थगए चेव जाव आहारेज्ज वा परिणामेज्ज वा सरीरं वा बंधेज्ज ५। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ६॥ सूत्रं २४५ ॥ पुढविउद्देसो समत्तो ॥

॥ इति षष्ठशतके षष्ठ उद्देशकः ॥ ६-६ ॥

॥ अथ षष्ठशतके शालीनामक-सप्तमोद्देशकः ॥

अह णं भंते ! सालीणं वीहीणं गोधूमाणं जवाणं जवजवाणं एएसि णं धन्नाणं कोट्ठाउत्ताणं पल्लाउत्ताणं मंचाउत्ताणं मालाउत्ताणं ओलित्ताणं लित्ताणं पिहियाणं मुद्दियाणं लंछियाणं केवतियं कालं जोणी संचिट्ठइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि संवच्छराइं तेण परं जोणी पमिलायइ तेण परं जोणि पविद्धंसइ तेण परं बीए अबीए

भवति तेण परं जोणीवोच्छेदे पन्नत्ते समणाउसो ! १ । अह भंते ! कलाय-मसूर-तिल-मुग्ग-मास-निप्फाव-कुलत्थ-आलिसंदग-सतीण-पलिमंथगमादीणं एएसि णं धन्नाणं केवतियं कालं जोणी संचिट्ठति ?, जहा सालीणं तहा एयाणवि, नवरं पंच संवच्छराइं, सेसं तं चेव २ । अह भंते ! अयसि-कुसुंभग-कोद्दव-कंगु-वरग-रालग-कोदूसग-सण-सरिसव-मूलगबीयमादीणं एएसि णं धन्नाणं केवतियं कालं जोणी संचिट्ठति ?, एयाणिवि तहेव, नवरं सत्त संवच्छराइं, सेसं तं चेव ३ ॥ सूत्रं २४६ ॥ एगमेगस्स णं भंते ! मुहुत्तस्स केवतिया ऊसासद्धा वियाहिया ?, गोयमा ! असंखेज्जाणं समयाणं समुदयसमिति-समागमेणं सा एगा आवलियत्ति पवुच्चइ, संखेज्जा आवलिया ऊसासो संखेज्जा आवलिया निस्सासो १ । हट्ठस्स अणवगल्लस्स, निरुवकिट्ठस्स जंतुणो । एगे ऊसासनीसासे, एस पाणुत्ति वुच्चति ॥ १ ॥ सत्त पाणूणि से थोवे, सत्त थोवाइं से लवे । लवाणं सत्तहत्तरिए, एस मुहुत्ते वियाहिए ॥ २ ॥ तिन्नि सहस्सा सत्त य सयाइं तेवत्तरिं च ऊसासा । एस मुहुत्तो दिट्ठो सव्वेहिं अणंतनाणीहिं ॥ ३ ॥ एएणं मुहुत्तपमाणेणं तीसमुहुत्तो अहोरत्तो, पन्नरस अहोरत्ता पक्खो दो पक्खा मासो दो मासा उऊ तिन्नि उउए अयणे दो अयणे संवच्छरे पंचसंवच्छरिए जुगे वीसं जुगाइं वाससयं दस वाससयाइं वाससहस्सं सयं वाससहस्साइं वाससयसहस्सं चउरासीति वाससयसहस्साणि से एगे पुव्वंगे चउरासीती पुव्वंगसयसहस्साइं से एगे पुव्वे, एवं तुडिअंगे तुडिए, अडडंगे अडडे, अववंगे अववे, हूहूअंगे हूहूए, उप्पलंगे उप्पले, पउमंगे पउमे, नलिणंगे नलिणे, अत्थनिउरंगे अत्थनिउरे, अउअंगे अउए, पउअंगे पउए य, नउअंगे नउए य, चूलिअंगे चूलिया य, सीसपहेलिअंगे सीसपहेलिया, एताव ताव गणिए एताव ताव गणियस्स विसए, तेण परं ओवमिए २ । से किं तं ओवमिए ?, २ दुविहे पण्णत्ते तंजहा पलिओवमे य सागरोवमे य, से किं तं पलिओवमे ? से किं तं सागरोवमे ? सत्थेण

सुतिक्खेणवि छेत्तुं भेत्तुं च जं किर न सक्का। तं परमाणुं सिद्धा वयंति आदिं पमाणाणं ॥ १ ॥ अणंताणं परमाणुपोग्गलाणं समुदयसमितिसमागमेणं सा एगा उस्सण्हसण्हियाति वा सण्हसण्हियाति वा उड्ढरेणूति वा तसरेणूति वा रहरेणूति वा वालग्गेइ वा लिक्खाति वा जूयाति वा जवमज्झेति वा अंगुलेति वा, अट्ठ उस्सण्हसण्हियाओ सा एगा सण्हसण्हिया अट्ठ सण्हसण्हियाओ सा एगा उड्ढरेणू अट्ठ उड्ढरेणूओ सा एगा तसरेणू अट्ठ तसरेणूओ सा एगा रहरेणू अट्ठ रहरेणूओ से एगे देवकुरु उत्तरकुरुगाणं मणूसाणं वालग्गे एवं हरिवास-रम्मग-हेमवत-एरन्नवयाणं पुव्वविदेहाणं मणूसाणं अट्ठ वालग्गा सा एगा लिक्खा अट्ठ लिक्खाओ सा एगा जूया, अट्ठ जूयाओ से एगे जवमज्झे अट्ठ जवमज्झाओ से एगे अंगुले, एएणं अंगुलपमाणेणं छ अंगुलाणि पादो बारस अंगुलाइं विहत्थी चउव्वीसं अंगुलाइं रयणी अडयालीसं अंगुलाइं कुच्छी छन्नउति अंगुलाणि से एगे दंडेति वा धणूति वा जूएति वा नालियाति वा अक्खेति वा मुसलेति वा, एएणं धणुप्पमाणेणं दो धणुसहस्साइं गाउयं, चत्तारि गाउयाइं जोयणं, एएणं जोयणप्पमाणेणं जे पल्ले जोयणं आयामविक्खंभेणं जोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं तं तिउणं सविसेसं परिरएणं, से णं एगाहिय-बेयाहिय-तेयाहिय उक्कोसं सत्तरत्तप्परूढाणं संमट्ठे संनिचिए भरिए वालग्गकोडीणं, से णं वालग्गे नो अग्गी दहेज्जा नो वाऊ हरेज्जा नो कुत्थेज्जा नो परिविद्धंसेज्जा नो पूतित्ताए हव्वमागच्छेज्जा, ततो णं वाससए २ गते एगमेगं वालग्गं अवहाय जावतिएणं कालेणं से पल्ले खीणे नीरए निम्मले निट्ठिए निल्लेवे अवहडे विसुद्धे भवति, से तं पलिओवमे ३। गाहा–एएसिं पल्लाणं कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया। तं सागरोवमस्स उ एकस्स भवे परिमाणं ॥ १ ॥ एएणं सागरोवमपमाणेणं चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमसुसमा १ तिन्नि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमा २ दो

सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमदूसमा ३ एगा सागरोवमकोडाकोडी बायालीसाए वाससहस्सेहिं ऊणिया कालो दूसमसुसमा ४ एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दूसमा ५ एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दूसमदूसमा ६, ४। पुणरवि ओसप्पिणीए एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दूसमदूसमा १ एक्कवीसं वाससहस्साइं जाव चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमसुसमा, दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणी दस सागरोवमकोडाकोडीओ कालो उस्सप्पिणी, वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणी य उस्सप्पिणी य ५॥ सूत्रं २४७॥ जंबूदीवे णं भंते! दीवे इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए उत्तमट्ठपत्ताए भरहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपडोयारे होत्था?, गोयमा! बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे होत्था, से जहानामए–आलिंगपुक्खरेति वा एवं उत्तरकुरुवत्तव्वया नेयव्वा जाव आसयंति सयंति, तीसे णं समाए भारहे वासे तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहवे ओराला कुद्दाला जाव कुस-विकुस-विसुद्ध-रुक्खमूला जाव छव्विहा मणुस्सा अणुसज्जित्था पराणत्ता, तंजहा–पम्हगंधा १ मियगंधा २ अममा ३ तेयली ४ सिहासणि ५ चारि ६, १। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरति २॥ सूत्रं २४८॥

॥ इति षष्ठशतके सप्तम उद्देशकः ॥ ६–७ ॥

॥ अथ षष्ठशतके पृथिवीनामकाष्टमोद्देशकः ॥

कइ णं भंते! पुढवीओ पन्नत्ताओ?, गोयमा! अट्ठ पुढवीओ पराणत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव इसीपब्भारा १। अत्थि णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे गेहाति वा गेहावणाति वा?, गोयमा! णो तिणट्ठे समट्ठे २। अत्थि णं भंते! इमीसे रयणप्पभाए अहे गामाति वा जाव संनिवेसाति वा? नो तिणट्ठे समट्ठे ३। अत्थि णं भंते! इमीसे

रयणप्पभाए पुढवीए अहे उराला बलाहया संसेयंति संमुच्छंति वासं वासंति ?, हंता अत्थि, तिन्निवि पकरेंति देवोवि पकरेति असुरोवि पकरेति नागोवि पकरेति ४। अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बादरे थणियसद्दे ?, हंता अत्थि, तिन्निवि पकरेंति ५। अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे बादरे अगणिकाए ?, गोयमा ! नो तिणट्ठे समट्ठे, नन्नत्थ विग्गहगतिसमावन्नएणं ६। अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए अहे चंदिम जाव तारारूवा ?, नो तिणट्ठे समट्ठे ७। अत्थि णं भंते ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए चंदाभाति वा २ ?, णो इणट्ठे समट्ठे, एवं दोच्चाएवि पुढविए भाणियव्वं, एवं तच्चाएवि भाणियव्वं, नवरं देवो वि पकरेति असुरोवि पकरेति णो णागो पकरेति, चउत्थाएवि एवं नवरं देवो एको पकरेति नो असुरो एको पकरेति नो नागो एको पकरेति, एवं हेट्ठिल्लासु सव्वासु देवो एको पकरेति ८। अत्थि णं भंते ! सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं अहे गेहाइ वा २ ?, नो इणट्ठे समट्ठे १। अत्थि णं भंते ! उराला बलाहया ? हंता अत्थि, देवो पकरेति असुरोवि पकरेइ नो नाओ पकरेइ, एवं थणियसद्देवि १०। अत्थि णं भंते ! बायरे पुढविकाए बादरे अगणिकाए ?, णो इणट्ठे समट्ठे, नरणत्थ विग्गहगति-समावन्नएणं ११। अत्थि णं भंते ! चंदिम-सूरिय-गहगण-नक्खत्त-तारारूवा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे १२। अत्थि णं भंते ! गामाइ वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे १३। अत्थि णं भंते ! चंदाभाति वा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे १४। एवं सणंकुमारमाहिदेसु नवरं देवो एगो पकरेति १५। एवं बंभलोएवि १६। एवं बंभलोगस्स उवरिं सव्वहिं देवो पकरेति, पुच्छियव्वो य, बायरे आउकाए बायरे अगणिकाए बायरे वणस्सइकाए, अन्नं तं चेव १७। गाहा—तमुकाए कप्पपणए अगणी पुढवी य अगणि पुढवीसु। आऊतेऊवणस्सइ कप्पुवरिमकण्हराईसु ॥ १ ॥ सूत्रं २४९ ॥

कतिविहे णं भंते ! आउयबंधए पन्नत्ते ?, गोयमा ! छव्विहा आउयबंधा पन्नत्ता, तंजहा—जातिनाम-निहत्ताउए १ गतिनाम-निहत्ताउए २ ठितिनाम-निहत्ताउए ३ ओगाहणानाम-निहत्ताउए ४ पएसनाम-निहत्ताउए ५ अणुभागनाम-निहत्ताउए ६ दंडओ जाव वेमाणियाणं १ । जीवा णं भंते ! किं जाइनामनिहत्ता जाव अणुभागनिहत्ता ?, गोयमा ! जातिनामनिहत्तावि जाव अणुभागनामनिहत्तावि, दंडओ जाव वेमाणियाणं २ । जीवा णं भंते ! किं जाइनामनिहत्ताउया जाव अणुभाग-नामनिहत्ताउया ?, गोयमा ! जाइनामनिहत्ताउयावि जाव अणुभागनाम-निहत्ताउयावि, दंडओ जाव वेमाणियाणं ३ । एवं एए दुवालस दंडगा भाणियव्वा ४ । जीवा णं भंते ! किं जातिनामनिहत्ता १ जाइनामनिहत्ताउया २ ?, १२ । जीवा णं भंते ! किं जाइनामनिउत्ता ३ जातिनामनिउत्ताउया ४ जाइगोयनिहत्ता ५ जाइगोयनिहत्ताउया ६ जातिगोयनिउत्ता ७ जाइगोय-निउत्ताउया ८ जाइणामगोयनिहत्ता ९ जाइणामगोयनिहत्ताउया १० जाइणामगोयनिउत्ता ११ ? जीवा णं भंते ! किं जाइनामगोयनिउत्ताउया १२ जाव अणुभागनामगोयनिउत्ताउया ?, गोयमा ! जाइनाम गोयनिउत्ता-उयावि जाव अणुभागनाम-गोयनिउत्ताउयावि दंडओ जाव वेमाणियाणं ५ ॥ सूत्रं २५० ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे किं उस्सिओदए पत्थडोदए खुभियजले अखुभियजले ?, गोयमा ! लवणे णं समुद्दे उस्सिओदए नो पत्थडोदए खुभियजले नो अखुभियजले एत्तो आढत्तं जहा जीवाभिगमे जाव से तेण० गोयमा ! बाहिरया णं दीवसमुद्दा पुन्ना पुन्नप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठंति संठाणओ एगविहिविहाणा वित्थारओ अणेगविहिविहाणा दुगुणादुगुणप्पमाणओ जाव अस्सिं तिरियलोए असंखेज्जा दीवसमुद्दा सयंभुरमणपज्जवसाणा पन्नत्ता समणाउसो ! १ । दीवसमुद्दा णं भंते ! केवतिया नामधेज्जेहिं पन्नत्ता ?, गोयमा ! जावतिया

लोए सुभा नामा सुभा रूवा सुभा गंधा सुभा रसा सुभा फासा एवतिया णं दीवसमुद्दा नामधेज्जेहिं पन्नत्ता, एवं नेयव्वा सुभा नामा उद्धारो परिणामो सव्वजीवा णं २। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ३ ॥ सूत्रं २५१ ॥ छट्ठसयस्स अट्ठमो ॥

॥ इति षष्ठशतके अष्टम उद्देशकः ॥ ६–८ ॥

॥ अथ षष्ठशतके कर्म्माख्य-नवमोद्देशकः ॥

जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कति कम्मप्पगडीओ बंधति ?, गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा छव्विहबंधए वा, बंधुद्देसो पन्नवणाए नेयव्वो ॥ सू० २५२ ॥ देवे णं भंते ! महिड्ढीए जाव महाणुभाए बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता(अपरियादिइत्ता) पभू एगवन्नं एगरूवं विउव्वित्तए ?, गोयमा ! नो तिणट्ठे समट्ठे । देवे णं भंते ! बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू ?, हंता पभू, से णं भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वति तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विकुव्वति अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वति ?, गोयमा ! नो इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वति, तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विकुव्वति, नो अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वति, एवं एएणं ग(क)मेणं जाव एगवन्नं एगरूवं १ एगवण्णं अणेगरूवं २ अणेगवन्नं एगरूवं ३ अणेगवन्नं अणेगरूवं ४ चउभंगो । देवे णं भंते ! महिड्ढीए जाव महाणुभागे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू कालयं पोग्गलं नीलग-पोग्गलत्ताए परिणामेत्तए ? नीलगं पोग्गलं वा कालगपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए ?, गोयमा ! नो तिणट्ठे समट्ठे, परियाइत्ता पभू । से णं भंते ! किं इहगए पोग्गले–तं चेव नवरं परिणामेतित्ति भाणियव्वं, एवं कालगपोग्गलं लोहियपोग्गलत्ताए, एवं कालएणं जाव सुकिल्लं, एवं

णीलएणं जाव सुकिल्लं, एवं लोहियपोग्गलं जाव सुकिलत्ताए, एवं हालिद्दएणं जाव सुकिलं, एवं एयाए परिवाडीए गंधरसफासपोग्गलं, कक्खडफासपोग्गलं मउयफासपोग्गलत्ताए २ एवं दो दो गरुयलहुय २ सीयउसिण २ णिद्धलुक्ख २, वन्नाइ सव्वत्थ परिणामेइ, आलावगा य दो दो पोग्गले अपरियाइत्ता परियाइत्ता ॥ सूत्रं २५३ ॥ अविसुद्धलेसे णं भंते ! देवे असमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं देविं अन्नयरं जाणति पासति ? णो तिणट्ठे समट्ठे १ । एवं अविसुद्धलेसेणं देवे असमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं देवं ३, जाणति पासति ? णो इणट्ठे समट्ठे २ । अविसुद्धलेसे समोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ पासइ ? णो इणट्ठे समट्ठे ३ । अविसुद्धलेसे देवे समोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ पासइ ? णो इणट्ठे समट्ठे ४ । अविसुद्धलेसे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ पासइ ? णो इणट्ठे समट्ठे ५ । अविसुद्धलेसे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ पासइ ? णो इणट्ठे समट्ठे ६ । विसुद्धलेसे असमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ पासइ ? णो इणट्ठे समट्ठे १ । विसुद्धलेसे असमोहएणं विसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ पासइ ? णो इणट्ठे समट्ठे २ । विसुद्धलेसे णं भंते ! देवे समोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ ?, हंता जाणइ ३ । एवं विसुद्धलेसे समोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ ?, हंता जाणइ ४ । विसुद्धलेसे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ ? हंता जाणइ ५ । विसुद्धलेसे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेसं देवं ३ जाणइ ? हंता जाणइ ६ । एवं हेट्ठिल्लएहिं अट्ठहिं न जाणइ न पासइ उवरिल्लएहिं चउहिं जाणइ पासइ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं २५४ ॥ छट्ठसए नवमो उद्देसो ॥

॥ इति षष्ठशतके नवम उद्देशकः ॥ ६–९ ॥

॥ अथ षष्ठशतके अन्ययूथिकाख्य-दशमोद्देशकः ॥

अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति जावतिया रायगिहे नयरे जीवा एवइयाणं जीवाणं नो चक्किया केइ सुहं वा दुहं वा जाव कोलट्ठिगमायमवि निप्फावमायमवि कलममायमवि मासमायमवि मुग्गमायमवि जूयामायमवि लिक्खामायमवि अभिनिवट्टेत्ता उवदंसित्तए, से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जन्नं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि सव्वलोएवि य णं सव्वजीवाणं णो चक्किया केई सुहं वा तं चेव जाव उवदंसित्तए १ । से केणट्ठेणं जाव उवदंसित्तए ?, गोयमा ! अयन्नं जंबूद्दीवे २ जाव विसेसाहिए परिक्खेवेणं पन्नत्ते, देवे णं महिड्ढीए जाव महाणुभागे एगं महं सविलेवणं गंधसमुग्गगं गहाय तं अवद्दालेति तं अवद्दालित्ता जाव इणामेव कट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ तिहिं अच्छरानिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ता णं हव्वमागच्छेज्जा, से नूणं गोयमा ! से केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ तेहिं घाणपोग्गलेहिं फुडे ?, हंता फुडे, चक्किया णं गोयमा ! केति तेसिं घाणपोग्गलाणं कोलट्ठियमायमवि जाव उवदंसित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, से तेणट्ठेणं जाव उवदंसित्तए २ ॥ सूत्रं २५५ ॥ जीवे णं भंते ! जीवे ? जीवे जीवे ?, गोयमा ! जीवे ताव नियमा जीवे जीवेवि नियमा जीवे १ । जीवे णं भंते ! नेरइए ? नेरइए जीवे ?, गोयमा ! नेरइए ताव नियमा जीवे जीवे पुण सिय नेरइए सिय अनेरइए २ । जीवे णं भंते ! असुरकुमारे असुरकुमारे जीवे ?, गोयमा ! असुरकुमारे ताव नियमा जीवे जीवे पुण सिय असुरकुमारे सिय णो असुरकुमारे, एवं दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं ३ । जीवति भंते ! जीवे ? जीवे जीवति ?, गोयमा ! जीवति ताव नियमा जीवे, जीवे पुण सिय जीवति सिय नो जीवति ४ । जीवति भंते ! नेरइए ? २ जीवति ?, गोयमा ! नेरइए तावं नियमा जीवति २ पुण

सिय नेरइए सिय अनेरइए, एवं दंडओ नेयव्वो जाव वेमाणियाणं ५। भवसिद्धीए णं भंते ! नेरइए ? २ भवसिद्धिए ? गोयमा ! भवसिद्धीए सिय नेरइए सिय अनेरइए नेरइएऽवि य सिय भवसिद्धीए सिय अभवसिद्धीए, एवं दंडओ जाव वेमाणियाणं ६ ॥ सूत्रं २५६ ॥ अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव परूवेंति एवं खलु सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता एगंतदुक्खं वेयणं वेयंति, से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जन्नं ते अन्नउत्थिया जाव मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि-अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतदुक्खं वेयणं वेयंति आहच्च सायं, अत्थेगतिया पाणा भूया जीवा सत्ता एगंतसायं वेयणं वेयंति आहच्च असायं वेयणं वेयंति, अत्थेगइया पाणा भूया जीवा सत्ता वेमायाए वेयणं वेयंति आहच्च सायमसायं १। से केणट्ठेणं जाव आहच्च सायमसायं ?, गोयमा ! नेरइया एगंत दुक्खं वेयणं वेयंति आहच्च सायं, भवणवइ-वाणमंतर-जोइस-वेमाणिया एगंतसायं वेदणं वेयंति आहच्च असायं, पुढविकाइया जाव मणुस्सा वेमायाए वेयणं वेयंति आहच्च सायमसायं, से तेणट्ठेणं जाव आहच्च सायमसायं ॥ सूत्रं २५७ ॥ नेरइया णं भंते ! जे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ते किं आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ? अणंतरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ? परंपरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति ?, गोयमा ! आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति नो अणंतरखेत्तोगाढे पोग्गले अत्तमायाए आहारेंति नो परंपरखेत्तोगाढे, जहा नेरइया तहा जाव वेमाणियाणं दंडओ ॥ सूत्रं २५८ ॥ केवली णं भंते ! आयाणेहिं जाणति पासति ?, गोयमा ! नो तिणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं जाव पासति ?, गोयमा ! केवली णं पुरच्छिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जाणइ जाव निव्वुडे दंसणे केवलिस्स से तेणट्ठेणं जाव पासति। गाहा–

जीवाणं सुहं दुक्खं जीवे जीवति तहेव भविया य। एगंतदुक्खवेयणा अत्तमाया य केवली ॥ १ ॥ सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं २५९ ॥ छट्ठं सयं समत्तं ॥

॥ इति षष्ठशतके दशम उद्देशकः ॥ ६-१० ॥

॥ इति षष्ठं शतकम् ॥ ६ ॥

॥ अथ सप्तमशतके आहाराख्य-प्रथमोद्देशकः ॥

आहार १ विरति २ थावर ३ जीवा ४ पक्खी य ५ आउ ६ अणगारे ७। छउमत्थ ८ असंवुड ९ अन्नउत्थि १० दस सत्तमंमि सए ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वदासी—जीवे णं भंते ! कं समयमणाहारए भवइ ?, गोयमा ! पढमे समए सिय आहारए सिय अणाहारए बितिए समए सिय आहारए सिय अणाहारए ततिए समए सिय आहारए सिय अणाहारए चउत्थे समए नियमा आहारए, एवं दंडओ, जीवा य एगिंदिया य चउत्थे समए सेसा ततिए समए १। जीवे णं भंते ! कं समयं सव्वप्पाहारए भवति ?, गोयमा ! पढमसमयोववन्नए वा चरमसमए भवत्थे वा एत्थ णं जीवे णं सव्वप्पाहारए भवइ, दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाणं २ ॥ सूत्रं २६० ॥ किं संठिए णं भंते ! लोए पन्नत्ते ?, गोयमा ! सुपइट्ठगसंठिए लोए पन्नत्ते, हेट्ठा विच्छिन्ने जाव उप्पिं उड्ढमुइंगागारसंठिए, तंसि च णं सासयंसि लोगंसि हेट्ठा विच्छिन्नंसि जाव उप्पिं उड्ढमुइंगागारसंठियंसि उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली जीवेवि जाणइ पासइ अजीवेवि जाणइ पासइ तओ पच्छा सिज्झति जाव अंतं करेइ ॥ सूत्रं २६१ ॥ समणोवासगस्स णं भंते ! सामाइयकडस्स समणोवासए अच्छमाणस्स तस्स णं भंते ! किं ईरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! नो ईरियावहिया किरिया कज्जइ,

संपराइया किरिया कज्जइ १। से केणट्ठेणं जाव संपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! समणोवासयस्स णं सामाइयकडस्स समणोवासए अच्छ-माणस्स आया अहिगरणीभवइ आयाहिगरणवत्तियं च णं तस्स नो ईरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ, से तेणट्ठेणं जाव संपराइया किरिया कज्जइ २ ॥ सूत्रं २६२ ॥ समणोवासगस्स णं भंते ! पुव्वामेव तसपाणसमारंभे पच्चक्खाए भवति पुढविसमारंभे अपच्चक्खाए भवइ से य पुढविं खणमाणेऽण्णयरं तसं पाणं विहिंसेज्जा से णं भंते ! तं वयं अतिचरति ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु से तस्स अतिवायाए आउट्टति १। समणोवासयस्स णं भंते ! पुव्वामेव वणस्सइसमारंभे पच्चक्खाए से य पुढविं खणमाणे अन्नयरस्स रुक्खस्स मूलं छिंदेज्जा से णं भंते ! तं वयं अतिचरति ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु तस्स अइवायाए आउट्टति २ ॥ सूत्रं २६३ ॥ समणोवासए णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणे किं लब्भइ ?, गोयमा ! समणोवासए णं तहारूवं समणं वा जाव पडिलाभेमाणे तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा समाहिं उप्पाएति, समाहिकारएणं तमेव समाहिं पडिलभइ १। समणोवासए णं भंते ! तहारूवं समणं वा जाव पडिलाभेमाणे किं चयति ?, गोयमा ! जीवियं चयति दुच्चयं चयति दुक्करं करेति दुल्लहं लहइ बोहिं बुज्झइ तओ पच्छा सिज्झति जाव अंतं करेति २ ॥ सूत्रं २६४ ॥ अत्थि णं भंते ! अकम्मस्स गती पन्नायति ?, हंता अत्थि १। कहन्नं भंते ! अकम्मस्स गती पन्नायति ?, गोयमा ! निस्संगयाए निरंगणयाए गतिपरिणामेणं बंधणछेयणयाए निरंधणयाए पुव्वपओगेणं अकम्मस्स गती पन्नायति २। कहन्नं भंते ! निस्संगयाए निरंगणयाए गइपरिणामेणं बंधणछेयणयाए निरंधणयाए पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गती पन्नायति ?, से जहानामए–केइ पुरिसे सुक्कं तुंबं निच्छिद्दं

निरुवहयंति आणुपुव्वीए परिकम्मेमाणे २ दब्भेहि य कुसेहि य वेढेइ २ अट्ठहिं मट्टियालेवेहिं लिंपइ २ उण्हे दलयति भूतिं २ सुक्कं समाणं अत्थाहमतारमपोरुसियंसि उदगंसि पक्खिवेज्जा, से नूणं गोयमा ! से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्टियालेवेणं गुरुयत्ताए भारियत्ताए गुरुसंभारियत्ताए सलिलतलमतिवइत्ता अहे धरणितलपइट्ठाणे भवइ ?, हंता भवइ, अहे णं से तुंबे तेसिं अट्ठण्हं मट्टियालेवाणं परिक्खएणं धरणितलमतिवइत्ता उप्पिं सलिलतलपइट्ठाणे भवइ ?, हंता भवइ, एवं खलु गोयमा ! निस्संगयाए निरंगणयाए गइपरिणामेणं अकम्मस्स गई पन्नायति ३। कहन्नं भंते ! बंधणछेदणयाए अकम्मस्स गई पन्नत्ता ?, गोयमा ! से जहानामए–कलसिंबलियाइ वा मुग्गसिंबलियाइ वा माससिंबलियाइ वा सिंबलिसिंबलियाइ वा एरंडमिंजियाइ वा उण्हे दिन्ना सुक्का समाणी फुडित्ता णं एगंतमंतं गच्छइ, एवं खलु गोयमा ! जाव गई पन्नत्ता ४। कहन्नं भंते ! निरंधणयाए अकम्मस्स गती पन्नत्ता ?, गोयमा ! से जहानामए–धूमस्स इंधणविप्पमुक्कस्स उड्ढं वीससाए निव्वाघाएणं, गती पवत्तति, एवं खलु गोयमा ! जाव पन्नत्ता ५। कहन्नं भंते ! पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गती पन्नता ?, गोयमा ! से जहानामए–कंडस्स कोदंडविप्पमुक्कस्स लक्खाभिमुही निव्वाघाएणं गती पवत्तइ, एवं खलु गोयमा ! नीसंगयाए निरंगणयाए जाव पुव्वप्पओगेणं अकम्मस्स गती पण्णत्ता ॥ सूत्रं ३६५ ॥ दुक्खी भंते ! दुक्खेणं फुडे अदुक्खी दुक्खेणं फुडे ?, गोयमा ! दुक्खी दुक्खेणं फुडे नो अदुक्खी दुक्खेणं फुडे १। दुक्खी णं भंते ! नेरतिए दुक्खेणं फुडे अदुक्खी नेरतिए दुक्खेणं फुडे ?, गोयमा ! दुक्खी नेरइए दुक्खेणं फुडे नो अदुक्खी नेरतिए दुक्खेणं फुडे २। एवं दंडओ जाव वेमाणियाणं, एवं पंच दंडगा नेयव्वा–दुक्खी दुक्खेणं फुडे १ दुक्खी दुक्खं परियादियइ २ दुक्खी दुक्खं उदीरेइ ३ दुक्खी दुक्खं वेदेति ४ दुक्खी दुक्खं निज्जरेति

५, ३ ॥ सूत्रं २६६ ॥ अणगारस्स णं भंते ! अणाउत्तं गच्छमाणस्स वा चिट्ठमाणस्स वा निसियमाणस्स वा तुयट्टमाणस्स वा अणाउत्तं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं गेण्हमाणस्स वा निक्खिवमाणस्स वा तस्स णं भंते ! किं ईरियावहिया किरिया कज्जइ ? संपराइया किरिया कज्जइ ? गोयमा ! नो ईरियावहिया किरिया कज्जति संपराइया किरिया कज्जति। से केणट्ठेणं जाव कज्जति ?, गोयमा ! जस्स णं कोहमाणमायालोभा वोच्छिन्ना भवंति तस्स णं ईरियावहिया किरिया कज्जइ नो संपराइया किरिया कज्जइ, जस्स णं कोहमाणमायालोभा अवोच्छिन्ना भवंति तस्स णं संपराय-किरिया कज्जइ नो ईरियावहिया, अहासुत्तं रीयमाणस्स ईरियावहिया किरिया कज्जइ उस्सुत्तं रीयमाणस्स संपराइया किरिया कज्जइ, से णं उस्सुत्तमेव रियति, से तेणट्ठेणं जाव कज्जति ॥ सूत्रं २६७ ॥ अह भंते ! सइंगालस्स सधूमस्स संजोयणादोसदुट्ठस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पण्णत्ते ?, गोयमा ! जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं असणपाण ४ पडिगाहित्ता मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने आहारं आहारेति एस णं गोयमा ! सइंगाले पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं असणपाण ४ पडिगाहित्ता महया २ अप्पत्तियकोहकिलामं करेमाणे आहारमाहारेइ, एस णं गोयमा ! सधूमे पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा २ जाव पडिग्गहेत्ता गुणुप्पायणहेउं अन्नदव्वेण सद्धिं संजोएत्ता आहार-माहारेइ एस णं गोयमा ! संजोयणादोसदुट्ठे पाणभोयणे, एस णं गोयमा ! सइंगालस्स सधूमस्स संजोयणादोसदुट्ठस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पन्नत्ते १। अह भंते ! वीतिंगालस्स वीयधूमस्स संजोयणादोसविप्पमुक्कस्स पाणभोय-णस्स के अट्ठे पन्नत्ते ?, गोयमा ! जे णं निग्गंथो वा २ जाव पडिगाहेत्ता अमुच्छिए जाव आहारेति एस णं गोयमा ! वीतिंगाले पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा जाव पडिगाहेत्ता णो महया अप्पत्तियं जाव

आहारेइ, एस णं गोयमा ! वीयधूमे पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा जाव पडिगाहेत्ता जहालद्धं तहा आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! संजोयणादोसविप्पमुक्के पाणभोयणे, एस णं गोयमा ! वीतिंगालस्स वीयधूमस्स संजोयणादोसविप्पमुक्कस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पन्नत्ते २ ॥ सूत्रं २६८ ॥ अह भंते ! खेत्तातिक्कंतस्स कालातिक्कंतस्स मग्गातिक्कंतस्स पमाणातिक्कंतस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ?, गोयमा ! जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं णं असणं ४ अणुग्गए सूरिए पडिग्गाहित्ता उग्गए सूरिए आहारमाहारेति एस णं गोयमा ! खित्तातिक्कंते पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा २ जाव साइमं पढमाए पोरिसीए पडिग्गाहेत्ता पच्छिमं पोरिसिं उवायणावेत्ता आहारं आहारेइ एस णं गोयमा ! कालातिक्कंते पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा २ जाव साइमं पडिगाहित्ता परं अद्धजोयणमेराए वीइक्कमावइत्ता आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! मग्गातिक्कंते पाणभोयणे, जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा फासुएसणिज्जं जाव साइमं पडिगाहित्ता परं बत्तीसाए कुक्कुडि-अंडगपमाणमेत्ताणं कवलाणं आहारमाहारेइ एस णं गोयमा ! पमाणाइक्कंते पाणभोयणे, अट्ठकुक्कुडि-अंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे अप्पाहारे दुवालस-कुक्कुडि-अंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे अवड्ढोमोयरिया सोलस-कक्कुडि-अंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे दुभागप्पत्ते चउव्वीसं कुक्कुडि-अंडगप्पमाणमेत्ते जाव आहारमाहारेमाणे ओमोदरिए बत्तीसं कुक्कुडि-अंडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाहारेमाणे पमाणप्पत्ते, एत्तो एक्केणवि गासेणं ऊणगं आहारमाहारेमाणे समणे निग्गंथे नो पकामरसभोई इति वत्तव्वं सिया, एस णं गोयमा ! खेत्तातिक्कंतस्स कालातिक्कंतस्स मग्गातिक्कंतस्स पमाणातिक्कंतस्स पाणभोयणस्स अट्ठे पन्नत्ते ॥सूत्रं २६९॥ अह भंते ! सत्थातीयस्स सत्थपरिणामियस्स एसियस्स वेसियस्स समुदाणि-

यस्स पाणभोयणस्स के अट्ठे पन्नत्ते ?, गोयमा ! जे णं निग्गंथे वा निग्गंथी वा निक्खित्तसत्थमुसले ववगय-मालावन्नग-विलेवणे ववगय-चुय-चइय-चत्तदेहं जीवविप्पजढं अकय-मकारिय मसंकप्पिय मणाहूय-मकीय-कडमणुद्दिट्ठं नवकोडी-परिसुद्धं दसदोसविप्पमुक्कं उग्गमुप्पायणेसणासुपरिसुद्धं वीतिंगालं वीत-धूमं संजोयणा-दोसविप्पमुक्कं असुरसुरं अचवचवं अदुयमविलंबियं अपरि-साडिं अक्खोवंजण-वणाणुलेवणभूयं संयम-जायामायावत्तियं संजमभार-वह-णट्ठयाए बिलमिव पन्नगभूएणं अप्पाणेणं आहारमाहारेति एस णं गोयमा ! सत्थातीयस्स सत्थपरिणामियस्स जाव पाणभोयणस्स अयमट्ठे पन्नत्ते १ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति २ ॥ सूत्रं २७० ॥ सत्तमसए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति सप्तमशतके प्रथम उद्देशकः ॥ ७–१ ॥

॥ अथ सप्तमशतके विरतिनामक-द्वितीयोद्देशकः ॥

से नूणं भंते ! सव्वपाणेहिं सव्वभूएहिं सव्वजीवेहिं सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वदमाणस्स सुपच्चक्खायं भवति दुपच्चक्खायं भवति ?, गोयमा ! सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहि पच्चक्खायमिति वदमाणस्स सिय सुपच्चक्खायं भवति सिय दुपच्चक्खायं भवति १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सव्वपाणेहिं जाव सिय दुपच्चक्खायं भवति ?, गोयमा ! जस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वदमाणस्स णो एवं अभिसम-न्नागयं भवति इमे जीवा इमे अजीवा इमे तसा इमे थावरा तस्स णं सव्व-पाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वदमाणस्स नो सुपच्चक्खायं भवति दुपच्चक्खायं भवति, एवं खलु से दुपच्चक्खाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वदमाणो नो सच्चं भासं भासइ मोसं भासं भासइ, एवं खलु से मुसावाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविहं तिविहेणं असंजय-

विरय-पडिहय-पच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदंडे एगंतबाले यावि भवति, जस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वदमाणस्स एवं अभिसमन्नागयं भवइ–इमे जीवा इमे अजीवा इमे तसा इमे थावरा, तस्स णं सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वदमाणस्स सुपच्चक्खायं भवति नो दुपच्चक्खायं भवति, एवं खलु से सुपच्चक्खाई सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं पच्चक्खायमिति वयमाणे सच्चं भासं भासइ नो मोसं भासं भासइ, एवं खलु से सच्चवादी सव्वपाणेहिं जाव सव्वसत्तेहिं तिविहं तिविहेणं संजय-विरय-पडिहय-पच्चक्खायपावकम्मे अकिरिए संवुडे एगंत-अदंडे एगंतपंडिए यावि भवति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव सिय दुपच्चक्खायं भवति २ ॥ सूत्रं २७१ ॥ कतिविहे णं भंते ! पच्चक्खाणे पन्नत्ते ?, गोयमा ! दुविहे पच्चक्खाणे पन्नत्ते, तंजहा–मूलगुणपच्चक्खाणे य उत्तरगुणपच्चक्खाणे य १ । मूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा–सव्वमूलगुणपच्चक्खाणे य देसमूलगुणपच्चक्खाणे य २ । सव्वमूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा–सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं ३ । देसमूलगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा–थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमणं जाव थूलाओ परिग्गहाओ वेरमणं ४ । उत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा–सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणे य देसुत्तरगुणपच्चक्खाणे य ५ । सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! दसविहे पन्नत्ते, तंजहा–अणागय १ मइक्कंतं २ कोडीसहियं ३ नियंटियं ४ चेव । सागार ५ मणागारं ६ परिमाणकडं ७ निरवसेसं ८ ॥ १ ॥ साकेयं ९ चेव अद्धाए १० पच्चक्खाणं भवे दसहा ६ । देसुत्तरगुणपच्चक्खाणे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! सत्तविहे पन्नत्ते,

तंजहा–दिसिव्वयं १ उवभोगपरीभोगपरिमाणं २ अनत्थदंडवेरमणं ३ सामाइयं ४ देसावगासियं ५ पोसहोववासो ६ अतिहिसंविभागो ७ अपच्छिम-मारणंतिय-संलेहणा-झूसणाराहणता ७ ॥ सूत्रं २७२ ॥ जीवा णं भंते ! किं मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा मूलगुणपच्चक्खाणीवि उत्तरगुणपच्चक्खाणीवि अपच्चक्खाणीवि १ । नेरइया णं भंते ! किं मूलगुणपच्चक्खाणी पुच्छा ?, गोयमा ! नेरइया नो मूलगुणपच्चक्खाणी नो उत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी २ । एवं जाव चउरिंदिया, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ३ । एएसि णं भंते ! जीवाणं मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अनंतगुणा ४ । एएसि णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पंचेंदियतिरिक्खजोणिया मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असंखिज्जगुणा ५ । एएसि णं भंते ! मणुस्साणं मूलगुणपच्चक्खाणीणं पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सा मूलगुणपच्चक्खाणी उत्तरगुणपच्चक्खाणी संखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा ६ । जीवा णं भंते ! किं सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी ? देसमूलगुणपच्चक्खाणी ? अपच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणीवि ७ । नेरइयाणं पुच्छा, गोयमा ! नेरइया नो सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी नो देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी, एवं जाव चउरिंदिया ८ । पंचिंदियतिरिक्खपुच्छा, गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिय नो सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणीवि, मणुस्सा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा नेरइया ९ । एएसि णं भंते !

जीवाणं सव्वमूलगुणपच्चक्खाणीणं देसमूलगुणपच्चक्खाणीणं अपच्चक्खाणीण य कयरे२हिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सव्वमूलगुणपच्चक्खाणी देसमूलगुणपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणंतगुणा १० । एवं अप्पाबहुगाणि तिन्निवि जहा पढमिल्लए दंडए, नवरं सव्वत्थोवा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया देसमूलगुणपच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा ११ । जीवा णं भंते ! किं सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणी ? देसुत्तरगुणपच्चक्खाणी ? अपच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणीवि तिन्निवि, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य एवं चेव, सेसा अपच्चक्खाणी जाव वेमाणिया १२ । एएसि णं भंते ! जीवाणं सव्वुत्तरगुणपच्चक्खाणी अप्पाबहुगाणि तिन्निवि जहा पढमे दंडए जाव मणूसाणं १३ । जीवा णं भंते ! किं संजया असंजया संजयासंजया ?, गोयमा ! जीवा संजयावि असंजयावि संजयासंजयावि तिन्निवि, एवं जहेव पन्नवणाए तहेव भाणियव्वं, जाव वेमाणिया, अप्पाबहुगं तहेव तिण्हवि भाणियव्वं १४ । जीवा णं भंते ! किं पच्चक्खाणी ? अपच्चक्खाणी ? पच्चक्खाणापच्चक्खाणी ?, गोयमा ! जीवा पच्चक्खाणीवि एवं तिन्निवि, एवं मणुस्साणवि तिन्निवि, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया आइल्लविरहिया सेसा सव्वे अपच्चक्खाणी जाव वेमाणिया १५ । एएसि णं भंते ! जीवाणं पच्चक्खाणीणं जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी अणंतगुणा, पंचेंदियतिरिक्खजोणिया सव्वत्थोवा पच्चक्खाणापच्चक्खाणी अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा, मणुस्सा सव्वत्थोवा पच्चक्खाणी पच्चक्खाणापच्चक्खाणी संखेज्जगुणा अपच्चक्खाणी असंखेज्जगुणा १६ ॥ सूत्रं २७३ ॥ जीवा णं भंते ! किं सासया असासया ?, गोयमा ! जीवा सिय सासया सिय असासया १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–जीवा सिय सासया सिय

असासया ?, गोयमा ! दव्वट्ठयाए सासया भावट्ठयाए असासया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–जाव सिय असासया २ । नेरइया णं भंते ! किं सासया असासया ?, एवं जहा जीवा तहा नेरइयावि, एवं जाव वेमाणिया जाव सिय सासया सिय असासया ३ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ४ ॥ सूत्रं २७४ ॥ सत्तमस्स बिइओ उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति सप्तमशतके द्वितीय उद्देशकः ॥ ७–२ ॥

॥ अथ सप्तमशतके स्थावराख्य-तृतीयोद्देशकः ॥

वणस्सइकाइया णं भंते ! किंकालं सव्वप्पाहारगा वा सव्वमहाहारगा वा भवंति ?, गोयमा ! पाउसवरिसारत्तेसु णं एत्थ णं वणस्सइकाइया सव्वमहाहारगा भवंति तदाणंतरं च णं सरए तयाणंतरं च णं हेमंते तदाणंतरं च णं वसंते तदाणंतरं च णं गिम्हे गिम्हासु णं वणस्सइकाइया सव्वप्पाहारगा भवंति १ । जइ णं भंते ! गिम्हासु वणस्सइकाइया सव्वप्पाहारगा भवंति, कम्हा णं भंते ! गिम्हासु बहवे वणस्सइकाइया पत्तिया पुप्फिया फलिया हरियगरेरिज्जमाणा सिरीए अईव अईव उवसोभेमाणा उवसोभेमाणा चिट्ठंति ?, गोयमा ! गिम्हासु णं बहवे उसिणजोणिया जीवा य पोग्गला य वणस्सइकाइयत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उववज्जंति, एवं खलु गोयमा ! गिम्हासु बहवे वणस्सइकाइया पत्तिया पुप्फिया जाव चिट्ठंति २ ॥ सूत्रं २७५ ॥ से नूणं भंते ! मूला मूलजीवफुडा कंदा कंदजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा ?, हंता गोयमा ! मूला मूलजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा १ । जति णं भंते ! मूला मूलजीवफुडा जाव बीया बीयजीवफुडा कम्हा णं भंते ! वणस्सइकाइया आहारेंति कम्हा परिणामेंति ?, गोयमा ! मूला मूलजीवफुडा पुढविजीवपडिबद्धा तम्हा आहारेंति तम्हा परिणामेंति कंदा कंदजीवफुडा मूलजीवपडिबद्धा तम्हा आहारेंति तम्हा परिणामेंति एवं जाव बीया

बीयजीवफुडा फलजीवपडिबद्धा तम्हा आहारेंति तम्हा परिणामेंति २ ॥ सूत्रं २७६ ॥ अह भंते ! आलुए मूलए सिंगबेरे हिरिली सिरिलि सिस्सिरिली किट्टिया छिरिया छीरिविरालिया कण्हकंदे वज्जकंदे सूरणकंदे खेलूडे अद्दए भद्दमुत्था पिंडहलिद्दा लोही णीहू थीहू थिरूगा मुग्गकण्णी अस्सकण्णी सीहकण्णी सीहंढी मुसुंढी जे यावन्ने तहप्पगारा सव्वे ते अणंतजीवा विविहसत्ता ?, हंता गोयमा ! आलुए मूलए जाव अणंतजीवा विविहसत्ता (चित्ताविहि) ॥ सूत्रं २७७ ॥ सिय भंते! कण्हलेसे नेरइए अप्पकम्मतराए नीललेसे नेरइए महाकम्मतराए?, हंता गोयमा ! सिया १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–कण्हलेसे नेरइए अप्पकम्मतराए नीललेसे नेरइए महाकम्मतराए ?, गोयमा ! ठिति पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव महाकम्मतराए २ । सिय भंते ! नीललेसे नेरइए अप्पकम्मतराए काउलेसे नेरइए महाकम्मतराए ?, हंता सिया ३ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चति–नीललेसे अप्पकम्मतराए काउलेसे नेरइए महाकम्मतराए ?, गोयमा ! ठितिं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव महाकम्मतराए ४ । एवं असुरकुमारे वि, नवरं तेउलेसा अब्भहिया एवं जाव वेमाणिया, जस्स जइ लेसाओ तस्स तत्तिया भाणियव्वाओ, जोइसियस्स न भन्नइ ५ । जाव सिय भंते ! पम्हलेसे वेमाणिए अप्पकम्मतराए सुक्कलेसे वेमाणिए महाकम्मतराए ?, हंता सिया ६ । से केणट्ठेणं जाव सिया ? सेसं जहा नेरइयस्स जाव महाकम्मतराए॥ सूत्रं २७८ ॥ से नूणं भंते ! जा वेदणा सा निज्जरा जा निज्जरा सा वेदणा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जा वेयणा न सा निज्जरा जा निज्जरा न सा वेयणा ?, गोयमा ! कम्म वेदणा णोकम्म निज्जरा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव न सा वेदणा २ । नेरइयाणं भंते ! जा वेदणा सा निज्जरा जा निज्जरा सा वेयणा ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे ३ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं

वुच्चइ नेरइयाणं जा वेयणा न सा निज्जरा जा निज्जरा न सा वेयणा ?, गोयमा ! नेरइयाणं कम्म वेदणा णोकम्म निज्जरा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव न सा वेयणा, एवं जाव वेमाणियाणं ४। से नूणं भंते ! जं वेदेंसु तं निज्जरिंसु जं निज्जरिंसु तं वेदेंसु ? णो तिणट्ठे समट्ठे ५। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जं वेदेंसु नो तं निज्जरेंसु जं निज्जरेंसु नो तं वेदेंसु ?, गोयमा ! कम्मं वेदेंसु नोकम्मं निज्जरिंसु, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव नो तं वेदेंसु, नेरइया णं भंते ! जं वेदेंसु तं निज्जरिंसु ? एवं नेरइयावि एवं जाव वेमाणिया ६। से नूणं भंते ! जं वेदेंति तं निज्जरेंति जं निज्जरेंति तं वेदेंति ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे ७। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव नो तं वेदेंति ?, गोयमा ! कम्मं वेदेंति नोकम्मं निज्जरेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव नो तं वेदेंति, एवं नेरइयावि जाव वेमाणिया ८। से नूणं भंते ! जं वेदिस्संति तं निज्जरिस्संति जं निज्जरिस्संति तं वेदिस्संति ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे ९। से केणट्ठेणं जाव णो तं वेदेस्संति ?, गोयमा ! कम्मं वेदिस्संति नोकम्मं निज्जरिस्संति, से तेणट्ठेणं जाव नो तं निज्जरिस्संति, एवं नेरइयावि जाव वेमाणिया १०। से णूणं भंते ! जे वेदणासमए से निज्जरासमए जे निज्जरासमए से वेदणासमए ?, नो तिणट्ठे समट्ठे ११। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जे वेयणासमए न से निज्जरासमए जे निज्जरासमए न से वेदणासमए ?, गोयमा ! जं समयं वेदेंति नो तं समयं निज्जरेंति जं समयं निज्जरेंति नो तं समयं वेदेंति, अन्नम्मि समए वेदेंति अन्नम्मि समए निज्जरेंति अन्ने से वेदणासमए अन्ने से निज्जरासमए, से तेणट्ठेणं जाव न से निज्जरासमए न से वेदणासमए १२। नेरइयाणं भंते ! जे वेदणासमए से निज्जरासमए ? जे निज्जरासमए से वेदणासमए ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे १३। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइयाणं जे वेदणासमए न से निज्जरासमए जे निज्जरासमए न से वेदणासमए ?, गोयमा ! नेरइया णं जं समयं वेदेंति

णो तं समयं निज्जरेंति जं समयं निज्जरंति नो तं समयं वेदेंति अन्नम्मि समए वेदेंति अन्नम्मि समए निज्जरेंति अन्ने से वेदणासमए अन्ने से निज्जरासमए, से तेणट्ठेणं जाव न से वेदणासमए, एवं जाव वेमाणियाणं १४ ॥ सूत्रं २७९ ॥ नेरइया णं भंते ! किं सासया असासया ?, गोयमा ! सिय सासया सिय असासया १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नेरइया सिय सासया सिय असासया ?, गोयमा ! अव्वोच्छित्तिणयट्ठयाए सासया वोच्छित्तिणयट्ठयाए असासया, से तेणट्ठेणं जाव सिय सासया सिय असासया २ । एवं जाव वेमाणिया जाव सिय असासया ३ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ४ ॥ सूत्रं २८० ॥

॥ इति सप्तमशतके तृतीय उद्देशकः ॥ ७-३ ॥

॥ अथ सप्तमशतके जीवाख्य-चतुर्थोद्देशकः ॥

रायगिहे नगरे जाव एवं वदासी–कतिविहा णं भंते ! संसारसमावन्नगा जीवा पन्नत्ता ? गोयमा ! छव्विहा संसारसमावन्नगा जीवा पन्नत्ता, तंजहा–पुढविकाइया एवं जहा जीवाभिगमे जाव सम्मत्तकिरियं वा मिच्छत्तकिरियं वा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति । (जीवा छव्विह पुढवी जीवाण ठिती भवट्ठिती काए । निल्लेवण अणगारे किरिया सम्मत्तमिच्छत्ता ॥ १ ॥) (जोणिसंगहलेसा दिट्ठी णाणे य जोग उवओगे । उववायठिइसमुग्घाय-चवणजाई-कुलविहीओ ॥ १ ॥) ॥ सूत्रं २८१ ॥

॥ इति सप्तमशतके चतुर्थ उद्देशकः ॥ ७-४ ॥

॥ अथ सप्तमशतके पञ्चिनामक-पञ्चमोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वदासी–सहयर-पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणियाणं भंते ! कतिविहे णं जोणीसंगहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! तिविहे जोणीसंगहे

पण्णत्ते, तंजहा—अंडया पोयया संमुच्छिमा, एवं जहा जीवाभिगमे जाव नो चेव णं ते विमाणे वीतीवएज्जा १। एवंमहालयाणं गोयमा! ते विमाणा पन्नत्ता २। जोणीसंगह लेसा दिट्ठी नाणे य जोग उवओगे। उववाय-ठितिसमुग्घायचवण-जातीकुलविहीओ ॥ १ ॥ सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरति ३ ॥ सूत्रं २८२ ॥

॥ इति सप्तमशतके पञ्चम उद्देशकः ॥ ७–५ ॥

॥ अथ सप्तमशतके आयुनामक-षष्ठोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वदासी—जीवे णं भंते! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए, से णं भंते! किं इहगए नेरइयाउयं पकरेति उववज्जमाणे नेरइयाउयं पकरेइ उववन्ने नेरइयाउयं पकरेइ?, गोयमा! इहगए नेरइयाउयं पकरेइ नो उववज्जमाणे नेरइयाउयं पकरेइ नो उववन्ने नेरइयाउयं पकरेइ, एवं असुरकुमारेसुवि एवं जाव वेमाणिएसु १। जीवे णं भंते! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! किं इहगए नेरइयाउयं पडिसंवेदेति? उववज्जमाणे नेरइयाउयं पडिसंवेदेति? उववन्ने नेरइयाउयं पडिसंवेदेति?, गोयमा! णोरइए णो इहगए नेरइयाउयं पडिसंवेदेइ उववज्जमाणे नेरइयाउयं पडिसंवेदेइ उववन्नेवि नेरइयाउयं पडिसंवेदेति, एवं जाव वेमाणिएसु २। जीवे णं भंते! जे भविए नेरइएसु उववज्जित्तए से णं भंते! किं इहगए महावेदणे? उववज्जमाणे महावेदणे? उववन्ने महावेदणे?, गोयमा! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेदणे उववज्जमाणे सिय महावेदणे सिय अप्पवेदणे, अहे णं उववन्ने भवति तओ पच्छा एगंतदुक्खं वेयणं वेयति आहच्च सायं ३। जीवे णं भंते! जे भविए असुरकुमारेसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा! इहगए सिय महावेदणे सिय अप्पवेदणे उववज्जमाणे सिय महावेदणे सिय अप्पवेदणे, अहे णं उववन्ने भवइ तओ पच्छा एगंतसायं

वेयणं वेदेति आहच्च असायं, एवं जाव थणियकुमारेसु ४ । जीवे णं भंते ! जे भविए पुढविकाएसु उववज्जित्तए पुच्छा, गोयमा ! इहगए सिय महावेयणे सिय अप्पवेयणे, एवं उववज्जमाणेवि, अहे णं उववन्ने भवति तओ पच्छा वेमायाए वेयणं वेयति एवं जाव मणुस्सेसु, वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु जहा असुरकुमारेसु ५ ॥ सूत्रं २८३ ॥ जीवा णं भंते ! किं आभोगनिव्वत्तिया-उया अणाभोगनिव्वत्तियाउया ?, गोयमा ! नो आभोगनिव्वत्तियाउया अणा-भोगनिव्वत्तियाउया, एवं नेरइयावि, एवं जाव वेमाणिया ॥ सूत्रं २८४ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवा णं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! हंता अत्थि, कहन्नं भंते ! जीवा णं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु गोयमा ! जीवाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति १ । अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं कक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति, एवं चेव एवं जाव वेमाणियाणं २ । अत्थि णं भंते ! जीवा णं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, हन्ता अत्थि, कहन्नं भंते ! अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! पाणाइवायवेरमणेणं जाव परिग्गहवेरमणेणं, कोहविवेगेणं जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगेणं, एवं खलु गोयमा ! जीवाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ३ । अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं अकक्कसवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, एवं जाव वेमाणिया, नवरं मणुस्साणं जहा जीवाणं ४ ॥ सूत्रं २८५ ॥ अत्थि णं भंते ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, हंता अत्थि, कहन्नं भंते ! जीवाणं सातावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! पाणाणुकंपाए भूयाणुकंपाए जीवाणुकंपाए सत्ताणुकंपाए, बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं अदुक्खणयाए असोयणयाए अजूरणयाए अतिप्पणयाए अपिट्टणयाए अपरियावणयाए एवं खलु गोयमा ! जीवाणं सायावेयणिज्जा कम्मा कज्जंति, एवं नेरइयाणवि, एवं जाव वेमाणियाणं १ । अत्थि णं

भंते ! जीवाणं अस्सायवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, हंता अत्थि, कहन्नं भंते ! जीवाणं अस्सायवेयणिज्जा कम्मा कज्जंति ?, गोयमा ! परदुक्खणयाए परसोयणयाए परजूरणयाए परतिप्पणयाए परपिट्टणयाए परपरियावणयाए बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए, एवं खलु गोयमा ! जीवाणं अस्सायवेयणिज्जा कम्म कज्जंति, एवं नेरइयाणवि, एवं जाव वेमाणियाणं २ ॥ सूत्रं २८६ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे इमीसे ओसप्पिणीए दूसमदूसमाए समाए उत्तमकट्ठपत्ताए भरहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सति ?, गोयमा ! कालो भविस्सइ हाहाभूए भंभाभूए कोलाहलभूए समयाणुभावेण य णं खरफरुस-धूलिमइला दुव्विसहा वाउला भयंकरा वाया संवट्टगा य वाइंति, इह अभिक्खं धूमाइंति य दिसा समंता रउस्सला(रयस्सला)-(रयोसला)रेणुकलुस-तमपडलनिरालोगा समयलुक्खयाए य णं अहियं चंदा सीयं मोच्छंति अहियं सूरिया तवइस्संति अदुत्तरं च णं अभिक्खणं बहवे अरसमेहा विरसमेहा खारमेहा खट्टमेहा अग्गिमेहा विज्जुमेहा विसमेहा असणिमेहा अप्पणिज्जोदगा (अजवणिज्जोदया) वाहि-रोग-वेदणोदीरणा-परिणामसलिला अमणुन्नपाणियगा चंडानिल-पहय-तिक्खधारा-निवायपउरं वासं वासिहिति १ । जे णं भारहे वासे गामागर-नगर खेड-कव्वड-मडंब-दोणमुह-पट्टणाऽऽसमागयं जणवयं चउप्पय-गवेलगए खहयरे य पक्खिसंघे गामाऽरन्नपयारनिरए तसे य पाणे बहुप्पगारे रुक्ख-गुच्छ-गुम्म-लय-वल्लि-तण-पव्वग-हरितोसहि-पवालंकुरमादीए य तणवणस्सइकाइए विद्धंसेहिंति पव्वय-गिरिडोंगर-उच्छल-भट्टिमादीए वेयड्ढगिरिवज्जे विरावेहिंति सलिल-बिल-गड्ड-दुग्गविसमं निरणुन्नयाइं च गंगासिंधुवज्जाइं समीकरेहिंति २ । तीसे णं भंते ! समाए भरहवासस्स भूमीए केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सति ?, गोयमा ! भूमी भविस्सति इंगालभूया मुम्मुरभूया छारियभूया तत्तकवेल्लयभूया

तत्तसमजोतिभूया धूलिबहुला रेणुबहुला पंकबहुला पणगबहुला चलणिबहुला बहूणं धरणिगोयराणं सत्ताणं दोनिक्कमा य भविस्सति ३ ॥ सूत्रं २८७ ॥ तीसे णं भंते ! समाए भारहे वासे मणुयाण केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सति ?, गोयमा ! मणुया भविस्संति दुरूवा दुवन्ना दुगंधा दुरसा दुफासा अणिट्ठा अकंता जाव अमणामा हीणस्सरा दीणस्सरा अणिट्ठस्सरा जाव अमणामस्सरा अणादेज-वयण-पच्चायाया निल्लज्जा कूड-कवड-कलह-वह-बंध वेरनिरया मज्जायातिक्कमप्पहाणा अकज्जनिच्चुज्जता गुरुनियोय-विणयरहिया य विकलरूवा परूढ-नह-केस-मंसुरोमा काला खर-फरुस-झामवन्ना फुट्टसिरा कविलपलियकेसा बहुरहारु[णि]संपिनद्ध-दुद्दंसणिज्जरूवा संकुडिय-वलीतरंगपरिवेढियंगमंगा जरापरिणतव्व थेरगनरा पविरल-परिसडिय-दंतसेढी उब्भडघडमुहा विसमनयणा वंकनासा वंक(ग)वलीविगय-भेसणमुहा कच्छू-कसराभिभूया खर-तिक्ख-नख-कंडूइय-विक्खयतणू ददु-किडि-भसिभ-फुडिय-फरुसच्छवी चित्तलंगाटोल(ला)गति-विसम-संधि-बंधण-उक्कुड्डुअट्ठिग-विभत्त-दुब्बल कुसंघयण-कुप्पमाण-कुसंठिया कुरूवा कुठाणासणकुसेज्जकुभोइणो असुइणो अणेग-वाहि-परिपीलियंगमंगा खलंतवेज्झलगती निरुच्छाहा सत्तपरिवज्जिया विगयचिट्ठा नट्ठतेया अभिक्खणं सीय-उण्ह-खर-फरुस-वायविज्झडिया मलिण-पंसुरअणुंडियंगमंगा बहुकोहमाण-माया बहुलोभा असुहदुक्खभोगी ओसन्नं धम्मसण्ण-सम्मत्तपरिब्भट्ठा उक्कोसेणं रयणिप्पमाणमेता सोलस-वीसति-वासपरमाउसो पुत्तनत्तुपरियालपणय(परिपालण)बहुला गंगासिंधूओ महानदीओ वेयड्ढं च पव्वयं निस्साए बावत्तरिं निओदा बीयं बीयामेत्ता बिलवासिणो भविस्संति १ । ते णं भंते ! मणुया किमाहारमाहारेंति ?, गोयमा ! ते णं काले णं ते णं समए णं गंगासिंधूओ महानदीओ रहपहवित्थराओ अक्खसोयप्पमाणमेत्तं जलं वोज्झिहिंति सेवि य णं जले बहुमच्छकच्छभाइन्ने णो चेव णं आउय-

बहुले भविस्सति, तए णं ते मणुया सुरुग्गमण-मुहुत्तंसि य सूरत्थमण-मुहुत्तंसि य बिलेहिंतो निद्धाहिंति बिलेहिंतो निद्धाइत्ता मच्छकच्छभे थलाइं गाहेहिंति मच्छकच्छभे थलाइं गाहेत्ता सीयायव-तत्तएहिं मच्छकच्छएहिं एक्कवीसं वाससहस्साइं वित्तिं कप्पेमाणा विहरिस्संति २। ते णं भंते ! मणुया निस्सीला निग्गुणा निम्मेरा निप्पच्चक्खाण-पोसहोववासा ओसण्णं मंसाहारा मच्छाहारा खोद्दाहारा कुणिमाहारा कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिंति ? कहिं उववज्जिहिंति ?, गोयमा ! ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति ३। ते णं भंते ! सीहा वग्घा वगा दीविया अच्छा तरच्छा परस्सरा निस्सीला तहेव जाव कहिं उववज्जिहिंति ?, गोयमा ! ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति ४। ते णं भंते ! ढंका कंका विलका मद्दुगा सिही निस्सीला तहेव जाव ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति ५। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं २८८ ॥ सत्तमस्स छट्ठो उद्देसओ ॥

॥ इति सप्तमशतके षष्ठ उद्देशकः ॥ ७-६ ॥

॥ अथ सप्तमशतके अणगाराभिध-सप्तमोद्देशकः ॥

संवुडस्स णं भंते ! अणगारस्स आउत्तं गच्छमाणस्स जाव आउत्तं तुयट्टमाणस्स आउत्तं वत्थं पडिग्गहं कंबलं पायपुंछणं गेण्हमाणस्स वा निक्खिवमाणस्स वा, तस्स णं भंते ! किं ईरियावहिया किरिया कज्जइ ? संपराइया किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! संवुडस्स णं अणगारस्स जाव तस्स णं ईरियावहिया किरिया कज्जइ णो संपराइया किरिया कज्जइत्ति १। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–संवुडस्स णं जाव नो संपराइया किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! जस्स णं कोहमाणमायालोभा वोच्छिन्ना भवंति तस्स णं ईरियावहिया किरिया कज्जइ, तहेव जाव उस्सुत्तं रीयमाणस्स संपराइया

किरिया कज्जइ, से णं अहासुत्तमेव रीयइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव नो संपराईया किरिया कज्जइ २ ॥ सूत्रं २८६ ॥ रूवी भंते ! कामा ? अरूवी कामा ?, गोयमा ! रूवी कामा समणाउसो ! नो अरूवी कामा १ । सचित्ता भंते ! कामा ? अचित्ता कामा ?, गोयमा ! सचित्तावि कामा अचित्तावि कामा २ । जीवा भंते ! कामा ? अजीवा कामा ?, गोयमा ! जीवावि कामा अजीवावि कामा ३ । जीवाणं भंते ! कामा ? अजीवाणं कामा ?, गोयमा ! जीवाणं कामा नो अजीवाणं कामा ४ । कतिविहा णं भंते ! कामा पन्नत्ता ?, गोयमा ! दुविहा कामा पन्नत्ता, तंजहा—सद्दा य रूवा य ५ । रूवी भंते ! भोगा अरूवी भोगा ?, गोयमा ! रूवी भोगा नो अरूवी भोगा ६ । सचित्ता भंते ! भोगा अचित्ता भोगा ?, गोयमा ! सचित्तावि भोगा अचित्तावि भोगा ७ । जीवा णं भंते ! भोगा ? पुच्छा, गोयमा ! जीवावि भोगा अजीवावि भोगा ८ । जीवाणं भंते ! भोगा अजीवाणं भोगा ?, गोयमा ! जीवाणं भोगा नो अजीवाणं भोगा ९ । कतिविहा णं भंते ! भोगा पन्नत्ता ?, गोयमा ! तिविहा भोगा पन्नत्ता तंजहा—गंधा रसा फासा १० । कतिविहा णं भंते ! कामभोगा पन्नत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा कामभोगा पन्नत्ता, तंजहा—सद्दा रूवा गंधा रसा फासा ११ । जीवा णं भंते ! किं कामी भोगी ?, गोयमा ! जीवा कामीवि भोगीवि १२ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जीवा कामीवि भोगीवि ?, गोयमा ! सोइंदियचक्खिंदियाइं पडुच्च कामी घाणिंदिय-जिब्भिंदिय-फासिंदियाइं पडुच्च भोगी, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव भोगीवि १३ । नेरइया णं भंते ! किं कामी भोगी ?, एवं चेव एवं जाव थणियकुमारा १४ । पुढविकाइयाणं पुच्छा, गोयमा ! पुढविकाइया नो कामी भोगी १५ । से केणट्ठेणं जाव भोगी ?, गोयमा ! फासिंदियं पडुच्च से तेणट्ठेणं जाव भोगी १६ । एवं जाव वणस्सइकाइया, बेइंदिया एवं चेव नवरं जिब्भिंदिय-फासिंदियाइं

पडुच्च भोगी, तेइंदियावि एवं चेव नवरं घाणिंदिय-जिब्भिंदिय-फासिंदियाइं पडुच्च भोगी १७। चउरिंदियाणं पुच्छा गोयमा ! चउरिंदिया कामीवि भोगीवि १८। से केणट्ठेणं जाव भोगीवि ?, गोयमा ! चक्खिंदियं पडुच्च कामी घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियाइं पडुच्च भोगी, से तेणट्ठेणं जाव भोगीवि, अवसेसा जहा जीवा जाव वेमाणिया १९। एएसि णं भंते ! जीवाणं कामभोगीणं नोकामीणं नोभोगीणं भोगीण य कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा कामभोगी नोकामीनोभोगी अणंतगुणा भोगी अणंतगुणा २०॥ सूत्रं २१०॥ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे जे भविए अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववज्जित्तए, से नूणं भंते ! से खीणभोगी नो पभू उट्ठाणेणं कम्मेणं बलेणं वीरिएणं पुरिसकारपरक्कमेणं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए ?, से नूणं भंते ! एयमट्ठं एवं वयह ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, पभू णं उट्ठाणेणवि कम्मेणवि बलेणवि वीरिएणवि पुरुसकारपरक्कमेणवि अन्नयराइं विपुलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए, तम्हा भोगी भोगे परिच्चयमाणे महानिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ १। आहोहिए णं भंते ! मणुस्से जे भविए अन्नयरेसु देवलोएसु, एवं चेव जहा छउमत्थे जाव महापज्जवसाणे भवति २। परमाहोहिए णं भंते ! मणुस्से जे भविए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झित्तए जाव अंतं करेत्तए ?, से नूणं भंते ! से खीणभोगी, सेसं जहा छउमत्थस्स ३। केवली णं भंते ! मणुस्से जे भविए तेणेव भवग्गहणेणं, एवं जहा परमाहोहिए जाव महापज्जवसाणे भवइ ४॥ सूत्रं २११॥ जे इमे भंते ! असन्निणो पाणा, तंजहा—पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा य एगतिया तसा, एए णं अंधा मूढा तमंपविट्ठा तमपडल-मोहजाल-पडिच्छण्णा अकामनिकरणं वेदणं वेदंतीति वत्तव्वं सिया ?, हंता गोयमा ! जे इमे असन्निणो पाणा जाव पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया छट्ठा य जाव वेदणं वेदंतीति

वत्तव्वं सिया १ । अत्थि णं भंते ! पभूवि अकामनिकरणं वेदणं वेदंति ?, हंता गोयमा ! अत्थि २ । कहन्नं भंते ! पभूवि अकामनिकरणं वेदणं वेदेंति ?, गोयमा ! जे णं णो पभू विणा पदीवेणं अंधकारंसि रूवाइं पासित्तए, जे णं नो पभू पुरओ रूवाइं अणिज्झाइत्ता णं पासित्तए, जे णं नो पभू मग्गओ रूवाइं अणवयक्खित्ता णं पासित्तए, जे णं नो पभू पासओ रूवाइं अणवलोएत्ता (अणुलोइत्ता) णं पासित्तए, जे णं नो पभू उड्ढं रूवाइं अणालोएत्ता णं पासित्तए, जे णं नो पभू अहे रूवाइं अणालोयएत्ता णं पासित्तए, एस णं गोयमा ! पभूवि अकामनिकरणं वेदणं वेदेंति ३ । अत्थि णं भंते ! पभूवि पकामनिकरणं वेदणं वेदेंति ?, हंता अत्थि ४ । कहन्नं भंते ! पभूवि पकामनिकरणं वेदणं वेदंति ?, गोयमा ! जे णं नो पभू समुद्दस्स पारं गमित्तए जे णं नो पभू समुद्दस्स पारगयाइं रूवाइं पासित्तए जे णं नो पभू देवलोगं गमित्तए जे णं नो पभू देवलोगगयाइं रूवाइं पासित्तए, एस णं गोयमा ! पभूवि पकामनिकरणं वेदणं वेदेंति ५ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ६ ॥ सूत्रं २१२ ॥ सत्तमस्स सत्तमो उद्देसओ समत्तो ॥

॥ इति सप्तमशतके सप्तम उद्देशकः ॥ ७-७ ॥

॥ अथ सप्तमशतके छद्मस्थाख्या-ष्टमोद्देशकः ॥

छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तीयमणंतं सासयं समयं केवलेणं संजमेणं एवं जहा पढमसए चउत्थे उद्देसए तहा भाणियव्वं जाव अलमत्थु ॥सूत्रं २१३॥ से णूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समे चेव जीवे ?, हंता गोयमा ! हत्थिस्स कुंथुस्स य, एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव खुड्डियं वा महालियं वा से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव समे चेव जीवे ॥ सूत्रं २१४ ॥ नेरइयाणं भंते ! पावे कम्मे जे य कडे जे य कज्जइ जे य कज्जिस्सइ सव्वे से दुक्खे ?

जे निज्जिन्ने से सुहे ?, हंता गोयमा ! नेरइयाणं पावे कम्मे जाव सुहे, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ सूत्रं २१५ ॥ कति णं भंते ! सन्नाओपन्नत्ताओ ?, गोयमा ! दस सन्नाओ पन्नत्ताओ, तंजहा–आहारसन्ना १ भयसन्ना २ मेहुणसन्ना ३ परिग्गहसन्ना ४ कोहसन्ना ५ माणसन्ना ६ मायासन्ना ७ लाभसन्ना ८ लोगसन्ना ९ ओहसन्ना १०, एवं जाव वेमाणियाणं १ । नेरइया दसविहं वेयणं (वेयणिज्जं) पच्चणुभवमाणा विहरंति, तंजहा–सीयं उसिणं खुहं पिवासं कंडुं परज्झं जरं दाहं भयं सोगं ॥ सूत्रं २१६ ॥ से नूणं भंते ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य समा चेव अपच्चक्खाणकिरिया कज्जति ?, हंता गोयमा ! हत्थिस्स य कुंथुस्स य जाव कज्जति २ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव कज्जइ ?, गोयमा ! अविरतिं पडुच्च, से तेणट्ठेणं जाव कज्जइ २ ॥ सूत्रं २१७ ॥ आहाकम्मणं भंते ! भुंजमाणे किं बंधइ ? किं पकरेइ ? किं चिणाइ ? किं उवचिणाइ ? एवं जहा पढमे सए नवमे उद्देसए तहा भाणियव्वं जाव सासए पंडिए पंडियत्तं असासयं, सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं २१८ ॥ सत्तमसयस्स अट्ठम उद्देसो ॥

॥ इति सप्तमशतके अष्टम उद्देशकः ॥ ७–८ ॥

॥ अथ सप्तमशतके असंवृताख्य-नवमोद्देशकः ॥

असंवुडे णं भंते ! अणगारे बाहिरए पोग्गले अपरियाइत्ता पभू एगवन्नं एगरूवं विउव्वित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे १ । असंवुडे णं भंते ! अणगारे बाहिरए पोग्गले परियाइत्ता पभू एगवन्नं एगरूवं जाव हंता पभू २ । से भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वइ ? तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विउव्वति ? अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विकुव्वइ ?, गोयमा ! इहगए पोग्गले परियाइत्ता विकुव्वइ नो तत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विकुव्वइ नो अन्नत्थगए पोग्गले जाव विकुव्वति ३ । एवं एगवन्नं

अणोगरूवं चउभंगो जहा छट्ठसए नवमे उद्देसए तहा इहावि भाणियव्वं, नवरं अणगारे इहगयं इहगए चेव पोग्गले परियाइत्ता विकुव्वइ ४। सेसं तं चेव जाव लुक्खपोग्गलं निद्धपोग्गलत्ताए परिणामेत्तए ?, हंता पभू ५। से भंते ! किं इहगए पोग्गले परियाइत्ता जाव नो अन्नत्थगए पोग्गले परियाइत्ता विकुव्वइ ६ ॥ सूत्रं २११ ॥ णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विन्नायमेवं अरहया महासिलाकंटए संगामे महासिलाकंटए संगामे १। महासिलाकंटए णं भंते ! संगामे वट्टमाणे के जइत्था ? के पराजइत्था ?, गोयमा ! वज्जी विदेहपुत्ते जइत्था, नवमल्लई नवलेच्छई कासीकोसलगा अट्ठारसवि गणरायाणो पराजइत्था २। तए णं से कोणिए राया महासिलाकंटकं संगामं उवट्ठियं जाणित्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! उदाइं हत्थिरायं पडिकप्पेह हयगयरहजोहकलियं चाउरंगिणिं सेणिं सन्नाहेह २ त्ता मम एयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणह ३। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा कोणिएणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव अंजलिं कट्टु एवं सामी ! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति २ खिप्पामेव छेयायरियोवएस-मतिकप्पणा-विकप्पेहिं सुनिउणेहिं एवं जहा उववाइए जाव भीमं संगामियं अउज्झं उदाइं हत्थिरायं पडिकप्पेंति हयगय जाव सन्नाहेंति २ जेणेव कूणिए राया तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छइत्ता करयल परिग्गहिअदसनहं जाव कट्टु कूणियस्स रन्नो तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति ४। तए णं से कूणिए राया जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता मज्जणघरं अणुपविसइ मज्जणघरं अणुपविसित्ता राहाए कयबलिकम्मे कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ते सव्वालंकार-विभूसिए सन्नद्ध-बद्ध-वम्मियकवए उप्पीलिय-सरासणपट्टिए पिणद्धगेवेज्जे विमलवर-बद्धचिंधपट्टे गहियाउहप्पहरणे सकोरिंट-मल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चउचामर-वालवीतियंगे मंगल-जय-सद्दकयालोए एवं जहा उववाइए जाव उवागच्छित्ता उदाइं

हत्थिरायं दुरूढे ५। तए णं से कूणिए राया हारोत्थय-सुकय-रइयवच्छे जहा उववाइए जाव सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं उद्धुव्वमाणीहिं हयगय-रह-पवर-जोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे महया भड-चडगर-विंद-परिक्खित्ते जेणेव महासिलाए कंटए संगामे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता महासिलाकंटयं संगामं ओयाए, पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया एगं महं अभेज्जकवयं वइरपडिरूवगं विउव्वित्ताणं चिट्ठति, एवं खलु दो इंदा संगामं संगामेंति, तंजहा—देविंदे य मणुइंदे य, एगहत्थिणावि णं पभू कूणिए राया पराजिणित्तए ६। तए णं से कूणिए राया महासिला-कंटकं संगामं संगामेमाणे नव मल्लइ नव लेच्छइ कासीकोसलगा अट्ठारसवि गणरायाणो हय-महिय-पवर-वीरघाइय-वियडिय-चिंधद्धय-पडागे किच्छपाणगए दिसो दिसिं पडिसेहित्था ७। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ महासिलाकंटए संगामे २ ?, गोयमा ! महासिलाकंटए णं संगामे वट्टमाणे जे तत्थ आसे वा हत्थी वा जोहे वा सारही वा तणेण वा पत्तेण वा कट्ठेण वा सक्कराए वा अभिहम्मति सव्वे से जाणइ महासिलाए अहं अभिहए महासिलाए अहं अभिहए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! महासिलाकंटए संगामे २, ८। महासिला-कंटए णं भंते ! संगामे वट्टमाणे कति जणसयसाहस्सीओ वहियाओ ?, गोयमा ! चउरासीइं जणसयसाहस्सीओ वहियाओ ९। ते णं भंते ! मणुया निस्सीला जाव निप्पच्चक्खाणं पोसहोववासा रुट्ठा परिकुविया समरवहिया अणुवसंता कालमासे कालं किच्चा कहिं गया ? कहिं उववन्ना ?, गोयमा ! ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववन्ना ॥ सूत्रं ३०० ॥ णायमेयं अरहया सुयमेयं अरहया विन्नायमेयं अरहया रहमुसले संगामे २, १। रहमुसले णं भंते ! संगामे वट्टमाणे के जइत्था के पराजइत्था ?, गोयमा ! वज्जी विदेहपुत्ते चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया जइत्था नव मल्लई नव लेच्छई पराजइत्था २। तए णं से कूणिए राया रहमुसलं संगामं उवट्ठियं सेसं

जहा महासिलाकंटए नवरं भूयाणंदे हत्थिराया जाव रहमुसलसंगामं ओयाए, पुरओ य से सक्के देविंदे देवराया, एवं तहेव जाव चिट्ठंति, मग्गओ य से चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया एगं महं आयसं किढिणपडिरूवगं विउव्वित्ताणं चिट्ठइ, एवं खलु तओ इंदा संगामं संगामेंति, तंजहा–देविंदे य मणुइंदे य असुरिंदे य, एगहत्थिणावि णं पभू कूणिए राया जइत्तए तहेव जाव दिसो दिसिं पडिसेहित्था ३। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चति रहमुसले संगामे २?, गोयमा! रहमुसले णं संगामे वट्टमाणे एगे रहे अणासए असारहिए अणारोहए समुसले महया जणक्खयं जणवहं जणप्पमद्दं जणसंवट्टकप्पं रुहिरकद्दमं करेमाणे सव्वओ समंता परिधावित्था से तेणट्ठेणं जाव रहमुसले संगामे २, ४। रहमुसले णं भंते! संगामे वट्टमाणे कति जणसयसाहस्सीओ वहियाओ?, गोयमा! छन्नउतिं जणसयसाहस्सीओ वहियाओ ५। ते णं भंते! मणुया निस्सीला जाव उववन्ना?, गोयमा! तत्थ णं दस साहस्सीओ एगाए मच्छीए कुच्छिंसि उववन्नाओ, एगे देवलोगेसु उववन्ने, एगे सुकुले पच्चायाए, अवसेसा ओसन्नं नरगतिरिक्खजोणिएसु उववन्ना ६॥ सूत्रं ३०१॥ कम्हा णं भंते! सक्के देविंदे देवराया चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियस्स रन्नो साहेज्जं दलइत्था?, गोयमा! सक्के देविंदे देवराया पुव्वसंगतिए चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया परियायसंगतिए, एवं खलु गोयमा! सक्के देविंदे देवराया चमरे य असुरिंदे असुरकुमारराया कूणियस्स रन्नो साहिज्जं दलइत्था॥ सूत्रं ३०२॥ बहुजणे णं भंते! अन्नमन्नस्स एवमाइक्खंति जाव परूवेंति एवं खलु बहवे मणुस्सा अन्नयरेसु उच्चावएसु संगामेसु अभिमुहा चेव पहया समाणा कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, से कहमेयं भंते! एवं?, गोयमा! जण्णं से बहुजणो अन्नमन्नस्स एवं आइक्खति जाव उववत्तारो भवंति जे ते एवमाहंसु मिच्छं ते एवमाहंसु, अहं पुण

गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वेसाली नामं नगरी होत्था, वण्णओ, तत्थ णं वेसालीए णगरीए वरुणे नामं णागनत्तुए परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव पडिलाभेमाणे छट्ठं छट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणे विहरति १ । तए णं से वरुणे णागनत्तुए अन्नया कयाइ रायाभिओगेणं गणाभिओगेणं बलाभियोगेणं रहमुसले संगामे आणत्ते समाणे छट्ठभत्तिए अट्ठमभत्तं अणुवट्टेति अट्ठमभत्तं अणुवट्टेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ एवं वदासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठावेह हयगयरहपवर जाव सन्नाहेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह २ । तए णं से कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सच्छत्तं सज्झयं जाव उवट्ठावेंति हयगयरह जाव सन्नाहेंति २ जेणेव वरुणे नागनत्तुए जाव पच्चप्पिणंति ३ । तए णं से वरुणे नागनत्तुए जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छति जहा कूणिओ जाव पायच्छित्ते सव्वालंकारविभूसिए सन्नद्धबद्ध वम्मियकवए जाव सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं अणेगगणनायग जाव दूयसंधिपाल सद्धिं संपरिवुडे मज्जणघराओ पडिनिक्खमति पडिनिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छइत्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरूहइ २ हयगयरह जाव संपरिवुडे महया भडचडगरविंद-परिक्खित्ते जेणेव रहमुसले संगामे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता रहमुसलं संगामं ओयाओ ४ । तए णं से वरुणे णागणत्तुए रहमुसलं संगामं ओयाए समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ–कप्पति मे रहमुसलं संगामं संगामेमाणस्स जे पुव्वि पहणइ से पडिहणित्तए अवसेसे नो कप्पतीति, अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगेण्हइ अभिगेण्हइत्ता रहमुसलं संगामं संगामेति ५ । तए णं तस्स वरुणस्स नागनत्तुयस्स रहमुसलं संगामं संगामेमाणस्स एगे पुरिसे सरिसए

सरिसत्तए सरिसव्वए सरिसभंडमत्तोवगरणे रहेणं पडिरहं हव्वमागए ६। तए णं से पुरिसे वरुणं णागणत्तुयं एवं वयासी—पहण भो वरुणा ! णागणत्तुया ! पहणं २, तए णं से वरुणे णागणत्तुए तं पुरिसं एवं वदासी—नो खलु मे कप्पइ देवाणुप्पिया ! पुव्वि अहयस्स पहणित्तए, तुमं चेव णं पुव्वं पहणाहि ७। तए णं से पुरिसे वरुणेणं णागणत्तुएणं एवं वुत्ते समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणुं परामुसइ २ उसुं परामुसइ उसुं परामुसित्ता ठाणं ठाति ठाणं ठिच्चा आययकन्नायतं उसुं करेइ आययकन्नायतं उसुं करेत्ता वरुणं णागणत्तुयं गाढप्पहारी करेइ ८। तए णं से वरुणे णागणत्तुए तेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणुं परामुसइ धणुं परामुसित्ता उसुं परामुसइ उसुं परामुसित्ता आययकन्नायतं उसुं करेइ आययकन्नायतं उसुं करेत्ता २ तं पुरिसं एगाहच्चं कूडाहच्चं जीवियाओ ववरोवेइ ९। तए णं से वरुणे णागणत्तुए तेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे अत्थामे अबले अवीरिए अपुरिसकारपरक्कमे अधारणिज्जमितिकट्टु तुरए निगिण्हइ तुरए निगिण्हित्ता रहं परावत्तेइ रहं परावत्तित्ता रहमुसलाओ संगामाओ पडिक्खिमति २ एगंतमंतं अवक्कमइ एगंतमंतं अवक्कमित्ता तुरए निगिण्हइ २ रहं ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ रहाओ तुरए मोएइ तुरए मोएत्ता तुरए विसज्जेइ २ त्ता [ग्रन्थ ४०००] दब्भसंथारगं संथरइ २ दब्भसंथारगं दुरुहइ दब्भसंथारगं दुरुहित्ता [पुरच्छाभिमुहे दब्भसंथारगं दुरूहइ २] पुरच्छाभिमुहे संपलियंकनिसन्ने करयल जाव कट्टु एवं वयासी—नमोत्थु णं अरिहंताणं जाव संपत्ताणं नमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स आइगरस्स जाव संपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवदेसगस्स वंदामि णं भगवन्तं तत्थगयं इहगए पासउ मे से भगवं तत्थगए जाव वंदति नमंसति २ एवं वयासी—पुव्विंपि मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए थूलए पाणा-

तिविहाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए एवं जाव थूलए परिग्गहे पच्चक्खाए जावज्जीवाए, इयाणिंपि णं अरिहंतस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं सव्वं पाणातिवायं पच्चक्खामि जावज्जीवाए एवं जहा खंदओ जाव एयंपि णं चरमेहिं ऊसासनीसासेहिं वोसिरिस्सामित्तिकट्टु सन्नाहपट्टं मुयइ सन्नाहपट्टं मुइत्ता सल्लुद्धरणं करेति सल्लुद्धरणं करेत्ता आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते आणुपुव्वीए कालगए १०। तए णं तस्स वरुणस्स णागनत्तुयस्स एगे पियबालवयंसए रहमुसलं संगामं संगामेमाणे एगेणं पुरिसेणं गाढप्पहारीकए समाणे अत्थामे अबले जाव अधारणिज्जमितिकट्टु वरुणं णागनत्तुयं रहमुसलाओ संगामाओ पडिनिक्खममाणं पासइ पासइत्ता तुरए निगिण्हइ तुरए निगिण्हित्ता जहा वरुणो नागनत्तुए जाव तुरए विसज्जेति २ पडि(ड)संथारगं दुरूहइ पडि(ड)संथारगं दुरूहित्ता पुरत्थाभिमुहे जाव अंजलिं कट्टु एवं वयासी—जाइं णं भंते ! मम पियबालवयस्सस्स वरुणस्स नागनत्तुयस्स सीलाइं वयाइं गुणाइं वेरमणाइं पच्चक्खाणपोसहोववासाइं ताइ णं ममंपि भवंतु त्ति कट्टु सन्नाहपट्टं मुयइ २ सल्लुद्धरणं करेति सल्लुद्धरणं करेत्ता आणुपुव्वीए कालगए ११। तए णं तं वरुणं णागणत्तुयं कालगयं जाणित्ता अहासन्निहिएहिं वाणमंतरेहिं देवेहिं दिव्वे सुरभिगंधोदगवासे वुट्ठे दसद्धवन्ने कुसुमे निवाडिए दिव्वे य गीयगंधव्वनिनादे कए यावि होत्था १२। तए णं तस्स वरुणस्स णागनत्तुयस्स तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवज्जुतिं दिव्वं देवाणुभागं सुणित्ता य पासित्ता य बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेति—एवं खलु देवाणुप्पिया ! बहवे मणुस्सा जाव उववत्तारो भवंति १३ ॥ सूत्रं ३०३ ॥ वरुणो णं भंते ! नागनत्तुए कालमासे कालं किच्चा कहिं गए ? कहिं उववन्ने ?, गोयमा ! सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगतियाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाणि ठिती पन्नत्ता, तत्थ णं वरुणस्सवि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिती पन्नत्ता १।

से णं भंते ! वरुणो देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अंतं करेहिति २ । वरुणस्स णं भंते ! णागणत्तुयस्स पियबालवयंसए कालमासे कालं किच्चा कहिं गए ? कहिं उववन्ने ?, गोयमा ! सुकुले पच्चायाते ३ । से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छहिति कहिं उववज्जहिति ?, गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अंतं करेहिति ४ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ३०४ ॥ सत्तमस्स णवमो उद्देसो ॥

॥ इति सप्तमशतके नवम उद्देशकः ॥ ७–९ ॥

॥ अथ सप्तमशतके अन्ययूथिकाख्य-दसमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे होत्था वन्नओ, गुणसिलए चेइए वन्नओ, जाव पुढविसिलापट्टए वण्णओ १ । तस्स णं गुणसिलयस्स चेइयस्स अदूरसामंते बहवे अन्नउत्थिया परिवसंति, तंजहा–कालोदाई सेलोदाई सेवालोदाई उदए नामुदए (नोसुइए) तम्मुदए अन्नवालए सेलवालए संखवालए सुहत्थी गाहावई २ । तए णं तेसिं अन्नउत्थियाणं अन्नया कयाइं एगयओ समुवागयाणं सन्निविट्ठाणं सन्निसन्नाणं अयमेयारूवे मिहो कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे नायपुत्ते पंच अत्थिकाए पन्नवेति, तंजहा–धम्मत्थिकायं जाव आगासत्थिकायं, तत्थ णं समणे नायपुत्ते चत्तारि अत्थिकाए अजीवकाए पन्नवेति, तंजहा–धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं पोग्गलत्थिकायं, एगं च समणे णायपुत्ते जीवत्थिकायं अरूविकायं जीवकायं पन्नवेति, तत्थ णं समणे णायपुत्ते चत्तारि अत्थिकाए अरूविकाए पन्नवेति, तंजहा–धम्मत्थिकायं अधम्मत्थिकायं आगासत्थिकायं जीवत्थिकायं, एगं च णं समणे णायपुत्ते पोग्गलत्थिकायं रूविकायं अजीवकायं पन्नवेति, से कहमेयं मन्ने एवं ? ३ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जाव गुणसिलए चेइए समोसढे जाव परिसा पडिगया

४। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूईणामं अणगारे गोयमगोत्तेणं एवं जहा बितियसए नियंठुद्देसए जाव भिक्खायरियाए अडमाणे अहापज्जत्तं भत्तपाणं पडिग्गहित्ता रायगिहाओ जाव अतुरिय-मचवल-मसंभंते जाव रियं सोहेमाणे सोहेमाणे तेसिं अन्नउत्थियाणं अदूरसामंतेणं वीइवयति ५। तए णं ते अन्नउत्थिया भगवं गोयमं अदूरसामंतेणं वीइवयमाणं पासंति पासेत्ता अन्नमन्नं सद्दावेंति अन्नमन्नं सद्दावेत्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं इमा कहा अवि(अविउ)प्पकडा अयं च णं गोयमे अम्हं अदूरसामंतेणं वीइवयइ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं गोयमं एयमट्ठं पुच्छित्तएत्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अंतिए एयमट्ठं पडिसुणेंति २ त्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता ते भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा! तव धम्मायरिए धम्मोवदेसए समणे णायपुत्ते पंच अत्थिकाए पन्नवेति, तंजहा–धम्मत्थिकायं जाव आगासत्थिकायं, तं चेव जाव रूविकायं अजीवकायं पन्नवेति, से कहमेयं भंते! गोयमा! एवं? ६। तए णं से भगवं गोयमे ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु वयं देवाणुप्पिया! अत्थिभावं नत्थित्ति वदामो, नत्थिभावं अत्थित्ति वदामो, अम्हे णं देवाणुप्पिया! सव्वं अत्थिभावं अत्थीति वदामो सव्वं नत्थिभावं नत्थीति वयामो, तं चेय(वेद)सा खलु तुब्भे देवाणुप्पिया! एयमट्ठं सयमेव पच्चुवेक्खहत्तिकट्टु ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–एवं २, जेणेव गुणसिलए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे एवं जहा नियंठुद्देसए जाव भत्तपाणं पडिदंसेति भत्तपाणं पडिदंसेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ नच्चासन्ने जाव पज्जुवासति ७। तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे महाकहापडिवन्ने यावि होत्था, कालोदाई य तं देसं हव्वमागए, कालोदाईति समणे भगवं महावीरे कालोदाइं एवं वयासी–से नूणं कालोदाई! अन्नया कयाई एगयओ सहियाणं समुवागयाणं सन्निवि-

ट्ठाणं तहेव जाव से कहमेयं मन्ने एवं ?, से नूणं कालोदाई ! अत्थे समट्ठे ?, हंता अत्थि, ८ । तं सच्चे णं एसमट्ठे कालोदाई ! अहं पंचत्थिकायं पन्नवेमि, तंजहा–धम्मत्थिकायं जाव पोग्गलत्थिकायं, तत्थ णं अहं चत्तारि अत्थिकाए अजीवत्थिकाए अजीवतया पन्नवेमि तहेव जाव एगं च णं अहं पोग्गलत्थिकायं रूविकायं पन्नवेमि ९ । तए णं से कालोदाई समणं भगवं महावीरं एवं वदासी–एयंसि णं भंते ! धम्मत्थिकायंसि अधम्मत्थिकायंसि आगासत्थिकायंसि अरूविकायंसि अजीवकायंसि चक्किया केइ आसइत्तए वा १ सइत्तए वा २ चिट्ठइत्तए वा ३ निसीइत्तए वा ४ तुयट्टित्तए वा ५ ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, कालोदाई ! एगंसि णं पोग्गलत्थिकायंसि रूविकायंसि अजीवकायंसि चक्किया केइ आसइत्तए वा सइत्तए वा जाव तुयट्टित्तए वा १० । एयंसि णं भंते ! पोग्गलत्थिकायंसि रूविकायंसि अजीवकायंसि जीवाणं पावा कम्मा पावकम्म-फलविवागसंजुत्ता कज्जंति ?, णो इणट्ठे समट्ठे कालोदाई !, एयंसि णं जीवत्थिकायंसि अरूविकायंसि जीवाणं पावा कम्मा पावफल-विवागसंजुत्ता कज्जंति ?, हंता कज्जंति ११ । एत्थ णं से कालोदाई संबुद्धे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुब्भं अंतियं धम्मं निसामेत्तए एवं जहा खंदए तहेव पव्वइए तहेव एक्कारस अंगाइं जाव विहरइ १२ ॥सूत्रं ३०५॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ रायगिहाओ नगराओ गुणसिलयाओ चेइयाओ पडिनिक्खमति २ बहिया जणवयविहारं विहरइ १ । तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे गुणसिले णामं चेइए होत्था, तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयाइ जाव समोसढे परिसा जाव पडिगया २ । तए णं से कालोदाई अणगारे अन्नया कयाइ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी अत्थि णं भंते ! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवाग-

संजुत्ता कज्जंति ?, हंता अत्थि ३ । कहण्णं भंते ! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ?, कालोदाई ! से जहानामए केइ पुरिसे मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाउलं विससंमिस्सं भोयणं भुंजेज्जा तस्स णं भोयणस्स आवाए भद्दए भवति तओ पच्छा परिणममाणे २ दुरूवत्ताए दुगंधत्ताए जहा महासवए जाव भुज्जो २ परिणमति एवामेव कालोदाई जीवाणं पाणाइवाए जाव मिच्छादंसणसल्ले तस्स णं आवाए भद्दए भवइ, तओ पच्छा विपरिणममाणे २ दुरूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमति, एवं खलु कालोदाई ! जीवाणं पावा कम्मा पावफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ४ । अत्थि णं भंते ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा कल्लाणफलविवागसंजुत्ता कज्जंति ?, हंता अत्थि ५ । कहन्नं भंते ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा जाव कज्जंति ?, कालोदाई ! से जहानामए केइ पुरिसे मणुन्नं थालीपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाकुलं ओसहमिस्सं भोयणं भुंजेज्जा, तस्स णं भोयणस्स आवाए नो भद्दए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे २ सुरूवत्ताए सुवन्नत्ताए जाव सुहत्ताए नो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमति, एवामेव कालोदाई ! जीवाणं पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, तस्स णं आवाए नो भद्दए भवइ, तओ पच्छा परिणममाणे २ सुरूवत्ताए जाव नो दुक्खत्ताए भुज्जो २ परिणमइ, एवं खलु कालोदाई ! जीवाणं कल्लाणा कम्मा जाव कज्जंति ६ ॥ सूत्रं ३०६ ॥ दो भंते ! पुरिसा सरिसया जाव सरिसभंडमत्तोवगरणा अन्नमन्नेणं सद्धिं अगणिकायं समारंभंति, तत्थ णं एगे पुरिसे अगणिकायं उज्जालेति एगे पुरिसे अगणिकायं निव्वावेति, एएसि णं भंते ! दोण्हं पुरिसाणं कयरे २ पुरिसे महाकम्मतराए चेव ? महाकिरियतराए चेव ? महासवतराए चेव ? महावेयणतराए चेव ? कयरे वा पुरिसे अप्पकम्मतराए चेव ? जाव अप्पवेयणतराए चेव ?, जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ ? जे वा से पुरिसे अगणिकायं निव्वावेति ?,

कालोदाई ! तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ से णं पुरिसे महाकम्मतराए चेव जाव महावेयणतराए चेव, तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं निव्वावेइ से णं पुरिसे अप्पकम्मतराए चेव जाव अप्पवेयणतराए चेव १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–तत्थ णं जे से पुरिसे जाव अप्पवेयणतराए चेव ?, कालोदाई ! तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं उज्जालेइ से णं पुरिसे बहुतरागं पुढविकायं समारंभति बहुतरागं आउकायं समारंभति अप्पतरायं तेऊकायं समारंभति बहुतरागं वाऊकायं समारंभति बहुतरायं वणस्सइकायं समारंभति बहुतरागं तसकायं समारंभति, तत्थ णं जे से पुरिसे अगणिकायं निव्वावेति से णं पुरिसे अप्पतरायं पुढविकायं समारंभइ अप्पतरागं आउकायं समारंभइ बहुतरागं तेउकायं समारंभति अप्पतरागं वाउकायं समारंभइ अप्पतरागं वणस्सइकायं समारंभइ अप्पतरागं तसकायं समारंभति से तेणट्ठेणं कालोदाई ! जाव अप्पवेयणतराए चेव २ ॥ सूत्रं ३०७ ॥ अत्थि णं भंते ! अचित्तावि पोग्गला ओभासंति उज्जोवेंति तवेंति पभासेंति ?, हंता अत्थि १ । कयरे णं भंते ! अचित्तावि पोग्गला ओभासंति जाव पभासेंति ?, कालोदाई ! कुद्धस्स अणगारस्स तेयलेस्सा निसट्ठा समाणी दूरं गंता दूरं निपतइ देसं गंता देसं निपतइ जहिं जहिं च णं सा निपतइ तहिं तहिं च णं ते अचित्तावि पोग्गला ओभासंति जाव पभासंति, एएणं कालोदाई ! ते अचित्तावि पोग्गला ओभासंति जाव पभासेंति १ । तए णं से कालोदाई अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव अप्पाणं भावेमाणे जहा पढमसए कालासवेसियपुत्ते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे २ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ३०८ ॥ सत्तमं सयं समत्तं ॥

॥ इति सप्तमशतके दशम उद्देशकः ॥ ७–१० ॥

॥ इति सप्तमं शतकम् ॥ ७ ॥

॥ अथ अष्टमशतके पुद्गलाख्य-प्रथमोद्देशकः ॥

पोग्गल १ आसीविस २ रुक्ख ३ किरिय ४ आजीव ५ फासुग ६ मदत्ते ७। पडिणीय ८ बंध ९ आराहणा य १० दस अट्ठमंमि सए ॥ १ ॥ रायगिहे जाव एवं वयासी–कइविहा णं भंते ! पोग्गला पन्नत्ता ?, गोयमा तिविहा पोग्गला पन्नत्ता, तंजहा–पओगपरिणया मीससापरिणया वीससा-परिणया ॥ सूत्रं ३०१ ॥ पओगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पन्नत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा पन्नत्ता, तंजहा–एगिंदिय-पओगपरिणया बेइंदिय-पओगपरिणया जाव पंचिंदिय-पओगपरिणया १। एगिंदिय-पओगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पन्नत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा पन्नत्ता, तंजहा–पुढविकाइय-एगिंदिय-पयोगपरिणया जाव वणस्सइकाइय-एगिंदिय-पयोगपरिणया २। पुढविकाइय-एगिंदिय-पओगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पन्नत्ता ?, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–सुहुम-पुढविकाइय-एगिंदिय-पओगपरिणया य बादर-पुढविकाइय-एगिंदिय-पयोगपरिणया य ३। आउ-क्काइय-एगिंदिय-पओगपरिणया एवं चेव, एवं दुपयओ भेदो जाव वणस्सइ-काइया य ४। बेइंदिय-पयोगपरिणया णं पुच्छा, गोयमा ! अणेगविहा पन्नत्ता, तंजहा–, एवं तेइंदिय-चउरिंदिय-पओगपरिणयावि ५। पंचिंदिय-पयोगपरिणयाणं पुच्छा, गोयमा ! चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा–नेरइय-पंचिंदिय-पयोगपरिणया तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-पयोगपरिणया, एवं मणुस्सपंचिंदिय-पयोगपरिणया देवपंचिंदियपओगपरिणया ६। नेरइयपंचिंदिय-पओगपरि-णया पुच्छा, गोयमा ! सत्तविहा पन्नत्ता, तंजहा–रयणप्पभा-पुढवि-नेरइय-पंचिंदिय-पयोगपरिणयावि जाव अहेसत्तम-पुढवि-नेरइय-पंचिंदिय-पयोगपरि-णयावि ७। तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-पओगपरिणया णं पुच्छा, गोयमा ! तिविहा पन्नत्ता, तंजहा–जलचर-पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-पओगपरिणया थलचर-तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-पओगपरिणया खहचर-तिरिक्खजोणिय-

पंचिंदिय-पओगपरिणया ८ । जलयर-पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-पओगपुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—संमुच्छिमजलयर-पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणिय-पओगपरिणया गब्भवक्कंतिय-जलयरपंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणियपओगपरिणया ९ । थलयर-पंचिंदिय--तिरिक्ख--जोणिय-पओग--परिणया पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—चउप्पय-थलयर-पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणिय-पओग-परिणया परिसप्प-थलयर-पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणिय-पओग—परिणया १० । चउप्पयथलयर-पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणिय-पओग-परिणया पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—संमुच्छिम-चउप्पय-थलयर-पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणिय-पओग--परिणया गब्भवक्कंतिय-चउप्पय-थलयर--पंचिंदिय-तिरिक्ख-जोणियपओग-परिणया ११ । एवं एएणं अभिलावेणं परिसप्पा दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—उरपरिसप्पा य भुयपरिसप्पा य १२ । उरपरिसप्पा दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—संमुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य, एवं भुयपरिसप्पावि, एवं खहयरावि १३ । मणुस्सपंचिंदियपयोग-परिणया पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता,तंजहा—संमुच्छिममणुस्सपंचिंदिय-पओगपरिणया गब्भवक्कंतियमणुस्सपंचिंदिय-पओग-परिणया १४ । देवपंचिंदियपयोगपरिणया पुच्छा, गोयमा ! चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा—भवणवासिदेव-पंचिंदिय-पयोगपरिणया एवं जाव वेमाणिया १५ । भवणवासिदेव-पंचिंदिय-पओगपरिणया पुच्छा, गोयमा ! दसविहा पन्नत्ता, तंजहा—असुरकुमारा जाव थणियकुमारा १६ । एवं एएणं अभिलावेणं अट्ठविहा वाणमंतरा पिसाया जाव गंधव्वा १७ । जोइसिया पंचविहा पन्नत्ता, तंजहा—चंदविमाणजोतिसिय जाव ताराविमाण—जोतिसिय—देवपंचिंदिय—पओगपरिणया १८ । वेमाणिया दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—कप्पोववन्नग--वेमाणिय--देव--पंचिंदिय--पओग--परिणया कप्पातीतगवेमाणिय-देव-पंचिंदिय-पओगपरिणया १९ । कप्पोववन्नगा दुवालसविहा पण्णत्ता, तंजहा—सोहम्मकप्पोववन्नगवेमाणिया जाव अच्चुय-

कप्पोववन्नगवेमाणिया २० । कप्पातीतवेमाणिया पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पराणत्ता, तंजहा—गेवेज्जकप्पातीत—वेमाणिया अणुत्तरोववाइय—कप्पातीत वेमाणिया, २१ । गेवेज्जकप्पातीतगा नवविहा पराणत्ता, तंजहा—हेट्ठिम २ गेवेज्जगकप्पातीतग-वेमाणिया जाव उवरिम २ गेविज्जगकप्पातीयग-वेमाणिया २२ । अणुत्तरोववाइय-कप्पातीतग-वेमाणिय-देवपंचिंदिय-पयोग-परिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पराणत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा पराणत्ता, तंजहा—विजयअणुत्तरोववाइयदेव-पंचिंदिय-पओगपरिणया जाव सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-देवपंचिंदिय-पओगपरिणया २३ । सुहुमपुढविकाइय-एगिंदिय-पयोगपरिणया णं भंते ! पोग्गला कइविहा पराणत्ता ?, गोयमा ! दुविहा पराणत्ता, [केई अपज्जत्तगंपढमं भणंति पच्छा पज्जत्तगं,] तंजहा—पज्जत्तग-सुहुम-पुढविकाइय-एगिंदिय--पओगपरिणया य अपज्जत्त--सुहुम--पुढविकाइय-एगिंदिय-पओग-परिणया य २४ । बादरपुढविकाइय-एगिंदिय-पओगपरिणया एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, एक्केका दुविहा पोग्गला—सुहुमा य बादरा य पज्जत्तगा अपज्जत्तगा य भाणियव्वा २५ । बेंदियपयोगपरिणया णं पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—पज्जत्त-बेंदिय-पयोगपरिणया य अपज्जत्तग-बेंदिय-पयोग-परिणया य, एवं तेइंदियावि एवं चउरिंदियावि २६ । रयणप्पभापुढविनेरइयपयोगपरिणया पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—पज्जत्तग-रयणप्पभा-पुढविनेरइय-पयोगपरिणया य अपज्जत्तग-रयणप्पभा-पुढविनेरइय-पयोगपरिणया य, एवं जाव अहेसत्तमा २७ । संमुच्छिम-जलयरतिरिक्ख पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—पज्जत्तग-संमुच्छिम-जलयर-तिरिक्ख-जोणिय-पंचिंदिय-पयोग-परिणया अपज्जत्तग-संमु-च्छिम-जलयर-तिरिक्ख-जोणिय-पंचिंदिय-पयोग-परिणया, एवं गब्भवक्कंति-यावि, संमुच्छिम-चउप्पयथलयरा एवं चेव गब्भवक्कंतिया य, एवं जाव संमुच्छिम-खहयर-गब्भवक्कंतिया य एक्केक्के पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य

भाणियव्वा २८। संमुच्छिममणुस्सपंचिंदिय पुच्छा, गोयमा ! एगविहा पन्नत्ता, अपज्जत्तगा चेव २९। गब्भवक्कंतिय-मणुस्स-पंचिंदिय पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–पज्जत्तगगब्भवक्कंतियावि अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियावि ३०। असुरकुमार-भवणवासि-देवाणं पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–पज्जत्तगअसुरकुमार-भवणवासिदेवा अपज्जत्तगअसुरकुमार-भवणवासि-देवा, एवं जाव थणियकुमारा पज्जत्तगा अपज्जत्तगा य, एवं एएणं अभिलावेणं दुयएणं भेदेणं पिसाया यजाव गंधव्वा, चंदा जाव तारविमाणा, सोहम्मकप्पोवगा जाव अच्चुओ, हिट्ठिमहिट्ठिम–गेविज्जकप्पातीय जाव उवरिमउवरिमगेविज्ज-कप्पातीय–वेमाणिय–देव–पंचिंदिय–पयोग–परिणया, विजयअणुत्तरोववाइय-कप्पातीय–वेमाणिय–देव–पंचिंदिय–पयोग–परिणया जाव सव्वट्ठसिद्धकप्पा-तीय–वेमाणिय–देव-पंचिंदिय-पयोग-परिणया पुच्छा, गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–पज्जत्तग जाव परिणया अपज्जत्तग जाव परिणयावि, २ दंडगा ३१। जे अपज्जत्ता सुहुम–पुढवीकाइय–एगिंदियपयोगपरिणया ते ओरालिय–तेयाकम्मग–सरीरप्पयोगपरिणया जे पज्जत्ता सुहुम जाव परिणया ते ओरालिय–तेयाकम्मग–सरीरप्पयोगपरिणया एवं जाव चउरिंदिया पज्जत्ता, नवरं जे पज्जत्त–बादरवाउकाइय–एगिंदियपयोगपरिणया ते ओरालिय–वेउव्विय–तेयाकम्मसरीर जाव परिणता, सेसं तं चेव ३२। जे अपज्जत्तग–रयणप्पभापुढवि–नेरइय–पंचिंदिय–पयोगपरिणया ते वेउव्विय–तेयाकम्म–सरीरप्पयोगपरिणया, एवं पज्जत्तयावि, एवं जाव अहेसत्तमा ३३। जे अपज्जत्तग–संमुच्छिम–जलयर जाव परिणया ते ओरालिय–तेयाकम्मासरीर जाव परिणया एवं पज्जत्तगावि, गब्भवक्कंतिया अपज्जत्तया एवं चेव पज्जत्तयाणं एवं चेव नवरं सरीरगाणि चत्तारि जहा बादरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं, एवं जहा जलचरेसु चत्तारि आलावगा भणिया एवं चउप्पय–उरपरिसप्प–भुयपरिसप्पखहयरेसुवि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा ३४। जे संमुच्छिम–

मणुस्स–पंचिंदिय–पयोगपरिणया ते ओरालियतेयाकम्मासरीर जाव परिणया, एवं गब्भवक्कंतियावि अपज्जत्तगावि पज्जत्तगावि एवं चेव, नवरं सरीरगाणि पंच भाणियव्वाणि, जे अपज्जत्ता असुरकुमारभवणवासि जहा नेरइया तहेव एवं पज्जत्तगावि, एवं दुयएणं भेदेणं जाव थणियकुमारा एवं पिसाया जाव गंधव्वा चंदा जाव तारविमाणा, सोहम्मो कप्पो जाव अच्चुओ, हेट्ठिम २ गेवेज्ज जाव उवरिम २ गेवेज्ज, विजयअणुत्तरोववाइए जाव सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइए, एक्केक्केणं दुयओ भेदो भाणियव्वो जाव जे पज्जत्तसव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइया जाव परिणया ते वेउव्विय–तेयाकम्मा-सरीरपयोगपरिणया, दंडगा, ३, ३५। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय–एगिंदियपयोगपरिणता ते फासिंदिय–पयोगपरिणया, जे पज्जत्ता सुहुमपुढविकाइया एवं चेव, जे अपज्जत्ता बादरपुढविकाइया एवं चेव, एवं पज्जत्तगावि, एवं चउक्कएणं भेदेणं जाव वणस्सइकाइया, जे अपज्जत्ता बेइंदियपयोगपरिणया ते जिब्भि-दिय–फासिंदिय–पयोगपरिणया, जे पज्जत्ता बेइंदिया एवं चेव, एवं जाव चउरिंदिया नवरं एक्केक्कं इंदियं वड्ढेयव्वं जाव अपज्जत्ता रयणप्पभापुढवि–नेरइयपंचिंदिय–पयोगपरिणया ते सोइंदिय-चक्खिदिय-घाणिंदिय–जिब्भिदिय-फासिंदिय–पयोगपरिणया एवं पज्जत्तगावि, एवं सव्वे भाणियव्वा, तिरिक्ख–जोणियमणुस्सदेवा जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्ध–अणुत्तरोववाइय जाव परिणया ते सोइंदिय–चक्खिदिय जाव परिणया दंडगा ४, ३६। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय–एगिंदिय–ओरालिय–तेयकम्मासरीरप्पयोगपरिणया ते फासिंदियपयोगपरिणया, जे पज्जत्ता सुहुम जाव परिणया एवं चेव बादर-पुढविकाइय जाव परिणया अपज्जत्ता एवं चेव, एवं पज्जत्तगावि, एवं एएणं अभिलावेणं जस्स जइंदियाणि सरीराणि य ताणि भाणियव्वाणि जाव जे य पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्ध–अणुत्तरोववाइय जाव देवपंचिंदिय-वेउव्विय-तेयाकम्मा-सरीरपयोगपरिणया ते सोइंदियचक्खिदिय जाव फासिंदियपयोगपरिणया

दंडगा ५, ३७। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय–एगिंदियपयोगपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि नीलवन्नपरिणयावि लोहियवन्नपरिणयावि हालिद्दवन्नपरिणयावि सुक्किल्लवन्नपरिणयावि, गंधओ सुब्भिगंधपरिणयावि दुब्भिगंधपरिणयावि,रसओ तित्तरसपरिणयावि कडुयरसपरिणयावि कसायरसपरिणयावि अंबिलरसपरिणयावि महुररसपरिणयावि, फासओ कक्खडफासपरिणयावि जाव लुक्खफासपरिणयावि, संठाणओ परिमंडलसंठाणपरिणयावि वट्टसंठाणपरिणयावि तंससंठाणपरिणयावि चउरंसठाणपरिणयावि आयतसंठाणपरिणयावि, जे पज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय–एगिंदियपयोगपरिणयता एवं चेव एवं जहाणुपुव्वीए नेयव्वं जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव परिणयावि,ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि दंडगा ६, ३८। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय–एगिंदिय–ओरालिय–तेयाकम्मासरीरप्पयोगपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि, जे पज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय–एगिंदियपयोगपरिणता एवं चेव, एवं जहाऽऽणुपुव्वीए भाणियव्वं, नेयव्वं जस्स जइ सरीराणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्ध–अणुत्तरोववाइय–देवपंचिंदिय–विउव्विय-तेयाकम्मासरीर-जाव परिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव आयतसंठाणपरिणयावि दंडगा ७, ३९। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय–एगिंदिय–फासिंदियपयोगपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणया जाव आययसंठाणपरिणयावि, जे पज्जत्ता सुहुमपुढवि जाव परिणया एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए, जस्स जइ इंदियाणि तस्स तत्तियाणि भाणियव्वाणि, जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्ध–अणुत्तरोववाइय–देवपंचिंदियसोइंदिय जाव फासिंदियपयोगपरिणयावि ते वन्नओ कालवन्नपरिणया जाव आययसंठाणपरिणयावि दंडगा ८, ४०। जे अपज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय–एगिंदिय–ओरालिय-तेयाकम्मा–सरीर–फासिंदिय–पयोगपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव आयतसंठाण-

परिणयावि, जे पज्जत्ता सुहुमपुढविकाइय-एगिंदिय-पयोग-परिणता एवं चेव, एवं जहाणुपुव्वीए जस्स जइ सरीराणि इंदियाणि य तस्स तइ भाणियव्वाणि जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइया जाव देवपंचिंदियवेउव्वियतेयाकम्मा सोइंदिय जाव फासिंदियपयोगपरिणयावि ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव आययसंठाणपरिणयावि. एवं एए नव दंडगा ९, ४१ ॥ सूत्रं ३१० ॥ मीसापरिणया णं भंते ! पोग्गला कतिविहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा–एगिंदियमीसापरिणया जाव पंचिंदियमीसापरिणया १ । एगिंदियमीसापरिणया णं भंते ! पोग्गला कतिविहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! एवं जहा पओगपरिणएहिं नव दंडगा भणिया एवं मीसापरिणएहिंवि नव दंडगा भाणियव्वा, तहेव सव्वं निरवसेसं, नवरं अभिलावो मीसापरिणया भाणियव्वं, सेसं तं चेव, जाव जे पज्जत्ता सव्वट्ठसिद्धअणुत्तरोववाइय जाव आययसंठाणपरिणयावि २ ॥ सूत्रं ३११ ॥ वीससापरिणया णं भंते ! पोग्गला कतिविहा पन्नत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा पन्नता, तंजहा–वन्नपरिणया गंधपरिणया रसपरिणया फासपरिणया संठाणपरिणया, जे वन्नपरिणया ते पंचविहा पन्नत्ता, तंजहा–कालवन्नपरिणया जाव सुक्किलवन्नपरिणया, जे गंधपरिणया ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–सुब्भिगंधपरिणयावि दुब्भिगंधपरिणयावि, एवं जहा पन्नवणापदे तहेव निरवसेसं जाव जे संठाणओ आयतसंठाणपरिणया ते वन्नओ कालवन्नपरिणयावि जाव लुक्खफासपरिणयावि ॥ सूत्रं ३१२ ॥ एगे भंते ! दव्वे किं पयोगपरिणए ? मीसापरिणए ? वीससापरिणए ?, गोयमा ! पयोगपरिणए वा मीसापरिणए वा वीससापरिणए वा १ । जइ पयोगपरिणए किं मणप्पयोगपरिणए ? वइप्पयोगपरिणए ? कायप्पयोगपरिणए ?, गोयमा ! मणप्पयोगपरिणए वा वइप्पयोगपरिणए वा कायप्पओगपरिणए वा २ । जइ मणप्पयोगपरिणए किं सच्चमणप्पओगपरिणए ? मोसमणप्पयोगपरिणए ? सच्चामोसमणप्पयोगपरिणए असच्चामोस-

मणप्पयोगपरिणए ?, गोयमा ! सच्चमणप्पयोगपरिणए वा मोसमणप्पयोग-परिणए वा सच्चामोसमणप्पओगपरिणए वा असच्चामोसमणप्पओगपरिणए वा ३ । जइ सच्चमणप्पओगपरिणए किं आरंभ-सच्चमणप्पयोगपरिणए ? अणारंभ-सच्चमणप्पयोगपरिणए ?, सारंभ-सच्चमणप्पयोगपरिणए ? असारंभ-सच्चमणप्पयोगपरिणए ? समारंभसच्चमणप्पयोगपरिणए ? असमारंभ-सच्चमण-प्पयोग-परिणए ?, गोयमा ! आरंभ-सच्चमणप्पओग-परिणए वा जाव असमारंभसच्चमणप्पयोगपरिणए वा ४ । जइ मोसमणप्पयोगपरिणए किं आरंभमोस-मणप्पयोगपरिणए वा जाव असमारंभ-मोसमणप्पयोग-परिणए वा ? एवं जहा सच्चेणं तहा मोसेणवि, एवं सच्चामोस-मणप्पओग-परिणएवि, एवं असच्चामोसमणप्पयोगेणवि ५ । जइ वइप्पयोगपरिणए किं सच्चवइप्पयोगपरिणए ? मोसवयप्पयोगपरिणए ? एवं जहा मणप्प-योगपरिणए तहा वयप्पयोगपरिणएवि जाव असमारंभवयप्पयोग-परिणए वा ६ । जइ कायप्पयोगपरिणए किं ओरालिय-सरीर-कायप्प-योगपरिणए ? ओरालिय-मीसासरीर-कायप्पयोगपरिणए ? वेउव्वियसरीर-कायप्पयोग-परिणए ? वेउव्विय-मीसासरीर-कायप्पयोगपरिणए ? आहारग-सरीर-कायप्पओगपरिणए ? आहारगमीसासरीर-कायप्पयोगपरिणए ? कम्मासरीर-कायप्पओगपरिणए ?, गोयमा ! ओरालियसरीर-कायप्पओग-परिणए वा जाव कम्मासरीर-कायप्पओगपरिणए वा ७ । जइ ओरालिय-सरीर-कायप्पओगपरिणए किं एगिंदिय-ओरालिय-सरीर-कायप्पओग-परिणए एवं जाव पंचिंदियओरालिय-सरीरकायप्पयोग-परिणए ?, गोयमा ! एगिंदिय-ओरालिय-सरीरकायप्पओगपरिणए वा जाव पंचिंदिय ओरालिय-सरीरकाय-प्पयोग-परिणए वा ८ । जइ एगिंदिय-ओरालिय-सरीरकाय-प्पओगपरिणए किं पुढविकाइय-एगिंदिय-ओरालिय-सरीरकायप्पयोग-परिणिए जाव वणस्सइकाइय-एगिंदिय-ओरालिय-सरीरकायप्पओगपरिणए

वा ?, गोयमा ! पुढविकाइय–एगिंदिय जाव पयोग-परिणए वा जाव वणस्स-इकाइयएगिंदिय जाव परिणए वा ९ । जइ पुढविकाइयएगिंदिय–ओरालिय-सरीर जाव परिणए किं सुहुमपुढविकाइय जाव परिणए बायरपुढविकाइय-एगिंदिय जाव परिणए ?, गोयमा ! सुहुमपुढविकाइयएगिंदिय जाव परिणए बायरपुढविकाइय जाव परिणए १० । जइ सुहुमपुढविकाइय जाव परिणए किं पज्जत्तसुहुमपुढवि जाव परिणए अपज्जत्तसुहुमपुढवी जाव परिणए ?, गोयमा ! पज्जत्तसुहुमपुढविकाइय जाव परिणए वा अपज्जत्तसुहुमपुढविकाइय जाव परिणए वा ११ । एवं बादरावि, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं चउक्ओ भेदो, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं दुयओ भेदो पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य १२ । जइ पंचिंदिय-ओरालिय-सरीरकायप्पओगपरिणए किं तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-ओरालिय-सरीरकायप्पओगपरिणए? मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए?, गोयमा ! तिरिक्खजोणिय जाव परिणए वा मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए वा १३ । जइ तिरिक्खजोणिय जाव परिणए किं जलचरतिरिक्खजोणिय जाव परिणए वा ? थलचर जाव परिणए वा ? खहचर जाव परिणए वा ?, एवं चउक्ओ भेदो जाव खहचराणं १४ । जइ मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए किं संमुच्छिम-मणुस्सपंचिंदिय जाव परिणए गब्भवक्कंतिय-मणुस्स जाव परिणए ?, गोयमा ! दोसुवि १५ । जइ गब्भवक्कंतियमणुस्स जाव परिणए किं पज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए ? अपज्जत्त-गब्भवक्कंतिय-मणुस्स-पंचिंदिय-ओरालिय-सरीरकायप्पयोगपरिणए ?, गोयमा ! पज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए वा अपज्जत्तगब्भवक्कंतिय जाव परिणए १, १६ । जइ ओरालिय-मीसासरीर-कायप्पओगपरिणए किं एगिंदिय-ओरालियमीसा-सरीर-कायप्पओगपरिणए ? बेइंदिय जाव परिणए जाव पंचेंदियओरालिय जाव परिणए ?, गोयमा ! एगिंदियओरालिय एवं जहा ओरालिय-सरीर-कायप्प-योगपरिणएणं आलावगो भणिओ तहा ओरालिय-मीसासरीर-कायप्पओग-

परिणएवि आलावगो भाणियव्वो, नवरं वायरवाउक्काइय-गब्भवक्कंतिय-पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-गब्भवक्कंतियमणुस्साणं, एएसि णं पज्जत्तापज्जत्तगाणं सेसाणं अपज्जत्तगाणं २, १७। जइ वेउव्वियसरीर-कायप्पयोगपरिणए किं एगिंदिय-वेउव्वियसरीर-कायप्पओगपरिणए जाव पंचिंदिय-वेउव्विय-सरीर जाव परिणए ?, गोयमा ! एगिंदिय जाव परिणए वा जाव पंचिंदिय जाव परिणए वा, जइ एगिंदिय जाव परिणए किं वाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए ? अवाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए ?, गोयमा ! वाउक्काइयएगिंदिय जाव परिणए नो अवाउक्काइय जाव परिणए, एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे वेउव्वियसरीरं भणियं तहा इहवि भाणियव्वं जाव पज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववातिय-कप्पातीय-वेमाणिय--देव--पंचिंदिय--वेउव्विय-सरीर-कायप्पओग--परिणए वा अपज्जत्तसव्वट्ठसिद्ध जाव कायप्पयोगपरिणए वा ३, १८। जइ वेउव्विय-मीसासरीर-कायप्पयोगपरिणए किं एगिंदिय-मीसासरीर-कायप्पओग-परिणए वा जाव पंचिंदिय-मीसासरीर-कायप्पयोगपरिणए वा ?, एवं जहा वेउव्विय तहा मीसगंपि, नवरं देवनेरइयाणं अपज्जत्तगाणं सेसाणं पज्जत्तगाणं तहेव जाव नो पज्जत्तसव्वट्ठसिद्धअणुत्तरो जाव पओगपरिणए अपज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववातिय--देवपंचिंदिय-वेउव्विय--मीसासरीर--कायप्पओग-परिणए ४, ११। जइ आहारग-सरीर-कायप्पओगपरिणए किं मणुस्साहारग-सरीर-कायप्पओगपरिणए ? अमणुस्साहारग जाव परिणए ?, एवं जहा ओगाहणसंठाणे जाव इड्ढिपत्त-पमत्तसंजय-सम्मद्दिट्ठि-पज्जत्तग-संखेज्जवासाउय जाव परिणए नो अणिड्ढिपत्त-पमत्तसंजय-सम्मद्दिट्ठि-पज्जत्तग-संखेज्जवासउय जाव परिणए ५, २०। जइ आहारग-मीसासरीर-कायप्पयोगपरिणए किं मणुस्साहारग-मीसासरीरकायप्पयोगपरिणए ? अमणुस्साहारग-मीसासरीर-कायप्पयोग-परिणए ? एवं जहा आहारगं तहेव मीसगंपि निरवसेसं भाणियव्वं ६, २१। जइ कम्मासरीरकायप्पओगपरिणए किं एगिंदिय-कम्मासरीर-कायप्प-

ओगपरिणए जाव पंचिंदिय-कम्मासरीर जाव परिणए ?, गोयमा ! एगिंदिय-कम्मासरीर-कायप्पओगपरिणए, एवं जहा ओगाहणसंठाणे कम्मगस्स भेदो तहेव इहावि जाव पज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पतीत-वेमाणिय-देवपंचिंदिय-कम्मासरीर-कायप्पयोगपरिणए वा अपज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव परिणए वा ७, २२ । जइ मीसापरिणए किं मणमीसा-परिणए ? वयमीसापरिणए ? कायमीसापरिणए ?, गोयमा ! मणमीसापरिणए वा वयमीसापरिणए वा कायमीसापरिणए वा २३ । जइ मणमीसापरिणए किं सच्चमणमीसापरिणए ? मोसमणमीसापरिणए ? जहा पओगपरिणए तहा मीसापरिणएवि भाणियव्वं निरवसेसं जाव पज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-वेमाणिय-देवपंचिंदिय-कम्मासरीरग-मीसापरिणए वा अपज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव कम्मासरीरमीसापरिणए वा २४ । जइ वीससापरिणए किं वन्नपरिणए ? गंधपरिणए ? रसपरिणए ? फासपरिणए ? संठाणपरिणए ?, गोयमा ! वन्नपरिणए वा गंधपरिणए वा रसपरिणए वा फासपरिणए वा संठाणपरिणए वा २५ । जइ वन्नपरिणए किं कालवन्नपरिणए जाव सुक्किल-वन्नपरिणए ?, गोयमा ! कालवन्नपरिणए वा जाव सुक्किलवन्नपरिणए वा २६ । जइ गंधपरिणए किं सुब्भिगंधपरिणए ? दुब्भिगंधपरिणए ?, गोयमा ! सुब्भिगंधपरिणए वा दुब्भिगंधपरिणए वा, २७ । जइ रसपरिणए किं तित्तरसपरिणए ५ ? पुच्छा, गोयमा ! तित्तरसपरिणए वा जाव महुररस-परिणए, वा २८ । जइ फासपरिणए किं कक्खडफासपरिणए जाव लुक्ख-फासपरिणए ?, गोयमा ! कक्खडफासपरिणए वा जाव लुक्खफासपरिणए वा २९ । जइ संठाणपरिणए पुच्छा, गोयमा ! परिमंडलसंठाणपरिणए वा जाव आययसंठाणपरिणए वा ३० ॥ सूत्रं ३१३ ॥ दो भंते ! दव्वा किं पयोगपरिणया ? मीसापरिणया ? वीससापरिणया ?, गोयमा ! पओगपरिणया वा १ मीसापरिणया वा २ वीससापरिणया वा ३ अहवा एगे पओग-

परिणए एगे मीसापरिणए ४ अहवेगे पओगपरिणए एगे वीससापरिणए ५ अहवा एगे मीसापरिणए एगे वीससापरिणए एवं ६, १ । जइ पओग-परिणया किं मणप्पयोगपरिणया ? वइप्पयोगपरिणया ? कायप्पयोगपरिणया ?, गोयमा ! मणप्पयोगपरिणया वा वइप्पयोगपरिणया वा कायप्पयोगपरिणया वा, अहवेगे मणप्पयोगपरिणए एगे वयप्पयोगपरिणए, अहवेगे मणप्पयोग-परिणए एगे कायपयोगपरिणए, अहवेगे वयप्पयोगपरिणए एगे कायप्पओग-परिणए २ । जइ मणप्पयोगपरिणया किं सच्चमणप्पयोगपरिणया ?, असच्च-मणप्पयोग-परिणया ? सच्चामोसमणप्पयोगपरिणया ? असच्चाऽमोसमणप्पयोग-परिणया ? गोयमा ! सच्चमणप्पयोगपरिणया वा जाव असच्चामोसमणप्पयोग-परिणया १ अहवा एगे सच्चमणप्पयोगपरिणए एगे मोसमणप्पओगपरिणए १ अहवा एगे सच्चमणप्पओगपरिणए एगे सच्चामोसमणप्पओगपरिणए २ अहवा एगे सच्चमणप्पयोगपरिणया एगे असच्चामोसमणप्पओगपरिणए ३ अहवा एगे मोसमणप्पयोगपरिणए एगे सच्चामोसमणप्पओगपरिणए ४ अहवा एगे मोसमणप्पयोगपरिणए एगे असच्चामोसमणप्पयोगपरिणए ५ अहया एगे सच्चामोसमणप्पओगपरिणए एगे असच्चामोसमणप्पओगपरिणए ६, ३ । जइ सच्चमणप्पओगपरिणए किं आरंभसच्चमणप्पयोगपरिणया जाव असमारंभसच्चमणप्पयोगपरिणया ?, गोयमा ! आरंभसच्चमणप्पयोगपरिणया वा जाव असमारंभसच्चमणप्पयोगपरिणया वा, अहवा एगे आरंभसच्चमण-प्पयोगपरिणए एगे अणारंभसच्चमणप्पयोगपरिणए एवं एएणं गमएणं दुय-संजोएणं नेयव्वं, सव्वे संयोगा जत्थ जत्तिया उट्ठेंति ते भाणियव्वा जाव सव्वट्ठसिद्धगत्ति ४ । जइ मीसापरिणया किं मणमीसापरिणया ? एवं मीसापरिणया वीससापरिणया ५ । जइ वीससापरिणया किं वन्नपरिणया गंधपरिणया ? एवं वीससापरिणयावि जाव अहवा एगे चउरंससंठाणपरिणए एगे आययसंठाणपरिणए वा ६ । तिन्नि भंते ! दव्वा किं पयोगपरिणया ?

मीसापरिणया ? वीससापरिणया ?, गोयमा ! पयोगपरिणया वा मीसापरिणया वा वीससापरिणया वा १ अहवा एगे पयोगपरिणए दो मीसापरिणया १ अहवेगे पयोगपरिणए दो वीससापरिणया २ अहवा दो पयोगपरिणया एगे मीससापरिणए ३ अहवा दो पयोगपरिणया एगे वीससापरिणए ४ अहवा एगे मीसापरिणए दो वीससापरिणया ५ अहवा दो मीससापरिणया एगे वीससापरिणए ६ अहवा एगे पयोगपरिणए एगे मीसापरिणए एगे वीससापरिणए ७, ७। जइ पयोगपरिणया किं मणप्पयोगपरिणया ? वइप्पयोगपरिणया ? कायप्पयोगपरिणया ?, गोयमा ! मणप्पयोगपरिणया वा एवं एक्कगसंयोगो दुयासंयोगो तियासंयोगो भाणियव्वो ८। जइ मणप्पयोगपरिणया किं सच्चमणप्पयोगपरिणया ४ ?, गोयमा ! सच्चमणप्पयोगपरिणया वा जाव असच्चामोसमणप्पयोगपरिणया वा ४, अहवा एगे सच्चमणप्पयोगपरिणए दो मोसमणप्पयोगपरिणया वा, एवं दुयासंयोगो तियासंयोगो भाणियव्वो, एत्थवि तहेव जाव अहवा एगे तंससंठाणपरिणए वा एगे चउरंससंठाणपरिणए वा एगे आययसंठाणपरिणए वा १। चत्तारि भंते ! दव्वा किं पओगपरिणया ३ ?, गोयमा ! पयोगपरिणया वा मीसापरिणया वा वीससापरिणया वा, अहवा एगे पओगपरिणए तिन्नि मीसापरिणया १ अहवा एगे पओगपरिणए तिन्नि वीससापरिणया २ अहवा दो पयोगपरिणया दो मीसापरिणया ३ अहवा दो पयोगपरिणया दो वीससापरिणया ४ अहवा तिन्नि पओगपरिणया एगे मीससापरिणए ५ अहवा तिन्नि पओगपरिणया एगे वीससापरिणए ६ अहवा एगे मीससापरिणए तिन्नि वीससापरिणया ७ अहवा दो मीसापरिणया दो वीससापरिणया ८ अहवा तिन्नि मीसापरिणया एगे वीससापरिणए ९ अहवा एगे पओगपरिणए एगे मीसापरिणए दो वीससापरिणया १ अहवा एगे पयोगपरिणए दो मीसापरिणया एगे वीससापरिणए २ अहवा दो पयोगपरिणया एगे मीसापरिणए एगे वीससापरिणए

३, १० । जइ पयोगपरिणया किं मणप्पयोगपरिणया ३ ?, एवं एएणं कमेणं पंच छ सत्त जाव दस संखेज्जा असंखेज्जा अणंता य दव्वा भाणियव्वा, दुयासंजोएणं तियासंजोएणं जाव दससंजोएणं बारससंजोएणं उवजुंजिऊणं जत्थ जत्तिया संजोगा उट्ठेंति ते सव्वे भाणियव्वा, एए पुण जहा नवमसए पवेसणए भणिहामि तहा उवजुञ्जिऊण भाणियव्वा जाव असंखेज्जा अणंता एवं चेव, नवरं एकं पदं अब्भहियं जाव अहवा अणंता परिमंडलसंठाण-परिणया जाव अणंता आययसंठाणपरिणया ११ ॥ सूत्रं ३१४ ॥ एएसि णं भंते ! पोग्गलाणं पयोगपरिणयाणं मीसापरिणयाणं वीससापरिणयाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा पोग्गला पयोगपरिणया मीसापरिणया अणंतगुणा वीससापरिणया अणंतगुणा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ३१५ ॥ अट्ठमसयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति अष्टमशतके प्रथम उद्देशकः ॥ ८-१ ॥

॥ अथ अष्टमशतके आशीविषाख्य-द्वितीयोद्देशकः ॥

कतिविहा णं भंते ! आसीविसा पन्नत्ता ?, गोयमा ! दुविहा आसीविसा पन्नत्ता, तंजहा–जातिआसीविसा य कम्मआसीविसा य १ । जाइआसीविसा णं भंते ! कतिविहा पन्नत्ता ?, गोयमा ! चउविहा पन्नत्ता, तंजहा–विच्छुय-जातिआसीविसे मंडुक्कजाइआसीविसे उरगजातिआसीविसे मणुस्सजाति-आसीविसे २ । विच्छुयजातिआसीविसस्स णं भंते ! केवतिए विसए पन्नत्ते ?, गोयमा ! पभू णं विच्छुयजातिआसीविसे अद्धभरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं विसट्टमाणं पकरेत्तए, विसए से विसट्ठयाए नो चेव णं संपत्तीए करेंसु वा करेंति वा करिस्संति वा १, ३ । मंडुक्कजातिआसीविसपुच्छा, गोयमा ! पभू णं मंडुक्कजातिआसीविसे भरहप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं

विसपरिगयं सेसं तं चेव जाव करेस्संति वा २, ४। एवं उरगजातिआसी-विसस्सवि नवरं जंबुद्दीवप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं सेसं तं चेव नो चेव जाव करेस्संति वा ३, ५। मणुस्सजातिआसीविसस्सवि एवं चेव नवरं समयखेत्तप्पमाणमेत्तं बोंदिं विसेणं विसपरिगयं सेसं तं चेव जाव करेस्संति वा ४, ६। जइ कम्मआसीविसे किं नेरइयकम्मआसीविसे तिरिक्खजोणियकम्मआसीविसे मणुस्सकम्मआसीविसे देवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! नो नेरइयकम्मासीविसे तिरिक्खजोणियकम्मासीविसेवि मणुस्स-कम्मासीविसे देवकम्मासीविसे ७। जइ तिरिक्खजोणियकम्मासीविसे किं एगिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे ? जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मा-सीविसे ?, गोयमा ! नो एगिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे जाव नो चउरिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे ८। जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे किं संमुच्छिमपंचेंदिय-तिरिक्खजोणियकम्मासीविसे ? गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासी-विसे ?, एवं जहा वेउव्वियसरीरस्स भेदो जाव पज्जत्तसंखेज्जवासाउयगब्भ-वक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियकम्मासीविसे नो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउय-जाव कम्मासीविसे ९। जइ मणुस्सकम्मासीविसे किं संमुच्छिममणुस्सकम्मा-सीविसे ? गब्भवक्कंतियमणुस्सकम्मासीविसे ?, गोयमा ! णो संमुच्छिममणु-स्सकम्मासीविसे गब्भवक्कंतियमणुस्सकम्मासीविसे एवं जहा वेउव्वियसरीरं जाव पज्जत्तासंखेज्जवासाउय-कम्मभूमग-गब्भवक्कंतिय-मणूसकम्मासीविसे नो अपज्जत्ता जाव कम्मासीविसे १०। जइ देवकम्मासीविसे किं भवणवासीदेव-कम्मासीविसे जाव वेमाणियदेवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! भवणवासीदेव-कम्मासीविसे वाणमंतरदेवकम्मासीविसे जोतिसियदेवकम्मासीविसे वेमाणिय-देवकम्मासीविसे ११। जइ भवणवासिदेवकम्मासीविसे से किं असुरकुमार-भवणवासिदेवकम्मासीविसे जाव थणियकुमार जाव कम्मासीविसे ?, गोयमा !

असुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसेवि जाव थणियकुमार जाव आसीविसेवि १२। जइ असुरकुमार जाव कम्मासीविसे किं पज्जत्तअसुरकुमारभवणवासीदेवकम्मासीविसे अपज्जत्त-असुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे ? गोयमा ! नो पज्जत्तअसुरकुमार जाव कम्मासीविसे अपज्जत्तअसुरकुमारभवणवासिदेवकम्मासीविसे एवं थणियकुमाराणं १३। जइ वाणमंतरदेवकम्मासीविसे किं पिसायवाणमंतरदेवकम्मासीविसे ? एवं सव्वेसिंपि अपजत्तगाणं, जोइसियाणं सव्वेसिं अपज्जत्तगाणं १४। जइ वेमाणियदेवकम्मासीविसे किं कप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे ? कप्पातीयवेमाणियदेवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! कप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे नो कप्पातीयवेमाणियदेवकम्मासीविसे १५। जइ कप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे किं सोहम्मकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे जाव अच्चुयकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! सोहम्मकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसेवि जाव सहस्सारकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसेवि, नो आणयकप्पोवग जाव नो अच्चुयकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे १६। जइ सोहम्मकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे किं पज्जत्तसोहम्मकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे ? अपज्जत्तगसोहम्मकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे ?, गोयमा ! नो पज्जत्त सोहम्मकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे ? अपज्जत्त सोहम्मकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे, एवं जाव नो पज्जत्तसहस्सारकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे, अपज्जत्त सहस्सारकप्पोवगवेमाणियदेवकम्मासीविसे॥सूत्रं ३१६॥

दस ठाणाइं छउमत्थे सव्वभावेणं न जाणइ न पासइ, तंजहा—धम्मत्थिकायं १ अधम्मत्थिकायं २ आगासत्थिकायं ३ जीवं असरीरपडिबद्धं ४ परमाणुपोग्गलं ५ सद्दं ६ गंधं ७ वातं ८ अयं जिणे भविस्सइ वा ण वा भविस्सइ ९ अयं सव्वदुक्खाणं अंतं करेस्सति वा न वा करेस्सइ १०, १। एयाणि चेव उप्पन्ननाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली

सव्वभावेणं जाणइ पासइ, तंजहा–धम्मत्थिकायं जाव करेस्संति वा न वा करेस्संति २ ॥ सूत्रं ३१७ ॥ कतिविहे णं भंते ! नाणे पन्नत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे नाणे पन्नत्ते, तंजहा–आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे मणपज्जवनाणे केवलनाणे, से किं तं आभिणिबोहियनाणे ?, आभिणिबोहियनाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–उग्गहो ईहा अवाओ धारणा, एवं जहा रायप्पसेणइए नाणाणं भेदो तहेव इहवि भाणियव्वो जाव सेत्तं केवलनाणे १ । अन्नाणे णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! तिविहे पन्नत्ते, तंजहा–मइअन्नाणे सुयअन्नाणे विभंगनाणे २ । से किं तं मइअन्नाणे ?, २ चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–उग्गहो जाव धारणा । से किं तं उग्गहे ?, २ दुविहे पन्नत्ते, तंजहा–अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य, एवं जहेव आभिणिबोहियनाणं तहेव, नवरं एगट्ठियवज्जं जाव नोइंदियधारणा, सेत्तं धारणा, सेत्तं मइअन्नाणे ३ । से किं तं सुयअन्नाणे ?, २ जं इमं अन्नाणिएहिं मिच्छद्दिट्ठिएहिं जहा नंदीए जाव चत्तारि वेदा संगोवंगा, सेत्तं सुयअन्नाणे ४ । से किं तं विभंगनाणे ?, २ अणेगविहे पन्नत्ते, तंजहा–गामसंठिए नगरसंठिए जाव संनिवेससंठिए दीवसंठिए समुद्दसंठिए वाससंठिए वासहरसंठिए पव्वयसंठिए रुक्खसंठिए थूभसंठिए हयसंठिए गयसंठिए नरसंठिए किंनरसंठिए किंपुरिससंठिए महोरगसंठिए गंधव्वसंठिए उसभसंठिए पसु-पसय-विहग-वानर-नाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते ५ । जीवा णं भंते ! किं नाणी अन्नाणी ? गोयमा ! जीवा नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थेगतिया दुन्नाणी अत्थेगतिया तिन्नाणी अत्थेगतिया चउनाणी अत्थेगतिया एगनाणी, जे दुन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी य सुयनाणी य, जे तिन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी अहवा आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी मणपज्जवनाणी, जे चउनाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी मणपज्जवनाणी, जे एगनाणी ते नियमा केवलनाणी, जे अन्नाणी ते अत्थेगतिया

दुअन्नाणी अत्थेगतिया तिअन्नाणी, जे दुअन्नाणी ते मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, जे तियअन्नाणी ते मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी ६। नेरइया णं भंते ! किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा तिन्नाणी, तंजहा–आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी, जे अन्नाणी ते अत्थेगतिया दुअन्नाणी अत्थेगतिया तिअन्नाणी, एवं तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए ७। असुरकुमारा णं भंते ! किं नाणी अन्नाणी ?, जहेव नेरइया तहेव तिन्नि नाणाणि नियमा, तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए, एवं जाव थणियकुमारा ८। पुढविक्काइया णं भंते ! किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, एवं जाव वणस्सइकाइया ९। बेइंदियाणं पुच्छा, गोयमा ! णाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा दुन्नाणी, तंजहा–आभिणिबोहियनाणी य सुयनाणी य, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी अभिणिबोहियअन्नाणी सुयअन्नाणी, एवं तेइंदियचउरिंदियावि १०। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थेगतिया दुन्नाणी अत्थेगतिया तिन्नाणी एवं तिन्नि नाणाणि तिन्नि अन्नाणाणि य भयणाए ११। मणुस्सा जहा जीवा तहेव पंच नाणाणि तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए १२। वाणमंतरा जहा नेरइया जोइसियवेमाणियाणं तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा नियमा १३। सिद्धा णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! णाणी नो अन्नाणी, नियमा एगनाणी केवलनाणी १४॥ सूत्रं ३१८॥ निरयगइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, तिन्नि नाणाइं नियमा तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए १। तिरियगइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! दो नाणा दो अन्नाणा नियमा २। मणुस्सगइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! तिन्नि नाणाइं भयणाए दो अन्नाणाइं नियमा,

देवगतिया जहा निरयगतिया ३। सिद्धगतिया णं भंते ! जहा सिद्धा ४। सइंदिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! चत्तारि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ५। एगिंदिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा पुढविकाइया बेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं दो नाणा दो अन्नाणा नियमा ६। पंचिंदिया जहा सइंदिया ७। अणिंदिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सिद्धा ८। सकाइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! पंच नाणाणी तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ९। पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया नो नाणी अन्नाणी नियमा दुअन्नाणी, तंजहा—मतिअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, तसकाइया जहा सकाइया १०। अकाइया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सिद्धा ३, ११। सुहुमा णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा पुढविकाइया १२। बादरा णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सकाइया १३। नोसुहुमानोबादरा णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सिद्धा ४, १४। पज्जत्ता णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सकाइया १५। पज्जत्ता णं भंते ! नेरइया किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा नियमा जहा नेरइए एवं जाव थणियकुमारा १६। पुढविकाइया जहा एगिंदिया, एवं जाव चउरिंदिया १७। पज्जत्ता णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए १८। मणुस्सा जहा सकाइया १९। वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया जहा नेरइया २०। अपज्जत्ता णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए २१। अपज्जत्ता णं भंते ! नेरतिया किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणा नियमा तिन्नि अन्नाणा भयणाए, एवं जाव थणियकुमारा २२। पुढविकाइया जाव वणस्सइकाइया जहा एगिंदिया २३। बेंदियाणं पुच्छा, दो नाणा दो अन्नाणा णियमा, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं २४।

अपज्जत्तगा णं भंते ! मणुस्सा किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणाइं भयणाए दो अन्नाणाइं नियमा, वाणमंतरा जहा नेरइया, अपज्जत्तगा जोइसियवेमाणिया णं तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा नियमा २५। नो पज्जत्तगा नो अपज्जत्तगा णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सिद्धा ५, २६। निरयभवत्था णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा निरयगतिया २७। तिरियभवत्था णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा भयणाए २८। मणुस्सभवत्था णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सकाइया २९। देवभवत्था णं भंते ! जहा निरयभवत्था ३०। अभवत्था जहा सिद्धा ६, ३१। भवसिद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सकाइया ३२। अभवसिद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ३३। नो भवसिद्धियानोअभवसिद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? जहा सिद्धा ७, ३४। सन्नीणं पुच्छा जहा सइंदिया, असन्नी जहा बेइंदिया, नोसन्नीनोअसन्नी जहा सिद्धा ८, ३५॥ सूत्रं ३११॥ कइविहा णं भंते ! लद्धी पण्णत्ता ?, गोयमा ! दसविहा लद्धी पण्णत्ता, तंजहा—नाणलद्धी १ दंसणलद्धी २ चरित्तलद्धी ३ चरित्ताचरित्तलद्धी ४ दाणलद्धी ५ लाभलद्धी ६ भोगलद्धी ७ उवभोगलद्धी ८ वीरियलद्धी ९ इंदियलद्धी १०, १। णाणलद्धी णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा—आभिणिबोहियणाणलद्धी जाव केवलणाणलद्धी २। अन्नाणलद्धी णं भंते ! कतिविहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—मइअन्नाणलद्धी सुयअन्नाणलद्धी विभंगनाणलद्धी ३। दंसणलद्धी णं भंते ! कतिविहा पन्नत्ता ?, गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—सम्मद्दंसणलद्धी मिच्छादंसणलद्धी सम्मामिच्छादंसणलद्धी ४। चरित्तलद्धी णं भंते ! कतिविहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा पन्नत्ता, तंजहा—सामाइयचरित्तलद्धी छेदोवट्ठावणियलद्धी

परिहारविसुद्धलद्धी सुहुमसंपरागलद्धी अहक्खायचरित्तलद्धी ५। चरित्ता-चरित्तलद्धी णं भंते ! कतिविहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! एगागारा पण्णत्ता, एवं जाव उवभोगलद्धी एगागारा पन्नत्ता ६। वीरियलद्धी णं भंते ! कतिविहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तंजहा–बालवीरियलद्धी पंडियवीरियलद्धी बालपंडियवीरियलद्धी ७। इंदियलद्धी णं भंते ! कतिविहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! पंचिविहा पण्णत्ता, तंजहा–सोइंदियलद्धी जाव फासिंदियलद्धी ८। नाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगतिया दुन्नाणी, एवं पंच नाणाइं भयणाए ९। तस्स अलद्धीया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी, अत्थेगतिया दुअन्नाणी तिन्नि अन्नाणाणि भयणाए १०। आभिणिबोहियणाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगतिया दुन्नाणी चत्तारि नाणाइं भयणाए ११। तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते नियमा एगनाणी केवलनाणी, जे अन्नाणी ते अत्थेगइया दुअन्नाणी तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए १२। एवं सुयनाणलद्धीयावि, तस्स अलद्धीयावि जहा आभिणिबोहियनाणस्स अलद्धीया १३। ओहिनाणलद्धीया णं पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगतिया तिन्नाणी अत्थेगतिया चउनाणी, जे तिन्नाणी ते आभिणिबोहिय-नाणी सुयनाणी ओहिनाणी, जे चउनाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुय-नाणी ओहिनाणी मणपज्जवनाणी १४। तस्स अलद्धीया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि। एवं ओहिनाणवज्जाइं चत्तारि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए १५। मजपज्जवनाणलद्धिया णं पुच्छा, गोयमा ! णाणी णो अन्नाणी, अत्थेगतिया तिन्नाणी अत्थेगतिया चउनाणी, जे तिन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयणाणी मणपज्जवणाणी,

जे चउनाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी मणपज्जवनाणी १६ । तस्स अलद्धीया णं पुच्छा, गोयमा ! णाणीवि अन्नाणीवि, मणपज्जवणाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं, तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए १७ । केवलनाणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, नियमा एगणाणी केवलनाणी १८ । तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणिवि, केवलनाणवज्जाइं चत्तारि णाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ११ । अन्नाणलद्धिया णं पुच्छा, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी, तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए २० । तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, पंच नाणाइं भयणाए जहा अन्नाणस्स लद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं मइअन्नाणस्स सुयअन्नाणस्स य लद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा २१ । विभंगनाणलद्धियाणं तिन्नि अन्नाणाइं नियमा, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए दो अन्नाणाइं नियमा २२ । दंसणलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए २३ । तस्स अलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! तस्स अलद्धिया नत्थि २४ । सम्मद्दंसणलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, मिच्छादंसणलद्धिया णं भंते ! पुच्छा, तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए, सम्मामिच्छादंसणलद्धिया य अलद्धिया जहा मिच्छादंसणलद्धी अलद्धी तहेव भाणियव्वं २५ । चरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवनाणवज्जाइं चत्तारि नाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए २६ । सामाइयचरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी केवलवज्जाइं चत्तारि नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं

तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए, एवं जहा सामाइयचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भणिया एवं जहा जाव अहक्खायचरित्तलद्धिया अलद्धिया य भाणियव्वा, नवरं अहक्खायचरित्तलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए २७। चरित्ताचरित्तलद्धिया णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, अत्थेगइया दुन्नाणी अत्थेगतिया तिन्नाणी, जे दुन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी य सुयनाणी य, जे तिन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी य सुयनाणी य ओहिनाणी य, तस्स अलद्धीयाणं पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ४, २८। दाणलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए २९। तस्स अलद्धीयाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो अनाणी, नियमा एगनाणी केवलनाणी ३०। एवं जाव वीरियस्स लद्धी अलद्धी य भाणियव्वा ३१। बालवीरियलद्धियाणं तिन्नि नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए ३२। पंडियवीरियलद्धियाणं पंच नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं मणपज्जवनाणवज्जाइं णाणाइं अन्नाणाणि तिन्नि य भयणाए ३३। बालपंडियवीरियलद्धियाणं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, तिन्नि नाणाइं भयणाए, तस्स अलद्धियाणं पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ३४। इंदियलद्धियाणं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! चत्तारि णाणाइं तिन्नि य अन्नाणाइं भयणाए ३५। तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणी नो अन्नाणी, नियमा एगनाणी केवलनाणी, सोइंदियलद्धियाणं जहा इंदियलद्धियाणं ३६। तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थेगतिया दुन्नाणी अत्थेगतिया एगान्नाणी, जे दुन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी, जे एगनाणी ते केवलनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी, तंजहा—मइअन्नाणी य, सुयअन्नाणी य, चक्खिंदियघाणिंदियाणं लद्धियाणं अलद्धियाण य जहेव सोइंदियस्स, जिब्भिंदियलद्धियाणं चत्तारि णाणाइं तिन्नि य अन्नाणाणि भय-

णाए ३७। तस्स अलद्धियाणं पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि जे नाणी ते नियमा एगनाणी केवलनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा दुअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी य सुयअन्नाणी य, फासिंदियलद्धियाणं अलद्धियाणं जहा इंदियलद्धिया य अलद्धिया य ३८॥ सूत्रं ३२०॥ सागारोवउत्ता णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए १। आभिणिबोहियनाणसाकारोवउत्ता णं भंते ! किं नाणी अन्नाणी ? चत्तारि णाणाइं भयणाए २। एवं सुयनाणसागारोवउत्तावि ३। ओहिनाणसागारोवउत्ता जहा ओहिनाणलद्धिया, मणपज्जवनाणसागारोवउत्ता जहा मणपज्जवनाणलद्धिया, केवलनाणसागारोवउत्ता जहा केवलनाणलद्धिया, मइअन्नाणसागारोवउत्ताणं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए, एवं सुयअन्नाणसागारोवउत्तावि, विभंगनाणसागारोवउत्ताणं तिन्नि अन्नाणाइं नियमा ४। अणागारोवउत्ताणं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, पंच नाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ५। एवं चक्खुदंसण-अचक्खुदंसण-अणागारोवउत्तावि, नवरं चत्तारि णाणाइं तिन्नि अन्नाणाइं भयणाए ६। ओहिदंसणअणागारोवउत्ताणं पुच्छा, गोयमा ! नाणीवि अन्नाणीवि, जे नाणी ते अत्थेगतिया तिन्नाणी अत्थेगतिया चउनाणी, जे तिन्नाणी ते आभिणिबोहियनाणी सुयनाणी ओहिनाणी, जे चउणाणी ते आभिणिबोहियनाणी जाव मणपज्जवनाणी, जे अन्नाणी ते नियमा तिअन्नाणी, तंजहा--मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी, केवलदंसणअणागारोवउत्ता जहा केवलनाणलद्धिया ७। सजोगी णं भंते ! जीवा किं नाणी अनाणी ?, जहा सकाइया, एवं मणजोगी वइजोगी कायजोगीवि, अजोगी जहा सिद्धा ८। सलेस्सा णं भंते ! जहा सकाइया, कण्हलेसा णं भंते ! जहा सइंदिया, एवं जाव पम्हलेसा, सुक्कलेस्सा जहा सलेस्सा, अलेस्सा जहा सिद्धा ९। सकसाई णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सइंदिया एवं जाव लोहकसाई १०। अकसाई णं भंते ! जीवा किं

नाणी अन्नाणी ?, पंच नाणाइं भयणाए ११। सवेदगा णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सइंदिया, एवं इत्थिवेदगावि एवं पुरिसवेयगा, नपुंसकवेयगा, अवेदगा जहा अकसाई १२। आहारगा णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, जहा सकसाई नवरं केवलनाणंपि १३। अणाहारगा णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, मणपज्जवनाणवज्जाइं नाणाइं अन्नाणाणि य तिन्नि भयणाए १४॥ सूत्रं ३२१॥ आभिणिबोहियनाणस्स णं भंते ! केवतिए विसए पन्नत्ते ?, गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा--दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ, दव्वओ णं आभिणिबोहियनाणी आएसेणं सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ, खेत्तओ आभिणिबोहियणाणी आएसेणं सव्वखेत्तं जाणइ पासइ, एवं कालओवि, एवं भावओवि १। सुयनाणस्स णं भंते ! केवतिए विसए पण्णत्ते ?, गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा--दव्वओ ४, दव्वओ णं सुयनाणी उवउत्ते सव्वदव्वाइं जाणति पासति, एवं खेत्तओवि कालओवि, भावओ णं सुयनाणी उवउत्ते सव्वभावे जाणति पासति २। ओहिनाणस्स णं भंते ! केवतिए विसए पन्नत्ते ?, गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा--दव्वओ ४, दव्वओ णं ओहिनाणी रूविदव्वाइं जाणइ पासइ जहा नंदिए जाव भावओ ३। मणपज्जवनाणस्स णं भंते ! केवतिए विसए पण्णत्ते ?, गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा--दव्वओ ४, दव्वओ णं उज्जुमती अणंते अणंतपदेसिए जहा नंदीए जाव भावओ ४। केवलनाणस्स णं भंते ! केवतिए विसए पण्णत्ते ?, गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा--दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ, दव्वओ णं केवलनाणी सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ एवं जाव भावओ ५। मइअन्नाणस्स णं भंते ! केवतिए विसए पन्नत्ते ?, गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा--दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ, दव्वओ णं मइअन्नाणी मइअन्नाणपरिगयाइं दव्वाइं जाणइ पासइ, एवं जाव भावओ मइअन्नाणी मइअन्नाण-

परिगए भावे जाणइ पासइ ६। सुयअन्नाणस्स णं भंते ! केवतिए विसए पराणत्ते ? गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पराणत्ते, तंजहा–दव्वओ ४, दव्वओ णं सुयअन्नाणी सुयअन्नाणपरिगयाइं दव्वाइं आघवेति पन्नवेति परूवेइ, एवं खेत्तओ कालओ, भावओ णं सुयअन्नाणी सुयअन्नाणपरिगए भावे आघवेति तं चेव ७। विभंगणाणस्स णं भंते ! केवतिए विसए पराणत्ते?, गोयमा ! से समासओ चउव्विहे पराणत्ते, तंजहा–दव्वओ ४, दव्वओ णं विभंगनाणी विभंगनाणपरिगयाइं दव्वाइं जाणइ पासइ, एवं जाव भावओ णं विभंगनाणी विभंगनाणपरिगए भावे जाणइ पासइ ८॥ सूत्रं ३२२॥ णाणी णं भंते ! णाणीति कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! नाणी दुविहे पन्नत्ते, तंजहा–साइए वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं सातिरेगाइं १। आभिणिबोहियणाणी णं भंते ! आभिणिबोहियणाणीवि कालओ केवच्चिरं होइ ? एवं नाणी आभिणिबोहियनाणी जाव केवलनाणी २। अन्नाणी मइअन्नाणी सुयअन्नाणी विभंगनाणी, एएसिं दसण्हवि संचिट्ठणा जहा कायठिईए ३। अंतरं सव्वं जहा जीवाभिगमे ४। अप्पाबहुगाणि तिन्नि जहा बहुवत्तव्वयाए ५। केवतिया णं भंते ! आभिणिबोहियणाणपज्जवा पराणत्ता ?, गोयमा ! अणंता आभिणिबोहियणाण-पज्जवा पराणत्ता ६। केवतिया णं भंते ! सुयनाणपज्जवा पराणत्ता ? एवं चेव एवं जाव केवलनाणस्स ७। एवं मइअन्नाणस्स सुयअन्नाणस्स, केवतिया णं भंते ! विभंगनाणपज्जवा पराणत्ता ?, गोयमा ! अणंता विभंगनाणपज्जवा पराणत्ता ८। एएसि णं भंते ! आभिणिबोहियनाणपज्जवाणं सुयनाण-पज्जवाणं ओहिनाणपज्जवाणं मणपज्जवनाणपज्जवाणं केवलनाणपज्जवाणं य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा मणपज्जवनाण-पज्जवा ओहिनाणपज्जवा अणंतगुणा सुयनाणपज्जवा अणंतगुणा आभिणि-

बोहियनाणपज्जवा अणंतगुणा केवलनाणपज्जवा अणंतगुणा ९। एएसि णं भंते ! मइअन्नाणपज्जवाणं सुयअन्नाणपज्जवाणं विभंगनाणपज्जवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा विभंगनाणपज्जवा सुयअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा मइअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा १०। एएसि णं भंते ! आभिणिबोहियणाणपज्जवाणं जाव केवलनाणपज्जवाणं मइअन्नाणपज्जवाणं सुयअन्नाणपज्जवाणं विभंगनाणपज्जवाणं य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा मणपज्जवनाणपज्जवा विभंगनाणपज्जवा अणंतगुणा ओहिणाणपज्जवा अणंतगुणा सुयअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा सुयनाणपज्जवा विसेसाहिया मइअन्नाणपज्जवा अणंतगुणा आभिणिबोहियनाणपज्जवा विसेसाहिया केवलणाणपज्जवा अणंतगुणा ११। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ३२३ ॥ अट्ठमस्स सयस्स बितिओ उद्देसो ।

॥ इति अष्टमशतके द्वितीय उद्देशकः ॥ ८–२ ॥

॥ अथ अष्टमशतके वृक्षाख्य-तृतीयोद्देशकः ॥

कइविहा णं भंते ! रुक्खा पन्नत्ता ?, गोयमा ! तिविहा रुक्खा पण्णत्ता, तंजहा–संखेज्जजीविया असंखेज्जजीविया अणंतजीविया १। से किं तं संखेज्जजीविया ?, संखेज्जजीविया अणेगविया पण्णत्ता, तंजहा–ताले तमाले तक्कलि तेतलि जहा पन्नवणाए जाव नालिएरी, जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं संखेज्जजीविया २। से किं तं असंखेज्जजीविया ?, असंखेज्जजीविया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–एगट्ठिया य बहुबीयगा य ३। से किं तं एगट्ठिया ?, २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा–निंबंब-जंबु-कोसंब-साल-अंकोल्ल-पीलुसल्लूया। सल्लइमोयइमालुय बउलपलासे करंजे य ॥ १ ॥ एवं जहा पन्नवणापए जाव फला बहुबीयगा, सेत्तं बहुबीयगा, सेत्तं असंखेज्जजीविया ४। से किं तं अणंतजीविया ?, अणंतजीविया अणेगविहा पण्णत्ता,

तंजहा–आलुए मूलए सिंगबेरे, एवं जहा सत्तमसए जाव सीउण्हे सिउंढी (सीहकन्नी सीहंडी) मुसुंढी, जे यावन्ने तहप्पकारा, सेत्तं अणंतजीविया ५ ॥ सूत्रं ३२४ ॥ अह भंते ! कुम्मे कुम्मावलिया गोहे गोहावलिया गोणे गोणावलिया मणुस्से मणुस्सावलिया महिसे महिसावलिया, एएसि णं दुहा वा तिहा वा संखेज्जहावि छिन्नाणं जे अंतरा तेवि णं तेहिं जीवपएसेहिं फुडा ?, हंता फुडा १ । पुरिसे णं भंते ! जं अंतरं ते अंतरे हत्थेण वा पादेण वा अंगुलियाए वा सलागाए वा कट्ठेण वा किलिंचेण वा आमुसमाणे वा संमुसमाणे वा आलिहमाणे वा विलिहमाणे वा अन्नयरेण वा तिक्खेणं सत्थजाएणं आच्छिंदमाणे वा विच्छिंदमाणे वा अगणिकाएणं वा समोडहमाणे तेसिं जीवपएसाणं किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पायइ ? छविच्छेदं वा करेइ ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, नो खलु तत्थ सत्थं संकमइ २ ॥ सूत्रं ३२५ ॥ कति णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! अट्ठ पुढवीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रयणप्पभा जाव अहे सत्तमा पुढवि ईसिपब्भारा १ । इमा णं भंते ! रयणप्पभापुढवी किं चरिमा अचरिमा ?, चरिमपदं निरवसेसं भाणियव्वं जाव वेमाणिया णं भंते ! फासचरिमेणं किं चरिमा अचरिमा ?, गोयमा ! चरिमावि अचरिमावि २ । सेवं भंते ! २ त्ति भगवं गोतमे जाव विहरति ३ ॥ सूत्रं ३२६ ॥

॥ इति अष्टमशतके तृतीय उद्देशकः ॥ ८–३ ॥

॥ अथ अष्टमशतके क्रियाख्य-चतुर्थोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–कति णं भंते ! किरियाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! पंच किरियाओ पन्नत्ताओ, तंजहा–काइया अहिगरणिया, एवं किरियापदं निरवसेसं भाणियव्वं जाव मायावत्तियाओ किरियाओ विसे-

साहियाओ १। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति भगवं गोयमे जाव विहरति २ ॥ सूत्रं ३२७ ॥

॥ इति अष्टमशतके चतुर्थ उद्देशकः ॥ ८-४ ॥

॥ अथ अष्टमशतके आजीविकाख्य-पञ्चमोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-आजीविया णं भंते! थेरे भगवंते एवं वयासी-समणोवासगस्स णं भंते! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छ-माणस्स केइ भंडे अवहरेज्जा से णं भंते! तं भंडं अणुगवेसमाणे किं सयं भंडं अणुगवेसइ? परायगं भंडं अणुगवेसइ?, गोयमा! सयं भंडं अणुग-वेसति नो परायगं भंडं अणुगवेसेइ, तस्स णं भंते! तेहिं सीलव्वयगुणवे-रमण-पच्चक्खाण-पोसहोववासेहिं से भंडे अभंडे भवति?, हंता भवति १। से केणं खाइ णं अट्ठे णं भंते! एवं वुच्चइ सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुगवेसइ? गोयमा! तस्स णं एवं भवति-णो मे हिरन्ने नो मे सुवन्ने नो मे कंसे नो मे दूसे नो मे विउल-धण-कणग-रयण-मणि-मोत्तिय-संख-सिलप्पवाल-रत्तरयणमादीए संतसार-सावदेज्जे, ममत्तभावे पुण से अपरिणाए भवति, से तेणट्ठे णं गोयमा! एवं वुच्चइ-सयं भंडं अणुगवेसइ नो परायगं भंडं अणुग-वेसइ २। समणोवासगस्स णं भंते! सामाइयकडस्स समणोवस्सए अच्छ-माणस्स केति जायं चरेज्जा से णं भंते! किं जायं चरइ अजायं चरइ?, गोयमा! जायं चरइ नो अजायं चरइ २। तस्स णं भंते! तेहिं सीलव्वय-गुण-वेरमण-पच्चक्खाण-पोसहोववासेहिं सा जाया अजाया भवइ?, हंता भवइ ३। से केणं खाइ णं अट्ठे णं भंते! एवं वुच्चइ-जायं चरइ नो अजायं चरइ?, गोयमा! तस्स णं एवं भवइ-णो मे माता णो मे पिता णो मे भाया णो मे भगिणी णो मे भज्जा णो मे पुत्ता णो मे धूया नो मे सुण्हा, पेज्जबंधणे पुण से अवोच्छिन्ने भवइ, से तेणट्ठे णं गोयमा! जाव नो

अजायं चरइ ४ ॥ सूत्रं ३२८ ॥ समणोवासगस्स णं भंते ! पुव्वामेव थूलए पाणाइवाए अपच्चक्खाए भवइ से णं भंते ! पच्छा पच्चाइक्खमाणे किं करेति ?, गोयमा ! तीयं पडिक्कमइ पडुप्पन्नं संवरेइ अणागयं पच्चक्खाति १ । तीयं पडिक्कममाणे किं तिविहं तिविहेणं पडिक्कमति १ तिविहं दुविहेणं पडिक्कमति २ तिविहं एगविहेणं पडिक्कमति ३ दुविहं तिविहेणं पडिक्कमति ४ दुविहं दुविहेणं पडिक्कमति ५ दुविहं एगविहेणं पडिक्कमति ६ एकविहं तिविहेणं पडिक्कमति ७ एकविहं दुविहेणं पडिक्कमति ८ एकविहं एगविहेणं पडिक्कमति ९ ?, गोयमा ! तिविहं तिविहेणं पडिक्कमति तिविहं दुविहेण वा पडिक्कमति तं चेव जाव एकविहं वा एकविहेणं पडिक्कमति २ । तिविहं वा तिविहेणं पडिक्कममाणे न करेति न कारवेति करेंतं णाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १, ३ । तिविहं दुविहेणं पडिक्कममाणे न करेति न कारवेति करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा २, अहवा न करेइ न कारवेति करेंतं नाणुजाणति मणसा कायसा ३, अहवा न करेइ ३ वयसा कायसा ४, ४ । तिविहं एगविहेणं पडिक्कममाणे न करेति ३ मणसा ५, अहवा न करेइ ३ वयसा ६, अहवा न करेइ ३ कायसा ७, ५ । दुविहं तिविहेणं पडिक्कममाणे न करेइ न कारवेति मणसा वयसा कायसा ८, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा ९, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा कायसा १०, ६ । दुविहं दुविहेणं पडिक्कममाणे न करेति न कारवेति मणसा वयसा ११, अहवा न करेति न कारवेति मणसा कायसा १२, अहवा न करेति न कारवेति वयसा कायसा १३, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा वयसा १४, अहवा न करेति करेंतं नाणुजाणइ मणसा कायसा १५, अहवा न करेति करेंतं नाणुजाणति वयसा कायसा १६, अहवा न कारवेति करेंतं नाणुजाणति मणसा वयसा १७, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा

कायसा १८, अहवा न कारवेति करेंतं नाणुजाणइ वयसा कायसा ११, ७। दुविहं एक्कविहेणं पडिक्कममाणे न करेति न कारवेति मणसा २०, अहवा न करेति न कारवेति वयसा २१, अहवा न करेति न कारवेति कायसा २२, अहवा न करेति करेंतं नाणुजाणइ मणसा २३, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा २४, अहवा न करेइ करेंतं नाणुजाणइ कायसा २५, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ मणसा २६, अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ वयसा २७ अहवा न कारवेइ करेंतं नाणुजाणइ कायसा २८, ८। एगविहं तिविहेणं पडिक्कममाणे न करेति मणसा वयसा कायसा २९, अहवा न कारवेइ मणसा वयसा कायसा ३०, अहवा करेंतं नाणुजाणति मणसा ३, ३१, ९। एक्कविहं दुविहेणं पडिक्कममाणे न करेति मणसा वयसा ३२, अहवा न करेति मणसा कायसा ३३, अहवा न करेइ वयसा कायसा ३४, अहवा न कारवेति मणसा वयसा ३५, अहवा न कारवेति मणसा कायसा ३६, अहवा न कारवेइ वयसा कायसा ३७, अहवा करेंतं नाणुजाणति मणसा वयसा ३८, अहवा करेंतं नाणुजाणति मणसा कायसा ३९, अहवा करेंतं नाणुजाणइ वयसा कायसा ४०, १०। एक्कविहं एगविहेणं पडिक्कममाणे न करेति मणसा ४१, अहवा न करेति वयसा ४२, अहवा न करेति कायसा ४३, अहवा न कारवेति मणसा ४४, अहवा न कारवेति वयसा ४५, अहवा न कारवेइ कायसा ४६, अहवा करेंतं नाणुजाणइ मणसा ४७ अहवा करेंतं नाणुजाणति वयसा ४८ अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा ४९, ११। पडुप्पन्नं संवरेमाणे किं तिविहं तिविहेणं संवरेइ ?, एवं जहा पडिक्कममाणेणं एगूणपन्नं भंगा भणिया एवं संवरमाणेणवि एगूणपन्नं भंगा भाणियव्वा १२। अणागयं पच्चक्खमाणे किं तिविहं तिविहेणं पच्चक्खाइ ? एवं ते चेव भंगा एगूणपन्ना भाणियव्वा जाव अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा १३। समणोवासगस्स णं भंते ! पुव्वामेव थूलमुसावाए

अपच्चक्खाए भवइ से णं भंते ! पच्छा पच्चाइक्खमाणे एवं जहा पाणाइवायस्स सीयालं भंगसयं भणियं तहा मुसावायस्सवि भाणियव्वं १४ । एवं अदिन्नादाणस्सवि, एवं थूलगस्स मेहुणस्सवि थूलगस्स परिग्गहस्सवि जाव अहवा करेंतं नाणुजाणइ कायसा १५ । एए खलु एरिसगा समणोवासगा भवंति, नो खलु एरिसगा आजीवियोवासगा भवंति १६ ॥ सूत्रं ३२९ ॥ आजीवियसमयस्स णं अयमट्ठे पण्णत्ते अक्खीणपडिभोइणो सव्वे सत्ता से हंता छेत्ता भेत्ता लुंपित्ता विलुंपित्ता उद्दवइत्ता आहारमाहारेंति, तत्थ खलु इमे दुवालस आजीवियोवासगा भवंति, तंजहा—ताले १ तालपलंबे २ उव्विहे ३ संविहे ४ अवविहे ५ उदए ६ नामु(म)दए ७ णमु(म्मु)दए ८ अणुवाल(लु)ए ९ संखवालए १० अयंबुले ११ कायरए १२, १ । इच्चेते दुवालसमाजीवियोवासगा अरिहंतदेवतागा अम्मापिउसुस्सूसगा पंचफलपडिक्कंता, तंजहा—उंबरेहिं वडेहिं बोरेहिं सतरेहिं पिलंखूहिं २ । पलंडुल्हसण-कंदमूलविवज्जगा अणिल्लंछिएहिं अणक्कभिन्नेहिं गोणेहिं तसपाणविवज्जिएहिं चित्तेहिं वित्तिं कप्पेमाणे विहरंति ३ । एएवि ताव एवं इच्छंति, किमंग पुण जे इमे समणोवासगा भवंति ? जेसिं नो कप्पंति इमाइं पन्नरस कम्मादाणाइं सयं करेत्तए वा कारवेत्तए वा करेंतं वा अन्नं न समणुजाणेत्तए, तंजहा—इंगालकम्मे वणकम्मे साडीकम्मे भाडीकम्मे फोडीकम्मे दंतवाणिज्जे लक्खवाणिज्जे केसवाणिज्जे रसवाणिज्जे विसवाणिज्जे जंतपीलणकम्मे निल्लंछणकम्मे दवग्गिदावणया सर-दह-तलायपरिसोसणया असतीपोसणया, इच्चेते समणोवासगा सुक्का सुक्काभिजातीया भविया भवित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति ४ ॥ सूत्रं ३३० ॥ कतिविहा णं भंते ! (देवा) देवलोगा पण्णत्ता ?, गोयमा ! चउव्विहा देवलोगा पण्णत्ता, तंजहा—भवणवासि-वाणमंतर-जोइस-वेमाणिया, सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ३३१ ॥ अट्ठमसयस्स पंचमो उद्देसओ ॥

॥ इति अष्टमशतके पञ्चम उद्देशकः ॥ ८–५ ॥

॥ अथ अष्टमशतके प्रासुकदानाख्य-षष्ठोद्देशकः ॥

समणोवासगस्स णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेमाणस्स किं कज्जति ?, गोयमा ! एगंतसो निज्जरा कज्जइ नत्थि य से पावे कम्मे कज्जति १ । समणोवासगस्स णं भंते ! तहारूवं समणं वा माहणं वा अफासुएणं अणेसणिज्जेणं असणपाण जाव पडिलाभेमाणस्स किं कज्जइ ?, गोयमा ! बहुतरिया से निज्जरा कज्जइ अप्पतराए से पावे कम्मे कज्जइ २ । समणोवासगस्स णं भंते ! तहारूवं असंजय-अविरय-पडिहय-पच्चक्खाय-पावकम्मं फासुएण वा अफासुएण वा एसणिज्जेण वा अणेसणिज्जेण वा असणपाण जाव किं कज्जइ ?, गोयमा ! एगंतसो से पावे कम्मे कज्जइ नत्थि से काइ निज्जरा कज्जइ ३ ॥ सूत्रं ३३२ ॥ निग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केई दोहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा-एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि एगं थेराणं दलयाहि, से य तं पिराडं पडिग्गहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसियव्वा सिया जत्थेव अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्जा तत्थेवाणुप्पदायव्वे सिया नो चेव णं अणुगवेसमाणे थेरे पासिज्जा तं नो अप्पणा भुंजेज्जा नो अन्नेसिं दावए एगंते अणावाए अचित्ते बहुफासुए थंडिल्ले पडिलेहेत्ता पमज्जिता परिट्ठावेयव्वे सिया १ । निग्गंथं च णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केति तिहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा-एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि दो थेराणं दलयाहि, से य ते पडिग्गहेज्जा, थेरा य से अणुगवेसेयव्वा, सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया २ । एवं जाव दसहिं पिंडेहिं उवनिमंतेज्जा नवरं एगं आउसो ! अप्पणा भुंजाहि नव थेराणं दलयाहि सेसं तं चेव जाव परिट्ठावेयव्वे सिया ३ । निग्गंथं च णं गाहावइ जाव केइ दोहिं पडिग्गहेहिं उवनिमंतेज्जा एगं आउसो ! अप्पणा पडिभुंजाहि एगं थेराणं दलयाहि, से य

तं पडिग्गाहेज्जा, तहेव जाव तं नो अप्पणा पडिभुंजेज्जा नो अन्नेसिं दावए, सेसं तं चेव जाव परिट्ठवेयव्वे सिया ४। एवं जाव दसहिं पडिग्गहेहिं, एवं जहा पडिग्गहवत्तव्वया भणिया एवं गोच्छग-रयहरण-चोलपट्टग-कंबल-लट्ठी-संथारगवत्तव्वया य भाणियव्वा जाव दसहिं संथारएहिं उवनिमंतेज्जा जाव परिट्ठावेयव्वे सिया ५ ॥ सूत्रं ३३३ ॥ निग्गंथेण य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए, तस्स णं एवं भवति–इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि विउट्टामि विसोहेमि अकरणयाए अब्भुट्ठेमि अहारिहं पायच्छित्तं तवोकम्मं पडिवज्जामि, तओ पच्छा थेराणं अंतियं आलोएस्सामि जाव तवोकम्मं पडिवज्जिस्सामि, से य संपट्ठिए असंपत्ते थेरा य पुव्वामेव अमुहा सिया, से णं भंते ! किं आराहए विराहए ?, गोयमा ! आराहए नो विराहए १। से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव अमुहे सिया से णं भंते ! किं आराहए विराहए ?, गोयमा ! आराहए नो विराहए २। से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव थेरा य कालं करेज्जा से णं भंते ! किं आराहए विराहए ?, गोयमा ! आराहए नो विराहए ३। से य संपट्ठिए असंपत्ते अप्पणा य पुव्वामेव कालं करेज्जा से णं भंते ! किं आराहए विराहए ?, गोयमा ! आराहए नो विराहए ४। से य संपट्ठिए संपत्ते थेरा य अमुहा सिया से णं भंते ! किं आराहए विराहए ?, गोयमा ! आराहए नो विराहए ५। से य संपट्ठिए संपत्ते अप्पणा य, एवं संपत्तेणवि चत्तारि आलावगा भाणियव्वा जहेव असंपत्तेणं ६। निग्गंथेण य बहिया वियारभूमिं विहारभूमिं वा निक्खंतेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स णं एवं भवति–इहेव ताव अहं एवं एत्थवि एते चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव नो विराहए ७। निग्गंथेण य गामाणुगामं दूइज्जमाणेणं अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तस्स णं

एवं भवति इहेव ताव अहं एत्थवि ते चेव अट्ठ आलावगा भाणियव्वा जाव नो विराहए ८। निग्गंथीए य गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठाए अन्नयरे अकिच्चट्ठाणे पडिसेविए तीसे णं एवं भवइ इहेव ताव अहं एयस्स ठाणस्स आलोएमि जाव तवोकम्मं पडिवज्जामि तओ पच्छा पवत्तिणीए अंतियं आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, सा य संपट्ठिया असंपत्ता पवत्तिणी य अमुहा सिया सा णं भंते ! किं आराहिया विराहिया ?, गोयमा ! आराहिया नो विराहिया, सा य संपट्ठिया जहा निग्गंथस्स तिन्नि गमा भणिया एवं निग्गंथीएवि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा जाव आराहिया नो विराहिया ९। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–आराहए नो विराहए ?, गोयमा ! से जहा नामए केइ पुरिसे एगं महं उन्नालोमं वा गयलोमं वा सणलोमं वा कप्पासलोमं वा तणसूयं वा दुहा वा तिहा वा संखेज्जहा वा छिंदित्ता अगणिकायंसि पक्खिवेज्जा, से नूणं गोयमा ! छिज्जमाणे छिन्ने पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते दज्झमाणे दड्ढे त्ति वत्तव्वं सिया ?, हंता भगवं ! छिज्जमाणे छिन्ने जाव दड्ढे त्ति वत्तव्वं सिया, से जहा वा केइ पुरिसे वत्थं अहतं वा धोतं वा तंतुग्गयं वा मंजिट्ठादोणीए पक्खिवेज्जा से नूणं गोयमा ! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते पक्खिप्पमाणे पक्खित्ते रज्जमाणे रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया ?, हंता भगवं ! उक्खिप्पमाणे उक्खित्ते जाव रत्तेत्ति वत्तव्वं सिया, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–आराहए नो विराहए १०॥ सूत्रं ३३४॥ पईवस्स णं भंते ! झियायमाणस्स किं पदीवे *झियाति लट्ठी झियाइ वत्ती झियाइ तेल्ले* झियाइ दीवचंपए झियाइ जोति झियाइ ? गोयमा ! नो पदीवे झियाइ जाव नो पदीवचंपए झियाइ जोइ झियाइ १। अगारस्स णं भंते ! झियायमाणस्स किं आगारे झियाइ छुड्डा झियाइ कडणा झियाइ धारणा झियाइ बलहरणे झियाइ वंसा झियाइ मल्ला झियाइ वग्गा झियाइ छित्तरा

भिया‌इ छाणे भियाति जोति भियाति ?, गोयमा ! नो अगारे भियाति नो कुड्डा भियाति जाव नो छाणे भियाति जोति भियाति ॥ सूत्रं ३३५ ॥ जीवे णं भंते ! ओरालियसरीराओ कति किरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए सिय अकिरिए १ । नेरइए णं भंते ! ओरालियसरीराओ कतिकिरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए २ । असुरकुमारे णं भंते ! ओरालियसरीराओ कतिकिरिए ? एवं चेव, एवं जाव वेमाणिए, नवरं मणुस्से जहा जीवे ३ । जीवे णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कतिकिरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए जाव सिय अकिरिए ४ । नेरइए णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कतिकिरिए ?, एवं एसो जहा पढमो दंडओ तहा इमोवि अपरिसेसो भाणियव्वो जाव वेमाणिए, नवरं मणुस्से जहा जीवे ५ । जीवा णं भंते ! ओरालियसरीराओ कतिकिरिया ?, गोयमा ! सिय तिकिरिया जाव सिय अकिरिया ६ । नेरइया णं भंते ! ओरालियसरीराओ कतिकिरिया ?, एवं एसोवि जहा पढमो दंडओ तहा भाणियव्वो जाव वेमाणिया, नवरं मणुस्सा जहा जीवा ७ । जीवा णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कतिकिरिया ?, गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि अकिरियावि ८ । नेरइया णं भंते ! ओरालियसरीरेहिंतो कइकिरिया ?, गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि पंचकिरियावि एवं जाव वेमाणिया, नवरं मणुस्सा जहा जीवा ९ । जीवे णं भंते ! वेउव्वियसरीराओ कतिकिरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय अकिरिए १० । नेरइए णं भंते ! वेउव्वियसरीराओ कतिकिरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए एवं जाव वेमाणिए, नवरं मणुस्से जहा जीवे, एवं जहा ओरालियसरीरा(रे)णं चत्तारि दंडका तहा वेउव्वियसरीरेणवि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, नवरं पंचमकिरिया न भन्नइ, सेसं तं चेव, एवं

जहा वेउव्वियं तहा आहारगंपि तेयगंपि कम्मगंपि भाणियव्वं ११। एक्केक्के चत्तारि दंडगा भाणियव्वा जाव वेमाणिया णं भंते ! कम्मगसरीरे-हिंतो कइकिरिया ?, गोयमा ! तिकिरियावि चउकिरियावि १२। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति॥ सूत्रं ३३६ ॥ अट्ठमसयस्स छट्ठो उद्देसओ समत्तो॥

॥ इति अष्टमशतके षष्ठ उद्देशकः ॥ ८-६ ॥

॥ अथ अष्टमशतके अदत्तादानाख्य-सप्तमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं २ रायगिहे नगरे वन्नओ, गुणसिलए चेइए वन्नओ, *जाव पुढविसिलापट्टओ*, तस्स णं गुणसिलस्स चेइयस्स अदुरसामंते बहवे अन्नउत्थिया परिवसंति १। तेणं कालेणं २ समणे भगवं महावीरे आदिगरे जाव समोसढे जाव परिसा पडिगया २। तेणं कालेणं २ समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे अंतेवासी थेरा भगवंतो जातिसंपन्ना कुल-संपन्ना जहा बितियसए जाव जीवियासा-मरणभयविप्पमुक्का समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरा झाणकोट्ठोवगया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा जाव विहरंति ३। तए णं ते अन्नउत्थिया जेणेव थेरा भगवंतो तेणेव उवागच्छंति २ त्ता ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो ! तिविहं तिविहेणं असंजयअविरयअप्पडिहय जहा सत्तमसए बितिए उद्देसए जाव एगंतबाले यावि भवह ४। तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं असंजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुब्भे णं अज्जो ! अदिन्नं गेण्हह अदिन्नं भुंजह अदिन्नं सातिज्जह, तए णं ते तुब्भे अदिन्नं गेण्हमाणा अदिन्नं भुंजमाणा अदिन्नं सातिज्जमाणा तिविहं तिविहेणं

असंजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवह ५। तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे अदिन्नं गेण्हामो अदिन्नं भुंजामो अदिन्नं सातिज्जामो ?, जए णं अम्हे अदिन्नं गेण्हमाणा जाव अदिन्नं सातिज्जमाणा तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुम्हा णं अज्जो ! दिज्जमाणे अदिन्ने पडिग्गहेज्जमाणे अपडिग्गहिए निस्सिरिज्जमाणे अणिसट्ठे, तुब्भे णं अज्जो ! दिज्जमाणं पडिग्गहगं असंपत्तं एत्थ णं अंतरा केइ अवहरिज्जा, गाहावइस्स णं तं भंते ! नो खलु तं तुब्भं, तए णं तुज्झे अदिन्नं गेण्हह जाव अदिन्नं सातिज्जह, तए णं तुज्झे अदिन्नं गेण्हमाणा जाव एगंतबाला यावि भवह ६। तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो ! अम्हे अदिन्नं गिण्हामो अदिन्नं भुंजामो अदिन्नं सातिज्जामो, अम्हे णं अज्जो ! दिन्नं गेण्हामो दिन्नं भुंजामो दिन्नं सातिज्जामो, तए णं अम्हे दिन्नं गेण्हमाणा दिन्नं भुंजमाणा दिन्नं सातिज्जमाणा तिविहं तिविहेणं संजयविरयपडिहय जहा सत्तमसए जाव एगंतपंडिया यावि भवामो ७। तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! तुम्हे दिन्नं गेण्हह जाव दिन्नं सातिज्जह, जए णं तुज्झे दिन्नं गेण्हमाणा जाव एगंतपंडिया यावि भवह ?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–अम्हे णं अज्जो ! दिज्जमाणे दिन्ने पडिग्गहेज्जमाणे पडिग्गहिए निसिरिज्जमाणे निसट्ठे, जेणं अम्हे णं अज्जो ! दिज्जमाणं पडिग्गहगं असंपत्तं एत्थ णं अंतरा केइ अवहरेज्जा अम्हाणं तं णो खलु तं गाहावइस्स, जए णं अम्हे दिन्नं गेण्हामो दिन्नं भुंजामो दिन्नं सातिज्जामो तए णं अम्हे दिन्नं गेण्हमाणा जाव दिन्नं सातिज्जमाणा तिविहं तिविहेणं संजय जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुज्झे णं अज्जो ! अप्पणा

चेव तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवह ८ । तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! अदिन्नं गेण्हह अदिन्नं भुंजह अदिन्नं साइज्जह, तए णं तु अज्जो ! तुब्भे अदिन्नं गेण्हह जाव एगंतबाला यावि भवह ९ । तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे अदिन्नं गेण्हामो जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए णं ते थेरे भगवंते ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! दिज्जमाणे अदिन्ने तं चेव जाव गाहावइस्स णं णो खलु तं तुज्झे, तए णं तुज्झे अदिन्नं गेण्हह, तं चेव जाव एगंतबाला यावि भवह १० । तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! तिविहं तिविहेणं असंजय जाव एगंतबाला यावि भवह ११ । तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–केण कारणेणं अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह अभिहणह वत्तेह लेसेह संघाएह संघट्टेह परितावेह किलामेह उवद्दवेह, तए णं तुज्झे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं असंजयअविरय जाव एगंतबाला यावि भवह १२ । तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो ! अम्हे रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेमो अभिहणामो जाव उवद्दवेमो, अम्हे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा कायं वा जोयं वा रियं वा पडुच्च देसं देसेणं वयामो पएसं पएसेणं वयामो तेणं अम्हे देसं देसेणं वयमाणा पएसं पएसेणं वयमाणा नो पुढविं पेच्चेमो अभिहणामो जाव उवद्दवेमो, तए णं अम्हे पुढविं अपेच्चेमाणा अणभिहणेमाणा जाव अणुवद्दवेमाणा

तिविहं तिविहेणं संजय जाव एगंतपंडिया यावि भवामो, तुज्झे णं अज्जो ! अप्पणा चेव तिविहं तिविहेणं असंजय जाव बाला यावि भवह १३ । तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–केण कारणेणं अज्जो ! अम्हे तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवामो ?, तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! रीयं रीयमाणा पुढविं पेच्चेह जाव उद्दवेह, तए णं तुज्झे पुढविं पेच्चेमाणा जाव उवद्दवेमाणा तिविहं तिविहेणं जाव एगंतबाला यावि भवह १४ । तए णं ते अन्नउत्थिया ते थेरे भगवंते एवं वयासी–तुज्झे णं अज्जो ! गममाणे अगते वीतिक्कमिज्जमाणे अवीतिक्कंते रायगिहं नगरं संपाविउकामे असंपत्ते ? तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं वयासी–नो खलु अज्जो ! अम्हं गममाणे अगए वीइक्कमिज्जमाणे अवीतिक्कंते रायगिहं नगरं जाव असंपत्ते, अम्हा णं अज्जो ! गममाणे गए वीतिक्कमिज्जमाणे वीतिक्कंते रायगिहं नगरं संपाविउकामे संपत्ते, तुज्झे णं अप्पणा चेव गममाणे अगए वीतिक्कमिज्जमाणे अवीतिक्कंते रायगिहं नगरं जाव असंपत्ते १५ । तए णं ते थेरा भगवंतो ते अन्नउत्थिए एवं पडिहणेन्ति पडिहणित्ता गइप्पवायं नाम अज्झयणं पन्नवइंसु १६ ॥ सूत्रं ३३७ ॥ कइविहे णं भंते ! गइप्पवाए पण्णत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे गइप्पवाए पण्णत्ते, तंजहा–पयोगगती ततगती बंधणछेयणगती उववायगती विहायगती, एत्तो आरब्भ पयोगपयं निरवसेसं भाणियव्वं, जाव सेत्तं विहायगई । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ३३८ ॥ अट्ठमसयस्स सत्तमो ॥

॥ इति अष्टमशतके सप्तम उद्देशकः ॥ ८–७ ॥

॥ अथ अष्टमशतके प्रत्यनीकाख्याष्टमोद्देशकः ॥

रायगिहे नयरे जाव एवं वयासी–गुरू णं भंते ! पडुच्च कति पडिणीया पण्णत्ता ?, गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णता, तंजहा–आयरिय-पडिणीए उवज्झायपडिणीए थेरपडिणीए १ । गइं णं भंते ! पडुच्च कति पडिणीया पण्णत्ता ?, गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–इहलोगपडिणीए परलोगपडिणीए दुहओलोगपडिणीए २ । समूहरणं भंते ! पडुच्च कति पडिणीया पण्णत्ता ?, गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता तंजहा–कुलपडिणीए गणपडिणीए संघपडिणीए ३ । अणुकंपं पडुच्च पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–तवस्सि-पडिणीए गिलाणपडिणीए सेहपडिणीए ४ । सुयरणं भंते ! पडुच्च पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पण्णत्ता, तंजहा–सुत्तपडिणीए अत्थपडिणीए तदुभयपडिणीए ५ । भावं णं भंते ! पडुच्च पुच्छा, गोयमा ! तओ पडिणीया पन्नत्ता, तंजहा–नाणपडिणीए दंसणपडिणीए चरित्तपडिणीए ६ ॥ सूत्रं ३३९ ॥ कइविहे णं भंते ! ववहारे पन्नत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे ववहारे पन्नत्ते, तंजहा–आगमे सुत्तं आणा धारणा जीए, जहा से तत्थ आगमे सिया आगमेणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ आगमे सिया जहा से तत्थ सुते सिया सुएणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो वा से तत्थ सुए सिया जहा से तत्थ आणा सिया आणाए ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ आणा सिया जहा से तत्थ धारणा सिया धारणाए णं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो य से तत्थ धारणा सिया जहा से तत्थ जीए सिया जीएणं ववहारं पट्ठवेज्जा, इच्चेएहिं पंचहिं ववहारं पट्ठवेज्जा, तंजहा–आगमेणं सुएणं आणाए धारणाए जीएणं, जहा २ से आगमे सुए आणा धारणा जीए तहा २ ववहारं पट्ठवेज्जा १ । से किमाहु भंते !, आगमबलिया समणा निग्गंथा इच्चेयं पंचविहं ववहारं जया २ जहिं २ तहा २ तहिं २

अणिस्सिओवस्सितं सम्मं ववहरमाणे समणे निग्गंथे आणाए आराहए भवइ २ ॥ सूत्रं ३४० ॥ कइविहे णं भंते ! बंधे पण्णत्ते ?, गोयमा ! दुविहे बंधे पन्नत्ते, तंजहा–ईरियावहियाबंधे य संपराइयबंधे य १ । ईरियावहियाणं भंते ! कम्मं किं नेरइओ बंधइ तिरिक्खजोणिओ बंधइ तिरिक्खजोणिणी बंधइ मणुस्सो बंधइ मणुस्सी बंधइ देवो बंधइ देवी बंधइ ?, गोयमा ! नो नेरइओ बंधइ नो तिरिक्खजोणीओ बंधइ नो तिरिक्खजोणिणी बंधइ नो देवो बंधइ नो देवी बंधइ पुव्वपडिवन्नए पडुच्च मणुस्सा य मणुस्सीओ य बंधंति पडिवज्जमाणए पडुच्च मणुस्सो वा बंधइ १ मणुस्सी वा बंधइ २ मणुस्सा वा बंधंति ३ मणुस्सीओ वा बंधंति ४ अहवा मणुस्सो य मणुस्सी य बंधइ ५ अहवा मणुस्सो य मणुस्सीओ य बंधंति ६ अहवा मणुस्सा य मणुस्सी य बंधंति ७ अहवा मणुस्सा य मणुस्सीओ य बंधंति ८, २ । तं भंते ! किं इत्थी बंधइ ? पुरिसो बंधइ ? नपुंसगो बंधति ? इत्थीओ बंधंति ? पुरिसा बंधंति ? नपुंसगा बंधंति ? नोइत्थीनोपुरिसोनोनपुंसओ बंधइ ?, गोयमा ! नो इत्थी बंधइ नो पुरिसो बंधइ जाव नो नपुंसगा बंधंति, पुव्वपडिवन्नए पडुच्च अवगयवेदा बंधंति, पडिवज्जमाणए य पडुच्च अवगयवेदो वा बंधति, अवगयवेदा वा बंधंति ३ । जइ भंते ! अवगयवेदो वा बंधइ अवगयवेदा वा बंधंति तं भंते ! किं इत्थीपच्छाकडो बंधइ १ ? पुरिसपच्छाकडो बंधइ २ ? नपुंसकपच्छाकडो बंधइ ३ ? इत्थीपच्छाकडा बंधंति ४ ? पुरिसपच्छाकडावि बंधंति ५ ? नपुंसगपच्छाकडावि बंधंति ६ ? उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य बंधति ४ ? उदाहु इत्थीपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य बंधइ ४ ? उदाहु पुरिसपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य बंधइ ४ ? उदाहु इत्थिपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य णपुंसगपच्छाकडो य भाणियव्वं ८, एवं एते छव्वीसं भंगा २६ जाव उदाहु इत्थीपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा

नपुंसयपच्छाकडा बंधंति ?, गोयमा ! इत्थिपच्छाकडोवि बंधइ १ पुरिसपच्छाकडोवि बंधइ २ नपुंसगपच्छाकडोवि बंधइ ३ इत्थीपच्छाकडावि बंधंति ४ पुरिसपच्छाकडावि बंधंति ५ नपुंसकपच्छाकडावि बंधंति ६ अहवा इत्थीपच्छाकडो य पुरिसपच्छाकडो य बंधइ ७ एवं एए चेव छव्वीसं भंगा भाणियव्वा, जाव अहवा इत्थिपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य नपुंसगपच्छाकडा य बंधंति ३ । तं भंते ! किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ १ बंधी बंधइ न बंधिस्सइ २ बंधी न बंधइ बंधिस्सइ ३ बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ ४ न बंधी बंधइ बंधिस्सइ ५ न बंधी बंधइ न बंधिस्सइ ६ न बंधी न बंधइ बंधिस्सइ ७ न बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ ८ ?, गोयमा ! भवागरिसं पडुच्च अत्थेगतिए बंधी बंधइ बंधिस्सइ अत्थेगतिए बंधी बंधइ न बंधिस्सइ, एवं तं चेव सव्वं जाव अत्थेगतिए न बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ, गहणागरिसं पडुच्च अत्थेगतिए बंधी बंधइ बंधिस्सइ एवं जाव अत्थेगतिए न बंधी बंधइ बंधिस्सइ, णो चेव णं न बंधी बंधइ न बंधिस्सइ, अत्थेगतिए न बंधी न बंधइ बंधिस्सइ अत्थेगतिए न बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ ४ । तं भंते ! किं साइयं सपज्जवसियं बंधइ साइयं अपज्जवसियं बंधइ अणाइयं सपज्जवसियं बंधइ अणाइयं अपज्जवसियं बंधइ ?, गोयमा ! साइयं सपज्जवसियं बंधइ नो साइयं अपज्जवसियं बंधइ नो अणाइयं सपज्जवसियं बंधइ नो अणाइयं अपज्जवसियं बंधइ ५ । तं भंते ! किं देसेणं देसं बंधइ ? देसेणं सव्वं बंधइ ? सव्वेणं देसं बंधइ ? सव्वेणं सव्वं बंधइ ?, गोयमा ! नो देसेणं देसं बंधइ णो देसेणं सव्वं बंधइ नो सव्वेणं देसं बंधइ सव्वेणं सव्वं बंधइ ६ ॥ सूत्रं ३४१ ॥ संपराइयणं भंते ! कम्मं किं नेरइयो बंधइ तिरिक्खजोणीओ बंधइ जाव देवी बंधइ ?, गोयमा ! नेरइओवि बंधइ तिरिक्खजोणीओवि बंधइ तिरिक्खजोणिणीवि बंधइ मणुस्सोवि बंधइ मणुस्सीवि बंधइ देवोवि बंधइ देवीवि बंधइ १ । तं भंते ! किं इत्थी बंधइ पुरिसो

बंधइ तहेव जाव नोइत्थीनोपुरिसोनोनपुंसओ बंधइ ?, गोयमा ! इत्थीवि बंधइ पुरिसोवि बंधइ जाव नपुंसगोवि बंधइ अहवेए य अवगयवेदो य बंधइ अहवेए य अवगयवेया य बंधइ २ । जइ भंते ! अवगयवेदो य बंधइ अवगयवेदा य बंधंति तं भंते ! किं इत्थीपच्छाकडो बंधइ पुरिसपच्छाकडो बंधइ ? एवं जहेव ईरियावहियाबंधगस्स तहेव निरवसेसं जाव अहवा इत्थीपच्छाकडा य पुरिसपच्छाकडा य नपुंसगपच्छाकडा य बंधंति ३ । तं भंते ! किं बंधी बंधइ बंधिस्सइ १ ? बंधी बंधइ न बंधिस्सइ २ ? बंधी न बंधइ बंधिस्सइ ३ ? बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ ४ ?, गोयमा ! अत्थेगतिए बंधी बंधइ बंधिस्सइ १ अत्थेगतिए बंधी बंधइ न बंधिस्सइ २ अत्थेगतिए बंधी न बंधइ बंधिस्सइ ३ अत्थेगतिए बंधी न बंधइ न बंधिस्सइ ४ । तं भंते ! किं साइयं सपज्जवसियं बंधइ ? पुच्छा तहेव, गोयमा ! साइयं वा सपज्जवसियं बंधइ अणाइयं वा सपज्जवसियं बंधइ अणाइयं वा अपज्जवसियं बंधइ णो चेव णं साइयं अपज्जवसियं बंधइ ५ । तं भंते ! किं देसेणं देसं बंधइ ? एवं जहेव ईरियावहियाबंधगस्स जाव सव्वेणं सव्वं बंधइ ६ ॥ सूत्रं ३४२ ॥ कइ णं भंते ! कम्मपयडीओ पन्नत्ताओ ?, गोयमा ! अट्ठ कम्मपयडीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं १ । कइ णं भंते ! परीसहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! बावीसं परीसहा पन्नत्ता, तंजहा–दिगिंछापरीसहे पिवासापरीसहे जाव दंसणपरीसहे २ । एए णं भंते ! बावीसं परीसहा कतिसु कम्मपगडीसु समोयरंति ?, गोयमा ! चउसु कम्मपयडीसु समोयरंति, तंजहा–नाणावरणिज्जे वेयणिज्जे मोहणिज्जे अंतराइए ३ । नाणावरणिज्जे णं भंते ! कम्मे कति परीसहा समोयरंति ?, गोयमा ! दो परीसहा समोयरंति, तंजहा–पन्नापरीसहे नाण(अन्नाण)परीसहे य ४ । वेयणिज्जे णं भंते ! कम्मे कति परीसहा समोयरंति ?, गोयमा ! एक्कारस परीसहा समोयरंति, तंजहा–

पंचेव आणुपुव्वी चरिया सेज्जा वहे य रोगे य। तणफास जल्लमेव य एक्कारस वेदणिज्जंमि ॥ १ ॥ ५। दंसणमोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कति परीसहा समोयरंति ?, गोयमा ! एगे दंसणपरीसहे समोयरइ ६। चरित्तमोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कति परीसहा समोयरंति ?, गोयमा ! सत्त परीसहा समोयरंति, तंजहा–अरती अचेल इत्थी निसीहिया जायणा य अक्कोसे। सक्कारपुरक्कारे चरित्तमोहंमि सत्तेते ॥ १ ॥ ७। अंतराइए णं भंते ! कम्मे कति परीसहा समोयरंति ?, गोयमा ! एगे अलाभपरीसहे समोयरइ ८। सत्तविहबंधगस्स णं भंते ! कति परीसहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! बावीसं परीसहा पण्णत्ता, वीसं पुण वेदेइ, जं समयं सीयपरीसहं वेदेति णो तं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ जं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ णो तं समयं सीयपरीसहं वेदेइ, जं समयं चरियापरीसहं वेदेति णो तं समयं निसीहियापरीसहं वेदेति जं समयं निसीहियापरीसहं वेदेइ णो तं समयं चरियापरीसहं वेदेइ ९। अट्ठविहबंधगस्स णं भंते ! कति परीसहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! बावीसं परीसहा पण्णत्ता, तंजहा–छुहापरीसहे पिवासापरीसहे सीयपरीसहे दंसपरीसहे मसगपरीसहे जाव अलाभपरीसहे एवं अट्ठविहबंधगस्सवि सत्तविहबंधगस्सवि १०। छव्विहबंधगस्स णं भंते ! सरागछउमत्थस्स कति परीसहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! चोद्दस परीसहा पण्णत्ता, बारस पुण वेदेइ, जं समयं सीयपरीसहं वेदेइ णो तं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ जं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ नो तं समयं सीयपरीसहं वेदेइ, जं समयं चरियापरीसहं वेदेति णो तं समयं सेज्जापरीसहं वेदेइ जं समयं सेज्जापरीसहं वेदेति णो तं समयं चरियापरीसहं वेदेइ ११। एकविहबंधगस्स णं भंते ! वीयरागछउमत्थस्स कति परीसहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! एवं चेव जहेव छव्विहबंधगस्स णं १२। एगविहबंधगस्स णं भंते ! सजोगिभवत्थकेवलिस्स कति परीसहा पण्णत्ता ?, गोयमा !

एक्कारस परीसहा पण्णत्ता, नव पुण वेदेइ, सेसं जहा छव्विहबंधगस्स १३। अबंधगस्स णं भंते! अजोगिभवत्थकेवलिस्स कति परीसहा पण्णत्ता?, गोयमा! एक्कारस परीसहा पण्णत्ता, नव पुण वेदेइ, जं समयं सीयपरीसहं वेदेति नो तं समयं उसिणपरीसहं वेदेइ जं समयं उसिणपरीसहं वेदेति नो तं समयं सीयपरीसहं वेदेइ, जं समयं चरियापरीसहं वेदेइ नो तं समयं सेज्जापरीसहं वेदेति जं समयं सेज्जापरीसहं वेदेइ नो तं समयं चरियापरीसहं वेदेइ १४॥ सूत्रं ३४३॥ जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति?, हंता गोयमा! जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य तं चेव जाव अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति १। जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि मज्झंसि य मुहुत्तंसि य अत्थमणमुहुत्तंसि य सव्वत्थ समा उच्चत्तेणं?, हंता गोयमा! जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमण जाव उच्चत्तेणं २। जइ णं भंते! जंबुद्दीवे २ सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि य मज्झंतियमुहुत्तंसि य अत्थमणमुहुत्तंसि य जाव उच्चत्तेणं से केणं खाइ अट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति जाव अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति?, गोयमा! [ग्रन्थाग्रं ५०००] लेसापडिघाएणं उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति लेसाभितावेणं मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति लेस्सापडिघाएणं अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति जाव अत्थमण जाव दीसंति २। जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं गच्छंति पडुप्पन्नं खेत्तं गच्छंति अणागयं खेत्तं गच्छंति?, गोयमा! णो तीयं खेत्तं गच्छंति पडुप्पन्नं खेत्तं गच्छंति णो अणागयं खेत्तं गच्छंति ४।

जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं ओभासंति पडुप्पन्नं खेत्तं ओभासंति अणागयं खेत्तं ओभासंति ?, गोयमा ! नो तीयं खेत्तं ओभासंति पडुप्पन्नं खेत्तं ओभासंति नो अणागयं खेत्तं ओभासंति ५। तं भंते ! किं पुट्ठं ओभासंति अपुट्ठं ओभासंति ?, गोयमा ! पुट्ठं ओभासंति नो अपुट्ठं ओभासंति जाव नियमा छद्दिसिं ६। जंबूद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं उज्जोवेंति ? एवं चेव जाव नियमा छद्दिसिं, एवं तवेंति एवं भासंति जाव नियमा छद्दिसिं ७। जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरियाणं किं तीए खेत्ते किरिया कज्जइ पडुप्पन्ने खेत्ते किरिया कज्जइ अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! नो तीए खेत्ते किरिया कज्जइ पडुप्पन्ने खेत्ते किरिमा कज्जइ णो अणागए खेत्ते किरिया कज्जइ, सा भंते ! किं पुट्ठा कज्जति अपुट्ठा कज्जइ ?, गोयमा ! पुट्ठा कज्जइ नो अपुट्ठा कज्जति जाव नियमा छद्दिसिं ८। जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे सूरिया केवतियं खेत्तं उड्ढं तवंति केवतियं खेत्तं अहे तवंति केवतियं खेत्तं तिरियं तवंति ?, गोयमा ! एगं जोयणसयं उड्ढं तवंति अट्ठारस जोयणसयाइं अहे तवंति सीयालीसं जोयण-सहस्साइं दोन्नि तेवट्ठे जोयणसए एक्कवीसं च सट्ठियाए जोयणस्स तिरियं तवंति ९। अंतो णं भंते ! माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स जे चंदिमसूरिय-गहगण-णक्खत्ततारारूवा ते णं भंते ! देवा किं उड्ढोववन्नगा ? जहा जीवाभिगमे तहेव निरवसेसं जाव उक्कोसेणं छम्मासा १०। बहिया णं भंते ! माणुसुत्त-रस्स जहा जीवाभिगमे जाव इंदट्ठाणे णं भंते ! केवतियं कालं उववाएणं विरहिए पन्नत्ते ?, गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा ११। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति १२ ॥ सूत्रं ३४४ ॥ अट्ठमसए अट्ठमो उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति अष्टमशतके अष्टम उद्देशकः ॥ ८-८ ॥

॥ अथ अष्टमशतके बन्धाख्य-नवमोद्देशकः ॥

कइविहे णं भंते ! बंधे पराणत्ते ?, गोयमा ! दुविहे बंधे पराणत्ते, तंजहा–पयोगबंधे य वीससाबंधे य ॥ सूत्रं ३४५ ॥ वीससाबंधे णं भंते ! कतिविहे पराणत्ते ?, गोयमा ! दुविहे पराणत्ते, तंजहा–साइयवीससाबंधे अणाइयवीससाबंधे य १ । अणाइयवीससाबंधे णं भंते ! कतिविहे पराणत्ते ?, गोयमा ! तिविहे पराणत्ते, तंजहा–धम्मत्थिकाय-अन्नमन्न-अणादीय-वीससाबंधे अधम्मत्थिकाय-अन्नमन्न-अणादीय-वीससाबंधे आगासत्थिकाय-अन्नमन्न-अणादीय-वीससाबंधे २ । धम्मत्थिकाय-अन्नमन्न-अणादीय-वीससाबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ?, गोयमा ! देसबंधे नो सव्वबंधे, एवं चेव अधम्मत्थिकाय-अन्नमन्न-अणादीय-वीससाबंधेवि, एवमागासत्थिकाय-अन्नमन्न-अणादीय-वीससाबंधेवि ३ । धम्मत्थिकाय-अन्नमन्न-अणादीय-वीससाबंधे णं भंते ! कालओ केवचिरं होइ ?, गोयमा ! सव्वद्धं, एवं अधम्मत्थिकाए, एवं आगासत्थिकाये ४ । सादीयवीससाबंधे णं भंते ! कतिविहे पराणत्ते ?, गोयमा ! तिविहे पराणत्ते, तंजहा–बंधणपच्चइए भायणपच्चइए परिणामपच्चइए ५ । से किं तं बंधणपच्चइए ?, २ जन्नं परमाणुपुग्गला दुपएसिया तिपएसिया जाव दसपएसिया संखेज्जपएसिया असंखेज्जपएसिया, अणंतपएसियाणं खंधाणं वेमायनिद्धयाए वेमायलुक्खयाए वेमायनिद्धलुक्खयाए बंधणपच्चए णं बंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, सेत्तं बंधणपच्चइए ६ । से किं तं भायणपच्चइए ?, भायणपच्चइए जन्नं जुन्नसुरा-जुन्नगुल-जुन्नतंदुलाणं भायणपच्चइएणं बंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं भायणपच्चइए ७ । से किं तं परिणामपच्चइए ?, परिणामपच्चइए जन्नं अब्भाणं अब्भरुक्खाणं जहा ततियसए जाव अमोहाणं परिणामपच्चइए णं बंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा, सेत्तं परिणामपच्चइए, सेत्तं

सादीयवीससाबंधे, सेत्तं वीससाबंधे ८ ॥ सूत्रं ३४६ ॥ से किं तं पयोगबंधे ?, पयोगबंधे तिविहे पण्णत्ते, तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए साइए वा अपज्जवसिए साइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से अणाइए अपज्जवसिए, से णं अट्ठण्हं जीवमज्झपएसाणं १ । तत्थवि णं तिण्हं २ अणाइए अपज्जवसिए सेसाणं साइए, तत्थ णं जे से सादीए अपज्जवसिए से णं सिद्धाणं तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से णं चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा—आलावणबंधे अल्लियावणबंधे सरीरबंधे सरीरप्पयोगबंधे २ । से किं तं आलावणबंधे ?, आलावणबंधे जण्णं तणभाराण वा कट्ठभाराण वा पत्तभाराण वा पलालभाराण वा वेल्लभाराण वा वेत्तलया-वागवरत्त-रज्जु-वल्लि-कुस-दब्भमादिएहिं आलावणबंधे समुप्पज्जइ, जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं आलावणबंधे ३ । से किं तं अल्लियावणबंधे ?, अल्लियावणबंधे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा—लेसणाबंधे उच्चयबंधे समुच्चयबंधे साहणणाबंधे, से किं तं लेसणाबंधे ?, लेसणाबंधे जन्नं कुट्टाणं कोट्टिमाणं खंभाणं पासायाणं कट्टाणं चम्माणं घडाणं पडाणं कडाणं छुहाचिक्खिल्ल-सिलेस-लक्ख-महुसित्थ-माइएहिं लेसणएहिं बंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं लेसणाबंधे १, से किं तं उच्चयबंधे ?, उच्चयबंधे जन्नं तणरासीण वा कट्ठरासीण वा पत्तरासीण वा तुमरासीण वा भुसरासीण वा गोमयरासीण वा अवगररासीण वा उच्चत्तेणं बंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं उच्चयबंधे २, से किं तं समुच्चयबंधे ?, समुच्चयबंधे जन्नं अगड-तडाग-नदी-दह-वावी-पुक्खरिणी-दीहियाणं गुंजालियाणं सराणं सरपंतियाणं सरसरपंतियाणं बिलपंतियाणं देवकुल-सभा-पव्व(वा)-थूभ-खाइयाणं फरिहाणं पागार-ट्टालग-चरियदारगोपुर-तोरणाणं पासाय-घर-सरणलेण--आवणाणं सिंघाडग-तिय चउक--चच्चर--चउम्मुह--महापहमादीणं छुहाचिक्खिल्ल-सिलेस-समुच्चएणं बंधे समुच्चए णं बंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं

अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं समुच्चयबंधे ३, से किं तं साहणणाबंधे ?, साहणणाबंधे दुविहे पन्नत्ते, तंजहा—देससाहणणाबंधे य सव्वसाहणणाबंधे य, से किं तं देससाहणणाबंधे ?, देससाहणणाबंधे जन्नं सगड-रह-जाण-जुग्ग-गिल्लि-थिल्लि-सीय-संदमाणिया-लोही-लोहकडाह-कडुच्छुआसणसयण-खंभ-भंडमत्तोवगरणमाईणं देससाहणणाबंधे समुप्पज्जइ जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जं कालं, सेत्तं देससाहणणाबंधे, से किं तं सव्वसाहणणाबंधे ?, सव्वसाहणणाबंधे से णं खीरोदगमाईणं, सेत्तं सव्वसाहणणाबंधे, सेत्तं साहणणाबंधे ४, सेत्तं अल्लियावणबंधे ४। से किं तं सरीरबंधे ?, सरीरबंधे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—पुव्वप्पओगपच्चइए य पडुप्पन्नपओगपच्चइए य, से किं तं पुव्वप्पयोगपच्चइए ?, पुव्वप्पओगपच्चइए जन्नं नेरइयाणं संसारवत्थाणं सव्वजीवाणं तत्थ २ तेसु २ कारणेसु समोहणमाणाणं जीवप्पदेसाणं बंधे समुप्पज्जइ, सेत्तं पुव्वपयोगपच्चइए १, से किं तं पडुप्पन्नप्पयोगपच्चइए ?, २ जन्नं केवलनाणस्स अणगारस्स केवलिसमुग्घाएणं समोहयस्स ताओ समुग्घायाओ पडिनियत्तेमाणस्स अंतरा मंथे वट्टमाणस्स तेयाकम्माणं बंधे समुप्पज्जइ, किं कारणं ?, ताहे से पएसा एगत्तीगया य भवंतित्ति, सेत्तं पडुप्पन्नप्पयोगपच्चइए २, सेत्तं सरीरबंधे ५। से किं तं सरीप्पयोगबंधे ?, सरीरप्पयोगबंधे पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा—ओरालियसरीरप्पओगबंधे वेउव्वियसरीरप्पओगबंधे आहारगसरीरप्पओगबंधे तेयासरीरप्पयोगबंधे कम्मासरीरप्पयोगबंधे ६। ओरालियसरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा—एगिंदिय-ओरालियसरीरप्पयोगबंधे बेंदिय-ओरालिय-सरीर-प्पयोगबंधे जाव पंचिंदिय-ओरालियसरीरप्पयोगबंधे। एगिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—पुढविकाइय-एगिंदिय-ओरालिय-सरीर-प्पयोगबंधे एवं एएणं अभिलावेणं भेदो जहा ओगाहण-

संठाणे ओरालियसरीरस्स तहा भाणियव्वो जाव पज्जत्त-गब्भवक्कंतिय-मणुस्स-पंचिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधे य अपज्जत्त-गब्भवक्कंतिय-मणुस्स-पंचिंदिय-ओरालिय-सरीर-प्पयोगबंधे य ७। ओरालियसरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?, गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए पमादपच्चया कम्मं च जोगं च भवं च आउयं च पडुच्च ओरालिय-सरीरप्प-योग-नामकम्मस उदएणं ओरालियसरीरप्पयोगबंधे ८। एगिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?, एवं चेव, पुढविकाइय-एगिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधे एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइया, एवं बेइंदिया एवं तेइंदिया एवं चउरिंदिया ९। तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?, एवं चेव १०। मणुस्स-पंचिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?, गोयमा ! वीरिय-सजोग-सद्दव्वयाए पमादपच्चया जाव आउयं च पडुच्च मणुस्सपंचिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगनामाए कम्मस्स उदएणं मणुस्स-पंचिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधे ११। ओरालियसरीर-प्पयोगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ?, गोयमा ! देसबंधेवि सव्वबंधेवि १२। एगिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ?, एवं चेव, एवं पुढविकाइया १३। एवं जाव मणुस्सपंचिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ?, गोयमा ! देसबंधेवि सव्वबंधेवि १४। ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं, देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं समयऊणाइं १५। एगिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समऊणाइं १६। पुढविकाइयएगिंदियपुच्छा, गोयमा !

सव्वबंधे एक्कं समयं देसबंधे जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समऊणाइं १७। एवं सव्वेसिं सव्वबंधो एक्कं समयं देसबंधो जेसिं नत्थि वेउव्वियसरीरं तेसिं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं उक्कोसेणं जा जस्स उक्कोसिया ठिती सा समऊणा कायव्वा, जेसिं पुण अत्थि वेउव्वियसरीरं तेसिं देसबंधो जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं जा जस्स ठिती सा समऊणा कायव्वा जाव मणुस्साणं देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं समयूणाइं १८। ओरालियसरीरबंधंतरं णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडिसमयाहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं तिसमयाहियाइं १९। एगिंदिय-ओरालियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं तिसमयऊणं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं समयाहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं २०। पुढविकाइय-एगिंदियपुच्छा गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहेव एगिंदियस्स तहेव भाणियव्वं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तिन्नि समया जहा पुढविकाइयाणं २१। एवं जाव चउरिंदियाणं वाउकाइयवज्जाणं, नवरं सव्वबंधंतरं उक्कोसेणं जा जस्स ठिती सा समयाहिया कायव्वा, वाउकाइयाणं सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं उक्कोसेणं तिन्नि वाससहस्साइं समयाहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं २२। पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-ओरालियपुच्छा, सव्वबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं तिसमयऊणं उक्कोसेणं पुव्वकोडी समयाहिया, देसबंधंतरं जहा एगिंदियाणं तहा पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं, एवं मणुस्साणंवि निरवसेसं भाणियव्वं जाव उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं २३। जीवस्स णं भंते ! एगिंदियत्ते णोएगिंदियत्ते

पुणरवि एगिंदियत्ते एगिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पओगबंधंतरं कालओ केवचिरं होइ ?, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं दो खुड्डाग-भवग्गहणाइं तिसमयऊणाइं उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागं भवग्गहणं समयाहियं उक्कोसेणं दो सागरोवम-सहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं २४। जीवस्स णं भंते ! पुढविकाइयत्ते नोपुढविकाइयत्ते पुणरवि पुढविकाइयत्ते पुढविकाइय-एगिंदिय-ओरालिय-सरीरप्पयोगबंधंतरं कालओ केवचिरं होइ ?, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं दो खुड्डाइं भवग्गहणाइं तिसमयऊणाइं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंता उस्स-प्पिणीओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा असंखेज्जा पोग्गल-परियट्टा ते णं पोग्गलपरियट्टा आवलियाए असंखेज्जइभागो, देसबंधंतरं जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं समयाहियं उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव आवलियाए असंखेज्जइभागो, जहा पुढविकाइयाणं एवं वणस्सइकाइयवज्जाणं जाव मणु-स्साणं, वणस्सइकाइयाणं दोन्नि खुड्डाइं, एवं चेव उक्कोसेणं असंखिज्जं कालं असंखिज्जाओ उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा, एवं देसबंधंतरंपि उक्कोसेणं पुढवीकालो २५। एएसि णं भंते ! जीवाणं ओरालियसरीरस्स देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा ओरालियसरीरस्स सव्व-बंधगा अबंधगा विसेसाहिया देसबंधगा असंखेज्जगुणा २६ ॥ सूत्रं ३४८॥ वेउव्वियसरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा—एगिंदिय-वेउव्विय-सरीरप्पयोगबंधे य पंचिंदिय-वेउव्विय-सरीरप्पयोगबंधे य १। जइ एगिंदिय-वेउव्विय-सरीरप्पयोगबंधे किं वाउक्काइय-एगिंदिय-वेउव्विय-सरीरप्पयोगबंधे य अवाउक्काइय-एगिंदिय-वेउव्विय-सरीर-प्पयोगबंधे ?, एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे वेउव्विय-सरीर-भेदो तहा भाणियव्वो जाव पज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पातीय-

वेमाणिय-देवपंचिंदिय-वेउव्विय-सरीरप्पयोगबंधे य अपज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव पयोगबंधे य २। वेउव्वियसरीरप्पयोगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं?, गोयमा! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउयं वा लद्धिं वा पडुच्च वेउव्वियसरीरप्पयोगनामाए कम्मस्स उदएणं वेउव्वियसरीरप्पयोगबंधे ३। वाउक्काइय-एगिंदिय-वेउव्विय-सरीरप्पयोगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं?, गोयमा! वीरिय-सजोगसद्दव्वयाए तं चेव जाव लद्धिं च पडुच्च वाउक्काइय-एगिंदियवेउव्विय जाव बंधो ४। रयणप्पभापुढविनेरइय-पंचिंदिय-वेउव्विय-सरीरप्पयोगबंधे णं भंते! कस्स कम्मस्स उदएणं? गोयमा! वीरियसयोगसद्दव्वयाए जाव आउयं वा पडुच्च रयणप्पभापुढविसजोगसद्दव्वयाए जाव बंधे, एवं जाव अहेसत्तमाए ५। तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय--वेउव्विय--सरीरपुच्छा, गोयमा! वीरियसरीरप्पयोगबंधे जहा वाउक्काइयाणं ६। मणुस्सपंचिंदियवेउव्विय-सरीरप्पयोगबंधे, एवं चेव, असुरकुमार-भवणवासि-देवपंचिंदिय-वेउव्विय-सरीरप्पयोगबंधे जहा रयणप्पभापुढविनेरइया एवं जाव थणियकुमारा, एवं वाणमंतरा, एवं जोइसिया, एवं सोहम्मकप्पोवगया वेमाणिया, एवं जाव अच्चुयगेवेज्जकप्पातीया वेमाणिया एवं चेव, अणुत्तरोववाइयकप्पातीया वेमाणिया एवं चेव ७। वेउव्वियसरीरप्पयोगबंधे णं भंते! किं देसबंधे सव्वबंधे?, गोयमा! देसबंधेवि सव्वबंधेवि, वाउक्काइयएगिंदिय एवं चेव रयणप्पभापुढविनेरइया एवं चेव, एवं जाव अणुत्तरोववाइया ८। वेउव्वियसरीरप्पयोगबंधे णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ?, गोयमा! सव्वबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं दो समया, देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं समयूणाइं ९। वाउक्काइएगिंदिय-वेउव्वियपुच्छा, गोयमा! सव्वबंधे एक्कं समयं देसबंधे जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं १०। रयणप्पभापुढविनेरइय-पुच्छा, गोयमा! सव्वबंधे एक्कं समयं देसबंधे जहन्नेणं दसवाससहस्साइं तिसमय-

ऊणाइं उक्कोसेणं सागरोवमं समऊणं, एवं जाव अहेसत्तमा, नवरं देसबंधे जस्स जा जहन्निया ठिती सा तिसमऊणा कायव्वा जस्स जाव उक्कोसा सा समयूणा ११। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण मणुस्साण य जहा वाउकाइयाणं १२। असुरकुमारनागकुमार जाव अणुत्तरोववाइयाणं जहा नेरइयाणं, नवरं जस्स जा ठिई सा भाणियव्वा जाव अणुत्तरोववाइयाणं सव्वबंधे एक्कं समयं देसबंधे जहन्नेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं तिसमऊणाइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं समऊणाइं १३। वेउव्वियसरीरप्पयोगबंधंतरे णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ?, गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ जाव आवलियाए असंखेज्जइभागो, एवं देसबंधंतरंपि १४। वाउकाइयवेउव्वियसरीरपुच्छा, गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं, एवं देसबंधंतरंपि १५। तिरिक्खजोणिय-पंचिंदिय-वेउव्विय-सरीरप्पयोगबंधंतरं पुच्छा, गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडीपुहुत्तं, एवं देसबंधंतरंपि, एवं मणुस्सस्सवि १६। जीवस्स णं भंते! वाउकाइयत्ते नोवाउकाइयत्ते पुणरवि वाउकाइयत्ते वाउकाइय-एगिंदिय-वेउव्वियपुच्छा, गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं देसबंधंतरंपि १७। जीवस्स णं भंते! रयणप्पभापुढविनेरइयत्ते णोरयणप्पभापुढविनेरइयत्ते पुच्छा, गोयमा! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं जाव अहेसत्तमाए, नवरं जा जस्स ठिती जहन्निया सा सव्वबंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव. पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्साण य जहा वाउकाइयाणं १८। असुरकुमारनागकुमार जाव सहस्सारदेवाणं एएसिं जहा रयणप्पभापुढविनेरइयाणं, नवरं सव्वबंधंतरे जस्स जा ठिती जहन्निया सा

अंतोमुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव १९। जीवस्स णं भंते ! आणयदेवत्ते नोआणयदेवत्ते पुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं अट्ठारस सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, एवं जाव अच्चुए, नवरं जस्स जा ठिती सा सव्वबंधंतरं जहण्णेणं वासपुहुत्तमब्भहिया कायव्वा, सेसं तं चेव २०। गेवेज्जकप्पातीयपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो, देसबंधंतरं जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं वणस्सइकालो २१। जीवस्स णं भंते ! अणुत्तरोववातियपुच्छा, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं एक्कतीसं सागरोवमाइं वासपुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं संखेज्जाइं सागरोवमाइं, देसबंधंतरं जहन्नेणं वासपुहुत्तं उक्कोसेणं संखेज्जाइं सागरोवमाइं २२। एएसि णं भंते ! जीवाणं वेउव्वियसरीरस्स देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधगा देसबंधगा असंखेज्जगुणा अबंधगा अणंतगुणा २३। आहारगसरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! एगागारे पण्णत्ते २४। जइ एगागारे पण्णत्ते किं मणुस्साहारगसरीरप्पयोगबंधे किं अमणुस्साहारगसरीरप्पयोगबंधे ?, गोयमा ! मणुस्साहारगसरीरप्पयोगबंधे नो अमणुस्साहारगसरीरप्पयोगबंधे, एवं एएणं अभिलावेणं जहा ओगाहणसंठाणे जाव इड्ढिपत्त-पमत्तसंजय-सम्मद्दिट्ठि-पज्जत्त-संखेज्जवासाउय-कम्मभूमिग-गब्भवक्कंतिय-मणुस्साहारगसरीरप्पयोगबंधे णो अणिड्ढिपत्तपमत्त जाव आहारगसरीरप्पयोगबंधे २५। आहारगसरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?, गोयमा ! वीरियसयोगसद्दव्वयाए जाव लद्धिं पडुच्च आहारगसरीरप्पयोगणामाए कम्मस्स उदएणं आहारगसरीरप्पयोगबंधे २६।

आहारगसरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ?, गोयमा ! देसबंधेवि सव्वबंधेवि २७ । आहारगसरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कालओ केवचिरं होइ ?, गोयमा ! सव्वबंधे एक्कं समयं देसबंधे जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं २८ । आहारगसरीरप्पयोगबंधंतरे णं भंते ! कालओ केवचिरं होइ ?, गोयमा ! सव्वबंधंतरं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ ओसप्पिणिउस्सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोया अवड्ढपोग्गलपरियट्टं देसूणं, एवं देसबंधंतरंपि २९ । एएसि णं भंते ! जीवाणं आहारगसरीरस्स देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आहारगसरीरस्स सव्वबंधगा देसबंधगा संखेज्जगुणा अबंधगा अणंतगुणा ३, ३० ॥ सूत्रं ३४९ ॥ तेयासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—एगिंदिय-तेयासरीरप्पयोगबंधे बेइंदियतेयासरीरप्पयोगबंधे तेइंदियतेयासरीरप्पयोगबंधे जाव पंचिंदियतेयासरीरप्पयोगबंधे १ । एगिंदियतेयासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?. एवं एएणं अभिलावेणं भेदो जहा ओगाहणसंठाणे जाव पज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय-कप्पातीय-वेमाणिय-देव-पंचिंदिय-तेयासरीरप्पयोगबंधे य अपज्जत्त-सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइय जाव बंधे य २ । तेयासरीरप्पयोगबंधे णं भन्ते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?, गोयमा ! वीरियसजोगसद्दव्वयाए जाव आउयं च पडुच्च तेयासरीरप्पयोगनामाए कम्मस्स उदएणं तेयासरीरप्पयोगबंधे ३ । तेयासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ?, गोयमा ! देसबंधे नो सव्वबंधे ४ । तेयासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कालओ केवचिरं होइ ?, गोयमा ! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए अणाइए वा सपज्जवसिए ५ । तेयासरीरप्पयोगबंधंतरे णं भंते ! कालओ केवचिरं होइ ?, गोयमा ! अणाइयस्स अपज्ज-

वसियस्स नत्थि अंतरं, अणाइयस्स सपज्जवसियस्स नत्थि अंतरं ६ । एएसि णं भंते ! जीवाणं तेयासरीरस्स देसबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा तेयासरीरस्स अबंधगा देसबंधगा अणंतगुणा ४ ॥ सूत्रं ३५० ॥ कम्मासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कतिविहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! अट्ठविहे पण्णत्ते, तंजहा--नाणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगबंधे जाव अंतराइय-कम्मासरीरप्पयोगबंधे १ । णाणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?, गोयमा ! नाणपडिणीययाए णाणणिण्हवणयाए णाणंतराएणं णाणप्पदोसेणं णाणच्चासादणाए णाणविसंवादणाजोगेणं णाणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगनामाए कम्मस्स उदएणं णाणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगबंधे २ । दरिसणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?, गोयमा ! दंसणपडिणीययाए एवं जहा णाणावरणिज्जं नवरं दंसणनाम घेत्तव्वं जाव दंसणविसंवादणाजोगेणं दरिसणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगनामाए कम्मस्स उदएणं जाव प्पओगबंधे ३ । सायावेयणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कस्स कम्मस्स उदएणं ?, गोयमा ! पाणाणुकंपयाए भूयाणुकंपयाए एवं जहा सत्तमसए दसमुद्देसए जाव अपरियावणयाए सायावेयणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगनामाए कम्मस्स उदएणं सायावेयणिज्जकम्मा जाव बंधे ४ । असायावेयणिज्जपुच्छा, गोयमा ! परदुक्खणयाए परसोयणयाए जहा सत्तमसए दसमोद्देसए जाव परियावणयाए असायावेयणिज्ज-कम्मा जाव पयोगबंधे ५ । मोहणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगपुच्छा, गोयमा ! तिव्वकोहयाए तिव्वमाणयाए तिव्वमायाए तिव्वलोभाए तिव्वदंसणमोहणिज्जयाए तिव्वचरित्तमोहणिज्जयाए मोहणिज्ज-कम्मासरीरपयोगबंधे ६ । नेरइयाउय-कम्मासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! महारंभयाए महापरिग्गहयाए कुणिमाहारेणं पंचिंदियवहेणं नेरइयाउय-कम्मासरीरप्पयोगनामाए कम्मस्स

उदएणं नेरइयाउयकम्मासरीरप्पयोगबंधे ७ । तिरिक्खजोणियाउय-कम्मासरीरप्पओगपुच्छा, गोयमा ! माइल्लियाए नियडिल्लयाए अलियवयणेणं कूडतुलकूडमाणेणं तिरिक्खजोणिय-कम्मासरीरप्पयोगबंधे ८ । मणुस्साउय-कम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! पगइभद्दयाए पगइविणीययाए साणुक्कोसयाए अमच्छरियाए मणुस्साउयकम्मा जाव प्पयोगबंधे ९ । देवाउय-कम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! सरागसंजमेणं संजमासंजमेणं बालतवोकम्मेणं अकामनिज्जराए देवाउयकम्मासरीरप्पयोगबंधे १० । सुभनाम-कम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! कायउज्जुययाए भावुज्जुययाए भासुज्जुययाए अविसंवादणजोगेणं सुभनाम-कम्मासरीरजावप्पयोगबंधे ११ । असुभनाम-कम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! कायअणुज्जुययाए भावअणुज्जुययाए भासअणुज्जुययाए विसंवायणाजोगेणं असुभनामकम्मा जाव प्पयोगबंधे १२ । उच्चागोयकम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! जातिअमदेणं कुलअमदेणं बलअमदेणं रूवअमदेणं तवअमदेणं सुयअमदेणं लाभअमदेणं इस्सरियअमदेणं उच्चागोयकम्मासरीरप्पयोगबंधे, नीयागोय-कम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! जातिमदेणं कुलमदेणं बलमदेणं जाव इस्सरियमदेणं णीयागोय-कम्मासरीरप्पयोगबंधे १३ । अंतराइय-कम्मासरीरपुच्छा, गोयमा ! दाणंतराएणं लाभंतराएणं भोगंतराएणं उवभोगंतराएणं वीरियंतराएणं अंतराइय-कम्मासरीरप्पयोगनामाए कम्मस्स उदएणं अंतराइय-कम्मासरीरप्पयोगबंधे १५ । णाणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! किं देसबंधे सव्वबंधे ?, गोयमा ! देसबंधे णो सव्वबंधे, एवं जाव अंतराइयकम्मासरीरप्पयोगबंधे १६ । णाणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगबंधे णं भंते ! कालओ केवचिरं होइ ?, गोयमा ! णाणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्पयोगबंधे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—अणाइए सपज्जवसिए अणाइए अपज्जवसिए वा एवं जहा तेयगस्स संचिट्ठणा तहेव एवं जाव अंतराइयकम्मस्स १७ । णाणावरणिज्ज-कम्मासरीरप्प-

योगबंधंतरे णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ?, गोयमा ! अणाइयस्स एवं जहा तेयगसरीरस्स अंतरं तहेव एवं जाव अंतराइयस्स १८। एएसि णं भंते ! जीवाणं नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स देसबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव अप्पाबहुगं जहा तेयगस्स ११। एवं आउयवज्जं जाव अंतराइयस्स। आउयस्स पुच्छा, गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आउयस्स कम्मस्स देसबंधगा अबंधगा संखेज्जगुणा ५, २०॥ सूत्रं ३५१॥ जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ?, गोयमा ! नो बंधए अबंधए १। आहारगसरीरस्स किं बंधए अबंधए ?, गोयमा ! नो बंधए अबंधए २। तेयासरीरस्स किं बंधए अबंधए ?, गोयमा ! बंधए नो अबंधए ३। जइ बंधए किं देसबंधए सव्वबंधए ?, गोयमा ! देसबंधए नो सव्वबंधए ४। कम्मासरीरस्स किं बंधए अबंधए ?, जहेव तेयगस्स जाव देसबंधए नो सव्वबंधए ५। जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ?, गोयमा ! नो बंधए अबंधए, एवं जहेव सव्वबंधेणं भणियं तहेव देसबंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स ६। जस्स णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधए से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ?, गोयमा ! नो बंधए अबंधए, आहारगसरीरस्स एवं चेव, तेयगस्स कम्मगस्स य जहेव ओरालिएणं समं भणियं तहेव भाणियव्वं जाव देसबंधए नो सव्वबंधए ७। जस्स णं भंते ! वेउव्वियसरीरस्स देसबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ?, गोयमा ! नो बंधए अबंधए, एवं जहा सव्वबंधेणं भणियं तहेव देसबंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स ८। जस्स णं भंते ! आहारगसरीरस्स सव्वबंधे से णं भंते ! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए ?, गोयमा ! नो बंधए अबंधए, एवं वेउव्वियस्सवि, तेयाकम्माणं जहेव ओरालिएणं समं भणियं

तहेव भाणियव्वं १। जस्स णं भंते! आहारगसरीरस्स देसबंधे से णं भंते! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए? एवं जहा आहारगसरीरस्स सव्वबंधेणं भणियं तहा देसबंधेणवि भाणियव्वं जाव कम्मगस्स १०। जस्स णं भंते! तेयासरीरस्स देसबंधे से णं भंते! ओरालियसरीरस्स किं बंधए अबंधए?, गोयमा! बंधए वा अबंधए वा, जइ बंधए किं देसबंधए सव्वबंधए? गोयमा! देसबंधए वा सव्वबंधए वा, वेउव्वियसरीरस्स किं बंधए अबंधए? एवं चेव, एवं आहारगसरीरस्सवि, कम्मगसरीरस्स किं बंधए अबंधए? गोयमा! बंधए नो अबंधए, जइ बंधए किं देसबंधए सव्वबंधए?, गोयमा! देसबंधए नो सव्वबंधए ११। जस्स णं भंते! कम्मगसरीरस्स देसबंधे से णं भंते! ओरालियसरीरस्स जहा तेयगस्स वत्तव्वया भणिया तहा कम्मगस्सवि भाणियव्वा जाव तेयासरीरस्स जाव देसबंधए नो सव्वबंधए १२॥ सूत्रं ३५२॥ एएसि णं भंते! सव्वजीवाणं ओरालिय-वेउव्विय-आहारग-तेयाकम्मासरीरगाणं देसबंधगाणं सव्वबंधगाणं अबंधगाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा?, गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा आहारग-सरीरस्स सव्वबंधगा १ तस्स चेव देसबंधगा संखेज्जगुणा २ वेउव्वियसरीरस्स सव्वबंधगा असंखेज्जगुणा ३ तस्स चेव देसबंधगा असंखेज्जगुणा ४ तेया-कम्मगाणं दुण्हवि तुल्ला अबंधगा अणंतगुणा ५ ओरालियसरीरस्स सव्वबंधगा अणंतगुणा ६ तस्स चेव अबंधगा विसेसाहिया ७ तस्स चेव देसबंधगा असंखेज्जगुणा ८ तेयाकम्मगाणं देसबंधगा विसेसाहिया ९ वेउ-व्वियसरीरस्स अबंधगा विसेसाहिया १० आहारगसरीरस्स अबंधगा विसेसाहिया ११। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरति॥ सूत्रं ३५३॥ अट्ठमसयस्स नवमो उद्देसओ समत्तो॥

॥ इति अष्टमशतके नवम उद्देशकः ॥८-९॥

।। अथ अष्टमशतके आराधनाख्य-दशमोद्देशकः ।।

रायगिहे नगरे जाव एवं वयासी–अन्नउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति जाव एवं परूवेंति–एवं खलु सीलं सेयं १ सुयं सेयं २ सुयं सेयं ३ सीलं सेयं ४, से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जन्नं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति जाव जे ते एवमाहंसु मिच्छा ते एवमाहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि, एवं खलु मए चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तंजहा–सीलसंपन्ने णामं एगे णो सुयसंपन्ने १ सुयसंपन्ने नामं एगे नो सीलसंपन्ने २ एगे सीलसंपन्नेवि सुयसंपन्नेवि ३ एगे णो सीलसंपन्ने नो सुयसंपन्ने ४, १ । तत्थ णं जे से पढमे पुरिसजाए से णं पुरिसे सीलवं असुयवं, उवरए अविन्नायधम्मे, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे देसाराहए पण्णत्ते, २ । तत्थ णं जे से दोच्चे पुरिसजाए से णं पुरिसे असीलवं सुयवं, अणुवरए विन्नायधम्मे, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे देसविराहए पण्णत्ते ३ । तत्थ णं जे से तच्चे पुरिसजाए से णं पुरिसे सीलवं सुयवं, उवरए विन्नायधम्मे, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे सव्वाराहए पन्नत्ते ४ । तत्थ णं जे से चउत्थे पुरिसजाए से णं पुरिसे असीलवं असुतवं, अणुवरए अविण्णायधम्मे, एस णं गोयमा ! मए पुरिसे सव्वविराहए पन्नत्ते ५ । ।। सूत्रं ३५४ ।। कतिविहा णं भंते ! आराहणा पण्णत्ता ?, गोयमा ! तिविहा आराहणा पण्णत्ता, तंजहा–नाणाराहणा दंसणाराहणा चरित्ताराहणा १ । णाणाराहणा णं भंते ! कतिविहा पण्णत्ता ?, गोयमा ! तिविहा पण्णत्ता, तंजहा–उक्कोसिया मज्झिमा जहन्ना दंसणाराहणा भंते ! कतिविहा पण्णत्ता ?, एवं चेव तिविहावि । एवं चरित्ताराहणावि २ । जस्स णं भंते ! उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा ? जस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स उक्कोसिया णाणाराहणा ?, गोयमा ! जस्स उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स दंसणाराहणा उक्कोसिया वा अजहन्न-

उक्कोसिया वा, जस्स पुण उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स नाणाराहणा उक्कोसा वा जहन्ना वा अजहन्नमणुक्कोसा वा ३। जस्स णं भंते ! उक्कोसिया णाणाराहणा तस्स उक्कोसिया चरित्ताराहणा ? जस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्सुक्कोसिया णाणाराहणा ? जहा उक्कोसिया णाणाराहणा य दंसणाराहणा य भणिया तहा उक्कोसिया नाणाराहणा य चरित्ताराहणा य भाणियव्वा य ४। जस्स णं भंते ! उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा ? जस्सुक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्सुक्कोसिया दंसणाराहणा ?, गोयमा ! जस्स उक्कोसिया दंसणाराहणा तस्स चरित्ताराहणा उक्कोसा वा जहन्ना वा अजहन्नमणुक्कोसा वा, जस्स पुण उक्कोसिया चरित्ताराहणा तस्स दंसणाराहणा नियमा उक्कोसा ५। उक्कोसियं णं भंते ! णाणाराहणं आराहेत्ता कतिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ?, गोयमा ! अत्थेगइए तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति, अत्थेगतिए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव अंतं करेंति, अत्थेगतिए कप्पोवएसु वा कप्पात्तीएसु वा उववज्जंति ६। उक्कोसियं णं भंते ! दंसणाराहणं आराहेत्ता कतिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ?, एवं चेव सिज्झंति जाव अंतं करेंति ७। उक्कोसियणं भंते ! चरित्ताराहणं आराहेत्ता कतिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ?, एवं चेव, नवरं अत्थेगतिए कप्पातीयएसु उववज्जंति ८। मज्झिमियं णं भंते ! णाणाराहणं आराहेत्ता कतिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ?, गोयमा ! अत्थेगतिए दोच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झंइ जाव अंतं करेंति तच्चं पुण भवग्गहणं नाइक्कमइ ९। मज्झिमियं णं भंते ! दंसणाराहणं आराहेत्ता कतिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ? एवं चेव, एवं मज्झिमियं चरित्ताराहणंपि १०। जहन्नियन्नं भंते ! नाणाराहणं आराहेत्ता कतिहिं भवग्गहणेहिं सिज्झंति जाव अंतं करेंति ?, गोयमा ! अत्थेगतिए तच्चेणं भवग्गहणेणं

सिज्झइ जाव अंतं करेइ, सत्तट्ठभवग्गहणाइं पुण नाइक्कमइ, एवं दंसणाराहणंपि, एवं चरित्ताराहणांपि ११ ॥ सूत्रं ३५५ ॥ कतिविहे णं भंते ! पोग्गलपरिणामे पण्णत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे पोग्गल-परिणामे पण्णत्ते, तंजहा–वन्नपरिणामे १ गंधपरिणामे २ रसपरिणामे ३ फासपरिणामे ४ संठाणपरिणामे ५, १ । वन्नपरिणामे णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–कालवन्नपरिणामे जाव सुक्किलवन्नपरिणामे, एएणं अभिलावेणं गंधपरिणामे दुविहे रसपरिणामे पंचविहे फासपरिणामे अट्ठविहे २ । संठाणपरिणामेणं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ?, गोयमा ! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–परिमंडलसंठाणपरिणामे जाव आययसंठाणपरिणामे ३ ॥ सूत्रं ३५६ ॥ एगे भंते ! पोग्गलत्थि-कायपएसे किं दव्वं १ दव्वदेसे २ दव्वाइं ३ दव्वदेसा ४ उदाहु दव्वं च दव्वदेसे य ५ उदाहु दव्वं च दव्वदेसा य ६ उदाहु दव्वाइं च दव्वदेसे य ७ उदाहु दव्वाइं च दव्वदेसा य ८ ?, गोयमा ! सिय दव्वं सिय दव्वदेसे नो दव्वाइं नो दव्वदेसा नो दव्वं च दव्वदेसे य जाव नो दव्वाइं च दव्वदेसा य १ । दो भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं दव्वदेसे ? पुच्छा तहेव, गोयमा ! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ सिय दव्वाइं ३ सिय दव्वदेसा ४ सिय दव्वं च दव्वदेसे य ५ नो दव्वं च दव्वदेसा य ६ सेसा पडिसेहेयव्वा २ । तिन्नि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं दव्वदेसे ? पुच्छा, गोयमा ! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ एवं सत्त भंगा भाणियव्वा, जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसे य नो दव्वाइं दव्वदेसा य ३ । चत्तारि भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं ? पुच्छा, गोयमा ! सिय दव्वं १ सिय दव्वदेसे २ अट्ठवि भंगा भाणियव्वा जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसा य ८, ४ । जहा चत्तारि भणिया एवं पंच छ सत्त जाव असं-खेज्जा ५ । अणंता भंते ! पोग्गलत्थिकायपएसा किं दव्वं ?, पुच्छा, एवं

चेव जाव सिय दव्वाइं च दव्वदेसा य ५ ॥ सूत्रं ३५७ ॥ केवतिया णं भंते ! लोयागासपएसा पन्नत्ता ?, गोयमा ! असंखेज्जा लोयागासपएसा पन्नत्ता १ । एगमेगस्स णं भंते ! जीवस्स केवइया जीवपएसा पराणत्ता ?, गोयमा ! जावतिया लोगागासपएसा एगमेगस्स णं जीवस्स एवतिया जीवपएसा पराणत्ता २ ॥ सूत्रं ३५८ ॥ कति णं भंते ! कम्मपगडीओ पराणत्ताओ ?, गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ पराणत्ताओ, तंजहा—नाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं १ । नेरइयाणं भंते ! कइ कम्मपगडीओ पराणत्ताओ ?, गोयमा ! अट्ठ, एवं सव्वजीवाणं अट्ठ कम्मपगडीओ ठवेयव्वाओ जाव वेमाणियाणं २ । नाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवतिया अविभाग-पलिच्छेदा पराणत्ता ?, गोयमा ! अणंता अविभागपलिच्छेदा पराणत्ता ३ । नेरइयाणं भंते ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवतिया अविभागपलिच्छेया पराणत्ता ?, गोयमा ! अणंता अविभागपलिच्छेदा पराणात्ता ४ । एवं सव्वजीवाणं जाव वेमाणियाणं पुच्छा, गोयमा ! अणंता अविभागपलिच्छेदा पराणत्ता ५ । एवं जहा णाणावरणिज्जस्स अविभागपलिच्छेदा भणिया तहा अट्ठराहवि कम्मपगडीणं भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं ६ । एगमेगस्स णं भंते ! जीवस्स एगमेगे जीवपएसे णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेदेहिं आवेढिए परिवेढिए सिया ?, गोयमा ! सिय आवेढियपरिवेढिए सिय नो आवेढियपरिवेढिए, जइ आवेढियपरिवेढिए नियमा अणंतेहिं ७ । एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स एगमेगे जीवपएसे णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवइएहिं अविभागपलिच्छेदेहिं आवेढिए परिवेढिते सिया ?, गोयमा ! नियमा अणंतेहिं, जहा नेरइयस्स एवं जाव वेमाणियस्स नवरं मणूसस्स जहा जीवस्स ८ । एगमेगस्स णं भंते ! जीवस्स एगमेगे जीवपएसे दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स केवतिएहिं अविभागपलिच्छेदेहिं आवेढिए परिवेढिते सिया ? एवं जहेव नाणावरणिज्जस्स तहेव दंडगो भाणि-

यव्वो जाव वेमाणियस्स, एवं जाव अंतराइयस्स भाणियव्वं, नवरं वेयणिज्जस्स आउयस्स णामस्स गोयस्स एएसिं चउराहवि कम्माणं मणूसस्स जहा नेरइयस्स तहा भाणियव्वं सेसं तं चेव १ ॥ सूत्रं ३५१ ॥ जस्स णं भंते ! नाणावरणिज्जं तस्स दरिसणावरणिज्जं जस्स दंसणावरणिज्जं तस्स नाणावरणिज्जं ?, गोयमा ! जस्स णं नाणावरणिज्जं तस्स दंसणावरणिज्जं नियमा अत्थि जस्स णं दरिसणावरणिज्जं तस्सवि नाणावरणिज्जं नियमा अत्थि १ । जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं जस्स वेयणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं ?, गोयमा ! जस्स नाणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं नियमा अत्थि जस्स पुण वेयणिज्जं तस्स णाणावरणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि २ । जस्स णं भंते ! नाणावरणिज्जं तस्स मोहणिज्जं जस्स मोहणिज्जं तस्स नाणावरणिज्जं ?, गोयमा ! जस्स नाणावरणिज्जं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण मोहणिज्जं तस्स नाणावरणिज्जं नियमा अत्थि ३ । जस्स णं भंते ! णाणावरणिज्जं तस्स आउयं जस्स आउयं तस्स णाणावरणिज्जं ?, एवं जहा वेयणिज्जेण समं भणियं तहा आउएणवि समं भाणियव्वं, एवं नामेणवि एवं गोएणवि समं, अंतराइएण समं जहा दरिसणावरणिज्जेण समं तहेव नियमा परोप्परं भाणियव्वाणि १, ४ । जस्स णं भंते ! दरिसणावरणिज्जं तस्स वेयणिज्जं जस्स वेयणिज्जं तस्स दरिसणावरणिज्जं ? जहा नाणावरणिज्जं उवरिमेहिं सत्तहिं कम्मेहिं समं भणियं तहा दरिसणावरणिज्जंपि उवरिमेहिं छहिं कम्मेहिं समं भाणियव्वं जाव अंतराइएणं २, ५ । जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स मोहणिज्जं जस्स मोहणिज्जं तस्स वेयणिज्जं ?, गोयमा ! जस्स वेयणिज्जं तस्स मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण मोहणिज्जं तस्स वेयणिज्जं नियमा अत्थि ६ । जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स आउयं जस्स आउयं तस्स वेयणिज्जं ?, एवं एयाणि परोप्परं नियमा, जहा आउएण

समं एवं नामेणवि गोएणवि समं भाणियव्वं ७। जस्स णं भंते ! वेयणिज्जं तस्स अंतराइयं जस्स अंतराइयं तस्स वेयणिज्जं ? पुच्छा, गोयमा ! जस्स वेयणिज्जं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स वेयणिज्जं नियमा अत्थि ३, ८। जस्स णं भंते ! मोहणिज्जं तस्स आउयं जस्स आउयं तस्स मोहणिज्जं ?, गोयमा ! जस्स मोहणिज्जं तस्स आउयं नियमा अत्थि जस्स पुण आउयं तस्स पुण मोहणिज्जं सिय अत्थि सिय नत्थि, एवं नामं गोयं अंतराइयं च भाणियव्वं ४, ९। जस्स णं भंते ! आउयं तस्स नामं जस्स नामं तस्स आउयं ? पुच्छा, गोयमा ! दोवि परोप्परं नियमं, एवं गोत्तेणवि समं भाणियव्वं १०। जस्स णं भंते ! आउयं तस्स अंतराइयं जस्स अंतराइयं तस्स आउयं ?, पुच्छा, गोयमा ! जस्स आउयं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स आउयं नियमा ५, ११। जस्स णं भंते ! नामं तस्स गोयं जस्स णं गोयं तस्स णं नामं ? गोयमा ! जस्स णं णामं तस्स णं नियमा गोयं जस्स णं गोयं तस्स नियमा नामं, गोयमा ! दोवि एए परोप्परं नियमा १२। जस्स णं भंते ! णामं तस्स अंतराइयं जस्स अंतराइयं तस्स नामं ? गोयमा ! जस्स नामं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स नामं नियमा अत्थि ६, १३। जस्स णं भंते ! गोयं तस्स अंतराइयं जस्स अंतराइयं तस्स गोयं ?, गोयमा ! जस्स णं गोयं तस्स अंतराइयं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण अंतराइयं तस्स गोयं नियमा अत्थि ७, १४ ॥ सूत्रं ३६० ॥ जीवे णं भंते ! किं पोग्गली पोग्गले ?, गोयमा ! जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि १। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि ?, गोयमा ! से जहानामए छत्तेणं छत्ती दंडेणं दंडी घडेणं घडी पडेणं पडी करेणं करी, एवामेव गोयमा ! जीवेवि सोइंदिय-चक्खिदिय-घाणिंदिय-जिब्भिंदिय-फासिंदियाइं पडुच्च पोग्गली, जीवं पडुच्च

पोग्गले, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जीवे पोग्गलीवि पोग्गलेवि २। नेरइए णं भंते ! किं पोग्गली पोग्गले ?, एवं चेव, एवं जाव वेमाणिए नवरं जस्स जइ इंदियाइं तस्स तइवि भाणियव्वाइं ३। सिद्धे णं भंते ! किं पोग्गली पोग्गले ?, गोयमा ! नो पोग्गली पोग्गले ४। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव पोग्गले ?, गोयमा ! जीवं पडुच्च, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ सिद्धे नो पोग्गली पोग्गले ५। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ६ ॥ सूत्रं ३६१ ॥ अट्ठमसए दशमः ॥ समत्तं अट्ठमं सयं ॥

॥ इति अष्टमशतके दशम् उद्देशकः ॥ ८-१० ॥

॥ इति अष्टमं शतकम ॥ ८॥

॥ अथ नवमशतके जंबूद्वीपाख्य-प्रथमोद्देशकः ॥

जंबुद्दीवे १ जोइस २ अंतरदीवा ३० असोच्च ३१ गंगेय ३२। कुंडग्गामे ३३ पुरिसे ३४ नवमंमि सए चउत्तीसा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं मिहिलानामं नगरी होत्था वन्नओ, माणिभद्दे चेइए वन्नओ, सामी समोसढे परिसा निग्गया धम्मो कहियो जाव भगवं गोयमे पज्जुदासमाणे एवं वयासी-कहि णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे ? किंसंठिए णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे ? एवं जंबुद्दीवपन्नत्ती भाणियव्वा जाव एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे २ चोद्दस सलिला सयसहस्सा छप्पन्नं च सहस्सा भवंतीतिमक्खाया। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ३६२ ॥ नवमस्स पढमो ॥

॥ इति नवमशतके प्रथम उद्देशकः ॥ ९-१ ॥

॥ अथ नवमशतके ज्योतिष्काख्य-द्वितीयोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-जम्बुद्दीवे णं भंते ! दीवे केवइया चंदा पभासिंसु वा पभासेंति वा पभासिस्संति वा ?, एवं जहा जीवाभिगमे जाव-

'एगं च सयसहस्सं तेत्तीसं खलु भवे सहस्साइं। नव य सया पन्नासा तारागणकोडिकोडीणं ॥ १ ॥' सोभं सोभिंसु सोभिंति सोभिस्संति ॥ सूत्रं ३६३ ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे केवतिया चंदा पभासिंसु वा पभासिंति वा पभासिस्संति वा ? एवं जहा जीवाभिगमे जाव ताराओ १। धायइसंडे कालोदे पुक्खरवरे अब्भितरपुक्खरद्धे मणुस्सखेत्ते, एएसु सव्वेसु जहा जीवाभिगमे जाव-'एगससी परिवारो तारागणकोडाकोडीणं' २। पुक्खरद्धे णं भंते ! समुद्दे केवइया चंदा पभासिंसु पभासंति वा पभासिसंति वा ?, एवं सव्वेसु दीवसमुद्देसु जोतिसियाणं भाणियव्वं जाव सयंभूरमणे जाव सोभं सोभिंसु वा सोभंति वा सोभिस्संति वा ३। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ४॥ सूत्रं ३६३ ॥ नवमसए बीओ उद्देसो समत्तो ॥

॥ इति नवमशतके द्वितीय उद्देशकः ॥ ९-२ ॥

॥ अथ नवमशतके अन्तरद्वीपाख्य-तृतीयतस्त्रिंशत्तमोद्देशकाः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे णामं दीवे पन्नत्ते ?, गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स पुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं उत्तरपुरच्छिमे णं तिन्नि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं दाहिणिल्लाणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे नामं दीवे पण्णत्ते, तं गोयमा ! तिन्नि जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं णवएक्कोणवन्ने जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं पन्नत्ते, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते दोण्हवि पमाणं वन्नओ य, एवं एएणं कमेणं जहा जीवाभिगमे जाव सुद्धदंतदीवे जाव देवलोगपरिग्गहा णं ते मणुया पण्णत्ता समणाउसो ! १। एवं अट्ठावीसं अंतरदीवा सएणं २

आयामविक्खंभेणं भाणियव्वा, नवरं दीवे २ उद्देसओ, एवं सव्वेवि अट्ठावीसं उद्देसगा भाणियव्वा २। सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ३ ॥ सूत्रं ३६४ ॥ नवमस्स तईयाइआ तीसंता उद्देसा समत्ता ॥

॥ इति नवमशतके तृतीयस्त्रिंशत्तमा उद्देशकाः ॥ ९-३।३० ॥

॥ अथ नवमशतके अश्रुत्वाख्यैकत्रिंशत्तमोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा केवलिसावगस्स वा केवलिसावियाए वा केवलिउवासगस्स वा केवलिउवासियाए वा तप्पक्खियस्स वा तप्पक्खियसावगस्स वा तप्पक्खियसावियाए वा तप्पक्खियउवासगस्स वा तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ?, गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा अत्थेगतिए केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए अत्थेगतिए केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभेज्जा सवणयाए १। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–असोच्चा णं जाव नो लभेज्जा सवणयाए ?, गोयमा ! जस्स णं नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए या केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्ज सवणयाए, जस्स णं नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभेज्ज सवणयाए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–तं चेव जाव नो लभेज्ज सवणयाए २। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलं बोहिं बुज्झेज्जा ?, गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगतिए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, अत्थेगतिए केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा ३। से केणट्ठेणं भंते ! जाव नो बुज्झेज्जा ?, गोयमा ! जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा

केवलिस्स वा जाव केवलं बोहिं बुज्झेज्जा, जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव णो बुज्झेज्जा ४। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा ?, गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगतिए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइज्जा अत्थेतगिए केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं नो पव्वएज्जा, से केणट्ठेणं जाव नो पव्वएज्जा ?, गोयमा ! जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवति से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा, जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवति से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव मुंडे भवित्ता जाव णो पव्वएज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव नो पव्वएज्जा ५। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा ?, गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगतिए केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा अत्थेगतिए केवलं बंभचेरवासं नो आवसेज्जा ६। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव नो आवसेज्जा ?, गोयमा ! जस्स णं चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा, जस्स णं चरित्तावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव नो आवसेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव नो आवसेज्जा ७। असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा ?, गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स जाव उवासियाए वा जाव अत्थेगतिए केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा अत्थेगतिए केवलेणं संजमेणं नो संजमेज्जा ८। से केणट्ठेणं जाव नो संजमेज्जा ?, गोयमा ! जस्स णं जयणावरणिज्जाणं

कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा जस्स णं जयणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव नो संजमेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव अत्थेगतिए नो संजमेज्जा ९ । असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा ?, गोयमा ! असोच्चा णं केवलिस्स जाव अत्थेगतिए केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा अत्थेगतिए केवलेणं जाव नो संवरेज्जा १० । से केणट्ठेणं जाव नो संवरेज्जा ?, गोयमा ! जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलेणं संवरेज्जा, जस्स णं अज्झवसाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे णो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव नो संवरेज्जा, से तेणट्ठेणं जाव नो संवरेज्जा ११ । असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स जाव केवलं आभिणिबोहियनाणं उप्पाडेज्जा ?, गोयमा ! असोच्चाणं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगतिए केवलं आभिणिबोहियनाणं उप्पाडेज्जा अत्थेगइए केवलं आभिणिबोहियनाणं नो उप्पाडेज्जा १२ । से केणट्ठेणं जाव नो उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! जस्स णं आभिणिबोहिय-नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं आभिणिबोहियनाणं उप्पाडेज्जा, जस्स णं आभिणिबोहियनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलं आभिणिबोहियनाणं नो उप्पाडेज्जा से तेणट्ठेणं जाव नो उप्पाडेज्जा १३ । असोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव केवलं सुयनाणं उप्पाडेज्जा ? एवं जहा आभिणिबोहियनाणस्स वत्तव्वया भणिया तहा सुयनाणस्सवि भाणियव्वा, नवरं सुयनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे १४ । एवं चेव केवलं ओहिनाणं भाणियव्वं, नवरं ओहिणाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे, एवं केवलं

मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा, नवरं मणपज्जव-णाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे भाणियव्वे १५। असोच्चा णं भंते! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलनाणं उप्पाडेज्जा?, एवं चेव नवरं केवलनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए भाणियव्वे, सेसं तं चेव, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव केवलनाणं उप्पाडेज्जा १६। असोच्चा णं भंते! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खिय-उवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए? केवलं बोहिं बुज्झेज्जा? केवलं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा? केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा? केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा? केवलेणं संवरेणं संवरेज्जा? केवलं आभिणिबोहियनाणं उप्पाडेज्जा? जाव केवलं मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा? केवलनाणं उप्पाडेज्जा?, गोयमा! असोच्चाणं केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा अत्थेगतिए केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए अत्थेगतिए *केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभेज्जा सवणयाए अत्थेगतिए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा* अत्थेगतिए केवलं बोहिं णो बुज्झेज्जा अत्थेगतिए केवलं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वएज्जा अत्थेगतिए जाव नो पव्वएज्जा अत्थेगतिए केवलं बंभचेरवासं आवसेज्जा अत्थेगतिए केवलं बंभचेरवासं नो आवसेज्जा अत्थेगतिए केवलेणं संजमेणं संजमेज्जा अत्थेगतिए केवलेणं संजमेणं नो संजमेज्जा एवं संवरेणवि, अत्थेगतिए केवलं आभिणिबोहियनाणं उप्पाडेज्जा अत्थेगतिए जाव नो उप्पाडेज्जा, एवं जाव मणपज्जवनाणं, अत्थेगतिए केवलनाणं उप्पाडेज्जा अत्थेगतिए केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा १७। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ असोच्चा णं तं चेव जाव अत्थेगतिए केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा?, गोयमा! जस्स णं नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ १ जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ २ जस्स णं धम्मंतराइयाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ ३ एवं चरित्तावरणिज्जाणं ४ जयणावरणिज्जाणं ५ अज्झवसाणावरणिज्जाणं

६ आभिणिबोहिय-नाणावरणिज्जाणं ७ जाव मणपज्जव-नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे नो कडे भवइ १० जस्स णं केवलनाणावर-णिज्जाणं जाव खए नो कडे भवइ ११ से णं असोच्चा केवलिस्स वा जाव केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभेज्जा सवणयाए केवलं बोहिं नो बुज्झेज्जा जाव केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा, जस्स णं नाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवति जस्स णं दरिसणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं धम्मंतराइयाणं एवं जाव जस्स णं केवलनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे भवइ, से णं असोच्चाकेवलिस्स वा जाव केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए केवलं बोहि बुज्झेज्जा जाव केवलणाणं उप्पाडेज्जा १८ ॥ सूत्रं ३६५ ॥ तस्स णं भंते ! छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय पगिज्झिय सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स पगतिभद्दयाए पगइ-उवसंतयाए पगति-पयणु-कोहमाणमायालोभयाए मिउमद्दव-संपन्नयाए अल्लीवणयाए भद्दयाए विणीययाए अन्नया कयाइ सुभेणं अज्झ-वसाणेणं सुभेणं परिणामेणं लेस्साहिं विसुज्झमाणीहिं २ तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स विब्भंगे नामं अन्नाणे समुप्पज्जइ १ । से णं तेणं विब्भंगनाणेणं समुप्पन्नेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं जाणइ पासइ २ । से णं तेणं विब्भंगनाणेणं समुप्पन्नेणं जीवेवि जाणइ अजीवेवि जाणइ पासंडत्थे सारंभे सपरिग्गहे संकिलिस्समाणेवि जाणइ विसुज्झमाणेवि जाणइ, से णं पुव्वामेव सम्मत्तं पडिवज्जइ संमत्तं पडिवज्जित्ता समणधम्मं रोएति समणधम्मं रोएत्ता चरित्तं पडिवज्जइ चरित्तं पडिवज्जित्ता लिंगं पडिवज्जइ ३ । तस्स णं तेहिं मिच्छत्तपज्जवेहिं परिहायमाणेहिं २ सम्मद्दंसणपज्जवेहिं परिवड्ढमाणेहिं २ से विब्भंगे अन्नाणे सम्मत्तपरिग्गहिए खिप्पामेव ओही परावत्तइ ४ ॥ सूत्रं ३६६ ॥ से णं भंते ! कतिलेस्सासु

होज्जा ?, गोयमा ! तिसु विसुद्धलेस्सासु होज्जा, तंजहा—तेउलेस्साए पम्हलेस्साए सुक्कलेस्साए १ । से णं भंते ! कतिसु णाणेसु होज्जा ?, गोयमा ! तिसु आभिणिबोहिय-नाण-सुयनाण-ओहिनाणेसु होज्जा २ । से णं भंते ! किं सजागी होज्जा अजोगी होज्जा ?, गोयमा ! सजोगी होज्जा नो अजोगी होज्जा ३ । जइ सजोगी होज्जा किं मणजोगी होज्जा वइजोगी होज्जा कायजोगी होज्जा ?, गोयमा ! मणजोगी वा होज्जा वइजोगी वा होज्जा कायजोगी वा होज्जा ४ । से णं भंते ! किं सागारोवउत्ते होज्जा अणागारोवउत्ते होज्जा ?, गोयमा ! सागारोवउत्ते वा होज्जा अणागारोवउत्ते वा होज्जा ५ । से णं भंते ! कयरंमि संघयणे होज्जा ?, गोयमा ! वइरोसभनारायसंघयणे होज्जा ६ । से णं भंते ! कयरंमि संठाणे होज्जा ?, गोयमा ! छण्हं संठाणाणं अन्नयरे संठाणे होज्जा ७ । से णं भंते ! कयरंमि उच्चत्ते होज्जा ?, गोयमा ! जहन्नेणं सत्त रयणी उक्कोसेणं पंचधणुसतिए होज्जा ८ । से णं भंते ! कयरंमि आउए होज्जा ?, गोयमा ! जहन्नेणं सातिरेगट्ठवासाउए उक्कोसेणं पुव्वकोडिआउए होज्जा ९ । से णं भंते ! किं सवेदए होज्जा अवेदए होज्जा ?, गोयमा ! सवेदए होज्जा नो अवेदए होज्जा १० । जइ सवेदए होज्जा किं इत्थीवेयए होज्जा पुरिसवेदए होज्जा नपुंसगवेदए होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए होज्जा ?, गोयमा ! नो इत्थिवेदए होज्जा पुरिसवेदए वा होज्जा नो नपुंसगवेदए होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए वा होज्जा ११ । से णं भंते ! किं सकसाई होज्जा अकसाई होज्जा ?, गोयमा ! सकसाई होज्जा नो अकसाई होज्जा १२ । जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कतिसु कसाएसु होज्जा ?, गोयमा ! चउसु संजलणकोहमाणमायालोभेसु होज्जा १३ । तस्स णं भंते ! केवतिया अज्झवसाणा पन्नत्ता ?, गोयमा ! असंखेज्जा अज्झवसाणा पन्नत्ता १४ । ते णं भंते ! पसत्था अप्पसत्था ?, गोयमा ! पसत्था नो अप्पसत्था १५ । से णं भंते ! तेहिं पसत्थेहिं अज्झ-

वसाणेहिं वट्टमाणेहिं अणंतेहिं नेरइयभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ अणंतेहिं तिरिक्खजोणिय जाव विसंजोएइ अणंतेहिं मणुस्सभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ अणंतेहिं देवभवग्गहणेहिंतो अप्पाणं विसंजोएइ १६। जाओवि य से इमाओ नेरइय-तिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवगतिनामाओ चत्तारि उत्तरपयडीओ तासिं च णं उवग्गहिए अणंताणुबंधी कोहमाणमायालोभे खवेइ २ अपच्चक्खाणकसाए कोहमाणमायालोभे खवेइ २ पच्चक्खाणावरण-कोहमाणमायालोभे खवेइ २ संजलणकोहमाणमायालोभे खवेइ २ पंचविहं नाणावरणिज्जं नवविहं दरिसणावरणिज्जं पंचविहमंतराइयं तालमत्थकडं च णं मोहणिज्जं कट्टु कम्मरय-विकरणकरं अपुव्वकरणं अणुपविट्ठस्स अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए निरावरणे कसिणे पडिपुन्ने केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने १७॥ सूत्रं ३६७॥ से णं भंते ! केवलिपन्नत्तं धम्मं आघवेज्ज वा पन्नवेज्ज वा परूवेज्ज वा ?, नो तिणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ एगणाएण वा एगवागरणेण वा १। से णं भंते ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, उवदेसं पुण करेज्जा २। से णं भंते ! सिज्झति जाव अंतं करेति ?, हंता सिज्झति जाव अंतं करेति ३॥ सूत्रं ३६८॥ से णं भंते ! किं उड्ढं होज्जा अहो होज्जा तिरियं होज्जा ?, गोयमा ! उड्ढं वा होज्जा अहे वा होज्जा तिरियं वा होज्जा, उड्ढं होज्जमाणे सद्दावइ वियडावइ गंधावइ मालवंत-परियाएसु वट्टवेयड्ढ-पव्वएसु होज्जा, साहरणं पडुच्च सोमणस-वणे वा पंडगवणे वा होज्जा, अहे होज्जमाणे गड्ढाए वा दरीए वा होज्जा, साहरणं पडुच्च पायाले वा भवणे वा होज्जा, तिरियं होज्जमाणे पन्नरससु कम्मभूमीसु होज्जा, साहरणं पडुच्च अड्ढाइज्जे दीवसमुद्दे तदेक्कदेसभाए होज्जा १। ते णं भंते ! एगसमएणं केवतिया होज्जा ?, गोयमा ! जहन्नेणं एको वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं दस, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव अत्थेगतिए केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा

सवणयाए अत्थेगतिए असोच्चा णं केवलिस्स वा जाव नो लभेज्जा सवणयाए जाव अत्थेगतिए केवलनाणं उप्पाडेज्जा अत्थेगतिए केवलनाणं नो उप्पाडेज्जा २ ॥ सूत्रं ३६१ ॥ सोच्चा णं भंते ! केवलिस्स वा जाव तप्पक्खियउवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! सोच्चाणं केवलिस्स वा जाव अत्थेगतिए केवलिपन्नत्तं धम्मं, एवं जा चेव असोच्चाए वत्तव्वया सा चेव सोच्चाएवि भाणियव्वा १ । नवरं अभिलावो सोच्चेति, सेसं तं चेव निरवसेसं जाव जस्स णं मणपज्जवनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमे कडे भवइ जस्स णं केवलनाणावरणिज्जाणं कम्माणं खए कडे भवइ से णं सोच्चा केवलिस्स वा जाव उवासियाए वा केवलिपन्नत्तं धम्मं लब्भइ सवणयाए केवलं बोहिं बुज्झेज्जा जाव केवलनाणं उप्पाडेज्जा, तस्स णं अट्ठमंअट्ठमेणं अनिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं अप्पाणं भावेमाणस्स पगइभद्दयाए तहेव जाव गवेसणं करेमाणस्स ओहिनाणे समुप्पज्जइ २ । से णं तेणं ओहिनाणेणं समुप्पन्नेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं अलोए लोयप्पमाणमेत्ताइं खण्डाइं जाणइ पासइ ३ । से णं भंते ! कतिसु लेस्सासु होज्जा ?, गोयमा ! छसु लेस्सासु होज्जा, तंजहा—कण्हलेसाए जाव सुक्कलेसाए ४ । से णं भंते ! कतिसु णाणेसु होज्जा ?, गोयमा ! तिसु वा चउसु वा होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु आभिणिबोहियनाण-सुयनाण-ओहिनाणेसु होज्जा, चउसु होज्जमाणे आभिणिबोहियनाण-सुयनाण-ओहिनाण-मणपज्जवनाणेसु होज्जा ५ । से णं भंते ! किं सयोगी होज्जा अयोगी होज्जा ?, एवं जोगोवओगो संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउयं च, एयाणि सव्वाणि जहा असोच्चाए तहेव भाणियव्वाणि ६ । से णं भंते ! किं सवेदए होज्जा ? अवेदए होज्जा ? पुच्छा, गोयमा ! सवेदए वा होज्जा अवेदए वा ७ । जइ अवेदए होज्जा किं उवसंतवेयए होज्जा खीणवेयए होज्जा ?, गोयमा ! नो उवसंतवेदए होज्जा खीणवेदए होज्जा ८ । जइ सवेदए होज्जा

किं इत्थीवेदए होज्जा पुरिसवेदए होज्जा नपुंसगवेदए वा होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए होज्जा ?, पुच्छा, गोयमा ! इत्थीवेदए वा होज्जा पुरिसवेदए वा होज्जा पुरिसनपुंसगवेदए होज्जा ९ । से णं भंते ! किं सकसाई होज्जा अकसाई वा होज्जा ?, गोयमा ! सकसाई वा होज्जा अकसाई वा होज्जा १० । जइ अकसाई होज्जा किं उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा ?, गोयमा ! नो उवसंतकसाई होज्जा खीणकसाई होज्जा ११ । जइ सकसाई होज्जा से णं भंते ! कतिसु कसाएसु होज्जा ?, गोयमा ! चउसु वा तिसु वा दोसु वा एक्कंमि वा होज्जा, चउसु होज्जमाणे चउसु संजलणकोहमाण-मायालोभेसु होज्जा, तिसु होज्जमाणे तिसु संजलणमाणमायालोभेसु होज्जा, दोसु होज्जमाणे दोसु संजलणमायालोभेसु होज्जा, एगंमि होज्जमाणे एगंमि संजलणे लोभे होज्जा १२ । तस्स णं भंते ! केवतिया अज्झवसाणा पण्णत्ता ?, गोयमा ! असंखेज्जा, एवं जहा असोच्चाए तहेव जाव केवलवरना-णदंसणे समुप्पज्जइ १३ । से णं भंते ! केवलिपन्नत्तं धम्मं आघवेज्ज वा पन्नवेज्ज वा परूवेज्ज वा ?, हंता आघवेज्ज वा पन्नवेज्ज वा परूवेज्ज वा १४ । से णं भंते ! पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ?, हंता गोयमा ! पव्वावेज्जा वा मुंडावेज्ज वा १५ । तस्स णं भंते ! सिस्सावि पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ?, हंता पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा १६ । तस्स णं भंते ! पसिस्सावि पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा ?, हंता पव्वावेज्ज वा मुंडावेज्ज वा १७ । से णं भंते ! सिज्झति बुज्झति जाव अंतं करेइ ?, हंता सिज्झइ वा जाव अंतं करेइ १८ । तस्स णं भंते ! सिस्सावि सिज्झंति जाव अंतं करेंति ?, हंता सिज्झंति जाव अंतं करेंति ११ । तस्स णं भंते ! पसिस्सावि सिज्झंति जाव अंतं करेंति, एवं चेव जाव अंतं करेंति २० । से णं भंते ! किं उड्ढं होज्जा ? जहेव असोच्चाए जाव तदेकदेसभाए होज्जा २१ । ते णं भंते ! एगसमएणं केवतिया होज्जा ?,

गोयमा ! जहन्नेणं एको वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं अट्ठसयं २२ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–सोच्चा णं केवलिस्स वा जाव केवलिउवासियाए वा जाव अत्थेगतिए केवलनाणं उप्पाडेज्जा अत्थेगतिए नो केवलनाणं उप्पाडेज्जा २३ । सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरइ २४ ॥ सूत्रं ३७० ॥ नवमसयस्स इगतीसइमो उद्देसो ॥

॥ इति नवमशतके एकत्रिंशत्तम उद्देशकः ॥ ९–३१ ॥

॥ अथ नवमशतके गाङ्गेयाख्य-द्वात्रिंशत्तमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नगरे होत्था वन्नओ, दूतिपलासे चेइए, सामी समोसढे, परिसा निग्गया, धम्मो कहिओ, परिसा पडिगया १ । तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जे गंगेए नामं अणगारे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी–संतरं भंते ! नेरइया उववज्जंति निरंतरं नेरइया उववज्जंति ?, गंगेया ! संतरंपि नेरइया उववज्जंति निरंतरंपि नेरइया उववज्जंति २ । संतरं भंते ! असुरकुमारा उववज्जंति निरंतरं असुरकुमारा उववज्जंति ?, गंगेया ! संतरंपि असुरकुमारा उववज्जंति निरंतरंपि असुरकुमारा उववज्जंति एवं जाव थणियकुमारा ३ । संतरं भंते ! पुढविकाइया उववज्जंति निरंतरं पुढविकाइया उववज्जंति ?, गंगेया ! नो संतरं पुढविकाइया उववज्जंति निरंतरं पुढविकाइया उववज्जंति, एवं जाव वणस्सइकाइया ४ । बेइंदिया जाव वेमाणिया एते जहा नेरइया ५ ॥ सूत्रं ३७१ ॥ संतरं भंते ! नेरइया उववट्टंति निरंतरं नेरइया उववट्टंति ?, गंगेया ! संतरंपि नेरइया उववट्टंति निरंतरंपि नेरइया उववट्टंति, एवं जाव थणियकुमारा १ । संतरं भंते ! पुढविकाइया उववट्टंति निरंतरं पुढविकाइया उववट्टंति ?

गंगेया ! णो संतरं पुढविकाइया उववट्टंति निरंतरं पुढविकाइया उव्वट्टंति, एवं जाव वणस्सइकाइया नो संतरं निरंतरं उव्वट्टंति २ । संतरं भंते ! बेइंदिया उव्वट्टंति निरंतरं बेंदिया उवट्टंति ?, गंगेया ! संतरंपि बेइंदिया उव्वट्टंति निरंतरंपि बेइंदिया उव्वट्टंति, एवं जाव वाणमंतरा ३ । संतरं भंते ! जोइसिया चयंति ? पुच्छा, गंगेया ! संतरंपि जोइसिया चयंति निरंतरंपि जोइसिया चयंति, एवं जाव वेमाणियावि ४ ॥ सूत्रं ३७२ ॥ कइविहे णं भंते ! पवेसणए पन्नत्ते ?, गंगेया ! चउव्विहे पवेसणए पन्नत्ते, तंजहा—नेरइयपवेसणए तिरियजोणियपवेसणए मणुस्सपवेसणए देवपवेसणए १ । नेरइयपवेसणए णं भंते ! कहविहे पन्नत्ते ?, गंगेया ! सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा—रयणप्पभा-पुढवि-नेरइयपवेसणए जाव अहेसत्तमा-पुढवि-नेरइयपवेसणए २ । एगे णं भंते ! नेरइए नेरइयपवेसणएणं पविसमाणे किं रयणप्पभाए होज्जा सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ?, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ३ । दो भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ?, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव एगे रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, एवं एक्केका पुढवी छड्डेयवा जाव अहवा एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ४ । तिन्नि भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा ?, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा, अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पभाए दो अहेसत्तमाए

होज्जा ६ अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा १७ अहवा दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २२ एवं जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया भणिया तहा सव्वपुढवीणं भाणियव्वा जाव अहवा दो तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा, ४–४–३–३–२–२–१–१ (४२) ५। अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा २ जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा ६ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा ७ एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९, अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा १० जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा १६ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा १७ जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा २० जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २२ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा २३ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २४ अहवा एगे

सक्करप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २५ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा २६ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमाए होज्जा २७ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २८ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा २९ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३० अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३१ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ३२ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३३ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३४ अहवा एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३५, ६ । चत्तारि भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा ? पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७, अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि सक्करप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा दो रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा १२, अहवा तिन्नि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा, एवं जाव अहवा तिन्नि रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८, अहवा एगे सक्करप्पभाए तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा, एवं जहेव रयणप्पभाए उवरिमाहिं समं चारियं तहा सक्करप्पभाएवि उवरिमाहिं समं चारेयव्वं १५, एवं एक्केक्काए समं चारियव्वं जाव अहवा तिन्नि तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२–१–६–३ (६३) ७। अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयणप्पभाए दो

सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा, एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए दो पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा ४ एवं एएणं गमएणं जहा तिराहं तियजोगो तहा भाणियव्वो जाव अहवा दो धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १०५, ८। अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा २ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए ५ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमाए होज्जा ६ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ७ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ८ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा ११ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा १४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १६

अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा १७ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ११ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २० अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा २१ एवं जहा रयणप्पभाए उवरिमाओ पुढवीओ चारियाओ तहा सक्करप्पभाएवि उवरिमाओ चारियव्वाओ जाव अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३० अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ३१ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३२ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३३ अहवा एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३४ अहवा एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३५, १। पंच भंते! नेरइया नेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा? पुच्छा, गंगेया! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७, १०। अहवा एगे रयणप्पभाए चत्तारि सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पभाए चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयणप्पभाए तिन्नि सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए तिन्नि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहेसत्तमाए होज्जा अहवा चत्तारि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा चत्तारि रयणप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे सक्करप्पभाए चत्तारि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जहा रयणप्पभाए समं उवरिमपुढवीओ चारियाओ तहा सक्करप्पभाएवि समं चारेयव्वाओ जाव अहवा

चत्तारि सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा एवं एक्केक्काए समं चारेयव्वाओ जाव अहवा चत्तारि तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ८४, ११। अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए तिन्नि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव दो रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए अहवा तिन्नि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा तिन्नि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए तिन्नि पंकप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा चउराहं तियासंजोगो भणितो तहा पंचराहवि तियासंजोगो भाणियव्वो नवरं तत्थ एगो संचारिज्जइ इह दोन्नि सेसं तं चेव जाव अहवा तिन्नि धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २१०, १२। अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए दो पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए दो अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए दो वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहेसत्तमाए ८, अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२

अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १६ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए दो धूमप्पभाए होज्जा १४०, १३ । एवं जहा चउण्हं चउक्कसंजोगो भणिओ तहा पंचण्हवि चउक्कसंजोगो भाणियव्वो, नवरं अब्भहियं एगो संचारेयव्वो (१४०), एवं जाव अहवा दो पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमाए होज्जा २ अहवा एगे रयणप्पभाए जाव एगे पंकप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ७ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ८ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ९ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १० अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए होज्जा ११ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १२ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे तमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १३ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए

होज्जा १४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे पंकप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा १५ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे तमाए होज्जा १६ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १७ अहवा एगे सक्करप्पभाए जाव एगे पंकप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १८ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १९ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा २० अहवा एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा २१, (४६२) १४ । छब्भंते ! नेरइया नेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा किं रयणप्पभाए होज्जा ? पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७, १५ । अहवा एगे रयणप्पभाए पंच सक्करप्पभाए वा होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए पंच वालुयप्पभाए वा होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पभाए पंच अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयणप्पभाए चत्तारि सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो रयणप्पभाए चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयणप्पभाए तिन्नि सक्करप्पभाए एवं एएणं कमेणं जहा पंचगहं दुयासंजोगो तहा छगहवि भाणियव्वो नवरं एक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव अहवा पंच तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १०५, १६ । अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए चत्तारि वालुयप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए चत्तारि पंकप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए चत्तारि अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए तिन्नि वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा पंचगहं तियासंजोगो भणिओ तहा छगहवि भाणियव्वो ३५०, १७ । नवरं एक्को अहिओ उच्चारेयव्वो सेसं तं चेव ३५०, १८ । चउक्कसंजोगोवि तहेव, पंचगसंजोगोवि तहेव, नवरं एक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव

पच्छिमो भंगो अहवा दो वालुयप्पभाए एगे पंकप्पभाए एगे धूमप्पभाए एगे तमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा १०५, ११। अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए जाव एगे तमाए होज्जा १ अहवा एगे रयणप्पभाए जाव एगे धूमप्पभाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा २ अहवा एगे रयणप्पभाए जाव एगे पंकप्पभाए एगे तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा ३ अहवा एगे रयणप्पभाए जाव एगे वालुयप्पभाए एगे धूमप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे पंकप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ५ अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ७, (१२४) २०। सत्त भंते! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा पुच्छा, गंगेया! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७, २१। अहवा एगे रयणप्पभाए छ सक्करप्पभाए होज्जा एवं एएणं कमेणं जहा छरूहं दुयासंजोगो तहा सत्तरूहंवि भाणियव्वं नवरं एगो अब्भहिओ संचारिज्जइ, सेसं तं चेव १२६, २२। तियासंजोगो ५२५ चउक्कसंजोगो ७०० पंचसंजोगो ३१५ छक्कसंजोगो ४२ य छरूहं जहा तहा सत्तरूहंवि भाणियव्वं २३। नवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो जाव छक्कगसंजोगो अहवा दो सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे जाव अहेसत्तमाए होज्जा (१७१६) २४। 'अट्ठ भंते! नेरतिया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा पुच्छा, गंगेया! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७, २५। अहवा एगे रयणप्पभाए सत्त सक्करप्पभाए होज्जा एवं दुयासंजोगो जाव छक्कसंजोगो य जहा सत्तरूहं भणिओ तहा अट्ठरूहवि भाणियव्वो नवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो सेसं तं चेव १४७, २६। जाव छक्कसंजोगस्स अहवा तिन्नि सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए

होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए जाव एगे तमाए दो अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए जाव दो तमाए एगे अहेसत्तमाए होज्जा एवं संचारेयव्वं जाव अहवा दो रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा ७३५, १२२५, ७३५, १४७, ७, (३००३), २७। नव भंते ! नेरतिया नेरतियपवेसणएणं पविसमाणा पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए अट्ठ सक्करप्पभाए होज्जा एवं दुयासंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा अट्ठगहं भणियं तहा नवगहंपि भाणियव्वं नवरं एक्केक्को अब्भहियो संचारेयव्वो, सेसं तं चेव पच्छिमो आलावगो अहवा तिन्नि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए एगे वालुयप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए वा होज्जा ७–१६८–९८०–११६०–१४७०–३१२–२८ (५००५), २८। दस भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पविसमाणा पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७ अहवा एगे रयणप्पभाए नव सक्करप्पभाए होज्जा एवं दुयासंजोगो जाव सत्तसंजोगो य जहा नवगहं नवरं एक्केक्को अब्भहिओ संचारेयव्वो सेसं तं चेव अपच्छिमआलावगो अहवा चत्तारि रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए जाव एगे अहेसत्तमाए होज्जा, ७–१८९–१२६०–२१४०–२६४६–८८२–८४ (८००८) २९ । संखेज्जा भंते ! नेरइया नेरइयप्पवेसणएणं पविसमाणा पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए वा होज्जा ७ अहवा एगे रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव अहवा एगे रयणप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए वा होज्जा एवं जाव अहवा दो रयणप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा एवं एएणं कमेणं एक्केक्को संचारेयव्वो जाव अहवा दस रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा एवं जाव

अहवा दस रयणप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा संखेज्जा रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा जाव अहवा संखेज्जा रयणप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जाएवं जहा रयणप्पभाए उवरिमपुढवीएहिं समं चारिया एवं सक्करप्पभाएवि उवरिमपुढवीएहिं समं चारेयव्वा, एवं एक्केका पुढवी उवरिमपुढवीएहिं समं चारेयव्वा जाव अहवा संखेज्जा तमाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा, ११। अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे सक्करप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए दो सक्करप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए तिन्नि सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं एक्केको संचारेयव्वो अहवा एगे रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा दो रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा दो रयणप्पभाए सखेज्जा सक्करप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा तिन्नि रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा, एवं एएणं कमेणं एक्केको रयणप्पभाए संचारेयव्वो जाव अहवा संखेज्जा रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए संखेज्जा वालुयप्पभाए होज्जा जाव अहवा संखेज्जा रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा जाव अहवा एगे रयणप्पभाए एगे वालुयप्पभाए संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा अहवा एगे रयणप्पभाए दो वालुयप्पभाए संखेज्जा पंकप्पभाए होज्जा २३१, एवं एएणं कमेणं तियासंजोगो ७३५ चउक्कसंजोगो १०८५·८६१-३५७ जाव सत्तगसंजोगो य

६१ जहा दसगहं तहेव भाणियव्वो पच्छिमो आलावगो सत्तसंजोगस्स अहवा संखेज्जा रयणप्पभाए संखेज्जा सक्करप्पभाए जाव संखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा (३३३७) ३० । असंखेज्जा भंते ! नेरइया नेरइयपवेसणएणं पुच्छा, गंगेया ! रयणप्पभाए वा होज्जा जाव अहेसत्तमाए होज्जा, अहवा एगे रयणप्पभाए असंखेज्जा सक्करप्पभाए होज्जा, एवं दुयासंजोगो जाव सत्तगसंजोगो य जहा संखिज्जाणं भणिओ तहा असंखेज्जाणवि भाणियव्वो, नवरं असंखेज्जाओ अब्भहिओ भाणियव्वो, सेसं तं चेव जाव सत्तगसंजोगस्स पच्छिमो आलावगो अहवा असंखेज्जा रयणप्पभाए असंखेज्जा सक्करप्पभाए जाव असंखेज्जा अहेसत्तमाए होज्जा, ७-२५२-८०५-११९०-१४५-३१२-६७ (३६५८) ३१ । उक्कोसेणं भंते ! नेरइया नेरतियपवेसणएणं पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव रयणप्पभाए होज्जा अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए य वालुयप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयणप्पभाए य अहेसत्तमाए होज्जा ६ । अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए य वालुयप्पभाए य होज्जा एवं जाव अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाएय अहेसत्तमाए य होज्जा ५ अहवा रयणप्पभाए वालुयप्पभाए पंकप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयणप्पभाए वालुयप्पभाए अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा रयणप्पभाए पंकप्पभाए धूमाए होज्जा एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा तिगहं तियासंजोगो भणिओ तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयणप्पभाए तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा १५ अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए पंकप्पभाए य होज्जा अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए धूमप्पभाए य होज्जा जाव अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए अहेसत्तमाए य होज्जा ४ अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए पंकप्पभाए धूमप्पभाए य होज्जा एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा चउगहं चउक्कसंजोगो तहा भाणियव्वं जाव अहवा रयणप्पभाए धूमप्पभाए तमाए अहेसत्तमाए होज्जा २० अहवा

रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए पंकप्पभाए धूमप्पभाए य होज्जा १ अहवा रयणप्पभाए जाव पंकप्पभाए तमाए य होज्जा २ अहवा रयणप्पभाए जाव पंकप्पभाए अहेसत्तमाए य होज्जा ३ अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए धूमप्पभाए तमाए य होज्जा ४ एवं रयणप्पभं अमुयंतेसु जहा पंचण्हं पञ्चकसंजोगो तहा भाणियव्वं १५ जाव अहवा रयणप्पभाए पंकप्पभाए जाव अहेसत्तमाए होज्जा अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए जाव धूमप्पभाए तमाए य होज्जा १ अहवा रयणप्पभाए जाव धूमप्पभाए अहेसत्तमाए य होज्जा २ अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए जाव पंकप्पभाए तमाए य अहेसत्तमाए य होज्जा ३ अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए वालुयप्पभाए धूमप्पभाए तमाए अहेसत्तमाए होज्जा ४ अहवा रयणप्पभाए सक्करप्पभाए पंकप्पभाए जाव अहेसत्तमाए य होज्जा ५ अहवा रयणप्पभाए वालुयप्पभाए जाव अहेसत्तमाए होज्जा ६ अहवा रयणप्पभाए य सक्करप्पभाए जाव अहेसत्तमाए य होज्जा १ (६३) ३२ । एयस्स णं भंते ! रयणप्पभा-पुढवि-नेरइय-पवेसणगस्स सक्करप्पभा-पुढवि-नेरइय-पवेसणगस्स जाव अहेसत्तमा-पुढवि-नेरइय-पवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गंगेया ! सव्वत्थोवे अहेसत्तमा-पुढवि-नेरइय-पवेसणए तमापुढवि-नेरइय-पवेसणए असंखेज्जगुणे एवं पडिलोमगं जाव रयणप्पभा-पुढवि-नेरइय-पवेसणए असंखेज्जगुणे ३३ ॥ सूत्रं ३७३ ॥ तिरिक्खजोणियपवेसणए णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गंगेया ! पंचविहे पन्नत्ते, तंजहा—एगिंदिय-तिरिक्ख-जोणिय-पवेसणए जाव पंचेंदिय-तिरिक्खजोणिय-पवेसणए १ । एगे भंते ! तिरिक्खजोणि एतिरिक्खजोणिय-पवेसणएणं पविसमाणे किं एगिंदिएसु होज्जा जाव पंचिंदिएसु होज्जा ?, गंगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा २ । दो भंते ! तिरिक्खजोणिया पुच्छा, गंगेया ! एगिंदिएसु वा होज्जा जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा, अहवा एगे

एगिंदिएसु होज्जा एगे बेइंदिएसु होज्जा एवं जहा नेरइयपवेसणए तहा तिरिक्खजोणियपवेसणएवि भाणियव्वे जाव असंखेज्जा ३ । उक्कोसा भंते ! तिरिक्खजोणिया पुच्छा गंगेया ! सव्वेवि ताव एगिंदिएसु होज्जा अहवा एगिंदिएसु वा बेइंदिएसु वा होज्जा, एवं जहा नेरतिया चारिया तहा तिरिक्खजोणियावि चारेयव्वा, एगिंदिया अमुञ्चंतेसु दुयासंजोगो तियासंजोगो चउक्कसंजोगो पंचसंजोगो उवउज्जिऊण भाणियव्वो जाव अहवा एगिंदिएसु वा बेइंदिय जाव पंचिंदिएसु वा होज्जा ४ । एयस्स णं भंते ! एगिंदिय-तिरिक्खजोणिय-पवेसणगस्स जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियपवेसणयस्स कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गंगेया ! सव्वत्थोवे पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिय-पवेसणए चउरिंदिय-तिरिक्खजोणियपवेसणए विसेसाहिए तेइंदियतिरिक्खजोणिय-पवेसणए विसेसाहिए बेइंदियतिरिक्खजोणिय-पवेसणए विसेसाहिए एगिंदियतिरिक्ख-जोणिय-पवेसणए विसेसाहिए ५ ॥ सू ३७४ ॥ मणुस्सपवेसणए णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गंगेया ! दुविहे पन्नत्ते, तंजहा—संमुच्छिम-मणुस्सपवेसणए गब्भवक्कंतिय-मणुस्सपवेसणए य १ । एगे भंते ! मणुस्से मणुस्सपवेसणएणं पविसमाणे किं संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ?, गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा २ । दो भंते ! मणुस्सा पुच्छा, गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भववकंतियमणुस्सेसु वा होज्जा अहवा एगे संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा एगे गब्भवक्कंतिय-मणुस्सेसु वा होज्जा, एवं एएणं कमेणं जहा नेरइयपवेसणए तहा मणुस्सपवेसणएवि भाणियव्वे जाव दस ३ । संखेज्जा भंते ! मणुस्सा पुच्छा, गंगेया ! संमुच्छिममणुस्सेसु वा होज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा अहवा एगे संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतिय-

मणुस्सेसु वा होज्जा अहवा दो संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा एवं एक्केक्कं उस्सारितेसु जाव अहवा संखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ४। असंखेज्जा भंते ! मणुस्सा पुच्छा, गगेया ! सव्वेवि ताव संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा अहवा असंखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु एगे गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा अहवा असंखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु दो गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा एवं जाव असंखेज्जा संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा संखेज्जा गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु होज्जा ५। उक्कोसा भंते ! मणुस्सा पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव संमुच्छिममणुस्सेसु होज्जा अहवा संमुच्छिममणुस्सेसु य गब्भवक्कंतियमणुस्सेसु वा होज्जा ६। एयस्स णं भंते ! संमुच्छिम-मणुस्सपवेसणगस्स गब्भवक्कंतिय-मणुस्सपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया ?, गंगेया ! सव्वत्थोवा गब्भवक्कंतिय–मणुस्सपवेसणए संमुच्छिम–मणुस्सपवेसणए असंखेज्जगुणे ७॥ सूत्रं ३७५॥ देवपवेसणए णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गंगेया ! चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–भवणवासिदेव-पवेसणए जाव वेमाणिय-देवपवेसणए १। एगे भंते ! देवपवेसणएणं पविसमाणे किं भवणवासीसु होज्जा वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएसु होज्जा ?, गंगेया ! भवणवासीसु वा होज्जा वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएसु वा होज्जा २। दो भंते ! देवा देवपवेसणए पुच्छा, गंगेया ! भवणवासीसु वा होज्जा वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिएसु वा होज्जा अहवा एगे भवणवासीसु एगे वाणमंतरेसु होज्जा एवं जहा तिरिक्ख-जोणियपवेसणए तहा देवपवेसणएवि भाणियव्वे जाव असंखेज्जत्ति ३। उक्कोसा भंते ! पुच्छा, गंगेया ! सव्वेवि ताव जोइसिएसु होज्जा अहवा जोइसिय-भवणवासीसु य होज्जा अहवा जोइसिय-वाणमंतरेसु य होज्जा अहवा जोइसिय-वेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वाणमंतरेसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासिसु य वेमाणिएसु य होज्जा अहवा

जोइसिएसु वाणमंतरेसु वेमाणिएसु य होज्जा अहवा जोइसिएसु य भवणवासीसु य वाणमंतरेसु य वेमाणिएसु य होज्जा ४। एयस्स णं भंते ! भवणवासि देवपवेसणगस्स वाणमंतर-देवपवेसणगस्स जोइसिय-देवपवेसणगस्स वेमाणिय-देवपवेसणगस्स य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गंगेया ! सव्वत्थोवे वेमाणिय-देवपवेसणए भवणवासि-देवपवेसणए असंखेज्जगुणे वाणमंतर-देवपवेसणए असंखेज्जगुणे जोइसिय-देवपवेसणए संखेज्जगुणे ५ ॥सूत्रं ३७६॥ एयस्स णं भंते ! नेरइयपवेसणगस्स तिरिक्खपवेसणगस्स मणुस्सपवेसणगस्स देवपवेसणगस्स कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिए वा ?, गंगेया ! सव्वत्थोवे मणुस्सपवेसणए नेरइयपवेसणए असंखेज्जगुणे देवपवेसणए असंखेज्जगुणे तिरिक्खजोणियपवेसणए असंखेज्जगुणे ॥सूत्रं ३७७॥ संतरं भंते ! नेरइया उववज्जंति ? निरंतरं नेरइया उववज्जंति ? संतरं असुरकुमारा उववज्जंति ? निरंतरं असुरकुमारा उववज्जंति ? जाव संतरं वेमाणिया उववज्जंति ? निरंतरं वेमाणिया उववज्जंति ? संतरं नेरइया उववट्टंति निरंतरं नेरतिया उववट्टति ? जाव संतरं वाणमंतरा उववट्टंति ? निरंतरं वाणमंतरा उववट्टंति ? संतरं जोइसिया चयंति ? निरंतरं जोइसिया चयंति ? संतरं वेमाणिया चयंति ? निरंतरं वेमाणिया चयंति ?, गंगेया ! संतरंपि नेरतिया उववज्जंति निरंतरं नेरतिया उववज्जंति जाव संतरंपि थणियकुमारा उववज्जंति निरंतरं थणियकुमारा उववज्जंति नो संतरंपि पुढविकाइया उववज्जंति निरंतरं पुढविकाइया उववज्जंति एवं जाव वणस्सइकाइया सेसा जहा नेरइया जाव संतरंपि वेमाणिया उववज्जंति निरंतरंपि वेमाणिया उववज्जंति, संतरंति नेरइया उववट्टंति निरंतरंपि नेरइया उववट्टंति एवं जाव थणियकुमारा नो संतरं पुढविकाइया उववट्टंति निरंतरं पुढविकाइया उववट्टंति एवं जाव वणस्सइकाइया सेसा जहा नेरइया, नवरं जोइसियवेमाणिया चयंति अभिलावो, जाव संतरंपि वेमाणिया चयंति निरंतरं वेमाणिया चयंति १। संतो भंते ! नेरतिया उव-

वज्जंति असंतो भंते ! नेरइया उववज्जंति ?, गंगेया ! संतो नेरइया उववज्जंति नो असंतो नेरइया उववज्जंति, एवं जाव वेमाणिया २ । संतो भंते ! नेरतिया उववट्टंति असंतो नेरइया उववट्टंति ?, गंगेया ! संतो नेरइया उववट्टंति नो असंतो नेरइया उववट्टंति, एवं जाव वेमाणिया, नवरं जोइसियवेमाणिएसु चयंति भाणियव्वं ३ । सञ्ञो भंते ! नेरइया उववट्टंति असंतो भंते ! नेरइया उववट्टंति ? संतो असुरकुमारा उववट्टंति ? जाव सतो वेमाणिया उववज्जंति ? असतो वेमाणिया उववज्जंति ? सतो नेरतिया उववट्टंति ? असतो नेरइया उववट्टंति ? संतो असुरकुमारा उववट्टंति जाव संतो वेमाणिया चयंति ? असतो वेमाणिया चयंति ?, गंगेया ! सतो नेरइया उववज्जंति नो असञ्ञो नेरइया उववट्टंति सञ्ञो असुरकुमारा उववज्जंति नो असतो असुरकुमारा उववज्जंति जाव सञ्ञो वेमाणिया उववज्जंति नो असतो वेमाणिया उववज्जंति सतो नेरतिया उववट्टंति नो असतो नेरइया उववज्जंति जाव सतो वेमाणिया चयंति नो असतो वेमाणिया चयंति, ४ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सतो नेरइया उववज्जंति नो असतो नेरइया उववज्जंति जाव सञ्ञो वेमाणिया चयंति नो असञ्ञो वेमाणिया चयंति ?, से नूणं भंते ! गंगेया ! पासेणं अरहया पुरिसादाणीएणं सासए लोए बुइए अणादीए अणवयग्गे जहा पंचमसए जाव जे लोकइ से लोए, से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ जाव सतो वेमाणिया चयंति नो असतो वेमाणिया चयंति ५ । सयं भंते ! एवं जाणह उदाहु असयं ? असोच्चा एते एवं जाणह उदाहु सोच्चा ? सतो नेरइया उववज्जंति नो असतो नेरइया उववज्जंति ? जाव सञ्ञो वेमाणिया चयंति नो असञ्ञो वेमाणिया चयंति ?, गंगेया ! सयं एते एवं जाणामि नो असयं, असोच्चा एते एवं जाणामि नो सोच्चा, सतो नेरइया उववज्जंति नो असञ्ञो नेरइया उववज्जंति जाव सतो वेमाणिया चयंति, नो असतो वेमाणिया

चयंति ६ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव नो असतो वेमाणिया चयंति ?, गंगेया ! केवली णं पुरच्छिमेणं मियंपि जाणइ अमियंपि जाणइ दाहिणेणं एवं जहा सगडुद्देसए जाव निव्वुडे नाणे केवलिस्स, से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव नो असतो वेमाणिया चयंति ७ । सयं भंते ! नेरइया नेरइएसु उववज्जंति असयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति ?, गंगेया ! सयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति नो असयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति ८ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव उववज्जंति ?, गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मगुरुयत्ताए कम्मभारियत्ताए कम्मगुरुसंभारियत्ताए असुभाणं कम्माणं उदएणं असुभाणं कम्माणं विवागेणं असुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति नो असयं नेरइया नेरइएसु उववज्जंति, से तेणट्ठेणं गंगेया ! जाव उववज्जंति ९ । सयं भंते ! असुरकुमारा पुच्छा, गंगेया ! सयं असुरकुमारा जाव उववज्जंति नो असयं असुरकुमारा जाव उववज्जंति १० । से केणट्ठेणं तं चेव जाव उववज्जंति ?, गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मोवसमेणं कम्मविगतीए कम्मविसोहीए कम्मविसुद्धीए सुभाणं कम्माणं उदएणं सुभाणं कम्माणं विवागेणं सुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं असुरकुमारा असुरकुमारत्ताए जाव उववज्जंति नो असयं असुरकुमारा असुरकुमारत्ताए उववज्जंति से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति एवं जाव थणियकुमारा ११ । सयं भंते ! पुढविकाइया पुच्छा, गंगेया ! सयं पुढविकाइया जाव उववज्जंति नो असयं पुच्छा जाव उववज्जंति १२ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव उववज्जंति ?, गंगेया ! कम्मोदएणं कम्मगुरुयत्ताए कम्मभारियत्ताए कम्मगुरुसंभारियत्ताए सुभासुभाणं कम्माणं उदएणं सुभासुभाणं कम्माणं विवागेणं सुभासुभाणं कम्माणं फलविवागेणं सयं पुढविकाइया जाव उववज्जंति नो असयं पुढविकाइया जाव उववज्जंति, से तेणट्ठेणं जाव उववज्जंति १३ । एवं जाव मणुस्सा, वाणमंतरजोइसिया

वेमाणिया जहा असुरकुमारा, से तेणट्ठेणं गंगेया ! एवं वुच्चइ सयं वेमाणिया जाव उववज्जंति नो असयं जाव उववज्जंति १४ ॥ सूत्रं ३७८ ॥ तप्पभिइं च णं से गंगेये अणगारे समणं भगवं महावीरं पच्चभिजाणइ सव्वन्नु सव्वदरिसी १ । तए णं से गंगेये अणगारे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ करेत्ता वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–इच्छामि णं भंते ! तुज्झं अंतियं चाउज्जामाओ धम्माओ पंचमहव्वइयं एवं जहा कालासवेसियपुत्तो तहेव भाणियव्वं जाव सव्वदुक्खप्पहीणे २ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ३७९ ॥ गंगेयो समत्तो ॥

॥ इति नवमशतके द्वात्रिंशत्तम उद्देशकः ॥ ९–३२ ॥

॥ अथ नवमशतके ब्राह्मणकुण्डग्रामाख्य-त्रयस्त्रिंशत्तमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं माहणकुंडग्गामे नयरे होत्था वन्नओ, बहुसालए चेतिए वन्नओ, तत्थ णं माहणकुंडग्गामे नयरे उसभदत्ते नामं माहणे परिवसति अड्ढे दित्ते वित्ते जाव अपरिभूए, रिउवेदजजुवेदसामवेद-अथव्वणवेद जहा खंदओ जाव अन्नेसु य बहुसु बंभन्नएसु नएसु सुपरिनिट्ठिए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे उवलद्धपुण्णपावे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरति, तस्स णं उसभदत्तमाहणस्स देवाणंदा नामं माहणी होत्था, सुकुमालपाणिपाया जाव पियदंसणा सुरूवा समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुन्नपावा जाव विहरइ १ । तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे, परिसा जाव पज्जुवासति, तए णं से उसभदत्ते माहणे इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठ जाव हियए जेणेव देवाणंदा माहणी तेणेव उवागच्छति २ देवाणंदं माहणिं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिए ! समणे भगवं महावीरे आदिगरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव सुहंसुहेणं विहरमाणे बहुसालए चेइए अहापडि-

रूपं जाव विहरति, तं महाफलं खलु देवाणुप्पिए ! जाव तहारूवाणं अरिहंताणं भगवंताणं नामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमण-वंदण-नमंसण-पडिपुच्छण-पज्जुवासणयाए ?, एगस्सवि आयरियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवणयाए किमंग पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए ?, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिए ! समणं भगवं महावीरं वंदामो नमंसामो जाव पज्जुवासामो, एयण्णं इहभवे य परभवे य हियाए सुहाए खमाए निस्सेसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइ २ । तए णं सा देवाणंदा माहणी उसभदत्तेणं माहणेणं एवं वुत्ता समाणी हट्ठ जाव हियया करयल जाव कट्टु उसभदत्तस्स माहणस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेइ ३ । तए णं से उसभदत्ते माहणे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ कोडुंबियपुरिसे सद्दावेत्ता एवं वयासि—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! लहुकरण-जुत्त-जोइय-समखुर-वालिहाण-समलिहियसिंगेहिं जंबूणयामय-कलाव-जुत्त-परिविसिट्ठेहिं रययामय-घंटा-सुत्तरज्जुय-पवरकंचणनत्थ-पग्गहोग्गहियएहिं नीलुप्पल-कयामेलएहिं पवरगोण-जुवाणएहिं नाणामणि-रयण-घंटिया-जालपरिगयं सुजाय-जुगजोत्त-रज्जुय-जुग-पसत्थ-सुविरचित-निम्मियं पवरलक्खणोववेयं [ग्रन्थाग्रम् ६०००] धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेह २ मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ४ । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा उसभदत्तेणं माहणेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठ जाव हियया करयल जाव एवं सामी ! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव लहुकरणजुत्त जाव धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेत्ता जाव तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति ५ । तए णं से उसभदत्ते माहणे गहाए जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमति साओ गिहाओ पडिनिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढे ६ । तए णं सा देवाणंदा माहणी अंतो अंतेउरंसि गहाया कयबलिकम्मा कय-

कोउयमंगल-पायच्छित्ता किंच वरपादपत्तनेउर-मणिमेहलाहार विरइय-उचिय-कडग- खुड्डाग--एकावली--कंठसुत्त--उरत्थ--गेवेज्ज-सोणिसुत्तग--नाणामणिरयण-भूसण-विराइयंगी चीणंसुय-वत्थ-पवर-परिहिया दुगुल्ल--सुकुमाल--उत्तरिज्जा सव्वोउय-सुरभि-कुसुम-वरियसिरया वरचंदणवंदिया वराभरणभूसियंगी काला-गुरुधूवधूविया सिरिसमाणवेसा जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा बहूहिं खुज्जाहिं चिलाइयाहिं वामणियाहिं वडहियाहिं बब्बरियाहिं पउसियाहिं ईसिगणियाहिं वासगणियाहिं जोणिह(जोणि)याहिं (चारुगणियाहिं) पल्ल-(ल्ह)वियाहिं ल्हासियाहिं लउसियाहिं आरबीहिं दमिलीहिं सिंघलीहिं पुलिंदीहिं पुक्कणी(क्कली)हिं बहलीहिं मुरुंडीहिं सबरीहिं पारसीहिं नाणा-देसीहिं विदेसपरिपिंडियाहिं (नाणादेसविदेसपरिपिंडियाहिं) सदेस-नेवत्थ-गहियवेसाहिं इंगित-चिंतित-पत्थिय-वियाणियाहिं कुसलाहिं विणीयाहि य चेडिया-चक्कवाल-वरिसधर--थेरकंचुइज्ज-महत्तरग--वंदपरिक्खित्ता अंतेउराओ निग्गच्छति अंतेउराओ निग्गच्छित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता जाव धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा ७। तए णं से उसभदत्ते माहणे देवाणंदाए माहणीए सद्धिं धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढे समाणे णियग परियाल-संपरिवुडे माहणकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छइत्ता जेणेव बहुसालए चेइए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता छत्ताईए तित्थ-करातीसए पासइ २ धम्मिमं जाणप्पवरं ठवेइ २ त्ता धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ २ समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छति, तंजहा–सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए एवं जहा बितियसए जाव तिविहाए पज्जुवासणयाए पज्जुवासति ८। तए णं सा देवाणंदा माहणी धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुभति धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरु-भित्ता बहूयाहिं खुज्जाहिं जाव महत्तरग-वंदपरिक्खित्ता समणं भगवं

महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तंजहा—सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए, अचित्ताणं दव्वाणं अविमोयणयाए, विणओणयाए गायलट्ठीए, चक्खुफासे अंजलिपग्गहेणं, मणस्स एगत्तीभावकरणेणं, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता उसभदत्तं माहणं पुरओ कट्टु ठिया चेव सपरिवारा सुस्सूसमाणी णमंसमाणी अभिमुहा विणएणं पंजलिउडा जाव पज्जुवासइ १ ॥ सूत्रं ३८० ॥ तए णं सा देवाणंदा माहणी आगयपण्हाया पप्फुयलोयणा संवरिय-वलयबाहा कंचुय-परिक्खित्तिया धाराहय-कलंबगंपिव समूसविय-रोमकूवा समणं भगवं महावीरं अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठति १ । भंते! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी—किण्णं भंते ! एसा देवाणंदा माहणी आगयपण्हया तं चेव जाव रोमकूवा देवाणुप्पिए अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ ?, गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी—एवं खलु गोयमा ! देवाणंदा माहणी मम अम्मगा, अहन्नं देवाणंदाए माहणीए अत्तए, तए णं सा देवाणंदा माहणी तेणं पुव्वपुत्त-सिणेहाणुराएणं आगयपण्हया जाव समूसवियरोमकूवा मम अणिमिसाए दिट्ठीए देहमाणी २ चिट्ठइ २ ॥ सूत्रं ३८१ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे उसभदत्तस्स माहणस्स देवाणंदाए माहणीए तीसे य महतिमहालियाए इसिपरिसाए जाव परिसा पडिगया १ । तए णं से उसभदत्ते माहणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वदासी—एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! जहा खंदओ जाव सेयं तुज्झे वदहत्ति कट्टु उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ उत्तरपुच्छिमं दिसीभागं अवक्कमित्ता सयमेव आभरण-मल्लालंकारं ओमुयइ सयमेव

आभरण-मल्लालंकारं ओमुइत्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेति सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वयासी—आलित्ते णं भंते ! लोए, पलित्ते णं भंते ! लोए, आलित्तपलित्ते णं भंते ! लोए जराए मरणेण य २ । एवं एएणं कमेणं इमं जहा खंदओ तहेव पव्वइओ जाव सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ जाव बहूहिं चउत्थ-छट्ठट्ठम-दसम जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणइ २ मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेति २ त्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेति २ त्ता जस्सट्ठाए कीरति नग्गभावो जाव तमट्ठं आराहइ जाव तमट्ठं आराहेत्ता तए णं सो जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ३ । तए णं सा देवाणंदा माहणी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं जाव नमंसित्ता एवं वयासि—एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! एवं जहा उसभदत्तो तहेव जाव धम्माइक्खियं ४ । तए णं समणे भगवं महावीरे देवाणंदं माहणिं सयमेव पव्वावेति सयमेव मुंडावेति २ सयमेव अज्जचंदणाए अज्जाए सीसिणित्ताए दलयइ ५ । तए णं सा अज्जचंदणा अज्जा देवाणंदं माहणिं सयमेव पव्वावेति सयमेव मुंडावेति सयमेव सेहावेति एवं जहेव उसभदत्तो तहेव अज्जचंदणाए अज्जाए इमं एयारूवं धम्मियं उवदेसं सम्मं संपडिवज्जइ तमाणाए तह गच्छइ जाव संजमेणं संजमति ६ । तए णं सा देवाणंदा अज्जा अज्जचंदणाए अज्जाए अंतियं सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, सेसं तं चेव जाव सव्वदुक्खप्पहीणा ७ ॥ सूत्रं ३८२ ॥ तस्स णं माहणकुंडग्गामस्स नगरस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं खत्तियकुंडग्गामे नामं नगरे होत्था वन्नओ, तत्थ णं खत्तियकुंडग्गामे नयरे जमालीनामं खत्तियकुमारे परिवसति अड्ढे दित्ते जाव अपरिभूए

उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुइंगमत्थएहिं बत्तीसतिबद्धेहिं नाडएहिं णाणाविह-वरतरुणीसंपउत्तेहिं उवनच्चिज्जमाणे उवनच्चिज्जमाणे उवगिज्जमाणे २ उवलालिज्जमाणे २ पाउस-वासारत्त-सरद-हेमंत-वसंत-गिम्हपज्जंते छप्पि-उऊ जहा विभवेणं माणमाणे २ कालं गालेमाणे इट्ठे सद्दफरिसरसरूवगंधे पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विहरइ १। तए णं खत्तिय-कुंडग्गामे नगरे सिंघाडग-तिय-चउक्क-चच्चर जाव बहुजणसद्दे इ वा जहा उववाइए जाव एवं पन्नवेइ एवं परूवेइ—एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे आइगरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी माहणकुंडग्गामस्स नगरस्स बहिया बहुसालए चेइए अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं महप्फलं खलु देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं जहा उववाइए जाव एगाभिमुहे खत्तिय-कुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छंति निग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंड-ग्गामे नगरे जेणेव बहुसालए चेइए एवं जहा उववाइए जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासंति २। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स तं महया जणसद्दं वा जाव जणसन्निवायं वा सुणमाणस्स वा पासमाणस्स वा अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—किन्नं अज्ज खत्तियकुंडग्गामे नगरे इंदमहेइ वा खंदमहेइ वा मुगुंदमहेइ वा णागमहेइ वा जक्खमहेइ वा भूयमहेइ वा कूवमहेइ वा तडागमहेइ वा नईमहेइ वा दहमहेइ वा पव्वयमहेइ वा रुक्खमहेइ वा चेइयमहेइ वा थूभमहेइ वा ? जण्णं एए बहवे उग्गा भोगा राइन्ना इक्खागा णाया कोरव्वा खत्तिया खत्तियपुत्ता भडा भडपुत्ता जहा उववाइए जाव सत्थवाहप्पभिइओ राहाया कयबलिकम्मा जहा उववाइए जाव निग्गच्छंति ?, एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेति २ त्ता एवं वयासी—किण्हं देवाणुप्पिया ! अज्ज खत्तियकुंडग्गामे नगरे इंदमहेइ वा जाव निग्गच्छंति ?, ३। तए णं से कंचुइज्जपुरिसे जमालिणा खत्तियकुमारेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणस्स भगवओ महावीरस्स

आगमण-गहिय-विणिच्छए करयल जाव जमालिं खत्तियकुमारं जएणं विजएणं वद्धावेइ वद्धावेत्ता एवं वयासी—णो खलु देवाणुप्पिया ! अज्ज खत्तियकुंडग्गामे नयरे इंदमहेइ वा जाव निग्गच्छंति, एवं खलु देवाणुप्पिया ! अज्ज समणे भगवं महावीरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी माहणकुंडग्गामस्स नयरस्स बहिया बहुसालए चेइए अहापडिरूवं उग्गहं जाव विहरति, तए णं एए बहवे उग्गा भोगा जाव अप्पेगइया वंदणवत्तियं जाव निग्गच्छंति ४ । तए णं से जमालिय-खत्तियकुमारे कंचुइज्जपुरिसस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ कोडुंबियपुरिसे सद्दावइत्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चाउग्घंटं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ५ । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिणा खत्तियकुमारेणं एवं वुत्ता समाणा जाव पच्चप्पिणंति ६ । तए णं से जमालियखत्तियकुमारे जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता ण्हाए कयबलिकम्मे जहा उववाइए परिसावन्नओ तहा भाणियव्वं जाव चंदणाकिन्नगायसरीरे सव्वालंकारविभूसिए मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ मज्जणघराओ पडिनिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरूहेइ २ त्ता सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं महया भडचडकर-पहकर-वंद-परिक्खित्ते खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे नगरे जेणेव बहुसालए चेइए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तुरए निगिण्हेइ २ त्ता रहं ठवेइ रहं ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहति २ त्ता पुप्फतंबोलाउहमादीयं वाहणाओ य विसज्जेइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ एगसाडियं उत्तरासंगं करेत्ता आयंते चोक्खे परमसुइब्भूए अंजलिमउलियहत्थे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो

आयाहिणपयाहिणं करेइ २ त्ता जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ ७। तए णं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स खत्तियकुमारस्स तीसे य महतिमहालियाए इसि जाव धम्मकहा जाव परिसा पडिगया ८। तए णं ते जमाली खत्तियकुमारे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वयासी—सद्दहामि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, पत्तयामि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, रोएमि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, अब्भुट्ठेमि णं भंते ! निग्गंथं पावयणं, एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! जाव से जहेयं तुब्भे (तुज्झे) वदह, जं नवरं देवाणुप्पिया ! अम्मापियरो आपुच्छामि, तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि ९। अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह १० ॥सूत्रं ३८३॥ तए णं से जमाली खत्तियकुमारे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता तमेव चाउग्घंटं आसरहं दुरूहेइ दुरूहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ बहुसालाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता सकोरंट जाव धरिज्जमाणेणं महया भडचडगर जाव परिक्खित्ते जेणेव खत्तियकुंडग्गामे नयरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तुरए निगिण्हइ तुरए निगिण्हित्ता रहं ठवेइ रहं ठवेत्ता रहाओ पच्चोरुहइ रहाओ पच्चोरुहित्ता जेणेव अब्भितरिया उवट्ठाणसाला जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अम्मापियरो जएणं विजएणं वद्धावेइ वद्धावेत्ता एवं वयासी—एवं खलु अम्मताओ ! मए समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मे निसंते, सेवि य मे धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए ११। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं

वयासि–धन्नेसि णं तुमं जाया ! कयत्थेसि णं तुमं जाया ! कयपुन्नेसि णं तुमं जाया ! कयलक्खणेसि णं तुमं जाया ! जन्नं तुमे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मे निसंते सेवि य ते धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए २। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो दोच्चंपि एवं वयासी–एवं खलु मए अम्मताओ समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मे निसंते जाव अभिरुइए, तए णं अहं अम्मताओ ! संसारभउव्विग्गे भीए जम्मजरामरणाणं, तं इच्छामि णं अम्म ! ताओ ! तुज्झेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ३। तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माता तं अणिट्ठं अकंतं अप्पियं अमणुन्नं अमणामं असुयपुव्वं गिरं सोच्चा निसम्म सेयागय-रोमकूव-पगलंत-विलीणगत्ता सोगभर-पवेवियंगमंगी नित्तेया दीणविमणवयणा करयलमलियव्व कमलमाला तक्खण-ओलुग्ग-दुब्बल-सरीर-लावन्न-सुन्न-निच्छाया गयसिरीया पसिढिल-भूसण-पडंत-खुरिणय-संचुन्निय-धवलवलय-पब्भट्ठउत्तरिज्जा मुच्छावस-णट्ठ-चेतगरुई सुकुमाल-विकिन्न-केसहत्था परसुणियत्तव्व चंपगलया निव्वत्तमहे व्व इंदलट्ठी विमुक्कसंधिबंधणा कोट्टिमतलंसि धसत्ति सव्वंगेहिं संनिवडिया, तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया ससंभमोयत्तियाए तुरियं कंचण-भिंगार-मुहविणिग्गय-सीयल-विमल-जलधारा-परिसिंचमाण-निव्वविय-गायलट्ठी उक्खेवग-तालियंट-वीयणग-जणियवाएणं सकुसिएणं अंतेउरपरिजणेणं आसासिया समाणी रोयमाणी कंदमाणी सोयमाणी विलवमाणी जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी–तुमंसि णं जाया ! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते पिए मणुन्ने मणामे थेज्जे वेसासिए संमए बहुमए अणुमए भंड-करंडग-समाणे रयणे रयणब्भूए जीविऊसविये हिययानंदिजणणे उंबरपुप्फमिव दुल्लभे सवणयाए किमंग पुण पासणयाए ?, तं नो खलु जाया ! अम्हे इच्छामो तुज्झं खणमवि विप्पओगं, तं अच्छाहि ताव

जाया ! जाव ताव अम्हे जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं कालगएहिं समाणेहिं परिणयवये वड्ढिय-कुल-वंस-तंतु-कज्जंमि निरवयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइहिसि ४। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्म ! ताओ ! जण्णं तुज्झे मम एवं वदह तुमंसि णं जाया ! अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते तं चेव जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्म ! ताओ ! माणुस्सए भवे अणेग-जाइ-जरा-मरण-रोग-सारीर-माणस्स-प(ए)काम-दुक्खवेयण-वसण-सतोवद्दवाभिभूए अधुए अणितिए असासए संज्झब्भ-राग-सरिसे जल-बुब्बुद-समाणे कुसग्ग-जलबिंदु-सन्निभे सुविणग-दंसणोवमे विज्जुलयाचंचले अणिच्चे सडणपडण-विद्धंसणधम्मे पुव्वि वा पच्छा वा अवस्सविप्पजहियव्वे भविस्सइ, से केस णं जाणइ अम्म ! ताओ ! के पुव्वि गमणयाए के पच्छा गमणयाए ?, तं इच्छामि णं अम्मताओ ! तुज्झेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए ५। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी—इमं च ते जाया ! सरीरगं पविसिट्ठरूवं लक्खण-वंजण-गुणोववेयं उत्तम-बलवीरिय-सत्तजुत्तं विण्णाण-वियक्खणं ससोहग्ग-गुणसमुस्सियं अभिजाय-महक्खमं निरुवहय-उदत्तलट्ठ-पंचिंदिय-पडुं विविह-वाहि-रोगरहियं पढमजोव्वणत्थं अणेगउत्तमगुणेहिं संजुत्तं तं अणुहोहि ताव जाव जाया ! नियग-सरीररूव-सोहग्ग-जोव्वणगुणे, तओ पच्छा अणुभूय-नियग-सरीर-रूव-सोहग्ग-जोव्वणगुणो अम्हेहिं कालगएहिं समाणेहिं परिणयवये वड्ढिय-कुलवंस-तंतुकज्जंमि निरवयक्खे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइहिसि ६। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्मताओ ! जन्नं तुज्झे ममं एवं वदह—इमं च णं ते जाया ! सरीरगं तं चेव जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्मताओ ! माणुस्सगं सरीरं दुक्खाययणं

विविहवाहिसय-संनिकेतं अट्ठिय-कट्ठट्ठियं छिरा गहारु-जाल-ओणद्ध संपिणद्धं मट्टियभंडं व दुब्बलं असुइ-संकिलिट्ठं अणिट्ठविय-सव्वकाल-संठप्पयं जरा-कुणिम-जज्जरघरं व सडण-पडण-विद्धंसण-धम्मं पुव्वि वा पच्छा वा अवस्स-विप्पजहियव्वं भविस्सइ, से केस णं जाणति ? अम्मताओ ! के पुव्वि तं चेव जाव पव्वइत्तए ७। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी—इमाओ य ते जाया ! विपुलकुल-बालियाओ सरित्तयाओ सरिव्व-याओ सरिस-लावन्न-रूव-जोव्वण-गुणोववेयाओ सरिसएहितो अ कुलेहिंतो आणिएल्लियाओ कला-कुसल-सव्वकाल-लालिय-सुहोचियाओ मद्दव-गुण-जुत्त-निउण-विणओवयार-पंडिय-वियक्खणाओ मंजुल-मिय-महुर-भणिय-विहसिय-विप्पेक्खिय-गतिविसाल-चिट्ठिय-विसारदाओ अविकल-कुल-सील-सालिणीओ विसुद्ध-कुल-वंस-संताण-तंतु-वद्धणप्पगब्भवय(वद्धण-पगब्भुब्भव-प)भाविणीओ मणाणुकूल-हियइच्छियाओ अट्ठ तुज्झ गुणवल्लहाओ उत्तमाओ निच्चं भावाणुरत्त-सव्वंग-सुंदरीओ भारियाओ, तं भुंजाहि ताव जाया ! एताहिं सद्धिं विउले माणुस्सए कामभोगे, तओ पच्छा भुत्तभोगी विसय-विगय-वोच्छिन्न-कोउहल्ले अम्हेहिं कालगएहिं जाव पव्वइहिसि ८। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्म ! ताओ ! जन्नं तुज्झे मम एवं वयह इमाओ ते जाया ! विपुलकुल जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्म ! ताओ ! माणुस्सगा कामभोगा असुई असासया वंतासवा पित्तासवा खेलासवा सुक्कासवा सोणियासवा उच्चार-पासवण-खेल-सिंघाणग-वंतपित्त-पूय-सुक्क-सोणियसमुब्भवा अमणुन्न-दुरूव-मुत्त-पुइय-पुरासपुन्ना मय-गंधुस्सास-असुभ-निस्सास-उव्वेयणगा बीभच्छा अप्पकालिया लहुसगा कलमलाहिवास-दुक्ख-बहुजण-साहारणा परिकिलेस-किच्छ-दुक्खसज्झा अबु-हजण-णिसेविया सदा साहुगरहणिज्जा अणंतसंसारवद्धणा कडुगफलविवागा चुडलिव्व अमुच्चमाणे दुक्खाणुबंधिणो सिद्धिगमणविग्घा, से केस णं जाणति

अम्मताओ ! के पुव्वि गमणयाए के पच्छा गमणयाए ?, तं इच्छामि णं अम्मताओ ! जाव पव्वइत्तए ९ । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो एवं वयासी–इमे य ते जाया ! अज्जय-पज्जय-पिउपज्जयागए बहु हिरन्ने य सुवन्ने य कंसे य दूसे य विउल-धण-कणग-रयण-मणि-मोत्तिय-संख-सिलप्पवाल-रत्तरयण-संत-सारसावएज्जे अलाहि जाव आसत्तमाओ कुल-वंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं तं अणुहोहि ताव जाया ! विउले माणुस्सए इड्ढि-सक्कार-समुदए, तओ पच्छा अणुहूयकल्लाणे वड्ढियकुलवंसतंतु जाव पव्वइहिसि १० । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी–तहावि णं तं अम्मताओ ! जन्नं तुज्झे ममं एवं वदह–इमे च ते जाया ! अज्जगपज्जग जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्मताओ ! हिरन्ने य सुवन्ने य जाव सावएज्जे अग्गिसाहिए चोरसाहिए रायसाहिए मच्चुसाहिए दाइयसाहिए अग्गिसामन्ने जाव दाइयसामन्ने अधुवे अणितिए असासए पुव्वि वा पच्छा वा अवस्सविप्पजहियव्वे भविस्सइ, से केस णं जाणइ तं चेव जाव पव्वइत्तए ११ । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मताओ जाहे नो संचाएन्ति विसयाणुलोमाहिं बहूहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य सन्नवणाहि य विन्नवणाहि य आघवेत्तए वा पन्नवेत्तए वा सन्नवेत्तए वा विन्नवेत्तए वा ताहे विसयपडिकूलाहिं संजम-भयुव्वेयणकराहिं पन्नवणाहिं पन्नवेमाणा एवं वयासी–एवं खलु जाया ! निग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवले जहा आवस्सए जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंति अहीव एगंतदिट्ठीए खुरो इव एगंतधाराए लोहमया जवा चावेयव्वा वालुयाकवले इव निस्साए गंगा वा महानदी पडिसोयगमणयाए महासमुद्दे वा भुयाहिं दुत्तरो तिक्खं कमियव्वं गरुयं लंबेयव्वं असिधारगं वतं चरियव्वं, नो खलु कप्पइ जाया ! समणाणं निग्गंथाणं अहाकम्मिएत्ति वा उद्देसएइ वा मिस्सजाएइ वा अज्झोयरएइ वा पूइएइ वा कीएइ वा पामिच्चेइ वा

अच्छेज्जेइ वा अणिसट्ठेइ वा अभिहडेइ वा कंतारभत्तेइ वा दुब्भिक्खभत्तेइ वा गिलाणभत्तेइ वा वद्दलियाभत्तेइ वा पाहुणगभत्तेइ वा सेज्जायरपिंडेइ वा रायपिंडेइ वा मूलभोयणेइ वा कंदभोयणेइ वा फलभोयणेइ वा बीयभोयणेइ वा हरियभोयणेइ वा भुत्तए वा पायए वा, तुमं च णं जाया ! सुहसमुचिए णो चेव णं दुहसमुचिते नालं सीयं नालं उण्हं नालं खुहा नालं पिपासा नालं चोरा नालं वाला नालं दंसा नालं मसया नालं वाइय-पित्तिय-सेंभिय-सन्निवाइए विविहे रोगायंके परीसहोवसग्गे उदिन्ने अहियासेत्तए, तं नो खलु जाया ! अम्हे इच्छामो तुज्झं खणमवि विप्पओगं तं अच्छाहि ताव जाया ! जाव ताव अम्हे जीवामो, तओ पच्छा अम्हेहिं जाव पव्वइहिसि १२ । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी—तहावि णं तं अम्म ! ताओ ! जन्नं तुज्झे ममं एवं वयह—एवं खलु जाया ! निग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवले तं चेव जाव पव्वइहिसि, एवं खलु अम्मताओ ! निग्गंथे पावयणे कीवाणं कायराणं कापुरिसाणं इहलोग-पडिबद्धाणं परलोग-परंमुहाणं विसयतिसियाणं दुरणुचरे पागयजणस्स धीरस्स निच्छियस्स ववसियस्स नो खलु एत्थं किंचिवि दुक्करं करणयाए, तं इच्छामि णं अम्म ! ताओ ! तुज्झेहिं अब्भणुन्नाए समाणे समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव पव्वइत्तए १३ । तए णं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो जाहे नो संचाएंति विसयाणुलोमाहि य विसयपडिकूलाहि य बहूहि य आघवणाहि य पन्नवणाहि य ४ आघवेत्तए वा जाव विन्नवेत्तए वा ताहे अकामए चेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स निक्खमणं अणुमन्नित्था १४ ॥ सूत्रं ३८४ ॥ तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! खत्तियकुंडग्गामं नगरं सब्भितर-बाहिरियं आसिय-संमज्जिओवलित्तं जहा उववाइए जाव पच्चप्पिणंति १ । तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ

सद्दावइत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! जमालिस्स खत्तिय-कुमारस्स महत्थं महग्घं महरिहं विपुलं निक्खमणाभिसेयं उवट्ठवेह २। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा तहेव जाव पच्चप्पिणंति ३। तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहं निसीयावेंति निसीयावेत्ता अट्ठसएणं सोवन्नियाणं कलसाणं एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव अट्ठसएणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्विड्ढीए जाव रवेणं महया महया निक्खमणाभिसेगेणं अभिसिंचइ निक्खमणाभिसेगेणं अभिसिंचित्ता करयल जाव जएणं विजएणं वद्धावेन्ति, जएणं विजएणं वद्धावेत्ता एवं वयासी–भण जाया ! किं देमो ? किं पयच्छामो ? किणा वा ते अट्ठो ?, ४। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे अम्मापियरो एवं वयासी–इच्छामि णं अम्म ! ताओ ! कुत्तियावणाओ रयहरणं च पडिग्गहं च आणिउं कासवगं च सद्दाविउं ५। तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिए ! सिरिघराओ तिन्नि सयसहस्साइं गहाय दोहिं सयसहस्सेहिं कुत्तियावणाओ रयहरणं च पडिग्गहं च आणेह सयसहस्सेणं कासवगं च सद्दावेह ६। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठा करयल जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सिरिघराओ तिन्नि सयसहस्साइं तहेव जाव कासवगं सद्दावेंति ७। तए णं से कासवए जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविए समाणे हट्ठे तुट्ठे गहाए कयबलिकम्मे जाव सरीरे जेणेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता करयल जाव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पियरं जएणं विजएणं वद्धावेइ जएणं विजएणं वद्धावित्ता एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! जं मए करणिज्जं ८। तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तं कासवगं एवं वयासी–तुमं देवाणुप्पिया ! जमालिस्स खत्तिय-

कुमारस्स परेणं जत्तेणं चउरंगुलवज्जे निक्खमणपयोगे अग्गकेसे (पडि)-कप्पेहि १ । तए णं से कासवे जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे करयल जाव एवं सामी ! तहत्ताणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ त्ता सुरभिणा गंधोदएणं हत्थपादे पक्खालेइ सुरभिणा २ सुद्धाए अट्ठपडलाए पोत्तीए मुहं बंधइ मुहं बंधित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स परेणं जत्तेणं चउरंगुलवज्जे निक्खमणपयोगे अग्गकेसे कप्पइ १० । तए णं सा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया हंसलक्खणेणं पडसाडएणं अग्गकेसे पडिच्छइ अग्गकेसे पडिच्छित्ता सुरभिणा गंधोदएणं पक्खालेइ सुरभिणा गंधोदएणं पक्खालेत्ता अग्गेहिं वरेहिं गंधेहिं मल्लेहिं अच्चेति २ सुद्धवत्थेणं बंधेइ सुद्धवत्थेणं बंधित्ता रयणकरंडगंसि पक्खिवति २ हार–वारिधारा–सिंदुवार-छिन्न-मुत्तावलिप्पगासाइं सुय-वियोग–दूसहाइं अंसूइं विणिम्मुयमाणी २ एवं वयासी–एस णं अम्हं जमालिस्स खत्तियकुमारस्स बहूसु तिहीसु य पव्वणीसु य उस्सवेसु य जन्नेसु य छणेसु य अपच्छिमे दरिसणे भविस्सतीतिकट्टु ओसीसगमूले ठवेति ११ । तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मापियरो दोच्चंपि उत्तरावक्कमणं सीहासणं रयावेंति २ जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयापीयएहिं कलसेहिं नाणहेंति सीयापीयएहिं कलसेहिं नाणहेत्ता पम्हसुकुमालाए सुरभिए गंधकासाइए गायाइं लूहेंति सुरभिए गंधकासाइए गायाइं लूहेत्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपन्ति गायाइं अणुलिंपित्ता नासा–निस्सास–वायवोज्झं चक्खुहरं वन्न–फरिस–जुत्तं हय–लाला–पेलवातिरेगं धवलं कणग–खचियंतकम्मं महरिहं हंसलक्खण–पडसाडगं परिहिंति २ हारं पिणद्धेंति २ अद्धहारं पिणद्धेंति २ एवं जहा सूरियाभस्स अलंकारो तहेव जाव चित्तं रयणसंकडुकडं मउडं पिणद्धंति, किं बहुणा ?, गंथिम–वेढिम-पूरिम–संघातिमेणं चउव्विहेणं मल्लेणं कप्परुक्खगं पिव अलंकियविभूसियं करेंति

१२। तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अणेग-खंभ-सयसन्निविट्ठं लीलट्ठिय-सालभंजियागं जहा रायप्पसेणइज्जे विमाणवन्नओ जाव मणिरयण-घंटियाजाल-परिक्खित्तं पुरिस-सहस्सवाहणीयं सीयं उवट्ठवेह उवट्ठवेत्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पच्चप्पिणंति १३। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे केसालंकारेणं वत्थालंकारेणं मल्लालंकारेणं आभरणालंकारेणं चउव्विहेणं अलंकारेणं अलंकारिए समाणे पडिपुन्नालंकारे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ सीहासणाओ अब्भुट्ठेत्ता सीयं अणुप्पदाहिणीकरेमाणे सीयं दुरूहइ २ सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे सन्निसण्णे १४। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया ण्हाया कयबलिकम्मा जाव सरीरा हंसलक्खणं पडसाडगं गहाय सीयं अणुप्पदाहिणी-करेमाणी सीयं दुरूहइ सीयं दुरूहित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स दाहिणे पासे भद्दासणवरंसि संन्निसन्ना १५। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मधाई ण्हाया जाव सरीरा रयहरणं च पडिग्गहं च गहाय सीयं अणुप्पदाहिणी-करेमाणी सीयं दुरूहइ सीयं दुरूहित्ता जमालिस्स खत्तियकुमारस्स वामे पासे भद्दासणवरंसि संनिसन्ना १६। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिट्ठओ एगा वरतरुणी सिंगारागार-चारुवेसा संगयगय जाव रूव-जोव्वण-विलासकलिया सुंदरथण-जहण वयण-कर-चरण-नयण-लावण्ण-रूव-जोव्वण–गुणोववेया हिम-रयय–कुमुद-कुंदेंदुप्पगासं सकोरेंट-मल्लदामं धवलं आयवत्तं गहाय सलीलं उवरि धारेमाणी २ चिट्ठति १७। तए णं तस्स जमालिस्स उभओपासिं दुवे वरतरुणीओ सिंगारागार-चारु जाव कलियाओ नाणा-मणि-कणग-रयण-विमल-महरिह-तवणिज्जुज्जल-विचित्त–चित्तदंडाओ चिल्लियाओ संखंक–कुंदेंदु-दगरय-अमय-महिय-फेण-पुंजसंनिकासाओ धवलाओ चामराओ

गहाय सलीलं वीयमाणीओ वीयमाणीओ चिट्ठंति, तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स उत्तरपुरच्छिमेणं एगा वरतरुणी सिंगारागार जाव कलिया सेत-रययामय-विमल–सलिलपुरणं मत्त–गय–महामुहाकितिसमाणं भिंगारं गहाय चिट्ठइ १८। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स दाहिणपुरच्छिमेणं एगा वरतरुणी सिंगारागार जाव कलिया चित्तकणगदंडं तालवेंटं गहाय चिट्ठति ११। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सरिसयं सरित्तयं सरिव्वयं सरिस-लावन्न-रूव-जोव्वण-गुणोववेयं एगाभरणं वसणगहिय-निज्जोयं कोडुंबिय-वरतरुणसहस्सं सद्दावेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सरिसयं सरित्तयं जाव सद्दावेंति २०। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिउणा कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठ जाव गहाया कयबलिकम्मा कयकोउय-मंगलपायच्छित्ता एगाभरण-वसण-गहियनिज्जोया जेणेव जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! जं अम्हेहिं करणिज्जं २१। तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया तं कोडुंबिय-वरतरुण-सहस्सं एवं वदासी–तुज्झे णं देवाणुप्पिया! गहाया कयबलिकम्मा जाव गहियनिज्जोगा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयं परिवहह २२। तए णं ते कोडुंबिय-पुरिसा(तरुणा) जमालिस्स खत्तियकुमारस्स जाव पडिसुणेत्ता गहाया जाव गहियनिज्जोगा जमालिस्स खत्तियकुमारस्स सीयं परिवहंति २३। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरिससहस्सवाहिणीं सीयं दुरूढस्स समाणस्स तप्पढमयाए इमे अट्ठट्ठमंगलगा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, तंजहा–सोत्थिय सिरिवच्छ जाव दप्पणा, तदाणंतरं च णं पुन्नकलसभिंगारं जहा उववाइए जाव गगणतल-मणुलिहंती पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया,

एवं जहा उववाइए तहेव भाणियव्वं जाव आलोयं वा करेमाणा जय २ सद्दं च पउंजमाणा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया २४। तदाणंतरं च णं बहवे उग्गा भोगा जहा उववाइए जाव महापुरिस-वग्गुर-परिक्खित्ता जमालिस्स खत्तियस्स पुरओ य मग्गओ य पासओ य अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया २५। तए णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिया ण्हाया कयबलिकम्मा जाव विभूसिए हत्थिखंधवरगए सकोरेंट-मल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणो २ हयगय-रह-पवरजोह-कलियाए चाउरंगिणीए सेणाए सद्धिं संपरिवुडे महयाभडचडगर जाव परिक्खित्ते जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पिट्ठओ २ अणुगच्छइ २६। तए णं तस्स जमालिस्स खत्तियकुमारस्स पुरओ महं आसा आसवरा उभओ पासिं णागा णागवरा पिट्ठओ रहा रहसंगेल्ली २७। तए णं से जमाली खत्तिय-कुमारस्स अब्भुग्गयभिंगारे परिग्गहियतालियंटे ऊसवियसेतछत्ते पवीइयसेत-चामर-वालवीयणीए सव्विड्ढीए जाव णादितरवेणं २८। तयाणंतरं च णं बहवे लट्ठिग्गाहा कुंतग्गाहा जाव पुत्थयगाहा जाव वीणगाहा, तयाणंतरं च णं अट्ठसयं गयाणं अट्ठसयं तुरयाणं अट्ठसयं रहाणं, तयाणंतरं च णं लउड-असि-कोंतहत्थाणं बहूणं पायत्ताणीणं पुरओ संपट्ठियं, तयाणंतरं च णं बहवे राईसर-तलवर जाव सत्थवाहप्पभिइओ पुरओ संपट्ठिया जाव णादितरवेणं खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव माहणकुंडग्गामे नयरे जेणेव बहुसालए चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव पहारेत्थ गमणाए २९। तए णं तस जमालिस्स खत्तियकुमारस्स खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छमाणस्स सिंघाडग-तिय-चउक्क जाव पहेसु बहवे अत्थत्थिया जहा उववाइए जाव अभिनंदंता य अभित्थुणंता य एवं वयासी—जय जय णंदा! धम्मेणं, जय जय णंदा! तवेणं, जय जय णंदा! भद्दं ते अभग्गेहिं णाणदंसण-चरित्तमुत्तमेहिं अजियाइं जिणाहि इंदियाइं जियं च पालेहि समणधम्मं

जियविग्घोऽवि य वसाहि तं देव ! सिद्धिमज्झे णिहणाहि य रागदोसमल्ले तवेण धितिधणियबद्धकच्छे महाहि अट्ठकम्मसत्तू झाणेणं उत्तमेणं सुक्केणं अप्पमत्तो हराहि आराहणपडागं च धीर ! तेलोक्करंगमज्झे पावय वितिमिरमणुत्तरं केवलं च णाणं गच्छय मोक्खं परं पदं जिणवरोवदिट्ठेणं सिद्धिमग्गेणं अकुडिलेणं हंता परीसहचमूं अभिभविय गामकंटकोवसग्गाणं धम्मे ते अविग्घमत्थुत्तिकट्टु अभिनंदंति य अभिथुणंति य ३० । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे नयणमालासहस्सेहिं पिच्छिज्जमाणे २ एवं जहा उववाइए कूणिओ जाव णिग्गच्छति निग्गच्छित्ता जेणेव माहणकुंडग्गामे नयरे जेणेव बहुसालए चेइए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता छत्तादीए तित्थगरातिसए पासइ पासित्ता पुरिससहस्सवाहिणीं सीयं ठवेइ २ पुरिससहस्सवाहिणीओ सीयाओ पच्चोरुहइ ३१ । तए णं तं जमालिं खत्तियकुमारं अम्मापियरो पुरओ काउं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वदासी—एवं खलु भंते ! जमाली खत्तियकुमारे अम्हं एगे पुत्ते इट्ठे कंते जाव किमंग पुण पासणयाए ? से जहानामए—उप्पलेइ वा पउमेइ वा जाव पउमसहस्सपत्तेइ वा पंके जाए जले संवुड्ढे णोवलिप्पति पंकरएणं णोवलिप्पइ जलवरएणं एवामेव जमालीवि खत्तियकुमारे कामेहिं जाए भोगेहिं संवुड्ढे णोवलिप्पइ कामरएणं णोवलिप्पइ भोगरएणं णोवलिप्पइ मित्त-णाइ-नियग-सयण-संबंधिपरिजणेणं, एस णं देवाणुप्पिया ! संसारभउव्विग्गे भीए जम्मणमरणेणं देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वएइ, तं एयन्नं देवाणुप्पियाणं अम्हे सीस-भिक्खं दलयामो, पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया ! सीसभिक्खं, तए णं समणे भगवं महावीरे तं जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी—अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेह ३२ । तए णं से जमाली खत्तियकुमारे समणेणं भगवया

महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ ३३। तते णं से जमालिस्स खत्तियकुमारस्स माया हंसलक्खणेणं पडसाडएणं आभरणमल्लालंकारं पडिच्छति पडिच्छित्ता हारवारि जाव विणिम्मुयमाणा २ जमालिं खत्तियकुमारं एवं वयासी—घडियव्वं जाया! जइयव्वं जाया! परिक्कमियव्वं जाया! अस्सिं च णं अट्ठे णो पमायेतव्वं तिकट्टु जमालिस्स खत्तियकुमारस्स अम्मापियरो समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ३४। तए णं से जमाली खत्तियकुमारे सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेति २ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता एवं जहा उसभदत्तो तहेव पव्वइओ नवरं पंचहिं पुरिससएहिं सद्धिं तहेव जाव सव्वं सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जेत्ता बहूहिं चउत्थ-छट्ठट्ठम जाव मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ३५ ॥ सूत्रं ३८५॥

तए णं से जमाली अणगारे अन्नया कयाइं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छइत्ता समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति वंदित्ता २ एवं वयासी—इच्छामि णं भंते! तुज्झेहिं अब्भणुन्नाए समाणे पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरित्तए १। तए णं से समणे भगवं महावीरे जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं णो आढाइ णो परिजाणाइ तुसिणीए संचिट्ठइ २। तए णं से जमाली अणगारे समणं भगवं महावीरं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी—इच्छामि णं भंते! तुज्झेहिं अब्भणुन्नाए समाणे पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं जाव विहरित्तए ३। तए णं समणे भगवं महावीरे जमालिस्स अणगारस्स दोच्चंपि तच्चंपि एयमट्ठं णो आढाइ जाव तुसिणीए संचिट्ठइ ४। तए णं से

जमाली अणगारे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ बहुसालाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं बहिया जणवयविहारं विहरइ ५। तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थीनामं णयरी होत्था वन्नओ, कोट्ठए चेइए वन्नओ, जाव वणसंडस्स, तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नाम नयरी होत्था वन्नओ पुन्नभद्दे चेइए वन्नओ, जाव पुढविसिलावट्टओ ६। तए णं से जमाली अणगारे अन्नया कयाइ पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव कोट्ठए चेइए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हति अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ७। तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयावि पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे जाव सुहं सुहेणं विहरमाणे जेणेव चंपानगरी जेणेव पुन्नभद्दे चेइए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हति २ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ८। तए णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स तेहिं अरसेहि य विरसेहि य अंतेहि य पंतेहि य लूहेहि य तुच्छेहि य कालाइक्कंतेहि य पमाणाइक्कंतेहि य सीतएहि य पाणभोयणेहिं अन्नया कयावि सरीरगंसि विउले रोगातंके पाउब्भूए उज्जले विउले पगाढे कक्कसे कडुए चंडे दुक्खे दुग्गे तिव्वे दुरहियासे पित्तज्जरपरिगतसरीरे दाहवक्कंतिए यावि विहरइ ९। तए णं से जमाली अणगारे वेयणाए अभिभूए समाणे समणे णिग्गंथे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी—तुज्जे णं देवाणुप्पिया! मम सेज्जासंथारगं संथरेह, तए णं ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणेंति पडिसुणेत्ता जमालिस्स अणगारस्स सेज्जासंथारगं संथरेंति १०। तए णं से जमाली अणगारे बलियतरं वेदणाए

अभिभूए समाणे दोच्चंपि समणे निग्गंथे सद्दावेइ २ त्ता दोच्चंपि एवं वयासी–ममन्नं देवाणुप्पिया ! सेज्जासंथारए किं कडे ? कज्जइ ?, (एवं वुत्ते समाणे समणा निग्गंथा बिंति–भो सामी ! कीरइ), तए णं ते समणा निग्गंथा जमालिं अणगारं एवं वयासी–णो खलु देवाणुप्पियाणं सेज्जासंथारए कडे कज्जति ११। तए णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जन्नं समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ एवं परूवेइ–एवं खलु चलमाणे चलिए उदीरिज्जमाणे उदीरिए जाव निज्जरिज्जमाणे णिज्जिन्ने, तं णं मिच्छा इमं च णं पच्चक्खमेव दीसइ सेज्जासंथारए कज्जमाणे अकडे संथरिज्जमाणे असंथरिए जम्हा णं सेज्जासंथाए कज्जमाणे अकडे संथरिज्जमाणे असंथरिए तम्हा चलमाणेवि अचलिए जाव निज्जरिज्जमाणेवि अणिज्जिन्ने, एवं संपेहेइ एवं संपेहेत्ता समणे निग्गंथे सद्दावेइ समणे निग्गंथे सद्दावेत्ता एवं वयासी–जन्नं देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु चलमाणे चलिए तं चेव सव्वं जाव णिज्जरिज्जमाणे अणिज्जिन्ने १२। तए णं तस्स जमालिस्स अणगारस्स एवं आइक्खमाणस्स जाव परूवेमाणस्स अत्थेगइया समणा निग्गंथा एयमट्ठं सद्दहंति पत्तियंति रोयंति अत्थेगइया समणा निग्गंथा एयमट्ठं णो सद्दहंति णो पत्तियंति णो रोयंति १३। तत्थ णं जे ते समणा निग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं सद्दहंति ३ ते णं जमालिं चेव अणगारं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति, तत्थ णं जे ते समणा णिग्गंथा जमालिस्स अणगारस्स एयमट्ठं णो सद्दहंति णो पत्तियंति णो रोयंति ते णं जमालिस्स अणगारस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ चेइयाओ पडिनिक्खमंति २ पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चंपानयरी जेणेव पुन्नभद्दे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं

करेंति २ त्ता वंदइ णमंसइ २ समणं भगवं महावीरं उवसंपज्जित्ता णं विहरंति १४ ॥ सूत्रं ३८६ ॥ तए णं से जमाली अणगारे अन्नया कयावि ताओ रोगायंकाओ विप्पमुक्के हट्ठे तुट्ठे जाए अरोए बलियसरीरे सावत्थीओ नयरीओ कोट्ठयाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ २ पुव्वाणुपुव्वि चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे जेणेव चंपा नयरी जेणेव पुन्नभद्दे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते ठिच्चा समणं भगवं महावीरं एवं वयासी—जहा णं देवाणुप्पियाणं बहवे अंतेवासी समणा निग्गंथा छउमत्था भवेत्ता छउमत्थावक्कमणेणं अवक्कंता णो खलु अहं तहा छउमत्थे भवित्ता छउमत्थावक्कमणेणं अवक्कमिए, अहन्नं उप्पन्नणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली भवित्ता केवलिअवक्कमणेणं अवक्कमिए १ । तए णं भगवं गोयमे जमालिं अणगारं एवं वयासी—णो खलु जमाली ! केवलिस्स णाणे वा दंसणे वा सेलंसि वा थंभंसि वा थूभंसि वा आवरिज्जइ वा णिवारिज्जइ वा, जइ णं तुमं जमाली ! उप्पन्नणाणदंसणधरे अरहा जिणे केवली भवित्ता केवलिअवक्कमणेणं अवक्कंते तो णं इमाइं दो वागरणाइं वागरेहि—सासए लोए जमाली ! असासए लोए जमाली ?, सासए जीवे जमाली ! असासए जीवे जमाली ? २ । तए णं से जमाली अणगारे भगवया गोयमेणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए जाव कलुससमावन्ने जाए यावि होत्था, णो संचाएति भगवओ गोयमस्स किंचिवि पमोक्खमाइक्खित्तए तुसिणीए संचिट्ठइ ३ । जमालीति समणे भगवं महावीरे जमालिं अणगारं एवं वयासी—अत्थि णं जमाली ! ममं बहवे अंतेवासी समणा निग्गंथा छउमत्था जे णं पभू एयं वागरणं वागरित्तए जहा णं अहं नो चेव णं एयप्पगारं भासं भासित्तए जहा णंतुमं, सासए लोए जमाली ! जन्न कयावि णासि ण कयावि ण भवति ण कदावि ण भविस्सइ भुविं च भवइ य भविस्सइ य, धुवे णितिए सासए अक्खए अव्वए

अवट्ठिए णिच्चे, असासए लोए जमाली ! जओ ओसप्पिणी भवित्ता उस्सप्पिणी भवइ उस्सप्पिणी भवित्ता ओसप्पिणी भवइ, सासए जीवे जमाली ! जं न कयाइ णासि जाव णिच्चे असासए जीवे जमाली जन्नं नेरइए भवित्ता तिरिक्खजोणिए भवइ तिरिक्खजोणिए भवित्ता मणुस्से भवइ मणुस्से भवित्ता देवे भवइ ४ । तए णं से जमाली अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं णो सद्दहइ णो पत्तिएइ णो रोएइ एयमट्ठं असद्दहमाणे अपत्तियमाणे अरोएमाणे दोच्चंपि समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ आयाए अवक्कमइ दोच्चंपि आयाए अवक्कमित्ता बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य अप्पाणं च परं च तदुभयं च वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे बहूयाइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणइ २ अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेइ २ तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेति २ तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे तेरस-सागरोवम-ठितिएसु देवकिव्विसिएसु देवेसु देवकिव्विसियत्ताए उववन्ने ५ ॥ सूत्रं ३८७ ॥ तए णं से भगवं गोयमे जमालिं अणगारं कालगयं जाणित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पियाणं अंतेवासी कुसिस्से जमालिणामं अणगारे से णं भंते ! जमाली अणगारे कालमासे कालं किच्चा कहिं गए कहिं उववन्ने ?, गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–एवं खलु गोयमा ! ममं अंतेवासी कुसिस्से जमाली नामं अणगारे से णं तदा मम एवं आइक्खमाणस्स ४ एयमट्ठं णो सद्दहइ ३ एयमट्ठं असद्दहमाणे ३ दोच्चंपि ममं अंतियाओ आयाए अवक्कमइ २ बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं तं चेव जाव देवकिव्विसियत्ताए उववन्ने ॥ सूत्रं ३८८ ॥ कतिविहा णं भंते ! देवकिव्विसिया पन्नत्ता ?, गोयमा ! तिविहा देवकिव्विसिया पण्णत्ता,

तंजहा-तिपलिओवमट्ठिइया तिसागरोवमट्ठिइया तेरससागरोवमट्ठिइया १। कहि णं भंते! तिपलिओवमट्ठितीया देवकिब्विसिया परिवसंति?, गोयमा! उप्पिं जोइसियाणं हिट्ठिं सोहम्मीसाणेसु कप्पेसु एत्थ णं तिपलिओवमट्ठिइया देवकिब्विसिया परिवसंति २। कहि णं भंते! तिसागरोवमट्ठिइया देवकिब्विसिया परिवसंति?, गोयमा! उप्पिं सोहम्मीसाणाणं कप्पाणं हिट्ठिं सणंकुमारमाहिदेसु कप्पेसु एत्थ णं तिसागरोवमट्ठिइया देवकिब्विसिया परिवसंति ३। कहि णं भंते! तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिब्विसिया देवा परिवसंति?, गोयमा! उप्पिं बंभलोगस्स कप्पस्स हिट्ठिं लंतए कप्पे एत्थ णं तेरससागरोवमट्ठिइया देवकिब्विसिया देवा परिवसंति ४। देवकिब्विसिया णं भंते! केसु कम्मादाणेसु देवकिब्विसियत्ताए उववत्तारो भवंति?, गोयमा! जे इमे जीवा आयरियपडिणीया उवज्झायपडिणीया कुलपडिणीया गणपडिणीया संघपडिणीया आयरिय-उवज्झायाणं अयसकरा अवन्नकरा अकित्तिकरा बहूहिं असब्भावुब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिनिवेसेहि य अप्पाणं च परं च उभयं च वुग्गाहेमाणा वुप्पाएमाणा बहूइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणंति २ तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवकिब्विसिएसु देवकिब्विसियत्ताए उववत्तारो भवंति, तंजहा-तिपलिओवमट्ठितीएसु वा तिसागरोवमट्ठितीएसु वा तेरससागरोवमट्ठितीएसु वा ५। देवकिब्विसियाणं भंते! ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति?, गोयमा! जाव चत्तारि पंच नेरइय-तिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवभवग्गहणाइं संसारं अणुपरियट्टित्ता तओ पच्छा सिज्झंति बुज्झंति जाव अंतं करेंति, अत्थेगइया अणादीयं अणवदग्गं दीहमद्धं चाउरंतसंसारकंतारं अणुपरियट्टंति ६। जमाली णं भंते! अणगारे अरसाहारे विरसाहारे अंताहारे पंताहारे लूहाहारे तुच्छाहारे

अरसजीवी विरसजीवी जाव तुच्छजीवी उवसंतजीवी पसंतजीवी विवित्त-जीवी ?, हंता गोयमा ! जमाली णं अणगारे अरसाहारे विरसाहारे जाव विवित्तजीवी, ७ । जति णं भंते ! जमाली अणगारे अरसाहारे विरसाहारे जाव विवित्तजीवी कम्हा णं भंते ! जमाली अणगारे कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे तेरस-सागरोवम-ट्ठितिएसु देवकिव्विसिएसु देवेसु देवकिव्विसियत्ताए उववन्ने ?, गोयमा ! जमाली णं अणगारे आयरिय-पडिणीए उवज्झायपडिणीए आयरियउवज्झायाणं अयसकारए जाव वुग्गाहेमाणे वुप्पाएमाणे जाव बहूइं वासाइं सामन्नपरियागं पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेति २ तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालमासे कालं किच्चा लंतए कप्पे जाव उववन्ने ८ ॥सूत्रं ३८१॥ जमाली णं भंते ! देवे ताओ देवलोयाओ आउक्खएणं जाव कहिं उववज्जइ ?, गोयमा ! चत्तारि पंच तिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवभवग्गहणाइं संसारं अणुपरियट्टित्ता तओ पच्छा सिज्झिहिति जाव अंतं काहेति । सेवं भंते २ त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ३९० ॥ जमाली-समत्तो ॥

॥ इति नवमशतके त्रयस्त्रिंशत्तम उद्देशकः ॥ ९-३३ ॥

॥ अथ नवमशतके पुरुषाख्य-चतुस्त्रिंशत्तमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे जाव एवं वयासी–पुरिसे णं भंते ! पुरिसं हणमाणे किं पुरिसं हणइ नोपुरिसं हणइ ?, गोयमा ! पुरिसंपि हणइ नोपुरिसेवि हणति १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ पुरिसंपि हणइ नोपुरिसेवि हणइ ?, गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं पुरिसं हणामि से णं एगं पुरिसं हणमाणे अणेगजीवा हणइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ पुरिसंपि हणइ नोपुरिसेवि हणति २ । पुरिसे णं भंते ! आसं हणमाणे किं आसं हणइ नोआसेवि हणइ ?,

गोयमा ! आसंपि हणइ नोआसेवि हणइ ३ । से केणट्ठेणं ? अट्ठो तहेव, एवं हत्थिं सीहं वग्घं जाव चिल्ललगं ४ । पुरिसे णं भंते ! अन्नयरं तसपाणं हणमाणे किं अन्नयरं तसपाणं हणइ नोअन्नयरे तसपाणे हणइ ?, गोयमा ! अन्नयरंपि तसपाणं हणइ नोअन्नयरेवि तसे पाणे हणइ ५ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अन्नयरंपि तसं पाणं हणइ नोअन्नयरेवि तसे पाणे हणइ ?, गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं अन्नयरं तसं पाणं हणामि से णं एगं अन्नयरं तसं पाणं हणमाणे अणेगे जीवे हणइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! तं चेव एए सव्वेवि एक्कगमा ६ । पुरिसे णं भंते ! इसिं हणमाणे किं इसिं हणइ नोइसिं हणइ ?, गोयमा ! इसिंपि हणइ नोइसिंपि हणइ ७ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव नोइसिंपि हणइ ?, गोयमा ! तस्स णं एवं भवइ एवं खलु अहं एगं इसिं हणामि, से णं एगं इसिं हणमाणे अणंते जीवे हणइ से तेणट्ठेणं निक्खेवओ ८ । पुरिसे णं भंते ! पुरिसं हणमाणे किं पुरिसवेरेणं पुट्ठे नोपुरिसवेरेणं पुट्ठे ?, गोयमा ! नियमा ताव पुरिसवेरेणं पुट्ठे अहवा पुरिसवेरेण य णोपुरिसवेरेण य पुट्ठे अहवा पुरिसवेरेण य नोपुरिसवेरेहि य पुट्ठे, एवं आसं एवं जाव चिल्ललगं जाव अहवा चिल्ललगवेरेण य णो चिल्ललगवेरेहि य पुट्ठे ९ । पुरिसे णं भंते ! इसिं हणमाणे किं इसिवेरेणं पुट्ठे नोइसिवेरेणं पुट्ठे ?, गोयमा ! नियमा ताव इसिवेरेणं पुट्ठे अहवा इसिवेरेण य णोइसिवेरेण य पुट्ठे अहवा इसिवेरेण य नोइसिवेरेहि य पुट्ठे १० ॥ सूत्रं ३११ ॥ पुढविकाइया णं भंते ! पुढविकायं चेव आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा ?, हंता गोयमा ! पुढविकाइए पुढविकाइयं चेव आणमंति वा जाव नीससंति वा १ । पुढवीकाइए णं भंते ! आउकाइयं आणमंति वा जाव नीससंति ?, हंता गोयमा ! पुढविकाइए आउकाइयं आणमंति वा जाव नीससंति वा, एवं तेउकाइयं वाउकाइयं एवं वणस्सइकाइयं २ । आउकाइए णं भंते ! पुढवी-

काइयं आणमंति वा पाणमंति वा जाव नीससंति वा ?, एवं चेव ३। आउक्काइए णं भंते ! आउक्काइयं चेव आणमंति वा जाव नीससंति वा ?, एवं चेव, एवं तेउवाऊवणस्सइकाइयं ४। तेऊकाइए णं भंते ! पुढविकाइयं आणमंति वा जाव नीससंति वा ?, एवं जाव वणस्सइकाइए णं भंते ! वणस्सइकाइयं चेव आणमंति वा जाव नीससंति वा तहेव ५। पुढविकाइए णं भंते ! पुढविकाइयं चेव आणममाणे वा पाणममाणे वा ऊससमाणे वा नीससमाणे वा कइकिरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए ६। पुढविकाइए णं भंते ! आउकाइयं आणममाणे वा जाव नीससमाणे वा कइकिरिए ? एवं चेव एवं जाव वणस्सइकाइयं, एवं आउकाइएणवि सव्वेवि भाणियव्वा, एवं तेउकाइएणवि, एवं वाउकाइएणवि ७। वणस्सइकाइए णं भंते ! वणस्सइकाइयं चेव आणममाणे वा जाव नीससमाणे वा कइकिरिए ? पुच्छा, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए ८॥ सूत्रं ३९२॥ वाउक्काइए णं भंते ! रुक्खस्स मूलं पचालेमाणे वा पवाडेमाणे वा कतिकिरिए ?, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए १। एवं कंदं एवं जाव मूलं बीयं पचालेमाणे वा पुच्छा, गोयमा ! सिय तिकिरिए सिय चउकिरिए सिय पंचकिरिए २। सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति॥ सूत्रं ३९३॥ नवमं सयं समत्तं॥

॥ इति नवमशतके चतुस्त्रिंशत्तम उद्देशकः ॥ ९-३४ ॥

॥ इति नवमं शतकम् ॥ ९ ॥

॥ अथ दशमशतके दिगाख्य-प्रथमोद्देशकः ॥

दिसि १ संवुडअणगारे २ आयड्ढी ३ सामहत्थि ४ देवि ५ सभा ६। उत्तर अंतरदीवा २८ दसमंमि सयंमि चोत्तीसा॥ १॥ रायगिहे जाव एवं

वयासी–किमियं भंते ! पाईणत्ति पवुच्चई ?, गोयमा ! जीवा चेव अजीवा चेव १ । किमियं भंते ! पडीणाति पवुच्चई ?, गोयमा ! एवं चेव एवं दाहिणा एवं उदीणा एवं उड्ढा एवं अहोवि २ । कति णं भंते ! दिसाओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! दस दिसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा–पुरच्छिमा १ पुरच्छिमदाहिणा २ दाहिणा ३ दाहिणपच्चत्थिमा ४ पच्चत्थिमा ५ पच्चत्थिमुत्तरा ६ उत्तरा ७ उत्तरपुरच्छिमा ८ उड्ढा ९ अहो १०, ३ । एयासि णं भंते ! दसण्हं दिसाणं कति णामधेज्जा पण्णत्ता ?, गोयमा ! दस नामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा–इंदा १ अग्गेयी २ जमा य ३ नेरती ४ वारुणी ५ वायव्वा ६ सोमा ७ ईसाणी य ८ विमला य ९ तमा य १० बोद्धव्वा ४ । इंदा णं भंते ! दिसा किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवपएसा ?, गोयमा ! जीवावि ३ तं चेव जाव अजीव-पएसावि ५ । जे जीवा ते नियमा एगिंदिया बेइंदिया जाव पंचिंदिया अणिंदिया, जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा जाव अणिंदियदेसा, जे जीवपएसा ते एगिंदियपएसा बेइंदियपएसा जाव अणिंदियपएसा ६ । जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य, जे रूवी अजीवा ते चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा–खंधा १ खंधदेसा २ खंधपएसा ३ परमाणुपोग्गला ४, जे अरूवी अजीवा ते सत्तविहा पन्नत्ता, तंजहा–नोधम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे धम्मत्थिकायस्स पएसा नोअधम्मत्थिकाए अधम्मत्थिकायस्स देसे अधम्मत्थिकायस्स पएसा नोआ-गासत्थिकाए आगासत्थिकायस्स देसे आगासत्थिकायस्स पएसा अद्धासमए ७ । अग्गेई णं भंते ! दिसा किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा ? पुच्छा, गोयमा ! णो जीवा जीवदेसावि १ जीवपएसावि २ अजीवावि १ अजीवदेसावि २ अजीवपएसावि ३, ८ । जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे १ अहवा एगिंदियदेसा

य बेइंदियस्स देसा २ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा ३ अहवा एगिंदियदेसा तेइंदियस्स देसे एवं चेव तियभंगो भाणियव्वो एवं जाव अणिंदियाणं तियभंगो ९। जे जीवपएसा ते नियमा एगिंदियपएसा अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियस्स पएसा अहवा एगिंदियपदेसा य बेइंदियाण य पएसा एवं आइल्लविरहिओ जाव अणिंदियाणं १०। जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा–रूविअजीवा य अरूवीअजीवा य, जे रूवी अजीवा ते चउव्विहा पन्नत्ता, तंजहा–खंधा जाव परमाणुपोग्गला ४, जे अरूवी अजीवा ते सत्तविहा पन्नत्ता, तंजहा–नो धम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे धम्मत्थिकायस्स पएसा एवं अधम्मत्थिकायस्सवि जाव आगासत्थिकायस्स पएसा अद्धासमए ११। विदिसासु नत्थि जीवा देसे भंगो य होइ सव्वत्थ १२। जमा णं भंते! दिसा किं जीवा? जहा इंदा तहेव निरवसेसा नेरई य जहा अग्गेयी वारुणी जहा इंदा वायव्वा जहा अग्गेयी सोमा जहा इंदा ईसाणी जहा अग्गेयी, विमलाए जीवा जहा अग्गेयी, अजीवा जहा इंदा, एवं तमाएवि, नवरं अरूवी छव्विहा अद्धासमयो न भन्नति १३॥ सूत्रं ३१४॥ कति णं भंते! सरीरा पन्नत्ता?, गोयमा! पंच सरीरा पन्नत्ता, तंजहा–ओरालिए जाव कम्मए १। ओरालियसरीरे णं भंते! कतिविहे पन्नत्ते?, एवं ओगाहणसंठाणं निरवसेसं भाणियव्वं जाव अप्पाबहुगंति २। सेवं भंते! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ३॥ सूत्रं ३१५॥ दसमे सए पढमो उद्देसो समत्तो॥

॥ इति दशमशतके प्रथम उद्देशकः ॥ १०–१ ॥

॥ अथ दशमशतके संवृतानगाराख्य-द्वितीयोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–संवुडस्स णं भंते ! अणगारस्स वीयीपंथे ठिच्चा पुरओ रूवाइं निज्झायमाणस्स मग्गओ रूवाइं अवयक्खमाणस्स पासओ रूवाइं अवलोएमाणस्स उड्ढं रूवाइं ओलोएमाणस्स अहे रूवाइं आलोएमाणस्स तस्स णं भंते ! किं ईरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! संवुडस्स णं अणगारस्स वीयीपंथे ठिच्चा जाव तस्स णं णो ईरियावहिया किरिया कज्जइ संपराइया किरिया कज्जइ १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ संवडस्स जाव संपराइया किरिया कज्जइ ?, गोयमा ! जस्स णं कोहमाणमायालोभा एवं जहा सत्तमसए पढमोद्देसए जाव से णं उस्सुत्तमेव रीयति, से तेणट्ठेणं जाव संपराइया किरिया कज्जइ २ । संवुडस्स णं भंते ! अणगारस्स अवीयीपंथे ठिच्चा पुरओ रूवाइं निज्झायमाणस्स जाव तस्स णं भंते ! किं ईरियावहिया किरिया कज्जइ ?, पुच्छा, गोयमा ! संवुडस्स जाव तस्स णं ईरियावहिया किरिया कज्जइ नो संपराइया किरिया कज्जइ ३ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जहा सत्तमे सए पढमोद्देसए जाव से णं अहासुत्तमेव रीयति से तेणट्ठेणं जाव नो संपराइया किरिया कज्जइ ॥ सूत्रं ३१६ ॥ कइविहा णं भंते ! जोणी पन्नत्ता ?, गोयमा ! तिविहा जोणी पण्णत्ता, तंजहा–सीया उसिणा सीतोसिणा, एवं जोणीपयं निरवसेसं भाणियव्वं ॥ सूत्रं ३१७ ॥ कतिविहा णं भंते ! वेयणा पन्नत्ता ?, गोयमा ! तिविहा वेयणा पन्नत्ता, तंजहा–सीया उसिणा सीओसिणा, एवं वेयणापयं निरवसेसं भाणियव्वं जाव नेरइयाणं भंते ! किं दुक्खं वेदणं वेदेंति सुहं वेयणं वेयंति अदुक्खमसुहं वेयणं वेयंति ?, गोयमा ! दुक्खंपि वेयणं वेयंति सुहंपि वेयणं वेयंति अदुक्खमसुहंपि वेयणं वेयंति ॥ सूत्रं ३१८ ॥ मासियणं भंते ! भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स निच्चं वोसट्ठे काये चियत्ते देहे, एवं

मासिया भिक्खुपडिमा निरवसेसा भाणियव्वा [जहा दसाहिं] जाव आराहिया भवइ ॥ सूत्रं ३९९ ॥ भिक्खू य अन्नयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता से णं तस्स ठाणस्स अणालोइय-पडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा १ । भिक्खू य अन्नयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता(ज) तस्स णं एवं भवइ पच्छावि णं अहं चरमकालसमयंसि एयस्स ठाणस्स आलोएस्सामि जाव पडिवज्जिस्सामि, से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते जाव नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स अराहणा २ । भिक्खू य अन्नयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता तस्स णं एवं भवइ–जइ ताव समणोवासगावि कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति किमंग पुण अहं अन्नपन्निय-देवत्तणंपि नो लभिस्सामित्तिकट्टु से णं तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंते कालं करेइ नत्थि तस्स आराहणा, से णं तस्स ठाणस्स आलोइयपडिक्कंते कालं करेइ अत्थि तस्स आराहणा ३ । सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ४ ॥ सूत्रं ४०० ॥

॥ इति दशमशतके द्वितीय उद्देशकः ॥ १०–२ ॥

॥ अथ दशमशतके आत्मद्ध्यांख्य-तृतीयोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–आइड्ढीए णं भंते ! देवे जाव चत्तारि पंच देवावासंतराइं वीतिकंते तेण परं परिड्ढीए ?, हंता गोयमा ! आइड्ढीए णं तं चेव, एवं असुरकुमारेवि, नवरं असुरकुमारावासंतराइं सेसं तं चेव, एवं एएणं कमेणं जाव थणियकुमारे, एवं वाणमंतरे जोइसवेमाणिय जाव तेण परं परिड्ढीए १ । अप्पड्ढिए णं भंते ! देवे से महड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवइज्जा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे २ । समिड्ढीए णं भंते ! देवे

समड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, पमत्तं पुण वीइवएज्जा ३ । से णं भंते ! किं विमोहित्ता पभू अविमोहित्ता पभू ?, गोयमा ! विमोहेत्ता पभू नो अविमोहेत्ता पभू ४ । से भंते ! किं पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा पुव्विं वीइवएत्ता पच्छा विमोहेज्जा ?, गोयमा ! पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा णो पुव्विं वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा ५ । महिड्ढीए णं भंते ! देवे अप्पड्ढियस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ?, हंता वीइवएज्जा ६ । से णं भंते ! किं विमोहित्ता पभू अविमोहेत्ता पभू ?, गोयमा ! विमोहेत्तावि पभू अविमोहेत्तावि पभू ७ । से भंते ! किं पुव्विं विमोहेत्ता पच्छा वीइवइज्जा पुव्विं वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा ?, गोयमा ! पुव्विं वा विमोहेत्ता पच्छा वीइवएज्जा पुव्विं वा वीइवएत्ता पच्छा विमोहेज्जा ८ । अप्पिड्ढिए णं भंते ! असुरकुमारे महड्ढीयस्स असुरकुमारस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ?, णो इणट्ठे समट्ठे, एवं असुरकुमारेवि तिन्नि आलावगा भाणियव्वा जहा ओहिएणं देवेणं भणिया, एवं जाव थणियकुमाराणं, वाणमंतरजोइसियवेमाणिएणं एवं चेव ९ । अप्पड्ढिए णं भंते ! देवे महिड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ? णो इणट्ठे समट्ठे १० । समड्ढिए णं भंते ! देवे समिड्ढीयाए देवीए मज्झंमझेणं वीइवइज्जा ? एवं तहेव देवेण य देवीण य दंडओ भाणियव्वो जाव वेमाणियाए ११ । अप्पड्ढिया णं भंते ! देवी महड्ढीयस्स देवस्स मज्झंमज्झेणं एवं एसोवि तइओ दंडओ भाणियव्वो जाव महड्ढिया वेमाणिणी अप्पड्ढियस्स वेमाणियस्स मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ?, हंता वीइवएज्जा १२ । अप्पड्ढिया णं भंते ! देवी महिड्ढियाए देवीए मज्झंमज्झेणं वीइवएज्जा ?, णो इणट्ठे समट्ठे, एवं समड्ढिया देवी समड्ढियाए देवीए, तहेव, महड्ढियावि देवी अप्पड्ढियाए देवीए तहेव, एवं एक्केक्के तिन्नि २ आलावगा भाणियव्वा जाव महड्ढिया णं भंते ! वेमाणिणी अप्पड्ढियाए वेमाणिणीए मज्झंमज्झेणं

वीइवएज्जा ?, हंता वीइवएज्जा १३ । सा भंते ! किं विमोहित्ता पभू तहेव जाव पुव्विं वा वीइवइत्ता पच्छा विमोहेज्जा एए चत्तारि दंडगा १४ ॥ सू० ४०१ ॥ आसस्स णं भंते ! धावमाणस्स किं खुखुत्ति करेति ?, गोयमा ! आसस्स णं धावमाणस्स हिदयस्स य जगयस्स य अंतरा एत्थ णं कब्बडए नामं वाए संमुच्छइ जेणं आसस्स धावमाणस्स खुखुत्ति करेइ ॥ सू० ४०२ ॥ अह भंते ! आसइस्सामो सइस्सामो चिट्ठिस्सामो निसिइस्सामो तुयट्टिस्सामो, आमंतणि आणवणी जायणि तह पुच्छणी य पण्णवणी । पच्चक्खाणी भासा भासा इच्छाणुलोमा य ॥ १ ॥ अणभिग्गहिया भासा भासा य अभिग्गहंमि बोद्धव्वा । संसयकरणी भासा वोयडमव्वोयडा चेव ॥ २ ॥ पन्नवणी णं एसा न एसा भासा मोसा ?, हंता गोयमा ! आसइस्सामो तं चेव जाव न एसा भासा मोसा । सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४०३ ॥ दसमे सए तईओ उद्देसो ॥

॥ इति दशमशतके तृतीय उद्देशकः ॥ १०-३ ॥

॥ अथ दशमशतके श्यामहस्तिनामक-चतुर्थोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नाम नयरे होत्था वन्नओ, दूतिपलासए चेइए, सामी समोसढे, जाव परिसा पडिगया १ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई नामं अणगारे जाव उड्ढंजाणू जाव विहरइ २ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी सामहत्थी नामं अणगारे पयइभद्दए जहा रोहे जाव उड्ढंजाणू जाव विहरइ ३ । तए णं ते सामहत्थी अणगारे जायसड्ढे जाव उट्ठाए उट्ठेत्ता जेणेव भगवं गोयमे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता भगवं गोयमं तिक्खुत्तो जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी—अत्थि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुर-

कुमारस्स तायत्तीसगा देवा ?, हंता अत्थि ४ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमारस्स तायत्तीसगा देवा तायत्तीसगा देवा ?, एवं खलु सामहत्थी ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे कायंदी नामं नयरी होत्था वन्नओ, तत्थ णं कायंदीए नयरीए तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा परिवसइ अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा विहरति जाव तए णं ते तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया पुव्विं उग्गा उग्गविहारी संविग्गा संविग्गविहारी भवित्ता तओ पच्छा पासत्था पासत्थविहारी ओसन्ना ओसन्नविहारी कुसीला कुसीलविहारी अहाछंदा अहाछंदविहारी बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणंति २ अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेंति अत्ताणं झूसेत्ता तीसं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति २ तस्स ठाणस्स अणालोइय-पडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्तीसगदेवत्ताए उववन्ना, जप्पभिइं च णं भंते ! कायंदगा तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्तीस-देवत्ताए उववन्ना तप्पभिइं च णं भंते ! एवं वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्तीसगा देवा ५ । तए णं भगवं गोयमे सामहत्थिणा अणगारेणं एवं वुत्ते समाणे संकिए कंखिए वितिगिच्छिए उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता सामहत्थिणा अणगारेणं सद्धिं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–अत्थि णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुररण्णो तायत्तीसगा देवा तायत्तीसगा देवा ?, हंता अत्थि, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ ?, एवं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव तप्पभिइं च णं एवं वुच्चइ चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्तीसगा देवा २ ?, णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा ! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो तायत्ती-

सगाणं देवाणं सासए नामधेज्जे पण्णत्ते, जं न कयाइ नासी न कदावि न भवति ण कयाई ण भविस्सई जाव निच्चे अव्वोच्छित्तिनयट्ठयाए अन्ने चयंति अन्ने उववज्जंति ६। अत्थि णं भंते ! बलिस्स वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो तायत्तीसगा देवा तायत्तीसगा देवा २ ?, हंता अत्थि ७। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ बलिस्स वइरोयणिंदस्स जाव तायत्तीसगा देवा २ ?, एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्दीवे २ भारहे वासे बिभेले णामं संनिवेसे होत्था वन्नओ, तत्थ णं बिभेले संनिवेसे जहा चमरस्स जाव उववन्ना, जप्पभिइं च णं भंते ! ते बिभेलगा तायत्तीसं सहाया गाहावइसमणोवासगा बलिस्स वइरोयणिंदस्स, सेसं तं चेव जाव निच्चे अव्वोच्छित्तिणय-ट्ठयाए अन्ने चयंति अन्ने उववज्जंति ८। अत्थि णं भंते ! धरणस्स णागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो तायत्तीसगा देवा तायत्तीसगा देवा ?, हंता अत्थि ९। से केणट्ठेणं जाव तायत्तीसगा देवा २ ?, गोयमा ! धरणस्स नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो तायत्तीसगाणं देवाणं सासए नामधेज्जे पन्नत्ते जं न कयाइ नासी जाव अन्ने चयंति अन्ने उववज्जंति, एवं भूयाणंदस्सवि एवं जाव महाघोसस्स १०। अत्थि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो पुच्छा, हंता अत्थि से केणट्ठेणं जाव तायत्तीसगा देवा २ ?, एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबूद्दीवे दीवे भारहे वासे पालासए नामं संनिवेसे होत्था वन्नओ, तत्थ णं पालासए सन्निवेसे तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासया जहा चमरस्स जाव विहरंति, तए णं तायत्तीसं सहाया गाहावई समणोवासगा पुव्विंपि पच्छावि उग्गा उग्गविहारी संविग्गा संविग्गविहारी बहूइं वासाइं समणोवासग-परियागं पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेइ झूसित्ता सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति २ आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा

जाव उववन्ना, जप्पभिइं च णं भंते ! पालासिगा तायत्तीससहाया गाहावई समणोवासगा सेसं जहा चमरस्स जाव उववज्जंति ११ । अत्थि णं भंते ! ईसाणस्स एवं जहा सक्कस्स नवरं चंपाए नयरीए जाव उववन्ना, जप्पभिइं च णं भंते ! चंपिज्जा तायत्तीसं सहाया, सेसं तं चेव जाव अन्ने उववज्जंति १२ । अत्थि णं भंते ! सणंकुमारस्स देविंदस्स देवरन्नो पुच्छा, हंता अत्थि, से केणट्ठेणं जहा धरणस्स तहेव एवं जाव पाणयस्स एवं अच्चुयस्स जाव अन्ने उववज्जंति १३ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति १४ ॥ सूत्रं ४०४ ॥ दसमस्स चउत्थो ॥

॥ इति दशमशतके चतुर्थ उद्देशकः ॥ १०-४ ॥

॥ अथ दशमशतके देवीनामक-पञ्चमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नगरे गुणसिलए चेइए जाव परिसा पडिगया १ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे अंतेवासी थेरा भगवंतो जाइसंपन्ना जहा अट्ठमे सए सत्तमुद्देसए जाव विहरंति २ । तए णं ते थेरा भगवंतो जायसड्ढा जाय संसया जहा गोयमसामी जाव पज्जुवासमाणा एवं वयासी-चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो कति अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ?, अज्जो ! पंच अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा-काली रायी रयणी विज्जु मेहा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अट्ठट्ठ देवीसहस्सा परिवारो पन्नत्तो ३ । पभू णं भंते ! ताओ एगमेगा देवी अन्नाइं अट्ठट्ठदेवीसहस्साइं परिवारं विउव्वित्तए ?, एवामेव सपुव्वावरेणं चत्तालीसं देवीसहस्सा, से तं तुडिए ४ । पभू णं भंते ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचाए रायहाणीए सभाए चमरंसि सीहासणंसि तुडिएणं सद्धिं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्तए ?, णो तिणट्ठे समट्ठे ५ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नो पभू चमरे असुरिंदे चमरचंचाए

रायहाणीए जाव विहरित्तए ?, अज्जो चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो चमरचंचाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए माणवए चेइयखंभे वइरामएसु गोलवट्टसमुग्गएसु बहूओ जिणसकहाओ संनिक्खित्ताओ चिट्ठंति, जाओ णं चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो अन्नेसिं च बहूणं असुरकुमाराणं देवाण य देवीण य अच्चणिज्जाओ वंदणिज्जाओ नमंसणिज्जाओ पूयणिज्जाओ सक्कारणिज्जाओ सम्माणणिज्जाओ कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासणिज्जाओ भवंति तेसिं पणिहाए नो पभू, से तेणट्ठेणं अज्जो ! एवं वुच्चइ–नो पभू चमरे असुरिंदे जाव राया चमरचंचाए जाव विहरित्तए ६ । पभू णं अज्जो ! चमरे असुरिंदे असुरकुमारराया चमरचंचाए रायहाणीए सभासुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं तायत्तीसाए जाव अन्नेहिं च बहूहिं असुरकुमारेहिं देवेहि य देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे महयाहय जाव भुंजमाणे विहरित्तए० केवलं परियारिड्ढीए नो चेव णं मेहुणवत्तियं ७ ॥ सूत्रं ४०५ ॥ चमरस्स णं भंते ! असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सोमस्स महारन्नो कति अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ?, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–कणगा कणगलया चित्तगुत्ता वसुंधरा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगंसि देविसहस्सं परिवारो पन्नत्तो, पभू णं ताओ एगमेगाए देवीए अन्नं एगमेगं देवीसहस्सं परियारं विउव्वित्तए, एवामेव सपुव्वावरेणं चत्तारि देविसहस्सा, सेत्तं तुडिए १ । पभू णं भंते ! चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररन्नो सोमे महाराया सोमाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए सोमंसि सीहासणंसि तुडिएणं अवसेसं जहा चमरस्स, नवरं परियारो जहा सूरियाभस्स, सेसं तं चेव, जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं २ । चमरस्स णं भंते ! जाव रन्नो जमस्स महारन्नो कति अग्गमहिसीओ ?, एवं चेव नवरं जमाए रायहाणीए सेसं जहा सोमस्स एवं वरुणस्सवि, नवरं वरुणाए रायहाणीए, एवं वेसमणस्सवि

नवरं वेसमणाए रायहाणीए सेसं तं चेव जाव मेहुणवत्तियं ३। बलिस्स णं भंते ! वइरोयणिंदस्स पुच्छा, अज्जो ! पंच अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–सुभा निसुंभा रंभा निरंभा मदणा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अट्ठट्ठ सेसं जहा चमरस्स, नवरं बलिचंचाए रायहाणीए परियारो जहा मोउद्देसए, सेसं तं चेव, जाव मेहुणवत्तियं ४। बलिस्स णं भंते ! वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो सोमस्स महारन्नो कति अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ?, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–मीणगा सुभद्दा विजया असणी, तत्थ णं एगमेगाए देवीए सेसं जहा चमरसोमस्स, एवं जाव वेसमणस्स ५। धरणस्स णं भंते ! नागकुमारिंदस्स नागकुमाररन्नो कति अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ?, अज्जो ! छ अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–इला सुक्का सदारा सोदामणी इंदा घणविज्जुया, तत्थ णं एगमेगाए देवीए छ छ देविसहस्सा परिवारो पन्नत्तो ६। पभू णं भंते ! ताओ एगमेगाए देवीए अन्नाइं छ छ देविसहस्साइं परियारं विउव्वित्तए एवामेव सपुव्वावरेणं छत्तीसं देविसहस्साइं, सेत्तं तुडिए ७। पभू णं भंते ! धरणे सेसं तं चेव, नवरं धरणाए रायहाणीए धरणंसि सीहासणंसि सओ परियाओ सेसं तं चेव ८। धरणस्स णं भंते ! नागकुमारिंदस्स कालवालस्स लोगपालस्स महारन्नो कति अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ ?, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–असोगा विमला सुप्पभा सुदंसणा, तत्थ णं एगमेगाए अवसेसं जहा चमरस्स लोगपालाणं, एवं सेसाणं तिण्हवि ९। भूयाणंदस्स णं भंते ! पुच्छा, अज्जो ! छ अग्गमहिस्सीओ, पन्नत्ताओ, तंजहा–रूया रूयंसा सुरूया रुयगावति रुयकंता रुयप्पभा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अवसेसं जहा धरणस्स १०। भूयाणंदस्स णं भंते ! नागचित्तस्स (कुमारस्स) पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसीओ पराणत्ताओ, तंजहा–सुणंदा सुभद्दा सुजाया सुमणा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए अवसेसं जहा चमरलोग-

पालाणं एवं सेसाणं तिण्हवि लोगपालाणं, जे दाहिणिल्लाणिंदा तेसिं जहा धरणिंदस्स, लोगपालाणंपि तेसिं जहा धरणस्स लोगपालाणं, उत्तरिल्लाणं इंदाणं जहा भूयाणंदस्स, लोगपालाणवि तेसिं जहा भूयाणंदस्स लोगपालाणं, नवरं इंदाणं सव्वेसिं रायहाणीओ सीहासणाणि य सरिसणामगाणि परियारो जहा तइयसए पढमे उद्देसए, लोगपालाणं सव्वेसिं रायहाणिओ सीहासणाणि य सरिसनामगाणि परियारो जहा चमरस्स लोगपालाणं कालस्स ११। कालस्स णं भंते! पिसायिंदस्स पिसायरन्नो कति अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ?, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–कमला कमलप्पभा उप्पला सुदंसणा, तत्थ णं एगमेगाए देवीए एगमेगं देविसहस्सं सेसं जहा चमरलोगपालाणं, परियारो तहेव, नवरं कालाए रायहाणीए कालंसि सीहासणंसि, सेसं तं चेव, एवं महाकालस्सवि १२। सुरूवस्स णं भंते! भूइंदस्स रन्नो पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रूववती बहुरूवा सुरूवा सुभगा, तत्थ णं एगमेगाए सेसं जहा कालस्स, एवं पडिरूवस्सवि १३। पुन्नभद्दस्स णं भंते! जक्खिंदस्स पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–पुन्ना बहुपुत्तिया उत्तमा तारया, तत्थ णं एगमेगाए सेसं जहा कालस्स, एवं माणिभद्दस्सवि १४। भीमस्स णं भंते! रक्खसिंदस्स पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–पउमा पउमावती कणगा रयणप्पभा, तत्थ णं एगमेगाए सेसं जहा कालस्स, एवं महाभीमस्सवि १५। किन्न स णं भंते! पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–वडेंसा केतुमती रतिसेणा रइप्पिया, तत्थ णं सेसं तं चेव, एवं किंपुरिसस्सवि १६। सप्पुरिसस्स णं पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसीओ पन्नत्ताओ, तंजहा–रोहिणी नवमिया हिरी पुप्फवती, तत्थ णं एगमेगाए, सेसं तं चेव, एवं महापुरिसस्सवि १७। अतिकायस्स णं पुच्छा, अज्जो! चत्तारि अग्गमहिसी

पन्नत्ता, तंजहा–भुयंगा भुयंगवती महाकच्छा फुडा, तत्थ णं एगमेगाए, सेसं तं चेव, एवं महाकायस्सवि १८। गीयरइस्स णं भंते ! पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसी पन्नत्ता, तंजहा–सुघोसा विमला सुस्सरा सरस्सई, तत्थ णं एगमेगाए, सेसं तं चेव, एवं गीयजसस्सवि, सव्वेसिं एएसिं जहा कालस्स, नवरं सरिसनामियाओ रायहाणीओ सीहासणाणि य, सेसं तं चेव १९। चंदस्स णं भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरन्नो पुच्छा, अज्जो चत्तारि अग्गमहिसी पन्नत्ता, तंजहा–चंदप्पभा दोसिणाभा अच्चिमाली पभंकरा, एवं जहा जीवाभिगमे जोइसिय उद्देसए तहेव, सूरस्सवि सूरप्पभा आयवाभा अच्चिमाली पभंकरा, सेसं तं चेव, जाव नो चेव णं मेहुणवत्तियं २०। इंगालस्स णं भंते ! महग्गहस्स कति अग्गमहिसी ? पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसी पन्नत्ता, तंजहा–विजया वेजयंती जयंती अपराजिया, तत्थ णं एगमेगाए देवीए सेसं तं चेव जहा चंदस्स, नवरं इंगालवडेंसए विमाणे इंगालगंसि सीहासणंसि सेसं तं चेव, एवं जाव वियालगस्सवि, एवं अट्ठासीतोएवि महागहाणं भाणियव्वं जाव भावकेउस्स, नवरं वडेंसगा सीहासणाणि य सरिसनामगाणि, सेसं तं चेव २१। सक्कस्स णं भंते ! देविंदस्स देवरन्नो पुच्छा, अज्जो ! अट्ठ अग्गमहिसी पन्नत्ता, तंजहा–पउमा सिवा सेया अंजू अमला अच्छरा नवमिया रोहिणी, तत्थ णं एगमेगाए देवीए सोलस सोलस देविसहस्सा परिवारो पन्नत्तो, पभू णं ताओ एगमेगा देवी अन्नाइं सोलस देविसहस्सपरियारं विउव्वित्तए, एवामेव सपुव्वावरेणं अट्ठावीसुत्तरं देविसयसहस्सं परियारं विउव्वित्तए, सेत्तं तुडिए २२। पभू णं भंते ! सक्के देविंदे देवराया सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडेंसए विमाणे सभाए सुहम्माए सक्कंसि सीहासणंसि तुडिएणं सद्धिं सेसं जहा चमरस्स, नवरं परियारो जहा मोउद्देसए २३। सक्कस्स णं देविंदस्स देवरन्नो सोमस्स महारन्नो कति अग्गमहिसीओ ?, पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसी पन्नत्ता, तंजहा–

रोहिणी मदणा चित्ता सोमा, तत्थ णं एगमेगाए सेसं जहा चमरलोगपालाणं, नवरं सयंपभे विमाणे सभाए सुहम्माए सोमंसि सीहासणंसि, सेसं तं चेव, एवं जाव वेसमणस्स, नवरं विमाणाइं जहा तइयसए २३। ईसाणस्स णं भंते ! पुच्छा, अज्जो ! अट्ठ अग्गमहिसी पन्नत्ता, तंजहा–कण्हा कण्हराई रामा रामरक्खिया वसू वसुगुत्ता वसुमित्ता वसुंधरा, तत्थ णं एगमेगाए, सेसं जहा सक्कस्स २४। ईसाणस्स णं भंते ! देविंदस्स सोमस्स महारण्णो कति अग्गमहिसीओ ?, पुच्छा, अज्जो ! चत्तारि अग्गमहिसी पन्नत्ता, तंजहा–पुढवी रायी रयणी विज्जू, तत्थ णं एगमेगाए, सेसं जहा सक्कस्स लोगपालाणं, एवं जाव वरुणस्स नवरं विमाणा जहा चउत्थसए, सेसं तं चेव, जाव नो चेव णं मेहुणवत्तियं २५। सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरइ॥ सूत्रं ४०६॥

॥ इति दशमशतके पञ्चम उद्देशकः॥ १०–५॥

॥ अथ दशमशतके सुधर्म्मसभाख्य-षष्ठोद्देशकः॥

कहि णं भंते ! सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो सभा सुहम्मा पन्नत्ता ?, गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए एवं जहा रायप्पसेणइज्जे जाव पंच वडेंसगा पन्नत्ता, तंजहा–असोगवडेंसए जाव मज्झे सोहम्मवडेंसए, से णं सोहम्मवडेंसए महाविमाणे अद्धतेरस य जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं,–एवं जह सूरियाभे तहेव माणं तहेव उववाओ। सक्कस्स य अभिसेओ तहेव जह सूरियाभस्स॥१॥ अलंकारअच्चणिया तहेव जाव आयरक्खत्ति, दो सागरोवमाइं ठिती १। सक्के णं भंते ! देविंदे देवराया केमहिड्ढीए जाव केमहसोक्खे ?, गोयमा ! महिड्ढीए जाव महसोक्खे, से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साणं जाव विहरति,

एवंमहड्ढिए जाव महासोक्खे सक्के देविंदे देवराया २। सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ३ ॥ सूत्रं ४०७ ॥

॥ इति दशमशतके षष्ठ उद्देशकः ॥ १०--६ ॥

॥ अथ दशमशतके उत्तरान्तद्वीपाख्य-सप्तमतश्चतुस्त्रिंशतमोद्देशकाः ॥

कहिन्नं भंते ! उत्तरिल्लाणं एगोरुयमणुस्साणं एगोरुयदीवे नामं दीवे पन्नत्ते ?, एवं जहा जीवाभिगमे तहेव निरवसेसं जाव सुद्धदंतदीवोत्ति, एए अट्ठावीसं उद्देसगा भाणियव्वा। सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४०८ ॥ दसमं सयं समत्तं ॥

॥ इति दशमशतके सप्तमतश्चतुस्त्रिंशत्तमा उद्देशकाः ॥ १०--७।३४ ॥

॥ इति दशमं शतकम् ॥ १० ॥

॥ अथ एकादशमशतके उत्पलाख्य-प्रथमोद्देशकः ॥

उप्पल १ सालु २ पलासे ३ कुंभी ४ नाली य ५ पउम ६ कन्नी ७ य। नलिण ८ सिव ९ लोग १० काला ११ लंभिय १२ दस दो य एक्कारे ॥ १ ॥ उववाओ १ परिमाणं २ अवहारु ३ च्चत्त ४ बंध ५ वेदे ६ य। उदए ७ उदीरणाए ८ लेसा ९ दिट्ठी १० य नाणे ११ य ॥ १ ॥ जोगु १२ वओगे १३ वन्न १४ रसमाई १५ ऊसासगे १६ य आहारे १७। विरई १८ किरिया १९ बंधे २० सन्न २१ कसायि २२ त्थि २३ बंधे २४ य ॥ २ ॥ सन्नि २५ दिय २६ अणुबंधे २७ संवेहा २८ हार २९ ठिइ ३० समुग्घाए ३१। चयणं ३२ मूलादीसु य उववाओ ३३ सव्वजीवाणं ॥ ३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे

जाव पज्जुवासमाणे एवं वयासी–उप्पले णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ?, गोयमा ! एगजीवे नो अणेगजीवे, तेण परं जे अन्ने जीवा उववज्जंति ते णं णो एगजीवा अणेगजीवा १। ते णं भंते ! जीवा कओहिंतो उववज्जंति ? किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? मणुस्सेहिंतो उववज्जंति ? देवेहिंतो उववज्जंति ?, गोयमा ! नो नेरतिएहितो उववज्जंति तिरिक्खजोणिएहिंतोवि उववज्जंति मणुस्सेहिंतोवि उववज्जंति देवेहिंतोवि उववज्जंति, एवं उववाओ भाणियव्वो, जहा वक्कंतीए वणस्सइकाइयाणं जाव ईसाणेति २। ते णं भंते ! जीवा एगसमएणं केवइया उववज्जंति ?, गोयमा ! जहन्नेणं एको वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति ३। ते णं भंते ! जीवा समए २ अवहीरमाणा २ केवतिकालेणं अवहीरंति ?, गोयमा ! ते णं असंखेज्जा समए २ अवहीरमाणा २ असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति नो चेव णं अवहिया सिया ४। तेसि णं भंते ! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सातिरेगं जोयणसहस्सं ५। ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधगा अबंधगा ?, गोयमा ! नो अबंधगा बंधए वा बंधगा वा एवं जाव अंतराइयस्स ६। नवरं आउयस्स पुच्छा, गोयमा ! बंधए वा अबंधए वा बंधगा वा अबंधगा वा अहवा बंधए य अबंधए य अहवा बंधए य अबंधगा य अहवा बंधगा य अबंधए य अहवा बंधगा य अबंधगा य ८ एते अट्ठ भंगा ७। ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं वेदगा अवेदगा ?, गोयमा ! नो अवेदगा वेदए वा वेदगा वा एवं जाव अंतराइयस्स ८। ते णं भंते ! जीवा किं सायावेयगा असायावेयगा ?, गोयमा ! सायावेदए वा असायावेयए वा अट्ठ भंगा ९। ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स

किं उदई अणुदई ?, गोयमा ! नो अणुदई उदई वा उदइणो वा, एवं जाव अंतराइयस्स १० । ते णं भंते ! जीवा णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं उदीरगा अणुदीरगा ?, गोयमा ! नो अणुदीरगा उदीरए वा उदीरगा वा, एवं जाव अंतराइयस्स, नवरं वेयणिज्जाउएसु अट्ठ भंगा ११ । ते णं भंते ! जीवा किं कण्हलेसा नीललेसा काउलेसा तेउलेसा ?, गोयमा ! कण्हलेसे वा जाव तेउलेसे वा कण्हलेस्सा वा नीललेस्सा वा काउलेस्सा वा तेउलेसा वा अहवा कण्हलेसे य नीललेस्से य, एवं एए दुयासंजोग-तियायंजोग-चउकसंजोगेणं असीतो भंगा भवंति १२ । ते णं भंते ! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ?, गोयमा ! नो सम्मदिट्ठी नो सम्मामिच्छादिट्ठी मिच्छादिट्ठी वा मिच्छादिट्ठिणो वा १३ । ते णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ?, गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी वा अन्नाणिणो वा १४ । ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी वयजोगी कायजोगी ?, गोयमा ! नो मणजोगी णो वयजोगी कायजोगी वा कायजोगिणो वा १५ । ते णं भंते ! जीवा किं सागरोवउत्ता अणागारोवउत्ता ?, गोयमा ! सागरोवउत्ते वा अणागारोवउत्ते वा अट्ठ भंगा १६ । तेसि णं भंते ! जीवाणं सरीरगा कतिवन्ना कतिगंधा कतिरसा कतिफासा पन्नत्ता ?, गोयमा ! पंचवन्ना पंचरसा दुगंधा अट्ठफासा पन्नत्ता, ते पुण अप्पणा अवन्ना अगंधा अरसा अफासा पन्नत्ता १७ । ते णं भंते ! जीवा किं उस्सासा निस्सासा नो उस्सासनिसासा ?, गोयमा ! उस्सासए वा १ निस्सासए वा २ नो उस्सासनिस्सासए वा ३ उस्सासगा वा ४ निस्सासगा वा ५ नो उस्सासनीसासगा वा ६, अहवा उस्सासए य निस्सासए य ४ अहवा उस्सासए य नो उस्सासनिस्सासए य अहवा निस्सासए य नो उस्सासनीसासए य ४, अहवा ऊसासए य नीसासए य नो उस्सासनिस्सासए य, अट्ठ भंगा एए छव्वीसं भंगा भवंति २६, १८ । ते णं भंते ! जीवा किं आहारगा

अणाहारगा ?, गोयमा ! नो अणाहारगा आहारए वा अणाहारए वा एवं अट्ठ भंगा ११ । ते णं भंते ! जीवा किं विरता अविरता विरताविरता ?, गोयमा ! नो विरता नो विरयाविरया अविरए वा अविरया वा २० । ते णं भंते ! जीवा किं सकिरिया अकिरिया ?, गोयमा ! नो अकिरिया सकिरिए वा सकिरिया वा २१ । ते णं भंते ! जीवा किं सत्तविहबंधगा अट्ठविहबंधगा ?, गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा अट्ठ भंगा २२ । ते णं भंते ! जीवा किं आहारसन्नोवउत्ता भयसन्नोवउत्ता मेहुणसन्नोवउत्ता परिग्गहसन्नोवउत्ता ?, गोयमा ! आहारसन्नोवउत्ता वा असीती भंगा २३ । ते णं भंते ! जीवा किं कोहकसाई माणकसाई मायाकसाई लोभकसाई ?, असीती भंगा २४ । ते णं भंते ! जीवा किं इत्थीवेदगा पुरिसवेदगा नपुंसगवेदगा ?, गोयमा ! नो इत्थिवेदगा नो पुरिसवेदगा नपुंसगवेदए वा नपुंसगवेदगा वा २५ । ते णं भंते ! जीवा किं इत्थीवेदबंधगा पुरिसवेदबंधगा नपुंसगवेदबंधगा ?, गोयमा ! इत्थिवेदबंधए वा पुरिसवेदबंधए वा नपुंसगवेयबंधए वा, छव्वीसं भंगा २६ । ते णं भंते ! जीवा किं सन्नी असन्नी ?, गोयमा ! नो सन्नी असन्नी वा असन्निणो वा २७ । ते णं भंते ! जीवा किं सइंदिया अणिंदिया ?, गोयमा ! नो अणिंदिया सइंदिए वा सइंदिया वा २८ । से णं भंते ! उप्पलजीवेति कालतो केवचिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं २९ । से णं भंते ! उप्पलजीवे पुढविजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवतियं कालं सेवेज्जा ?, केवतियं कालं गतिरागतिं करेज्जा ?, गोयमा ! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं असंखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, एवतियं कालं सेवेज्जा एवतियं कालं गतिरागतिं करेज्जा ३० । से णं भंते ! उप्पलजीवे आउजीवे सवं चेव एवं जहा पुढविजीवे

भणिए तहा जाव वाउजीवे भाणियव्वे ३१। से णं भंते! उप्पलजीवे से वणस्सइजीवे से पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवतियं कालं गतिरागतिं कज्जइ ?, गोयमा ! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अणंताइं भवग्गहणाइं, कालाएसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं अणंतं कालं तरुकालं एवइयं कालं सेवेज्जा एवइयं कालं गतिरागतिं कज्जइ ३२। से णं भंते ! उप्पलजीवे बेइंदियजीवे पुणरवि उप्पलजीवेत्ति केवइयं कालं सेवेज्जा केवइयं कालं गतिरागतिं कज्जइ ?, गोयमा ! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं संखेज्जाइं भवग्गहणाइं, कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ता उक्कोसेणं संखेज्जं कालं एवतियं कालं सेवेज्जा एवतियं कालं गतिरागतिं कज्जइ, एवं तेइंदियजीवे, एवं चउरिंदियजीवेवि ३३। से णं भंते ! उप्पलजीवे पंचेंदिय-तिरिक्खजोणियजीवे पुणरवि उप्पलजोवेत्ति पुच्छा, गोयमा ! भवादेसेणं जहन्नेणं दो भवग्गहणाइं उक्कोसेणं अट्ठ भवग्गहणाइं कालादेसेणं जहन्नेणं दो अंतोमुहुत्ताइं उक्कोसेणं पुव्वकोडिपुहुत्ताइं एवतियं कालं सेवेज्जा एवतियं कालं गतिरागतिं करेज्जा, एवं मणुस्सेणवि समं जाव एवतियं कालं गतिरागतिं करेज्जा ३४। ते णं भंते ! जीवा किमाहारमाहारेंति ?, गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं दव्वाइं एवं जहा आहारुद्देसए वणस्सइकाइयाणं आहारो तहेव जाव सव्वप्पणयाए आहारमाहारेंति नवरं नियमा छद्दिसिं सेसं तं चेव ३५। तेसि णं भंते ! जीवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं ३६। तेसि णं भंते ! जीवाणं कति समुग्घाया पण्णत्ता ?, गोयमा ! तओ समुग्घाया पण्णत्ता, तंजहा–वेदणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए ३७। ते णं भंते ! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति ?, गोयमा ! समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति ३८। ते णं भंते ! जीवा अणंतरं उव्वट्टित्ता

कहिं गच्छंति कहिं उववज्जति किं नेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति एवं जहा वक्कंतीए उव्वट्टणाए वणस्सइकाइयाणं तहा भाणियव्वं ३९। अह भंते ! सव्वपाणा सव्वभूया सव्वजीवा सव्वसत्ता उप्पलमूलत्ताए उप्पलकंदत्ताए उप्पलनालत्ताए उप्पलपत्तत्ताए उप्पलकेसरत्ताए उप्पलकन्नियत्ताए उप्पलथिभुगत्ताए उववन्नपुव्वा ?, हंता गोयमा ! असतिं अदुवा अणंतक्खुत्तो ४०। सेवं भंते ! सेवं भंते त्ति जाव विहरति ४१ ॥ सू०४०९ ॥ उप्पलुद्देसए ॥

॥ इति एकादशमशतके प्रथम उद्देशकः ॥ ११-१ ॥

॥ अथ एकादशमशतके शालूकाख्य-द्वितीयोद्देशकः ॥

सालुए णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ?, गोयमा ! एगजीवे एवं उप्पलुद्देसग-वत्तव्वया अपरिसेसा भाणियव्वा जाव अणंतखुत्तो, नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं, सेसं तं चेव। सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४१० ॥ ११-२ ॥

॥ अथ एकादशमशतके पलाशाख्य-तृतीयोद्देशकः ॥

पलासे णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ?, एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया अपरिसेसा भाणियव्वा, नवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं गाउयपुहुत्ता, देवा एएसु चेव न उववज्जंति १। लेसासु ते णं भंते ! जीवा किं कण्हलेसे नीललेसे काउलेसे ?, गोयमा ! कण्हलेस्से वा नीललेस्से वा काउलेस्से वा, छव्वीसं भंगा, सेसं तं चेव २। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरति ३ ॥सूत्रं ४११॥ ११-३ ॥

—:०:—

॥ अथ एकादशमशतके कुम्भिनामक-चतुर्थोद्देशकः ॥

कुंभिए णं भंते जीवे एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ?, एवं जहा पलासुद्देसए तहा भाणियव्वे, नवरं ठिती जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वासपुहुत्तं, सेसं तं चेव । सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४१२ ॥ ११–४ ॥

॥ अथ एकादशमशतके नालिकाख्य-पञ्चमोद्देशकः ॥

नालिए णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ?, एवं कुंभिउद्देसगवत्तव्वया निरवसेसं भाणियव्वा । सेवं भंते ! सेवं भंते त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४१३ ॥ ११–५ ॥

॥ अथ एकादशमशतके पद्माख्य-षष्ठोद्देशकः ॥

पउमे णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ?, एवं उप्पलुद्देसगवत्तव्वया निरवसेसा भाणियव्वा । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४१४ ॥ ११–६ ॥

॥ अथ एकादशमशतके कर्णिकाख्य-सप्तमोद्देशकः ॥

कन्निए णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ?, एवं चेव निरवसेसं भाणियव्वं । सेवं भंते ! सेवं भंते त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४१५ ॥ ११–७ ॥

॥ अथ एकादशमशतके नलिनाख्याष्टमोद्देशकः ॥

नलिणे णं भंते ! एगपत्तए किं एगजीवे अणेगजीवे ?, एवं चेव निरवसेसं जाव अणंतक्खुत्तो । सेवं भंते ! सेवं भंते त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४१६ ॥ ११–८ ॥

॥ अथ एकादशमशतके शिवराजर्षिनामक-नवमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणापुरे नामं नगरे होत्था वन्नओ, तस्स णं हत्थिणागपुरस्स नगरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभागे एत्थ णं सहसंबवणे णामं उज्जाणे होत्था, सव्वोउयपुप्फफलसमिद्धे रम्मे णंदणवण-संनिप्पगासे सुहसीयलच्छाए मणोरमे सादुफले अकंटए पासादीए जाव पडिरूवे १। तत्थ णं हत्थिणापुरे नगरे सिवे नामं राया होत्था महयाहिमवंत-महंत-मलय-मंदर-महिंदसारे, वन्नओ २। तस्स णं सिवस्स रन्नो धारिणी नामं देवी होत्था सुकुमाल-पाणिपाया, वन्नओ ३। तस्स णं सिवस्स रन्नो पुत्ते धारणीए अत्तए सिवभद्दए नामं कुमारे होत्था सुकुमाल जहा सूरियकंते जाव पच्चुवेक्खमाणे पच्चुवेक्खमाणे विहरइ ४। तए णं तस्स सिवस्स रन्नो अन्नया कयावि पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि रज्जधुरं चिंतेमाणस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—अत्थि ता मे पुरा पोराणाणं जहा तामलिस्स जाव पुत्तेहिं वड्ढामि पसूहिं वड्ढामि रज्जेणं वड्ढामि एवं रट्ठेणं बलेणं वाहणेणं कोसेणं कोट्ठागारेणं पुरेणं अंतेउरेणं वड्ढामि, विपुल-धण-कणग-रयण जाव संत-सारसावएज्जेणं अतीव २ अभिवड्ढामि तं किन्नं अहं पुरा पोराणाणं जाव एगंतसोक्खयं उव्वेहमाणो विहरामि ?, तं जाव ताव अहं हिरन्नेणं वड्ढामि तं चेव जाव अभिवड्ढामि जाव मे सामंतरायाणोवि वसे वट्टंति ताव ता मे सेयं कल्लं पाउप्पभायाए जाव जलंते सुबहुं लोही-लोहकडाह-कडुच्छुयं तंबियं तावसभंडगं घडावेत्ता सिवभद्दं कुमारं रज्जे ठावेत्ता चं सुबहुं लोही-लोह-कडाह-कडुच्छुयं तंबियं तावसभंडगं गहाय जे इमे गंगाकूले वाणपत्था तावसा भवंति, तंजहा—होत्तिया पोत्तिया कोत्तिया जन्नई सड्ढई थालई जं च उट्टदंतुक्खलिया उम्मज्जया संमज्जगा निमज्जगा संपक्खाला उद्धकंडूयगा अहोकंडूयगा दाहिणकूलगा उत्तरकूलगा संखधमया कूलधमगा मितलुद्धया हत्थितावसा

उड्ढंडगा दिसापोक्खिणो वक्कलवासिणो (अंबुवासिणो वाउवासिणो) चे(वे)-लवासिणो जलवासिणो जलाभिसेयकिढिणगाया (जलाभिसेगकढिणगाय-भूया) अंबुभक्खिणो वायभक्खिणो सेवालभक्खिणो मूलाहारा कंदाहारा पत्ताहारा पुप्फाहारा फलाहारा बीयाहारा परिसडियकंदमूल-पंडु-पत्तपुप्फफला-हारा रुक्खमूलिया वालवासिणो वक्कपासिणो दिसापोक्खिया आयावणाहिं पंचग्गितावेहिं इंगालसोल्लियंपिव कंडुसोल्लियंपिव कट्ठसोल्लियंपिव अप्पाणं जाव करेमाणा विहरंति, जहा उववाइए जाव कट्ठसोल्लियंपिव अप्पाणं करेमाणा विहरंति ५। तत्थ णं जे ते दिसापोक्खियतावसा तेसिं अंतियं मुंडे भवित्ता दिसापोक्खियतावसत्ताए पव्वइत्तए, पव्वइएवि य णं समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हिस्सामि–कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं दिसाचक्कवालेणं तवोकम्मेणं उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ जाव विहरित्तएत्तिकट्टु ६। एवं संपेहेति संपेहेत्ता कल्लं जाव जलंते सुबहुं लोहीलोह जाव घडावेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! हत्थिणागपुरं नगरं सब्भितरबाहिरियं आसिय जाव तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति ७। तए णं से सिवे राया दोच्चंपि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेंति २ एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! सिवभद्दस्स कुमारस्स महत्थं ३ विउलं रायाभिसेयं उवट्ठवेह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा तहेव उवट्ठवेंति ८। तए णं से सिवे राया अणेग-गणनायग दंडनायग जाव संधिपाल-सद्धिं संपरिवुडे सिवभद्दं कुमारं सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहं निसीयावेन्ति २ अट्ठसएणं सोवन्नियाणं कलसाणं जाव अट्ठसएणं भोमेज्जाणं कलसाणं सव्विड्ढीए जाव रवेणं महया २ रायाभिसेएणं अभिसिंचइ २ पम्हलसुकुमालाए सुरभिए गंधकासाईए गायाइं लूहेइ २ सरसेणं गोसीसेणं एवं जहेव जमालिस्स अलंकारो तहेव जाव कप्परुक्खगंपिव अलंकियविभूसियं करेंति २ करयल जाव कट्टु

सिवभद्दं कुमारं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावेत्ता ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं जहा उववाइए कोणियस्स जाव परमाउं पालियाहि इट्ठजणसंपरिवुडे हत्थिणपुरस्स नगरस्स अन्नेसिं च बहूणं गामागरनगर जाव विहराहित्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति ९। तए णं से सिवभद्दे कुमारे राया जाए महया हिमवंत-महंत-मलय-मंदर-महिंदसारे वन्नओ जाव विहरइ १०। तए णं से सिवे राया अन्नया कयाइं सोभणंसि तिहि-करण-दिवस-मुहुत्त-नक्खत्तंसि विपुलं असणपाणखाइमसाइमं उवक्खडावेंति उवक्खडावेत्ता मित्तणाइनियग जाव परिजणं रायाणो य खत्तिया आमंतेति आमंतेत्ता तओ पच्छा ण्हाए जाव सरीरे भोयणवेलाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगए तेणं मित्तणातिनियगसयण जाव परिजणेणं राएहि य खत्तिएहि य सद्धिं विपुलं असणपाणखाइमसाइमं एवं जहा तामली जाव सक्कारेंति संमाणेंति सक्कारेत्ता संमाणेत्ता तं मित्तणाति जाव परिजणं रायाणो य खत्तिए य सिवभद्दं च रायाणं आपुच्छइ आपुच्छित्ता सुबहुं लोहीलोहकडाहकडुच्छं जाव भंगं गहाय जे इमे गंगाकूलगा वाणपत्था तावसा भवंति तं चेव जाव तेसिं अंतियं मुंडे भवित्ता दिसापोक्खियतावसत्ताए पव्वइए ११। पव्वइएऽवि य णं समाणे अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ—कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठं तं चेव जाव अभिग्गहं अभिगिण्हइ २ पढमं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ १२। तए णं से सिवे रायरिसी पढम-छट्ठक्खमण-पारणगंसि आयावणभूमीए पच्चोरुहइ आयावणभूमिए पच्चोरुहित्ता वागलवत्थनियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता किढिणसंकाइयगं गिण्हइ गिण्हित्ता पुरच्छिमं दिसं पोक्खेइ पुरच्छिमाए दिसाए सोमे महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सिवे रायरिसी अभिरक्खिउ सिवे रायरिसी, जाणि य तत्थ कंदाणि य मूलाणि य तयाणि य पत्ताणि य पुप्फाणि य

फलाणि य बीयाणि य हरियाणि य ताणि अणुजाणउत्ति कट्टु पुरच्छिमं दिसं पसरति पुरच्छिमं दिसं पसरिता, जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव हरियाणि य ताइं गेण्हइ २ किढिणसंकाइयं भरेइ किढिणसंकाइयं भरित्ता दब्भे य कुसे य समिहाओ य पत्तामोडं च गेण्हेइ २ जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ २ किढिणसंकाइयगं ठवेइ किढिणसंकाइयं ठवित्ता वेदिं वड्ढेइ २ उवलेवणसंमज्जणं करेइ २ त्ता दब्भ-सगब्भ-कलसाहत्थगए जेणेव गंगा महानदी तेणेव उवागच्छइ गंगामहानदीं ओगाहेति २ जलमज्जणं करेइ २ जलकीडं करेइ २ जलाभिसेयं करेति २ आयंते चोक्खे परमसुइभूए देवय-पिति-कयकज्जे दब्भ-सगब्भ-कलसाहत्थगए गंगाओ महानईओ पच्चुत्तरइ २ जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता दब्भेहि य कुसेहि य वालुयाएहि य वेतिं रएति वेतिं रएत्ता सरएणं अरणिं महेति सरएणं अरणिं महेत्ता अग्गिं पाडेति २ अग्गिं संधुक्केइ २ समिहाकट्ठाइं पक्खिवइ समिहाकट्ठाइं पक्खिवित्ता अग्गिं उज्जालेइ अग्गिं उज्जालेत्ता—'अग्गिस्स दाहिणे पासे, सत्तंगाइं समादहे। तंजहा—सकहं वकलं ठाणं, सिज्जा भंडं कमंडलुं ॥१॥ दंडदारुं तहा पाणं अहे ताइं समादहे १३। महुणा य घएण य तंदुलेहि य अग्गिं हुणइ, अग्गिं हुणित्ता चरुं साहेइ, चरुं साहेत्ता बलिं वइस्सदेवं करेइ बलिं वइस्सदेवं करेत्ता अतिहिपूयं करेइ अतिहिपूयं करेत्ता तओ पच्छा अप्पणा आहारमाहारेति, तए णं से सिवे रायरिसी दोच्चं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ १४। तए णं से सिवे रायरिसी दोच्चे छट्ठक्खमणपारणगंसि आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आयावणभूमीओ पच्चोरुहित्ता एवं जहा पढम-पारणगं नवरं दाहिणगं दिसं पोक्खेति २ दाहिणाए दिसाए जमे महाराया पत्थाणे पत्थियं सेसं तं चेव आहारमाहारेइ, तए णं से सिवरायरिसी तच्चं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरति १५। तए णं से सिवे रायरिसी सेसं तं चेव नवरं पच्चच्छिमाए दिसाए वरुणे महाराया पत्थाणे पत्थियं सेसं

तं चेव जाव आहारमाहारेइ, तए णं से सिवे रायरिसी चउत्थं छट्ठक्खमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ १६। तए णं से सिवे रायरिसी चउत्थं छट्ठक्खमणं एवं तं चेव नवरं उत्तरदिसं पोक्खेइ उत्तराए दिसाए वेसमणो महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सिवं, सेसं तं चेव जाव तओ पच्छा अप्पणा आहारमाहारेइ १७॥ सूत्रं ४१७॥ तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स छट्ठंछट्ठेणं अनिक्खित्तेणं दिसाचक्कवालेणं जाव आयावेमाणस्स पगइभद्दयाए जाव विणीययाए अन्नया कयावि तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोह-मग्गणगवेसणं करेमाणस्स विब्भंगे नामं अन्नाणे समुप्पन्ने १। से णं तेणं विब्भंगनाणेणं समुप्पन्नेणं पासइ अस्सिं लोए सत्त दीवे सत्त समुद्दे तेणं परं न जाणति न पासति २। तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–अत्थि णं ममं अइसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने एवं खलु अस्सिं लोए सत्त दीवा सत्त समुद्दा तेण परं वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य ३। एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ आयावणभूमीओ पच्चोरुहित्ता वागल-वत्थनियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ २ सुबहुं लोही-लोह-कडाह-कडुच्छुयं जाव भंडगं किढिणसंकाइयं च गेण्हइ २ जेणेव हत्थिणापुरे नगरे जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ २ भंडनिक्खेवं करेइ २ हत्थिणापुरे नगरे सिंघाडगतिग जाव पहेसु बहुजणस्स एवमाइक्खइ जाव एवं परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया! ममं अतिसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने, एवं खलु अस्सिं लोए जाव दीवा य समुद्दा य ४। तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हत्थिणापुरे नगरे सिंघाडगतिग जाव पहेसु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया! सिवे रायरिसी एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया! ममं अतिसेसे नाणदंसणे जाव तेण परं वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, से

कहमेयं मन्ने एवं ? ५ । तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे परिसा जाव पडिगया ६ । तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी जहा बितियसए नियंठुद्देसए जाव अडमाणे बहुजणसद्दं निसामेइ बहुजणो अन्नमन्नस्स एवं आइक्खइ एवं जाव परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! तं चेव जाव वोच्छिन्ना दीवा सुद्दा य, से कहमेयं मन्ने एवं ?, ७ । तए णं भगवं गोयमे बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म जाव सद्दे जहा नियंठुद्देसए जाव तेण परं वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमादि समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं एवं वयासी–जन्नं गोयमा ! से बहुजणे अन्नमन्नस्स एवमातिक्खइ तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव भंडनिक्खेवं करेति हत्थिणापुरे नगरे सिंघाडग जाव पहेसु तं चेव जाव वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव तेण परं वोच्छिन्ना दीवा य समुद्दा य तएणं मिच्छा ८ । अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–एवं खलु जंबुद्दीवादीया दीवा लवणादीया समुद्दा संठणओ एगविहिविहाणा वित्थारओ अणेगविहिविहाणा एवं जहा जीवाभिगमे जाव सयंभूरमणपज्जवसाणा अस्सि तिरियलोए असंखेज्जे दीवसमुद्दे पन्नत्ते समणाउसो ! ९ । अत्थि णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे दव्वाइं सवन्नाइंपि अवन्नाइंपि सगंधाइंपि अगंधाइंपि सरसाइंपि अरसाइंपि सफासाइंपि अफासाइंपि अन्नमन्नबद्धाइं अन्नमन्नपुट्ठाइं जाव घडत्ताए चिट्ठंति ?, हंता अत्थि १० । अत्थि णं भंते ! लवणसमुद्दे दव्वाइं सवन्नाइंपि अवन्नाइंपि सगंधाइं अगंधाइंपि सरसाइंपि अरसाइंपि सफासाइंपि अफासाइंपि अन्नमन्नबद्धाइं अन्नमन्नपुट्ठाइं जाव घडत्ताए चिट्ठंति ?, हंता अत्थि ११ । अत्थि णं भंते ! धायइसंडे दीवे दव्वाइं सवन्नाइंपि एवं चेव

एवं जाव सयंभूरमणसमुद्दे ?, जाव हंता अत्थि १२। तए णं सा महतिमहालिया महच्चपरिसा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं, एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया १३। तए णं हत्थिणापुरे नगरे सिंघाडग जाव पहेसु बहुजणो अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–जन्नं देवाणुप्पिया ! सिवे रायरिसी एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अतिसेसे नाणे जाव समुद्दा य तं नो इणट्ठे समट्ठे, समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु एयस्स सिवस्स रायरिसिस्स छट्ठं छट्ठेणं तं चेव जाव भंडनिक्खेवं करेइ भंडनिक्खेवं करेत्ता हत्थिणापुरे नगरे सिंघाडग जाव समुद्दा य, तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म जाव समुद्दा य तएणं मिच्छा, समणे भगवं महावीरे एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–एवं खलु जंबुद्दीवादीया दीवा लवणादीया समुद्दा तं चेव जाव असंखेज्जा दीवसमुद्दा पन्नत्ता समणाउसो ! १४। तए णं से सिवे रायरिसी बहुजणस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म संकिए कंखिए वितिगिच्छिए भेदसमावन्ने कलुससमावन्ने जाव यावि होत्था १५। तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स संकियस्स कंखियस्स जाव कलुससमावन्नस्स से विभंगे अन्नाणे खिप्पामेव परिवडिए १६। तए णं तस्स सिवस्स रायरिसिस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–एवं खलु समणे भगवं महावीरे आदिगरे तित्थगरे जाव सव्वन्नू सव्वदरिसी आगासगएणं चक्केणं जाव सहसंबवणे उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ, तं महाफलं खलु तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं नामगोयस्स जहा उववाइए जाव गहणयाए, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि जाव पज्जुवासामि, एयं णो इहभवे य परभवे य जाव भविस्सइत्तिकट्टु एवं संपेहेति एवं २ त्ता जेणेव तावसावसहे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता तावसावसहं अणुप्पविसति २ त्ता

सुबहुं लोही-लोह-कडाह जाव किट्टिणसंकातिगं च गेण्हइ गेण्हित्ता तावसावसहाओ पडिक्खमति २ परिवडियविब्भंगे हत्थिणागपुरं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ वंदति नमंसति वंदित्ता नमंसित्ता नच्चासन्ने नाइदूरे [ग्रन्थाग्रं ७०००] जाव पंजलिउडे पज्जुवासइ १७। तए णं समणे भगवं महावीरे सिवस्स रायरिसिस्स तीसे य महतिमहालियाए जाव आणाए आराहए भवइ १८। तए णं से सिवे रायरिसी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म जहा खंदओ जाव उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ सुबहुं लोहीलोहकडाह जाव किट्टिणसंकातिगं एगंते एडेइ २ सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेति सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेत्ता समणं भगवं महावीरं एवं जहेव उसभदत्ते तहेव पव्वइओ तहेव इक्कारस अंगाइं अहिज्जति तहेव सव्वं जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ११ ॥ सूत्रं ४१८ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी—जीवा णं भंते ! सिज्झमाणा कयरंमि संघयणे सिज्झंति ?, गोयमा ! वयरोसभ-णारायसंघयणे सिज्झंति एवं जहेव उववाइए तहेव संघयणं संठाणं उच्चत्तं आउयं च परिवसणा, एवं सिद्धिगंडिया निरवसेसा भाणियव्वा जाव (निच्छिन्नसव्वदुक्खा जाइ-जरामरणबंधण-विमुक्का) अव्वाबाहं सोक्खं अणुहुंति सासयं सिद्धा १। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४१९ ॥ सिवो समत्तो ॥

॥ इति एकादशमशतके नवम उद्देशकः ॥ ११-९ ॥

॥ अथ एकादशमशतके लोकाख्य-दशमोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी--कतिविहे णं भंते ! लोए पन्नत्ते ?, गोयमा ! चउव्विहे लोए पन्नत्ते, तंजहा--दव्वलोए खेत्तलोए काललोए भावलोए १ । खेत्तलोए णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! तिविहे पन्नत्ते, तंजहा अहोलोयखेत्तलोए १ तिरियलोयखेत्तलोए २ उड्ढलोयखेत्तलोए ३, २ । अहोलोयखेत्तलोए णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! सत्तविहे पन्नत्ते, तंजहा--रयणप्पभा-पुढवि-अहेलोय-खेत्तलोए जाव अहेसत्तमापुढवि-अहोलोय-खेत्तलोए ३ । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! असंखेज्जविहे पन्नत्ते, तंजहा--जंबुद्दीवे तिरियखेत्तलोए जाव सयंभूरमणसमुद्दे तिरियलोयखेत्तलोए ४ । उड्ढलोगखेत्तलोए णं भंते ! कतिविहे पन्नत्ते ?, गोयमा ! पन्नरसविहे पन्नत्ते, तंजहा--सोहम्मकप्प-उड्ढलोग-खेत्तलोए जाव अच्चुय-उड्ढलोए गेवेज्जविमाणउड्ढलोए अणुत्तरविमाण-उड्ढलोए ईसिपब्भार-पुढवि-उड्ढलोग-खेत्तलोए ५ । अहोलोगखेत्तलोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ?, गोयमा ! तप्पागारसंठिए पन्नत्ते ६ । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ?, गोयमा ! झल्लरिसंठिए पन्नत्ते ७ । उड्ढलोय-खेत्तलोय पुच्छा, उड्ढमुइंगाकारसंठिए पन्नत्ते ८ । लोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ?, गोयमा सुपइट्ठगसंठिए लोए पन्नत्ते, तंजहा--हेट्ठा विच्छिन्ने मज्झे संखित्ते जहा सत्तमसए पढमुद्देसए जाव अंतं करेंति ९ । अलोए णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ?, गोयमा ! झुसिरगोलसंठिए पन्नत्ते १० । अहेलोगखे-त्तलोए णं भंते ! किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा ? एवं जहा इंदा दिसा तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव अद्धासमए ११ । तिरियलोयखेत्तलोए णं भंते ! किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा ?, एवं चेव, एवं उड्ढलोयखेत्त-लोएवि, नवरं अरूवी छव्विहा अद्धासमओ नत्थि १२ । लोए णं भंते ! किं जीवा जहा बितियसए अत्थिउद्देसए लोयागासे, नवरं अरूवी सत्तवि

जाव अहम्मत्थिकायस्स पएसा नो आगासत्थिकाये आगासत्थिकायस्स देसे आगासत्थिकायपएसा अद्धासमए सेसं तं चेव १३। अलोए णं भंते! किं जीवा जीवदेसा जीवपएसा ? एवं जहा अत्थिकायउद्देसए अलोयागासे तहेव निरवसेसं जाव अणंतभागूणे १४। अहेलोगखेत्तलोगस्स णं भंते! एगंमि आगासपएसे किं जीवा जीवदेसा जीवप्पएसा अजीवा अजीवदेसा अजीवपएसा ?, गोयमा! नो जीवा जीवदेसावि जीवपएसावि अजीवावि अजीवदेसावि अजीवपएसावि, जे जीवदेसा ते नियमा एगिंदियदेसा १ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियस्स देसे २ अहवा एगिंदियदेसा य बेइंदियाण य देसा ३ एवं मज्झिल्लविरहिओ जाव अणिंदिएसु जाव अहवा एगिंदियदेसा य अणिंदियदेसा य, जे जीवपएसा ते नियमा एगिंदियपएसा १ अहवा एगिंदियपएसा य बेंदियस्स पएसा २ अहवा एगिंदियपएसा य बेइंदियाण य पएसा ३ एवं आइल्लविरहिओ जाव पंचिंदिएसु अणिंदिएसु तियभंगो, जे अजीवा ते दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—रूवी अजीवा य अरूवी अजीवा य. रूवी तहेव, जे अरूवी अजीवा ते पंचविहा पन्नत्ता, तंजहा—नो धम्मत्थिकाए धम्मत्थिकायस्स देसे १ धम्मत्थिकायस्स पएसे २ एवं अहम्मत्थिकायस्सवि ४ अद्धासमए ५, १५। तिरियलोगखेत्तलोगस्स णं भंते! एगंमि आगासपएसे किं जीवा जाव अजीवपएसा ?, एवं जहा अहोलोगखेत्तलोगस्स तहेव, एवं उड्ढलोगखेत्तलोगस्सवि, नवरं अद्धासमओ नत्थि, अरूवी चउव्विहा १६। लोगस्स जहा अहेलोगखेत्तलोगस्स एगंमि आगासपएसे १७। अलोगस्स णं भंते! एगंमि आगासपएसे पुच्छा, गोयमा! नो जीवा नो जीवदेसा तं चेव जाव अणंतेहिं अगुरुयलहुयगुणेहिं संजुत्ते सव्वागासस्स अणंतभागूणे १८। दव्वओ णं अहेलोगखेत्तलोए अणंताइं जीवदव्वाइं अणंताइं अजीवदव्वाइं अणंता जीवाजीवदव्वा एवं तिरियलोयखेत्तलोएवि, एवं उड्ढलोयखेत्तलोएवि, दव्वओ णं अलोए

णोवत्थि जीवदव्वा नेवत्थि अजीवदव्वा नेवत्थि जीवाजीवदव्वा एगे अजीवदव्वदेसे जाव सव्वागासअणंतभागूणे ११। कालओ णं अहेलोय-खेत्तलोए न कयाइ नासि जाव निच्चे एवं जाव अलोगे २०। भावओ णं अहेलोगखेत्तलोए अणंता वन्नपज्जवा जहा खंदए जाव अणंता अगुरुयलहुय-पज्जवा एवं जाव लोए, भावओ णं अलोए नेवत्थि वन्नपज्जवा जाव नेवत्थि अगुरुयलहुयपज्जवा एगे अजीवदव्वदेसे जाव अणंतभागूणे २१॥सूत्रं ४२०॥

लोए णं भंते! केमहालए पन्नत्ते?, गोयमा! अयन्नं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवा जाव परिक्खेवेणं १। तेणं कालेणं तेणं समएणं छ देवा महिड्ढीया जाव महेसक्खा जंबुद्दीवे २ मंदरे पव्वए मंदरचूलियं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ताणं चिट्ठेज्जा, अहे णं चत्तारि दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ चत्तारि बलिपिंडे गहाय जंबुद्दीवस्स २ चउसुवि दिसासु बहियाभिमुहीओ ठिच्चा ते चत्तारि बलिपिंडे जमगसमगं बहिगाभिमुहे पक्खिवेज्जा, पभू णं गोयमा! ताओ एगमेगे देवे ते चत्तारि बलिपिंडे धरणितलमसंपत्ते खिप्पामेव पडिसाहरित्तए, ते णं गोयमा! देवा ताए उक्किट्ठाए जाव देवगइए एगे देवे पुरच्छाभिमुहे पयाते एवं दाहिणाभिमुहे एवं पच्चत्थाभिमुहे एवं उत्तराभिमुहे एवं उड्ढाभिमुहे एगे देवे अहोभिमुहे पयाए २। तेणं कालेणं तेणं समएणं वाससहस्साउए दारए पयाए, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पहीणा भवंति णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स आउए पहीणे भवति, णो चेव णं जाव संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स अट्ठिमिंजा पहीणा भवंति णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स आसत्तमेवि कुलवंसे पहीणे भवंति णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति, तए णं तस्स दारगस्स नामगोएवि पहीणे भवंति णो चेव णं ते देवा लोगंतं संपाउणंति ३। तेसि णं भंते! देवाणं किं गए बहुए अगए बहुए?, गोयमा!

गए बहुए नो अगए बहुए, गयाउ से अगए असंखेज्जइभागे अगयाउ से गए असंखेज्जगुणे, लोए णं गोयमा ! एमहालए पन्नत्ते ४ । अलोए णं भंते ! केमहालए पन्नत्ते ?, गोयमा ! अयन्नं समयखेत्ते पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं जहा खंदए जाव परिक्खेवेणं ५ । तेणं कालेणं तेणं समएणं दस देवा महिड्ढिया तहेव जाव संपरिक्खित्ताणं संचिट्ठेज्जा, अहे णं अट्ठ दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ अट्ठ बलिपिंडे गहाय माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स चउसुवि दिसासु चउसुवि विदिसासु बहियाभिमुहीओ ठिच्चा अट्ठ बलिपिंडे गहाय माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स जमगसमगं बहियाभिमुहीओ पक्खिवेज्जा, पभू णं गोयमा ! तओ एगमेगे देवे ते अट्ठ बलिपिंडे धरणितलमसंपत्ते खिप्पामेव पडिसाहरित्तए, ते णं गोयमा ! देवा ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए लोगंसि ठिच्चा असब्भावपट्ठवणाए एगे देवे पुरच्छाभिमुहे पयाए एगे देवे दाहिणपुरच्छाभिमुहे पयाए एवं जाव उत्तरपुच्छाभिमुहे एगे देवे उड्ढाभिमुहे एगे देवे अहोभिमुहे पयाए ६ । तेणं कालेणं तेणं समएणं वाससयसहस्साउए दारए पयाए, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पहीणा भवंति नो चेव णं ते देवा अलोयंतं संपाउणंति, तं चेव ७ । तेसि णं देवाणं किं गए बहुए अगए बहुए ?, गोयमा ! नो गए बहुए अगए बहुए गयाउ से अगए अणंतगुणे अगयाउ से गए अणंतभागे, अलोए णं गोयमा ! एमहालए पन्नत्ते ८ ॥ सूत्रं ४२१ ॥ लोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपएसे जे एगिंदियपएसा जाव पंचिंदियपएसा अणिंदियपदेसा अन्नमन्नबद्धा अन्नमन्नपुट्ठा जाव अन्नमन्न-समभरघडत्ताए चिट्ठंति, अत्थि णं भंते ! अन्नमन्नस्स किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पायंति छविच्छेदं वा करेंति ?, णो तिणट्ठे समट्ठे १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ लोगस्स णं एगंमि आगासपएसे जे एगिंदियपएसा जाव चिट्ठंति णत्थि णं भंते ! अन्नमन्नस्स किंचि आबाहं वा जाव करेंति ?, गोयमा !

से जहानामए नट्टिया सिया सिंगारागारचारुवेसा जाव कलिया रंगट्ठाणंसि जणसयाउलंसि जणसयसहस्साउलंसि बत्तीसइविहस्स नट्टस्स अन्नयरं नट्टविहिं उवदंसेज्जा, से नूणं गोयमा ! ते पेच्छगा तं नट्टियं अणिमिसाए दिट्ठीए सव्वओ समंता समभिलोएंति ?, हंता समभिलोएंति, ताओ णं गोयमा ! दिट्ठीओ तंसि नट्टियंसि सव्वओ समंता संनिपडियाओ ?, हंता सन्निपडियाओ, अत्थि णं गोयमा ! ताओ दिट्ठीओ तीसे नट्टियाए किंचिवि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएंति छविच्छेदं वा करेंति ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, अहवा सा नट्टिया तासिं दिट्ठीणं किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएंति छविच्छेदं वा करेइ ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, ताओ वा दिट्ठीओ अन्नमन्नाए दिट्ठीए किंचि आबाहं वा वाबाहं वा उप्पाएंति छविच्छेदं वा करेंति ?, णो तिणट्ठे समट्ठे, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ जाव तं चेव जाव छविच्छेदं वा करेंति २ ॥ सूत्रं ४२२ ॥ लोगस्स णं भंते ! एगंमि आगासपए जहन्नपए जीवपएसाणं उक्कोसपए जीवपएसाणं सव्वजीवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा लोगस्स एगंमि आगासपएसे जहन्नपए जीवपएसा, सव्वजीवा असंखेज्जगुणा, उक्कोसपए जीवपएसा विसेसाहिया १ । सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति २ ॥ सूत्रं ४२३ ॥ एक्कारससयस्स दसमोद्देसो समत्तो ॥

॥ इति एकादशमशतके दशम उद्देशकः ॥ ११–१० ॥

॥ अथ एकादशमशतके कालाख्य-एकादशमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे नामं नगरे होत्था वन्नओ, दूतिपलासे चेइए वन्नओ जाव पुढविसिलापट्टओ, तत्थ णं वाणियगामे नगरे सुदंसणे नामं सेट्ठी परिवसइ अड्ढे जाव अपरिभूए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव विहरइ, सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ

१। तए णं से सुदंसणे सेट्ठी इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे गहाए कय जाव पायच्छित्ते सव्वालंकारविभूसिए साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ साओ गिहाओ पडिनिक्खमित्ता सकोरेंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं पायविहारचारेणं महया पुरिसवग्गुरापरिक्खित्ते वाणियगामं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव दूतिपलासे चेइए जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छति, तंजहा–सचित्ताणं दव्वाणं जहा उसभदत्तो जाव तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ २। तए णं समणे भगवं महावीरे सुदंसणस्स सेट्ठिस्स तीसे य महतिमहालयाए जाव आराहए भवइ ३। तए णं से सुदंसणे सेट्ठी समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हयहियये उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव नमंसित्ता एवं वयासी–कइविहे णं भंते ! काले पन्नत्ते ?, सुदंसणा ! चउव्विहे काले पन्नत्ते, तंजहा–पमाणकाले १ अहाउनिव्वत्तिकाले २ मरणकाले ३ अद्धाकाले ४, ३। से किं तं पमाणकाले ?, २ दुविहे पन्नत्ते, तंजहा-दिवसप्पमाणकाले १ राइप्पमाणकाले य २, चउपोरिसिए दिवसे चउपोरिसिया राई भवइ ४ ॥ सूत्रं ४२४ ॥ उक्कोसिया अद्धपंचम-मुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ १। जदा णं भंते ! उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवति तदा णं कतिभागमुहुत्तभागेणं परिहायमाणी २ जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवति ?, जदा णं जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवति तदा णं कतिभागमुहुत्तभागेणं परिवड्ढमाणी २ उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ?, सुदंसणा ! जदा णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तदा णं बावीससय-

भाग-मुहुत्तभागेणं परिहायमाणी २ जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, जदा णं जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ तया णं बावीस-सयभाग-मुहुत्तभागेणं दरिवड्ढमाणी २ उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवति २। कदा णं भंते ! उक्कोसिआ अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स राईए वा पोरिसी भवइ ? कदा वा जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ ?, सुदंसणा ! जदा णं उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ तदा णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता दिवसस्स पोरिसी भवइ जहन्निया तिमुहुत्ता राईए पोरिसी भवइ, जया णं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्तिआ राई भवति जहन्निए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ तदा णं उक्कोसिया अद्धपंचममुहुत्ता राईए पोरिसी भवइ जहन्निया तिमुहुत्ता दिवसस्स पोरिसी भवइ ३। कदा णं भंते ! उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ ? कदा वा उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवति जहन्नए दुवासलमुहुत्ते दिवसे भवइ ?, सुदंसणा ! आसाढपुन्निमाए उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहन्निया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, पोसस्स पुन्निमाए णं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ जहन्नए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ ४। अत्थि णं भंते ! दिवसा य राईओ य समा चेव भवन्ति ?, हंता ! अत्थि ५। कदा णं भंते ! दिवसा य राईओ य समा चेव भवन्ति ?, सुदंसणा ! चित्तासोयपुन्निमासु णं, एत्थ णं दिवसा य राईओ य समा चेव भवन्ति, पन्नरसमुहुत्ते दिवसे पन्नरसमुहुत्ता राई भवइ चउभागमुहुत्तभाणा चउमुहुत्ता दिवसस्स वा राईए वा पोरिसी भवइ, सेत्तं पमाणकाले ६ ॥ सूत्रं ४२५ ॥ से किं तं अहाउनिव्वत्तिकाले ?, २ जन्नं जेणं नेरइएण वा तिरिक्खजोणिएण वा मणुस्सेण वा देवेण वा अहाउयं निव्वत्तियं सेत्तं पालेमाणे अहाउनिव्वत्तिकाले १। से किं तं

मरणकाले ?, २ जीवो वा सरीराओ सरीरं वा जीवाओ, सेत्तं मरणकाले २। से किं तं अद्धाकाले ?, २ अणेगविहे पन्नत्ते, से णं समयट्ठयाए आवलियट्ठयाए जाव उस्सप्पिणीट्ठयाए ३। एस णं सुदंसणा ! अद्धा दोहारच्छेदेणं छिज्जमाणी जाहे विभागं नो हव्वमागच्छइ सेत्तं समए, समयट्ठयाए असंखेज्जाणं समयाणं समुदय-समिइसमागमेणं सा एगा आवलियत्ति पवुच्चइ, संखेज्जाओ आवलियाओ जहा सालिउद्देसए जाव सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परिमाणं ४। एएहि णं भंते ! पलिओवमसागरोवमेहिं किं पयोयणं ?, सुदंसणा ! एएहि पलिओवम-सागरोवमेहिं नेरइय-तिरिक्खजोणिय-मणुस्स-देवाणं आउयाइं मविज्जंति ५ ॥ सूत्रं ४२६ ॥ नेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ?, एवं ठिइपदं निरवसेसं भाणियव्वं जाव अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिती पन्नत्ता ॥ सूत्रं ४२७ ॥ अत्थि णं भंते ! एएसिं पलिओवम-सागरोवमाणं खएति वा अवचयेति वा ?, हंता अत्थि १। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थि णं एएसि णं पलिओवम-सागरोवमाणं जाव अवचयेति वा ? एवं खलु सुदंसणा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं हत्थिणागपुरे नामं नगरे होत्था वन्नओ, सहसंबवणे उज्जाणे वन्नओ, तत्थ णं हत्थिणागपुरे नगरे बले नामं राया होत्था वन्नओ, तस्स णं बलस्स रन्नो पभावई नामं देवी होत्था सुकुमाल वन्नओ जाव विहरइ २। तए णं सा पभावई देवी अन्नया कयाई तंसि तारिसगंसि वासघरंसि अब्भितरओ सचित्तकम्मे बाहिरओ दूमिय-घट्ठमट्ठे विचित्तउल्लोगचिल्लिगतले मणि-रयण-पणासियंधयारे बहुसम-सुविभत्त-देसभाए पंचवन्न-सरस-सुरभि-मुक्क-पुप्फपुंजोवयार-कलिए कालागुरु-पवर-कुंदुरुक्क-तुरुक्क-धूव-मघमघंत-गंधुद्धुयाभिरामे सुगंधिवरगंधिए गंधवट्टिभूए तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए उभओ विब्बोयणे दुहओ उन्नए मज्झे णयगंभीरे गंगा-पुलिण-वालुय-उद्दालसालिसए उवचिय-

खोमिय दुगुल्लपट्ट-पडिच्छन्ने सुविरइयरयत्ताणे रत्तंसुयसंवुए सुरम्मे आइणग-रूय-बूर-णवणीय-तूलफासे सुगंधवर-कुसुम-चुन्न-सयणोवयार-कलिए अद्धरत्त-कालसमयंसि सुत्तजागरा ओहिरमाणी २ अयमेयारूवं ओरालं कल्लाणं सिवं धन्नं मंगल्लं सस्सिरीयं महासुविणं पासित्ताणं पडिबुद्धा, हार-रयय-खीरसागर-ससंककिरण-दगरय-रययमहासेल-पंडुरतरोरु-रमणिज्ज-पेच्छणिज्जं थिर-लट्ठ-पउट्ठ-वट्ट-पीवर-सुसिलिट्ठ-विसिट्ठ-तिक्खदाढा-विडंबिय-मुहं परिक-म्मिय-जच्च-कमल-कोमल-माइय-सोभंत-लट्ठउट्ठं रत्तुप्पल-पत्त-मउय-सुकुमाल-तालु-जीहं (महुगुलियाभिसंतपिंगलच्छं) मूसागय-पवर-कणग-ताविय-आवत्ता-यंत-वट्ट-तडिविमल-सरिसनयणं विसालपीवरोरुं पडिपुन्न-विमलखंधं मिउ-विसय-सुहुम-लक्खण-पसत्थविच्छिन्न-केसर-सडोवसोभियं ऊसिय-सुनिम्मिय-सुजाय-अप्फोडिय-लंगूलं सोमं सोमाकारं लीलायंतं जंभायंतं नहयलाओ ओवयमाणं नियय-वयण-मतिवयंतं सीहं सुविणे पासित्ताणं पडिबुद्धा ३। तए णं सा पभावति देवी अयमेयारूवं ओरालं जाव सस्सिरीयं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुद्धा समाणी हट्ठतुट्ठ जाव हियया धाराहय-कलंबपुप्फगं पिव समूससिय रोमकूवा तं सुविणं ओगिण्हति ओगिण्हित्ता सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेत्ता अतुरिय-मचवल-मसंभंताए अविलंबियाए रायहंससरिसीए गईए जेणेव बलस्स रन्नो सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता बलं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुन्नाहिं मणामाहिं ओरालाहिं कल्लाणाहिं सिवाहिं धन्नाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीयाहिं मियमहुरमंजुलाहिं गिराहिं संलवमाणी संलवमाणी पडिबोहेति पडिबोहेत्ता बलेणं रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी नाणामणिरयणभत्तिचित्तंसि भद्दासणंसि णिसीयति णिसीयित्ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया बलं रायं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव संलवमाणी २ एवं वयासी—एवं खलु अहं देवाणुप्पिया! अज्ज तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए तं चेव जाव नियग-

वयणमइवयंतं सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा, तएणं देवाणुप्पिया ! एयस्स ओरालस्स जाव महासुविणस्स के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ?, ४ । तए णं से बले राया पभावईए देवीए अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हयहियये धाराहय-नीव-सुरभि-कुसुम चंचुमालइय-तणुय-ऊसविय-रोमकूवे तं सुविणं ओगिण्हइ ओगिण्हित्ता ईहं पविस्सइ ईहं पविसित्ता अप्पणो साभाविएणं मइपुव्वएणं बुद्धिविन्नाणेणं तस्स सुविणस्स अत्थोग्गहणं करेइ तस्स सुविणस्स अत्थोग्गहणं करित्ता पभावइं देविं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव मंगल्लाहिं मियमहुरसस्सिरीयहिं गिराहिं संलवमाणे २ एवं वयासी–ओराले णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे, कल्लाणे णं तुमे जाव सस्सिरीए णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे, आरोग्ग-तुट्ठि-दीहाउ-कल्लाण-मंगल्लकारए णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे, अत्थलाभो देवाणुप्पिए ! भोगलाभो देवाणुप्पिए ! पुत्तलाभो देवाणुप्पिए ! रज्जलाभो देवाणुप्पिए ! एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए ! णवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं अद्धट्ठमाण राइंदियाणं विइक्कंताणं अम्हं कुलकेउं कुलदीवं कुलपव्वयं कुलवडेंसयं कुलतिलगं कुलकित्तिकरं कुलनंदिकरं कुलजसकरं कुलाधारं कुलपायवं कुलविवद्धणकरं सुकुमालपाणिपायं अहीण-पडिपुन्न-पंचिंदियसरीरं जाव ससिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुरूवं देवकुमारसमप्पभं दारगं पयाहिसि ५ । सेऽवि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते सूरे वीरे विक्कंते वित्थिन्नविउलबल-वाहणे रज्जवई राया भविस्सइ, तं उराले णं तुमे जाव सुमिणे दिट्ठे आरोग्गतुट्ठि जाव मंगल्लकारए णं तुमे देवी ! सुविणे दिट्ठे त्तिकट्टु पभावतिं देविं ताहिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं दोच्चंपि तच्चंपि अणुवूहति ६ । तए णं सा पभावती देवी बलस्स रन्नो अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हयहियया करयल जाव एवं वयासी–एवमेयं देवाणु-प्पिया ! तहमेयं देवाणुप्पिया ! अवितहमेयं देवाणुप्पिया ! असंदिद्धमेयं

देवाणुप्पिया ! इच्छियमेयं देवाणुप्पिया ! पडिच्छियमेयं देवाणुप्पिया ! इच्छियपडिच्छियमेयं देवाणुप्पिया ! से जहेयं तुज्झे वदहत्तिकट्टु तं सुविणं सम्मं पडिच्छइ पडिच्छित्ता बलेणं रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी णाणामणि-रयण-भत्तिचित्ताओ भद्दासणाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठेत्ता अतुरिय-मचवल जाव गतीए जेणेव सए सयणिज्जे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सयणिज्जंसि निसीयति निसीइत्ता एवं वयासी–मा मे से उत्तमे पहाणे मंगल्ले सुविणे अन्नेहिं पावसुमिणेहिं पडिहम्मिस्सइत्तिकट्टु देवगुरुजणसंबद्धाहिं पसत्थाहिं मंगल्लाहिं धम्मियाहिं कहाहिं सुविणजागरियं पडिजागरमाणी २ विहरति ७। तए णं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अज्ज सविसेसं बाहिरियं उवट्ठाणसालं गंधोदयसित्त-सुइय-संमज्जिओवलित्तं सुगंधवर-पंचवन्नपुप्फोवयारकलियं कालागुरु-पवर-कुंदुरुक्क जाव गंधवट्टिभूयं करेह य कारवेह य करेत्ता कारवेत्ता सीहासणं रएह सीहासणं रयावेत्ता ममेतं जाव पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबिय जाव पडिसुणेत्ता खिप्पामेव सविसेसं बाहिरियं उवट्ठाणसालं जाव पच्चप्पिणंति ८। तए णं से बले राया पच्चूसकालसमयंसि सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेत्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ पायपीढाओ पच्चोरुहित्ता जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छति अट्टणसालं अणुपविसइ जहा उववाइए तहेव अट्टणसाला तहेव मज्जणघरे जाव ससिव्व पियदंसणे नरवई मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सीहासणवरंसि पुरच्छाभिमुहे निसीयइ निसीइत्ता अप्पणो उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए अट्ठ भद्दासणाइं सेयवत्थपच्चुत्थुयाइं सिद्धत्थग-कय-मंगलोवयाराइं रयावेइ रयावेत्ता अप्पणो अदूरसामंते णाणामणिरयण-मंडियं अहियपेच्छणिज्जं महग्घवरपट्टणुग्गयं सण्हपट्ट-बहुभत्ति-सयचित्ताणं

ईहामिय-उसभ जाव भत्तिचित्तं अब्भितरियं जवणियं अंछावेइ अंछावेत्ता नाणामणि-रयण-भत्तिचित्तं अच्छरय-मउय-मसूर-गोच्छगं सेयवत्थपच्चुत्थुयं अंगसुहफासुयं सुमउयं पभावतीए देवीए भद्दासणं रयावेइ रयावेत्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अट्ठंगमहानिमित्त-सुत्तत्थधारए विविहसत्थकुसले सुविणलक्खणपाढए सद्दावेह १। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा जाव पडिसुणेत्ता बलस्स रन्नो अंतियाओ पडिनिक्खमंति पडिनिक्खमित्ता सिग्घं तुरियं चवलं चंडं वेइयं हत्थिणापुरं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव तेसिं सुविण-लक्खण-पाढगाणं गिहाइं तेणेव उवागच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता ते सुविणलक्खणपाढए सद्दावेंति १०। तए णं ते सुविणलक्खणपाढगा बलस्स रन्नो कोडुंबियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हयहियया ण्हाया कय जाव सरीरा सिद्धत्थग-हरियालिया-कय-मंगलमुद्धाणा सएहिं २ गिहेहिंतो निग्गच्छंति २ हत्थिणापुरं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव बलस्स रन्नो भवणवरवडेंसए तेणेव उवागच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता भवण-वर-वडेंसग-पडिदुवारंसि एगओ मिलंति एगओ मिलित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता करयल जाव कट्टु बलरायं जएणं विजएणं वद्धावेंति ११। तए णं सुविणलक्खणपाढगा बलेणं रन्ना वंदिय-पूइय-सक्कारिय-सम्माणिया समाणा पत्तेयं २ पुव्वन्नत्थेसु भद्दासणेसु निसीयंति १२। तए णं से बले राया पभावतिं देविं जवणियंतरियं ठवेइ ठवेत्ता पुप्फफलपडिपुन्नहत्थे परेणं विणएणं ते सुविणलक्खणपाढए एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! पभावती देवी अज्ज तंसि तारिसगंसि वासघरंसि जाव सीहं सुविणे पासित्ता णं पडिबुद्धा तएणं देवाणुप्पिया ! एयस्स ओरालस्स जाव के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ?, १३। तए णं सुविणलक्खणपाढगा बलस्स रन्नो अंतियं एयमट्ठं सोच्चा

निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हयहियया तं सुविणं ओगिण्हंति २ ईहं अणुप्पविसंति अणुप्पविसित्ता तस्स सुविणस्स अत्थोग्गहणं करेंति २ त्ता अन्नमन्नेणं सद्धिं संचालेंति २ तस्स सुविणस्स लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अभिगयट्ठा बलस्स रन्नो पुरओ सुविणसत्थाइं उच्चारेमाणा २ एवं वयासी– एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं सुविणसत्थंसि बायालीसं सुविणा तीसं महासुविणा बावत्तरि सव्वसुविणा दिट्ठा, तत्थ णं देवाणुप्पिया ! तित्थगरमायरो वा चक्कवट्टिमायरो वा तित्थगरंसि वा चक्कवट्टिंसि वा गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुविणाणं इमे चोद्दस महासुविणे पासित्ताणं पडिबुज्झंति, तंजहा–गय-वसह-सीह-अभिसेय-दाम-ससि-दिणयरं झयं कुंभं । पउमसर-सागर-विमाण-भवण-रयणुच्चय-सिहिं च १४ ॥ १ ॥ १४ । वासुदेवमायरो वा वासुदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरे सत्त महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति, बलदेवमायरो वा बलदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चोद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरे चत्तारि महासुविणे पासित्ता णं पडिबुज्झंति, मंडलियमायरो वा मंडलियंसि गब्भं वक्कममाणंसि एतेसि णं चउद्दसण्हं महासुविणाणं अन्नयरं एगं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुज्झंति १५ । इमे य णं देवाणुप्पिया ! पभावतीए देवीए एगे महासुविणे दिट्ठे, तं ओराले णं देवाणुप्पिया ! पभावतीए देवीए सुविणे दिट्ठे जाव आरोग्गतुट्ठि जाव मंगल्लाकारए णं देवाणुप्पिया ! पभावतीए देवीए सुविणे दिट्ठे, अत्थलाभो देवाणुप्पिए ! भोगलाभो देवाणुप्पिए ! पुत्तलाभो देवाणुप्पिए ! रज्जलाभो देवाणुप्पिए !, एवं खलु देवाणुप्पिए । पभावती देवी नवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं जाव वीतिक्कंताणं तुम्हं कुलकेउं जाव पयाहिति, सेऽविय णं दारए उम्मुक्कबालभावे जाव रज्जवई राया भविस्सइ अणगारे वा भावियप्पा, तं ओराले णं देवाणुप्पिया ! पभावतीए देवीए सुविणे दिट्ठे

जाव आरोग्ग-तुट्ठिदीहाउय-कल्लाण जाव दिट्ठे १६। तए णं से बले राया सुविणलक्खणपाढगाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठे करयल जाव कट्टु ते सुविणलक्खणपाढगे एवं वयासी–एवमेयं देवाणुप्पिया! जाव से जहेयं तुब्भे वदहत्तिकट्टु तं सुविणं सम्मं पडिच्छइ २ त्ता सुविणलक्खण-पाढए विउलेणं असण-पाण-खाइम-साइम-पुप्फ-वत्थ-गंध-मल्लालंकारेणं सक्कारेति संमाणेति सक्कारेत्ता संमाणेत्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयति २ पडिविसज्जेति पडिविसज्जेत्ता सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ सीहासणाओ अब्भुट्ठेत्ता जेणेव पभावती देवी तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता पभावतीं देवीं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं जाव संलवमाणे संलवमाणे एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! सुविणसत्थंसि बायालीसं सुविणा तीसं महासुविणा बावत्तरि सव्वसुविणा दिट्ठा, तत्थ णं देवाणुप्पिए! तित्थगरमायरो वा चक्कवट्टि-मायरो वा तं चेव जाव अन्नयरं एगं महासुविणं पासित्ता णं पडिबुज्झंति, इमे य णं तुमे देवाणुप्पिए! एगे महासुविणे दिट्ठे तं ओराले तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे जाव रज्जवई राया भविस्सइ अणगारे वा भावियप्पा, तं ओराले णं तुमे देवी! सुविणे दिट्ठे जाव दिट्ठेत्तिकट्टु पभावतिं देविं ताहिं इट्ठाहि कंताहिं जाव दोच्चंपि तच्चंपि अणुब्बूहइ १७। तए णं सा पभावती देवी बलस्स रन्नो अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा करयल जाव एवं वयासी–एयमेयं देवाणुप्पिया! जाव तं सुविणं सम्मं पडिच्छत्ति तं सुविणं सम्मं पडिच्छित्ता बलेणं रन्ना अब्भणुन्नाया समाणी नाणामणि-रयण-भत्तिचित्त जाव अब्भुट्ठेति अतुरिय-मचवल जाव गतीए जेणेव सए भवणे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता सयं भवणमणुपविट्ठा १८। तए णं सा पभावती देवी ण्हाया कयबलिकम्मा जाव सव्वालंकारविभूसिया तं गब्भं णाइसीएहिं नाइउण्हेहिं नाइतित्तेहिं नाइकडुएहिं नाइकसाएहिं नाइअंबिलेहिं नाइमहुरेहिं उउ-भयमाण-सुहेहिं भोयण-च्छायण-गंधमल्लेहिं

जं तस्स गब्भस्स हियं मितं पत्थं गब्भपोसणं तं देसे य काले य आहार-माहारेमाणी विवित्तमउएहिं सयणासणेहिं पइरिक्कसुहाए मणाणुकूलाए विहारभूमीए पसत्थदोहला संपुन्नदोहला सम्माणियदोहला अविमाणियदोहला वोच्छिन्नदोहला वव(वि)णीयदोहला ववगयरोगमोहभयपरित्तासा तं गब्भं सुहंसुहेणं परिवहति (जाव तुयट्टइ) १९। तए णं सा पभावती देवी नवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं अद्धट्ठमाण राइंदियाणं वीतिक्कंताणं सुकुमालपाणिपायं अहीण-पडिपुन्न-पंचिंदिय-सरीरं लक्खण-वंजण-गुणोववेयं जाव ससिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुरूवं दारयं पयाया २०। तए णं तीसे पभावतीए देवीए अंगपडियारियाओ पभावतिं देविं पसूयं जाणेत्ता जेणेव बले राया तेणेव उवागच्छन्ति तेणेव उवागच्छित्ता करयल जाव बलं रायं जयेणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावेत्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया! पभावती पियट्ठयाए पियं निवेदेमो पियं भे भवउ २१। तए णं से बले राया अंगपडियारियाणं अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव धाराहयणीव जाव रोमकूवे तासिं अंगपडियारियाणं मउडवज्जं जहामालियं ओमोयं दलयति २ सेतं रययामयं विमलसलिलपुन्नं भिंगारं च गिण्हइ गिण्हित्ता मत्थए धोवइ मत्थए धोवित्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयति पीइदाणं दलयित्ता सक्कारेति सम्माणेति २२॥ सूत्रं ४२८॥ तए णं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ सद्दावेत्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! हत्थिणापुरे नयरे चारगसोहणं करेह २ माणुम्माणवड्ढणं करेह २ हत्थिणापुरं नगरं सब्भितरबाहिरियं आसियसंमज्जिओवलित्तं जाव करेह कारवेह करेत्ता य कारवेत्ता य जूयसहस्सं वा चक्कसहस्सं वा पूयामहामहिमसक्कारं वा उस्सवेह २ ममेतमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबियपुरिसा बलेणं रन्ना एवं वुत्ता समाणा जाव पच्चप्पिणंति १। तए णं से बले राया जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छति तेणेव उवागच्छित्ता तं चेव जाव मज्जण-

घराओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता उस्सुक्कं उक्करं उक्किट्ठं अदिज्जं अमिज्जं अभडप्पवेसं अदंडकोडंडिमं अधरिमं गणियावर-नाडइज्ज-कलियं अणेग-तालाचराणुचरियं अणुद्धुय-मुइंगं अमिलाय-मल्लदामं पमुइय-पक्कीलियं सपुर-जण-जाणवयं (विजय-वेजइयं) दसदिवसे ठिइवडियं करेंति २। तए णं से बले राया दसाहियाए ठिइवडियाए वट्टमाणीए सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य जाए य दाए य भाए य दलमाणे य दवावेमाणे य सए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य लंभे पडिच्छेमाणे पडिच्छावेमाणे एवं विहरइ ३। तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे ठिइवडियं करेइ तइए दिवसे चंदसूरदंसणियं करेइ छट्ठे दिवसे जागरियं करेइ एक्कारसमे दिवसे वीतिक्कंते निव्वत्ते असुइजायकम्मकरणे संपत्ते बारसाह-दिवसे विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ जहा सिवो जाव खत्तिए य आमंतेति २ तओ पच्छा राहाया कयबलिकम्मा तं चेव जाव सक्कारेंति सम्माणेंति २ तस्सेव मित्तणाति जाव राईण य खत्तियाण य पुरओ अज्जय-पज्जय-पिउपज्जयागयं बहुपुरिस-परंपरप्परूढं कुलाणुरूवं कुलसरिसं कुलसंताण-तंतुवद्धणकरं अयमेयारूवं गोन्नं गुणनिप्फन्नं नामधेज्जं करेंति—जम्हा णं अम्हं इमे दारए बलस्स रन्नो पुत्ते पभावतीए देवीए अत्तए तं होउ णं अम्हं एयस्स दारगस्स नामधेज्जं महब्बले, तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो नामधेज्जं करेंति महब्बलेत्ति ४। तए णं से महब्बले दारए पंचधाईपरिग्गहिए, तंजहा—खीरधाईए एवं जहा दढपइन्ने जाव निवाय-निव्वाघायंसि सुहंसुहेणं परिवड्ढति ५। तए णं तस्स महब्बलस्स दारगस्स अम्मापियरो अणुपुव्वेणं ठितिवडियं वा चंदसूरदंसावणियं वा जागरियं वा नामकरणं वा परंगामणं वा पयचंकमणं वा जेमामणं वा पिंडवद्धणं वा पज्जपावणं वा कण्णवेहणं वा संवच्छरपडिलेहणं वा चोलोयणगं च उवणयणं च अन्नाणि य बहूणि गब्भाधाण-जम्मण-मादियाइं कोउयाइं करेंति ६।

तए णं तं महब्बलं कुमारं अम्मापियरो सातिरेगट्ठवासगं जाणित्ता सोभणंसि तिहिकरणमुहुत्तंसि एवं जहा दढप्पइन्नो जाव अलं भोगसमत्थे जाए यावि होत्था ७ । तए णं तं महब्बलं कुमारं उम्मुक्कबालभावं जाव अलं भोगसमत्थं विजाणित्ता अम्मापियरो अट्ठ पासायवडेंसए करेंति २ अब्भुग्गय-भूसिय-पहसिए इव वन्नओ जहा रायप्पसेणइज्जे जाव पडिरूवे तेसि णं पासाय-वडेंसगाणं बहुमज्झदेसभागे एत्थ णं महेगं भवणं करेंति अणेग-खंभ-सय-संनिविट्ठं वन्नओ जहा रायप्पसेणइज्जे पेच्छाघरमंडवंसि जाव पडिरूवे ८ ॥ सूत्रं ४२९ ॥ तए णं तं महब्बलं कुमारं अम्मापियरो अन्नया कयावि सोभणंसि तिहि-करण-दिवस-नक्खत्त-मुहुत्तंसि ण्हायं कयबलिकम्मं कयकोउय-मंगल-पायच्छित्तं सव्वालंकार-विभूसियं पमक्खणग-ण्हाण-गीय-वाइय-पसाहण-ट्ठंगतिलग-कंकण-अविहवबहु-उवणीयं मंगल-सुजंपिएहि य वरकोउय-मंगलोवयार-कय-संतिकम्मं सरिसयाणं सरित्तयाणं सरिव्वयाणं सरिस-लावन्न-रूव--जोव्वण-गुणोववेयाणं विणीयाणं कय-कोउय--मंगल--पायच्छित्ताणं सरिसएहिं रायकुलेहिंतो आणिल्लियाणं अट्ठण्हं रायवरकन्नाणं एगदिवसेणं पाणिं गिण्हाविंसु १ । तए णं तस्स महाबलस्स कुमारस्स अम्मापियरो अयमेयारूवं पीइदाणं दलयंति, तंजहा—अट्ठ हिरन्नकोडीओ, अट्ठ सुवन्नकोडीओ, अट्ठ मउडे मउडप्पवरे, अट्ठ कुंडलजुए कुंडलजुयप्पवरे, अट्ठ हारे हारप्पवरे, अट्ठ अद्धहारे अद्धहारप्पवरे, अट्ठ एगावलीओ एगावलिप्पवराओ, एवं मुत्तावलीओ, एवं कणगावलीओ, एवं रयणावलीओ, अट्ठ कडगजोए कडगजोयप्पवरे, एवं तुडियजोए, अट्ठ खोमजुयलाइं खोमजुयलप्पवराइं, एवं वडगजुयलाइं, एवं पट्टजुयलाइं, एवं दुगुल्लजुयलाइं, अट्ठं सिरीओ, अट्ठ हिरीओ, एवं धिईओ, कित्तीओ, बुद्धीओ, लच्छीओ, अट्ठ नंदाइं, अट्ठ भद्दाइं, अट्ठ तले तलप्पवरे सव्वरयणामए णियग-वर-भवणकेऊ, अट्ठ भए भयप्पवरे, अट्ठ वये वयप्पवरे दसगोसाहस्सिएणं वएणं, अट्ठ

नाडगाइं नाडगप्पवराइं बत्तीसबद्धेणं नाडएणं, अट्ठ आसे आसप्पवरे सव्वरयणामए सिरिघरपडिरूवए, अट्ठ हत्थी हत्थिप्पवरे सव्वरयणामए सिरिघरपडिरूवए, अट्ठ जाणाइं जाणप्पवराइं, अट्ठ जुगाइं जुगप्पवराइं, एवं सिबियाओ, एवं संदमाणीओ, एवं गिल्लीओ, थिल्लीओ, अट्ठ वियडजाणाइं वियडजाणप्पवराइं, अट्ठरहे पारिजाणिए, अट्ठ रहे संगामिए, अट्ठ आसे आसप्पवरे, अट्ठ हत्थी हत्थिप्पवरे, अट्ठ गामे गामप्पवरे, दसकुलसाहस्सिएणं गामेणं, अट्ठ दासे दासप्पवरे, एवं चेव दासीओ, एवं किंकरे, एवं कंचुइज्जे, एवं वरिसधरे, एवं महत्तरए, अट्ठ सोवन्निए ओलंबणदीवे, अट्ठ रुप्पामए ओलंबणदीवे, अट्ठ सुवन्नरुप्पामए ओलंबणदीवे, अट्ठ सोवन्निए उक्कंचणदीवे, एवं चेव तिन्निवि अट्ठ सोवन्निए थाले, अट्ठ रुप्पमए थाले, अट्ठ सुवन्नरुप्पमए थाले, अट्ठ सोवन्नियाओ पत्तीओ ३, अट्ठ सोवन्नियाइं थासयाइं ३, अट्ठ सोवन्नियाइं मंगलाइं ३, अट्ठ सोवन्नियाओ तलियाओ, अट्ठ सोवन्नियाओ कावइआओ, अट्ठ सोवन्निए अवएडए, अट्ठ सोवन्नियाओ अवयक्काओ, अट्ठ सोवण्णिए पायपीढए ३, अट्ठ सोवन्नियाओ भिसियाओ, अट्ठ सोवन्नियाओ करोडियाओ, अट्ठ सोवन्निए पल्लंके, अट्ठ सोवन्नियाओ पडिसेज्जाओ, अट्ठ हंसासणाइं, अट्ठ कोंचासणाइं, एवं गरुलासणाइं, उन्नयासणाइं, पणयासणाइं, दीहासणाइं, भद्दासणाइं, पक्खासणाइं, मगरासणाइं, अट्ठ पउमासणाइं, अट्ठ दिसासोवत्थियासणाइं, अट्ठ तेलसमुग्गे, जहा रायप्पसेणइज्जे जाव अट्ठ सरिसवसमुग्गे, अट्ठ खुज्जाओ, जहा उववाइए जाव अट्ठ पारिसीओ, अट्ठ छत्ते, अट्ठ छत्तधारिओ चेडीओ, अट्ठ चामराओ, अट्ठ चामरधारीओ चेडीओ, अट्ठ तालियंटे, अट्ठ तालियंटधारीओ चेडीओ, अट्ठ करोडियाधारीओ, चेडीओ. अट्ठ खीरधातीओ जाव अट्ठ अंकधातीओ, अट्ठ अंगमद्दियाओ, अट्ठ उम्मद्दियाओ, अट्ठ ण्हाविआओ, अट्ठ पसाहियाओ, अट्ठ वन्नगपेसीओ, अट्ठ चुन्नगपेसीओ, अट्ठ कोट्ठागारीओ, अट्ठ दवकारीओ, अट्ठ उवत्थाणि-

याओ, अट्ठ नाडइज्जाओ, अट्ठ कोडुंबिणीओ, अट्ठ महाणसिणीओ, अट्ठ भंडागारिणीओ, अट्ठ अब्भाधारिणीओ, अट्ठ पुप्फधरणीओ, अट्ठ पाणिधरणीओ, अट्ठ बलिकारीओ, अट्ठ सेज्जाकारीओ, अट्ठ अब्भितरियाओ पडिहारीओ, अट्ठ बाहिरियाओ पडिहारीओ, अट्ठ मालाकारीओ, अट्ठ पेसणकारीओ, अन्नं वा सुबहुं हिरन्नं वा सुवन्नं वा कंसं वा दूसं वा विउलधण-कणग जाव संत-सार-सावएज्जं अलाहि जाव आसत्तमाओ कुलवंसाओ पकामं दाउं पकामं भोत्तुं पकामं परिभाएउं २ । तए णं से महब्बले कुमारे एगमेगाए भज्जाए एगमेगं हिरन्नकोडिं दलयति, एगमेगं सुवन्नकोडिं दलयति, एगमेगं मउडं मउडप्पवरं दलयति, एवं तं चेव सव्वं जाव एगमेगं पेसणकारिं दलयति अन्नं वा सुबहुं हिरन्नं वा जाव परिभाएउं, तए णं से महब्बले कुमारे उप्पिं पासायवरगए जहा जमाली जाव विहरति ३ ॥ सूत्रं ४३० ॥ तेणं कालेणं २ विमलस्स अरहओ पओप्पए धम्मघोसे नामं अणगारे जाइसंपन्ने वन्नओ जहा केसिसामिस्स जाव पंचहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूतिज्जमाणे जेणेव हत्थिणागपुरे नगरे जेणेव सहसंबवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ अहापडिरूवं उग्गहं ओगिण्हति २ संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरति १ । तए णं हत्थिणापुरे नगरे सिंघाडगतिय जाव परिसा पज्जुवासइ २ । तए णं तस्स महब्बलस्स कुमारस्स तं महया जणसद्दं वा जणवूहं वा एवं जहा जमाली तहेव चिंता तहेव कंचुइज्जपुरिसं सद्दावेति, कंचुइज्जपुरिसोवि तहेव अक्खाति, नवरं धम्मघोसस्स अणगारस्स आगमण-गहिय-विणिच्छए करयल जाव निग्गच्छइ, एवं खलु देवाणुप्पिया ! विमलस्स अरहओ पउप्पए धम्मघोसे नामं अणगारे सेसं तं चेव जाव सोवि तहेव रहवरेणं निग्गच्छति २ । धम्मकहा जहा केसिसामिस्स, सोवि तहेव अम्मापियरो आपुच्छइ, नवरं धम्मघोसस्स अणगारस्स अंतियं मुंडे भवित्ता

अगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए तहेव वुत्तपडिवुत्तया नवरं इमाओ य ते जाया ! विउलराय-कुलबालियाओ कलाकुसल-सव्व-काल-लालिय-सुहोचियाओ सेसं तं चेव जाव ताहे अकामाइं चेव महब्बलकुमारं एवं वयासी–तं इच्छामो ते जाया ! एगदिवसमवि रज्जसिरिं पासित्तए, तए णं से महब्बले कुमारे अम्मापियराण वयणमणुयत्तमाणे तुसिणीए संचिट्ठति ३ । तए णं से बले राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ एवं जहा सिवभद्दस्स तहेव रायाभिसेओ भाणियव्वो जाव अभिसिंचति करयलपरिग्गहियं महब्बलं कुमारं जएणं विजएणं वद्धावेंति जएणं विजएणं वद्धावित्ता जाव एवं वयासी–भण जाया ! किं देमो किं पयच्छामो ? सेसं जहा जमालिस्स, तहेव जाव तए णं से महब्बले अणगारे धम्मघोसस्स अणगारस्स अंतियं सामाइयमाइयाइं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जति २ बहूहिं चउत्थ जाव विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहुपडिपुन्नाइं दुवालस वासाइं सामन्नपरियागं पाउणति २ मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेदेति आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा उड्ढं चंदमसूरिय जहा अम्मडो जाव बंभलोए कप्पे देवत्ताए उववन्ने, तत्थ णं अत्थेगतियाणं देवाणं दस सागरोवमाइं ठिती पण्णत्ता, तत्थ णं महब्बलस्सवि दस सागरोवमाइं ठिती पन्नत्ता ४ । से णं तुमं सुदंसणा ! बंभलोगे कप्पे दस सागरोवमाइं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरित्ता ताओ चेव देवलोगाओ आउक्खएणं ३ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव वाणियगामे नगरे सेट्ठिकुलंसि पुत्तत्ताए पच्चायाए ५ ॥ सूत्रं ४३१ ॥ तए णं तुमे सुदंसणा ! उम्मुक्कबालभावेणं विन्नायपरिणयमेत्तेणं जोव्वणगमणुप्पत्तेणं तहारूवाणं थेराणं अंतियं केवलिपन्नत्ते धम्मे निसंते, सेऽविय धम्मे इच्छिए पडिच्छिए अभिरुइए तं सुट्ठु णं तुमं सुदंसणा ! इदाणिं पकरेसि १ । से तेणट्ठेणं सुदंसणा ! एवं वुच्चइ–अत्थि णं एतेसिं पलिओवमसागरोवमाणं खयेति

वा अवचयेति वा २। तए णं तस्स सुदंसणस्स सेट्ठिस्स समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म सुभेणं अज्झवसाणेणं सुभेणं परिणामेणं लेसाहिं विसुज्झमाणीहिं तयावरणिज्जाणं कम्माणं खओवसमेणं ईहापोहमग्गणगवेसणं करेमाणस्स सन्नीपुव्वे जातीसरणे समुप्पन्ने एयमट्ठं सम्मं अभिसमेति ३। तए णं से सुदंसणे सेट्ठी समणेणं भगवया महावीरेणं संभारिय-पुव्वभवे दुगुणाणीय-सद्धसंवेगे आणंदंसु-पुन्ननयणे समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ वंदइ नमंसइ २ त्ता एवं वयासी—एवमेयं भंते! जाव से जहेयं तुज्झे वदहत्तिकट्टु उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ सेसं जहा उसभदत्तस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ४। नवरं चोद्दस पुव्वाइं अहिज्जइ, बहुपडिपुन्नाइं दुवालस वासाइं सामन्नपरियागं पाउणइ, सेसं तं चेव ५। सेवं भंते! सेवं भंते! त्ति जाव विहरति ६ ॥ सूत्रं ४३२ ॥ महब्बलो समत्तो ॥

॥ इति एकादशमशतके एकादशम उद्देशकः ॥ ११-११ ॥

॥ अथ एकादशमशतके आलभिकाख्य-द्वादशमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं २ आलभिया नामं नगरी होत्था वन्नओ, संखवणे चेइए वन्नओ, तत्थ णं आलंभियाए नगरीए बहवे इसिभद्दपुत्तपामोक्खा समणोवासया परिवसंति अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरंति १। तए णं तेसिं समणोवासयाणं अन्नया कयावि एगयओ सहियाणं समुवागयाणं संनिविट्ठाणं सन्निसन्नाणं अयमेयारूवे मिहो कहासमुल्लावे समुप्पज्जित्था—देवलोगेसु णं अज्जो! देवाणं केवतियं कालं ठिती पण्णत्ता?, तए णं से इसिभद्दपुत्ते समणोवासए देवट्ठितीगहियट्ठे ते समणोवासए एवं वयासी—देवलोएसु णं अज्जो! देवाणं जहण्णेणं दसवाससहस्साइं ठिती पण्णत्ता, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव

दससमयाहिया संखेज्जसमयाहिया असंखेज्जसमयाहिया उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिती पन्नत्ता, तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य २। तए णं ते समणोवासया इसिभद्दपुत्तस्स समणोवासगस्स एवमाइक्खमाणस्स जाव एवं परूवेमाणस्स एयमट्ठं नो सद्दहंति नो पत्तियंति नो रोयंति एयमट्ठं असद्दहमाणा अपत्तियमाणा अरोएमाणा जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया ३॥ सूत्रं ४३३॥ तेणं कालेणं २ समणे भगवं महावीरे जाव समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ १। तए णं ते समणोवासया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठतुट्ठा एवं जहा तुंगिउद्देसए जाव पज्जुवासंति २। तए णं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य महतिमहालियाए जाव धम्मकहा जाव आणाए आराहए भवइ ३। तए णं ते समणोवासया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठेत्ता समणं भगवं महावीरं वंदन्ति नमंसन्ति २ एवं वदासी–एवं खलु भंते ! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए अम्हं एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–देवलोएसु णं अज्जो ! देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं ठिती पन्नत्ता तेण परं समयाहिया जाव तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, से कहमेयं भंते ! एवं ?, ४। अज्जोत्ति ! समणे भगवं महावीरे ते समणोवासए एवं वयासी–जन्नं अज्जो ! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए तुज्झं एवं आइक्खइ जाव परूवेइ–देवलोगेसु णं अज्जो ! देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं ठिई पन्नत्ता, तेण परं समयाहिया जाव तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, सच्चे णं एसमट्ठे, अहं पुण अज्जो ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि–देवलोगेसु णं अज्जो ! देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं तं चेव जाव तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य, सच्चे णं एसमट्ठे ५। तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म समणं भगवं महावीरं वंदन्ति नमंसन्ति २

जेणेव इसिभद्दपुत्ते समणोवासए तेणेव उवागच्छन्ति २ इसिभद्दपुत्तं समणोवासगं वंदंति नमंसंति २ एयमट्ठं संमं विणएणं भुज्जो २ खामेंति ६ । तए णं समणोवासया पसिणाइं पुच्छंति २ अट्ठाइं परियादेयंति २ समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति २ जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया ७ ॥ सूत्रं ४३४ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ २ एवं वयासी–पभू णं भंते ! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ?, गोयमा ! णो तिणट्ठे समट्ठे, गोयमा ! इसिभद्दपुत्ते समणोवासए बहूहि सीलव्वय-गुणव्वय-वेरमण-पच्चक्खाण-पोसहोववासेहिं अहापरिग्गहिएहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणिहिति २ मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेहिति २ सट्ठिं भत्ताइं अणसणाइं छेदेहिति २ आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे अरुणाभे विमाणे देवत्ताए उववज्जिहिति, तत्थ णं अत्थेगतियाणं देवाणं चत्तारि पलिओवमाइं ठिती पण्णत्ता, तत्थ णं इसिभद्दपुत्तस्सवि देवस्स चत्तारि पलिओवमाइं ठिती भविस्सति १ । से णं भंते ! इसिभद्दपुत्ते देवे तातो देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं जाव कहिं उववज्जिहिति ?, गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झिहिति जाव अंतं काहेति २ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! त्ति भगवं गोयमे जाव अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ सूत्रं ४३५ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अन्नया कयावि आलभियाओ नगरीओ संखवणाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ १ । तेणं कालेणं तेणं समएणं आलंभिया नामं नगरी होत्था वन्नओ, तत्थ णं संखवणे णामं चेइए होत्था वन्नओ, तस्स णं संखवणस्स अदूरसामंते पोग्गले नामं परिव्वायए परिवसति रिउव्वेदजजुरवेद जाव नएसु सुपरिनिट्ठिए छट्ठंछट्ठेणं अणिक्खित्तेणं तवोकम्मेणं उड्ढ-बाहाओ जाव

आयावेमाणे विहरति २। तए णं तस्स पोग्गलस्स छट्ठंछट्ठेणं जाव आयावेमाणस्स पगतिभद्दयाए जहा सिवस्स जाव विब्भंगे नामं अन्नाणे समुप्पन्ने, से णं तेणं विब्भंगेणं नाणेणं समुप्पन्नेणं बंभलोए कप्पे देवाणं ठितिं जाणति पासति ३। तए णं तस्स पोग्गलस्स परिव्वायगस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–अत्थि णं ममं अइसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने, देवलोएसु णं देवाणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं ठिती पण्णत्ता, तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव उक्कोसेणं असंखेज्ज-समयाहिया उक्कोसेणं दससागरोवमाइं ठिती पन्नत्ता तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य ४। एवं संपेहेति एवं २ आयावणभूमीओ पच्चोरुहइ २ तिदंड-कुंडिया जाव धाउरत्ताओ य गेण्हइ २ जेणेव आलंभिया णगरी जेणेव परिव्वायगावसहे तेणेव उवागच्छइ २ भंडनिक्खेवं करेति २ आलंभियाए नगरीए सिंघाडग जाव पहेसु अन्नमन्नस्स एवमाइक्खइ जाव परूवेइ–अत्थि णं देवाणुप्पिया ! ममं अतिसेसे नाणदंसणे समुप्पन्ने, देवलोएसु णं देवाणं जहन्नेणं दसवाससहस्साइं तहेव जाव वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य ५। तए णं आलंभियाए नगरीए एएणं अभिलावेणं जहा सिवस्स तं चेव जाव से कहमेयं मन्ने एवं ?, सामी समोसढे जाव परिसा पडिगया, भगवं गोयमे तहेव भिक्खायरियाए तहेव बहुजणसद्दं निसामेइ तहेव बहुजणसद्दं निसामेत्ता तहेव सव्वं भाणियव्वं जाव अहं पुण गोयमा ! एवं आइक्खामि एवं भासामि जाव परूवेमि–देवलोएसु णं देवाणं जहन्नेणं दस वाससहस्साइं ठिती पण्णत्ता तेण परं समयाहिया दुसमयाहिया जाव उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिती पन्नत्ता, तेण परं वोच्छिन्ना देवा य देवलोगा य ६। अत्थि णं भंते ! सोहम्मे कप्पे दव्वाइं सवन्नाइंपि अवन्नाइंपि ? तहेव जाव हंता अत्थि, एवं ईसाणेवि, एवं जाव अच्चुए, एवं गेवेज्जविमाणेसु अणुत्तरविमाणेसुवि, ईसिपब्भाराएवि ? जाव हंता अत्थि ७। तए णं सा

महतिमहालिया जाव पडिगया, तए णं आलंभियाए नगरीए सिंघाडगतिय जाव पहेसु अवसेसं जहा सिवस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणे नवरं तिदंडकुंडियं जाव धाउरत्त-वत्थ-परिहिए परिवडिय-विब्भंगे आलंभियं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छति जाव उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमति २ तिदंडकुंडियं च जहा खंदओ जाव पव्वइओ सेसं जहा सिवस्स जाव अव्वाबाहं सोक्खं अणुभवंति सासयं सिद्धा। सेवं भंते! २ त्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४३६ ॥ एक्कारसमं सयं समत्तं ॥

॥ इति एकादशमशतके द्वादशम उद्देशकः ॥ ११–१२ ॥

॥ इति एकादशमं शतकम् ॥ ११ ॥

॥ अथ द्वादशमशतके शङ्खश्रमणोपासकाख्य-प्रथमोद्देशकः ॥

संखे १ जयंति २ पुढवि ३ पोग्गल ४ अइवाय ५ राहु ६ लोगे य ७। नागे य ८ देव ९ आया १० बारसमसए दसुद्देसा ॥ १ ॥ तेणं कालेणं २ सावत्थीनामं नगरी होत्था वन्नओ, कोट्ठए चेइए वन्नओ, तत्थ णं सावत्थीए नगरीए बहवे संखप्पामोक्खा समणोवासगा परिवसंति अड्ढा जाव अपरिभूया अभिगयजीवाजीवा जाव विहरंति १। तस्स णं संखस्स समणोवासगस्स उप्पला नामं भारिया होत्था सुकुमाल जाव सुरूवा समणोवासिया अभिगयजीवा २ जाव विहरइ २। तत्थ णं सावत्थीए नगरीए पोक्खलीनामं समणोवासए परिवसइ अड्ढे अभिगय जाव विहरइ ३। तेणं कालेणं २ सामी समोसढे परिसा निग्गया जाव पज्जुवासइ, तए णं ते समणोवासगा इमीसे जहा आलभियाए जाव पज्जुवासइ, तए णं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य महतिमहालियाए जाव धम्मकहा जाव परिसा पडिगया ४। तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव

हयहियया समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वंदित्ता नमंसित्ता पसिणाइं पुच्छंति अट्ठाइं परियादियंति २ उट्ठाए उट्ठेंति २ समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ कोट्ठयाओ चेइयाओ पडिनिक्खमंति २ जेणेव सावत्थी नगरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए ५ ॥ सूत्रं ४३७ ॥ तए णं से संखे समणोवासए ते समणोवासए एवं वयासी–तुब्भे णं देवाणुप्पिया ! विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेह, तए णं अम्हे तं विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा विसाएमाणा परिभुंजेमाणा परिभाएमाणा पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणा विहरिस्सामो १ । तए णं ते समणोवासगा संखस्स समणोवासगस्स एयमट्ठं विणएणं पडिसुणंति, तए णं तस्स संखस्स समणोवासगस्स अयमेयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–नो खलु मे सेयं तं विउलं असणं जाव साइमं आस्साएमाणस्स ४ पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणस्स विहरित्तए, सेयं खलु मे पोसहसालाए पोसहियस्स बंभचारिस्स उम्मुक्कमणिसुवन्नस्स ववगय-मालावन्नग-विलेवणस्स निक्खित्त-सत्थमुसलस्स एगस्स अबिइयस्स दब्भसंथारोवगयस्स पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेति २ जेणेव सावत्थीनगरी जेणेव सए गिहे जेणेव उप्पला समणोवासिया तेणेव उवागच्छइ २ उप्पलं समणोवासियं आपुच्छइ २ जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ पोसहसालं अणुपविसइ २ पोसहसालं पमज्जइ २ उच्चारपासवणभूमीं पडिलेहेइ २ दब्भसंथारगं संथरति २ दब्भसंथारगं दुरूहइ २ पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव पक्खियं पोसहं पडिजागरमाणे विहरति २ । तए णं ते समणोवासगा जेणेव सावत्थी नगरी जेणेव साइं गिहाइं तेणेव उवागच्छंति २ विपुलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेंति २ अन्नमन्ने सद्दावेंति २ एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हेहिं से विउले असण-पाण-खाइम-साइमे उवक्खडाविए, संखे य णं समणोवासए

नो हव्वमागच्छइ, तं सेयं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं संखं समणोवासगं सद्दावेत्तए ३ । तए णं से पोक्खली समणोवासए ते समणोवासए एवं वयासी–अच्छह णं तुज्झे देवाणुप्पिया ! सुनिव्वुया वीसत्था अहन्नं संखं समणोवासगं सद्दावेमित्तिकट्टु तेसिं समणोवासगाणं अंतियाओ पडिनिक्खमति २ सावत्थीए नगरीए मज्झंमज्झेणं जेणेव संखस्स समणोवासगस्स गिहे तेणेव उवागच्छति २ संखस्स समणोवासगस्स गिहं अणुपविट्ठे ४ । तए णं सा उप्पला समणोवासिया पोक्खलिं समणोवासयं एज्जमाणं पासइ २ हट्ठतुट्ठ जाव हयहियया आसणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता सत्तट्ठ पयाइं अणुगच्छइ २ पोक्खलिं समणोवासगं वंदति नमंसति वंदित्ता नमंसित्ता आसणेणं उवनिमंतेइ २ एवं वयासी–संदिसंतु णं देवाणुप्पिया ! किमागमणप्पयोयणं ?, ५ । तए णं से पोक्खली समणोवासए उप्पलं समणोवासियं एवं वयासी–कहिन्नं देवाणुप्पिए ! संखे समणोवासए ?, तए णं सा उप्पला समणोवासिया पोक्खलं समणोवासयं एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! संखे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए बंभयारी जाव विहरइ ६ । तए णं से पोक्खली समणोवासए जेणेव पोसहसाला जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छइ २ गमणागमणाए पडिक्कमइ २ संखं समणोवासगं वंदति नमंसति वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हेहिं से विउले असण जाव साइमे उवक्खडाविए तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! तं विउलं असणं जाव साइमं आसाएमाणा जाव पडिजागरमाणा विहरामो ७ । तए णं से संखे समणोवासए पोक्खलिं समणोवासगं एवं वयासी–णो खलु कप्पइ देवाणुप्पिया ! तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणस्स जाव पडिजागरमाणस्स विहरित्तए, कप्पइ मे पोसहसालाए पोसहियस्स जाव विहरित्तए, तं छंदेणं देवाणुप्पिया ! तुब्भे तं विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा

जाव विहरइ ८। तए णं से पोक्खली समणोवासगे संखस्स समणोवासगस्स अंतियाओ पोसहसालाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सावत्थिं नगरिं मज्झं-मज्झेणं जेणेव ते समणोवासगा तेणेव उवागच्छइ २ ते समणोवासए एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया ! संखे समणोवासए पोसहसालाए पोसहिए जाव विहरइ, तं छंदेणं देवाणुप्पिया ! तुज्झे विउलं असणपाण-खाइमसाइमे जाव विहरह, संखे णं समणोवासए नो हव्वमागच्छइ ९। तए णं ते समणोवासगा तं विउलं असणपाणखाइमसाइमे आसाएमाणा जाव विहरंति १०। तए णं तस्स संखस्स समणोवासगस्स पुव्वरत्ता-वरत्तकालसमयंसि धम्मजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे जाव समुप्प-ज्जित्था–सेयं खलु मे कल्लं जाव जलंते समणं भगवं महावीरं वंदित्ता नमंसित्ता जाव पज्जुवासित्ता तओ पडिनियत्तस्स पक्खियं पोसहं पारित्तएत्ति-कट्टु एवं संपेहेति एवं २ कल्लं जाव जलंते पोसहसालाओ पडिनिक्खमति २ सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवर-परिहिए सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमति सयाओ गिहाओ पडिनिक्खमित्ता पादविहारचारेणं सावत्थिं नगरिं मज्झंमज्झेणं जाव पज्जुवासति, अभिगमो नत्थि ११। तए णं ते समणोवासगा कल्लं पाउब्भुयाए जाव जलंते ण्हाया कयबलिकम्मा जाव सरीरा सएहिं सएहिं गेहेहिंतो पडिनिक्खमंति सएहिं २ एगयओ मिलायंति एगयओ २ सेसं जहा पढमं जाव पज्जुवासंति १२। तए णं समणे भगवं महावीरे तेसिं समणोवासगाणं तीसे य धम्मकहा जाव आणाए आराहए भवति १३। तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा उट्ठाए उट्ठेंति २ समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वंदित्ता नमंसित्ता जेणेव संखे समणोवासए तेणेव उवागच्छन्ति २ संखं समणोवासयं एवं वयासी–तुमं देवाणुप्पिया ! हिज्जा अम्हेहिं अप्पणा चेव एवं वयासी–तुम्हे णं देवाणुप्पिया ! विउलं असणं

जाव विहरिस्सामो, तए णं तुमं पोसहसालाए जाव विहरिए तं सुट्ठु णं तुमं देवाणुप्पिया ! अम्हं हीलसि १४ । अज्जोत्ति समणे भगवं महावीरे ते समणोवासए एवं वयासी–मा णं अज्जो ! तुज्झे संखं समणोवासगं हीलह निंदह खिंसह गरहह अवमन्नह, संखे णं समणोवासए पियधम्मे चेव दढधम्मे चेव सुदक्खुजागरियं जागरिए १५ ॥ सूत्रं ४३८ ॥ भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदति नमंसति २ एवं वयासी–कइविहा णं भंते ! जागरिया पण्णत्ता ?, गोयमा ! तिविहा जागरिया पण्णत्ता, तंजहा–बुद्धजागरिया अबुद्धजागरिया सुदक्खुजागरिया १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तिविहा जागरिया पण्णत्ता तंजहा–बुद्धजागरिया १ अबुद्धजागरिया २ सुदक्खुजागरिया ३ ?, गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंता उप्पन्न-नाण-दंसणधरा जहा खंदए जाव सवन्नू सव्वदरिसी एए णं बुद्धा बुद्धजागरियं जागरंति, जे इमे अणगारा भगवंतो ईरियासमिया भासासमिया जाव गुत्तबंभचारी एए णं अबुद्धा अबुद्धजागरियं जागरंति, जे इमे समणोवासगा अभिगयजीवाजीवा जाव विहरन्ति एते णं सुदक्खुजागरियं जागरंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ तिविहा जागरिया जाव सुदक्खुजागरिया २ ॥ सूत्रं ४३९ ॥ तए णं से संखे समणोवासए समणं *भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी–कोहवसट्टे णं भंते ! जीवे* किं बंधए ? किं पकरेति ? किं चिणाति ? किं उवचिणाति ?, संखा ! कोहवसट्टे णं जीवे आउयवज्जाओ सत्त कम्मपगडीओ सिढिलबंधणबद्धाओ एवं जहा पढमसए असंवुडस्स अणगारस्स जाव अणुपरियट्टइ १ । माणवसट्टे णं भंते ! जीवे एवं चेव २ । एवं मायावसट्टेवि एवं लोभवसट्टेवि जाव अणुपरियट्टइ ३ । तए णं ते समणोवासगा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म भीया तत्था तसिया संसारभउव्विग्गा समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति २ जेणेव संखे

समणोवासए तेणेव उवागच्छंति २ संखं समणोवासगं वंदंति नमंसंति २ त्ता एयमट्ठं संमं विणएणं भुज्जो २ खामेंति ४। तए णं ते समणोवासगा सेसं जहा आलंभियाए जाव पडिगया ५। भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी–पभू णं भंते ! संखे समणोवासए देवाणुप्पियाणं अंतियं सेसं जहा इसिभद्दपुत्तस्स जाव अंतं काहेति ६। सेवं भंते ! सेवं भंते त्ति जाव विहरइ ७॥ सूत्रं ४४०॥

॥ इति द्वादशमशतके प्रथम उद्देशकः॥ १२–१॥

॥ अथ द्वादशमशतके जयन्तिश्रमणोपासिकाख्य-द्वितीयोद्देशकः॥

तेणं कालेणं २ कोसंबी नामं नगरी होत्था वन्नओ, चंदोवतरणे चेइए वन्नओ, तत्थ णं कोसंबीए नगरीए सहस्साणीयस्स रन्नो पोत्ते सयाणीयस्स रन्नो पुत्ते चेडगस्स रन्नो नत्तुए मिगावतीए देवीए अत्तए जयंतीए समणोवासियाए भत्तिज्जए उदायणे नामं राया होत्था वन्नओ १। तत्थ णं कोसंबीए नयरीए सहस्साणीयस्स रन्नो सुण्हा सयाणीयस्स रन्नो भज्जा चेडगस्स रन्नो धूया उदायणस्स रन्नो माया जयंतीए समणोवासियाए भाउज्जा मिगावती नामं देवी होत्था वन्नओ, सुकुमाल जाव सुरूवा समणोवासिया जाव विहरइ २। तत्थ णं कोसंबीए नगरीए सहस्साणीयस्स रन्नो धूया सयाणीयस्स रन्नो भगिणी उदायणस्स रन्नो पिउच्छा मिगावतीए देवीए णणंदा वेसालीसावयाणं अरहंताणं पुव्वसिज्जायरी जयंती नामं समणोवासिया होत्था सुकुमाल जाव सुरूवा अभिगय जाव विहरइ ३॥ सूत्रं ४४१॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसढे जाव परिसा पज्जुवासइ १। तए णं से उदायणे राया इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठे कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ एवं वयासी–खिप्पामेव

भो देवाणुप्पिया ! कोसंबिं नगरिं-मज्झिंभतर-बाहिरियं एवं जहा कूणिओ तहेव सव्वं जाव पज्जुवासए २ । तए णं सा जयंती समणोवासिया इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणी हट्ठतुट्ठा जेणेव मियावती देवी तेणेव उवागच्छइ २ मियावतीं देवीं एवं वयासी—एवं जहा नवमसए उसभदत्तो जाव भविस्सइ ३ । तए णं सा मियावती देवी जयंतीए समणोवासियाए जहा देवाणंदा जाव पडिसुणेति ४ । तए णं सा मियावती देवी कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! लहुकरणजुत्तजोइय जाव धम्मियं जाणप्पवरं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव उवट्ठवेंति जाव पच्चप्पिणंति ५ । तए णं सा मियावती देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं रहाया कयबलिकम्मा जाव सरीरा बहूहिं खुज्जाहिं जाव अंतेउराओ निग्गच्छति अंतेउराओ निग्गच्छित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव धम्मिए जाणप्पवरे तेणेव उवागच्छइ २ जाव दुरूढा ६ । तए णं सा मियावती देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं धम्मियं जाणप्पवरं दुरूढा समाणी नियगपरियालगा जहा उसभदत्तो जाव धम्मियाओ जाणप्पवराओ पच्चोरुहइ ७ । तए णं सा मियावती देवी जयंतीए समणोवासियाए सद्धिं बहूहिं खुज्जाहिं जहा देवाणंदा जाव वंदइ नमंसइ, उदायणं रायं पुरओ कट्टु ठितिया चेव जाव पज्जुवासइ ८ । तए णं समणे भगवं महावीरे उदायणस्स रन्नो मियावईए देवीए जयंतीए समणोवासियाए तीसे य महतिमहालियाए जाव धम्मकहा, परिसा पडिगया, उदायणे पडिगए, मियावती देवीवि पडिगया ९ ॥ सूत्रं ४४२ ॥ तए णं सा जयंती समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ २ एवं वयासी—कहिन्नं भंते ! जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छन्ति ?, जयंती ! पाणाइवाएणं जाव मिच्छादंसणसल्लेणं, एवं खलु जीवा गरुयत्तं हव्वमागच्छन्ति, एवं जहा

पढमसए जाव वीयीवयंति १ । भवसिद्धियत्तणं भंते ! जीवाणं किं सभावओ परिणामओ ?, जयंती ! सभावओ नो परिणामओ २। सव्वेवि णं भंते ! भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति ?, हंता ! जयंती ! सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति ३ । जइ भंते ! सव्वे भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति तम्हा णं भवसिद्धियविरहिए लोए भविस्सइ ?, णो तिणट्ठे समट्ठे ४ । से केणं खाइएणं अट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति नो चेव णं भवसिद्धिय-विरहिए लोए भविस्सइ ?, जयंती ! से जहानामए सव्वागाससेढी सिया अणादीया अणवदग्गा परित्ता परिवुडा सा णं परमाणुपोग्गलमेत्तेहिं खंडेहिं समये २ अवहीरमाणी २ अणंताहिं ओसप्पिणीअवसप्पिणीहिं अवहीरंति नो चेव णं अवहिया सिया, से तेणट्ठेणं जयंती ! एवं वुच्चइ सव्वेवि णं भवसिद्धिया जीवा सिज्झिस्संति नो चेव णं भवसिद्धिअविरहिए लोए भविस्सइ ५ । सुत्तत्तं भंते ! साहू जागरियत्तं साहू ?, जयंती ! अत्थेगइयाणं जीवाणं सुत्तत्तं साहू अत्थेगतियाणं जीवाणं जागरियत्तं साहू ६ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ अत्थेगइयाणं जाव साहू ?, जयंती ! जे इमे जीवा अहम्मिया अहम्माणुया अहम्मिट्ठा अहम्मक्खाई अहम्मपलोई अहम्मपलज्जमाणा अहम्मसमुदायारा अहम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएसि णं जीवाणं सुत्तत्तं साहू, एए णं जीवा सुत्ता समाणा नो बहूणं पाणभूयजीवसत्ताणं दुक्खणयाए सोयणयाए जाव परियावणयाए वट्टंति, एए णं जीवा सुत्ता समाणा अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा नो बहूहिं अहम्मियाहिं संजोयणाहिं संजोएत्तारो भवंति, एएसिं जीवाणं सुत्तत्तं साहू, जयंती ! जे इमे जीवा धम्मिया धम्माणुया जाव धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा विहरंति एएसि णं जीवाणं जागरियत्तं साहू, एए णं जीवा जागरा समाणा बहूणं पाणाणं जाव सत्ताणं अदुक्खणयाए जाव

अपरियावणियाए वट्टंति, ते णं जीवा जागरमाणा अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा बहूहिं धम्मियाहिं संजोयणाहिं संजोएत्तारो भवंति, एए णं जीवा जागरमाणा धम्मजागरियाए अप्पाणं जागरइत्तारो भवंति, एएसि णं जीवाणं जागरियत्तं साहू, से तेणट्ठेणं जयंती ! एवं वुच्चइ अत्थेगइयाणं जीवाणं सुत्तत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं जागरियत्तं साहू ७। बलियत्तं भंते ! साहू दुब्बलियत्तं साहू ?, जयंती ! अत्थेगइयाणं जीवाणं बलियत्तं साहू अत्थेगइयाणं जीवाणं दुब्बलियत्तं साहू ८। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ जाव साहू ?, जयंती ! जे इमे जीवा अहम्मिया जाव विहरंति एएसि णं जीवाणं दुब्बलियत्तं साहू, एए णं जीवा एवं जहा सुत्तस्स तहा दुब्बलिस्स वत्तव्वया भाणियव्वा, बलियस्स जहा जागरस्स तहा भाणियव्वं जाव संजोएत्तारो भवंति, एएसि णं जीवाणं बलियत्तं साहू ?, से तेणट्ठेणं जयंती ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव साहू ९। दक्खत्तं भंते ! साहू आलसियत्तं साहू ?, जयंती ! अत्थेगतियाणं जीवाणं दक्खत्तं साहू अत्थेगतियाणं जीवाणं आलसियत्तं साहू १०। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तं चेव जाव साहू, ?, जयंती ! जे इमे जीवा अहम्मिया जाव विहरंति एएसि णं जीवाणं आलसियत्तं साहू, एए णं जीवा आलसा समाणा नो बहूणं जहा सुत्ता आलसा भाणियव्वा, जहा जागरा तहा दक्खा भाणियव्वा जाव संजोएत्तारो भवंति, एए णं जीवा दक्खा समाणा बहूहिं आयरियवेयावच्चेहिं उवज्झायवेयावच्चेहिं थेरवेयावच्चेहिं तवस्सिवेयावच्चेहिं गिलाणवेयावच्चेहिं सेहवेयावच्चेहिं कुलवेयावच्चेहिं गणवेयावच्चेहिं संघवेयावच्चेहिं साहम्मियवेयावच्चेहिं अत्ताणं संजोएत्तारो भवंति, एएसि णं जीवाणं दक्खत्तं साहू, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव साहू ११। सोइंदियवसट्टे णं भंते ! जीवे किं बंधइ ?, एवं जहा कोहवसट्टे तहेव जाव अणुपरियट्टइ १२। एवं चक्खिंदियवसट्टे वि, एवं जाव फासिंदियवसट्टे

जाव अणुपरियट्टइ १३। तए णं सा जयंती समणोवासिया समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठा सेसं जहा देवाणंदाए तहेव पव्वइया जाव सव्वदुक्खप्पहीणा १४। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरति १५॥ सूत्रं ४४३॥

॥ इति द्वादशमशतके द्वितीय उद्देशकः॥ १२-२॥

॥ अथ द्वादशमशतके पृथिवीनामक-तृतीयोद्देशकः॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-कइ णं भंते ! पुढवीओ पन्नत्ताओ ?, गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-पढमा दोच्चा जाव सत्तमा १। पढमा णं भंते ! पुढवी किंनामा किंगोत्ता पण्णत्ता ?, गोयमा ! घम्मा नामेणं रयणप्पभा गोत्तेणं, एवं जहा जीवाभिगमे पढमो नेरइयउद्देसओ सो चेव निरवसेसो भाणियव्वो जाव अप्पाबहुगंति २। सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ३॥ सूत्रं ४४४॥

॥ इति द्वादशमशतके तृतीय उद्देशकः॥ १२-३॥

॥ अथ द्वादशमशतके पुद्गलाख्य-चतुर्थोद्देशकः॥

रायगिहे जाव एवं वयासी-दो भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहन्नंति एगयओ साहण्णित्ता किं भवति ?, गोयमा ! दुप्पएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहा कज्जइ एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ परमाणुपोग्गले भवइ १। तिन्नि भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहन्नंति २ किं भवति ?, गोयमा ! तिपएसिए खंधे भवति, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे तिण्णि परमाणुपोग्गला भवंति २। चत्तारि भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहन्नंति जाव पुच्छा, गोयमा !

चउपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, अहवा दो दुपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे चत्तारि परमाणुपोग्गला भवंति ३। पंच भंते! परमाणुपोग्गला पुच्छा, गोयमा! पंचपएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि चउहावि पंचहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे भवति एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवति, पंचहा कज्जमाणे पंच परमाणुपोग्गला भवंति ४। छब्भंते! परमाणुपोग्गला पुच्छा, गोयमा! छप्पएसिए खंधे भवइ, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि जाव छव्विहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा दो तिपएसिया खंधा भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला भवंति एगयओ दो दुप्पएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवति, छहा कज्जमाणे छ परमाणुपोग्गला भवंति ४। सत्त भंते! परमाणुपोग्गला पुच्छा, गोयमा! सत्तपएसिए खंधे भवइ, से

भिज्जमाणे दुहावि जाव सत्तहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिप्पएसिए एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणु-पोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति एगयओ तिपएसिए खंधे भवति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गला एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एयगओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंचमाणुपोगग्ला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, सत्तहा कज्जमाणे सत्त परमाणुपोग्गला भवंति ६ । अट्ठ भंते ! परमाणुपोग्गला पुच्छा, गोयमा ! अट्ठपएसिए खंधे भवइ जाव दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गला एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा दो चउप्पएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गला एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोगग्ला एगयओ दुप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ

दुपएसिए खंधे एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दोन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ तिपएसिए खंधे भवति अहवा चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए एगयओ तिपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दो परमाणु-पोग्गला एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवइ, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ, अट्ठहा कज्जमाणे अट्ठ परमाणुपोग्गला भवंति ७। नव भंते ! परमाणुपोग्गला पुच्छा, गोयमा ! जाव नवविहा कज्जंति, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ अट्ठपएसिए खंधे भवति, एवं एक्केक्कं संचारेतेहिं जाव अहवा एगयओ चउप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गला एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवइ अहवा तिन्नि तिपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ छप्पएसिए

खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिन्नि दुप्पएसिवा खंधा एगयओ तिपएसिए खंधे भवति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणु-पोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणु-पोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुप्पएसिए खंधे भवइ एगयओ तिपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गले एगयओ तिन्नि दुप्पएसिया खंधा भवंति, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, अट्ठहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवति, नवहा कज्जमाणे नव परमाणुपोग्गला भवंति ८। दस भंते ! परमाणुपोग्गला जाव दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ नवपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ अट्ठ पएसिए खंधे भवइ एवं एक्केक्कं संचारेयव्वंति जाव अहवा दो पंच पएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ

अट्ठपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ चउप्पएसिए एगयओ पंचपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति एगयओ चउप्पएसिए खंधे भवइ, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ सत्तपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ छप्पएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खंधे एगयओ पंचपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो चउप्पएसिया खंधा भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए एगयओ तिपएसिए एगयओ चउप्पयसिए खंधे भवति अहवा एगयओ परमाणु-पोग्गले एगयओ तिन्नि तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा एगयओ चउपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दो दुपएसिया खंधा एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति, पंचहा कज्जमाणे एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ छपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ पंचपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे एगयओ चउपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयाओ परमाणुपोग्गला एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति एगयओ तिपएसिए खंधे भवति अहवा पंच दुपएसिया खंधा भवंति, छहा कज्जमाणे एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ पंचपएसिए खंधे

भवति अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ चउपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ दो तिपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति एगयओ तिपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ चत्तारि दुपएसिया खंधा भवंति, सत्तहा कज्जमाणे एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ चउपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ पंच परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए एगयओ तिपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ चत्तारि परमाणुपोग्गला एगयओ तिन्नि दुपएसिया खंधा भवंति, अट्ठहा कज्जमाणे एगयओ सत्त परमाणुपोग्गला एगयओ तिपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, नवहा कज्जमाणे एगयओ अट्ठ परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ छ परमाणुपोग्गला एगयओ दो दुपएसिया खंधा भवंति, दसहा कज्जमाणे दस परमाणुपोग्गला भवंति ९। संखेज्जा भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहन्नंति एगयओ साहणित्ता किं भवति ?, गोयमा ! संखेज्जपएसिए खंधे भवति, से भिज्जमाणे दुहावि जाव दसहावि संखेज्जहावि कज्जंति, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवति एवं अहवा एगयओ तिपएसिए एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवति एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवति अहवा दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिपएसिए खंधे भवइ

एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवइ एवं जाव अहवा एगयओ परमाणु-पोग्गले एगयओ दसपएसिए खंधे भवइ एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, अहवा एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए खंधे भवइ एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा तिन्नि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ संखेज्जपएसिए भवति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दुपएसिए खंधे भवइ एगयओ संखेज्जपएसिए भवति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ तिप्पएसिए खंधे भवइ एगयओ संखेज्जपएसिए भवति एवं जाव अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दसपएसिए एगयओ संखेज्जपएसिए भवति अहवा एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दसपएसिए एगयओ दो संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ तिन्नि संखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए एगयओ तिन्नि संखेज्जपएसिया भवंति जाव अहवा एगयओ दसपएसिए एगयओ तिन्नि संखेज्जपएसिया भवंति अहवा चत्तारि संखेज्जपएसिया भवंति एवं एएणं कमेणं पंचगसंजोगोवि भाणियव्वो जाव नवगसंजोगो, दसहा कज्जमाणे एगयओ नव परमाणु-पोग्गला एगयओ संखेज्जपएसिए भवति अहवा एगयओ अट्ठ परमाणु-पोग्गला एगयओ दुपएसिए एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे भवति, एएणं कमेणं एक्केक्को पूरेयव्वो जाव अहवा एगयओ दसपएसिए एगयओ नव संखेज्जपएसिया भवंति अहवा दस संखेज्जपएसिया खंधा भवंति

संखेज्जहा कज्जमाणे संखेज्जा परमाणुपोग्गला भवंति १० । असंखेज्जा भंते ! परमाणुपोग्गला एगयओ साहणंति एगयओ साहणित्ता किं भवति ?, गोयमा ! असंखेज्जपएसिए खंधे भवति, से भिज्जमाणे दुहावि जाव दसहावि संखेज्जहावि असंखेज्जहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ असंखेज्जपएसिए भवति जाव अहवा एगयओ दसपएसिए एगयओ असंखिज्जपएसिए भवति अहवा एगयओ संखेज्जपएसिए खंधे एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवति अहवा दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए एगयओ असंखिज्जपएसिए भवति जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दसपएसिए एगयओ असंखेज्जपएसिए भवति अहवा एगे परमाणुपोग्गले एगे संखेज्जपएसिए एगे असंखेज्जपएसिए भवति अहवा एगे परमाणुपोग्गले एगयओ दो असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा एगे दुपएसिए एगयओ दो असंखेज्जपएसिया भवंति एवं जाव अहवा एगे संखेज्जपएसिए भवति एगयओ दो असंखिज्जपएसिया खंधा भवंति अहवा तिन्नि असंखेज्जपएसिया भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए भवति एवं चउक्कगसंजोगो जाव दसगसंजोगो एए जहेव संखेज्जपएसियस्स नवरं असंखेज्जगं एगं अहिगं भाणियव्वं जाव अहवा दस असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति, संखेज्जहा कज्जमाणे एगयओ संखेज्जा परमाणुपोग्गला एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ संखेज्जा दुपएसिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवति एवं जाव अहवा एगयओ संखेज्जा दसपएसिया खंधा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे भवति अहवा एगयओ संखिज्जा संखिज्जपएसिया खंधा एगयओ असंखिज्जपएसिए खंधे भवति अहवा संखेज्जा असंखेज्जपएसिया खंधा भवंति,

असंखिज्जहा कज्जमाणे असंखेज्जा परमाणुपोग्गला भवंति ११ । अणंताणं भंते ! परमाणुपोग्गला जाव किं भवंति ?, गोयमा ! अणंतपएसिए खंधे भवति, से भिज्जमाणे दुहावि तिहावि जाव दसहावि संखिज्जा असंखिज्जा अणंतहावि कज्जइ, दुहा कज्जमाणे एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ अणंतपएसिए खंधे जाव अहवा दो अणंतपएसिया खंधा भवंति, तिहा कज्जमाणे एगयओ दो परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ दुपएसिए एगयओ अणंतपएसिए भवति जाव अहवा एगयओ परमाणुपोग्गले एगयओ असंखेज्जपएसिए एगयओ अणंतपएसिए भवति अहवा एगयओ परमाणुपोग्गला एगयओ दो अणंतपएसिया भवंति अहवा एगयओ दुपएसिए एगयओ दो अणंत-पएसिया भवंति एवं जाव अहवा एगयओ दसपएसिए एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ संखेज्जपदेसिए खंधे एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा एगयओ असंखेज्जपएसिए खंधे एगयओ दो अणंतपएसिया खंधा भवंति अहवा तिन्नि अणंतपएसिया खंधा भवंति, चउहा कज्जमाणे एगयओ तिन्नि परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए भवति एवं चउक्कसंजोगो जाव असंखेज्जगसंजोगो, एते सव्वे जहेव असंखेज्जाणं भणिया तहेव अणंताणवि भाणियव्वा नवरं एक्कं अणंतगं अब्भहियं भाणियव्वं जाव अहवा एगयओ संखेज्जा संखिज्जपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिया भवंति अहवा एगयओ संखेज्जा असंखेज्जपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवति अहवा संखिज्जा अणंतपएसिया खंधा भवंति, असंखेज्जहा कज्जमाणे एगयओ असंखेज्जा परमाणुपोग्गला एगयओ अणंतपएसिए खंधे भवइ अहवा एगयओ असंखिज्जा दुपएसिया खंधा एगयओ अणंतपएसिए भवति जाव अहवा एगयओ असंखेज्जा संखिज्जपएसिया एगयओ अणंतपएसिए भवति अहवा एगयओ असंखिज्जा असंखिज्जपएसिया खंधा एगयओ

अणंतपएसिए भवति अहवा असंखेज्जा अणंतपएसिया खंधा भवंति, अणंतहा कज्जमाणे अणंता परमाणुपोग्गला भवंति १२ ॥ सूत्रं ४४५ ॥ एएसि णं भंते ! परमाणुपोग्गलाणं साहणणा-भेदाणुवाएणं अणंताणंता पोग्गलपरियट्टा समणुगंतव्वा भवंतीति मक्खाया ?, हंता गोयमा ! एएसि णं परमाणु-पोग्गलाणं साहणणा जाव मक्खाया १ । कइविहे णं भंते ! पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते, गोयमा ! सत्तविहा पोग्गलपरियट्टा पण्णत्ता, तंजहा—ओरालिय-पोग्गलपरियट्टे वेउव्वियपोग्गलपरियट्टे तेयापोग्गलपरियट्टे कम्मापोग्गल-परियट्टे मणपोग्गलपरियट्टे वइपोग्गलपरियट्टे आणापाणु-पोग्गलपरियट्टे २ । नेरइयाणं भंते ! कतिविहे पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते ?, गोयमा ! सत्तविहे पोग्गलपरियट्टे पण्णत्ते, तंजहा—ओरालियपोग्गलपरियट्टे वेउव्विय-पोग्गलपरियट्टे जाव आणापाणु-पोग्गलपरियट्टे एवं जाव वेमाणियाणं ३ । एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स केवइया ओरालिय-पोग्गलपरियट्टा अतीया ?, अणंता ४ । केवइया पुरेक्खडा ?, कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सत्थि जहन्नेणं एको वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा ५ । एगमेगस्स णं भंते ! असुर-कुमारस्स केवतिया ओरालियपोग्गला अतीया ?, एवं चेव, एवं जाव वेमाणियस्स ६ । एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स केवतिया वेउव्वियपोग्गल-परियट्टा अतीया ?, अणंता, एवं जहेव ओरालियपोग्गलपरियट्टा तहेव वेउव्वियपोग्गलपरियट्टावि भाणियव्वा, एवं जाव वेमाणियस्स आणापाणु-पोग्गलपरियट्टा, एते एगत्तिया सत्त दंडगा भवंति ७ । नेरइयाणं भंते ! केवतिया ओरालिय-पोग्गलपरियट्टा अतीता ?, गोयमा अनंता ८ । केवइया पुरेक्खडा ?, अणंता, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं वेउव्विपोग्गल-परियट्टावि एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टा वेमाणियाणं, एवं एए पोहत्तिया सत्त चउव्वीसतिदंडगा ९ । एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते

केवतिया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीता ?, नत्थि एक्कोवि १० । केवतिया पुरेक्खडा ?, नत्थि एक्कोवि ११ । एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवतिया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ? एवं चेव, एवं जाव थणियकुमारत्ते जहा असुरकुमारत्ते १२ । एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स पुढविकाइयत्ते केवतिया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीता ?, अणंता १३ । केवतिया पुरेक्खडा ?, कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि जस्सत्थि तस्स जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा एवं जाव मणुस्सत्ते, वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणियत्ते जहा असुरकुमारत्ते १४ । एगमेगस्स णं भंते ! असुरकुमारस्स नेरइयत्ते केवतिया अतीया ओरालियपोग्गलपरियट्टा ? एवं जहा नेरइयस्स वत्तव्वया भणिया तहा असुरकुमारस्सवि भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं, एवं जाव थणियकुमारस्स, एवं पुढविकाइयस्सवि, एवं जाव वेमाणियस्स, सव्वेसिं एक्को गमो १५ । एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवतिया वेउव्विय-पोग्गलपरियट्टा अतीया ?, अणंता १६ । केवतिया पुरेक्खडा ?, एक्कोत्तरिया जाव अणंता, एवं जाव थणियकुमारत्ते १७ । पुढवीकाइयत्ते पुच्छा, नत्थि एक्कोवि १८ । केवतिया पुरेक्खडा ?, नत्थि एक्कोवि, एवं जत्थ वेउव्वियसरीरं अत्थि तत्थ एगुत्तरिओ जत्थ नत्थि तत्थ जहा पुढविकाइयत्ते तहा भाणियव्वं, जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते १९ । तेयापोग्गलपरियट्टा कम्मापोग्गलपरियट्टा य सव्वत्थ एक्कोत्तरिया भाणियव्वा, मणपोग्गलपरियट्टा सव्वेसु पंचिंदिएसु एगोत्तरिया, विगलिंदिएसु नत्थि, वइपोग्गलपरियट्टा एवं चेव, नवरं एगिंदिएसु नत्थि भाणियव्वा २० । आणापाणुपोग्गलपरियट्टा सव्वत्थ एक्कोत्तरिया जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते २१ । नेरइयाणं भंते ! नेरइयत्ते केवतिया ओरालियपोग्गलपरियट्टा अतीया ?, नत्थि एक्कोवि २२ । केवइया पुरेक्खडा ?, नत्थि एक्कोवि, एवं जाव थणियकुमारत्ते २३ ।

पुढविकाइयत्ते पुच्छा, गोयमा ! अणंता २४ । केवइया पुरेक्खडा ?, अणंता, एवं जाव मणुस्सत्ते, वाणमंतरजोइसियवेमाणियत्ते जहा नेरइयत्ते, एवं जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते, एवं सत्तवि पोग्गलपरियट्टा भाणियव्वा २५ । जत्थ अत्थि तत्थ अतीयावि पुरेक्खडावि अणंता भाणियव्वा, जत्थ नत्थि तत्थ दोवि नत्थि भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते केवतिया आणापाणुपोग्गलपरियट्टा अतीया ?, अणंता २६ । केवतिया पुरेक्खडा ?, अणंता २७ ॥ सूत्रं ४४६ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–ओरालिय-पोग्गल-परियट्टे ओरालिय-पोग्गल-परियट्टे ?, गोयमा ! जण्णं जीवेणं ओरालियसरीरे वट्टमाणेणं ओरालिय-सरीर-पयोगाइं दव्वाइं ओरालिय-सरीरत्ताए गहियाइं बद्धाइं पुट्ठाइं कडाइं पट्ठवियाइं निविट्ठाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमन्नागयाइं परियाइयाइं परिणामियाइं निज्जिन्नाइं निसिरियाइं निसिट्ठाइं भवंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ ओरालियपोग्गलपरियट्टे ओरालिय-पोग्गल-परियट्टे १ । एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्टेवि, नवरं वेउव्वियसरीरे वट्टमाणेणं वेउव्वियसरीरप्पयोगाइं सेसं तं चेव सव्वं एवं जाव आणापाणु-पोग्गलपरियट्टे, नवरं आणापाणुपयोगाइं सव्वदव्वाइं आणापाणुत्ताए सेसं तं चेव २ । ओरालिय-पोग्गलपरियट्टे णं भंते ! केवइकालस्स निव्वत्तिज्जइ?, गोयमा ! अणंताहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं एवतिकालस्स निव्वत्तिज्जइ, एवं वेउव्वियपोग्गलपरियट्टेवि, एवं जाव आणापाणुपोग्गलपरियट्टेवि ३ । एयस्स णं भंते ! ओरालिय-पोग्गल-परियट्ट-निव्वत्तणाकालस्स वेउव्विय-पोग्गला जाव आणुपाणु-पोग्गल-परियट्ट-निव्वत्तणा-कालस्स कयरे कयरेहिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवे कम्मग-पोग्गल-परियट्ट-निव्वत्तणा-काले तेया-पोग्गल-परियट्ट-निव्वत्तणा-काले अणंतगुणे ओरालिय-पोग्गल-परियट्टे अणंतगुणे आणापाणुपोग्गलपरियट्टे अणंतगुणे मणपोग्गलपरियट्टे अणंतगुणे वइपोग्गल-परियट्टे अणंतगुणे वेउव्वियपोग्गल-परियट्ट-निव्वत्तणा-

काले अणंतगुणे ४ ॥ सूत्रं ४४७ ॥ एएसि णं भंते ! ओरालिय-पोग्गल-परियट्टाणं जाव आणापाणु-पोग्गलपरियट्टाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा वेउव्वियपोग्गल-परियट्टा वइपोग्गल-परियट्टा अणंतगुणा मणपोग्गलपरियट्टा अणंतगुणा आणापाणुपोग्गल-परियट्टा अनंतगुणा ओरालियपोग्गल-परियट्टा अणंतगुणा तेयापोग्गल-परियट्टा अणंतगुणा कम्मगपोग्गलपरियट्टा अणंतगुणा । सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति भगवं जाव विहरइ ॥ सूत्रं ४४८ ॥

॥ इति द्वादशमशतके चतुर्थ उद्देशकः ॥ १२-४ ॥

॥ अथ द्वादशमशतके अतिपाताख्य-पञ्चमोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–अह भंते ! पाणाइवाए मुसावाए अदिन्नादाणे मेहुणे परिग्गहे एस णं कतिवन्ने कतिगंधे कतिरसे कतिफासे पण्णत्ते ?, गोयमा ! पंचवन्ने पंचरसे दुगंधे चउफासे पण्णत्ते १ । अह भंते ! कोहे १ कोवे २ रोसे ३ दोसे ४ अखमे ५ संजलणे ६ कलहे ७ चंडिक्क ८ भंडणे ९ विवादे १०, एस णं कतिवन्ने जाव कतिफासे पण्णत्ते ?, गोयमा ! पंचवन्ने पंचरसे दुगंधे चउफासे पण्णत्ते २ । अह भंते ! माणे मदे दप्पे थंभे गव्वे अत्तुक्कोसे परपरिवाए उक्कासे अवक्कासे उन्नामे दुन्नामे १२, एस णं कतिवन्ने ४ ?, गोयमा ! पंचवन्ने जहा कोहे तहेव ३ । अह भंते ! माया उवही नियडी वलये गहणे णूमे कक्के कुरूए जिम्हे किव्विसे १० आयरणया गूहणया वंचणया पलिउंचणया सातिजोगे य १५, एस णं कतिवन्ने ४ ?, गोयमा ! पंचवन्ने जहेव कोहे ४ । अह भंते ! लोभे इच्छा मुच्छा कंखा गेही तण्हा भिज्झा अभिज्झा आसासणया पत्थणया १० लालप्पणया कामासा भोगासा जीवियासा मरणासा नंदीरागे १६, एस णं कतिवन्ने ?, जहेव कोहे ५ । अह भंते !

पेज्जे दोसे कलहे जाव मिच्छादंसणसल्ले, एस णं कतिवन्ने ! जहेव कोहे तहेव चउफासे ६ ॥ सूत्रं ४४१ ॥ अह भंते ! पाणाइवायवेरमणे जाव परिग्गहवेरमणे कोहविवेगे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे, एस णं कतिवन्ने जाव कतिफासे पण्णत्ते ?, गोयमा ! अवन्ने अगंधे अरसे अफासे पण्णत्ते १ । अह भंते ! उप्पत्तिया वेणइया कम्मिया परिणामिया, एस णं कतिवन्ना तं चेव जाव अफासा पन्नत्ता २ । अह भंते ! उग्गहे ईहा अवाये धारणा, एस णं कतिवन्ना ?, एवं चेव जाव अफासा पन्नत्ता ३ । अह भंते ! उट्ठाणे कम्मे बले वीरिए पुरिसक्कारपरक्कमे, एस णं कतिवन्ने ? तं चेव जाव अफासे पन्नत्ते ४ । सत्तमे णं भंते ! उवासंतरे कतिवन्ने ? एवं चेव जाव अफासे पन्नत्ते ५ । सत्तमे णं भंते ! तणुवाए कतिवन्ने ?, जहा पाणाइवाए, नवरं अट्ठफासे पण्णत्ते, एवं जहा सत्तमे तणुवाए तहा सत्तमे घणवाए घणोदधि पुढवी, छट्ठे उवासंतरे अवन्ने, तणुवाए जाव छट्ठी पुढवी एयाइं अट्ठ फासाइं, एवं जहा सत्तमाए पुढवीए वत्तव्वया भणिया तहा जाव पढमाए पुढवीए भाणियव्वं, जंबुद्दीवे २ सयंभुरमणे समुद्दे सोहम्मे कप्पे जाव ईसिपब्भारा पुढवी नेरतियावासा जाव वेमाणियावासा एयाणि सव्वाणि अट्ठफासाणि ६ । नेरइया णं भंते ! कतिवन्ना जाव कतिफासा पन्नत्ता ?, गोयमा ! वेउव्वियतेयाइ पडुच्च पंचवन्ना पंचरसा दुग्गंधा अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं पडुच्च पंचवन्ना पंचरसा दुगंधा चउफासा पण्णत्ता, जीवं पडुच्च अवन्ना जाव अफासा पण्णत्ता, एवं जाव थणियकुमाराणं ७ । पुढविकाइय पुच्छा, गोयमा ! ओरासियतेयगाइं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं पडुच्च जहा नेरइयाणं, जीवं पडुच्च तहेव, एवं जाव चउरिंदियाणं, नवरं वाउक्काइया ओरालिय वेउविय तेयगाइं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, सेसं जहा नेरइयाणं, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा वाउक्काइया ८ । मणुस्साणं पुच्छा, ओरा-

लिय-वेउव्विय-आहारगतेयगाइं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, कम्मगं जीवं च पडुच्च जहा नेरइयाणं, वाणमंतर-जोइसिय-वेमाणिया जहा नेरइयाणं, धम्मत्थिकाए जाव पोग्गलत्थिकाए, एए सव्वे अवन्ना, नवरं पोग्गलत्थिकाए, पंचवन्ने पंचरसे दुगंधे अट्ठफासे पण्णत्ते, णाणावरणिज्जे जाव अंतराइए एयाणि चउफासाणि ९। कण्हलेसा णं भंते ! कइवन्ना जाव कइफासा ? पुच्छा दव्वलेसं पडुच्च पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, भावलेसं पडुच्च अवन्ना ४, एवं जाव सुक्कलेस्सा १०। सम्मद्दिट्ठि ३ चक्खुद्दंसणे ४ आभिणिबोहियणाणे जाव विब्भंगणाणे आहारसन्ना जाव परिग्गहसन्ना एयाणि अवन्नाणि ४, ११। ओरालियसरीरे जाव तेयगसरीरे एयाणि अट्ठफासाणि कम्मगसरीरे चउफासे, मणजोगे वयजोगे य चउफासे, कायजोगे अट्ठफासे, सागारोवओगे य अणागारोवओगे य अवन्ना १२। सव्वदव्वा णं भंते ! कतिवन्ना ? पुच्छा, गोयमा ! अत्थेगतिया सव्वदव्वा पंचवन्ना जाव अट्ठफासा पण्णत्ता, अत्थेगतिया सव्वदव्वा पंचवन्ना चउफासा पण्णत्ता, अत्थेगतिया सव्वदव्वा एगगंधा एगवण्णा एगरसा दुफासा पन्नत्ता, अत्थेगइया सव्वदव्वा अवन्ना जाव अफासा पन्नत्ता, एवं सव्वपएसावि सव्वपज्जवावि, तीयद्धा अवन्ना जाव अफासा पण्णत्ता, एवं अणागयद्धावि, एवं सव्वद्धावि १३ ॥ सूत्रं ४५० ॥ जीवे णं भंते ! गब्भं वक्कममाणे कतिवन्नं कतिगंधं कतिरसं कतिफासं परिणामं परिणमइ ?, गोयमा ! पंचवन्नं पंचरसं दुगंधं अट्ठफासं परिणामं परिणमइ ॥ सूत्रं ४५१ ॥ कम्मओ णं भंते ! जीवे नो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ कम्मओ णं जए नो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ ?- हंता गोयमा ! कम्मओ णं तं चेव जाव परिणमइ नो अकम्मओ विभत्तिभावं परिणमइ। सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति ॥ सूत्रं ४५२ ॥

॥ इति द्वादशमशतके पञ्चम उद्देशकः ॥ १२-५ ॥

॥ अथ द्वादशमोशतके राहुनामक-षष्ठोद्देशकः ॥

रायगिहे जाव एवं वयासी–बहुजणे णं भंते ! अन्नमन्नस्स एवमाइक्खति जाव एवं परूवेइ–एवं खलु राहू चंदं गेण्हति एवं खलु राहू चंदं गेण्हति, से कहमेयं भंते ! एवं ?, गोयमा ! जन्नं से बहुजणे णं अन्नमन्नस्स जाव मिच्छं ते एव माहंसु, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव एवं परूवेमि–एवं खलु राहू देवे महिड्ढीए जाव महेसक्खे वरवत्थधरे वरमल्लधरे वरगंधधरे वराभरणधारी १ । राहुस्स णं देवस्स नव नामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा–सिंघाडए १ जडिलए २ खंभए [खत्तए] ३ खरए ४ ददुरे ५ मगरे ६ मच्छे ७ कच्छभे ८ कण्हसप्पे ९, २ । राहुस्स णं देवस्स विमाणा पंचवन्ना पण्णत्ता, तंजहा–किण्हा नीला लोहिया हालिद्दा सुक्किला ३ । अत्थि कालए राहुविमाणे खंजणवन्नाभे पण्णत्ते अत्थि नीलए राहुविमाणे लाउयवन्नाभे पण्णत्ते, अत्थि लोहिए राहुविमाणेमंजिट्ठवन्नाभे पन्नत्ते, अत्थि पीतए राहुविमाणे हालिद्दवन्नाभे पन्नत्ते, अत्थि सुक्किलए राहुविमाणे भासरासि वन्नाभे पन्नत्ते ४ । जया णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे वा चंदलेस्सं पुरच्छिमेणं आवरेत्ता णं पच्चच्छिमेणं वीतीवयइ तदा णं पुरच्छिमेणं चंदे उवदंसेति पच्चच्छिमेणं राहू ५ । जदा णं राहू आगच्छमाणे वा गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे चंदलेस्सं पच्चच्छिमेणं आवरेत्ताणं पुरच्छिमेणं वीतीवयति तदा णं पच्चच्छिमेणं चंदे उवदंसेति पुरच्छिमेणं राहू ६ । एवं जहा पुरच्छिमेणं पच्चच्छिमेणं दो आलावगा भणिया एवं दाहिणेणं उत्तरेण य दो आलावगा भाणियव्वा ७ । एवं उत्तरपुरच्छिमेण दाहिणपच्चच्छिमेण य दो आलावगा भाणियव्वा ८ । दाहिणपुरच्छिमेणं उत्तरपुरच्छिमेणं दो आलावगा भाणियव्वा ९ । एवं चेव जाव तदा णं उत्तरपच्चच्छिमे णं चंदे उवदंसेति दाहिणपुरिच्छमेणं राहू १० । जदा णं राहू आगच्छमाणे वा

गच्छमाणे वा विउव्वमाणे वा परियारेमाणे चंदलेस्सं आवरेमाणे २ चिट्ठति तदा णं मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति–एवं खलु राहू चंदं गेण्हति एवं खलु राहू चंदं गेण्हति ११। जदा णं राहू आगच्छमाणे वा ४ चंदस्स लेस्सं आवरेत्ताणं पासेणं वीइवयइ तदा णं मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति–एवं खलु चंदेणं राहुस्स कुच्छी भिन्ना एवं खलु २, १२। जदा णं राहू आगच्छमाणे वा ४ चंदस्स लेस्सं आवरेत्ताणं पच्चोसक्कइ तदा णं मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति–एवं खलु राहुणा चंदे वंते, एवं खलु २, १३। जदा णं राहू आगच्छमाणे वा ४ जाव परियारेमाणे वा चंदलेस्सं अहे सपक्खिं सपडिदिसिं आवरेत्ताणं चिट्ठति तदा णं मणुस्सलोए मणुस्सा वदंति–एवं खलु राहुणा चंदे घत्थे एवं खलु २, १४। कतिविहे णं भंते! राहू पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे राहू पन्नत्ते?, तंजहा–धुवराहू पव्वराहू य १५। तत्थ णं जे से धुवराहू से णं बहुलपक्खस्स पाडिवए (ग्रन्थाग्रं ८०००) पन्नरसतिभागेणं पन्नरस-इभागं चंदस्स लेस्सं आवरेमाणे २ चिट्ठति, तंजहा–पढमाए पढमं भागं बितियाए बितियं भागं जाव पन्नरसेसु पन्नरसमं भागं, चरिमसमये चंदे रत्ते भवति अवसेसे समये चंदे रत्ते य विरत्ते य भवति १६। तमेव सुक्कपक्खस्स उवदंसेमाणे २ चिट्ठति, पढमाए पढमं भागं जाव पन्नरसेसु पन्नरसमं भागं, चरिमसमये चंदे विरत्ते भवइ अवसेसे समये चंदे रत्ते य विरत्ते य भवइ १७। तत्थ णं जे से पव्वराहू से जहन्नेणं छण्हं मासाणं उक्कोसेणं बायालीसाए मासाणं चंदस्स अडयालीसाए संवच्छराणं सूरस्स १८ ॥ सूत्रं ४५३ ॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–चंदे ससी २?, गोयमा! चंदस्स णं जोइसिंदस्स जोइसरन्नो मियंके विमाणे कंता देवी कंताओ देवीओ कंताइं आसण-सयण-खंभ-भंडमत्तोवगरणाइं अप्पणोवि य णं चंदे जोइसिंदे जोइसराया सोमे कंते सुभए पियदंसणे सुरूवे से तेणट्ठेणं जाव ससी ॥ सूत्रं ४५४ ॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–सूरे आइच्चे

सूरे आइच्चे ?, गोयमा ! सूरादिया णं समयाइ वा आवलियाइ वा जाव उस्सप्पिणीइ वा अवसप्पिणीइ वा से तेणट्ठेणं जाव सूरे आइच्चे २ ॥ सूत्रं ४५५ ॥ चंदस्स णं भंते ! जोइसिंदस्स जोइसरन्नो कति अग्ग-महिसीओ पण्णत्ताओ जहा दसमसए जाव णो चेव णं मेहुणवत्तियं १ । सूरस्सवि तहेव २ । चंदमसूरिया णं भंते ! जोइसिंदा जोइसरायाणो केरिसए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ?, गोयमा ! से जहानामए केइ पुरिसे पढम-जोव्वणुट्ठाण-बलत्थे पढमजोव्वणुट्ठाणबलट्ठाए भारियाए सद्धिं अचिरवत्त-विवाहकज्जे अत्थ-गवेसणयाए सोलस-वास-विप्पवासिए से णं तओ लद्धट्ठे कयकज्जे अणहसमग्गे पुणरवि नियगगिहं हव्वमागए कयबलिकम्मे कयकोउय-मंगल-पायच्छित्ते सव्वालंकारविभूसिए मणुन्नं थालिपागसुद्धं अट्ठारसवंजणाकुलं भोयणं भुत्ते समाणे तंसि तारिसगंसि वासघरंसि वन्नओ महब्बले कुमारे जाव सयणोवयारकलिए ताए तारिसियाए भारियाए सिंगारागार-चारुवेसाए जाव कलियाए अणुरत्ताए अविरत्ताए मणाणुकूलाए सद्धिं इट्ठे सद्दे फरिसे जाव पंचविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुब्भवमाणे विहरति ३ । से णं गोयमा ! पुरिसे विउसमण-कालसमयंसि केरिसयं सायासोक्खं पच्चणुब्भवमाणो विहरति ?, ओरालं समणाउसो !, तस्स णं गोयमा ! पुरिसस्स कामभोगेहिंतो वाणमंतराणं देवाणं अणंतगुण-विसिट्ठतराए चेव कामभोगा, वाणमंतराणं देवाणं कामभोगेहिंतो असुरिंद-वज्जियाणं भवणवासीणं देवाणं एत्तो अणंतगुण-विसिट्ठतराए चेव कामभोगा, असुरिंदवज्जियाणं भवणवासियाणं देवाणं कामभोगेहिंतो असुरकुमाराणं देवाणं एत्तो अणंतगुणविसिट्ठतराए चेव कामभोगा, असुरकुमाराणं देवाणं कामभोगे-हिंतो गहगण-नक्खत्त-तारारूवाणं जोतिसियाणं देवाणं एत्तो अनंतगुण-विसि-ट्ठतराए चेव कामभोगा, गहगणनक्खत्त जाव कामभोगेहिंतो चंदिमसूरियाणं जोतिसियाणं जोतिसराईणं एत्तो अणंतगुण-विसिट्ठयरा चेव कामभोगा ४ ।

चंदिमसूरियाणं गोयमा ! जोतिसिंदा जोतिसरायाणो एरिसे कामभोगे पच्चणुब्भवमाणा विहरंति ५ । सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं जाव विहरइ ६ ॥ सूत्रं ४५६ ॥

॥ इति द्वादशमशतके षष्ठ उद्देशकः ॥ १२–६ ॥

॥ अथ द्वादशमशतके लोकाख्य-सप्तमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं २ जाव एवं वयासी–केमहालए णं भंते ! लोए पन्नत्ते ?, गोयमा ! महतिमहालए लोए पन्नत्ते, पुरच्छिमेणं असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ, दाहिणेणं असंखिज्जाओ एवं चेव, एवं पच्चच्छिमेणवि, एवं उत्तरेणवि, एवं उड्ढंपि अहे असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविक्खंभेणं १ । एयंसि णं भंते ! एमहालगंसि लोगंसि अत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे न जाए वा न मए वावि ?, गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे २ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ एयंसि णं एमहालगंसि लोगंसि नत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे ण जाए वा न मए वावि ?, गोयमा ! से जहानामए–केइ पुरिसे अयासयस्स एगं महं अयावयं करेज्जा, से णं तत्थ जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं अयासहस्सं पक्खिवेज्जा ताओ णं तत्थ पउरगोयराओ पउरपाणियाओ जहन्नेणं एगाहं वा बियाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं छम्मासे परिवसेज्जा ३ । अत्थि णं गोयमा ! तस्स अयावयस्स केई परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जे णं तासिं अयाणं उच्चारेण वा पासवणेण वा खेलेण वा सिंघाणएण वा वंतेण वा पित्तेण वा पूएण वा सुक्केण वा सोणिएण वा चम्मेहिं वा रोमेहिं वा सिंगेहिं वा खुरेहिं वा नहेहिं वा अणाकंतपुव्वे भवइ ?, भगवं ! णो तिणट्ठे समट्ठे ४ । होज्जावि णं गोयमा ! तस्स अयावयस्स केई परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जे णं तासिं

अयाणं उच्चारेण वा जाव णीहेहिं वा अणक्कंतपुव्वे, णो चेव णं एयंसि एमहालगंसि लोगंसि लोगस्स य सासयं भावं संसारस्स य अणादिभावं जीवस्स य णिच्चभावं कम्मबहुत्तं जम्मणमरणबाहुल्लं च पडुच्च नत्थि केइ परमाणुपोग्गलमेत्तेवि पएसे जत्थ णं अयं जीवे न जाए वा न मए वावि, से तेणट्ठेणं चेव जाव न मए वावि ५ ॥ सूत्रं ४५७ ॥ कति णं भंते ! पुढवीओ पण्णत्ताओ ?, गोयमा ! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ जहा पढमसए पंचमउद्देसए तहेव आवासा ठवेयव्वा जाव अणुत्तरविमाणेत्ति जाव अपराजिए सव्वट्ठसिद्धे १ । अयन्नं भंते ! जीवे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए तीसाए निरयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि निरयावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए नरगत्ताए नेरइयत्ताए उववन्नपुव्वे ?, हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो २ । अयन्नं भंते ! जीवे सक्करप्पभाए पुढवीए पणवीसा एवं जहा रयणप्पभाए तहेव दो आलावगा भाणियव्वा, एवं जाव धूमप्पभाए ३ । अयन्नं भंते ! जीवे तमाए पुढवीए पंचूणे निरयावास-सयसहस्से एगमेगंसि सेसं तं चेव, अयन्नं भंते ! जीवे अहेसत्तमाए पुढवीए पंचसु अणुत्तरेसु महतिमहालएसु महानिरएसु एगमेगंसि निरयावासंसि सेसं जहा रयणप्पभाए, अयन्नं भंते ! जीवे चोसट्ठीए असुरकुमारावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि असुरकुमारावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइ-काइयत्ताए देवत्ताए देवीत्ताए आसण-सयण-भंडमत्तोवगरणत्ताए उववन्नपुव्वे ?, हंता गोयमा ! जाव अणंत खुत्तो ४ । सव्वजीवावि णं भंते ! एवं चेव, एवं थणियकुमारेसु, नाणत्तं आवासेसु, आवासा पुव्वभणिया ५ । अयन्नं भंते ! जीवे असंखेज्जेसु पुढविकाइयावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि पुढविकाइ-यावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइ-काइयत्ताए उववन्नपुव्वे ?, हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो एवं सव्वजीवावि, एवं जाव वणस्सइकाइएसु ६ । अयणं भंते ! जीवे असंखेज्जेसु बेंदियावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि

बेंदियावासंसि पुढविकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए बेइंदियत्ताए उववन्नपुव्वे ?, हंता गोयमा ! जाव खुत्तो ७। सव्वजीवावि णं एवं चेव एवं जाव मणुस्सेसु, नवरं तेंदियएसु जाव वणस्सइकाइयत्ताए तेंदियत्ताए चउरिंदिएसु चउरिंदियत्ताए पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिएसु पंचिंदिय-तिरिक्खजोणियत्ताए मणुस्सेसु मणुस्सत्ताए सेसं जहा बेंदियाणं, वाणमंतर-जोइसिय-सोहम्मीसाणेसु य जहा असुरकुमाराणं ८। अयण्णं भंते ! जीवे सणंकुमारे कप्पे बारससु विमाणावास-सयसहस्सेसु एगमेगंसि विमाणियावासंसि पुढविकाइयत्ताए, सेसं जहा असुरकुमाराणं जाव अणंतखुत्तो, नो चेव णं देवीत्ताए, एवं सव्वजीवावि, एवं जाव आणयपाणएसु, एवं आरणच्चुएसुवि ९। अयन्नं भंते ! जीवे तिसुवि अट्ठारसुत्तरेसु गेविज्ज-विमाणावास-सयेसु एवं चेव १०। अयन्नं भंते ! जीवे पंचसु अणुत्तरविमाणेसु एगमेगंसि अणुत्तरविमाणंसि पुढवि तहेव जाव अणंतखुत्तो नो चेव णं देवत्ताए वा देवीत्ताए वा एवं सव्वजीवावि ११। अयन्नं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं माइत्ताए पियत्ताए भाइत्ताए भगिणित्ताए भज्जत्ताए पुत्तत्ताए धूयत्ताए सुण्हत्ताए उववन्नपुव्वे ?, हंता गोयमा ! असइं अदुवा अणंतखुत्तो १२। सव्वजीवावि णं भंते ! इमस्स जीवस्स माइत्ताए जाव उववन्नपुव्वे ?, हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो १३। अयण्णं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं अरित्ताए वेरियत्ताए घायकत्ताए वहगत्ताए पडिणीयत्ताए पच्चामित्तत्ताए उववन्नपुव्वे ?, हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो १४। सव्वजीवावि णं भंते ! एवं चेव १५। अयन्नं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं रायत्ताए जुवरायत्ताए जाव सत्थवाहत्ताए उववन्नपुव्वे ?, हंता गोयमा ! असतिं जाव अणंतखुत्तो, सव्वजीवाणं एवं चेव १६। अयन्नं भंते ! जीवे सव्वजीवाणं दासत्ताए पेसत्ताए भयगत्ताए भाइल्लगत्ताए भोगपुरिसत्ताए सीसत्ताए वेसत्ताए उववन्नपुव्वे ?, हंता गोयमा ! जाव अणंतखुत्तो, एवं सव्वजीवावि अणंतखुत्तो १७। सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरइ १८ ॥ सूत्रं ४५८ ॥

॥ इति द्वादशमशतके सप्तम उद्देशकः ॥ १२--७ ॥

॥ अथ द्वादशमशतके नागाख्याष्टमोद्देशकः ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं जाव एवं वयासी–देवे णं भंते ! महड्ढीए जाव महेसक्खे अणंतरं चयं चइत्ता बिसरीरेसु नागेसु उववज्जेज्जा ?, हंता गोयमा ! उववज्जेज्जा १ । से णं तत्थ अच्चिय-वंदिय-पूइय-सक्कारिय-सम्माणिए दिव्वे सच्चे सच्चोवाए संनिहिय-पाडिहेरे यावि भवेज्जा ?, हंता भवेज्जा २ । से णं भंते ! तओहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता सिज्झेज्जा बुज्झेज्जा जाव अंतं करेज्जा ?, हंता सिज्झिज्जा जाव अंतं करेज्जा ३ । देवे णं भंते ! महड्ढीए एवं चेव जाव बिसरीरेसु मणीसु उववज्जेज्जा, एवं चेव जहा नागाणं ४ । देवे णं भंते ! महड्ढीए जाव बिसरीरेसु रुक्खेसु उववज्जेज्जा ?, हंता उववज्जेज्जा एवं चेव ५ । नवरं इमं नाणत्तं जाव सन्निहियपाडिहेरे लाउल्लोइयमहिते यावि भवेज्जा ?, हंता भवेज्जा, सेसं तं चेव जाव अंतं करेज्जा ६ ॥ सूत्रं ४५९ ॥ अह भंते ! गोलंगूल-वसभे कुक्कुड-वसभे मंडुक्क-वसभे एए णं निस्सीला निव्वया निग्गुणा निम्मेरा निप्पच्चक्खाण-पोसहोववासा कालमासे कालं किच्चा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उक्कोसेणं सागरोवमट्ठितीयंसि नरगंसि नेरइयत्ताए उववज्जेज्जा ? १ । समणे भगवं महावीरे वागरेइ–उववज्जमाणे उववन्नेत्ति वत्तव्वं सिया २ । अह भंते ! सीहे वग्घे जहा उस्सप्पिणीउद्देसए जाव परस्सरे एए णं निस्सीला एवं चेव जाव वत्तव्वं सिया ३ । अह भंते ! ढंके कंके वि(पि)लए मग्गु(ड्डु)ए सिखीए, एए णं निस्सीला जाव उववज्जेज्जा ?, सेसं तं चेव जाव वत्तव्वं सिया ४ । सेवं भंते ! सेवं भंते ! जाव विहरइ ॥ सूत्रं ४६० ॥

॥ इति द्वादशमशतके अष्टम उद्देशकः ॥ १२–८ ॥

—:०:—

॥ अथ द्वादशमशतके देवाख्य-नवमोद्देशकः ॥

कइविहा णं भंते ! देवा पण्णत्ता ?, गोयमा ! पंचविहा देवा पण्णत्ता, तंजहा–भवियदव्वदेवा १ नरदेवा २ धम्मदेवा ३ देवाति(हि)देवा ४ भावदेवा ५, १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ भवियदव्वदेवा भवियदव्वदेवा ?, गोयमा ! जे भविए पंचिंदिय-तिरिक्खजोणिए वा मणुस्से वा देवेसु उववज्जित्तए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ भवियदव्वदेवा २, २ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ नरदेवा नरदेवा ?, गोयमा ! जे इमे रायाणो चाउरंतचक्कवट्टी उप्पन्न-समत्त-चक्क-रयणप्पहाणा नवनिहीपइणो समिद्धकोसा बत्तीसं रायवर-सहस्साणुजाय-मग्गा सागर-वर-मेहलाहिवइणो मणुस्सिंदा, से तेणट्ठेणं जाव नरदेवा २, ३ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ धम्मदेवा धम्मदेवा ?, गोयमा ! जे इमे अणगारा भगवंतो ईरियासमिया जाव गुत्तबंभयारी, से तेणट्ठेणं जाव धम्मदेवा २, ४ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ देवाधिदेवा देवाधिदेवा ?, गोयमा ! जे इमे अरिहंता भगवंतो उप्पन्ननाण-दंसणधरा जाव सव्वदरिसी, से तेणट्ठेणं जाव देवाधिदेवा २, ५ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–भावदेवा भावदेवा ?, गोयमा ! जे इमे भवणवइ-वाणमंतर-जोइस-वेमाणिया देवा देवगति-नाम-गोयाइं कम्माइं वेदेंति, से तेणट्ठेणं जाव भावदेवा ६ ॥ सूत्रं ४६१ ॥ भवियदव्वदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? किं नेरइएहिंतो उववज्जंति ? तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति मणुस्सेहिंतो उववज्जंति देवेहिंतो उववज्जंति ?, गोयमा ! नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खजोणिएहिंतोवि उववज्जंति मणुस्सेहिंतोवि उववज्जंति देवेहिंतोवि उववज्जंति, भेदो जहा वक्कंतीए सव्वेसु उववाएयव्वा जाव अणुत्तरोववाइयत्ति, नवरं असंखेज्जवासाउय-अकम्मभूमग-अंतरदीवग-सव्वट्ठसिद्धवज्जं जाव अपराजिय-देवेहिंतोवि उववज्जंति, णो सव्वट्ठसिद्धदेवेहिंतो उववज्जंति १ । नरदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ? किं

नेरतिए ? पुच्छा, गोयमा ! नेरतिएहिंतोवि उववज्जंति नो तिरिक्खजोणिए-हिंतो उववज्जंति नो मणुस्सेहिंतो उववज्जंति देवेहिंतोवि उववज्जंति २। जइ नेरइएहिंतो उववज्जंति किं रयणप्पभा-पुढवि-नेरइएहिंतो उववज्जंति जाव अहे-सत्तमा-पुढवि-नेरइएहिंतो उवज्जंति ?, गोयमा ! रयणप्पभा-पुढवि-नेरइएहिंतो उववज्जंति नो सक्कर जाव नो अहेसत्तमा-पुढवि-नेरइएहिंतो उववज्जंति ३। जइ देवेहिंतो उववज्जंति किं भवणवासि-देवेहिंतो उववज्जंति ? वाणमंतरदेवेहिंतो उववज्जंति ? जोइसियदेवेहिंतो उववज्जंति ? वेमाणियदेवेहिंतो उववज्जंति ?, गोयमा ! भवणवासिदेवेहिंतोवि उववज्जंति वाणमंतर एवं सव्वदेवेसु उववाएयव्वा वक्कंतीभेदेणं जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति ४। धम्मदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो जाव उववज्जंति ? एवं वक्कंतीभेदेणं सव्वेसु उववाएयव्वा जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति, नवरं तमा अहेसत्त-माए नो उववाओ असंखिज्ज-वासाउय-अकम्मभूमग-अंतरदीवग-वज्जेसु ५। देवाधिदेवाणं भंते ! कतोहिंतो उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति ? पुच्छा, गोयमा ! नेरइएहिंतो उववज्जंति नो तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति नो मणुस्सेहिंतो उववज्जंति देवेहिंतोवि उववज्जंति ६। जइ नेरइएहिंतो एवं तिसु पुढवीसु उववज्जंति, सेसाओ खोडेयव्वाओ, जइ देवेहिंतो उववज्जंति वेमाणिएसु सव्वेसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति, सेसा खोडेयव्वा ७। भावदेवा णं भंते ! कओहिंतो उववज्जंति ?, एवं जहा वक्कंतीए भवणवासीणं उववाओ तहा भाणियव्वो ८ ॥ सू० ४६२ ॥

भवियदव्वदेवाणं भंते ! केवतियं कालं ठिती पण्णत्ता ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं १। नरदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं सत्त वाससयाइं उक्कोसेणं चउरासीई पुव्वसयसहस्साइं २। धम्म-देवाणं भंते ! पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ३। देवाधिदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं बावत्तरिं वासाइं

उक्कोसेणं चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं ४। भावदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ५ ॥ सूत्रं ४६३ ॥ भवियदव्वदेवा णं भंते ! किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए पुहुत्तं पभू विउव्वित्तए ?, गोयमा ! एगत्तंपि पभू विउव्वित्तए पुहुत्तंपि पभू विउव्वित्तए, एगत्तं विउव्वमाणे एगिंदियरूवं वा जाव पंचिंदियरूवं वा पुहुत्तं विउव्वमाणे एगिंदियरूवाणि वा जाव पंचिंदियरूवाणि वा ताइं संखेज्जाणि वा असंखेज्जाणि वा संबद्धाणि वा असंबद्धाणि वा सरिसाणि वा असरिसाणि वा विउव्वंति विउव्वित्ता तओ पच्छा अप्पणो जहिच्छियाइं कज्जाइं करेंति १। एवं नरदेवावि, एवं धम्मदेवावि २। देवाधिदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! एगत्तंपि पभू विउव्वित्तए पुहुत्तंपि पभू विउव्वित्तए नो चेव णं संपत्तीए विउव्विसु वा विउव्विंति वा विउव्विस्संति वा ३। भावदेवाणं पुच्छा, जहा भवियदव्वदेवा ४ ॥ सूत्रं ४६४ ॥ भवियदव्वदेवाणं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति ? कहिं उववज्जंति ? किं नेरइएसु उववज्जंति ? जाव देवेसु उववज्जंति ?, गोयमा ! नो नेरइएसु उववज्जंति नो तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति नो मणुस्सेसु उववज्जंति देवेसु उववज्जंति, जइ देवेसु उववज्जंति सव्वदेवेसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्धत्ति १। नरदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, गोयमा ! नेरइएसु उववज्जंति नो तिरिक्खजोणियेसु उववज्जंति नो मणुस्सेसु उववज्जंति णो देवेसु उववज्जंति २। जइ नेरइएसु उववज्जंति, सत्तसुवि पुढवीसु उववज्जंति ३। धम्मदेवा णं भंते ! अणंतरं पुच्छा, गोयमा ! नो नेरइएसु उववज्जेज्जा नो तिरिक्खजोणिएसु उववज्जेज्जा नो मणुस्सेसु उववज्जेज्जा देवेसु उववज्जंति ४। जइ देवेसु उववज्जंति किं भवणवासि पुच्छा, गोयमा ! नो भवणवासिदेवेसु उववज्जंति नो वाणमंतरदेवेसु उववज्जंति नो जोइसियदेवेसु उववज्जंति वेमाणियदेवेसु उववज्जंति ५। सव्वेसु वेमाणिएसु उववज्जंति जाव सव्वट्ठसिद्ध-अणुत्तरोववाइएसु

जाव उववज्जंति, अत्थेगइया सिज्झंति जाव अंतं करेंति ६। देवाधिदेवा अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति ?, गोयमा ! सिज्झंति जाव अंतं करेंति ७। भावदेवा णं भंते ! अणंतरं उव्वट्टित्ता पुच्छा, जहा वक्कंतीए असुरकुमाराणं उव्वट्टणा तहा भाणियव्वा ८। भवियदव्वदेवे णं भंते ! भवियदव्वदेवेत्ति कालओ केवचिरं होइ ?, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं, एवं जहेव ठिई सच्चेव संचिट्ठणावि जाव भावदेवस्स, नवरं धम्मदेवस्स जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी ९। भवियदव्वदेवस्स णं भंते ! केवतियं कालं अंतरं होइ ?, गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो १०। नरदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं सातिरेगं सागरोवमं उक्कोसेणं अणंतं कालं अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं ११। धम्मदेवस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमपुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव अवड्ढं पोग्गलपरिट्टं देसूणं १२। देवाधिदेवाणं पुच्छा, गोयमा ! नत्थि अंतरं १३। भावदेवस्स णं पुच्छा, गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो १४। एएसि णं भंते ! भवियदव्वदेवाणं नरदेवाणं जाव भावदेवाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा नरदेवा देवाधिदेवा संखेज्जगुणा धम्मदेवा संखेज्जगुणा भवियदव्वदेवा असंखेज्जगुणा भावदेवा असंखेज्जगुणा १५ ॥ सूत्रं ४६५ ॥ एएसि णं भंते ! भावदेवाणं भवणवासीणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं सोहम्मगाणं जाव अच्चुयगाणं गेवेज्जगाणं अणुत्तरोववाइयाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया वा ?, गोयमा ! सव्वत्थोवा अणुत्तरोववाइया भावदेवा उवरिमगेवेज्जा भावदेवा संखेज्जगुणा मज्झिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा हेट्ठिमगेवेज्जा संखेज्जगुणा अच्चुए कप्पे देवा संखेज्जगुणा जाव आणयकप्पे देवा संखेज्जगुणा १। एवं जहा जीवाभि-

गमे तिविहे देवपुरिसे अप्पाबहुयं जाव जोतिसिया भावदेवा असंखेज्जगुणा २। सेवं भंते ! २ त्ति जाव विहरति ३ ॥ सूत्रं ४६६ ॥ बारसमसयस्स नवमो ॥

॥ इति द्वादशमशतके नवम उद्देशकः ॥ १२-९ ॥

॥ अथ द्वादशमशतके आत्माख्य-दशमोद्देशकः ॥

कइविहा णं भंते ! आया पण्णत्ता, गोयमा ! अट्ठविहा आया पण्णत्ता. तंजहा–दवियाया कसायाया योगाया उवओगाया णाणाया दंसणाया चरित्ताया वीरियाया १। जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स कसायाया जस्स कसायाया तस्स दवियाया ?, गोयमा ! जस्स दवियाया तस्स कसायाया सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण कसायाया तस्स दवियाया नियमं अत्थि २। जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स जोगाया ? एवं जहा दवियाया कसायाया भणिया तहा दवियाया जोगाया भाणियव्वा ३। जस्स णं भंते ! दवियाया तस्स उवओगाया एवं सव्वत्थ पुच्छा भाणियव्वा, गोयमा ! जस्स दवियाया तस्स उवओगाया नियमं अत्थि, जस्सवि उवओगाया तस्सवि दवियाया नियमं अत्थि ४। जस्स दवियाया तस्स णाणाया भयणाए, जस्स पुण णाणाया तस्स दवियाया नियमं अत्थि ५। जस्स दवियाया तस्स दंसणाया नियमं अत्थि, जस्सवि दंसणाया तस्स दवियाया नियमं अत्थि ६। जस्स दवियाया तस्स चरित्ताया भयणाए, जस्स पुण चरित्ताया तस्स दवियाया नियमं अत्थि, एवं वीरियायाएवि समं ७। जस्स णं भंते ! कसायाया तस्स जोगाया पुच्छा, गोयमा ! जस्स कसायाया तस्स जोगाया नियमं अत्थि, जस्स पुण जोगाया तस्स कसायाया सिय अत्थि सिय नत्थि ८। एवं उवओगायाएवि समं कसायाया नेयव्वा, कसायाया य णाणाया य परोप्परं दोवि भइयव्वाओ १। जहा कसायाया य उवओगाया य तहा कसायाया

य दंसणाया य कसायाया य चरित्ताया य दोवि परोप्परं भइयव्वाओ १० । जहा कसायाया य जोगाया य तहा कसायाया य वीरियाया य भाणियव्वाओ ११ । एवं जहा कसायायाए वत्तव्वया भणिया तहा जोगायाएवि उवरिमाहिं समं भाणियव्वाओ १२ । जहा दवियायाए वत्तव्वया भणिया तहा उवयोगायाएवि उवरिल्लाहिं समं भाणियव्वा १३ । जस्स नाणाया तस्स दंसणाया नियमं अत्थि, जस्स पुण दंसणाया तस्स णाणाया भयणाए, जस्स नाणाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण चरित्ताया तस्स नाणाया नियमं अत्थि, णाणाया वीरियाया दोवि परोप्परं भयणाए १४ । जस्स दंसणाया तस्स उवरिमाओ दोवि भयणाए, जस्स पुण ताओ तस्स दंसणाया नियमं अत्थि १५ । जस्स चरित्ताया तस्स वीरियाया नियमं अत्थि, जस्स पुण वीरियाया तस्स चरित्ताया सिय अत्थि सिय नत्थि १६ । एयासि णं भंते ! दवियायाणं कसायायाणं जाव वीरियायाण य कयरे २ जाव विसेसाहिया ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ चरित्तायाओ, नाणायाओ अणंतगुणाओ, कसायाओ अणंतगुणाओ, जोगायाओ विसेसाहियाओ वीरियायाओवि, उवयोगदवियदंसणायाओ तिन्निवि तुल्लाओ विसेसाहियाओ १७ ॥ सूत्रं ४६७ ॥ आया भंते ! नाणे अन्नाणे ?, गोयमा ! आया सिय नाणे सिय अन्नाणे, णाणे पुण नियमं आया १ । आया, भंते ! नेरइयाणं नाणे अन्ने नेरइयाणं नाणे ? गोयमा ! आया नेरइयाणं सिय नाणे सिय अन्नाणे, नाणे पुण से नियमं आया, एवं जाव थणियकुमाराणं २ । आया भंते ! पुढविकाइयाणं अन्नाणे नाणे पुढविकाइयाणं अन्नाणे ? गोयमा ! आया पुढविकाइयाणं नियमं अन्नाणे, अन्नाणेवि नियमं आया ३ । एवं जाव वणस्सइकाइयाणं बेइंदिय-तेइंदिय जाव वेमाणियाणं जहा नेरइयाणं ४ । आया भंते ! दंसणे अन्ने दंसणे ? गोयमा !, आया नियमं दंसणे, दंसणेवि नियमं आया ५ । आया भंते ! नेरइयाणं दंसणे अन्ने नेरइयाणं

दंसणे ?, गोयमा ! आया नेरइयाणं नियमा दंसणे दंसणेवि से नियमं आया एवं जाव वेमाणियाणं निरंतरं दंडओ ६ ॥ सूत्रं ४६८ ॥ आया भंते ! रयणप्पभापुढवी अन्ना रयणप्पभा पुढवी ?, गोयमा ! रयणप्पभा सिय आया सिय नो आया, सिय अवत्तव्वं आयाति य नो आयाइ य १ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ रयणप्पभा पुढवी सिय आया सिय नो आया, सिय अवत्तव्वं आतातिय नो आतातिय ?, गोयमा ! अप्पणो आदिट्ठे आया परस्स आदिट्ठे नो आया, तदुभयस्स आदिट्ठे अवत्तव्वं रयणप्पभा पुढवी आयातिय नो आयाति य, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव नो आयातिय २ । आया भंते ! सक्करप्पभा पुढवी जहा रयणप्पभा पुढवी तहा सक्करप्पभाएवि एवं जाव अहे सत्तमा ३ । आया भंते ! सोहम्मकप्पे पुच्छा, गोयमा ! सोहम्मे कप्पे सिय आया सिय नो आया जाव नो आयाति य ५ । से केणट्ठेणं भंते ! जाव नो आयातिय ?, गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया परस्स आइट्ठे नो आया, तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं, आताति य नो आताति य, से तेणट्ठेणं तं चेव जाव नो आयाति य, एवं जाव अच्चुए कप्पे ६ । आया भंते ! गेविज्जविमाणे अन्ने गेविज्जविमाणे एवं जहा रयणप्पभा तहेव, एवं अणुत्तरविमाणावि, एवं ईसिपब्भारावि ७ । आया भंते ! परमाणुपोग्गले अन्ने परमाणुपोग्गले ? एवं जहा सोहम्मे कप्पे तहा परमाणुपोग्गलेवि भाणियव्वे ८ । आया भंते ! दुपएसिए खंधे अन्ने दुपएसिए खंधे ?, गोयमा ! दुपएसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाइ य नो आयातिय ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय आया य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ५ सिय नो आया य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ६, ९ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं तं चेव जाव नो आयाति य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य, गोयमा ! अप्पणो आदिट्ठे आया १ परस्स आदिट्ठे नो आया २

तदुभयस्स आदिट्ठे अवत्तव्वं दुपएसिए खंधे आयाति य नो आयाति य ३ देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे दुप्पएसिए खंधे आया य नो आया य ४ देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे तदुभयपज्जवे दुपएसिए खंधे आया अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ५ देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे तदुभयपज्जवे दुपएसिए खंधे नो आया य अवत्तवं आयाति य नो आयाति य ६ से तेणट्ठेणं तं चेव जाव नो आयाति य १० । आया भंते ! तिपएसिए खंधे अन्ने तिपएसिए खंधे ?, गोयमा ! तिपएसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय आया य नो आयाओ य ५ सिय आयाउ य नो आया य ६ सिय आया य अवतव्वं आयाति य नो आयाति य ७ सिय आयाइय अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य ८ सिय आयाओ य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ९ सिय नो आया य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य १० सिय आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य ११ सिय नो आयाओ य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १२ सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य १३, ११ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ तिपएसिए खंधे सिय आया एवं चेव उच्चारेयव्वं जाव सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ?, गोयमा ! अप्पणो आइट्ठे आया १ परस्स आइट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आइट्ठे अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ३ देसे आइट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाय नो आया य ४ देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आइट्ठा असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य नो आयाओ य ५ देसा आदिट्ठा सब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाओ य नो आया य ६ देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे

देसे आदिट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाइ य ७ देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आदिट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे आया य अवत्तव्वाइं आयाउ य नो आयाउ य ८ देसा आदिट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आदिट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आयाउ य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ९ एए तिन्नि भंगा, देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे नो आया य अवत्तव्वं आयाइ य नो आयाति य १० देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आदिट्ठा तदुभयपज्जवा तिपएसिए खंधे नो आया य अवत्तव्वाइं आयाउ य नो आयाउ य ११ देसा आदिट्ठा असब्भावपज्जवा देसे आदिट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे नो आयाउ य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य १२ देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे तदुभयपज्जवे तिपएसिए खंधे आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाइ य १३ से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ तिपएसिए खंधे सिय आया तं चेव जाव नो आयाति य १२ । आया भंते ! चउप्पएसिए खंधे अन्ने चउप्पएसिए खंधे पुच्छा, गोयमा ! चउप्पएसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ३ सिय आया य नो आया य ४ सिय आया य अवत्तव्वं ४ सिय नो आया य अवत्तव्वं ४ सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य १६ सिय आया य नो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य १७ सिय आया य नो आयाओ य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य १८ सिय आयाओ य नो आया य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ११, १३ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ चउप्पएसिए खंधे सिय आया य नो आया य अवत्तव्वं तं चेव अट्ठे पडिउच्चारेयव्वं ? गोयमा ! अप्पणो आदिट्ठे आया १ परस्स आदिट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आदिट्ठे

अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ३ देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे चउभंगो, सब्भावपज्जवेणं तदुभयेण य चउभंगो असब्भावेणं तदुभयेण य चउभंगो, देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आया य नो आया य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य, देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे देसा आदिट्ठा तदुभयपज्जवा चउप्पएसिए खंधे भवइ आया य नो आया य अवत्तव्वाइं आयाओ य नो आयाओ य १७ देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे देसा आदिट्ठा असब्भावपज्जवा देसे आदिट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आया य नो आयाओ य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य १८ देसा आइट्ठा सब्भावपज्जवा देसे आइट्ठे असब्भावपज्जवे देसे आइट्ठे तदुभयपज्जवे चउप्पएसिए खंधे आयाओ य नोआया य अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ११ से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ चउप्पएसिए खंधे सिय आया सिय नो आया सिय अवत्तव्वं, निक्खेवे ते चेव भंगा उच्चारेयव्वा जाव नो आयाति य १४। आया भंते ! पंचपएसिए खंधे अन्ने पंचपएसिए खंधे ?, गोयमा ! पंचपएसिए खंधे सिय आया १ सिय नो आया २ सिय अवत्तव्वं आयाति य नो आयाति य ३ सिय आया य नो आया य सिय अवत्तव्वं ४ नो आया य अवत्तव्वेण य ४ तियगसंजोगे एक्को ण पडइ १५। से केणट्ठेणं भंते ! तं चेव पडिउच्चारेयव्वं ?, गोयमा ! अप्पणो आदिट्ठे आया १ परस्स आदिट्ठे नो आया २ तदुभयस्स आदिट्ठे अवत्तव्वं ३ देसे आदिट्ठे सब्भावपज्जवे देसे आदिट्ठे असब्भावपज्जवे एवं दुयगसंजोगे सव्वे पडंति तियगसंजोगे एक्को ण पडइ १६। छप्पएसियस्स सव्वे पडंति जहा छप्पएसिए एवं जाव अणंतपएसिए १७। सेवं भंते ! सेवं भंतेत्ति जाव विहरति १८ ॥ सूत्रं ४६१ ॥

दसमो उद्देसो समत्तो ॥ बारसमं सयं समत्तं ॥

॥ इति द्वादशमशतके दशम उद्देशकः ॥१२-१०॥ ॥ इति द्वादशमं शतकम् ॥१२॥